

PUBLISHED BY AUTHORITY

नई दिस्लो, शनिवार, अन्तूबर 26, 1985 (कार्तिक 4, 1907) सं• 43] No. 431 NEW DELHI, SATURDAY, OCTOBER 26, 1985 (KARTIKA 4, 1907)

इस भाग में भिन्न पष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के कद में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part is order that it may be flied as a separate compilation)

भाग III-खण्ड I

[PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक्त और नहालेबापरीक्षक, संत्र लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसुचनाएं (Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union

Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा ध्रायोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 30 सित्तम्बर 1985

सं० ए० 32014/1/81-प्रगा० II शष्ट्रीय भवन संगठन के बार्ष्ट अन्येषक तथा आयोग दे नार्यालय में सम्प्रति केरिष्ठ अनु-संघान श्राध ारः (श्रनुसं० एवं विश्ले०) के रूप में कार्यरत श्री एस० रामकृष्णन की सेवाएं 30 सितम्बर, 1985 के श्वाराष्ट्र से राष्ट्रीय भवन संगठन को पूनः सौंपी जाती हैं।

2. श्री रामकृष्णन को 30-9-1985 से 11-11-1985 तक 43 दिन का भ्रजित प्रवकाश की समाप्ति पर श्री राम-कुष्णन उप निदेशक (सूचना) राष्ट्रीय भवन संगठन, निर्माण भवन, नई दिल्ली में कार्यभार संभालेंगे।

> एम० पी० जैन, ग्रवर सचिव (प्रशा०) करी सचिव संघ लोक सेवा श्रायोग

नई दिल्ली-110002, दिनांक 2 सितम्बर 1985

प्रशासनिक सुधार विभाग के का० ज्ञा० सं० 33/12/73-स्था० (क) दिनांक 24 नवम्बर, 1973 की मती के अनुशार संघ लोक सेवा धायोग के कार्यालय में के० स० से० संवर्ग के स्थाई सहायक तथा तदर्थ श्राधार पर स्थानायन्त अन्भाग मधिकारी श्री एस० बी० गुप्त की राष्ट्रपति द्वारा 31 मगस्त,

1985 प्रपराह्न से नियर्तन भ्राय होने के पश्चात सरकारी सेवा से निवृत्त होने की सहर्प श्रनुमति प्रदान की जाती है।

38013/1/85-प्रशा० III---कार्मिक श्रीर **ा** गासनिक सुधार विभाग के का० ज्ञा० सं० 33/12/73-स्था० (क) दिनांक 24 नवम्बर, 1973 की मतीके मनुसार संघ लाक सेवा श्रायोग में के० स० से० संवर्ग के स्थाई सहायक तथा स्थानापन्न भ्रतुभाग श्रधिकारी श्री ए० एस० नाट को राष्ट्रपति द्वारा 31 अगस्त, 1985 के अपराह्म से निवर्तन भ्राय होने पर सरकारी सेवा से सेवा निवृत्त होने की सहयं अनुमति प्रदान की जाती है।

विनांक 19 सितम्बर 1985

मं० ए० 19014/9/82-प्रशा० I--संघ लोक सेवा भागोग के कार्यालय में सम्प्रति अवर सचिव के पद पर प्रति-नियुक्त केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा के अधिकारी श्री शी० लक्ष्मण राव की कार्यावधि समाप्त होने के पश्चात उन्हें 19-9-85 (अपराह्म) से कार्यभार से मुनत किया जाता है।

श्री राय को 20-9-1985 से 31-10-1985 तक 42 दिन का अजित अवकाश स्वीकृत किया गया है। अदकाश

(36075)

296 GI/85

की समाप्ति पर श्री राव महानिदेशक (निर्माण) के० लो० नि० वि०, निर्माण भवन, नई दिल्ली में कार्य भार संभालेंगे। एम० पी० जैन, श्रवर सचिव का० प्रशा० संघ लोक सेवा श्रायोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 16 सितम्बर 1985 सं० ए० 19013/2/81-प्रशा०-1—संघ लोक सेवा धायोग के कार्यालय में उप सचिव के रूप में प्रतिनियुक्त भा० ले० एक ले० प० सेवा के प्रधिकारी श्री धार० नटराजन की कार्यावधि समाप्त होने पर उनकी सेवाएं 16 सितम्बर, 1985 के पूर्वाह्न से भारत के नियंत्रक व महालेखा परीक्षक को सौंपी जाती हैं।

> डा० कैलाश प्रसाव उप सचिव (प्रशा०), संघ लोक सेवा ग्रायोग

केन्द्रीय सतर्कता श्रायोग नई दिल्ली, दिनांक 30 सितम्बर, 1985

सं० 4 ई० पी० आर० एस-315 — निर्वतन की आयु होने पर, इस आयोग में स्थाई सहायक तथा स्थानापन्न धनुभाग अधिकारी, श्री जगदीश चन्द्र कपूर, 30 सितम्बर, 1985 (अपराह्म) से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये हैं।

> कृष्ण लाल मल्होझा, श्रवर सचिव, (प्रशासन) कृते केन्द्रीय सतर्कता श्रायुक्त

का० और प्रशिक्षण, प्रशा० सु०, लोकशिकायत तथा पेंशन मंत्रालय कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग केन्द्रीय अन्वेत्रण ब्यूरो

नई दिल्ली-110003, दिनांक 4 ग्रम्तूबर, 1985

सं० ए० 19021/5/82-प्रणा० 5—-श्री ग्रार० गण-पाथिश्रप्पन, पुलिस ग्रधीक्षक, केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना, धार्थिक श्रपराध स्कंध, मद्रास शाखा की सेवार्ये दिनांक 31 श्रगस्त, 1985 श्रपराह्म से "तत्काल समाह ति" श्राधार पर सतर्कता ग्रधिकारी के रूप में कार्य भार ग्रहण करने के लिये मद्रास रिफाईनरीज लि०, मद्रास को सौंपी जाती है।

> भार० एस० नागापाल, प्रणासन भ्रधिकारी (स्था०) केन्द्रीय भन्वेयण ब्यरी

गृह मंत्रालय

पुलिस श्रनुसंघान एवं विकास ब्यूरो नई दिल्ली-11 दिनोक 3 सितम्बर, 1985 सं० 3/29/85-प्रणा०:--राष्ट्रपति, श्री बी० के क्षील, भाई० पी० एस० (राजस्थान 1956) को पुलिस भ्रनु-संघान एव विकास ब्यूरो में दिनांक 18 सितम्बर, 1985 (पूर्वाह्न) से बेतनमान 2500—2750 में भ्रगले भ्रादेशों तक निदेशक (प्रशि०) के पद पर नियुक्त करते हैं।

> एस० के० मल्लिक, महानिदेशक,

समन्वय निदेशालय, (पुलिस बेतार)

नई दिल्ली-3, दिनांक 27 सितम्बर 1985

सं० ए० 12012/1/81-प्रशासन-11--इस इस निदेशालय की 6-8-84 तथा 18-3-1985 की समसंख्यक ग्रिध-सूचना के श्रागे अनुक्रम में निदेशक पुलिस दूर संचार, समन्वय निदेशालय (पुलिस बेतार) के वरिष्ठ तकनीकी सहायक श्री जयचन्द को समन्वय निदेशालय (पुलिस बेतार) में तदर्थ ध्राधार पर 3 मई, 1985 (पूर्वाह्म) के भगले 6 मास के लिये या जब तक यह पद नियमित भ्राधार पर भरा न जाये इसमें जो भी पहले हो तक 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में भ्रांतिरक्त सहायक निदेशक के पद पर नियम्त करते हैं।

विनोक 30 सितम्बर 1985

सं० ए 12012/1/83-प्रणा०-II — दिनांक 11-9-85 के कार्यालय आदेश भाग-II (सं० 206/85) के द्वारा श्री श्रार० सी० मिल्ला को अतिरिक्त सहायक निदेशक के पद पर नियुक्ति होने के फलस्वरूप इन्होंने दिनांक 11-9-85 की अतिरिक्त सहायक निदेशक (सभूह "ख" राजपित्त) के पद पर 650-30-740-35-810-द० रो० 35-880-40-1000-द० रो० -40-1200 रूपये के वेतनमान में तदर्थ श्राधार पर 3-11-1985 श्रपराह्म या पद नियमित रूप से भरने तक जो भी पहले हो कार्यभार ग्रहण कर लिया है।

बी० के० दुबे,

निदेशक पुलिस दूरसंचार

महानिवेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, नई दिल्ली-3, दिनांक 27 सितम्बर 1985

सं० ग्रो० दो-4/85-प्रशा० 3 — केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के श्री रतन सिंह, सूबेदार मेजर (कार्यालय श्रवीक्षक) को बल के महानिदेशालय में दिनांक 9 सितम्बर, 1985 (पूर्वाह्म) से ग्रनुभाग ग्राधिकारी के पद पर पदोन्नत किया गया है।

सं० ग्रो०-दो-6/85 प्रशासन-3:—केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के श्री एस० एस० नैयर, सूबेदार मेजर (कार्यालय ग्राधीक्षक) को बल के महानिदेशालय में दिनांक 23 सितम्बर, सन 1985 (पूर्वाह्न) से भ्रनुभाग श्रिधिकारी के पद पर पदीन्नत किया गर्था है।

दिनांक 4 अक्तूबर, 1985

सं० ग्री० दो-902/77/85-प्रशासन-3-इस महा-निदेशालय के श्री वी० पी० मनोवा, अनुभाग अधिकारी को दिनांक 1 अगस्त, 1985 (पूर्वाह्म) से वेतन व लेखा कार्यालय में संयुक्त सहायक निदेशक (लेखा) लेखा परीक्षक अधिकारी के पद पर पदोश्वन किया गया है।

> किशन लाल, उप निदेशक (प्रणासन)

नई दिल्ली-110003, दिनांक 1 अक्तूबर, 1985 सं० घो० दो 1972/84-स्था०- महानिदेशालय, बें।० रि० पु० बल ने डा० आर० एन० कामन को दिनांक 7-8-85 (पूर्वाह्म) से केवल 3 माह के लिये अथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक, इनमें से जो भी पहले हो, उस तारी व तक किन्छ विक्टिसा अधिकारी के पद पर तदर्थ का ते सहर्ष नियुक्त किया।

सं० ग्रो० दो-1972/84-स्यापना:--महानिदेशाक, के० रि०पु० जल ने डा० ग्रार० कामन को रिनॉक 6-5-85 (पूर्वाह्म) से के० रि० पु० बल में केजल 3 माह अथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने लक, इनमें से जो भी पहले हो, उस तारीख तक कनिष्ठ चिकिरसा अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप से सहर्ष नियुक्त किया।

दिनांक 3 अक्तूबर, 1985

सं० डी॰ एफ॰ 30/85 स्थापना 1—निम्नलिखित पुलिस उप अधीक्षकों, के॰ रि॰ पु॰ बल की सेवायें उनके सामने दर्शाई गई निथियों में डेयुटेशन आधार पर सी॰ आई॰ एस॰ एफ॰ को सौंपी जाती हैं:

(पूर्वाह्न)

1. श्री विरेन्द्र सिंह, 37 वाहिनी, 20-8-85

सन्त राम, 25 वाहिनी
 22-8-85

अशोक राज महीपति, सहायक निवेशक (स्थापना) नेन्द्रीय श्रीद्योगिक सुरक्षा बल महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनाक 30 सितम्बर 1985

सं० ई-16013(1)/3/81-कार्मिक-1--राज्य संवर्गं को प्रत्यावर्तन होने के फलस्वरूप श्री ए० घटक, भा० पु० से० (पश्चिम वंगाल: 59) ने 16 सिनम्बर, 1985 के पूर्वाह्मन से केन्द्रीय श्रोबोगिक सुरक्षा बल, पूर्वी क्षेत्र, कलकता के उप महानिरीक्षक के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

> ह० ग्रपठनीय महानिदेशक के॰ ग्रो०सु०ब०

नई डिल्ली, दिनां अ 3 अक्लूबर 1985

सं० ई० 28013/2/83 कार्मिक 11:—अधिवर्षिता पर निवृत्ति होने के फजरवरूग श्री ए० डी० कव हड़, भा० पु० से० (महाराष्ट्र: 1972) ने 30~9~1985 (अपराह्म) से महानिदेशालय, कन्द्रीय श्रीयोगिक सुरक्षा बल, (गृह मंत्रालय), नई दिल्ली के सहायक महानिरीक्षक के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सुनील कृष्ण, सहायक महानिरीक्षक कार्मिक

भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय

मई दिल्ली-110011, दिनां क 3 अक्तूबर, 1985

पं सं 11/1/85-प्रशा० — राष्ट्रपति, निम्तलिखित अन्वेषकी को जी नीवे कालम 4 में उनके नामों के सामने दिश्वत कार्यालयों में कार्यरत हैं, पदोल्लित द्वारा पूर्णत: अस्थाई भीर तदर्थ आधार पर 700-40-900-इ० रो०-40-1100-50-1300 ६० के वेडलमान में उनके नामों के सामने नीचे कालम 3 के दिश्वत तारीख से 28-2-86 तक अथवा श्राब तक पद नियमित अधार पर भरे जायों, जो भी पहले हो, सहायक निवेग का जनगणना कार्य (तक्तीकी समूह 'क' राजपित्रत) के पद पर सहर्थ नियुक्त करते हैं और उन्हें नीचे कालम 5 में उनके नामों के सामने दिश्वत जार्यालयों में तैनात करते हैं :--

			•
अधिकारी का नाम क० सं०	नियुक्ति की तारीख	जिस कार्यालय में कार्यरत हैं	जिस कार्यालय में पदोक्सित पर तैनास किया जाता है।
1 2	3	4	5
1. श्री एम० बी० राव	(पूर्वाह्न) 25-6-85	भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय, नई दिल्ली	जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय, आन्च्र प्रदेश, हैदराबाद।
2. श्री राजेन्द्र प्रसाद	30-7-85	जनगणना कार्य निवेशक का कार्यालय, बिहार पटना	जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय, बिहार, पटना
3. श्री ए० बी० अरेक्री	2-8-85	भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय, नई दिल्ली	भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय, मई दिस्सी

2. उपरोधा पत्रों पर प्रारंगी शिक्षित्रमां संबंधिय अधि-कारियों की सहाया शिदेगत (जालणना कार्य (प्रानिकी) के पद पर भियमि। नियुलि के लिये कोई हक प्रदान मही करेगी। प्रदर्ग आधार पर उनकी सेवायों उस ग्रेड सें बरिष्ठता श्रीर आगे उच्च पद पर पदीप्रति के लिये नहीं गिनी जाएंगी। उपरोगः पदों पर पद्में नियुलित्यों की सभम प्राधिकारी के विवेज परिजिती भी समय बिना कोई अलग कारण बालये रह दिया जा सकता है।

विनोत 7 श्रम्बर 1985

सं 0 10/44/82-11370 1--- राष्ट्रगति, नई दिल्ली में भारत के महारिजिस्ट्रार के जाविता के श्री बीठ पीठ जैन, लेखा अधिकारी की उसी कार्यात्म में प्रतितिमुक्ति के आधार पर सारीख 3 अक्तूबर, 1985 के पूर्वाह्म से तीन वर्ष से अवधिक अवधि के विने अयवा अगले आदेशों एक, जोभी पहले हो सहायक विनेश के के पन पर सहबं नियुक्त करते हैं।

2. उनका मुख्यालय नहीं दिल्ली में होगा।

बी० एस० वर्मा, मारत के महारजिस्ट्रार

वित मंत्रालय

(अधिक कार्यविमाग)

नासिक रोड, दिनांक 11 सिंधमंत्रर, 1985

सं० ६० एस० जी०-1-17/2677---महाप्रबन्धक, जलार्थ पत्र मुद्रणालय, नासिक रोड, श्री एम० एल० सीनवर्गे, अनुभाग अधिकारी को दिनाइ 11 तिस्त्रद, 1935 (दुर्गे हैं) से ६० 840--40--1000--ड० री०--40--1200 के वेतनमान में प्रशासन अधिकारी के रूप म नियुक्त करते हैं।

वे दो वर्ग राज अयका उपकी सेका निर्मृति राज जो भी पहले हो, परिकीकार्थीन पहेंगे

सं० ६० एस० जी०-1-17/2679--मिन्निम्बित की अवधि समाप्त हो जाने के फतरवला श्री एम० एन० सोनवणे, ने चलार्थ पत्र मुद्रणालय, नासिक रोडके ऋय अधिकारी कार्यात्र का पदमार दिनोत्त 11 नित्मवर, 1985 (पूर्वाह्म) से स्थाप दिना है।

सु० व० इडगुजी, महाप्रबन्धक

बैंक नोट मुद्रणालय,

देवास, दिनांक 27 सिसन्बर, 1985

संव बी० एन० पो०/सो/5/85—इस कार्यालय की सम संव्यक्त प्रधिन्यता विनोड 20-3-85 स्था 19-5-85 के प्रमुखरण में विशिव्यक्तियां प्रशिव्यक्तियां को सर्व नियुक्तियां उन्हों शर्मी व प्रमुखन्यों पर दिनांक 24--7-85 स्वरूपा भर्ती निजनों के अनुजार निजमित आधार पर नियुक्त किये जाने तक, जो भी पहले हो, बढ़ाई जाता है।

कसं०० अधिहारो का नाम पद जिल्लके विरूद्ध सदयें नियुक्ति की गई

सर्जश्रः

1. राम वृक्ष (ग्र॰ जा॰) सहाय ए ग्रियन्ता (यांत्रिकी)

2. मार० एन० ठाशुर (प्रजना) सहाय ह श्रीभयन्ता (वाता०)

3. के० के० गर्ग सहाय र प्रशियन्ता, (सिविल)

4. ए० के० चौहात (ग्रं० जा०) सहाय ः ग्राभयन्तः। (बिद्युत)

> मु० वे० चार, महाप्रबन्धक

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विमाग

महालेखा हार (लेखा तथा प्रधिकार) का कामीलय भुवनेश्वर, दिवीं हु 30 सितन्बर, 1985

सं० स्था० आ० न० 41— उड़ीसा के महालेखालार (हेखा तया अधि गर) ने हर्ष के साथ भारतीय लेखा तया लेखा परीक्षा विभागीय (प्रतासनिक अधि गरी, लेखा अधि गरी श्रीर लेखा परीक्षा परीक्षा अधि गरी) नियुवित निरमायली, 1969 के अनुभार इन कार्योक्षा के अनुभार अधि गरी श्री एन० श्रीनिमास राख को देवनमान 840-40-1000 ख० रो०-40 1200 पर दिनोग 2-9 85 (पूर्वा०) से अनले आदेश तक लेखा अव गरी के पद पर स्थानापन के तीर पर नियुक्त किया है। यह पदीनित अस्थाई तीर पर हैं और उच्च न्यायाक्षा उच्चतम न्यायाक्ष्य के विचाराधीन मामलों के अन्तिम निर्णय के अतं पर है और उनके विख्या के अन्तिम किया किया किया विना है।

के० एस० मेनन, वरिष्ठ उप महालेखा हार (प्रशासन)

रक्षा लेखा विभाग कार्यातय, रक्षा लखा महानियंत्रक

नई दिल्ली—110066, दिनांक 27 सिलंबर, 1985 सं० प्रग्ना० 1/1909/5/1:—श्री मननीहन सिंह, भाई० डी० ए० एस० (जिनको जन्मसिथ 08-09-1927 है) को दिनांक 07-09-85 को 58 वर्ष का प्रानु प्राप्त कर छेने पर दिनांक 30-9-85 (ग्रनराह्म) से सेवानियृत्ति होने पर दक्षा लेखा विमान के संख्या बल से हुटा दिया जायेगा और दिनांक 01-10-85 (पूर्वाह्म) से पेंशन स्थापना को प्रमारित कर दिया जाएगा। सं 1/1930/5/1--- एति एति निति, आहै है। एति एति (जिनसा अप दिशि 06-06-27 है) की दिनोंक 05-06-1985 की 58 वर्ष का आयु प्राप्त कर छेने पर दिनोंक 30-06-85 (अतिहा) से एक्षा छेखा विभाग के संख्याबल से हटा दिया गया है और क्षत्रनुपार दिनोंक 01-07-85 (पूर्वाह्म) से प्राप्त को अतिहित कर दिया गया है।

दिनां रु 30 सितन्बर 1985

मुद्धि पत्न

सं० प्रगा० II/2603/85— दिनो ह 10-3-84 के भारत रागात भाग-III, खण्ड-1 में प्रकाशित, स्याई प्रभाग प्रधि अस्यों (ठेन्ना) की, मूल प्रधारी लेखा प्रशिन्तिस्यों के का में निमुक्ति ने सम्बन्धित इस निभाग की दिनो ह 15-2-84 का श्रीधसुयना में निमुक्तिखित संशोधन हिया जाता है:—

कम संख्या 4 के सःमने

श्रं। ए ० कृष्णाम् ति

1-4-82 के लिये

1-4-81 पर्हें

कम संख्या 5 के सामने

श्रां प्राप्त डीव गौयल

1-4-82 के लिये

1-4-81 पर्वे

कम संख्या 6 के स.मने

श्री भारत संत्व भारताज

1-4-82 वेः लिये

1-4-81 ५ई

कम संख्या 84 के सःमते

श्री बसम्या सिंह

1-4-83 के लिये

1-4-82 দুৱ

ए० के० घोष, रक्षा लेखा श्वार महानियंत्रण (प्रशा०)

श्रम मंत्रालय

कारखाना सलाह सेवा श्रीर श्रम विज्ञान केन्द्र महानिदेशालय बन्बई-22, विनांक 30 स्टिगन्वर 1985

सं० 33/2/85-एयापनाः—विमानाः । तस कारखाना सलाह सेवा और श्रम विज्ञान केन्द्र बम्बई ने श्रः वं ।० बं ।० श्रहिरे को प्रशासनि । श्रीधि शरो के पद पर इस महानिदेशालय के श्रवं । नस्य कार्यालय क्षेत्रोय श्रम विज्ञान केन्द्र, मद्रास में दिनां क 9-9-85 (पूर्वाह्न) से श्रमले श्रादेश मिलने तक नियुक्त किया है।

दिनोंक 3 धन्तूबर 1985

मं० 5/3/85-स्थापना---उप महानिदेश ह भौर विभागा-हाक कारखाना सलाह सेश और श्रम विज्ञात, केन्द्र, बम्बर्ध ने श्रो तक्ष्म कुतार घोर को सहाय ह निदेश ह (हारागर भौर म्राभिन्यास विशेषज्ञ) के पद पर इस कारखाना सलाह सेना और श्रम बिजात केन्द्र महानिदेशालय में दिलांक 7-1-1985 (तूर्मिल्ल) ने मोलिन रूप से नियुक्त िया है।

> एस० बो० हेगडेपाटिल, उपमञ्जनिदेश ह और विभागाध्यक्ष

याणिज्य ग्रीर पूर्ति मंत्रालय (वाणिज्य विभाग)

कार्यालय विकास आयुक्त काडला उक्त व्यापार क्षेत्र गाँधीयाम (कच्छ)-370230, दिनां ह 3 श्रक्त्वर 1985

सं० मुत्र भे/त्रसा/ 7/2/79/15734— विशास मायुक्स, कांडता मुक्त व्यात्तर क्षेत्र, गांधाधाम (१च्छ), श्रा एन० श्रारम तत्त्रत, भ्रमा हल अधि प्रारो, मद्रास जाप्तत कार्यालय, मद्रास, को वित्त मंत्रालय के भाषत संख्या 10(24)/60 है० III दिनां प्र 4-5-1961 के आधार पर मूल्यों स्त अधि प्रारो के पद पर, जिसका वेतनमान ६० 650-30-740-35-810-ई० बी०-40-1200 है, प्रसिनियुद्धि की सतौ पर 16-9-1985 के पूर्वात्त्र से एक साल के लिये नियुक्त करते हैं।

टी० सी० ए० रंगादुराई, विकास श्रायुक्त, कॉडना मुक्त व्यापार क्षेत्र

उद्योग एवं कम्पना कार्य मंत्रालय श्रीधोगिक विकास विभाग

विकास भ्रायुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 27 क्तिन्बर 1985

सं० ए० 19018(95)/75-प्रकार (राज०)---इलै-न्य्रानिको त्रिभाग, नई दिस्ता में वैज्ञानिक इंजीनियरी, "एस० ई॰" के रूप में उनको नियुक्ति हो जाने के फलस्वरूप श्री धार० बो० कोकने ने, दिनांक 17 श्रगस्त, 1985 (श्रमराह्न) से लयु उद्योग सेमा संस्थान, बम्बई के उप निदेगक (इलैक्ट्रानिकी) के पद का कार्यभार छोड दिया ।

सं०ए० 19018 (782) / 85-प्रशा० (राज०) ---राष्ट्रपित, श्री सुमाष चौधरी को दिनांक 17-6-85 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक, लवु उद्योग सेवा संस्थान, गुवाहाटी के अधीन विस्तार, केन्द्र, तिनसुखिया में, सहायक निदेशक, ग्रेड-1 (यांतिकों) के पद पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 1 अन्तूबर 1985

सं० 12(331)/62-प्रणा० (रा०)—जबु उद्योग सेवा संस्थान, कानपुर में निदेशक, ग्रेड-II, (लंदर/फुटवियर) के पद से पदावनत होने पर, श्री डी० बी० कार उसी संस्थान में उप-निदेशक (लैंदर/फुटवियर) के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० 12(617)/69-प्रमा० (रा०)--राष्ट्रपति, समु उद्योग सेवा संस्थान, इलाहाबाद के सहायक निदेशक, ग्रेड-I (यांत्रिकी) श्री ग्रो० के गुण्या को उसी संस्थान में 7-6-85 (पूर्वाह्म) से अनले आदेशों तक, सहायक निदेशक, ग्रेड-1 (यांत्रिकी) के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 12(690)/71-प्रशा०(राज०) -- नेशनल इंग्योरेंस कम्पनी लि०, कलकत्ता के अधीन प्रशिक्षण केन्द्र, नरेन्द्रपुर में प्राध्यापक एवम् प्रशासक (फॅक्टि-कम-एडमिनिस्ट्रेटर) के रूप में उनकी नियुक्ति हो जाने के फनस्वरूप, श्री एम० के० मनूमदार ने दिनां स्व14-3-1985 (अनराह्म) से इस कार्यालय में उन निदेशक (प्रोधोगिक प्रवस्त्र प्रणिक्षण) के पद का कार्यभार छोड़ दिया ।

सं० ए० 19018(266)/76-प्रया० (रा०)-- जब्रु उद्योग विकास संगठन में पिति पुलित की अवधि समाप्त होते हो, जब्रु उद्योग सेवा संन्यान, कन इता के श्री अपनेन्दु मुखर्गी ने 1-7-1985 (पूर्वाह्म) से लेखा अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया ।

सी० सी० राय उपनिदेशक (प्रशासन)

पूर्ति स्था निष्टाम महानिदेशालय

(प्रशासन अनुभाग-1)

नई दिल्ली, दिमांक 23 सितम्बर 1985

सं ० प्र०1/1(1169)—नाष्ट्रासि ने पूर्ति स्था निपटाम निदेशालय, कलकत्ता के कार्यालय में सहायक निदेशक (प्रशा०) (ग्रेड—II) श्री बी० कें व्याना की, 23 अगस्त, 1985 के पूर्वाझ से उसी कार्यालय में नियमित आधार पर सहायक निदेशक (प्रशा० ग्रेड—I) के पद पर स्थानायक्ष रूप से नियुक्त किया है।

श्री बाना, दिनांक 23-8-1985 के पूर्वाह्म से वो वर्ष की अविध तक परिवीताबीत रहेंगे।

विनां र 30 सितम्बर 1985

सं० प्र-1/1(1183)—-त्राधैक्य आयु प्राप्त कर लेने पर इस मर्गियोगालय में स्थापी कलिब्ड प्रगति अधिकारी तथा स्थानापन सहायक निदेशक पूर्ति (ग्रेड-II) श्री बी० एस० कुछशाहा दिनांक 30-9-1985 के अपराह से सरकारी सेवा से निष्त हो गए हैं।

> राजवीर सिह उपनिदेशक (प्रशासन) इसे महानिदेशक, पुति सथा निपटान

इस्पात, खान भौर कीयला मंत्रालय

(खान विभाग)

भ।रतीय भूवैशानिक सर्वेज्ञण

कलकता-700016, विनाक 27 सितम्बर 1985

सं० 14101 सी०/ए-32013/(प्रशा० अधि०)/84/ 19ए-भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अधीक ह श्री बी० एत० पाल को प्रशा-सनिक अधिकारी के रूप में उसी विभाग में, नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200/- र० के वेतनमान के वेतन पर अस्यायी क्षमता में आगामी आदेश होने तक, 26/8/85 के पूर्वाह्म ते परोक्षति पर नियुत्त हर रहे हैं।

सं० 9575 ची/ए०-32013 (ए० ओ)/85/197.०भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के निम्नितिखित अवीक्षणों को प्रशासनिक अधिकारी के रूप में, उसी विभाग में नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000 द० रो०-40-1200/- र० के देतनमान के वेतन पर अस्थायी क्षमता में आगामी आदेश होने तक प्रत्येक के सामने दर्शायी गयी तिथि से पदोक्षति पर नियुक्त कर रहे हैं:--

ऋ ० सं ०	नाम	 नियुगित	ितिथ
	श्री एन० जी० श्रीयू० आर०	12-8-85 28-8-85	

अमित कुशारी निदेशक (कार्मिक)

भारतीय खान अपूरो

नागपुर, दिनांक 4 अक्तूबर 1985

सं०ए० 19012(178)83—स्था० ए०—श्री आर० आर० में हे ने भारतीय आयुध निर्माणी बोर्ड, रक्षा उत्भादन निर्माण, रक्षा मंत्रालय, भंडारा में सहायक निर्माण प्रबन्धक/ रसायनज्ञ के रूप में चुन लिए जाने के फलस्वरूप दिनांक 13 सित्तम्बर 1985 को अपराह्म में भारतीय खान खान ब्यूरो में सहायक रसायनज्ञ के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

> पी०पी० वादी प्रशासन अधि हारी कृते महानियंत्रक भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 27 सितम्बर 1985

सं० ए० 19011 (354) / 84-स्था० ए०---राष्ट्रपति, संघ लोक सेवा आयोग की तिफारिश पर श्री पार्थी प्रतिम चक्रवर्ती को भारतीय खान ब्यूरो में सहामक खान नियंत्रक के पद पर स्याता-पन्न रूप में विनांक 6 तिम्बर 1985 के पूर्वीह्म से आगामी आवेश तक सहर्ष नियुक्त करते हैं।

दिनांक 1 अक्तूबर 1985

सं० ए० 19012(185)/83-स्या० ए०--विभागीय पर्वोक्षति समिति की सिफारिका पर श्री गुरवेव सिंह, ,नक्शा एवं आरेखन अधिकारी (सदयं आधार पर) को भारतीय खान ब्यूरों में दिनांक 16 सिसम्बर 1985 के पूर्वाह्न से नियमित कप से नक्शा एवं आरेखन अधिकारी के पद पर पदोन्नति प्रदान की गई है।

सं० ए० 19012(184)/84—स्था० ए०—विभागीय पदोक्रीत समिति की सिफारिश पर श्री एच०एन० सेन, सर्वेक्षण अधि ठारी (तदर्थ आधार पर) को भारतीय खान ब्यूरों में दिनोंक 16 सितम्बर 1985 के पूर्वाह्म से नियमिन रूप में सर्वेक्षण अधिकारी के पद पर पदोक्षति प्रवान की गयी है।

> जी० सी० शर्मा सहायक प्रशासन अधिकारी कृते महानियंत्रक भारतीय खान ब्यूरी

स्वारण्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 27 सितम्बर 1985

> पी० के० घई उप निदेशक प्रशासम (सी०एण्ड की०)

कृषि भ्रौर ग्रामीण विकास मंत्रालय (कृषि श्रौर सहकारिता विभाग)

विस्तार निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 24 सितम्बर 1985

मि० सं० 2(4)/79-स्थापना(1)--दिनांक 9-9-1985 से विशेष अधिकारी (परियोजना) के पद के पदनाम को बदल कर सहायक प्रशासन अधिकारी कर दिए जाने के फलस्वरूप श्री एन० सी० जैन ने, जो विशेष अधिकारी (परियोजना) के पद पर तदर्य आधार पर स्थानापन्न तौर पर काम कर रहे थे, 9 सिलम्बर 1985 के पूर्वाह्म से उन्त पद का कार्यभार स्थाग दिया है।

2. विभागीय पदोन्नति समिति ग्रुप 'बी' की सिफारिशों पर श्री एन॰सी॰जैन,स्थायी अधीक्षक (ग्रेड-I) को 9 सितम्बर 1985 के पूर्वाह्म सं आगामी आदेशों तक विस्तार निदेशालय, कृषि ग्रीर सह कारिता विभाग, कृषि तथा ग्रामीण विकास मंत्रालय में ठ० 650-1200 के वेनतमान में सहायक प्रशासन अधिकारी, ग्रुप 'बी' (राजपवितः) के पद पर पदोन्नत किया गया है।

आर० जी० बनर्जी निदेशक (प्रशा०) (ग्रामीण विकास विभाग) विभणत एवं निरीक्षण निदेशालय फरीबाबाद, दिनांक 3 अक्तूबर 1985

सं० ए०-19023/2/85-प्र०-III--संघ लीक सेवा आयोग की संस्तृतियों के अनुसार कृषि विषणत सलाइकार, भारत सरकार द्वारा श्री एस०पी० भिन्दे को इस निदेशालय में सारीख 12-8-85 (पूर्वाच्च) से अगले आदेश होने सक स्थानानम विनणत अधिकारी (वर्ग-I) के रूप में नियुक्त किया गया है।

विशाणन अधिकारी के पद पर उनका चयन होने के उपरान्त श्री शिन्दे ने 5-8-85 के अपराह्म को सहायक विशाणन अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

> जे**० कृ**ण्णा निदेशक, प्रशासन **कृते** कृषि विष्णान सलाह्कार भाष्त सरकार

माभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र कामिक प्रभाग

बम्बई-400085, दिनांक 23 सिक्तम्बर 1985

सं० पी० ए०/80(5)/84/आर-III—-नियंत्रक, भाभा परमाण् अनुसंघान केन्द्र इस अनुसंघान केन्द्र के स्थायी सहायक सुरक्षा अधिकारी स्था परमाणु उर्जा विभाग के अन्तर्गर संपदा प्रवन्ध निदेशालय में स्थानापन्न तथा सदर्थ रूप में सुरक्षा अधिकारी पद पर नियुक्त श्री पी० जनार्वम को 29 अगस्त 1985 पूर्वाह्न से आगामी आदेश जारी होने तक भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र में नियमित आधार पर सुरक्षा अधिकारी पद पर नियुक्त करते हैं।

म० द० ग।डगिल उप स्थापना अधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग

नरौरा परमाणु विद्युत पश्योजना नरौरा, दिगांक 19 स्तिम्बर 1985

फ़ न न प नि प न भितीं/II (6) / 84-एस न / 10979--परियोजना निदेशक, नरीरा परमाणु विद्युत परियोजना न न प नि प न के अस्थायी सहायक लेखाकार श्री टी एम न गोविन्दन फुट्टी को नरीरा परमाणु विद्युत परियोजना में तदर्थ रूप में ए० 650-30-740-35-880-इ० री०-40-960 के वेतन मान में दिनांक 16 मई 1985 के पूर्वाह्म ने अग्रिम आदेशों तक अथवा निरन्तर पदधारी की नियुक्ति होने हो दोने में में जो भी पहले हो, के लिए सहायक लेखा अधिकारी वे पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० न०प० वि० प०/भर्ती/II(6)/84-एस-10980-- परियोजन निदेशक, नरौरा परमार्णु विद्युत परियोजना,

न० प० वि० प० के अत्यायी सहायक लेखाकार श्री एम० के ० सुरेश की नरीरा परमाणु विद्युत परियोजना में सवर्ष रूप से ४० 650-30-740-35-880-व० री०-40-960 के वितनमान में विनांक 10 जून 1985 के पूर्वीह्स से अग्रिम आदेशों तेक अयवा निरन्तर पद्यारी की नियुक्ति होने सक, दोनों में से जो भी पहले हो, के लिए सहायक लेखा अधिकारी के पद पर नियुक्त करते हैं।

आर० के० बाली प्रशासन अधिका**री**

भारी पानी परियोजनाएं

बम्भई 400008, दिनांक 27 सितम्बर 1985

सं० 0512/4/च्या० /पदो०/3616—मारी पानी परि-योजनात्रों के प्रधान नार्य नारी, भारी पानी संयंत्र (तूतीकोरिन) के सहायक लेखानार, श्री अन्नामलाई नटराजन को इसी कार्यालय में अर्पल 29, 1985 (अप०) से जून 5,1985 (पूर्वा०) तक के लिए श्री एस० रामन, रहायक लेखा अधिवारी, जो छुट्टी पर हैं, के स्थान पर अस्थायी रूप में, तदर्थ आधार पर स्थानापन सहायक लेखा अधिकारी नियुष्ट करते हैं।

> श्रीमती के० पी० करवाणीकुट्टी प्रशासन अधिकारी

निवेश र नागर विमानन का कार्यालय मई दिल्ली, दिनांक 3 अन्तूबर 1985

क्र॰ नाम सं॰	नियमित आधार पर ति र्	्भित की तारीख
सर्व/श्री		
1. सम्पूर्ण सिंह		1-12-84
2. आर० पी० गैं	धर	1-6-85
3. एस० के० नन्द	ET	1-7-85
4. पी एस० डोल	िक्या	1-7-85
5. टी० एम० सैन	नु इं।न	1-7-85

वी० जयचरद्रन उपनिवेशक, प्रशासन

केन्द्रीय उत्सद शुरुक एवं सीमा **गु**ल्क समाहर्तालय

कानपुर, दिनां रु 25 सितम्बर 1985

सं० 4/85—िमालिशिक्षत निरीक्षकों (प्रवाद श्रेणी) केन्द्रीय उत्ताद शुरू ने अवीक्षण पेन्द्रीय उत्ताद शुरू ने अवीक्षण पेन्द्रीय उत्ताद शुरू न वर्ग "ख" वे त्नान के 650—30—740—35—810—40 रो०—35—880—40—1000—द० रो०—40—1200/—के पद पर पदोक्षण होने पर अवीक्षण, केन्द्रीय उत्ताद शुरू के पद का कार्यभार उनके नाम के सामने दिए गए स्थान तथा तारीख़ को प्रहण कर लिया है:——

ऋ०स० भाम	रयात का नाम जहा कार्यभारग्रहण किया	पर कार्यभार ग्रह करने की सारीख
सर्वे श्री	المياسكونات او المستاليون منوات _{ال} ميدون من اونات ويرون منوات	
1. पी० एन० जैस्त्रार	मुख्यालय कानपुर	9-1-85
2. एम० एल० कुरील	बरेली प्रखण्ड	5-2-85
 राम प्रकाशः 	फर्रुखाबाद प्र खण्ड	28-2-85
4. जगरूप राम	कातपुर ⊸! प्रखण्ड	2-4-85
 सन्ब्राम 	कानपुर—I प्र खण्ड	4-4-85
6. ए० एन० शर्मा	का∵पुर–II प्रखण्ड	8-4-85
7. अगर्की लाल	कानपुर I प्रखण्ड	13-5-85
•		(अपराह्न)
8. सी०पी० सेल इर	फर्रुखाबाद प्रखण्ड	3-6-85
9. आर० एम० सहाय	मुखगलय का'₁पुर	2-8-85
10. के०एन० वीरीना	मुख्यालय कानपुर	6-8-85
11. एस० आर० पत्रार	मुख्यालय काभपुर	5-8-85

सं० 5/85 — इस समाहतील पारी निज्नलिखित वर्ग "ख" अधि तर्रा अधि विता का आयु पर उनके नाम के सामने दो गयो। तारीख से सरशरी सेवा से सेवा लिखत हो गए हैं :—

कः० ग्रंधिकारो दक्ष नतम एवं घट सं०	धिन ं क
सर्वश्री:	
 नथानं राम, प्रश्रोक्ष ह कानपुर -II प्रखण्ड 	30-3-85
(3	1385 को
	छुट्ट≀ होने के
	ास्या)
 सी०पी० सिंह, अत्रोक्षण सीटापुर प्रखण्ड 	30-4-85
 हरवरण सिंह, अब क्ष क भागरः प्रखण्ड 	31585
4. जे०पी० मर्मा, श्रवाक्षा । श्रापरा प्र खण्ड	31-7-85
 एल० पी० साह, प्रधीक्षक मुख्यालय जानपुर 	31-7-85

सं० 6/85---इस समाहर्तालय के निम्नलिखित वर्ग "ख" प्रशासिक अधिकारी/अहायक मुख्य लेखाधिकारी/लेखा परीक्षक, केन्द्रीय उत्सद शुरूक, अधिविक्ति की अध्य पर उनके नाम के सामने देश गया तारीख से सरकारी सेवा से सेवा निवत हो गए हैं :--

क० ग्रधिहारी का नाम सं०	सेवा निवृत्त होने की तारोख
सर्वश्री 1. ग्रार० एल० भाटिया 2. ग्रार० एस० सिन्हा 3. गणपत सहाय	30-4-85 31-5-85 28-6-85 29 व 306-85 को खुईं: होने के कारण)

जोः एस**ः मैंगी** स**माहर्ता** केन्द्रीय उत्पाद शुल्क का**नपुर**

वडोदरा, दिनां क 27 नवम्बर 1985

सं० 8/1985---केन्द्रीय उत्पादन ग्रीर सीमा शुल्क, मण्डल-III, वडोदरा के श्री वी० के० उपाध्याय, सहायक समाहर्ता (वर्ग "क") दिनांक 16--9-1985 को 58 वर्ष कें ही गए हैं। नदनुसार, वे दिनांक 30--9-1985 के श्रपराह्म में ृनिवर्तन सेवा निवृत्त होंगे।

> श्ररविन्द सिह्ना समाहर्ता, केन्द्रोय उत्पादन और सीमा शुल्क, वंडोदरा

केन्द्रीय जल ग्रायोग

नई दिल्ली-66, दिनांक 3 ग्रक्तूबर 1985

सं० ए-19012/1096/85-स्थापना पांच--विभागीय पदोन्नित समिति (समूह-ख) को सिफ़ारिशों पर, ग्रन्थक्ष, केन्द्रीय जल ग्रायोग, श्री ग्रवदेश शर्मा पर्यवेक्षक को केन्द्रीय जल ग्रायोग, श्री ग्रवदेश शर्मा पर्यवेक्षक को केन्द्रीय जल ग्रायोग में ग्रितिरिक्त सहायक निदेशक्षित्रसहायक इंजीनियर के ग्रेड में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में 9-5-1985 की पूर्वाह्न से ग्रन्थ ग्रादेशों तक नियमित ग्राधार पर नियुक्त करते हैं।

2. उपरोक्त अधिक के केन्द्रेश्य जल आयोग में अति-रिक्त सहायक निदेशक/पहायक इंजःनियर के ग्रेड में उपरोक्त तारीख से दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षा पर होंगे। सं० ए-19012/1121/85 स्था० पांच--- अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग, आ एम० मा० दास, वरिष्ठ अनुसंधान सहाय 5 को तहायक अनुसंधान अखिकारी (रसायन) के पद पर केन्द्रीय जल आयोग में ६० 650--30--740--35--810--द० रो०--35--880--40--1000 द० रो०--40--1200 के वेतनमान में पूर्णतः अस्थायी तथा तदर्थ आधार पर 13 सितम्बर 1985 का पूर्वाह्न ने 6 माह का अवधि के लिए अथवा पद के निर्यामत आधार पर भरे जाने त∴, जो भी पहले हो, नियुक्त करते हैं।

दिनांक 7 ग्रक्तूबर 1985

सं० ए-19012/1112/85 स्थापता पांच--- अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग श्री मोहम्मद अनवर अहमद पर्यवेक्षक को अतिरिक्त सहायक निदेश ह/सहायक इंजोनियर (इंजीनियरी) के ग्रेड में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपए के वेतनामन में 31-5-1985 की पूर्वाह्म से एए वर्ष की अविधि के लिए अथवा पद के निर्यामत आधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, पूर्ण अस्थायी और तदर्थ आधार पर स्थानापन रूप में नियुक्त करते हैं।

मीनाक्षी ग्ररोड़ा ग्रवर सचिव केन्द्रीय जल ग्रायोग

रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड)

नई दिल्ली, दिनांक 13 सितंम्बर 1985

सं० 85-ग्रार० ई०/161/6--- "पश्चिम रेलवे" के निम्निलिखत खण्डों पर स्थित रेल लाइनों ग्रौर परिसरों के सभी उपयोगकर्ताग्रों के सूचनार्थ एतद्द्वारा यह ग्रिधिसूचित किया जाता है कि इन लाइनों की शिरोपरि कर्षण तारों को निम्निलिखत खण्ड के सामने विनिर्दिष्ट तरीख को या से 25,000 वोल्ट ए० सी० से ऊर्जीयुक्त कर दिया जायेगा। उक्त तारीख से शिरोपरि कर्षण तारों को हर समय ऊर्जीयुक्त समझा जाए ग्रौर किसी भी ग्रनिध ते व्यक्ति को उक्त शिरोपरि तारों के निकट नहीं श्राना चाहिए ग्रौर न ही कोई काम करना चाहिए।

खण्ड	ता रीख
ринфица «Ад-инфица» инбормация франфицар просединцинар, принфицантурнар поднесовать принфицантурна франфица	
मयुरा⊸बयाना	
(कि. मी० 1243 में 1168)	14-09-1985

सं० 85 आर० ई०/161/6 - "मण्ड रेलते हैं निम्त-लिखित खण्डों पर लिएक रेल पाउनी और पिए पो हैं सभी उपयोग प्रतियों के सुबनार्थ एतद्वारा यह अधिमुक्ति किया जाता है हि इन लाइनों की शिरोपिर प्रण तारों को निम्न-लिखित खण्ड के सम्मे विनिधिष्ट तारीख़ को या से 25,000 बोल्ट ए० बा० से ऊर्जायुक्त कर दिया जायेगा। उका तारीख से शिरोपिर कर्षण तारों को हर समय ऊर्जायुक्त समजा जाये और किसी भी भ्रतिधात व्यक्ति को उक्त शिरोपरि तारों के निकट नहीं भ्राना चाहिए और नहीं कोई काम करना चाहिए।

खण्ड तारीख भांडई-स्वालियर (कि० मी० 1332 ने 1221/29-30) 31-7-1985

> ग्रमर नाथ **बाँ**षू सचिव, रेलवे बोर्ड

उद्योग भौर कम्यनी कार्य मंत्रालय (कम्पनी कार्य विभाग) कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

र्कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 श्रीर गार्डन सिटिज एण्ड होम कापटम् पाइवेट लिमिटेड के विषय में ।

्रलभना, दिनां ह 17 सितम्बर 1985

सं० 14311/560(3)—एम्पनं स्रिधिनियम, 1956 कः धारा 560 कः उपत्रारा (3) के अपुत्ररण में एतद्द्वारा यह सूचना दा जाता है कि इस नाराख में तीन मास के अवसान पर गार्डन सिटिज एण्ड होम काफ्टत प्राइवेट लिमिटेड पा नाम इतके प्रतिकृत कारण दिश्यत न किया गया तो रिलस्टर से काट स्थि। जनमा और उसने कम्पनी विषटित कर दी जायगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 श्रीर वि० वि० जि० इंजीनियरिंग इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

कल्कता, विनांक 17 सितम्बर 1985

सं० 26682/560(3)— कम्पनी ग्रधिनियस, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के मनुसरण में एसद्द्वारा यह सूचना वी जाती है कि इस तारोख से तीन मास के अवसान पर वि० वि० जि० इंजीनियरिंग इण्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटड का नाम इसके प्रतिकूल दिशित न किया गया तो रिजस्ट्र से काट दिया जायगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायगी।

पवित्र कृमार चटर्जी कम्पनियों का श्रक्तिरक्ति रजिस्ट्रार पश्चिम बंगाल

कम्पनी श्रिधिनियम 1956 श्रीर बिहार कन्स्ट्रक्शन प्राइवेट लिभिटड के विषय में ।

पटना , दिनाँग 27 सितम्बर 1985

मं० 668/560/4231---कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सुचना

वी जाती है कि विहार अन्स्ट्रवशन प्रा० लि० का नाम आज कम्पनियों के प्रिक्टर से काट दिया गया है भ्रीर उक्त कस्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी प्रधितियम 1956 श्रीर डा० सिहम इन्स्टीच्यूट श्राफ पैथोलीजी एण्ड ब्लुड वैकिंग प्रा० लि० के विषय में ।

पटना, दिनाँक 27 सितम्बर 1985

सं० (1286)/560/4184—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्-द्वारा सूचना दी जाती है कि डा० निहस इन्स्टीच्यूट आफ पैयो-लोजी एण्ड ब्लंड बैंकिंग प्रा० लि० का नाम आज कम्पनियों के रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है ।

कम्पनी भें अधिनिय 1956 और अलबिट इण्डिया प्राइवेट लिमिट के विषय में ।

पटना, दिनाँक 30 सितम्बर 1985

सं० (1078)/560/4222—कम्पती प्रिधिनियम, 1956की धारा 560की उपधारा (5) के प्रनुसरण में एतद्- द्वारा यह सूचना दी जाती है कि ग्रलबिट दण्डिया प्रा० लि० का नाम ग्राज कम्पनियों के रजिस्टर से काट दिया गया है ग्रौर उक्त कम्पनी विषटित हो गयी है।

कम्पनी श्रिधिनियम 1956 श्रौर कटयाल इण्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटड के विषय में ।

पटना, दिनाँक 30 सितम्बर 1985

सं० (701)/560 4225—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि कटयाल इण्डस्ट्रीज प्रा० लि० का नाम आज कम्पनयों के रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषटित हो गयी है।

कम्पनी श्रिधिनियम 1956 श्रीर कटिहार केडिट एण्ड इन्वेस्टमेंट कं० प्राइवेट लि० लिमिटेड के विषय में

पटना, दिनौक 30 सितम्बर 1985

सं० (1078) 560/4228—कम्पनी श्रिष्ठिनयम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसार एतदक्कारा सूचना दी जाती है कि कटिहार कैंडिट एण्ड इन्स्वेटपेंट कं०प्रा० लि० का नाम श्राज रिंज कम्पनियन के रजस्टर से काट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विघटिन हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम 1956 ग्रीर भारतीय क्लिणर्स लिमिटेट के विषय में ।

पटना, दिनाँक 3 अक्तूबर 1985

सं० 448/560/4339— कम्पनी मधिनियम 1956 की धारा 560 की उपद्यारा (5) के भनुसार एतद्वारा सूचना

दी जाती है कि भारतीय पब्लिशमं लिमिटेड का नाम भ्राज कम्पनियों के रजिस्टर से काट दिया गया है भ्रौर उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कस्पनी श्रिधिनियम, 1956 ग्रीर श्रीबंशी इण्डस्ट्रीज लिमिटेड के लिषय में।

पटना, दिनांक 3 श्रक्तूबर 1985

सं० 598/560/4342—कम्पनी श्रिधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसार एतद्श्वारा सूचना दी जाती है कि श्री बंशी इण्डर्स्ट्राज लिमिटेड का नाम श्राज कम्पनियों के रिजस्टर से काट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विषटित हो गयी है।

कम्पनी ग्रधिनियम 1956 ग्रौर स्पार्क प्रैय प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

पटना, दिनांक अश्रक्तूबर 1985

सं० 449/560/4346—कस्पनो अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुमार एतद्वारा भूचना दी जाती है कि स्मार्क प्रेष प्राइवेट लिमिटेड का नाम भ्राज कम्पनियों के राजिस्टर में काट दिया गया है स्रीर उक्त कम्पनी विधटित हो गयी है।

कम्पनी प्रधिनियम, 1950 श्रीर लाइफ भित्रिय एण्ड फाइनेंस कं० प्राइवेट लिसिटेड के विषय में !

<u>}</u>_

पदना, दिनांक 5 अक्तूबर: 1985

सं० (1155)/560/4219—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसार एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि लाइफ मेविंग्स एण्ड फाइनेंस कं० प्रा० लि॰ का नाम आज कम्पनियों के रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

> ए० वहाब भ्रन्सारी कम्पनी रजिस्ट्रार, बिहार, पटना

कम्पनी अधियिनम, 1056, श्रीनी पैकेर्जिंग प्राइवेट लि॰ के विषय में ।

हैदराबाद, दिनाँक 1 अन्तूबर 1985

सं० 3827/टी ए—III/560—कम्पनी श्रिधिनियम की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह मूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माध के श्रवसान पर श्रीनी पैकेजिंग प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिश्वत निकयातो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विष टित कर दी जाएगी।

सत्य प्रकाश तायल कम्पनियों का रजिस्ट्रार, श्रान्ध्र प्रदेश, हैदराबाद

संगठन श्रीर प्रावन्ध सेवा निदेशालय (स्रायकर) नई दिल्ली-110002, दिनाँक 30 वितम्बर 1985

मं० 36/4/82-प्रशा०-मं० प्र० से० नि०/4280-निवर्तन की प्रायु होने पर श्री परमेश्वरी सहाय
ने, जो निरीक्षण निदेशालय (ग्रायकर और लेखा परीक्षा), में
प्रधीक्षक थे तथा वर्तमान में इस निदेशालय में प्रतिनियुक्ति
पर प्रपर सहायक निदेशक के पद पर कार्य कर रहे थे, दिनाँक
30-9-1985 के पूर्वाह्म में संगठन श्रीर प्रबन्ध नेवा निदेशालय
(ग्रायकर) नई दिल्ली सें अपर सहायक निदेशक का कार्यभार
छोड़ दिया है।

एस० एम० चिक्करमने निदेशक्

प्ररूप आई. टी.एन.एस. ------

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-अ (1) के अधीन स्चना

भाग्त सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनौंक 13 सिनम्बर 1986

निर्देश सं० 37ईई/12339/84→85→-श्रतः मुझे, श्रनिल कुमार,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का बारण है कि स्थावर सम्बत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,006/- उन्ह सी अप करने हैं

श्रीर जिसकी सं ग्राहिट नं वर्षा, बंगला नं 30, मानसून लेक काटेजेप को ग्राहिप हाउपिय सोसायटे लि ब्राई एन एम व श्रियाजी रोड, लोनवला लें वे पा लोनवला (क्षेत्रफल 1100 चौ कुट, है तथा जो लोनवला में स्थित है (ग्रीप इसमें उपायं अनुसूची में ग्राप पूर्ण का संविक्त है) प्रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय सहायक श्रायकार ग्राम्युक्त (निर्माक्षण श्राजन रेंज, प्रजिस्ट्राहरण श्रिधिनियम 1908 (1908का 16) के श्रिधीन तारीख जनवरा, 1905

को पूर्वेक्त संपत्ति के उचित वाजार मूल्य में कम के दश्यान प्रित्यक्त के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रथापुर्वातत संपत्ति का उचित दाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफेल सं, एमें दश्यमान प्रतिफेल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के वीच एसे अन्तरण के लिए तय पाना गया प्रतिकत निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विश्वित में दास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने मों स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुविधा में सुविधा में सुविधा में सुविधा में सुविधा में सुविधा

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मेसर्स त्रिवेदी इस्टेट्स एन्ड कन्सद्रवशन प्रा० लि० 514, रहेफा सेंटर प्लाट नं० 214, नरीमन पाइन्ट, बस्बई ।

(अन्तरक)

(2) राजू हिन हस्त,
 माया प्लाट नं० 533, 17वीं रोड़, खाट,
 बम्बई।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

ज़क्त सम्पत्ति को कर्जन को सर्वध में काई भी काक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हां, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास जिस्ति में किए जा सकींगे।

स्पञ्जीकरणः --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पतों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नग्तृत्वी

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत नं० 37ईई/12339/84-85 जो जनवरी 1985 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण, अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> भ्रतिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज, पूना

दिनौंक : 13-9-1985

मोहर .

हरूप शाह , टॉ , युद , युश ,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आय्वत (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनाँकः 13 सितम्बर 1985

निदेश सं० 37ईई/511/84-85---- प्रतः मुझ, प्रनिल कमार.

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन, सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावह संपरित, जिसका उजित बाजार मृत्य 1,00,000/- रू. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० व्हीला नं० 15, श्रव्यलीया गार्डन देवलाली गाँव काम्प० सर्वे नं० 210/सी/। श्रीर 210/सी/2 (क्षेत्रफल 1018 'चौ० फुट) है नथों जो नाश्विक से स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप सर्वाणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय भहायक ग्रायकर आयुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन नारीख जनवरी 1985

ा पूर्वोक्त संपत्ति कं उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतिका की गर्ड हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत में अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतिरितियों के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (७) अन्तर्ग संहुई कियों जान की नामस्, उपक विधिनिक्य के क्षीम कर बोर्च की अभ्यारक के वाक्ति को क्षत्री करने ना उपने वर्ष में तुनिधा के प्रितः वर्षः/वा
- एमी किसी बाय या किसी धन या बन्च बास्तियों का, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्याजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था. क्रिपान में सुविधा के लिए;

ातः सम, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-छ को उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अथित्:— (1) श्री ह्वीताल इंश्या । श्वेल्पर्स एन्ड बिल्डर्स, मेहर बिल्डिंग, शिवाजी नगर, नासिक ।

(ग्रन्तरक)

(2) कसी कावमजी द्राम्बेबाला,, ग्रीर श्रन्य रेहना मंजिल, माहिम, बम्बई-16

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांई भी आक्षेप .--

- (क) इस सूचना को राजपक में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 विन की कवीं प्र को भी जबीं बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट स्वित्यों में से किसी स्वित्य द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ने 45 दिन के भीतर उन्त स्थानर संपत्ति में हित्बहर किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहरताक्षरी के पार. जिस्तित में किए ना सकींगे।

स्पक्तोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मा परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया प्या है।

अमसची

जैसा कि रिजस्ट्रीकृत नं० 37ईई/511/84-85 जी जनवरी 1985 को सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज, पूना के दपतर में लिखा गया है।

> श्रनिल कुमार नअम प्राधि हारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जेन रेंज, पून

दिनाँक : 13-9-1985

प्रस्था साह्ये, टो १२ एए । स्टन्स्टन

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के बधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यासम, सहायक भायकार जायुक्त (निराक्षण)

श्चर्जन रेंज, नागपुर नागपुर, दिनाँ र 3 नितम्बर 1985 निदेश संवग्नाई० ए० सी०/एक्यू०/23122/85-86--श्नतः मुझे, एम० सी० जोशी,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त जिथिनियम' कहा गया हैं), की भाष 269-स के अधीन सभाम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जिल्ल काजार बुल्स 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० प्लाटन० 104, पहला माला है जो प्लाटनं० 174 शिवाजीनगर नागपुर में विधन है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विधत है) र्राजस्ट्रीक्ष सिधकारी ने कार्यालय नागपुर (डाकुमेंटनं० 46116/84-85) में भारताय स्रायकर स्रिधिनयम 1961 की धारा 269 अब (1) (ब), के प्रधीन तारीख 5-1-1985

को प्यांक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करन का कारण है कि यथान्याक्त संपत्ति का उचित बाजार बृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकत से एक इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और यह कि अदरक (अंतरकों) और अंतरिती रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितियें उप्रक्रम में उक्त अन्तरण जिथित में वास्तविक रूप से करियन नहीं किया गया है :——

- (क) जन्तरक संहुई किथी जान की बावत, उक्त जिमितियम को अधीन कर देने के जन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जाँद/बा
- (ग) एसी किसी भाव का किसी भन वा बत्य जास्तियों की, जिस्हां भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1972 (1922 का 11) या लक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, (1957 (1957 का 27) के पर्याजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए भा जिल्लाने में सुनिभा के निए;

कता कथ, उक्त क्रीधीनवम की धारा 269-ग के बनुसरण कों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के जधीन, निम्निलिबिट व्यक्तियों, अर्थात —

- (1) रेणुका गृहिःमिणि सहकारी संस्था, 119 डॉंगा लेब्राईट उत्तर उवासरी रोड़,नागपुर। (धन्तरक)
- (2) रामचन्द मेघजी गोपलान, प्लाट नं० 28, विद्यानगर, यवतमाल : (ग्रन्तरिती)

का यह सूचना चारी करके प्वॉक्स सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के जवन क सम्बन्ध में कीड़ भी जाड़ने र---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीश सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृष्यत की तामील से 30 दिन की व्यक्ति, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथींक्व व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ब) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब हैं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वाग अधाहस्ताक्षरी की पास निश्चित में किए जा सकींगे।

स्पव्यक्तिरण:—हरामो प्रयुक्त कव्यों और पदा का, जो उन्ह अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहाँ अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया

अनुसूची

प्लाट नं । 104, पहिला मंजिल रेणुका गृहिनर्माण सहकारी संस्था, लाट नं । 174 सर्कल नं । 20, वार्ड नं । 73, शिवाजी नगर नागपुर ।

> एम० सी० जोशी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, नागपुर

दिनौंक : 3-9-1985

प्रकृष आहें दी युम प्र 🔻 🕟

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) কাঁ धारा 269-ছ से अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (मिरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनौंक 3 सितम्बर 1985

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्य/21/2285—86—-श्रत मझे एम० सं०जीशीः

आयकर अधिनियम, 1961 /1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्चार 'उझन अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम शाधिकारी को, यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

भ्रौर जिसकी सं० पर्लंट नं० 102 है था जो रेणुका गृह निर्माण सहकारी संस्था पर्लंट नं० 174 पर्कल नं० 20, वार्ड नं० 73, शिवाजी नगर में स्थित है (श्रौर इससे उपावद भ्रमसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय नागपुर (डाकुमेंट सं० 461161/84-85) में भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 के श्रिधीन नारीख 5-1-1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति को उचित दाजार मूल्य से कम को दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गर्छ है और मुक्ते यह विश्वास करने का काएण है कि उधाप्योंक्त सम्पिति का उचित बाजार मृल्य उसके शश्यमान पितिफल से एोसे क्यमान पितिफल का बन्द्रह प्रतिशास से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एोसे अस्परण को लिए तथ पारा बधा प्रति-धन, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में वास्तविक क्य से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) सन्तरण सं हुई किसी बाय की बायत अक्त सिंध-नियम के बंधीन कार दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; नौह/या
- (क) ऐसी जिस्सी लाग मा किसी धन या भाग जास्तियों करों. जिस्से भागकिए आयकार अधिनियम 1922 (1922 का 11) या सकत अधिनियम, या अब-भाग अधिनियम, या अब-भाग अधिनियम, १८७७ (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया राजा कर हर है किया गया

भार अस्त अस्त अभिनियम की भारत २०००- में अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा २६०-च की उपधार (1) के अधीन, निम्निर्सिख व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) जेणुका पृह् क्षिणि सहकारी संस्था, सर्वादिक राज, अना लेखाउट नागपुण, (प्रकारण)
- (2) श्रीमती बनिना वतमार्वा वीरकर, 19, डामा लेखाउट नागपुर प (अन्तराती)
- (3) श्री मारेतराव म पिपल, 212, गाँधीनगर, नागपुर। (वह व्यक्तित जिसके ग्राधिभोग से सम्पति है)।

को वह सूचना कारा करके वर्तिक्स २७५२ ज के उन्हें के लिए कार्यकारियों करता हा।

सकत सम्परित के कर्जन के क्रम्बन्ध को कार्ड भी बाध्येय:----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीय से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अमिथ, यां भी अविधि बाद में सवास होती हों, के मीतर प्रविचय स्वीधनायों प से किया स्वीचत तुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपन्ति में हित- अक्ष किसी जन्म व्यक्तित द्वारा, अपोहस्ताक्षरी के णष्ट निकास में किए जा सक्षांगं

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के मध्याय 20-क में यथा परिभाषित ही, वहीं जर्भ होगां. जा एम अध्यास में विशा गया है।

नन्स्यो

फ्लैंट नं ० 107, पहिला माला, रेणुका गृह्निर्माण सहकारी सस्था, मर्यादित प्लाट नं ० 174, नर्कल नं ० 20, वार्ड नं ० 73, जो शिवाजी नगर नागपुर में स्थित है।

> एम २ मा० आसी सक्षम प्राधिकारा महाय प्रायकस्य प्रायुक्तु (निरीक्षण प्रार्जन रेंज, नागपुर

ंदिनाँका 3⊶9∻1985 मोहार :

प्रक्रम शाहरे. टी. एन. प्रस्

भागकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुवा

मारक बद्रकार्

कार्यालय, सहायक मायकर धायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, नागपुर नागपुर, दिनौंक 3 सितम्बर

निवेश सं व्याई० ए० सी०/एक्यु/24/22/85-86-श्रतः

मुझे एम० सी० जोशी

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ंख को अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उपित बाकार मुख्य 1:00,000/- रहः से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं पुराना मकान प्लाट नं 0 13 है जो नझूल सिव नं 0 81मी समरावती में स्थित हैं (और इससे उराबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजिस्ट्रोकर्ता स्रिधिकारी के कार्यालय समरावती (डाकुमेंट सं 0 37184-85) सें भारतीय श्रायकर स्राधिनियम 1908 (1908 का 16) के स्रधीन सारीख 2-1-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुभो यह विद्यास करने का कारण है कि प्रधारवाँक्त संरक्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्दोध्य से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं विद्या गया है :——

- (कः बन्तरण से हुई किसी बाव की बाबस , उपस वीधिणयम के बधीन कर दोने के बन्तरण बी वायित्व में कमी करने या उससे बचने से सुविधा के किस; और/बा
- (क) एसी किसी नाम वा किसी पन वा नम्य नास्तिनों को, जिन्हों भारतीय नाम-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिन्हों भिनयम, वा भनकर निर्मित्सम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नभारिती द्वारा प्रकट नहीं किया भवा था या किया जाना चाहिए था कियाने में नृविधा के निर्देश

अत. ७४, उस्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण जैं. मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थत् :--- (1) 1 श्रोमती कमलाबाई मुरलीधरणी जित्नगाडीया 2 श्रीमती ताराबाई व्यारकादासणी श्रम्बाल . जवाहर गट, श्रमरावती ।

(भ्रन्तरक)

- (2) 1 पन्नालाल चौथमलजी चाडक,
 - 2. बालकियान पन्नालाल जी चाडक,
 - अंभिप्रकाश पन्नालाल जी चाडक, जवाहर गेंट, अमरावती ।

(भ्रन्तरिती)

को गृह सूचना जारी कारके प्वांकित संपालि के अर्थन के विष् कार्यनाहियां कारता हुन्।

उक्त संपरित के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप 🖫 🛶

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर सूचना की सामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी वस्थि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यादा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकासन की तारीच वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबह्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाव सिचित् में किए जा स्कोने।

लाकीकरण:-इसमं श्युक्त बन्दां और पदी का, जो उक्क जिथिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाजित है, बहुरी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विदा गवा है।

नगत्त्राची

पुराना मकान प्लाटनं० 131 नम्नुल सिट न० 81-सी जो भ्रमरावती वें स्थित है।

> एस० सी० जोगी गक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुकुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, नागपुर

दनौंक : 3∽9-1985

मा**हरु**ः

प्ररूप जाइ". टी. एन'. एस

आधक र अधिनियम . 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनाँक 11 सितम्बर 1985

निदेश सं० ए० सी०-4/रेज-47/कल०/85-86---म्रतः मुझे, शेख नईसुद्दीन

कायकर सिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रधात (उक्त सिथिनियम) कहा गया हैं), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वात करने का कारण है कि स्थाप्तोंका तस्पत्ति का उचित बाचार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 105/1 है तथा जो उल्टार्डांग मेन रोड़, कलकत्ता में स्थित (श्रीर इपसे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रीर० ए० कलकत्ता म रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 2∼1~1985

को पृथोंकत सम्परित के उणित नाजार मृतय से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुफ्तें यह विद्यास करने का कारण है कि यथाप्योंकत संपरित का उणित वादार बूक्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्दाह प्रतिस्थत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अन्तरितियों) के बीज एसे अंतरण के लिए तय थाया गया प्रतिक कस, निम्नशिक्षित उथ्योहम से उन्तर क्लारण निवित में वास्तियक क्या से कथिन नहीं किया यहा है ए----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के उद्योगस्य में कभी करने वा उससे रूपने में मृदिश्य के 'क्या: महिन्हा
- (च) एती किसी बाब वा किसी धन वा बन्य बास्तियों की, विन्हें भारतीय बावकर अधिनियनम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के ध्रयोधनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नशा धा या विकास प्रकट नहीं किया नशा का विकास प्रकट नहीं किया नशा को सामिक से लिए;

बतः अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-न के अनुसरन मी, भी, उन्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) की अधीन नियमितियित व्यक्तियों, अर्थात् :---3 --- 296GI|85 (1) श्री निलय पाइन ग्रीर ग्रन्य ।

(श्रम्सरक)

(2) मेसर्स ग्रारिङलथ इनवस्टमेंट को० लि०। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्वेंत्रित संपरित के कर्जन के जिल् कार्ववाहियां करता हुँ 🚉 .

उन्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी मार्क्ष :--

- (क) इस त्वना के राजपण में पकाकत की सारिध वे 45 विन की अविशेष या तत्मध्याची व्यक्तिकों पर क्वाना की बाबीस से 30 विन की बर्गीम, के भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियों
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाक लिखित में किए जा सकेंगे।

प्यक्तीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, थी उन्ह अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक ही, वहीं अर्थ होगा के उस अध्याय में दिया यहां ही।

मनुसुची

9 बिघा 16 गठ्ठा 15 छिटाँक 32 वर्ग फुट जमीन के सा मकान का 1/2 भाग 105/1, उल्टाडाँगा मेन रोड़, कलकत्ता में स्थित है ।

(दलील सं० ग्रार० ए० कल हत्ता का 1985 का ग्राई 49)

शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी नहायक श्रायकर श्रायकत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, कलकता

दिनाँक : 11-9-1985

वस्त्र नार्ष् .सी .वष् .स्य .

नावकर विधिनयन, 1961 (1961 का 43) की धारा धारा 269-व (1) के बधीन सूचना

FIET SERVE

कार्यासम्, सङ्गमक वान्कर वान्नतः (निर्देशकः) सर्वतः रेज-2, कलकत्ताः

कवकता, दिनोक 11 सितम्बर 1985

निवेश सं० ए० सी॰ 46/घर्णन रेंज, कल०/85-86--- ग्रतः मुझे शेख नईसुद्दीन,

नायकर निर्मित्यम, 1961 (1961 का 43) जिसे इतमें इसके परणात् 'उसत निर्मित्यम' कहा गया ह"), की भारा 269-च थे निर्मित तकन प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कार्य है कि स्थानर तम्पति, जिसका उचित बाजार मूक्य 1,00,000/- रह. वे विधिक है

भौर जिसकी सं० 105/1 है तथा जो उल्टार्डागा मेन रोड़, कलकत्ता में स्थित है (भौर इससे उपाबद भनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता घिषकारी के कार्यालय घार० ए० कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण घिषिनियम 1908 (1908 का 16) के भिष्ठीन तारीख 2-1-1985

को प्रॉवत सपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की नहीं ही और मुक्तें यह विश्वास करने का कारण ही कि बचाप्जोंक्त तंपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल के पंत्रह प्रतिक्षत से अधिक ही और जंतरक (जंतरकों) और अंतरिती (जंतरितियाँ) के कीच एसे जंतरण के लिए तय पाया गया भौतफल, निम्मीक्षित स्वयूक्षिय से उच्य अंतरण लिखित में बास्तिचिक रूप से कथित नहीं किया गया है :----

- . (क) अभ्यारण ने हुइं किसी बाब की धावत , उक्स अधिनयत के नथीन फार दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उक्स बचने में सुविधा के निए; बॉर/वा
 - (वा) ऐसी किसी नाव या किसी धन या नन्य नास्तियों को चिन्हें भारतीय भायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना चाहिए था, खियाने में सुविधा के लिए;

गतः जन, अनत विधिनियम की भारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के जभीन, निस्नतिचित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) श्री निलय पाईन और मन्य।

(ग्रन्सरक)

(2) मेसर्स भालका इनवेस्टमैंट को० लि०। (भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त तस्पत्ति के कर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वान के रावपत में प्रकाशन की तारीब ते 45 दिन की अनिध वा तत्वंत्री व्यक्तिकों पर स्वान की सामीत से 30 दिन की नविध, जो में अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रोंक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुनारा;
- (ब) इस स्जान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा, अधोहस्ताक्षरी कें पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्वच्छीकरण: — इसमें प्रयुक्त खट्टों और पवों का, को उक्त आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्यार 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया ग्या है।

वन्त्रकी

9 बिघा 16 कंठा 15 छिटाँक 32 वर्गफुट जमीन का साथ मकान का 1/2 भाग 105/1, उल्टाडाँगा मेन रोड़, कलकत्ता सें स्थित है।

(लेख मं० ग्रार० ए० कलकसा का 1985 का ग्राई 48)

शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त निरीक्षण) भ्रजीन रेंज-2, कलकत्ता

दिनांक : 11-9-1985

मोद्दर छ

पक्षम बाहा की एन एक .------

बायकर जिम्मिनयन, 1961 (1961 का 43) की पाछा 269-व (1) के नधीन सूचना

शास्त्र स्टब्स

कार्यासक, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिक)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 13 सितम्बर 1985

निदेश सं० टी० आए०34/85—86 एस० एल० नं० 1064/ अत: मुझे, शेख नईमुद्दीन,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 व के अधीन सक्षय प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका एजित बाजार मृत्य

1,00,000 / - रत. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 21/1, है तथा जो दुर्गा रोड़, कलकत्ता 17 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) प्रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आर० ए० कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 29-1-1985

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त सपित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के निष्ट्रत पाया गया प्रतिक कस, निम्नलिकित उद्देशय से उक्त अंतरण लिखित में बास्त-बिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) वन्तरण वे हुई किसी बाय की बाबत, उक्त विध-नियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृतिभा के लिए भार/या
- (म) एसी किसी आय या किसा धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के सिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अमृसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीर, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह— (1) कल्पना रोड़, भी अभिजीत राय एवं श्रीमती उमा नृत्ता।

(अन्तरक)

(2) मेशिनो टेंकनो (सेल्स) प्रा० लि०।

(अन्तरिती)

(3) वाल फोर्ड ट्रांसपोर्ट लिमिटेड । (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पति है)।

को यह सूचना बारी करने पूर्वोक्त सुम्मतित के वर्षन के बिसू कार्यनाहियां करता हूं।

अवत सम्पत्ति के वर्षन के स्थानन में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारील से 45 दिन की जन्धि या तत्त्वस्त्राणी स्वित्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अव्धि, जो भी जन्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्मित्ताों में से किसी स्वित्त द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए वा सकेंगे।

वन्त्र्यी

सम्पति जो 21/1 दुर्गा रोड़, कलकत्ता-17 में श्रवस्थित है, मोंजा ति र प्लाट सं० डि, एसबेस्टस रोड़ तथा : 8 कंठा 6 छिटां त 42 वर्गफीट जमीन जो रिजस्ट्रा र अब एन्श्रुरेन्स्स के दफ्तर में डीड सं० I-1377 के अनुसार 29-1-1985 में रिजस्ट्री हुशा ।

षोख अईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, कलकत्ता

दिनांक : 13-9-1985

अंक्ष्य बाहें. टी. देश. ध्व. ------

माधवार मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-म (1) के अभीन स्थान

माइव चंह्रकड

कार्यालय, सहायक नायकर बायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-1, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 13 मित्तम्बर 1985

निदेश सं • श्राई० आर०-28/85-86/एस० एल० 1067 अस्त: मुझे शेख नईमुदीन

वायकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) (विसं इसमें इसके पश्चाद 'उक्त विधितियम' कहा गया ही, जो कि भारा 269-च के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, कह विकास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिल्ला उधित बाधार कृष्य 1,00,000/- क. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 37 है तथा जो ईमझाद आलि लेन, कलकत्ता 16 में स्थित है (श्रार इससे उनाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आर्० ए० कलकत्ता में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 17-2-1985

को पूर्वीकत सम्पति के उष्णिय माधार मूस्य धे कम के दश्यकाल मितिकत के लिए अंतरित की गई है और मुक्के यह िक्सास करने का कारण है कि स्थापूर्वेक्त सम्परित का उष्णित शाकार मूख्य, उतके दश्यमान प्रतिकास से, एसे दश्यमान प्रतिकान का पत्रह्म प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) गिर बंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एके बंतरण के बीच तब पाथा गया प्रति-कन, निम्नतिस्ति उद्योध्य से उपत अंतरण जिल्लित में बास्त-विक कप से कथित वहीं किया गया है:—

- (ण) अन्तरण वे हुई किवीं शाय की नाबत, उथत अभिनियम के नवील कर दोने के अन्तरक वें शरियल में कभी करने या उद्धले वचने में सविधा के सिए; बॉर/था
- (क) एसी किसी नाम या किसी भन या अथ्य जास्तियों करों, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोज-नार्थ जन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया थाना चाहिए था क्विनाने में सुविधा के सिहा:

कतः वस, उक्त की धीनसम की धारा 269-म को अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधार। (1) कै सभीत, निम्नलिखित व्यक्तियों अधार :--- (1) तुलीप प्रोडक्टस को०,

(अन्तरक)

(2) फाराज रुनसदूक्णज कम्पनी।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक ।

(बह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पति हैं)।

को यह सुमना जारी करके पृत्रोंकत सम्प्रक्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

बक्त सम्पत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षंप हान्न

- (क) इस भूषना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख ले 45 दिन की व्यविध या तत्सम्बन्धी स्पिक्तयों कर नृष्मा की तामीन से 30 दिन की व्यविध, जो भी व्यविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोच्छ अधिकारों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसकद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिस्थित में किए जा सकोंगे।

क्ष्मक्षीकरणः — इसमे प्रमुक्त शन्यों और पर्यों का, जो उक्त जिल्हा अभिनियम के अध्याव 20-क में परिशाजित इ⁴, वहीं वर्ष होगा, जो उस अध्याय में किना गया है।

भनु सूची

सम्पति जो 37 ईमदाद अमल लेन कलकत्ता -16 में स्थित है, 6 कंटा 8 छिटांक 43/2 वर्गफुट जमीन तथा एक तला महान जो रिजिस्ट्रार अब एन्युरेंस के दक्तर में डीड संख्या 1-797 के निसुसार 17-2-1985 तारीख में रिजिस्ट्री हुआ।

शेख नईमुद्दीन पक्षम प्राधिकारी बहायक आयक्तर आयुक्त (विरीक्षण) अर्जन रेंज—1, कल हत्ता

दिनांक : 13-9-1985

म्हरू बार् डो.पुन् व्य -----

(1) श्रीमती कल्धन राणी जालुई।

(अन्त रक्त)

आभकर आंधिनिसमा, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती जोगिन्दर काँर ग्रीर श्री अवतार सिह, (अन्तरिती)

नारत परकार

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के दिन् कार्यवादियां भूक करता हूं।

कार्यालय, सहायक भागकर भागकत (निरक्षिण)

अबद इक्सीत के वर्षन के सम्मन्ध में कोई भी आक्षेष :---

अर्जन रेज-1, कलकत्ता

(क) इस बुच्या के रावपम में प्रकाशन की तारीश सं
45 दिन की शविध या तत्त्रकानिश मानितकों पद
्चता की तामीन से 30 दिन की शविध, जो बी
ाविध बाद में तमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्द
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

कलकत्ता, दिनांक 13 सितम्बर 1985

(क) इस सूचना के रायपत्र में प्रवादन की तारीक वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवव्य किसी जन्म व्यक्ति ब्वास नभोहस्ताक्षरी के शक्त दिवसित में किस का सकेने।

जिदेश सं IACAcqR-I Coalसी ए 133/85-86/ एस एल 1066-अत: मुझे योख नईमुद्दीन आयक: अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रभात (उक्स अधिनियम) कहा गया है), की भारा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके प्रकाद 'उन्स अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 व के अधीन सक्त प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका अचित वाजार मूल्य 1,00,000/-रु. ते अधिक हैं। श्रीर जिसकी सं० 61 वी है तथा जो पार्व स्ट्रीट, कल क्वा — 16 में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुपूचा में श्रीर पूर्ण

रूप से वर्णित है) एजिस्ट्रीकर्ता 🖥 अधिकारी के कार्यालय

सी० ए० आई० ए सी० अर्जन रेंज⊸।, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण

अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख

12-2-1985
को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के ध्रममान्
नितिष्ण के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मृस्य, उपके दश्यमान प्रतिष्कल से, एसे ध्रममान प्रतिषक्त के
मन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-

रिसी (अंतरिसियों) के बीज एसे अंतरण के लिए तय पाया क्या प्रतिकल निक्नसिक्ति उद्देश्य से उक्त अंतरण सिक्तिक के वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(♥) अन्सपूरण से हुप् किसी आय भी भावत, उक्त स्थितियम के अभीन कर दांक अन्तस्क के शियल्य में कमी कारने या उससं अपने में सुविधा के लिए. और/मा

शायित्य में कमी कारने का उसस अचने में क्रिकिया क्रो लिए, आर्टि/या (क्र) प्रोसे किसी काम मा किसी धन मा अल्य कास्तिकाँ

(ब) एसे किसी नाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जी नियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरती ध्वारा प्रकट नहीं किया नया या या किया जाना चाहिए था. ि छपाने में सुविधा के सिए।

अभूस्ची

सम्पत्ति जो 61 मी पार्क स्ट्रीट, कलकस्ता 26 में अवस्थित, मकान 'नीला' का चौथा तला फ्लैट व 813 जो सक्ष्म प्राधिकारी (सहायक आधकर आयुक्त निरीक्षण) अर्जन रोज-1, के पास सिरियल नं सी.ए. 133 के अनुसार 12-2-1935 तारीख में रजिम्ट्री हुआ।

अर्जन रेंज-1, केपास सिरियल नं० सी०ए 13 के अनुसार 12-2-1 85 तारीख में रजिस्ट्री हुआ।

शेटा नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, कलकत्ता

भन्ः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण म भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीखा : 13-9-1985

प्रकृष बार्ष ८ हो । एन् ३ सुब 🕫 🕫 🖛 🗝

भागकर ज्यापितवन्, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-म् (1) के व्योग स्थ्ना

भारत प्रत्याव

कार्यातय, बहायक बायकर मान्वत (रिनरीक्षण)

म्रर्जन रेज-1, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 सितम्बर 1985

निवेश सं० टी० घार०-22/85-86/एस० एल० 1053---घतः मझे शेख नईमुद्दीन,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) चिन्ने इसमें इसके परचात 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य .,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 84 है तथा जो मुजफ्फर महमद स्ट्रीट कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपायद प्रनुसूची में और, पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय प्रार० ए० कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 18-1-1985

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मृश्य में कम के उत्थमन प्रतिकल् के सिए ब्न्तरित की गृह है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित् वाचार बृह्य, उसके क्ष्ममान प्रतिकत् से, एसे अव्यान प्रतिकत् का बन्द्रह प्रतिस्त से अधिक है और बन्तरक (बन्तरकों) और बन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल विश्वतिक्त उद्देश्य से उन्त बन्तरण सिशिक में शास्त्रिक रूप से कथिक नहीं किया व्या है है—

- (क) मन्त्रहण वे हुए फिली बाव की वावसा, बच्च वीधनियम के नधीन कर दोनें में मृत्यारक की वावित्य में सभी करने ना क्यांसे क्यांने में शृतिया के तिए; मीर/वा
- (वं) एसे किसी बाव वा किसी धन वा बन्त बास्तियों को, विनहीं भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत बिधिनियम, वा धन-कड़ अधिनियम, वा धन-कड़ अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ बन्तिरिती व्वाध प्रकट नहीं किया वया वा या किया बाना वाहिए था, िश्याने में सुविधा के किए;

बंद: सब, उनक अधिनियम की धारा 259-व की बनुदरक है, ब्रें, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हे— (1) श्री सुनीस बरण चौधरी।

(ग्रन्तरक)

(2) मोहरूमद मोजाहिद शामीम एवं मोहरूमद अपसाद शामीम ।

(मन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के सिए कार्यशिक्ष्यों शुरू करता है।

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीश के 45 दिन की अवधि या तत्स्रज्ञानी मान्तियों पूर भूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स महितायों में से किसी महिता द्वाहा;
- (क) एस सूचना के राजपन में प्रकाबन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकार्य।

वर्ष्य

सम्पति जो 84 मुजफ्कर ग्रहमद स्ट्रीट, कलवत्ता में ग्रब-स्थित 7 काठा 24 वर्गफीट जमीन एवं वो तला प्रकान का एक जीथा हिस्सा जो रिजस्ट्रार ग्रव एन्युरेंसेस के दफ्तर में डीड नं० 1-883 के अनुसार 18-1-1985 जारीख में रिजस्ट्री हुशा ।

> शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त ृनिरीक्षण) मर्जन रेंज-ा, कलकक्ता

दिनांक : 11-9-1985

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43 की भारा 269 व (1) के अभीन जुक्का

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जम रेंज-1, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 22 सितम्बर 1985

निवेश सं टी० ग्रार०-20/85-86/एस० एस० 1052 ग्राई० ए० सी/एम्यु० रेंज-I/कलकत्ता ग्रत: मुझे, शेख नईमुद्दीन आसकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) ।(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, विसका उचित गाणार जून्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 276 है तथा जो म्राचार्य जगदीश चन्त्र बोस रोड़, कलकता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध मनुसूची में और पूर्ण रूप से बर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता म्रधिकारी के कार्यालय ग्राप्० ए० कलकता में रजिस्ट्रीकरण म्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के मधीन, तारीख 25-2-1985

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अध्यक्षण प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे वह चिक्ताध करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से एंते दृष्यमान प्रतिफल सा पन्तर प्रतिफल सा पन्तर प्रतिफल से गंदी दृष्यमान प्रतिफल सा पन्तर प्रतिफल से विषय स्वाप्त प्रतिफल सा पन्तर प्रतिफल से विषय स्वाप्त प्रतिफल के किए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त जन्तरण मिलिस में बास्तविक रूप से कथित नहीं क्या गया है है

- (क) अन्तरन से हुई किसी बाय की बाबस, सकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उत्तवें बचने में सुविधा के सिद्ध; बॉर/बा
- (क) एसी किसी आय वा किसी धन वा ग्रन्थ वास्तियों को जिन्हें भारतीय आयक-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ वन्सरियी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना वाहिए था, क्रियाने में स्विधा के विए;

नतः त्रवः, केवत लिथिनयमं की धारा 269-ए के क्ल्र्यूक्य्यं वी., त्री, उक्त लिथिनयमं की धारा 269-ए की उपधारा (1) के लिथिन निम्निजितित, व्यक्तियों, वर्षात् क्र--

- (1) श्रीमती चम्पकलता दत्ता एवं श्रीमती विपाली दत्त (ग्रम्त रक)
- (2) श्री संदीप मेहता एवं श्री श्रश्विन मेहता। (श्रन्तरिती)

को वह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्बद्धि के बर्चन के निष् कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

क्षक क्रमाति के वर्षन के संबंध में कोई भी भाषीय :---

- (क) इस सूचना के राज्यण में प्रकासन की तारींच के 45 दिन की अविधि ना तत्सम्बन्धी न्यवितानों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बविध, को भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्क न्यक्तिनों में से किसी न्यक्ति इनारा;
- (क) इत ब्रुचना के राज्यत्र में प्रकासन की तारीस से 45 किन के बीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित-क्यूथ किनी बन्ध व्यक्ति द्वारा, वधोहरताक्षरी के वास विविध्य में किए जा सकेंगे।

स्वक्षतिकरणः -- इसमें प्रमुक्त कक्षां नीर पर्यो का, को समय क्षितिकम, को जञ्जाम 20-क में परिभाविक हैं, नहीं कर्ष होगा, को उस अञ्चाय में दिवा गया हैं।

वनुसूची

176, प्राचार्य जगदीश चन्त्र बोस रोड, कलकत्ता में स्थित मकान का एक तला का सम्पूर्ण अंग जो रजिस्ट्रार ग्रब एन्गुरेंस के दफ्तर में डीड सं० I-662 के ग्रनुसार 25-2-1985 को रजिस्ट्री हुगा ।

णेख नईमुन्नद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-1, कलकता

विनांबा: 22-9-1985

अंक्थ बाई. टी. एव. ५**व**. -----

बाधवार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बंधीन स्वना

मापुर चहुन्तर

काशिक्य, सहायक कायकर कायुक्त (निरक्षिक)

अर्जन रेंज-1, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 13 सितम्बर 1985

निदेश सं • श्राई० आर०-28/85-86/एस० एल० 1067 अस्तः मृक्षे शेखा निहेम्हीन

जाककर विधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चाद 'उक्त अधितियम' कहा नवा हैं), भो कि धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, कई विक्वात करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिल्ला उच्चित ताकार मुख्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

भीर जिसकी सें० 37 है तथा जो ईमदाद आलि लेन, कलकत्ता 16 में स्थिन है (ग्रांर इससे उनाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणिन है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आर० ए० कलकत्ता में रिकस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 17-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित्र बांधार मूल्य से कम के स्वयंक्ष श्रीतफल के लिए अंतरित की गई है और मुळे यह ेव्वास करने का कारण है कि वनापूर्वेक्त सम्पत्ति का उषित शकार मूल्य, उत्तके स्वयंक्षान प्रविक्त से, एसे स्वयंक्षान प्रतिकत का पन्तह् प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंवरका) श्रीर बंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के बीच तब पाया गया प्रति-कन, निम्निलिखित उक्तोष्य से उक्त बंतरण जितित में वास्त-विक क्य से कमित नहीं किया गया है:—

- (●) अन्तरण वे हुइ' किसी जाय की बाबत, उक्त अभिनियस के बचील कर दोने के कन्तरक से धारिएल में कमी करने वा उक्क बचने में सविधा के सिए; सौर/वा
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी भन या बच्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रवांच-नार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना बाहिए था कियाने में सुनिधा के जिए?

बत: बस, उक्त कीशीनयम की धारा 269-भ को अनुसरण मी, मी, उत्तत अधिनियम की पान्य 269-थ श्री उपधार (1) की सभीत निस्निशिवित व्यक्तियों अभीत :--- (1) तुलीप प्रोडक्टस को०,

(अन्तरक)

(2) फाराज कनसद्भाव कम्पनी।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पति हैं)।

का यह सुभना जारी कारके पृशीकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यबाहियां करता हुं।

क्रमत सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी गायोंप ह----

- (क) इस भूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख ने 45 दिन की बनिश मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों कर सूचना की तामीन से 30 दिन की बनिश, को भी बनिश बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णेक्स व्यक्तियों भी से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसक्ष्य किसी अन्य ध्यक्ति द्यारा अभोहस्ताक्षरी के पास निस्तिक भो किए जा सकोगं।

स्थादिकरणः --- इसमें प्रयुक्त सन्दाँ और पर्दों का, को उक्त जिथिनियम के जभ्यात 20-क में परिशासिक हैं, वहीं कर्ष होगा, को उस अध्याय में किना स्था हैं।

अनु सूची

सम्पति जो 37 ईमदाद अमल लेन कलकत्ता -16 में स्थित है, 6 कंटा 8 छिटांक 4 3/2 वर्गफुट जमीन तथा एक तला महान जो रिजिस्ट्रार अब एत्युरेंस के दक्तर में डीड संख्या 1-797 के श्रिकृतार 17-2-1985 नारीख में रिजिस्ट्री हुआ।

शेख नईमुद्दीन पक्षम प्राधिकारी वहायक आयकर आयुक्त (विरीक्षण) अर्जन रेंज-1, कल इना

दिनांक : 13-9-1985

शास्य बाह्र .टी .एन .एस . -------

नायकर नांधितियम, 1961 (1961 का 43) की कां. धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

आर्ग सनकार

कार्यासन, सञ्चयक मायकर नामुक्त (निर्देशक)

मर्जन रेज-1, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 1 सितम्बर 1985

निवेश सं० टी० श्रार०-23/85-86/एस. एल० 1054 श्रतः मुझे, शेख नईमुद्दीन,

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इतनें इसकें परवात् 'उनत अधिनियम' कहा गया ही, की भाष 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्नात करने का का कारण है कि सभाप्कोंकत संपत्ति का उचित वाचार मून्य, 1,00,000/- रहे. से अधिक है

और जिसकी सं० 84 है तथा जो मुजफ्कर महमद स्ट्रीट कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध मनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय भार० ए० कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 18-1-1985

को प्वेंकित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विकास अरने का कारण है कि मथाप्वेंकित संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिकास के वितिस्त से अभिक है और जन्तरक (जन्तरका) और जन्तरिती (जन्तरितियों) के बीज ऐसे अन्तरण के सिए तय पामा जना वृत्यका, विश्वसिक्त उपयोक्त दे दक्त कन्तरण विविध्य में वास्तृतिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- हिंक) बन्दरम् वं हुए कियी वान की बानदा, क्या शीविष्युत्त के नवीष कर योगे के बन्दहरू के खीवरण में कभी करने वा बत्तसे बचने में सुविशा के क्यिए; सरि/मा
- (थ) एनेह किसी काब दा किसी पन वा बन्द वास्तिकों स्थे जिन्हें भारतीय वाब-कर विधिनवय, 1922 (1922 का 11) वा उक्त विधिनयम, वा चन-कर विधिनयम, वा चन-कर विधिनयम, वा चन-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गवा वा वा किया जाना पाहिए था, कियाने में सुविधा के किए;

(1) श्री सुनील बरण चौधरी।

(श्रन्तरक)

(2) महम्मद अन्जुम मामीम एवं महम्म खालिद मामिम ।

(श्रन्तरिती)

की वह क्षणा भारी करके पूर्वोक्त सम्माण के नामन के शिक् कार्यशाहियां करता हो।

बन्दा बन्दित के वर्षन के सम्बन्ध हैं कोर्ड भी काक्षेप :---

- (क) इत स्वा को राजपण में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी अमितयों धर स्वा की तामीस से 30 दिन की अविध, को भी जबिंध बाद में स्थाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्छ व्यक्तियों में से किसी स्थित ब्वास;
- (वा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरि के पास सिवित में किए वा सकों ने।

पन्सूची

सम्पति जो 84 मुजफ्तर श्रहमद स्ट्रीट, कलकता में स्थावस्थित 7 कांठा 24 वर्गफीट जमीन एवं दो तला मकान का एक कीया हिस्सा जो रजिस्ट्रार श्रव एन्शुरेंसम के पास डीड नं० 1-884 के श्रनुसार 18-1-1985 तारीख में रिजस्ट्री हुग्रा।

गेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, कलकत्ता

वनांक : 11-9-1985

मोहर 🖫

अतः अब, अक्त अधिनियमं की धारा 269-ग को, अनुसरण जों, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-मं की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थातः :---

4-296GI|85

अस्त वाइ.टी.एन.एड.-----

बावकर अधिरियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुमना

भारत करकार

कार्याचय, सहारक भारकर भार्वे (निर्माण)

धर्जन रेज; 1, कलकता

कलकत्ता, दिनांक 11 सितम्बर 1985

निवेश सं० टी० श्रार०-24/85-86/एस० एल० 1055 धतः मुझे, शेख नर्न्हीन,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इत्तर्में इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269--च के अधीन सक्षा प्राधिकारी को यह विश्वास करने ना कारण है कि स्थावर समंति, जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० है तथा जौ 84, मुजफ्फर ग्रहमव स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपायद श्रनुमूची में और पूर्ण रूप से वांणत है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रार० ए० कलकत्ता रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 18-1-1985

को पृत्रोंकल संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान प्रतिफाल के लिए अन्सरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृश्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से एसे द्रयमान प्रतिफल का वन्त्रह प्रतियति से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितवा) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाम गया। प्रतिकल, निम्नलिकित उक्षेष्य से उसत अन्तरण किस्तित मे वास्तिक रूम से किस्य नहीं किया गया है :---

- (क) कलारण वे हुई किसी नाम की बाबत, जबस्त विधिनियन के अभीन कर दोने के बलारक के दायित्व में कभी करने या उत्तरों क्याने में सुविधा के किए; और/या
- (च) ऐसी किसी या किसी धन या जन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय आवकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जनत अधिनियम, या धवन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा वो सिए।

(1) श्री सुनील बरण जीधुरी।

(भ्रन्तरक)

(2) मोहम्मद शामीम ईराकी ।

(धन्तरिती)

का यह सुवना जारा करके पूर्वोक्स सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

बन्ना सम्मति के सर्चन के संबंध में और भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाबन की तारीच ते 45 दिन की जनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधित, यो भी जनिध नाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोच्छ व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इसारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब्ध किसी अन्य स्थावत द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाक सिवित में किए का सकेंगें।

स्पक्कीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदी का, वो उचक अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

वन्त्रको

सम्पति जो 84, मुजफ्कर ग्रहमद स्ट्रीट, कलकत्ता में ग्रब स्थित 7 काठा 24 वर्गकीट ग्रायतन जमीन एवं दो तथा मकान का एक घौथा हिस्सा जो रिजस्ट्रार ग्रब एन्स्र्रेंदेस के दफ्तर में डीड नं० 1-885 के ग्रनुसार तारीख 18-1-1985 को रिजस्ट्री हुगा ।

> भेख नईमुईीन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज⊸1, कसकत्ता

दिनांक : 11-9-1985

मोहर :

भतः अक्ष, सक्त निर्मितम की भारा 269-ग के अनसरह में में, उनत अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अभित् :---- प्ररूप आइ. टी. एन. एस्। -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय,, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) जैन रेज-1, कलकत्ता

कलकत्ता, विनांक 11 सितम्बर 1985

निदेण सं० टी० भ्रार०-25/85-86---एस० एल० 1056---श्रत: मुझे, शेख नईमुद्दीन,

आमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मृज्य 1.,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 84 है तथा जो मुजग्फर घ्रहमद स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावड प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीनर्ता प्रधिकारी के कार्यालय भार० ए० कलकत्ता रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 18-1-1985

को पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के निए अन्तरिक्ष की गई है और मृझे यह विश्वास अगरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिभात से अधिक है बीर अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्निलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बाक्सिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधि-नियम के अभीन कर देने के अंतरक के वायिस्य में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे. मैं ज़क्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री सुनील बरण खौधुरी।

(भ्रन्तरक)

(2) मोहम्मद रणिद शामीम एवं मोहम्मद शाहिद शामींम। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जादा करके पूर्वोक्त सम्बक्ति के अर्थक के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों शर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हौं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

सम्पति जो 84 मुजप्कर ग्रहमद स्ट्रीट, कलकत्तो में ग्रब स्थित 7 काटा 24 वर्गफीट जमीन एवं दो तला मकान का एक चौथा हिस्सा जो रिजस्ट्रार ग्रब एन्ग्रुरेनेस के पाग डीड नं० 1-886 के ग्रनुसार 18-1-1985 तारीख में रिजस्ट्री हग्रा

> णे व नईमुदी सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज- , कलकत्ता

दिनांक : 11--9-1985

प्रकार कार्य हो , प्रकार प्रकार कार्य

बागकर जोधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा भारत 269-च (1) के ब्योग ब्राह्मा

भारत उरकार

काबीलय, सङ्घायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1 कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 सितम्बर 1985 निदेश गं० टी० श्रार०--29/85--86/एस० एल० 1057---मतः मुझे, शेख नईमुद्दीनः,

नायक न्यिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके क्यात् 'उन्तर अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-र के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्चात करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित वाचार नृष्य 1,00,000/-र से अधिक है

और जिसकी सं० 210 है तथा जो जमुनालाल बाजाज स्ट्रीट, कलकाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण प्रथ से बाजात है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय आर० ए० कलकता में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन तारीख 17-11985

को पूर्वेवत सम्मित्त के अधित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित को गई है जोर भूओ वह विश्वाक करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से एसे दश्यमान प्रतिफाल का पंद्रह श्रीतकत से अधिक है और अन्तरक (जन्तरकों) जोर अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एवे अन्तरक के विष्यु वय बाजा जवा श्रीतकत, निम्मितिवत् स्वार्थिय से दश्य अन्वरण विश्विक में बान्सिक रूप से स्थित मही दिवस नवा है

- (क) अन्तरभ सं हुई किसी बाब की बाबका, स्वक्ष अभिनियम के अधीन कर दीने की बन्दारक वी शाधितन में अभी कर्द ना उच्चे अधने में सुविधा के लिए; जीर/या
- (व) एंसी कियो बाब या कियो पड़ वा बल्ड बारिस्स्कृति को, जिन्हें भारतीय वाब-कड़ बिंधिनियम, 1922 (1922 को 11) वा उपत विविवय, दा धनका विविवय, दा धनका विविवय, 1957 को 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती ब्जारा प्रभट नहीं किया गमा था या किया जाना वाहिये था. किया में श्रीक्रभ के बिक्ड;

.बत जब, उक्त अभिनियम की धारा 269-व के अनुसरण वा, मं, उक्त अभिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) वे व्यक्तिः निम्नलिकिक व्यक्तियाँ वर्षात् कुरूरू (1) श्री वासुदेव मान्डेलिया।

(ग्रन्तरक)

(2) बासुदेव मान्डेलिया फेमिली ट्रस्ट ।

(भ्रन्तरिती)

च्यो सह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति भी अर्थन के सिद्ध कार्यनाहियां करता हो ।

बच्च बन्धीरत के वर्षन के बम्बन्य में कोई भी नाधांप:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की वर्षीय ना तत्त्राज्यकी व्यक्तियों प्र कृषता की तामील से 30 दिन की शामि, यो भी कृषिय नात में समान्त होती हो, के भीतर प्रांक्त कृषितयों में से किसी स्थानत सुवारा?
- (वा) इस सूचना के राचपत्र में प्रकाशन की तारीय से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितमबूध
 किसी बन्य व्यक्ति बुवारा अथोहस्ताक्षरी से शस्
 निवित में किए या सर्वोगे।

क्ष्यक्रिक् रण:--- इतमे प्रयुक्त सभ्यों मीर पर्यों का, जो उक्क जीभनियम के जभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं कर्ष होगा चो उस अभ्याय में दिया क्ष्य हैं।

अनुसूची

210 जमुनालाल बजाज स्ट्रीट कलकत्ता में ध्रव स्थित 24 काठा 2 छिटांक जमीन के उपर 6 तला मकान में ध्रन्तरक का ध्रविभक्त 10 का ध्राधा हिस्सा जो रजिस्ट्रार ध्रव एन्स्पुरेंसेस के दफ्तर में डीड नं० 1~832 के ध्रनुसार 17-1→1985 तारीख में रजिस्ट्री हुधा ।

> शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, कलकत्ता

विनांक : 11-9-1985

प्र**क्ष्य कार्य**, टी, ए**य**ु पृष्<u>र,</u>= ४ व तन ॥ ॥

टारांकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्पना

भारत तरकाऱ

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 सिनम्बर 1985

निदेश मं० टी० आर०—32/85—86/एस०एन० 1058 अत: मुझे, शेख भईम्दीन,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का जारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अधिव बाजार मूस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीप ित्रकी में ए हैं तथे जैं। डिंग्स् एने ब्रह्मचारी सराय, कलकत्ता में स्थित हैं (श्रीप इसने उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप ने वर्णित हैं) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आर् ए कलक्ता में रजस्ट्रीकरण अधिवियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 21-1-1985

को पूर्वोक्स सम्परित के उपित नाआर मूल्य म कम के स्वयमान प्रतिफान के लिए अन्तर्गरत की गई हैं और गुम्ने यह निश्वास करने का कारण हैं कि स्थापश्चेंक्त सम्पर्गतत का उपित बाबार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफाल मं, एमें राध्यमान प्रतिफाल का पंद्रह प्रतिकार से अधिक हैं और अंतरक (अंतर्गकों) और अंतरिती (अन्तर्गरियाँ) के बीच एमें अन्तर्ग के लिए तम पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिधिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के जन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे क्याने में सृविधा क्षीअप: क्षार/पा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें कार के उपक्रिय अपनियम, 1922 कि 110 के उपने अधिकार अपनियम, या धन-कर अधिकारियम, या धन-कर अधिकियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संनिधा के लिए;

्तः शवः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-मं के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-मं की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नतिस्थित व्यक्तियों, अर्थात हु---

- (1) पूबीसा निर्माण उद्योग प्राइवेट लिमिटेड । (अन्तरक
- (2) श्री महेन्द्र लाल एवं श्रीमती माया लाल। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जनभि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जनभि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के रोजपन में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार जिल्ला में किए था सकरेंगे।

स्पष्टोकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

व्यूच्य

3ए ड० मु० एन० ब्रह्मचानी समय, कलकता—16 में स्थित प्रब सम्पति का प्लाट नं० ज/बी० 970 वर्गफीट आयतन का एवं ग्राउन्ड फ्लीर में कार पार्किंग स्पेस नं० 1, जो रिक्ट्रिंगर अब एन्णूरेन्सेस के दफ्तर में डीड नं० 1—1014 के अनुसार 21—1—1485 नारीख में रिजस्ट्री हुआ ।

> षेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1,कलकत्ता

दिनांक : 1 : - 1 - 1 985

नोह्य 🛭

प्रकृष आर्षे दी पुन् पुरस् ु------

थायकर किंपिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत धरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनां क 11 सितम्बर 1985

निदेश सं० सी० ए०-118/85-86एस० एल---1059--अत: मुझे, शेख नईसुदोन,

आयक र अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

धौर जिसकी सं० 7 है तथा जो केमांक स्ट्रीट, कलकत्ता-17 में स्थित है (धौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में धौर पूर्ण रूप से बिंगत है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सि०ए० आई० ए० सि० अर्जन रेंज-1, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 3-1-1985

को पूर्नेक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य सं कम के स्थमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास कि यथा पूर्वेक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और वंतरित (अंतरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) बन्तरण संहुर किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर बने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकः नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था रिज्याने में सविधा के लिए;

गंत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-गं के अनुसरण में, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घं की उपधारा (1) के बधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) आजिमगंज इस्टेट्स प्राईवेट लिमिटेड ।

(अन्तरक)

(2) झुनझुनवाला जनकल्याण ट्रस्ट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उषदा संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी शविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित- व्याप किसी व्यक्ति द्वारा, अधोइस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकींगे।

स्थाकीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्तत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

बन्स्ची

7, कैमांक स्ट्रीट, कलकत्ता में ग्रवस्थित मकान का दूसरा तला में 37.45 वर्गमीटर जगह जो सक्षम प्राधिकारी (सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) अर्जन रेंज-1 के पास सिरियल नं िसि० ए० 118 के अनुसार 3-1-1985 में रिजस्ट्री हुआ।

> शेख नईसुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-४, कलकत्ता

दिनांक: 11--9-1985

मोहर 🛎

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

बायकर व्यक्तियम, 1961 (1961 का 43) की वास 269-व (1) के स्वीत सूचना

भारत तरकार

कार्यांबय, सहायक आपकर बाय्क्स (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 22 सिनम्बर 1985 निदेश सं० मी० ए०119/85-86/एस० एल० 1060 अत: मुझे शेख नईमुद्दीन

कायकर किंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परजाल, 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अभीन सक्षम प्रीधिकारी को, शह विश्वास करने कर कारक हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं० 7, है तथा जो कैमांक स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्री क्रिता अधिकारी के कार्यालय सि० ए० आई० सि०, अर्जन रेंज-1, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3-2-1985

श्री पूर्वोक्त संपत्ति के उचित वाचार मूल्य से क्षेत्र के व्ययमान प्रतिकास के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्परित का उचित वाचार मूल्य, उसके व्ययमान प्रतिकास से, एसे व्ययमान प्रतिकास का पंचह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकास कि निम्नलिवित उव्योदय से उक्त अन्तरण लिवित में वास्त-विकास कप से किथान नहीं किया गया है.—

- (क) बन्दारण से हुई किसी बाय की बावत, उक्क बीक्तियम के बधीन कर दोने के अन्तर्क के दायित्व में कमी करने या उत्तस वचने में सुविधा के निए; बांड/बा
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी धन या बन्य जारितयों को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए भा कियाने में सुविधा के लिए;

चतः वयः, सक्तः विभिन्नित्रं की भारा 269-ग की अनुसरक कों, मीं, उक्त किभिनियम की भारा 269-च की जल्लारा (1) को कभीतः, निम्नलिचित व्यक्तियों, वर्णात् क्ष

- (1) आजिमगंज एस्टेंटस प्राइवेट लिमिटेड। (अन्तरक)
- (2) भुनभुनवाला जनकल्याण द्रस्ट । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस क्षमा के राजपण में प्रकाशन की तार्रीक के 45 दिन की जबीध या तत्सेंबंधी व्यक्तियों पर क्षमा की तासील से 30 दिन की जबीध, वो की अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति कुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितवक्ष किसी बन्य व्यक्ति क्वारा वभाहकताकारी के शह लिकित में किए वा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः - इसमें प्रमुक्त पान्यों और पवाँ का, जो उन्हों अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित दिं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

7, कैमाक स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित मकान का दूसरा सला में 149.48 वर्गमीटर जगह जो सक्षम प्राधिकारी (सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, कलकत्ता के पास सिरियल नं० सि०प० 229 के अनुसार 3~2-1985 में रिजस्ट्री हुआ।

शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, कलकत्ता

दिनांक : 22-9-1985

योहर 🖫

प्ररूप आहू . टी . एत . एस . -----

ायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) का भार 269-च (1) के अभीन स्चना

भारत संस्कार

सायनिक, सहायक गायकार नायका (निरक्षिक)

अर्जन रेंज-1; कलबत्ता

कलकत्ता, विनांक 12 सितम्बर 1985

निदेश सं० सी० ए०-120/85-86/एस० एल० 1061 अत: मझे शेख नईमहीन

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मृत्य 1.00,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० 7, है तथा जो केमोंक स्ट्रीट, कलकला में स्थित है (श्रीर इसने उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मि० ए० आई० ए० सि० अर्जनरेंज-1. कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियल 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 3-11-1985

को पूर्वोकत सम्पत्ति के उचित काजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्तें यह विश्वास करनें का कारण है कि यथाप्चोंक्त सम्पत्ति का राधित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से एसे द्वयमान प्रतिफम का पन्क्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (बंतरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाय गया प्रति-फल निम्नलिचित उद्वेश्य से उक्त बन्तरण लिखित में बास्ति क

- (क) करारण से हुई किसी जान की बाबत, उसत जिमित्रम को अधीन कर दुने के बन्तरक के दायित्व में कर्मी करने या उससे बचने में प्रविधा की लिए; औह/बा
- (च) पंसी किसी लाग या किसी धन या लग्य बास्सियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती वृंबारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा असे किए:

अतः अव उक्त विधिनियम की धारा 269-म हो अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थास् :--- (1) आजिमशंज इस्टेटस प्रा० लि०।

(अन्तरक)

(2) भुनम्रन्याना जनकल्याण दृस्ट ।

(अन्तिरती)

को बह सुकन। कारी करके प्वक्ति सम्परित के वर्षन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के नर्पन के सम्बन्ध में कोई भी वासेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 15 दिन की नविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की नविध, को भी नविध साथ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिसायों में से किसी व्यक्ति ह्वाराः
- विशे इस कृषका के राष्ट्रभव के प्रकारक की वार्टीक हैं
 45 विष् के विदार वसन स्थापर कमारित के हिन्सकुर
 विक्री कम्ब महिन्द इसारा मुश्हेरनाकड़ी के पास
 विक्रित के विद्या का सकेंगे ।

स्थानीकरण:--इसमा प्रमुक्त कर्न्यों कौर पर्यों को, की क्या वीधनियम को बध्याय 20-क मों परिभाषित हीं, शृशी अर्थ क्षोत्रा को अस अध्यान मों दिया क्या ही:

अनसर्ची

7 कैमॉक स्ट्रीट, कलकता में श्रवस्थित मकान का दूसरा तल्ला में 136.41 वर्गमीटर जगह जो सक्षम प्राधिकारी (सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) अर्जन रेंज-1 के पास सिरियल न्० रि(०ए० 120 के अनुसार 3-1-1985 को रजिस्ट्री हुआ।

> मेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, कलकत्ता

दिनांक : 11-9-1985

प्ररूप नाइ. टी. एन. एस. ------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 की 43) की भारा 269-ष (1) के वधीन स्पना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनां रु 11 सितम्बर 1985

निदेश सं० सी० ए०-122/85-86/एस० एल० 1062 अतः मुझे शेख नईमुद्दीन

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसनें इसनें प्रकार 'उन्नर भृधिनियम' अन्य गया हो, की धारा 269-🗷 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को , यह विश्वास **करने का कारण** ह" कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अचित बाजार मृस्य

1,00,000/- रत. से **अधिक हैं**

श्रीर जिसकी सं० 1/1 है तथा जो लॉर्ड सिन्हा रोड़, कलकत्ता में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीयर्ता अधिकारी के कार्यालय सि० ए० आई० ए० सि० अर्जन रेंज⊶1 कल उत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियन 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख 11—1—1985

रूप से वर्णित हैं), और जिसका करारनामा आय्कर अधिनियम, 1961 की धारा 269कल के अधीन बम्बर्ड स्थित सक्षम प्राधि-

कारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है

को पूर्वोक्त सभ्यत्ति के उचित बाजार मुल्ट से कम के दृश्यकान प्रतिफल के लिए कन्तरित की गई ही और मुझे यह विश्वास कर ने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रीतिकास संबधिक ही और अन्तरक (अन्तरकार) और मन्तरिली (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब गया गपर प्रतिफल, निय्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित हों बास्तविक रूप से कश्चित महीं किया गयर हो :---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अभीन कर दाने के अनरक को दायिल्य में अ.मा अरत या असम बचने मा गाविधा के लिए: **村東/町**
- (का) ए सी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियाँ को, जिन्हां भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, संभन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने भें सुविधा क 1∼रामा,

अत: बाब, उस्त अधिनियम की भारा 269-ग को अनुसरण ण , 🗗 , जनत अधिनियम की धारा १६९-घ की पण्यारा (1) ार्गन , किस्तिनिसित व्यक्तियों , **अर्थात्ः**-

(1) श्रीमती लीला रामनाथन ।

(খাল্যাক্র)

(2) श्री गोपीराम शर्मा एवं श्रीमती गीता देवी। (अन्तिती)

को यह सूचना कारी करके पूर्वोक्त सम्पन्ति के अर्थन को लिए भार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारोब से 🚁 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वन्य की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी गविधि बाद में बमाप्त होती हों, को भोतर स्वीबस व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुदारा;
- (स) इस स्वता के राजधन के प्रकाशन की शारीस 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संगीतर में छिन बबुध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाल निश्चित में किए का लक्ष

स्थानकरमः—-इसमा प्रयोवतः गब्दो और पदा काः, केंग असंध अभिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया समा है।

ननुसूची

1/1 लॉर्ड सिन्हा रोड़, कलकता में अर्थ स्थित नटराज बिल्डिंग का प्लाष्ट नं ० 4, जो सक्षम प्राधि गरी । (सहायरू आयकर आयुव अर्जन रेंज-2 के पान मिरियल नं० नि० ए० 122 के अनुसार 11-1-1985 में एकिस्ट्री हुआ।

> शेब तइस्दीत सक्षम प्राधिकारी महायात अध्यक्त अध्यक्त (निरीक्षण) त्रजंभ रेज—1, कुपहला

दिनांक : 11-9-1985

म १५७

5-296GH85

प्ररूप आहाँ. टी. **एवं. एवं**ु ≝ ∌ न

जायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्वना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 सितम्बर 1985

निर्देश सं० सी० ए०-124/85-86/एस० एल० 1063 अतः मुझे शेख नईसुदीन

शायकर मिधानग्रम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इरफे पश्वाए 'उक्त अधिनग्रम' कहा गया है). की धारा 269 थ के बधीन सधम प्रधिकारों कां, यह 'पश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उजित ग्राजार मृत्य 1,00,000/~ रह. से अधिक है

और जिन्नकी सं० 7/1 है तथा जो डा० यु० एन० अह्मचारी स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में प्रार पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मि० ए० आई० ए० सि० अर्जन रेंज-।, कलकत्ता रिजस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 19-1-85 को पूर्विक्श सम्पत्ति को उचित बाजार मृल्य से कम को अध्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास अपन का कारण ही कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का निष्य का प्रतिफल का निष्य से अधिक ही और अंतरक (खतरकार्र) और अंतरिती (अन्तरित्यार्र) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकत उद्धांक्य से उक्त अन्तरण निश्चत में अम्तिकल, निम्नलिकत उद्धांक्य से उक्त अन्तरण निश्चत में अम्तिकल कप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण सं हुद्द किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मैं कमी करने या उससे अचने में सविधा के लिए: और/या
- (अ) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) मा उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशंखनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुनिश्वा के लिए.

अत: अब उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क अधीन: निम्निखिल व्यक्तियों, अथित् :— (1) मेसर्स पेरी एन्टरप्राइजेस ।

(अन्तरक)

(2) तेज करण बैद्य एवं अन्याय ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के नर्धन के कि। कार्यवाहियां शरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वकः के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक से 45 दिन के भीतर उनस स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्पर्धांकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्धों और पर्दों का, जे जन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भ्रनुसूची

7/15 डा० यु० एन०, **अह्या**चारी स्ट्रीट, कलकत्ता 17 स्थित सम्पति का ग्राउन्ड पलार में एपार्टमेंट जिन्न4, जो सक्षम प्राधिकारी (सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) अर्जन रेंज-1 के पास सिरियल नं० सि० ए० 124 के अनुसार 29-1-8 5 में रजिस्ट्री हुआ।

शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधि कारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज−1, कलकत्ता

नारीख: 11-9-1985

माहर :

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस.-----

वायकर मिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन सूचना

भारत संस्कार

कार्याक्षण, सद्रायक नायकार बायुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता दिनांक 10सितम्बर, 1985

निदेश सं० 1882/एनयू० श्राप-III/85-86- श्रतः मुद्ये, शेख नईम्ह/न,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु"), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विख्यास करने का कारण हाँ , क स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मस्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

भीर जिनका मंग 62/7/ जिं। है तथा जो वालोगंज, सरकूलर रोड, में स्थित है (श्रीर इनने जनाबद्ध श्रानुसूजों में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्द्रीकर्ता श्रीधवार्र के बार्य त्वर, श्र ई ए सं गान् श्रीर-III, कलकत्ता में रिजस्द्रीकरण श्रीधिन्यर 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन, तारीखा 13-1-1985,

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रिपफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्यक्ष से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप में किथत नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण ते हुई किसी जाय की वावत, उक्त अधिनियंत्र के संधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कभी करने या उसते बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय नायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गवा आ या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) अधीक, निम्मविधित व्यक्तियों, अधीत :---

- (1) पशुपि को०-श्रप० हाउसिंग सोसाइटी लि० । (ग्रन्तरक)
- (2) श्रॅं। जो० सी० मखिजा। (ग्रन्तरितो)

को यह स्वया भारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हूं।

उन्त सम्मत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अवधि, जो औ अवधि बाद में समाप्त होती हा, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी क्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वकारण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्तर विधिनियम के तथ्याय 20-क में परिभाष्टित है, वहीं कर्ष होगा, जा अस कथ्याय स दिया गया है।

अनुसूची

37ईई फ़र्म श्रनुसार निवन्ध हुआ।

णेख न**ईमुद्दे**त सक्षम प्राधि शर्*रः* सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निर्रेक्षण) श्रर्जन रेंज-3, कलकत्ता

तारीख: 10-9-1985

मोहर 🗉

प्रसम् आइ⁴. टी. एन. एस ------

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के विधीन सुवना

भारत बरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्राजन रेंज-3, यलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 13 सितम्बर, 1985

निदेण सं० 1881/एक्यू०/आर-॥/85-86— श्रतः मुद्ये. शेख नर्डमहत्त्

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थायर मंपत्ति, जिसका उचित गाणार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 82/3ए हैं तथा जो विधान सरणी, कलकत्ता, में स्थित है (श्रीर इसी उपावड श्रनुसूची में श्रीर पूर्णक्य में विणित है), रजिस्ट्राध्यों श्रीधकारी के कार्यालय, वसकत्ता में रजिस्ट्री-करण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 16-1-1985.

का पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और पूर्भ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पल्देह प्रतिकार से अधिक ही और प्रतिफक (अंतरकार) और अन्तिपती (अन्तिरितियों) के बीच एसे अन्तरण की लिए तय पामा नया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उद्देश अन्तरण लिक्कत में अस्तिबक रूप से किथात नहीं किया गरा है:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की शक्त उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक औ दायित्य में कभी करने या उससे अचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या कन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर आधिनियम, या भन-कर आधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अत: अा, उक्त ऑधनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त उधिनियम की धारा 269-गे की उपधारा (१) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धाक (1) डा० निर्मल कुमार, ब्रह्मचारी।

(भ्रन्तरक)

- (2) 1. मानिक लाल मुखर्जी,
 - 2 सान्तना मुखर्जी,
 - 3. सुताल कुमार **मुख**र्जी,
 - 4. भ्राशिय मुखर्जी
 - 5 योभा मुखर्जी।

(ग्रन्तरितं)

का यह सूचना आरी करके पूर्वीक्त सपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोड़ भी वाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख य 45 दिन की सबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिम की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारों,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर तंपन्ति में हित्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहम्नाअपी के पास निस्ति में किए जा सकीं।

स्थष्टिशकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर विभिन्नेयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो जस अध्याय में दिया वया है।

अनुसर्चः

मकान जो 82/3ए विधान सर्प्यः पर श्रवस्थित निवन्ध हुआ डोड नं \circ I 759 में I 763 त्रफ तारीख 16-1-1985

णेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजैनरें ज-3, कलकत्ता

तारी**ख**: 13-9-1985

प्रकृष गर्दा, हो, एम, एस, ----

भावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-व (1) के वभीन स्वाना

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

मारत चहुन्तर

श्चर्जन रेंज-3, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 13 सितम्बर, 1985 निदेश सं० 1880/एक्यू० रेंज III85-86-- श्चतः मुखे, शेख नईमुर्देग्न,

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधीनयम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विक्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

श्रीर जिल्लकी सं० 20ए है तथा जो हरीश मुखर्जी रोड, कलक्सा, में स्थित है (श्रीर इसने उपावड श्रनुसूची में श्रीर पूर्णकल से विजित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, कलक्सा में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 वा 16) के श्रिधीन, तरिख 22-1-1985,

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के इश्यमान ब्रितिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित भाजार मूस्य, सतके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत्त अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिमा) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य में उक्त मन्तरण निकित के नामतिक मूस में क्षियत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या जनसे वक्त में स्विधा के मिल् और या
- (क) एसी किसी नाय या किसी भन वा जन्म जास्तिकों को चिन्हों भारतीय नायकर जिनित्तेम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अविनियम, या भनकर जीविनियम, या भनकर जीविनियम, 195.7 (1957 का 27) के अवोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. जियाने में सुविधा के सिए;

मत अध, उक्त सिधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) रमेण चन्द्र वर्मकार ।

(भ्रन्तरक)

(2) कान्तन डं। सिधा, मंजु डो० सिधा, राजकरण सिधा, तेजकरण सिधा।

(अन्तरितः)

का बहु सूचना जारी करक वृत्रीक्त सपक्षि क अर्जन के लिए कार्यपाहिसां स्वता हुए।

उक्त सम्पत्ति को कर्जर के एंबंध में कोर्डभी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की सारीच सं 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचमा की क्षामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अधिक बाद के समाप्त हाती हैं, के भीतर प्रकेकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दशाय;
- (क) इस स्वता के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीक मं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा करोंगे।

स्यक्ष्मीकरण क्समे प्रयक्त शब्दों और पदों कर जो उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में म्था परिभाषिक है, बही अर्थ होगा. जो उस अध्याय में दिया 'शबा हैं।

वनसंख्ये

एक मकान कें: 1/5 श्रंश जो डिंख सं \circ I 1093 तारीख 22-1-1985 के श्रनुसार निबन्ध हुआ।

णेख नईमुई/न सक्षम प्राधिकारी सहायस श्रायक्त (निर:क्षण) श्रजन रें ज-3, कल कत्ता

नार्राख: 13-9-1985

कांहर :

प्रकृष कार्ड. टी. इन. एस.-----

नायकर नीभिनियम, 1961 (1961 को 43) की बारा 269-व (1) के नभीन स्प्ता

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) भ्रजीन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता दिनांकः 13 सितम्बर, 1985

निदेश मं० 1879/एकपू० रेज-111/85-86-- श्रतः मुझे, शेख नईम्ह्/न,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 262-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित पाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं ० 20ए है तथा जो हरी म मुखर्जी रोड, कलकत्ता, में स्थित है (श्रीर इसने उपाबद श्रनुसूर्व में श्रीर पूर्णकर से विणित है), रजिस्ट्री वर्ता श्रीधार के या वर्ण कर श्रीधानियम, 1908 (1908 वर्ण 16) के श्रीधी न, तारीख 22-1-1985,

को पूर्वेक्त मम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, एसं दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के कीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया विफल निम्नलिखित उद्दृष्टिय से उक्त अंतरण लिखित में गस्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई फिसी नाय की नावत , उक्त विधिनियम की नमीन कर बोने के बन्तरफ के दामित्य में कमी करने ना उन्हर्स वचने में सुनिधा ≉ फिए, बॉर/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उस्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया प्राना शाहियेथा, खियान में स्विधा के लिए,

जतः जब, उनतं अधिनियमं की धारा 269-ग के जनसरण कों, में, उन्त मधिनियमं की धारा 269-ण की उपधारा (1) को बधीनः निम्नलिमित व्यक्तियों, अधारी :--- (1) हेमन्द्र चन्द्र, कर्मकार।

(भ्रन्तरक)

(2) कांचन डो० सिंध

(ग्रन्तरिर्तः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

बन्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोड़' भी जाक्षेप

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की सारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जा भी अविध नाम में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हित्बब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाछ निवित में किए जा सकतें।

स्थळीकरणः — इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं कर्य होगा, वो उस अध्याय में विद्या

नग्रंभी

म का 1/5 ग्रंग जो डीड नं∘ I 1094 तारीख 22-1-1985 ग्रनुसार निबन्ध हुग्रा है।

> शेख नईमुद्दीन सक्षम 'प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायकर (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, कलकत्ता

तारीख: 13-9-1985

मोह 🚆

भारत बरकार

कार्यासय, सहायक कार्यकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, कलकसा

कलकत्ता, दिनांक 13 सितम्बर 1985

निर्देश सं० 1878/ए सी क्यू /आए-3/85-86--यतः मुझे, शेख नईम्हीन,

बायकर किंभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रांर जिसकी सं 020-ए है, तथा जो हरिश्व मुखर्जी रोड़, कलकत्त में स्थित है (श्रोर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रांर पूर्ण रूप से वर्णिन है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीम, तारीख 22 जनवरीं, 1985

को पूर्विकत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का प्रमुद्ध प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिचित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अप्तरण से धुर्द किती साथ की बाबतः, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शासित्य में अभी अपने या उत्तमे अचने में स्थिश के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, चिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गमा था या किया जाना आहिए था खिपार्न में काकी के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्निलिक्त व्यक्तियों, अर्थात :--- 1. समरेन्द्र चन्द्र कर्म कार

(अन्तर्क)

कांचन डी० सिन्धी,
 मंजु डी० सिन्धी,
 राजकरण सिन्धी तेज करण सिन्धी

(अन्तरिती)

को यह सूचना कारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्भन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह से 45 विन की जविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 विन की जविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कल व्यक्तियों में के किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज स 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यास कथाहरकाक की पांच लिखित में किए जा सकोंगें।

स्पव्यक्तिरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जीधनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

CAR WA

मकान की 1/5 र्थण जी डीड नं० 1/1095 नारीख 22-1-85 अनुसार निबन्ध हुआ 1/1095

शेख नईमुद्दीन सत्रम प्राश्चित्रारी महायक आयक्षण आयुक्त (निरीक्षण अर्जप्रज-3, कलकत्ता

नारीख: 13-9-1985

प्ररूप आर्द्दः टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

मधीलप. महायत्र **आयकर आयक्त (निरक्षिण)**

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 13 तिसम्बर 1985

निर्देश सं० 1877/ए सी नयू आए-3/85-86---यतः, मुझे शेख नईम्हीन,

हायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) **(जिसे इसमें** इसके पद्दबात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ह . की **भारा** 769-मा के क्षेत्रस्य १८६ पते। उमा केट जह के कम सारश का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,09,000/- रत. से अधिक है

ग्रीर जि की सं० 20 ए है तथा जो हरीश मुखर्जी रोड, कलकत्ता में स्थित है (ब्रीप इससे उपाबद्ध अनुसूची में ब्रीप पूर्णस्य से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के टार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, দা**শীভা** 21-1-1985

को पर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गर्इ हैं और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, असके दृश्यमान प्रतिफाल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरि (तयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाँया गया फल रिन्निलिखत उददोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक में बार विक रूप में कथित नहीं किया गया है :--

- (क) बन्तरम् से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त अभिनित्रम के अभीन कर दोने के अन्तरक वाबित्व में कमी करने या उससे, बचने में सुविधा के लिए; और/या
- 🏿 एसे किसी अाय या किसी भन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हा भारतीय वायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अभः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त विधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निमालिसित त्यविनयों, अर्थात :---

(।) । पद्ध जन्द्र कर्मकार।

(अन्तरक)

(2) कांचन डी० सिधी मंजुर्डी० सिंधी, राजकरण सिंधी, तेजकरण सिधी।

(अन्तरिती)

की यह सुधना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्धन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चनाकी तामील से 30 दिन की अवधि., जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति दुकारा अधोहस्ताक्षरी के पा**त** लिखित में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही कर्ण द्वीमा, को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूखी

मकान की 1/5 श्रंश जो डीड नं० 1 1096 हारीख 21-1-1985 के अन्सार निबन्ध हुआ।

> शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी प्रहास र आस हर आप्रत (निरीक्षण) अर्जन रेज-३, करहता

नारीख: 13-9-198

मोहर

प्रकप बाइ . टी. एन. एस. -----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

शारत सरकार

कार्यां तय, सहायक मायक र मायुक्त (निरीक्षण)

ार्जन रेज-3,कनकत्ता

कलकत्ता दिला छ । 13 तिसम्बर, 1985 दिदीस सं० 1876/ए/ यू० रेंज्**राग/85-86--- अतः मुझे,** शेख नईमुद्दल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 20ए है स्था जो हरीश मुखर्जी रोड, कलफत्ता में स्थित है (श्रीर इतसे उपाबद्ध अनुभूची में श्रीर पूर्ण रूप से विण है), रिनिट्री जिले अधि नरी प्रजायित्य, कलकत्ता में रिजिट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 21-1-1985,

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रुप्यमान प्रतिफल से, ऐसे रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अंतरण निवित्त के बास्तिक रूप से कीचत नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण सं हुई किसी बाय की बाबत उक्क अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कामी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और√बा
- (म्मं किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अंशिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में यिक्या के निष्.

भरा: बब,, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के कशीच ''क्विलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मेलेला नाथ मुखर्जी।

(अन्तरक)

(2) कांचन डी॰ सिधी, मंजुडी॰ सिधी, राजकरण सिधी, तेजकरण सिधी

(अन्तरिसी)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति क क्षर्जन कं लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्योक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

श्यक्तीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दा और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस बध्याय में दिया गया हैं।

धनसङ्गी

ं मकान की 1/5 ग्रंश जी डीड नं । 1097 सारीख 21-1-1985 अनुसार निबन्ध हुआ।

> शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त∴ आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रैंज-3, कलकत्ता

तारीख: 13-0-1985

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

भारत्मर अधिनियम, 19/1 (1961 का 43) की भारत 269-६ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकसा

कलकत्ता दिशांश । शिलम्बर, 1985

निर्देश सं० 1875/एमयू० रेंग/III/85 86— अतः मुझी, शेख निर्देशना,

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रभात 'उन्त अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावन राज्यित जिसका उपित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. सं अधिक है

श्रीण जिल्ला सं० थी-82 है तथा जो लिए रोड में स्थित हैं (श्रीर इस वे उपायब अनुपूर्वी में प्रोर पूर्ण कर से विणित हैं), रिजस्ट्री-कर्ता अधिपारी के बायलिय फलकत्ता में पिलस्ट्रीसरण अधि-नियम 1908, (1908 पा 16) के बाधीम, वारीख जनवरी, 1985.

की प्रोक्ष समा कि तलिया यात्रार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकाल के लिए प्रतिस्त पर गर्म ही और मुन्धे प्रह निष्यास करने का क्षांचा के प्रतिकाल के प्रतिकाल के प्रतिकाल के प्रतिकाल के अधिक ही बीच प्रतिकाल (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरित्याँ) के बीच प्रति अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकाल, निम्निलिखित उद्बंदिय से अक्षा अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित हों किया गया ही:—

- (२) अन्तरण से हाई किसी आय की बाबत, अक्त मधिनियम के अधीन कर दोने के लन्सरक के दारियंक्य में कारी करते का उससे समारे में किएक के लिए और/मा.
- ल्ल) एसी किसी अग ए जिसी अन या अन्य अस्तियों को. जिल्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था जिल्हा जाना माहिए था. कियाने में सिल्धा के लिए;

श्रतः क्षद्रः, उक्ता श्रोधियाम को भाग १८०-म से श्रमसम्बद्धः भौ औं, अपन व्यक्तिमाल भी साम १८० म भी कामान् (1) को कमीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थातः :—— (1) श्री अमलेन्दुकर।

(अन्तरक)

- (2) 1. रास बिहारी दास भीर अन्य।
 - 2. रणजीत सिंह कुमार दास।
 - 3. रेवती रंजन दास,
 - 4. रसमय दास।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिगों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिलबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में क्षित्रक्र गया है।

प्रनुसुधी

जमीन-7के-1इंच-25वर्ग फ्ट। क्षेत्र-2900व०फु०। 1000व०फु०। कीइ नंगी 1053 तारीख जनवरी, 1985

> भेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकः आयृक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

सारीख: 17-9-1985

प्ररूप आहें. टी. एन. एस. - - -

साथकर विभिनियम, 1961 (1961 को 43) की भाष भारा 269-व (1) के अभीन सुचना

गाउँ स्रका

कार्यांचय, सहायक जायकर जायुक्त (निरक्तिक)

धर्जन रें ज-3, कलकत्ता

कलकत्ता दिनाँक 10िसतम्बर, 1985

निदेश सं० 1874/एक्यू०रें ज-111/85-86-- प्रतः मझे, .शेख नईमहीन,

कायकर निधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उबत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख़ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00.000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सैं० 9 वो है लया जो अभेदानन्द रोड, स्थित है (श्रीर इससे उपावड अनसूची में श्रीर पूर्णरूप से विजित है), रिजस्ट्रो-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता से रिजस्ट्राकरण श्रिध-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 15-1-85 को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के सहयमान शितक के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है

िक यथा पूर्वोधित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और उन्तरक (अन्तरकाँ) और अंतरिती (अंतरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-सिसित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिसित में वास्त्विक रूप से कांधित नहीं किया ग्या हैं :—

- (क) अन्तरण संहूर किती गाम की बाब्त, उनस् अभिनित्रण को स्थीन कर दोन के मृत्यरक क व्यक्तिया में कमी करने वा उससे व्यन में सुविधा के सिए; बॉड/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गय बा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री विश्वनाय दे।

(श्रन्तरक)

(2) डा॰हेडगेवर स्मारक समिति।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पृत्रोंक्त सध्यक्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई वाक्षेप :---

- (क) इस नूचना के राजपत्र में प्रकाशन का लागीह 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जॉ भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के णभ सिचित में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दा जार पदी का, जा अब्दा अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं सर्थ होंगा जो उस प्रध्याय में विका गया है।

अनुसूर्चाः

जमीन नैं० --- 5क: 8 छ: 30व०फ०। डीड नें० 1 682 तारीख 15-1-1985 धनसार निबन्ध हुआ।

> गेख नईमद्दीन मक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर भ्रायुक्त (निरोक्षण) स्रजंन रंज-3, क्लकता

तारीख: 10-9-1985

प्ररूप आइ.टो.एन.एस.----

श्वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, कसकत्ता

कलकत्ता दिनौंक 10सितम्बर, 1985

निदेश सं० 1873/एक्यू०रें ज-।।।/85-86—- धतः मझे, शेख मईमउद्दीन,

आयक ए अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रक्षिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,1100/- रु. में अधिक हैं भौर जिसकी सं० 25 है तथा जो वाली गंज सरकूलर रोड में स्थित हैं (भौर इससे उपावड अनुस्कि में भौर पूर्णरूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीवर्ता अधिकारी के कार्यालय, आई०ए०सी० एक्यू०रें ज-111 कसकता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8-1-1985,

को पूर्वोवा। सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के धर्यमान प्रतिफल के लिए जंतरित की गई है और मूझे यह विद्शास करते का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके धर्यमान प्रतिफल से, ऐसे धर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ण) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1022 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :--

(1) श्रीभावसाव सूच ।

(प्रसारक)

(2) मिसेस निमता सरफ।

(मनारती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दृशरा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हिल-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वाग, अधोहस्ताक्षरी के पास विधित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-षित हैं, दही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अन्स्ची

श्रंशतः जमीन कुल जमीन 1650 व०मीटर जी अग्नाई० ए०सी० एक्यू०रेंज-॥॥, कलकत्ता दक्तर द्वारा निवन्ध क्षा।

> गेख नईमिज्हीन निक्षम प्राधिकारी सहायक धायकर श्रायुत (निरीक्षण) धर्जन रेंज-3, कलकत्ता

तारीख: 10-9-1985

प्रक्रम मार्च. टी. एन. एम. -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प (1) के अभीन स्पना

धारक संबक्षार

कार्यालयं, सहायक कार्यकर काळक्त (निरीक्षक)

धर्जन रेज-3, कलकत्ता

षस्यक्ता दिनौक 11 सित्यवर, 1985

निदेश सं० 1872/एक्यू रेंज-।।।/85-86-- श्रतः मसे, मोख नर्धम उद्दान,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पत्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ह'), की भारा 269- व के बधीर सक्षम प्राधिकारी को ग्रह विश्वास करने का क्प्रदेश है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका **उत्ति बाजार म्**स्व 1,00,000/- रु. से अधिक है

भ्रीर जिलको सं० 20 एहैं तथाजी चारू चन्द्र प्लेप्त (ईस्ट), कलकत्ता में स्थित है (ग्रोर इन्से उपात्रत ग्रनसून। में ग्रोर पूर्णरूप से वर्गित है, रिअस्ट्रोक्ती श्रीधकारी के कार्यालय, क,ख भें, एजिस्ट्रीकरण श्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधील, सारीख 28-1-1985

को पूर्वोक्त समपील को उचित बाजार मुख्य से कम को रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एंसे दश्यमान प्रतिफल का पंचार प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिकक क्प से कथित नहीं किया गया है उन्न

- (क) बन्तरण संद्वार्ष किसी बाय की बाबत, अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सूविधा के लिए; महि/या
- (स) एोसी किसी आय या किसी धन या अन्य अधिसयों का, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कार ∗विधिनियम, 1957 (1957 का 27) कॉ प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वास प्रकट नही किया गया वा या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के विष्ः।

अतः वयः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में. उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्रीमति मनि 🗆 होषाल

(ब्रह्म)

(2) सुनिती कुमार चटर्जी।

(महारिती)

का यह शुक्रना जारी करके प्रवेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिय कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस की 45 दिन की अविधिया सत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्विका व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (क्ष) इस स्चना के राजपन में प्रकाशत की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यो का को उक्छ अधिनियम को अध्याय 20-क में पुरिभाषिष्ट है, वही वर्ध द्वीगा, जो उस बन्धाय में विश बया है।

नन्त्या

क्षेत्र⊶1150 व∘ फु०। ष्टींड नं० । 1261 तारींड 28-1-1985 धनुसार निबन्ध हुआ।,

> पीख नईन उद्दोत अक्षम प्राधिकारो सद्याय र श्राय रुएश्रा भुकत (निरोक्षण) मर्जन रेंज-3, कल हता

सारीख: 11-9-1985

मोहर '

प्ररूप बाई. टी. एन. एस. ----

भागकरं अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्थान

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर बायुक्त (निरुक्तिण)

भर्जन रें ज-3, कलकत्ता

कलकत्ता दिनौंक 11 सितम्बर, 1985

निदेश सं० 1871/एक्यू० रेंज-3/85-86— प्रतः मुझे, प्रोख नईभरहीन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उ क्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-इसके अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण ह कि स्थापर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

भौर जिन्नकी सं० 39/1 है तथा जो लेन्स डाउन रोड, कल क्ला में रियत है (स्रोर इन्से उपायब स्नन्यूनों से स्रोर पूर्य कर से विगत है), रिजस्ट्रांटर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, कलक्ला सें रिजस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख 14-1-1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मृत्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्तः सम्पत्ति का उचित नाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और मन्तरिती (अन्तरितियाँ) के नीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में यास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आयु की बावत, उकत सीभानयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्थ में कमी करने या उससे स्वने में सुविभा के लिए; बौर√या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियां की, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वाय प्रकट नहीं किया भ्या था या किया जाना चाहिए था, छिपान प्र स्विभा के निए;

- (1) श्री दिनेश एम० शाह और राकेश एम० शाह। (ग्रन्तरह)
- (2) मिनिगमा प्रा० लि०।

(भ्रन्तरितो)

को यह सूचन आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि वाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्ति या में से फिसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 जिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति ह्वारा अधं हस्ताक्षरी के पास जिल्ला में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त अव्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० बी-5 क्षेत्र-1660 व० फु०

> णेख नईमउद्दीन सञ्जम प्राधिकारी सहायक धायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) धर्मन रें ज-3, कलकसा

बतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन निय्तिविक्त व्यक्तियों, अर्थात् :—

सारीख: 11-9-1985

प्रकम बाइं., टी. एन. एस.-----

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहादक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जीन रेज-3, कलकत्ता

फलकला, दिनांक 11 सितम्बर 1985

विवेश सं० ए० सी० नियू० आप/3/85-86—पतः मुझे, शेख नईसुदीन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उच्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विदेशास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य

मीर जिसकी सं 14/144 है, स्या जो गतक नतक रोड़ में स्थित है (मोर इसे उसके अनुसूती में मोर पूर्ण कर से विजित्त है) रिनिट्टी को स्थित के कार्यालय, कल स्ता में रिनिट्टी कर अविधियम 1908 (1908 का 16) के अविधि, हारीख 18 जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के इश्यमान शितफाल के लिए अन्तरित की गर्द हैं और मुक्ते यह जिल्लास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से, एसे दृश्यमान प्रतिफाल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया नया प्रतिफाल, निम्निलिसित उददेश्य से उस्त अंतरण लिसित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त किंगिनसम के अभीन कर दोने के अन्तरकः वे श्रीयस्थ में कमी करने में उसमें अपने में स्वीवका के लिए; बीर/सा
- (ख) ऐसी किसी आय वा किसी धन या अन्य अस्टियों करों जिन्हों भारतीय आय-कर आधानयम. 1922 (1922 का 11) या उकत आधानयम. या धन-कर अधिनियम. 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती देवारा प्रकट नहीं किया गया धा या जिल्हा राज आहिए था, जिल्हा से नावधा के लिए:

अतः अवः, जक्त अधिनियम् की धारा 269-ग के अस्मरण में, में जनत अधिमियद् की धारा २६९-क का जयकाम (1) इटे अधीनः निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्रीमती रेखा मनुमदार।

(अन्तरक)

2. सौम मुखर्जी।

(अन्सरिती)

को यह सूथना जारी करको पूर्वोक्त संपत्ति व कर्नन क हिस्स कार्यवाहियों करता हो।

जन्स सम्परित के बर्जन के सम्बन्ध मा की है भी माक्षप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिख ते 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तिया कर मृजना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ के 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर सम्पत्ति में हिन्खदूध किसी बन्य स्थिक्त द्वारा अधाहस्तात्रा के एक लिखित में किए जा सकेगे।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुस्ची

डीड नं र 1874 ता । 18-1-85 जमीर — 3 गद्वा 5 छ० 20 व० फुट (3 के — 5 चा । — 10 व० फु०)

> षोख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिः परी सहाय प्रआय कर आयुक्तः (िरिरिशिक्षण अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

सारीख: 11-9-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता कलकत्ता, दिलोड 11 सितम्बर 1985

िर्देश सं० 1869/ए० सी० नथू० आए-3/85-86—मतः, मुझे, शेख नईमुहीत,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एक्चाए 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उभित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भीरिशिशकी सं० 27/6 है, समा जो गोमी मोहन दत्त लेन, करणता में लिया है (श्रीर इतने जगबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण कर से बर्णि: है) स्थित्द्री अधिकारी के जायित्य, कल-रुत्ता में अस्ट्रिश्ट ण अधिस्थिम, 1908 (1908 का 16) के अधीस (अर्थिक, 25 णावर्ष, 1985

का पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रुखमान सिए अन्तरित की गष्ठ्र कारण है विद्यास करम म्भ यह का यथाएविक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके रूपमान परिष्यत से, एसे रायभान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है 🍽 र अंतरकः (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितिकाँ) की कीच एंसे अहरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित बद्दंश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित प्र**ह**ि निया गमा **ह**ै:---

- कि) अन्तरण से हुई किसी बाय की बायत, उक्त यधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा दायित्व के लिए: और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रेकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तिगें अर्थात :— श्री एस्टना बोता।

(জন্ম চ)

2. श्री रबीत कुमार बसु ।

(अन्सरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उबत सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप ह

- (क) इस स्थान को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी स्पिक्तयाँ पर स्चान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रांकत स्पिक्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हित- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त धब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषितः है, बही अर्थ होता, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनस ची

डीड नं० आई० 1259 सा० 25-1-85 अनुपार सम्तीत—प्रेयः: तील सल्या ५५ हा मकान सह् जमीन 3 गट्ठा 12 छ० 30 वर्ग फुछ ।

> शेख नईम्दीन सक्षम प्राधि हारी सहायक आयकर आयुक्त (िरीक्षण) अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

सारीख : 11-9-1985

मोष्टर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

लायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के सभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यांक्य, सहायक जायकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 10 सितम्बर 1985

निर्देश सं० 1868/ए० सी० नपू० आर 3/85-86--पनः, मझे, शेख नईमहीन,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात 'उकत किपिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारक हैं कि स्थापर सफरित, जिसका उचित शजार मृत्य, 1,00,000/- का से अधित है

ौर जिसकी सं० 11 है तथा जो अब्दुल रमूल एवंन्यू, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप संविणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, (श्राई ए० सी० सी० क्यू० आर 3) कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियण, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 14 जनवरी 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान श्रीसमान की निए बंतरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का अरण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसकी रथ्यमान श्रीतफल का प्रतिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बंतरिक्षी (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिय नय पाया स्था श्रीसफल निम्नितियों उक्तीच उक्तिय से उक्त जन्तरक कि सिक्त में अस्तरिक अर्थ के किया रही किया अवा है:--

- (क) भन्तरण से हुई सिक्षी मान की वासरा, क्रम्स विधिनमन से नधीन कर दोने के अन्तरण से कविरथ से सभी करने या उसने बचने ने सुविधा के कुथ; बीक़/सा
- (थ) ऐसी किसी आब वा किसी धन या जन्म आस्तिओं की, जिन्हों भारतीय आब-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवासनार्थ अन्तरिसी ब्यारा प्रकट नहीं जिल्ला धारा था था वा किया जीता साहिए का

क्षा. अब, उपल क्षिनियम की भारा 269-म के अनुसरण मं, में, उत्तर अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) चे जभीन जिस्तिसिक्त स्पिनित्यों. वर्षात् :--- 7-296GI[85

- 1. (1) श्री पंकज कुमार, पारेख
 - (2) श्री जगमाहम लाखोटिया
 - (3) इन्द्र देवी लाखोटिया
 - (4) सरला देवी कांकानी
 - (5) राज कुमार काकानी

(अन्तरक)

श्री अशोक कुमार पोहार

(अन्तरिती)

को बहु सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के जिल् कार्यवाहियां करता हु।

तक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिश्व सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध द्रुचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त आवित्तयों में से किसी व्यक्ति बनाए;
- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 4.5 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षारी के पास शिवित में किए जा सकोंगे ।

वर्गत्रम्

जमीन क्षेत्र---2251 वर्ग फुट ।

शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 3, कलकत्ता

तारीख: 10-9-1985

क्ष्म बार्वेड ठोड एर्ड हुन्-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) में अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यांसय, सहायक सायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजींन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, विनोक 10 सितम्बर 1985

निर्देश सं० 1867/एक्यू० रेंज-3/85-86---यतः, मुझे, शेख नईसुद्दीन,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (श्रिसे इसकों इसकों पश्चार 'उक्त अधिनियम' कहां गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/~ रह. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 13 है, तथा जो क्रकेड लेन, में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप मे विणित है), रिजस्ट्री 5र्ता अधि हारी के कार्यालय (एक्यू० रेंज-3) कलकत्ता में रिजस्ट्री हरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीम, तारीख 8 जनवरी, 1985

को प्रवेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मभ्ते यह विश्वास करने का कारण है

कि यह यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्रियमान प्रतिफल से, होने दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किथा गया है:---

- (क) अन्तरभ से हुई किसी नान की नातत, उन्तर अनिनियम के अभीत कर दोने के सन्तरक की वाधिरम में कभी करने ना उत्तरो नमने में जुनिशा के किए; कोंद्र/ना
- (वा) ऐसी किसी बाव या किसी धन या अन्य आस्तियों को चिन्हों भारतीय नाव-कर निधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनियम, या वन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोधवार्थ बन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया प्रया वा वा किया वाना वाहिए था, कियाने वें सविधा के सिक्;

बतः नवं, उक्तं वीविविवयं की भारा 269-न की वनुसरण वों, वों उक्तं अधिनियमं की भारा 269-न की स्पर्भास (1) को बभीन, निस्निसिसिस व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री पोपाट एवं कोछा प्रापर्टी

(अन्तरक)

2. श्री देवेन्द्र कुमार सांगभि

(अन्तरिती)

को यह सूचमा जारी करके पूर्वीक्त सम्बद्धि के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाधीप :---

- (क) इस स्थान के राजपंत्र में प्रकाशन की दारीय से 45 दिन की अमिश या तत्सम्बन्धी स्पिक्तयों पर स्थान की दासीस से 30 दिन की अमिश, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ट स्पिकतों में से किसी स्पित ब्वारा;
- (क) इक श्वाम के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हित-मृद्य किती अन्त व्यक्ति स्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिहिशत में किए वा सुकेंगे।

धनुसूची

कमरा-श्रेत-806 वर्ग फुट ।

शेख नईसुटीन सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) सक्षम प्राधिकारी अर्जम रेंज-3, कलकत्ता

तारीख: 10-9-1985

प्रकल नाइँ.; टी. एन. एवं.; - a + - ∞ वायकार निर्मानन, 1961 (1961 मन 43) की पाडा 269-व (1) के स्थीन सुम्मा

भारत सरकार

बार्वाजय, बङ्गायक शायकर शायुक्त (नि.डीक्स)

ग्रर्जन रेंज∽3, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 9 सितम्बर 1985

निवेण सं० 1866/एकबी० ग्रार०-3/85-86--ग्रतः मुं शेख नईमुद्दीन स्त्र आयकर अधिनिवन, 1961 (1961 का 43) (किस क्वर्ज इसके परवास 'उक्त अधिनियन' कहा गया है), की भारा 269-ब के बभीन तक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/- रु. से विभक्त है

और जिसकी सं० 58/14/8 है तथा जो प्रिस ग्रानवार साह, रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विजत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 30 जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कन के रण्यभाग प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते वह जिल्लास का कारण है कि अभाष्वोंक्त सम्बद्धि का उचित बाजार मूल्य, इतके रण्यभाग प्रतिफल से, एसे क्रयभाग प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकृत से अभिक है और बन्तरक (जन्तरकों) और बन्दिखी (जन्तरितियों) के नीच एसे जन्तरण के लिए तब वाया गंधा प्रतिफल, निम्मलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण सिखित में बास्त्रविक रूप से कथित नहीं किया गया है क्ष-

- (क) जन्तरण से हुन्दें किसी जाय की वाबत, उसत क्षित्यम के क्लीन कर देने के अन्तरक के द्वीवरच में कभी करने या उन्हें वचने में द्विधा के किए; श्रीद्र/मा
- (क) होती किसी बाव का किसी भव का जन्म जास्तिकों को, जिन्हों भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जीभिनियम, या भनकर अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) की अभिजामों अन्तिरिती ब्वाय प्रकट नहीं किया गया वा वा किया जाना भारिष् था, स्थिन में स्टिन्का वी किसी

(1) श्री प्राफता चौधरी और प्रन्य।

(मन्तरक)

(2) श्रीमती माधुश्री दास और भ्रन्य।

(मन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के सिंह कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बालेप ह

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय स 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वा की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हवाराः
- (अ) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्तक्ष्य किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अक्षाहस्ताक्षरी के पाव सिचित में किए या सकों में।

स्वष्टीकरण :--- इसमें प्रयुक्त जन्मों और पढ़ों का, जो जन्म अधिनियम के अध्याय 20-क में परिकाधित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया सका है।

मनुसूची

2/3 अंग कुल जमीन---4 कट्टा 2 छटांक 10 वर्ग फुट उसकी साथ एक काठाम निबन्ध हुआ डीड नं० 625 ता० 30-1-1985 के स्रनुसार।

> शेख नईमु्द्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज⊸3 कलकसा

अतः अवः, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख: 9-9-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आवकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 सितम्बर 1985

निर्देश सं० 1865/एक्यू० रेंज<math>-3/84-85—-म्रतः मुक्ते, शेख नईमुदीन

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उदा अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का भारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

अरेर जिसकी सं० 2 है तथा जो रोलान्ड रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यात्रय, मी० एक्वी० प्रार०-3, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25-1-1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के सरयमान गितफल के लिए अन्तरित की गई है और म्भे यह विश्वास भरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार ल्य, उसके सरयमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का न्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक अंतरकों) और बंतरिशी (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसि किसी जाय या किसी धन या अन्य बास्तियों का जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

(1) मैं० सत्यम् पोजेक्ट्स ।

(ग्रन्तरकः)

्(2) श्रीमती सरला देवी मुन्द्रा और श्रन्य। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा ओ उस अध्यास में दिया गया हैं।

अनुसुची

एक प्लाट नं० 1, डी॰ ई० जो 37 ईई फार्म के अतुसार निबन्ध हुमा ।

> शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज⊶3, कलकत्ता

आतः अन्न, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिसयों, अर्थात्:——

ारीख : 9-9--1985

माहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज⊸3 कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 सितम्बर 1985

निदेश सं० 1864/म्रर्जन रेज~3/84~85→-म्रतः मुझे नर्द्रमृद्दीन

आयवर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मूल्य 1,,00,000/- रहा. से अधिक है

और जिसकी सं० 35 जे है तथा जो नेता जी मुभाप चन्द्र बास रोड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से बाणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 25-1-85

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दिश्यमान श्रितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार एंदे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्य से अक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया ग्या है:——

- (क) अन्तरण से हुई किनी आर की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एंसी किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नत अधिनियम, या अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री पिख्य उमेश बेनेगल ।

(अन्तरक)

(2) सुजुक्ति (इण्डिया) लि०।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 4 विन की अविध या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचन की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

अनुसुची

प्लाट नं० 8 । क्षेत्र----7000 वर्ग फुट डीड नं० I, 1239 तारीख 25--1--1985 के भ्रमुसार।

> णेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, कलकत्ता

अतः अव, जक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मी, जक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

नारीख: 9--9-1985

प्रकृष बाइ . टो . एन् . एक् . ------

भायकर जीपनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-ज (1) के जभीन स्चना

नारत तरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर जागूक्त (निर्देशिक)

धर्जन रेंज, बंगलूर बंगलूर, दिनांक 2 सितम्बर, 1985

नितेष सं० नोटस नं० 47689/85-86-- मृतः मुझे, भार० भारक्षाज,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

- अ ौर जिसकी सं० एस० 134/9 डोर नं० 29-130 और 29131 है तथा जो बीदि मजलू रोड, पुलूर टाउन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है,) रिजस्ट्री-कर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, पुलूर रिजस्ट्रीकरण प्रधि-नियम, 1908 (1908का 16) के प्रधीन, तारीख 2-4-1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृष्य से कम के छ्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृष्य उसके छ्रयमान प्रतिफल से, एसे छ्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिष्ठत से अधिक है और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया नथा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वर्षय से उसत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—
 - (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्त्र में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
 - (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिथाने में स्विभा जी तिष्

जतः जब, उक्त अधिनियम काँ धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन. निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह——

(1) श्री के० शशिष्ठरा राव राजाजीनगर, बंगलूर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री के० सतीम मेट्टी, श्री सीताराम मेट्टी के पुत्र, कामबेहु, पुत्तूर एस०के० डिस्ट्रिक्ट।

(प्रन्तरिती)

(3) के० प्रभाकर राव,
नं० 29-130, बीदि मंजुलु रोड, पुसुर टाउन,
एस० के०
2. श्री एम० के० प्रभाकरा राव,
नं० 29-131, बीदि मजलु रोड,
पुसूर टाउन।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के भर्षन के सर्वध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीखें से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी वविध बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वों क्य स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति ब्वारा;
 - (क) इस सूचना के ट्राव्यक में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

ननुत्री

(दस्तावेज सं० 9/85-86 तारीख 2/4/1985) सम्पत्ति है जिसका सं० एस० 134/9, डोर नं० 29-130, और 29-131, जो बीदि मजलु रोड, पुत्त्र, टाउन, में स्थित है।

> श्रार० भारकाज सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रें ज, बंगसुर

तारीख: 2-9-1985

मोहर 🎚

प्रकृष वार्षं .टी .एन् . एव . -------

बायकर अभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के स्थीन स्थान

नारक बहुका

कार्यासय, सहायक सायकर नायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर बंगलूर दिनाक सितम्बर, 1985 निर्देश सं० नोटिस नं46804/84-85—अत: मुझे, श्रार० भारद्वाज,

कार्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), को धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० 44 है तथा जो गंगेनह ल्लि, बंगलूर में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद अनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 21-1-1985

को व्योंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्समान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गर्ड है और मुक्ते वह विश्वास अपने का कारण है कि बथापूर्वोंक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मुक्स, उसके इत्यमान प्रतिफाल से. एसे क्यमान प्रतिफाल का पत्कह प्रविच्छ से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और क्लाब्सी (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय बाबा गंवा प्रतिफास, निम्नसिवित स्त्ववेय से उच्छ अन्तरण सिचित में बास्तविक रूप में अधिक नहीं किया गया है हिल्ल

- (क) अन्तरण से हुए किसी बाव की वावत, उपल अधि-जिसस की अभीन कर दोने के अन्तरक के दार्थिक में कमी कारने वा अससे वचने में सुविधा के सिए; बीर्/वा
- (थ) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती प्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, जियाने में सुविधा के तिष्;

र्में क्रिकेट क्रिकेट क्रिकेट क्रिकेट की भारा 269-न के क्रिकेट क्रिक

(1) श्री एन०एस० श्री निवास, नं० 57, मिन रोड, शेशादिपुरम, बंगलूर 20

(अन्तरक)

(2) श्री मोहम्मद मुख्तार अहमद, नं० 6, ई-नं० 12, पेंशन मोहल्ला, स्रावे रोड, कास, बंगलूर।

(अन्तरिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

डक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में सोई भी जाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीज ने 45 दिन की जबींथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वव्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में जिए वा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का, जो उक्त विधिनियम के नध्याय 20-क में परिभावित इं. बड़ी नध्याय वो उस नध्याय में दिया गया है।

नगसर्ची

(दस्तावेज सं० 629/84 तारीख 21-1-1985) सम्पत्ति है जिसकी सं० 44, जो गंगेंनहल्लि, बंगलूर, में स्थित है।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 2-9-1985

प्रकृष नाइं. टी. एन . एस . -----

माधकर मीधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा धारा 269-ण (1) के मधीन सूचना

भारत स्रकार

कार्यान्य, सहाथक कायकार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जंन रेंज, बंगलूर बंगलूर, दिनांक 2 सितम्बर 1985

निर्देश सं० नोटिसन० 45967/84ब85— अतः मुझे आर० भारक्षाज,

कायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के कथीन सक्तम प्रीधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक ही

भौर जिसकी सं० 2/2 है, तथा जो हुथिस रोड, क्रास, बंगलूर, में स्थित है (शौर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्णक्य में वर्णित है, रजिस्द्वीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवाजीनगर, में रजिस्ट्रीकृष्ण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15जनवरी 1985,

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उचित बाजार मूख्य, उसके करवान प्रतिफाल से, एसे क्वयान प्रतिफाल का प्रमुख प्रतिकृत से विध्य है बीर अंतरक (अंतरकों) और बंतरित (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया गतिफाल निम्नितिसित उद्विध्य से उनत अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- हुँक) बंधरण से हुद किसी बाद कर बाबता, स्वस्त वरिश्वित्व से वशीम कर दोने के बंदाइक के दासित्व में कानी कारणें या उसने वसने में स्विशा के सिहर; औरर√ना
- (क) ऐसी किसी बाय था किसी भन या बस्य बास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्त अधिनियम, वा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया भया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने कें अधिका को बिद्ध;

बक्षः अब, उपत अधिनियम की भारा 269-ग औ अन्तरभ भाँ, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्मलिक्ट व्यक्तियाँ, वर्षात :-- (1)श्री जे० ज० मोनिस्न, नं० 2/2, हुथिस रोड, कास बंगलूर।

(अन्तरक)

(2) विन्सेंट तामस,
2. श्री जगन वि० तामस,
नं० 10/2, वेंकटरामन लोटे,
मारूति सेवा नगर, बंगलूर।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक

वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।

कार्य बहु सूचना चारी कारके पूर्वाक्त सम्पत्ति के सर्वन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

gradiciam gradica toplamatik (2012). Lawi (1000) - Esta de 2000 (1000) - Esta dari.

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के शायपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यवारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन के भीतर उसत स्थावर सम्पत्ति में हिटबर्थ किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पात के सिंब के विश्व के सिंब के सिं

ल्बलाकरण:---इसमें प्रयुक्त सक्तों और पदों का, वो उक्त विभिन्नम के कथ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा करें उस अध्याय में दिवा ग्या है !

समस्यो

(दस्तावेज सं० 3073/84 तारीख 15-1-1985 सम्पत्ति जिसकी सं० 2/2, जी हथिस रोड का ा. रोड, बंगसूर में स्थित है।

> आर० **भारद्वाज** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अ**र्जनरेज, बंगलू**र

तारीख: 29-1 1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आगकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर दिनां ह 2 किंत्मबर, 1985

निर्देशमं० नोटिश स० 5974/84-85-- अनः मुझे, आर० भारतान,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एक्षात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जितकी सं० आर० एस० 1682/2ए 1683/2 ए० एस० नं० 10/2ए 9/2ए है, तथा जो कसवा बाजार विलेज, बंगलूर में स्थित हैं (भीर इसमे उपावड अनुसूची में भीर पूर्ण क्या से विजा है)' रिजिट्टी उर्जा अति उत्तरी के जावित्य, बंगलूर, में रिजिट्टी उर्जा अधिरियन 1908 (1908 का 16) के अभीज, सारीख 24 जनवरी 1985,

को पर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त रूम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उत्तरे दर्यमान प्रतिफल के एसे दरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में थास्तविक एप से कथित गृहीं किया गया है:—

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आर की बाबत, उक्त निगम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

ॅं अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मॅं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए को उपधारा (1) के पर्गान, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 8—296GI|85 (1) जनाब अब्दल खायर मावेद, अपोजिट: जुम्मा मसजिद

(अन्तरक)

(2) बेंदूर डी० के०, ऐशा, कुद्रोलि, मंगलूर।

(भ्रन्त रिती)

को यह प्राप्त जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में स्माप्त होता हो, के भीतर प्रवेकित व्यक्ति यों में से फिसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थब्दीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त कन्दा और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बड़ि अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूचे र

(दस्तावेज सं० 1659/84 तारीख 24-1-1985) सम्पति है जिसका सं० आए० एस० 1682/2ए, 1683/ 2ए, टी० एत० नं० 10/2ए 9/2ए, जो जसका बाजार विलेज, में स्थित है।

> भार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायर आयक्क अयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज,बगलूर

तारीख: 2-9-1985

मोहर 🎍

प्रकप जाइ. टी. एन. एस. -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुवना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रौज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 2 सितम्बर 1985

निवर्षेश सं. 46457 84-85--यतः म्फे, आर. भारद्वाज बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त यधिनियम' कहा गया है), की धारा 260-ख को अभीन सक्षय प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार भूल्य 1,00,000/- या. से अधिक हैं और जिसकी सं. 80 है, तथा जो पि और टि कालोनी, गगेनहिल्ल, वोंगलर में रिथन है (और इससं उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रुप्ट से वर्णित हैं) रिजिस्टी-करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन रिज्स्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय गांधीनगर में दिनांक फरवरी 1985 का पर्वोवत रूपिति के उचित बाजार मन्य में कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की एई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यशापर्शक्त सम्मत्ति का उचित बाबार - अथके द्वयमान प्रतिफल में । । से द्वयमान प**तिफल का** पंद्रह प्रतिकत से अभिक है और अन्तरक (अंसरकों) और अंतोरती (अंतरितियों) के बीच एंसे अंतरण के मिए तय पाया गया प्रति-क्रम निम्निसित उदहरेग से उसत बस्तरम नितित में नास्तिक रूप स कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से बुह' किसी आय की यावत. उक्क अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कसी करने या उससे वचने में सुविधः के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्क अधिनियम, बा धनकर अधिनियम, बा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में भृतिका के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा १६०-ग को, अनसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा २६९-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. (1) के. एस. कमला,
 - एस. स्रोश.
 - (3) एस . स्भाश ,
 - (4) एस. सतीश,
 - (5) कुमारी एस. सुनिता नं. 40, 5 कास,
 - (6) श्रीमती सूधा, नें. 71, वसंतानगर, बेंगलूर, 80 फीट रोड, प्रकाशनगर, बेंगलूर

(अन्तरक)

जि. एन. राजाक मार,
 नं. 162, होथ. जि. होथ. लेओट,
 ।।।मैन रोड, गंगेनाहिल्ल, बेगल्र

(अन्तरिती)

को नह त्यना बारी करके पूर्वोक्त बम्पित्व के वर्षव के किथ कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्रेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तत्मंबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अपिक, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

ग्रनुसूषी

संम्पत्ति ही जिसकी सं. 80, जो गंगेनाहल्लि, बंगलूर में स्थित है।

आर. भारदवाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आय्वत (निरीक्षण) अर्जन रोज, बंगस्य

तारील: 2-9-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण) **अर्जन** रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 5 सिसम्बर 1985

निदेश सं० नोटीस नं० 46283/84-85-अत: मुझे, आर० भारद्वाज,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'अक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समात्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 1,00,000/- रत. से अधिक है

भ्रांर जिसकी सं० आर० एस० 447/1, टी० एस० 188-1, है, तथा जो अन्नावर विलेज, मंगलूर में स्थित है (र्म्यार इससे उपाबद्ध अनुसूची में भार पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन €To 11-2-85

को पूर्विकत सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य संकम के बनयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने 🔍 का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का बाजार मृत्य, उसके दरमभान प्रतिफल रवयमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशतः से अधिक हैं आरे अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे बन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नसिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है 🖙

- 寒) अन्तरण से हुइ किसी बाय की बावत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक थे वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के विष्: वौर/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया वाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा

अस: जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) को अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:---

(1) श्रीनती जोहरा, रोतारिया चार्य रोड़, मंगलूर ।

(अन्तरक)

(2) श्री के० अब्दूल रंगीद, केयर आफ जीता इंटरनेसतल सपलैंस, नं० 20/18/1115, मोहम्मद हाउस, रोतारिको चार्य कास हरोड़, मंगलूर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपरि के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी क से 45 दिन की अविभिया तत्संबंभी व्यक्तियाँ पर सृपनाकी तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथींकत व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास मिनित में किए वा सकें गे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा यो उस अध्याय में दिया थया हुँ ।

(दस्तावेज सं० 1766/84 सा० 11-2-85) सम्पत्ति है जिसका सं० आर० एस० 447/1, 원이 एस० 188-1, जो अत्तावर विलेज, मंगलूर में स्थित है।

> आर० भारद्वाज मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगसूर

तारीख: 5-9-85

प्ररूप आई.टी.एन.एस. ------

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर बंगलूर, दिमांक 5 सितम्बर 1985

निर्देश सं० नोटीस नं० 46822/84-85-अत: मुझे, आर० भारद्वाज,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परिवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का फरने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार 1,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 84-भी है, तथा जो करकनाडि विलेज, मंगलूर में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजिस्ट्री इरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ता० 28-2-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान अधिफल के लिए अंतरित की गई है और मूम्में यह विश्वास कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से मृधिक हो और वंतरक (अंतरकों) और वंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नानां खत उद्देश्य से उक्त बंतरण निश्वित में बास्तिवक स्थ य कांचर नहीं किया नया है अ—

- (क) अन्तरण सं हुक किसी आय की बावत, त्यत अधिनियम के अधीन कर की की अन्तरक के वार्थित्व के लिए; और/या
- (ण) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

नतः भव, उन्त अधिनियम की धारा 169-ग के नन्सरण को, मी. अन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् क्रिस्ट (1) श्रीमती ऐसम्मा पाललङ्का, कनकानाडि, बंगलूर,

(अन्तरक)

(2) श्री मोहम्मद अनवर, सी० पी० सी० काम्पींड, कुद्रोलि, मंगलूर,।

(अन्धरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उनत सम्परित के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेपः ---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय र्थ 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, थो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्श व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति युवारा।
- (ख) इस सचना के राअपत्र में प्रकाशन की तारीस य 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास किसित में शिष्ण का सकति ।

स्पद्धीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त इधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया पक्षा है।

अनुसूची

(घस्तावेज सं० 15/84-85 ता० 28/2/85) सम्मति है मित्राम सं० 84-प्री०, जी कनकानाहि विलेज, मंगलूर में स्थित है।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 5-9-85

प्रका बाइ. टी. एम. एव.

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहारक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर बंगलूर, दिनांक 3 सितम्बर 85

निर्वेश सं० नोटीस नं० 46329/84-85-अतः मुझे, आर० भारद्वाज,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जित्रकी सं० 4/1 है, ध्याजी जान आरमस्ट्रांग रोड़, रिचार्ड दोत, बेंगलू: में स्थित है (श्रांट इससे उपवाद अनुभूवी में भार पूर्ण रूप से वाणित है), रिक्ट्रिकरण अधितियम 1908 (1908 का 16) के अधीन सा० 8/2/85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मून्ने यह विश्वास करने अन्न कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गथा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथिश नहीं किया गया है:—

- (क) मंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बॉधिनियम के अधीन कर दोने के बत्रक के बायित्व में कभी करने या उससे वचने में स्विधा के लिए; ब्रोट/या
- (क) एंसी किसी बाय या किसी धन या अस्य आस्तियं कां, जिन्हां भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उकत अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा चै सिए;

बतः श्रेषः, उक्त विधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण बैं, मैं, उक्त विधिनियमं की धारा 269-ण की छपधारा (१) बैं बधीन, निम्नस्थिवत ध्वक्तियों, वर्धात ध— (1) श्री एम० अहमद हुसैत, नं० 40, लावेले रोड़, रिचमन्ड रोड़, बेंगलूर

(अन्तर्ह)

(2) श्री शामस जे० डिसीजा, प्रशिक्षित श्री वि० वि० जान, नं० 27/4, दामोदर मोदलवार रोड़, अलसूर, बेंगलूर-8

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप अन्न

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि शव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ट व्यक्तियों में से किसी स्थित द्वारा;
- (च) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकोंगे।

म्मध्दीकरण: --इसमें अयुक्त शब्दों और पदों का, को अवस अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिक: हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दरतावेज सं० 3400/84 ता० 8/2/85) सम्पत्ति है जिसका सं० 4/1 (भाग), जो जान आरमस्ट्रांग रोड़, रिचार्डस टीन, बेंगलूर में स्थित है।.

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्तः (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

सारीख: 3-9-85

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 3 तिसम्बर 1985

िर्देश सं० नोशीत नं० 46328/84-85-अतः मुझे, आर० भारदाजः

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परेचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00.000/- रु. से अधिक है

प्रीट जि.की सें० 4/1 है, तथा जो जान आरमस्ट्राग रोड़, रिकार्डर टीन, बेंगलूर में स्थित हैं (प्रीट इससे स्टाइब्ब अनुसूर्वा में प्रीटपूर्ण हम से बिणत हैं), रिजस्ट्रीकरण[अधि-नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन ता० 8-2-85 को पूर्वीक्त संपत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के बनुसार अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य. उसके राष्ट्रमान प्रतिफल से, एसे राष्ट्रमान प्रतिफल का ब्रम्ह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय प्रता गया ग्रांतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण हिस्सित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधि-ियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- ह) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य झास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के सिए;

अत: अथ., उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुरूरण में, मैं., उक्त अधिनियम की धारा 269-म को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् : (1) श्री एम० अहमद हुसैंग र्न० 40, लावेल रोड़, रिचमंड रोड़, बेंगलूर ।

(अन्तरः ह)

(2) श्री तामस जे० डिसीजा, प्रतिनिध श्री वि० वि० जान, नं० 27/4, दामोदरा मोदलबार रोड़, अलसूर, बेंगलूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्षत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियों में से किसी अवित दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4: दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसे अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिखित में से किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

वन्स्ची

(दसाविज सं० 8399/84 भा० 8/2/85) सम्ित है जित्रका सं० 4/1 (भाग), जो जान आरम स्ट्रांग रोड़, रिचार्ड स टीन, बेंगलूर में स्थित है।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

सारीख: 3-9-85

प्रकप आहें, टी. एन . एस . ------

क्रथकर ब्रोधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ) भारा 269-म (1) के ब्रधीन सुमना

थारत सरकार

कार्यालय . सहायक जायकर आयक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनौंक 5 सिलम्बर 1985

निदेश सं० 3933/84-85-यतः मुझे आर० भाष्ट्राज, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चातः 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), फरी धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वाम करने का कारण हैं कि स्थावर मम्पिता, जिसका उच्चित वाजार मन्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० 24 1 है, तथा जो 16 'ए' मैन रोड, IV ब्लाक, जयानगर, बेंगलूर में िथत है (ग्रीर इनसे उपाबद्ध अनुसूची में आर पूर्ण रूपसे वर्णित है), रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनौक 3-1-1985, जयानगर, का प्वक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम क रहयमान प्रतिफल के लिए अंतरित को गई है और मुर्फ यह विद्याम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित भाजार मृत्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, ऐसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अत-रिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उददेश्य से उक्त अंतरण निम्नलिखित

वों भास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उक्त वचने में सुविधा के लिए; बौर/बा
- (वा) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों को फिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए।

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) वे सधीन, निम्निचित स्थितियों, अर्थात:—— (1) श्रीमती बी० एत० प्रधातती , सं० 13, 80 फीट रोड, राजाजीनगर, बेंगलूर-10 ।

(भन्तरक)

(2) श्री एम० आर० श्रार० शेट्टि, सं० 46, XV कास, III ब्लाक, जयानगर, बेंगलर-II

(ग्रन्सरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पर्शि के नर्जन के सम्बन्ध में कोई' भी बाक्षेप :----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि , 'यो भी अवधि साद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रोंक्त स्थितसारों में से किसी स्पक्ति द्वारा;
- (क) इस मूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सैं 45 दिन को भीतर उक्त स्थातर सम्पत्ति में द्वितसम्ब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-का में परिभाषित हैं, तहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका स्था है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 3933/84, दिनांक 3-1-85)

संपति है, जिलकी सं० 24 1, जो 16 'ए' मैं न रोड, IV ब्लाक, जयानगर, बेंगलूर-II, में स्थित है।

श्रार० मारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलुर

दिनौंक : 5-9-198**5**

में हर:

प्ररूप काइ. टी. एन. एस. -----

कायफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, क्षेंगलुर

बेंगलूर, दिनौंक 5 सितस्बर 1985

निदेश सं० 46015/84-85-प्रतः मुझे, प्रार० भारद्वाज, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्डात् 'उक्त अधिनियम' कहा नया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

म्रोर जिनकी सं० 24 1 है, तथा जो 16 'ए' मैंन रोड, IV क्लाह, ज्यानगर, बेंगलूर में स्थित हैं (ग्रोर इससे उपाबद मनुभूची में मोर पूर्ण रूप से बींगत हैं), रिक्टिंकरण मधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनौक 5-1-85, ज्यानगर,

कां पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करा का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया मितिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है 4—

- (अत) अतरण सं हुई जिल्ली भाग की बाबत, उक्त विधानियम के वधीन कार दान के वितरक की दायित्व में कभी कारने या उससे बचने म सुविधा के लिए; बौर/बा
- (थ) ऐसी किसी नाय या किसी भन या बन्य वास्तियों को, जिन्हों भारतीय नायकार निधिनयम, 1922 । 1922 का 11) या उक्त निधिनयम, या धन-कार निधिनयम, 1957 । 1957 का 27) के प्रयाजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

बत: अब. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण बे, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीय, पिम्लिबित व्यक्तियों, अधीत : (1) श्रोमती वि० एस० उमादेवी, "ओ या", सं० 498, राजाजीतगर II स्टेज, वेंगलूर⊶10

(घन्तरक)

(2) श्री एम० धार० धार० शेट्टि, सं० ४८, XV कात, III ब्लाक, जयानगर, बेंगलूर-II

(भन्तिरती)

का यह स्थान कारी कारके पृथीकत सम्पत्ति के अर्थन के सिध कार्यकाहिया कारता शुर्वे।

जनत सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्व कर क्यांक्तयों में से किसी न्यांकत द्वारा;
- (ब) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के शास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिस गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 3932 84, दिनौंक 5~1~85) संनत्ति है, जिन्नकी सं० 24 1, जो 16 'ए' मैंन रोड, IV क्लाक, जयानगर, बोंगलूर, में स्थित है।

> म्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, बेंगजुर

विनौंक : 5-9-1985

प्रक्षे बाहें .टी .एमें .एस : ------

काक्षकण्य विधित्रियम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-व (1)√के नधीर स्वना

भारते सरकारः

कार्यालय, सहायक जीवकर जीवक्त (निरीक्क)

म्रर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनाँक 5 सितम्बर 1985

निदेश सं० 45998/84-85-यतः मुझे, प्रार० भारद्वाज, नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसर्वे इसर्वे प्रकार (उनकः अधिनियम कही गनाः है); की भारत 26 फ़्रेंकर की अधीन सकम प्राप्तकारी को, वह जिस्साद करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित्त वाजार मृत्य की कम के दश्यमान 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

गौर जिसकी सं ० 40/2 है, तथा जो पट लामागृडि रोड, बसवन-गृडिं: बेंगेल्र्र--4' में स्थितं हैं (ग्रीर इसंसें उपाबर्खें मनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनाँक 19-1-85, बसवनगृडि को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिकल के लिए बन्तरित को गई है और मुक्ते यह स्वयमान प्रतिकल के लिए बन्तरित को गई है और मुक्ते यह स्वयमान विश्वाह कैंदिने की करिए हैं कि युधापूर्वींक्त सम्पत्ति की उचित्त विश्वाह कैंदिने की करिए हैं कि युधापूर्वींक्त सम्पत्ति की उचित्त विश्वाह कैंदिने की करिए विश्वाह प्रतिविद्या से विश्वाह की किए तक पाना वा शिरकल निम्निति उद्देश्य में उच्च कन्तरक निम्नित विश्वाह के स्वयमान प्रतिकल के स्वयमान प्रतिकल का किए कि निर्मा के स्वयमान प्रतिकल का निर्मा के स्वयमान प्रतिकल का स्वयमान प्रतिकल की स्वयमान प्रतिकल का निर्मा के स्वयमान प्रतिकल की स्वयमान स्वयमान

- (क) अन्तरण संहुई किसी नाय का बाबत, डाबत नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दावित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीद/शा
- (क) ऐसी किसी बाव या किसी बन था बन्य बासिसी की, विस्कृ बारदीय बावकर निवित्तक । 1922 (4922 का 11) या उक्त बीवित्रक या घर-कर बीवित्रक । 1957 (1957 के 27) के प्रशेषनीय जन्म विस्ति स्वार्थ प्रकृष्ट नहीं किया वास वास किया बाना चाहिए था, कियाने के सुविधा के सिक्ष

(1) श्री बी० एम० जगादेण.
 सं० 40/2, पटालम्मागुडि रोड,
 बसवनगुडि, वेंगलूप----- !

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती श्रनीसा खात्तून, सं० 30, नंजाप्पा, रोड, शाँतिनगर, वेंगलूर—27

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथांकन गंगित्ता के वर्षान के विश् कार्यवाहियां करता हो।

वर्षेत सम्बंदित के प्रवाद के व्यवस्थ के कोई भी बाबोर :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र की प्रकाशन की सारीस से 45 हिल की अवधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताजीस से 30 दिन की अवधि, को भी ववधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में सं किन्दी क्विन इवारा;
- (ख) इस सूचना के राजगण में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गण्य लिखिल में किस अप स्कर्ति ।

स्वर्धीकरण: --इसमें प्रयूक्त शब्दों और थदो का, सो उमेंस अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक ही, वहीं अधे शुक्क आ उस अध्याय में विवा गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 4220.84, दिनाँक 19-1-85) संपत्ति है, जिसका सं० 40/2, ुक्को टासलम्मागुडि रोड, बसवनगुडि, बेंगलूर-4, में स्थित है ।

श्चार० **भारद्वाज** सक्षम प्रा**धिकारी** पहाय*्*त्राया प्रायुक्त (नि**रीक्षण)** स्रजैन रेंज, **बंगल्र**

दिनाँक: 5-9-1985

मोहर

प्रचम बाह् ,टी, धून . ह्रय .. -----

आयमाः अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (१) के अधीन स्वका

भाइत सरकार

कार्यन्त्र महास्यः मामकार जार्*यक (विद्यास्*र)

प्रजीन रेंज—, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनौंक 5 सितम्बर 1985

निवेश सं० 46017/84-85-यतः मुझे, म्रार० भारताज,

कामकर कांधिनियम, 1961 (1961 का 43) (किसे इसमें इसके परकाद 'उक्त किधिनियम' कहा गया हाँ), की वारा 269-ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारों को, यह विकास करने का कारक है कि स्थावर सम्पत्ति, ज़िसका उचित्र जाकार मूक्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ष्मौर जिसकी सं० 5 है, तथा जो 37 काल, -VIII ब्लाब, जयानगर, बेंगलूर-II सें स्थित है (ब्रीट इसमें उपानद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजित है), रिजस्टी एएण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनौंक 5-1-85

को पूर्वेक्त संपरित को उपित बाजार मृल्य के कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मंभ्रे यह किश्यमान करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ट सपित्त का उपित सामार मृस्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से, एसि इश्वभाव प्रतिफल का पंच्छ प्रतिक्षत से अधिक है और जन्तरिक (अन्तरकों) और जन्तरिती (जन्तरितयों) के नीच एसे अन्तरण के लिए इश्वभाव प्रता प्रति-फल निक्किशिक्त उद्वदेश से उसत अन्तरण विविद्य में बास्तिक ह्या से कीश्रत नहीं किया गया है :---

- (क) बन्धरम त हुई किसी बाध या यावस उपस् विधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी परने ा उसके अपने में शिवभा के निष्ह; वरि/या
- एसी किसी बास या किसी धन था अन्य लगस्तियाँ का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्ता अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वे पणेजनाथ अन्तरिती द्यारा एकत नहीं किया एका था या किया जाना चाहिए था, कियाने के लीवा को विद्या

भतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग औं अनुसरक जं, में. उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधार (1) के अधीन, निम्नितिसित अक्तियों, अर्थात :--- (1) श्रीमती लीला पि० परीक,ग्रलेंबिक ग्लास कालोनी क्वाटर्स,वैटफील्ड, बेंगलूर ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री जगत मिंग बैंद,
2. श्री किरण मिंग बैंद,
8. श्री अनन्द सिंग बैंद,
सं० 59, जमुनलाल बजाज स्ट्रीट, कलकत्ता ।
(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिसे कार्यवाहियां करता हुं।

बाबत सन्पति के पर्यंत के सम्बन्ध में कोई वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, के भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस सं किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास 45 दिन के भीतर उसत स्थावर सम्पत्ति में हितबहुभ सिनित में किए जा सक्ति।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिला क्वा है।

समस्य

(दस्तिविज सं० 3969/84 दिनाँक 5–1–85) संपत्ति है, जिसका सं० 5, जो 37 क्रास,-VIII ब्लाक, जयानगर वेंगलूर, में स्थित है ।

श्चार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायम प्राय⊀म श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुर्जन रेज, वैंगलूर

दिनांक : 5-9-85

मोहर '

प्रकल काइ . टी, एन एस .-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर माय्यत (निरोक्तम)

म्रर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास दिनाँक 10सितम्बर 1985

निदेश सं० 7/जनवरी/85— अतः मृझ, २० वेणुगोपाल राजू,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उकत अधिनियम' कहा गया है।, की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह वित्यास करने का कारण है कि स्थावर संस्थिति, जिसवा स्थित स्थावर मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० एस० सं० 197/2, जागीर श्रम्मापालयम, सेलम है, तथा जो सेलम सें स्थित हैं (श्रीटड्रांस उपायद श्रमुसूची में श्रीरपुर्ण रूप से बणित हैं), रजिस्ट्रीशति श्रीध रारी के नार्यालय, सूरमंगलम (दत्त सं 97/85) में भारतीय विश्वेष हरण अधि-नियम, 1908 (1908 एए 16) के श्रधीय, लागीच 16 जनवरा, 1985.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मान्य सं काय के एश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित को गई है और मुन्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का रुचिता बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल में. एमि मान्याना, प्रशिक्षण का पत्दह प्रतिकात से अधिक है और अंतरफ (अंतरकों) आरे अतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पामा गया प्रतिफाल निम्नलिखित उद्देश्य से २०३ अतरण लिखित में बास्तविक क्य से कथित नहीं किय गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुई फिसी आप को बागा उसत नाध-नियम के अधीन कर राते के अन्तरक ल वाधित में कमी करने या उससे बच्ची यो का पार्टी निए, बार/या
- (क) एसी किसी आप मा किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय भागकर अधिनिता, 1922 (1922 का 11) या एकत आधिनिता, या अन कर आधिनियम, 1957 (1947 कि 27, की अयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा १६ वटा किया प्रशासित प्रशासित प्रशासित क्या मा किया जाना चाहिए था, कियान में सुप्रवधा खे सिए;

कतः भव उक्त अधिनियम की भारत 789 । भी मनसरम मा, मी, उक्त अधिनियम की पास 269 थ को उत्पास (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियो, अधीर ---

- (1) श्रीमित रुक्मणियम्माल ग्रौर 6 ग्रन्यों। (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमति के० यशोदा । | (ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी याक पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्थन के विष् कार्यवाहियां करता हां।

उनत संप्रित के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप 1--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी **स** 45 दिन की अविध या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना को तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस नूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उन्तेत स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्तित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास जिसके में किए जा सकेंगे।

स्पब्दोकरणः ज्याहम प्रयुक्त शब्दो कोर पड़ों का, जा उक्त अधि-ोनमम के बच्चाम 20-क में परिभाषित हैं, महीं कर्थ होगा, जो उस कच्चाय में दिया गया है।

अनुसूची

्रिंश स्मिल्ल्न्स् १० १० १० १७ $\hbar 2$ - अतीर श्रामाण**लयम,** गाँब, संस्था,

(ए र० कार० आ० सुरमंगलम - ४व० : सं० 97/85) ।

कार नेगु में ताल राजू अक्षम नामिकारो नहें बाक पानका प्रामुखन (विरोज्यम) अर्जन रेज-१, महास

ार्च : 10-9-1985

में हर:

प्ररूप आई .टी . एन . एस . ----

अध्यक्तर आधारणम, 1901 (1961 का 43) क्रौ भारा 26०० (1) के अधीन सूचन

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास. दिनाँ इ 10 सितम्बर 1985

निदेश सं० 18 जनपर: 85--श्रतः मुझे, के**० वेणुगोपाल**

राजू, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मेक्सर प्रतास्तारा को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जीवत 1,00,000/- रु से अधिक ही

ग्रीर जिसकी सं व सर्वे नं व 62/1, ग्रीर 59/8 तन्तम्पट्टी, गांव, है, तथा जो किलम पार्च पर के साथ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची के प्रार पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता में ग्रीधकारी के प्रार्थालय, सेलम ईस्ट (द 81/85) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रीधन, तारीख 16 जनवरी, 1985,

- (क) जन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचा में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आप मा किसी धन या शन्य आस्तियों का, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गरा था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सृविधा के लिए;

अतः शक्ष, उनत अधिनियम की भारा 269- के अनुसरण भौ, मौ, उनत अधिनियम की भारा 269- घनो उपभारा (1) इं अभीतं, निम्मिलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह—- (1) श्री ईस्वरन।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री नटेस गौण्डर:

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ाही 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी अविकाशों अर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो और अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत-व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इम सूचना के राजपत्र में प्रक्राशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए, जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाष्टि है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि ग्रौर मकान--सर्वे सं० 62/1 ग्रौर 59/8, तन्त-म्पटी गाँव, सेखम फार्म घर के प्राथ

(एस० ग्रार० ग्रो० सेलम ईस्ट--दस : सं० 81/85)

के० वेणुगोपाल राजू सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकरग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख: 10-9-1985

मोहर '

प्रकथ नार्च.टी.एन.एत.-----

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सष्टायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मन्नास

मद्रास, दिनांक 10 सितम्बर 1985

निदेश सं० 20 जनवरी/85 - ग्रतः मुझे, के० वेणुगपोपाल राज आयकर शिधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्तात् 'अक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विध्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अधित बाजार मूस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं 48, कैलाचेम्पालयम्पटी, निरुचेंगोडु तालकू, है, तथा जो सेलम जिला में स्थित है (और इससे उपाबह प्रनुपूची मां और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यान्य तिरुचेंगाडु (दस सं. 161/85 में भारतीय रिजस्ट्रोकरण अधिनियम 1908 (1908 का 61) के अधीन जनवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरक से हुई किसी बाय विवास, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अधिरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में स्विधा के सिए; और/या
- (भा) ए'सी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ का जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (195'' का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के सिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के बनुसरफ कें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित:— (1) श्रीमति सकुन्तला।

(प्रन्तरक)

(2 श्री ए० एस० ग्रप्पाब् मुदलियार।

(भ्रतरिती)

का यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उत्रत सम्पत्तिः के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विं की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाट में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृकारा;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की सारीब से 45 कि। के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किथी अन्य व्यक्ति व्यास अधोहस्ताक्षरी के पत्त लिखित में किए का सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-- हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अगत ची

भृमि और मकान--48, कैलासम्पालयम्पटी तश्चेंगोडु, तालुक, सेलम जिला।

(एस० म्रा ः ओ विह्नें गोडु-दस सं व 161/85)

के० वेणुगो गल राजू सक्षम काधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (िरीक्षण) श्रर्जन रें ज∙I, मद्रास

तारीख: 10-9-1985

मांहर :

प्रकार बाह". टी. एन. एक.-----

बाक्षकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-वं (1) के अभीन सुवना

भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक गायकर गायुक्त (निरोक्षण)

धर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 जनवरी 1985

निदेश सं० 21 जनवरी, 1985च-ग्रानः मुझे, कें० वेणु गोपाल राज्,

मायकर निभिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है । क स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाचार मूस्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

भीर जिसकी संव सर्वे नंव 158/2, एव केव एफवरोड, है तथा जो तिरुचेगोडु विश्वद है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय तिरुचेंगोडु, (दसव संव 162/85) में भारतीय आयकर शिंधनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारी ख जनवरी 1985

को पूर्वित सम्पत्ति के उत्तित बाबार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिकल के लिए मंतरित की गई है और मुभी यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वित्त सम्पत्ति का उत्तित बाजार मृत्य, उसके श्रव्यमान प्रतिकल सी, ऐसे श्रव्यमान प्रतिकल का नृत्यह प्रतिशत से बाधक है और मंतरक (मंतरकों) और मंतरिती (मंतरितियाँ) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्ष्य, जिम्लीमृत्वित श्र्वित्व से उत्तर सन्तरण भी बादत में वास्तिविक स्वाप्ति के समा स्वाप्ति कर्म से क्षिण नहीं किया नवा है हु---

- १ंका अन्तरण ये धुर्द कियी आयं की बाधत क्या वृद्धि-रिवद से न्यीय कर दोने से बन्तरक भी दासिका वी मजी करने या कवती रचने भी तृत्या से लिये; और बा/
- (क) एँसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, चिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अनत अधिनियम, या धन-भार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तियों वृक्षारा प्रकट नहीं किया जना चौ का किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा हैं किए;

बत्त. कन, उक्त विधितियम की धारा 269-ा के, अनुसरण वें, में, उक्त अधितियम की धारा 269-व कं उपधारा (1) कें अधीत, जिल्लिकित व्यक्तियों, वर्षात् :⊶ (1) ए० सकुन्तला

(भन्तरक)

(2) श्री एन० नाचिउत्तु (मैनर) माता ग्रीर गार्डियन जयम्बद्धमी ।

(भ्रन्तरिती)

क्यों मह सूचना चारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राषपत्र मं प्रकाशन की तारीच सं
 45 विन को अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वीक्त
 व्यक्तियों में किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीत है 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्दभ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए ए। सकरेंगे।

स्वक्रीकरणः इलमें प्रयुक्त कर्न्यों और पदों का, को उक्त विभिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित ड़ी, यहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में विसा गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान-सर्वे नं० 158/2, ए० के० एफ० रोड़, तिरुषेंगोंडू (एस० भ्रार० ओ० तिरुचेंगोडू दस'० सं० 162/85)

> के० वेणुगोपान राजू सक्षम प्रा'धेकारी सहायक आयकर स्रायुक्त (निःीक्षण) श्रर्जन रेंज−1 मद्रास

दनांक : 10-9--1985

प्ररूप **कर्ष्य** .टी . **एन . एस** . चन्द्रच्याचनतम्

1. श्री एम० मान्यन श्रीर श्रन्यों

(भ्रन्तरक)

 श्री टान इंन्डिया वॉट्ल् रोक्स्ट्रक्ट्स कम्पनी लिमिटेड (भ्रन्तरिती)

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म(1) के अभीन सुचना जारत संस्थार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिन्होंक 10 सिम बर 1985

निर्देश सं० 24/जनवरी/85---यतः, मुझे, के० वेणुगोधाल राजू आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रहे से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० सर्वे सं० 207/2 ग्रीर 207/3 है, तथा जो सौतापुरम गांव में स्थित है (ग्रीर एससे उपाबढ़ ग्रमुसूर्वा में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) अजिस्ट्राता ग्रिध तरें के कार्यालय, संकणिरी (दस्तावेज सं० 22/85) में रिजिस्ट्राकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 जा 16) के ग्रश्नान, ताराख जनवरीं, 1985 को प्वॉक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के दरममान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मफ़े यह विश्वास करने का कारण है कि ग्रभाप्वोंक्स संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दरयमान प्रतिफल के एसे दरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (ग्रन्तरकार) ग्रीर अन्तरिती (अन्तरितयाँ) के बीच एसे ग्रन्सरण के सिए वय पावा ग्रमा प्रतिफल, विश्वासित उद्देश्य से अक्स कम्मुरूव जिल्ला में वास्तिकल, विश्वासित उद्देश्य से अक्स कम्मुरूव जिल्ला में वास्तिकल, विश्वासित उद्देश्य से अक्स कम्मुरूव जिल्ला में वास्तिकल क्या से किया गया है :—

- (६) अन्तरण सं हुई किसी जाय की बावत, उक्त विधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; ब्रीट/बा
- (का) ऐसी किसी बाय या किसी वन या कर्य आस्तिबों की जिल्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अल्होरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

की यह सूचना धारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां स्वाक्त करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (का) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ब) इल म्बना के राजपत्र में प्रकाशन की कारीब से 15 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमा अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास । लोखन में किए या सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—-इसमे प्रयुक्त शब्दों और पतों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्सूची

भूमि---सर्वे सं० 207/2 श्रौर 207/3, सौतापुरम गांव (ए० श्रार० श्रो० संकगिरी ---द्रस्तावेज सं० 22/85)

> के० वेणुगोप।ल राजू सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

अतः अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण चें, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-**य की उपधारा** (1) हे अधीत, निक्तिरित **अधिका**में, **वर्षात** ——

तारीख: 10-9-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भाग्यकर निधितिसम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अमीन सुम्मा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, विनांक 12 सितम्बर 1985

निर्देश सं० 26/जनवरो/85—-यतः, मुझे, के० वेणुगोपाल राजू,

नायकर जिमिन्यम, 1961 (1961 का 43) (किस इसमें इसके पर्यात् 'उथर अभिनियम' कहा नना है), की धारा 269-स के अभीन तक्षम प्राविकारी की यह रिस्तास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, विक्रमा उणिश नामार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

प्रीर जिसकी सं टी एस से 179 है, तथा जो सेलम टाउन में स्थित है (प्रीर इससे उपाबद्ध शनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणत हैं) रिजस्ट्री क्ती ग्रीय हार के व योजय ता उगपट्टी दस्तावेज सं 19/85 में रिजस्ट्री करण ग्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, तारीख जनगरी 1985

को पूर्वीक्त संस्पत्ति के उचित वाजार मूल्य है कह के ज्वामान प्रतिकंत के लिए अन्तरित की गई है और वह विश्वास करने का कारण है कि स्थान्नोंक्त कमित का उचित बाधार पूर्व, उपके अवनान प्रतिकंत से, एसे अवनान प्रतिकंत का प्रकृत प्रतिकंत से बचित है बीर अंतरक (अंतरकों) और अंशरिहीं प्रतिकंत , निम्निविच उच्चेर्यों से उच्च बन्तरण कि विद्या निम्निविच के (बन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के निए सन पाना नया नास्त्रिक कन ने क्यान बहीं किना क्या है कन्न

- (क) अन्तपूरण से हुए जिल्ही नाय भी नामक रामत अधि-विश्वल की स्वीच कर दोन की बन्तरक को सामित्व में क्वनी करने ना उपसे अधने में सुनिया की विश्वा कीर/मा
- (य) होती किसी भाग या किसी पन या अन्य वास्तियों की, चिन्हें भारतीय भाग-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्हें अधिनियम, वा धन-कर विधिनियम, वा धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किना नवा था वा का वा वा वा विद्य था, फिनाने में सविधा के लिए;

बादः ब्रंप, शब्द विचित्रमं की पारा 269-म के समुखरण ही, भी, जन्म वीधीनयम की भाषः 289-म की उपभाराः (1) हे वजीय, निम्मिनियतं व्यक्तिस्मी, वर्षात् ह---- 1. डाक्टर के० ग्रार० जी० श्रीनिवासन

(श्रन्तरक)

2. श्रांटा० नागप्पन

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कावचाहियां करता हूं।

क्यत सम्मति के सर्वय में सम्बन्ध में बोर्स्ट सी वासेर एक

- (कं) इस सूचना के राज्यम ने प्रकाशन की तारीबंधें 45 दिन की अविन ना तत्संबंधी व्यक्तिनों पर सूचना की तानीसं से 30 दिन की वदिश्व को भी क्यिंग नाद में अनाव्य होती हो, के जीतर पूर्वितत व्यक्तिनों ने किसी व्यक्ति व्यक्ति हों।
- (क) इक सूचना के राष्ट्रपण में प्रकायन की तारीच से 45 दिन के नीतर उक्त स्थायर सम्यक्ति में डि्स-क्यूथ किसी बन्य व्यक्ति यूनारा अथोहस्तालरी के पात सिक्तिय में किए जा सक्ति।

स्वयक्तिरण:—इसमें प्रवृक्त सन्दों नीर पढ़ी का, को उभक्ष सीधनिक्स, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं सर्थ होगा, को उस सध्यास में दिवा स्था ही।

अनुसूची

> के० वेणुगोपाल राज् सक्षम प्राधिकारी महायह प्रायकर घ्रायुक्त (निरोक्षण) घ्रजेन रोज-1, मदास

तारोख: 12-9-1985

प्रकप कार्र्ड, टी. ऐन. एतं,-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन मुचना

नारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्चर्जन रेज-1, मन्नास

मद्रास, दिनांक 10 सितम्बर 1985

निर्वेश सं० 27/जनवरी/85—यतः, मुझे, के० ब्रेणुगोपास राजू,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसको सं० रैस सिल--सं० 388, डाक्टर वरदराजुलु नाइडू स्ट्रीट है, तथा जो ज्योति नगर, श्रालूर, सेलम जिला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्री इत्ती श्रीध हारों के कार्यालय, श्रातू : (दस्तावेज मं० 42/85) में रजिस्ट्राकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधोन, तारोख जनवरा, 1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित नाजार जूल्ब से कम के 'श्रम्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकाल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के नीच एसे बंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिबित उच्दिच्य से उक्त अंतरण लिखित. में बास्तीबक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संहृद्दं किसी आय की बाबल उबके अधिनियम के अधीन कर दोन के अन्तरक क रायत में कमी अपने या उससे दोनले से स्विधा के लिए; बॉर/शा
- (क) एसी किसी बाब वा किसी भन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिति: द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किसा अपने चीहिए था, खिएाने में सृविधा के सिर;

अतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग कः अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) चै अधीनः निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----10 —296GI|85 1. श्रं। एस० जा० एस० साहिबर्जा।

(भ्रन्तरक)

श्रं के० पी० गोपालकृष्णन

(भ्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुए।

उनत रापति के कर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वींक्त व्यक्तियों में से किसी स्थक्ति बहारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितश्रक्ष किसी बन्य स्थावत ब्यास अभोहस्ताक्षरी के पास निचित में किए जा सकोंगे।

स्पक्तीकरण:—इसमें प्रयुक्त सम्बाँ और पदों का, यो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया पत्रा हैं।

जा पांची

भ्िश्रीर मकान---रैम भिल---388, डाक्टर वस्दराजुल नाइड् स्ट्राट, ज्योति नगर प्रातुर सेलम ।

(एस० श्रार० श्रो० श्रातूर--दस० सं० 42/85)।

कै० वेणुगोनाल राजू सक्षम प्राधि परी सहायक भ्रायकर प्रायुक्त (पिराक्षण) प्रजीन रेजना, सद्वास

तारीख : 10-9-1985

प्रका बाई.टी.एन एस.-----

बायकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-क (1) के अभीन स्थाना

भारत सरकार

क्षयां जय, सहावक जावकर जावुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंा-1, मट्राप

मद्रास, दिनां 🖰 10 मितभ्वर 1985

निर्देश मं० 38/जनारः/85— श्रक्षः, मुझे, के० वेणुगोपाल राजू,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृष्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसका सं० डोर सं० 30/59-ड:-1, 30/59 डं:-2 30/59-वं:श्रीर सो है, तथा जो ये छडि गांव, सेलम जिला में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूचं। में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णिल है), पोजस्ट्रा हती श्रिश्च हारों के कार्यालय, ये छाडि (दस० सं० 12/85) में पजिस्ट्री छएण श्रिधितयम, 1908 (1908 का 16) के श्रयान, ताराख जनवरां, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रूपमान प्रांतफल ये लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, इसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरितियों) के बीच एमे अंतरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्निलिशत उव्वदेय से उक्त अंतरण निम्बित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण संहुर्ण किसी आय की बाबत, उक्त ऑपिनियम के अधीन कर की के जंतरक वं ग्रीयत्व में काफी करने था उक्तमें बहने में मृविधा के नित्तर; आर्थि/बा
- . क) एसी किसी आव या किसी अन या बन्य आस्तियों जों, शिल्कों भारतीय आयकार बिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 27) अनकार अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्योजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गा था या किया जाना चाहिए था खिपाने में जीवभा के किए;

शतः प्रवः, उदतः अधिनियमं की धारः 269-मं क अनुसरण को, मी, उकत अधिनियमं की धारा 269-मं की उपधारा (1) है अधीक निम्मानिधित स्वित्तकों क्षाति:—→ ी श्रा तारियन मात्युस श्रीप दूसरे

(ग्रन्तरः)

2. श्रां लक्षमणन

(ग्रन्तरितः)

को यह त्यना कारी करके पृथीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई ।

उक्त संपरित के अर्थन के संस्थनध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इंड स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक से 45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी विषयि नाम में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकास स्थितियों में से किसी स्थित ब्रांश;
- (ब) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्ला में किए जा सकेंगे।

साधिक पण:----इसमें प्रयक्त शब्दों और पूर्वों का, जो उक्त साधिनियम के अध्याय 20-क में गरिभावित हो, जाती अर्थ जाग्य आ तय अर्थात के उत्तर गमा क्षी।

भ्रनुसूची

भूमि भ्रौर मकान---डोर सं० 30/59 डा-1, 30/59 डा-2, 30/59-बी, श्रीर 30/59-मा, येण्डियांव, सेलम जिला। (एस० ग्राप्ट श्रीरु येजिंड गांव---दस० सं० 12/85)

> के० वेणुगोपाल राज् सक्षम प्राधिकार: महाबाद आया पर प्रायुक्त (निराक्षण) स्रजेन रेंश-1, मद्रास

तारीखं: 10-9-1985

मोक्षर:

त्रक्य आई.टी.एन.एब.----

साकार अस्तिनधम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

- -^---

(अन्तरक)

2. श्री एस० काशी अण्णन

1. श्री ए० सुब्बराया गोंजर ग्रांर अन्यों

(अन्तरिती)

भावत संस्कार

कार्यालय, सहायक अध्यकर नाय्वत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास मद्रास, दिनांक 12 सितम्बैर 1985

निर्देश सं० 40/जनवरी/85----यतः, मुझे, कं० वेणुगोपाल राज्

आयकार अधिनिक्स, 1961 (1961 का 43) (जिस इसम इसके क्लाइ 'उक्त अधिनिक्स' कहा एया है), की धारा 200-स के अभीन तक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारक है कि स्वावर सम्बत्ति, जिसका उचित बाबार बृश्य 1,00,000/- क. ये अधिक ही

श्रीर जिसकी सं० मर्वे नं० 106/2 है, तथा जा नामम्मल गांव में स्थित है (श्रीर इसन उनाबद्ध अनुपूची में श्रीर पूर्ण रूप में पर्णित है) रिजिस्त्री कर्ती अधिकारी के हार्यालय, नामम्कल (दम० सं० 40/85) में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1985

को वृथेंक्या सम्मस्ति के उपनत नाकार मूक्य से कम के उत्तरमान प्रिक्षक के चित्र अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास अज्ञत का कारण है कि यथाप्कांक्त संगीत्त का अधिक माजार कृष्ण . उसके उत्तरमान प्रीतिक्रण से, एसे व्ययमान प्रीतिक्रण का पत्तक प्रतिक्रण की पत्तक प्रतिक्रण की कार अवस्थित (अवस्था) और अवस्थित (अवस्था) की सिए तब एसे अस्तरण के सिए तब एसे गम्म प्रीतिक्रण . निम्निसिक्त उप्यादय से अक्त अन्तरण निम्निक्त महीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण संदुर्द किसी बाय की अबत, धक्त अभिनियत के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी कारने या उससे बचने में सुविधा के सिद्धा और या/
- (क) ऐसी किसी जाव या किसी धन या अन्य जास्तियाँ क्ये, जिस्हें भारतीय आवकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा धन्-कर अधिनियम, बा धन्-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिप्तने में सुविधा के लिए;

अतः जल, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण मे, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- का वह बुचना वारी कारके पृत्रोक्त समीत्त के बर्चन के लिए कार्यवाहियां करका हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मा कोई भी आक्षप 🐃

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिस की क्वीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तानीच से 30 दिन की जबधि, को भी अविध नाम में तबाना होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राज्यक माँ प्रयक्षकान की तारील माँ 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति माँ हितबव्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा आगोहस्ताअनो या पाल सिचित माँ किए जा सकति।

स्पच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याम में दिवा यस है।

ननस्यो

भूमि—सर्वे सं० 106/2, नामम्कल गांव, सेलम जिला। (जे० एस० आर०-2, दस० सं० 40/85)।

कें० वेणुगोपाल राजू सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

सा**रीख:** 12-9-1985

नोष्ट्र 🛭

प्रारूप गाई. टी. एन. एस. -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 ण (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 सितभ्बर 1985

निर्देण सं. 41/जनवरी/85—यतः, मुझे, के० वेणुगोपाल राज्,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भार 269-स के उधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सर्वे सं० 106/2 है, तथा जो नामम्कल गांव में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वॉणन हैं) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नामम्कल (दस० सं० 41/85) में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1985

का पृथींक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ब्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके इर्यमान प्रतिफल से, एोसे इर्गमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिकत्त, निम्नलिचित उद्देश्य से उस्त अंतरण लिच्ति में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है

- (क) बंबरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बीधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आम मा किसी धन या अन्य जास्तियां को, जिन्हों भारतीय जासकर जिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957, (1957 का 27, के प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गर्थ महा था दा किया जाना चाहिए था, दिवाने हों सुविधा के सिए;

1. श्री के० सुब्बराय गौन्डर ग्रीर अन्यों

(अन्तरक)

2. श्री नल्ली गौन्डर

(अन्तरिती)

का यह त्यमा जारो करके पूर्वीक्त सम्परितः के वर्षन के बिष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

सक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में काई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन का ताराख त 45 विन की जबिभ या तत्से बंधी न्या नत्या पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिभ, जा मा अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्बक्ति के हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकोंगे।

ेष्टिकरण: — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, को उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया यक्क हैं।

अनसमी

भूमि—नामम्कल गांव (सर्वे सं० 106/2) सेलम जिला। (जै० एस० आर०-3, नामम्कल—दस० सं० 41/85)

> कें० वेणुगोपाल राजू सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्राग

नतः शव, उक्त जोधनियमं की धारा 269-ग के बन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन निम्नतिकत व्यक्तियों, अधितः :---

तारीख : 12-9-1985

त्रक्त बार्च. टी. एवं. एवं. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के बभीन नुभना

माहर राज्याह

कार्यालय, सहायक जायकर नायकत (मिरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 सिनम्बर 1985

निर्देश सं० 2/जनवरी/85—यतः मुझे, के० वेणुगोपाल राज्,

आयकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 अब से अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सर्पात्त, जिसका उचित बाजार मूक्य 1,00,000 /- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० सर्थे सं० 384/1, 387/2, 388, 389/1, 391 ग्रीर 392 है, तथा जो केलवल्ली गांव, धर्मपुरी जिला में स्थित है (ग्रीर इसने उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), पिनस्ट्रीफर्ना अधिकारी के कार्यालय, बाहर (इस० सं० 20/85) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख जनवरी, 1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के दश्यमान प्रसिक्षल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का आरण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एमे दश्यमान प्रतिफल का अन्तर प्रतिफल के बन्दर प्रतिशत से बिधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, जन्मेलिकत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में तस्तिक क्य में किथा नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण ते हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक कें शाबित्व में कमी करने या उसके जबने में अधिथा कें निए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विभा के लिए;

कतः अभ, उकत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मीं, ककत अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिभित व्यक्तियों, रहा:--- ा. श्री एस० ग्रो० बाणा

(अन्सरक)

2. धर्मपुरी पेपर मिल्म प्राईवेट लिमिटेड

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पृत्रीक्त सम्पत्ति के करने के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की ज्यधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामीस से 30 दिन की अवधि, जो भी बबीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोकन स्यक्तियां में से किसी स्वक्ति द्वारा;
- (क) इंड इच्चा के राज्यम में प्रकाशन की वारीश है 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्मत्ति में हित बहुध किसी बन्य म्यक्ति इवारा, अभांहस्ताकारी के शक्ष निवास में किए था सकोंने।

स्वच्छीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिल-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहां अर्थ होंगा. जा उस अध्याय में दिया तथा है।

ग्रनु**लू**ची

कृषि भूमि (ग्राई)—केलवफ्षी गांव, धर्मपुरी जिला (एस० सं० 384, 387/1, 388, 389/1, 391 श्रीर 392)।

(एम० आर० बारूर---दम० सं० 20/85)।

कें० वेणुगोपाल राजू सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज-1, मद्रास

नारीखा : 12-9-1985

अरूप बार्ड, टी. एन. एस. ----

1. श्री तन्काचेन के इरिन्जेन

(अन्तरक)

भायकर जभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-भ (1) के अभीन सुभना श्रीमती आर० चन्द्रवल्मी

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालयः, महायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास मद्रास, दिनांक 12 सितम्बर 1985

निर्देण सं० 43/जनवरी/85---पतः, मुझे, के० वेणुगोपाल राजू,

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें उसके क्यात "ज़क्त अधिनियम" कहा गया है), की भारा 269-क् के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सध्यत्ति, जिसका उण्यत बाबार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रींश जिनकी संव छोर संव 19 है, तथा जो देन्तिकोट्ट गांव धर्मपुरी जिला में स्थित है (श्रांग इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रांश पूण कप स विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देन्क्षिकोट्ट (धर्मव संव 138/85) रिजस्ट्रीकरण अधिविधम, 1908 (1908 जा 16) के अधीन, वारीख जनवरी 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रीतफल के लिए अंतरित को गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उपाके दृश्यमान श्रीतफल सो, एमे दृश्यमान प्रतिफल का प्रदूष प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्या) के विशा के अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक का निम्मिलिखत उद्द है उक्त अन्तरण कि जित में बाक्तिक का निम्मिलिखत उद्द है उक्त अन्तरण कि जित में बाक्तिक का निम्मिलिखत उद्द है उक्त अन्तरण कि जित में बाक्तिक का निम्मिलिखत उद्द है उक्त अन्तरण कि जित में बाक्तिक का निम्मिलिखत उद्द है उक्त अन्तरण कि जित में बाक्तिक का निम्मिलिखत उद्द है उक्त अन्तरण कि जित में बाक्तिक का निम्मिलिखत उद्द है उक्त अन्तरण कि जित में बाक्तिक का निम्मिलिख नहीं किया गया है :----

- (क) अधिरण संहुई किसी नाय की बावस्, उक्स संधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के कियाल में कमी करने या उससे वचने में सूबिभा के लिए: और/मा
- (श) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियां करें, जिन्हें भारतीय आयकार अध्योतना । (1922 का 11) या उक्त बिधिनयम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अं प्याप्तनाथ अंतरितां द्वारा प्रकट नहीं किया गया था है। किया जाता उचिह्य थर, खियाने में सुविधा के लिए;

बतः बरा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण बैं, बैं, जक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) कैं अधीग, निम्निनियर व्यक्तियों, वर्षात् क्रिन्स्न को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्णन को लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन की अविधि या तत्सीवंधी व्यक्तियों पर सूचना की ताजीत से 30 दिन की अविधि, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ज्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तार्थिय 45 दिन को भीतर अक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्वव्यक्तिकरणः — इसमे प्रयूक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित्त है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नग्स्ची

भूमि ग्रौर मकान—देन्कनिकोट्टै गांव, धर्मपुरी जिला (एस० आर० देन्कनिकोट्टै—दस० सं० 138/85)।

> के० वेणुगोपाल राजू सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख: 12-9-1985

प्ररूप बार्ष: टी. एन. एव. - - - ----

नायकर कंधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धांच 269-व (1) के बांधीन सूचना

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज 1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 सितम्बर 1985

निर्देश सं० 46/जनवरी/85 श्रतः, मुझे, के० वेणुगोपाल राजू,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बांबार मूल्य 1.00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं टी० एस० सं० 7/1ए, ब्लाक 17, वार्ड ''सी, है, तथा जो पेरियेरी गांव, सेलम शहर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर०-1 /मद्राम नार्थ (दस० सं० 120/85) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीम, हारीख एनवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह किरबास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिक्त से अधिक है है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- श्रम् अन्तरण मं हुई किसी आयकी बाबस, उस्त भीजीनकः के ज्यीन कर तने के अन्तरक के दासित्व पी किसी करमें या उससे अवने में म्थिश के लिए .
- (क) एसी किसी आग्र या किसी धन या अन्य आस्तियों कर, जिल्हां भारतीय अग्रय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोज-गर्थ अक्तिरिती द्वार प्रकर नहीं किया गया धः या किया राग बाहिए था किया में स्विधा के लिए;

बत: अब, अबन अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण बो, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निस्नेलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— 1. श्री बी० जगदीश

(अन्तरक)

 स्टीत डीलर्स एसोपिएयन मद्रात प्राईबेट तिमिटेड । (अन्तरिती)

का यह मचना प्राण करक. य्याबत स्थानि क अलन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों जर
 स्थाना की तामील में 30 दिन की अविधि जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त
 व्यक्तियों में से किसी को नत इंगर.
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन का नारीक मा 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्तित वृशक वनायम्वाकरः क पास निवित्त में किए जा सकींगे।

स्वध्वीकरण — इसमें प्रबृक्त शब्दों और पदों का, लां उक्त विधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहां मर्व हाना, जो तम अध्याय में दिया स्था है:

अनुसुची

भूमि —टी० एस० सं० 7/1-त्र, ब्लाक 17, वार्ड "सी" पेरिमेरी गांव, सेजम गहर । (जे० एस० आर०-1/मद्रास नार्थ—दस० सं० 120/85)

> हे० बेणुगोधात राज् सक्षम प्राविधारी सहायक आयक्तर आपुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-1, मद्रास

तारीख : 12-9-1985

प्ररूप आर्दे.टी.एन.एस.-----

भायकर मिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कर्षालय, सहायक जायकर बायक्स (निरोक्षण) श्चर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनाँक 12 मितम्बर 1985

निदेश सं० 46/जनवरी 85---ग्रतः मुझे, के० वेण्गोपाल राजू

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने की कारण ह^{*} कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रतः से अधिक **ह**ै

भौर जिसकी सं० टी०एस० मं० 7/1 सी भ्रौर 7/2ए, **म्लाक** 17 है, जो वार्ड "सी", पेरिएरी गाँव, सेलम शहर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जे**०एस० श्रार०** I मद्रास नार्थं, (दस सं० 119/85) मे रजिस्ट्रीकरण ष्मिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन जनवरी 1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के इत्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से एसे रच्यमान प्रतिफल का **बन्द्रह** प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्दरिती (अन्तरितियों) के बीच एते अन्तरण के लिए तय शाबा गया प्रतिफल, निम्नीलिखित उद्दोरेय से उक्त अन्तरण **क्षितिक भी वास्तविक रूप से कथित नहीं** किया गया है:----

- (क) बन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, विधिनियम के बभीन कर दोने के बंतरक के वाधित्व **यों कमी करने वा उससे वचने में स्**विधा के लिए; बौर/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय कायकर अधिनियभ, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के त्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया चाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा चे भिए;

वतः वयः, उक्त अपिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण बैं, बैं, उक्त बीधनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के बभीत, निम्नलिकित ध्यक्तियों, वर्धात् :---

المراجعة المعالمة المراجعة المحادث المراجعة المحادث ال (1) बी० रिवसंकर बापू।

(ऋारह)

(2) स्टील डीलर्स एमोसिएशन मद्रास प्राईवट लिमिटेड ।

(ग्रन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को वर्जन को संबंध में कोई भी वाक्षीप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की **तारीस से** 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्थना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी का है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण:----इसमे प्रयक्त शब्दों और पदौं का, जो जनत अधिनियम, के अध्यक्त 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया 🗗 ।

वनुस्पी

भूमि—–टी०एस०सं० 7/1सी श्रोर 7/2ए, ब्लाक 17, वार्ड ''सी'', पेरिरारी गाँव, मेलम शहर, र्र (जे०एस०श्चार०-15 मद्रास नार्थ, दम०सं०-119/85)।

> केठ वेगुगोपाल **राज**ू नक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रार्गन रेंज-,[मद्राप

तारीख :12~9~1985

प्ररूप बार्च ्र टी ्र एत्. एत् ,-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यास्य, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनौंक 12 सितम्बर 1985

निवेश सं० 47/अनवरी 85—म्ब्रतः मुझे, के० वेणुगीनाझ राजू,

कायक र अभिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम', कहा गया है, की भारा 269-ख को अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिल्ली सं छोर सं कित मुरुगणा चेट्टी स्ट्रीट है, जो पार्कटीन, मद्रास में रिधत हैं (भीर इससे उपाबद अनुसूची में छोर पूर्ण रुप से विजित है), रिजस्ट्रीसर्ती भ्रधिकारी के के कायिलय, मद्रास नार्थ दस सं 23/85 में रिजस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908(1908 का 16 के भ्रधीन जनवरी 1985

को प्रांवित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभी यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि बित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से सुद्दै किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाधित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा को लिए; औं ८ या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अतीरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया जा या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव., उक्त अधिनियम की शारा 269-ग के अनुसरण की, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) रूरे अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---11—296GI|85

1 (श्री घोष जनसाथन ।

(मन्तरक)

(2) सिवराज मोटर्स लिमिटेड।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में काई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के हैं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्थिक्त या किया में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (म) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा ग्रीभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि ग्रीर मकान-डोर सं० 1, तःज मुख्यप्या चट्टी स्ट्रीट, पार्कटौन, मद्रास ।

कि० वेणुगोताल **राजें** सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायतर श्रायुद्ध (निरंक्षण) ग्रजीत रेंज-1, मद्रास

तारी**ख**: 12-9-1985

प्रकष बाही दी, एन. एत. ------

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अंधीन सूचना

बाउट गुरुकार

कार्याभव, सहायक बायकर वायुक्त (निर्दाक्षक)

प्रर्जन रेंज-1 मद्रास

मद्रास, दिनौंक 12 सितम्बर 1985

निदेश सं० 71/जनवरी/85—श्रतः मुझे, के० वेणुगोपाल राज्

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

धौर जिसकी सं० डोर सं० 242, कीलपाँक गार्डन रोड है, जो मद्रास-10 सें स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध में श्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रेक्तर्रा श्रधकारी के कार्यालय, पेरियमेट दस०सं० 110/85 में भारतीय रजिस्ट्रोकरण श्रधिनयम, 1908(1908 का 16) के श्रधीन, जनवरी 1985

को पृथें वत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान वित्रक्त के लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने के कारण है कि यथापृथों क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य इसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तब पाया कवा प्रतिफल निम्नसिश्चित उद्देश्य से उक्त अन्तर्ण सिश्चित के बास्तिक क्या से किथ्त नहीं किया गया है के

- (क) जन्तरच ते हुई किसी आज की बाबत, उच्च जिथितियम के अधीन कर दोने के खन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने को सुविधा कें बिए; जीर/बा
- (व) ऐसी किसी बाब या किसी थम या अन्य आस्तिकों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उच्च अधिनियम वा धनुकर अधिनियम, 1957 (1957 का 77) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती बुवाय प्रकट नहीं विश्ला नया था या किया जाना चाहिए था, छिपार के सुविधा के सिए;

सतः संबं, उक्त जीधीनयम की धारा 259-ग कें मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उण के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) डाक्टर डो॰ रवी संकर भीर 3 श्रन्यों। (भ्रन्तरक)
- (2) श्रीमती ताहीर उन्निसा बेगम। (धन्तरिती)

को यह स्थना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

् उक्द सम्पृत्ति के वृर्वन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी विकास में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवित्त स्थानतयों में से किसी स्थानत बुवाय;
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलब्र्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगी।

अन्स्पी

भूमि डोर सं० 242, कीलपौक गार्डन रोड, मद्रात-10, (एस॰ घार० घो० पेरियमेट—वस०सं० 110/85)।

> के० वेणूगोपाल राजू सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षग) भर्जन रेंज-1, मब्रास

तारीख: 12-9-1985

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन, रेंज-1 मद्रास

मद्रास दिनौंक 12 सितम्बर 1985

निदेश सं० 74/जनवरो 85—श्रतः मुझे, के० वेणुगोपाल राजू

आयकार अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-ख के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का श्वारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० प्लाट सं० 1882 है, जो भ्रण्मा नगर, मद्रास-40 में स्थित है (भ्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रोर पूर्ण रुप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, भ्रण्मा नगर (दस०सं० 88/85) से भारतीय रिजस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908(1908 का 16 के श्रधीन 1985

तारं पूर्वोक्त संपत्ति के बीचत बाजार मृत्य से कम के द्रायमान शितफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुखे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्मत्ति का स्वित काजार सृज्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से होसे अववान प्रतिफल के प्रतिकास के प्रतिकास के प्रतिकास के प्रतिकास के प्रतिकास के प्रतिकास के विषय के विश्व के विश्व

- (क) अन्तरण ते हुई किसी बाय की बाबस, उच्च अधिनियम के अभीन कर दोने के अंतरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृतिभा के लिए; और/या
- (क) ध्रेसी किसी बाव या किसी धन या बन्य अस्तियों की, चिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम 1922 दिया 11) या उन्ते अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरी द्वार। प्रकट नहीं किया भवा था वा किया आवा शाहिए था, कियाने वे सविधा के लिए;

कतः जबः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिधित व्यक्तिस्यों, अर्थात् ध—

(1) भ्रार० भक्तवत्सलम ।

(धन्तरक)

(2) श्री सी०एस० रायलू।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धीं व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्येक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्वना के राजण्य में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वय्थ किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शस लिखित में किए वा सकी।

स्वव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्क विधिनियम के नभ्याय 20-क में परिभावित हैं, यही वर्ष होना को उस सभ्याय के दिका नवा हैं।

अमुसूची

भूमि श्रीर मकान-प्लाट सं० 1882, श्रण्णा नगर, मद्रास-40, (एस०श्रार० श्रण्णा नगर-वस०सं० 88/85)

> के० वणुगोपाल राजू सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख: 12-9-1985

मोहर 🖫

प्रकृत नाहाँ, दी, इन, इन, ----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की थाछ भारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजॉन रेंज-1 मद्रास मद्रास दिनीक 12 सित्तस्बर 1985

निदेश सं० 91/जनवरी/85—प्रतः मुझे, के० वेणुगीयाल राज्

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राध्कारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

मीर जिसकी सं 81, मूर रहीट, मद्रास-1 में स्थित है (श्रीर इतसे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजित है), रिजिट्टीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, जे०एत० श्रीर०-6, मद्रात नार्थ दत्त०सं०-148/85) में भार-तीय रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908(1908 का 16) के मर्दान जनवरी 1985

का पृत्रांकत संपत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के अयमान बितिकल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथाप्वोंकत संपत्ति का उजित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितीं (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय नामा गया प्रतिफल , निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्तिक से बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वावत, उक्त जीपनियम के अधीन कर दोने के जन्मरक के दायित्व में कमी करने मा उससे यचने में सुविधा के विद्यु; जाँद/या
- (व) ऐसी किसी नाय या किसी भन या नन्य नास्तयों को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

सतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, की, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (४) के अधीन निम्निस्तित काबितयों, वर्धातः,—— (1) के० वें कटरामन भाचार।

(भन्तरक)

(2) श्री मोहमद सुलैमान घोर दूसरे।

(भन्तरिसी)

को यह सृचना जारी करके पूर्वोक्त सम्यस्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सर्वीध, जो भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की टारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाड़ तिवित में किए वा संकंगे।

स्वच्यीकर्षः --- इसमें प्रयुक्त कव्यों श्रीर पर्दों का, जां स्वक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिवा गया हैं।

वन्स्ची

भूमि श्रीर मकान--सं० 81, मूर स्ट्रीट, मद्रास-1, (जे ०एस०ग्रार०-1, मद्रास नार्थ---दस०सं० 148/85)

> के० वेणुगोपाल राजू सक्षम भाधिकारी सहायक भायकर माधुक्त (निरीक्षण) भाषन रेंज-1, बम्बई

सारीख: 12-9-1985

भोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) को अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंड-1, मदास

मदान, दिनों ह 12 नियन्बर 1985

निर्वेश सं० 92/अत्वरी/85—यतः, मुझे, मेर० वेणुगोपाल राजू,

आयकर जीधनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें भर्दात् 'उन्ता अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ए के अधीन सक्ष्म प्रीधकारी को यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थानर संपीत्र जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

मीर जिल्ला सं० 44, प्रास्मुध मुल्ला स्ट्राट है, एया जो मद्रास 21 में स्थित हैं (और इसते उपाबदा प्रतस्ता में और पूर्ण रूप से बाजा हैं) रिनस्ट्रा ति प्रिधार के नार्यालय, रायपुरम (धन सं० 49/85) में रिनस्ट्राक्षण प्रधितियम, 1908 1908 का 16) के प्रजान, लारीख जनवरी 1985 को पूर्वीक्त संम्पत्ति की उचित बाजार मूल्य से कम के खरमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथाप्वीकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसक खरमान प्रतिफल से अधिक है और अंतरित का उचित बाजार मूल्य, उसक खरमान प्रतिफल री, एसे खरमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकत सं अधिक है और अंतरित (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे उन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नितियों) के बीच एसे उन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नितियों। के बीच एसे उन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नितियों। के बीच एसे उन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नितियों। के बीच एसे उन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नितियों। के बीच एसे उन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नितियों। के बीच एसे उन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल के निम्नितियों। के बीच एसे उन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नितियों। के बीच एसे उन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कर्या से किया गया हैं:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमो करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी झाय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ इन्टरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना दाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उबत अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के सधीन, जिल्लाकि कर किसमों, सर्थात् :--- 1 श्रांडा० भ्रमुरालिंगम भीर भ्रन्यों

(भ्र सरक)

2. श्रीमती के० वसन्ती भट्ट

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) ६स सूधना के राजगत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, खो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना है राजपश्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अशोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-है, यही अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनस्यो

भूमि श्रीर महान--सं० 44, श्रास्मुघ मुदली स्ट्रीट मदास-21 (एस० श्रार० श्री० रायपुरम--दस० सं० 49/85)

> कै० वेणुगोपाल राजू सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रॅज-1, मद्रास

तारीख: 12-9-1985

मोहर ;

प्ररूप बाइँ. टी. एन. एस.----

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-स (1) के अभीन सूचना

पारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायकत (निर्दीक्षण)

श्चर्जन रज-1, मद्रास

मद्राप्त, दिनांक 10 सितम्बर 1985

निर्देश सं० 48/जनवरो/85---श्रतः, मुझे, के० वेणुगोपाल राज,

कामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, ली धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर भित्रका सं० प्लाट सं० 2892, श्रण्णा नगर, मद्रास-40 में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण का से विणित है), रिजस्ट्रांकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, जे० एस० श्रार०-1/मद्राप्त नार्थ (वस० सं० 24/85) में रिभस्ट्रींकरण श्रीधिनयम, 1908(1908 का 16) के श्रधीन, तार ख जनवरी, 1985

को पूर्वांक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित नाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे स्थमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितिमों) के नीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण निन्तिस में नास्तिन रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण से हुंई किसी बाब की बाबत, सकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायिक्ष में कमी करने या संसद्धे बचने में सुविधा के लिए; औद/या
- (अ) एसी किसी गाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यम था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा की निए;

अतः वन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भ', में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) अ अधीन, निम्निनिविध व्यक्तिव्यों, अर्थात् क्र--- 1. घो० जगञ्चादन

(भन्तररु)

2. विमल चन्द्र चोर्डिया

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शक् करता हुई।

जबत सम्परित के अर्थन के संबंध में कोई भी बाधाय ---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच चं 45 दिन की अविधि या तत्त्रम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुदारा;
- (च) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितजद्ध किसी अध्य व्यक्ति द्वारा असेहस्साकर के गस सिक्ति में किए का सकींने।

स्वकाकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में विश्वाचित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

भूमि भौर मकान-प्लाट सं० 2892, घण्णा नगर, मद्रास-

(एस॰ ग्रार॰ ग्रो॰ जे॰ एस॰ ग्रार-1/मद्रास नार्थ--दस॰ सं॰ 24/85)

> के० वेणुगोपाल राजू सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रजन रोज-1, महास

वारीख : 10-9-1985

प्ररूप बाई .टी. एन . एस . ****---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) को सधीन स्वना

भारत तरकार

कार्यांलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-1, महास

मब्रास, दिनांक 10 सितम्बर 1985

निर्वेश सं० 49/जनवरी/85—श्रतः, मु**से,** के० वेणुगोपाल

राजू,

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,09,000/- रु. से अधिक है

भीर जिन्नकी सं० प्लाट सं० 1690, भ्रष्णा नगर है, तथा जो मद्राप में स्थित है (और इसने उपाबद्ध भनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्री हर्ता भ्रधिकारी के नार्यालय जे० एव० भ्राप्त-1, मद्राप नार्थ (वन्न० सं० 25/85) में रिजस्ट्रीकरण भ्रिविनियम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन जनवरी 1985

को प्वोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान
प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है जौर मुभे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथाप्वोंकत संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, प्रेसे दश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा को लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों कां, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री भी० जनसदन

(अन्तरह)

2. श्रीः पुशारचन्द्र चोडिया (भैनर) जिता ग्रीर गाडियन सैनिकराज चोडिया (श्रन्तरिती)

का यह सुचना जारी करके पूर्वीकत संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्कान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थिकतयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्योकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिष्ठ है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृसुची

भूमि और मकान—प्लाट सं० 1690, प्रण्णा नगर,

(एस॰ ग्रार॰ ग्रो॰, जे॰ एस॰ ग्रार-I/महास नार्थ/ धस॰ सं॰ 25/85)

> के० वेणुगोपाल राजू सक्षम प्राधि छर् सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-1, मद्रास

तार*ी*ख: 10-9-1985

श्रक्त नाइं. टौ. एन_ः एस_{्धनन्य}

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-घ (1) के अधीन सूचना

गारक बरकाड

कार्यालय, सहायक नायकर नायकत (निरीक्षण)

म्बर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनां ह 29 ग्रागस्त 1985

निर्देश राँ० 51/जनवरः/85—पतः, मुझे, के० वेणुगोनाल राजु,

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

भीर जित्तका सं० 31-III लाइन बीच रोड़, मद्रास-1 में स्थित हैं (और इसने उपाबद्ध अनुसूचा में और पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजिस्ट्रा ति अविकारा के मार्यारय, जे० एस० आर० 2, मद्राप उत्तर (स० सं० 114/85) में रिजिस्ट्र वरण भविनित्रम, 1908 (1908 का 16) के अवीन, तारीख जनवरी, 1985

की प्रशिक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य., उसके द्रश्यभान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का बंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया बितिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विविद्त में बास्तिक रूप से कियत नहीं किया गवा है "——

- (क) अन्तरण से हुई किसो आय की वाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया धाना चाहिए था, स्थिपने में सुविधा के लिए;

अत: अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तिएं. में क्षीत् :---

1. थामता प्रभावसा जैन

(मदर्क)

- 2. (1) श्रामता स्नेह्स्या हिरावत
 - (2) श्रामता सुरेश हिरावस

(मन्तरिती)

को यह स्वना पारी करके प्रोंक्स सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपर्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबधी व्यक्तियाँ पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी सविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीटर उटत स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकरेंगे।

स्थव्यक्तिरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का. को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनुसूची

मूमि श्रीरम हान सं० 31, 3 लाइन बीच रोड़, मद्रास-1, (जे० एस० श्रार० 2, मद्रास उत्तर-ध्य० सं० 114/85)

फैं० वेणुगोताल राजू सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरक्षण) भ्रजन रेंग-1, मजास

तारीख: 29-8-1985

माहुरु 🛭

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

ા श्रो सी० एस० विष्णु

(म्रन्तरक)

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म के अधीन स्चना

2 श्रोटी० महावीर बोस्रा

(श्रन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) सहायक, भायकर भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

द्वर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनोक 29 ग्रगस्त 1985 निर्वेश सं० 56/जनवरी/85—यतः, मुझे के० वेणुगोपास राजु,

बायकर विधित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके इसके पहचान् 'उक्त अधिनयम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1.,00,000/- रा. से अधिक है

1.,00,000/- रु. से अधिक हैं

बौर जिसकी सं० 5, तम्बू नाइकन स्ट्रीट है, तथा जो सद्राम-79

में स्थित हैं (श्रीर इसने उपाबद्ध धनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से
विजित हैं), रिजस्ट्री कर्ती श्रीधकारी के कार्यालय, सौकारपेट
(दस० सं० 3/85) में रिजस्ट्री करण श्रीधिनयम, 1908
(1908 का 16) के श्रीमिन, तारीख जनवरी 1985
को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के श्रवमान
शतिफल के लिए शन्तरित की गई है और मूझे यह बिश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, जनके श्रवमान प्रतिफल से एसे श्रवमान प्रतिफल का
पंचह प्रतिकत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती
(क्लारितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाना गय।
प्रतिफल निम्नलिखित उच्चेक्य से उच्च अन्तरण जिल्हा में

बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत, उक्त नियम के अभीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के प्रिस्पु; और/पा
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिकों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या धनकर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नवा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

का बह सृषना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

सक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोर्ड भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वेक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य, व्यक्ति स्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसृची

भूमि भौर मकान सं० 5, तम्बु नाइकन स्ट्रीट, मद्रास-79 (एस० भार० भो० सौंकॉरपेट--दस० सं० 3/85)

के० वेणुगोपाल गजू सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीच : 29-8-1985

प्रकृत नार्वे हो , इव , इव , ------

जानकर समिनियम 1961 (1961 का 43) की पारा 269-च (1) के संधीन स्पना

माहत चहुकार

कार्यासय, सहायक वायकर आयुक्त (निर्दोक्षण)

मर्जन रॅज-1, मद्रास

मद्रास, दिनोक 29 भगस्य 1985

निर्वेश सं० 59/जनवरी/85—-यतः, मुझे. के० वेणुगोपाल राज्,

ंबायकार बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इसमें इसमें इसके परवास् उन्त अधिनियम कहा गया हैं), की वारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वाभ करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 20, कालती पिल्ल स्ट्रीट, हैं मद्रास-1 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप मे विणत हैं) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधका के कार्यालय सौकारपेट (दस० मं० 48/85) में रिजस्ट्रोकरण श्रीधित्यम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी, 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के स्थमान श्रीतफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विषकाल करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मुख्य असके द्वयमान प्रतिफल से एसे द्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से विषक है और अंतरक (अंतरकों) और (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरच के लिए तय पामा गया प्रतिक कम, निम्नुजिवित उच्चक्य से उचित कचाइण किवित में वास्त-विक रूप से दिवत नहीं किया व्या हैं।

- हैंक) बन्तरक वे हुन्दे किसी भाव की वाबतः, उपत विधिनयम के वधीन कर दोने के बन्तरक से समित्य में कभी करने बान्सक्ते बचने में सुविधा के निहा स्वीर/वा
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियाँ को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किसा जान चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

बर्फ, बब, उक्त विधिनियम, की धारा 269-व की बहुक्य के में प्रका विधिनियम की धारा 269-व की प्रपधारा (1) के अधीन, निस्तिविक व्यक्तियों, वर्षात ह—

1. श्रीमती सुमित्रा गोती

(मन्तरक)

- 2 (1) श्री केवल चन्द ग्रास्टबाल
 - (2) श्रीमती धमराव देवी

(मन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के वर्षन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

क्वम संपरित के जर्जन की संजंध में कोई भी बाबोद :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा से 45 दिन की सविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सविध, जों भी अविध साद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी स्थानत स्वाधः
- (थ) इस स्थान के राजपत्र में अकासन की तारीचा है 45 ति के भीतर उस्त स्थानर सम्पत्ति में हिए-बब्ध कसी अन्य स्थानत ब्वारा, नेथोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए बा सकींगे।

स्थानिकरण: इसमें प्रयुक्त सन्दों और पत्ती का, को समस अधिनियम के अध्याय 20 क में परिश्रतीयत ही, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में विका बस ही।

अनुसूची

भूमि श्रीर महान सं० 20, कालती पिस्लै स्ट्रीट, मन्नास-1। (एस० श्रार० ओ० सौकारपेट—वस० सं० 48/85)

> के० वेणुगोपाल राजू सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर **ग्रायुक्त (निरीक्षण)** ग्रर्जन रेंज-1, **गबास**ी

तारीख: 29-8-1985

बक्त बाई .टी .एन .एक न ------

नायकर क्षितिवृत, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के वृत्तीन सुचना

बाह्य प्रकार

कार्यांतय, सहायक बायकर बायक्त (निर्काक्षण)

श्चर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 31 जुलाई 1985

निर्वेष सं० 65/जनवरी/85—यतः, ुझे, के० वेणुगोपाल पाज्

बायकर विभिनियंत्र, 1961 (1961 का ...3) (जिसे इतावें इतावें इतावें प्रकार प्रकार 'उनते विभिनियंत्र' कहा गया हैं), की भारा 269-व के अभीन सक्ता प्रधिकारी को यह निवस्तास करने का कारण हैं कि स्थानर सन्धारित. विज्ञका अन्यत बाबार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिज्ञको संव पलैट नं 3 एक बी, 111 पलीर है, तथा जो 813, पो एन रोड़, मद्रास-600010 स स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसुची में भौर पूर्ण रूप से अणित है) रजिस्ट्रीकर्ता भिधिकारी के कार्यालय, एस भार श्रीर पैरियमेट (दस कि 69/85) में रजिस्ट्रीकरण अधित्यम, 1908 (1908 का 16) के भथीन, तारीख जनवर्ण 1985

को पूर्वीक्त संपृतित को उचित बाजार मूल्य से कम को स्थ्यमान प्रतिकक को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार कृश्य, जसके व्यवज्ञान प्रतिकल से, ऐसे द्र्यमान प्रतिकल का पंचह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) को बीच ऐसे जन्तरक के लिए उस पासा ग्या प्रति-क्य विश्वसिक्ति उद्देश्य से उच्च जन्तरण निवित में बास्तविक क्य से अधिक महीं किया क्या हैं---

- (या) अन्तरण से हुई किसी बाय का वाबत, उक्त विक्रियब के बचीन कर दन के बन्दरक ने वाक्तिय में कभी करने वा बसरे एकने में सूबिया के सिक्; ब्रोड/मा
- ्ष) पृति किसी बाब वा किसी धन था अन्य वास्तिकों को , चिन्हें भारतीय बाय-कर किशीनयम , 1922 (1922 का 11) या उन्तर किशीनयम ; ना धन-कर विधिन्यम , 1957 (1957 का 27) वै विधिन्यम विदिश्ति स्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया बाना काहिए था , छिपाने में सुविधा के किया;

भक्षः सव, उक्त विभिन्नव की वास 269-न के अनुवरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, दशात् :--

- (1) श्री एम० एल० पटवारी,
 - (2) रक्शा शा
 - (3) रेवत चन्द
 - (4) सुम्रा देवी

(भ्रन्तरक)

2. श्रो के० ए म०पेरियकरूप्पन

(भन्तरिती)

की यह स्थान बारी करकी प्रविक्त सम्पत्ति के वर्षन के जिए कार्यनाहियां करता हूं।

चन्छ कावति के नवंग के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की नविभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की नविभ, जो भी नविभ नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्विक्तयों में हे किसी स्थानत स्वारा;
- (क) इस स्वाम के राज्यक में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितवक्ष किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास किसित में किस्स का सकों ने।

लक्कीकरणः--इतमें प्रयुक्त कक्कों और वर्षों का, को उक्क क्षितियम, के बभ्याय 20-क में वृष्टिभाषिष्ठ हुँ, वहीं वृष्ट होना वो-उस सम्बाद में दिशा वर्षा-हैं।

मन्स्ची

पनट नं० 3 एक० बा. 3 फ्लोर, 813, पाठा च० रोड़, मद्रास-600010 ।

(एस० ग्रार० श्री० पेरियमेट--दस० मं० 69/35)

के ्र वंगुगे पत्न राजू सक्षम गाधि शरी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निराक्षण) ग्रजन रेज-1, मद्रास

तारीख: 31-7-1985

प्रस्य बार्च<u>ः टी. एकः प्रस्</u>रकारन्यस्य

भारकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्थान

भाउत शरकीय

म्रर्जन रेंज-1, **मद्रा**स

मद्रास, दिनांक 29 ग्रगस्त 1985

निर्देश सं० 66/जनपर्i/85—यतः, मुझे, के० वेणुगोपाल राजू,

बायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 4.3) (चित्रे इसमें इसके पण्यात् 'उन्ता अभिनियम' कहा गया इं),, की अपरा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकान्दी को यह विद्यास करने का कारण के कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उपनत बाबार मुख्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

मीर जिसकी सं 17, सामी पिल्ले स्ट्रंट. वले मद्रास-7 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद पनुसूची में ग्रीर पूर्ण के से वर्णित है) रजिस्ट्रोकर्ता ग्रधिकार के कार्यालय, पेरियमें इ (दसके सं 78/85) में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीय जनवरी, 1985 को पूर्व कर सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के वश्यवाय प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और में यह विश्वास करने अ कारण है कि यथापूर्वों कर सम्पत्ति अ उचित बाजार मृत्य से कम के वश्यवाय प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और में यह विश्वास करने अ कारण है कि यथापूर्वों कर सम्पत्ति अ उचित बाजार बृत्य, असके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का वन्द्रह प्रतिश्वा से अधिक हैं और अंतरिक (अंतर कों) और अंतरित (अन्तिकित में किया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किया प्राच विश्वत में बास्तिक कप से कियत नहीं किया गया है :—

- (क) बंतरण से हुई किसी जाय की बाबबा, सबस निधितियम के संभीत कार दोने के बंदहक के शायित्व में कामी कारने या उससे शवने में सुविधा के लिए; बॉर/बा
- (ब) एसी किसी आय या किसी भून वा अन्य कारिस्तरी की, जिन्ही भारतीय आयक्तर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भर्म-कि अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, स्थिनने में सुविधा के लिए।

अतः अवः, उदर अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण ं क्रें, क्रें, उक्त अधिनियम की भारा 269-**ए की उपधारा (1)** औं बधीर जिल्लीलिटिट व्यक्तिस्टें, **स्थीत्** ए— 1. श्रो के० बापनैया

(भन्तरक)

- 2. (1) श्री मेहबूब बापा
 - (2) श्री एस० बशीर अहमद
 - (3) श्री दिनशात उन्निशा

(धम्सरिती)

का वह स्वनः बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त राम्पत्ति के कर्बन के सम्बन्ध में कोई भी बार्क्ष :---

- (क) इस स्थान के राज्यक में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की जनीथ या तत्सम्बन्धी स्थितयों पर स्वान की सामील से 30 दिन की स्विध, को भी स्विध साद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्थित्यों में से किसी स्थित इवारा;
- (क) । स स्थान के राजपन में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-गह्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पस निवित में वियो वा सकी ।

स्वाक्य रेज : — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का. जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवा प्रा है।

अनुतुची

भूमि और मकान सं० 17, सामी पिल्लै स्ट्रीट, चूलै मद्रास-७ ।

(एस॰ ग्रार॰ ग्री॰ पेरियमेट--दस॰ सं॰ 7६/85)

के० वेणुगोपाल राजू सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-, मद्रास

सारीख: 29-8-1985

मोहरः

प्रकप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाय 269-थ (1) के अभीन सचना

भारत ब्रुकाड़ कार्यांक्य, ब्रह्मक बावकड़ बावक्त (निचीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मब्रास मद्रास, दिनांक 10 सितम्बर 1985

निर्देश सं० 68/जनवरी/85——यतः, मुझे, के० वेणुगोपाल राज्,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विके इसके इसके व्यापत 'उक्त अभिनियम' कहा गया है"), की भाइ। 269-थ के बधीन सक्षव प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित वाजार मून्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ष्मौर िसकी सं० प्लाट सं० 105, डोर सं० 15, मारणलस रोड़ एगमोर श्रौर है, तथा जो अभिन्न स्वार्थी भूमि—1/16 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विषत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पेरि-यमेट (दस० सं० 85/85) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 85

को पृशांकत सम्पत्ति के जीवत नावार कृत के कन के व्यवसान इतिषक के लिए जंतरित की गई है और मुक्ते यह निश्यात करने कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका जीवत नावार मस्य इतिक । स्वमान प्रतिकास से, एसे व्यवसान । जिसका को वन्त्रक इतिकार ने निभक है और अन्तरक (जंतरवा) और अंतरिती (बन्ती ग्रीतवा) के बीच एके अन्तरक के लिए क्य वावा नवा प्रतिकाल, निम्नालिखित ज्व्दिश्यों से जन्त अन्तरण लिखित में बास्तिक कण से कार्यित नहीं किया नवा है थ-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उस्त जिथितियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने वा उससे अचने में सुविधा के तिए: बाँड/वा
- (क) एसी किसी जाय या किसी भन या जन्य जास्तिकों को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया जवा का वा किया जाना चाहिए था, क्याने में सुविधा के जिए।

कतः बन, उनत अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसर्थ को, को, उनत अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- 1. श्रीभती सावित्री ताराचन्द

(अन्तरक)

2. श्रीमती डी० जीमत

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्ववाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीज के 45 दिन की जनिय या तरसंबंधी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनिय, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त कावितयों में से किसी व्यक्ति हुवाता;
- (क) इस ब्रूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी मन्य स्वित क्वाय नथोहस्ताक्षरी के बाब िनवित में किए जा सकेंगे।

श्रमकारिकरणः —-इसमें प्रयुक्त सम्बद्धे बद्धि पद्धे का, को अवद स्थितियम, के अध्याय 20-क में पूरिभाषिक ही, कही अर्थ होगा जो उस स्थ्याय में दिया गया ही।

जन्त्र्या

भूमि शौर मकान — प्लाट सं० 105, शोर सं० 15, मारशलस रों!, एग्मोर,मब्रास श्रीर अभिन्न स्वार्थी भूमि — 1/16।

(एस॰ आर॰ मो॰ पेरियमेट--दस॰ सं॰ 85/85)

के० वेणुः गोपाल राजू सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त ्निरीक्षण) अर्जन रोज-1, मद्रास

तारीख : 10-9-1985

मोहर अ

प्रचल बहार्यः श्री समुद्रक पुरस्कारः स्थानन

जावकार वर्षितियम्, 1961 (1961 का 43) का भारा 269-म (1) के बनीन स्थान

PER VINE

कार्यालय, सहायक नायकर नायकः (निर्धानक)

मर्जन रेंज 1, बम्बई

मद्रास, दिनांक 10 सितम्बर 1985

निर्देश सं० 72/जनवरी/85—यतः, मुझे, के० वेणुगोपाल राज्

वायकर निर्धायम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे द्वावें द्वावें प्राथात् 'उनत विधिनयम' कहा नया हैं), की वारा 269-व ने वर्थान् समय प्राधिकारी को यह विश्वास करने का बारण हैं कि स्वाप्तर सम्पत्ति ,विश्वेषण क्षित्र वाद्यार जुन्य 1,00,000/- क. से अभिक हैं

भौर िसकी सं० प्लाट सं० 1074, अरिगनर अण्णा नगर स्कीम है, तथा जो मद्रास में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस० आर० श्रो० अण्णा नगर (दस० सं० 68/85) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्राधीन, तारीख जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उपित बाबार मृस्य वे का के करवान अतिका के लिए जम्बरित की नहीं ही जोर मुझे यह निक्याच कार्ति का कार्य ही कि यथापुर्वोक्त संपर्ति का कार्य वाचाए मृत्य, अवके कार्याय अतिकास सं, एवं कर्यान अतिकास का कृत्य मित्रका से विभाग ही नीर बच्चरक (मायरका) बीड़ कम्बरिती (बन्तरितियाँ) के बीच एवं बन्तरक से किए तय वाचा का प्रतिकास, विम्मतिविष्य समुद्रित के सक्त अन्तरक विम्मतिविष्य समुद्रित के सकत अन्तरक विम्मतिविष्य समुद्रित के सकत अन्तरक विम्मतिविष्य समुद्रित को सकत अन्तरक विम्मतिविष्य समुद्रित की समुद्रित की

- (क) क्वाह्य वे हुई किसी नाम की नामक, क्वाह्य गींभीनवृत्र के जभीत कर बोने के वृत्युरक के वित्रवृत्वीं क्यी करने या क्षत्रके अपने में. दृहित्या | विद्रशृत्वीर/जा
- (व) देवी विकी जान या जिन्हीं, अब या अन्य आस्तिकों करें, जिन्हों भारतीय आय-कर वांधीनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनयम, या भक्कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) की अवस्तिकार्थ कृत्युरिती द्वारा १ कट नहीं किया गुक्त था यह किया का वाहिस् भा क्याने में सुविधा के विद्युर्

चक्क कव, राच्य विधिवयम की पारा 269-य केंा यमुसस्म की, भी, राव्य विधियम की भारा 269-य को रापभारा (1) को मुक्तेला, विस्तिभिक्त कामितकों, वर्षांद ३--- 1. श्रीपीटर काव

(अन्तरक)

2. श्रीमती पी० एस० सुमती देवी

(अन्सरिती)

को वह सूचना कारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के नर्वन के हैंब्द्र कार्यवाहियां कारता हों।

उक्त सम्बत्ति को कर्षन को सध्यन्थ में कोई भी नाक्षेत्र ह---

- (क) इस स्वात के श्रावयम् वो प्रकारण को सारीय से 45 दिन की स्वीत सा तत्सक्त्रणी किस्स्वां इस इप्ता की सामीत से 30 दिन की वद्यि, को और वसीय बाद में समान्य होती हो, के भीतर प्रवेशक कावित्यों में से किसी क्षित इसाग्र;
- (ख) इत सूचना के राष्ट्रभ में श्रकाशन की आरोष्ट्र श्रें 4:5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हिसवधूच विश्वी सम्य व्यक्तित इवाया सभोहस्ताश्वरी के पाछ। विश्वित में किए वा सकोंगे।

नन्त्रकी

भूमि और मकान-- प्लाट सं० 1074, अरिकार अञ्चा नगर स्कीम, मद्रास ।

(एस० आर० ग्रो० अण्णा नगर--दस० सं० 68/85)

के० वेणुगोपाल राज सक्षम प्रधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (तिरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

नारीख: 10-9-1985

प्रक्य बाह्", टी., एन., एस.,-------

'बायकर वरिपनियम, 1961 (1961 का 43) काँ भारा 269-व (1) के वधीन सुवना

भारत सरकार

कार्यांसय, सहायक आयकर आयुक्तः (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I. महास

मद्रास, दिनांक 10 सितम्बर 1985

निर्वेश सं० 75/जनवरी/85---यतः, मुझे, के० वेणुगोपाल राज्,

जावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें एक्को एक्कोल् 'उक्त मधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-व को मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बावार मूक्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ष्ठीर जिसकी सं० एस० सं० 30/1, 31/1, घोर 32/1 (पार्ट) है, तथा जो मुल्लम गांव में स्थित है (घोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अण्णा नगर, दस सं० 103/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियस, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सारीख जनवरी, 1985

क्यं पृथांचित संपर्ति को उचित बाजार मृत्य से कम को क्यांकाय प्रतिकत को निए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास कको का कारण है कि बथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजाड़ कृष्य, उसके देवसाम प्रतिकत से देसे देवसाम प्रतिकत का प्रमुख प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्दरिती (अन्तरिक्षियों) को बीच अन्तरण को सिए तब पत्ना भूगा प्रतिकृत निम्नसिक्ति उद्योग्य से उक्त अन्तरण जिचित को वास्तविक कम से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुर्द किसी बाद की वादत स्वत बहिद-दिवस की अधीन कर दोने की बन्तर्क की सनिवद ही किसी करने का उससे बचने में सुविका की किसे; बहिर/का
- (क) एती किसी शाय ना किसी वन ना नज नास्तियी को, विन्हें भारतीय नायकर निर्धानन्त, 1922 (1922 का 11) ना उन्तं अधिनियन, ना वन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ अन्तरियो ब्वारा प्रकट नहीं किया नना वा वा किया जाना चाहिए था, क्रिपान से मुविधा व विह्य;

1. श्री के० एस० चेलियन

(अन्तरक)

2. श्री एन० के० वरगीस

(अन्तरिती)

की वह ब्यान धारी करके पूर्वीक्त सम्बद्धि के वर्षन के विश् कार्यगाहियां शुरू करता हुं।

क्ष्य कर्णारत से सर्वन् से कर्मम् में नीवें ही बाखेंच् :---

- (क) इस त्वा में राज्यम में प्रकारत की तारींच से 45 दिन की जबीच ना तत्वम्मन्थी व्यक्तियों पर श्वाम की तानींच से 30 दिन की नवधि, को भी वर्षीय नह में बनाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तिमों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति;
- (क) इक स्थान के राज्यभ में प्रकारन की तारीय से 45 विश्व के भीतर अनत स्थानर संपरित में हिस्द-बस्थ किसी नन्य स्थानित द्वारा नभोहरतीकारी के यान निवित में निक्श का दकीने।

च्यंकडीकारणः---इसमें प्रयुक्त सम्बागिर पर्वोका, को उत्तर आधिनियम के अध्यात 20-का में परिशासित हीं, वहीं कर्यहोगा को तक अध्यात में दिया क्या हैं।

भनुसूची

भूमि एस० सं० 30/1, 31/1 श्रीर 32/1 (पार्ट) मुक्लम गांव ।

(एस॰आर॰ ग्रो॰अण्णा नगर—स्स०सं० 103/85)

के० बेणुगोपाल राजू सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अर्पेक्सण कें, में उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उप्धारा (1) के अधीन, निम्नॉलिखिस व्यक्तियों, अर्थातु:—→

तारीख : 10-9-1985

मोहर ः

प्रकर बाह्-दी. एम्. एव ..------

मामकार मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-स (1) के संधीन स्थान

अस्त देशकर

कार्यजन, बहुनक नामकर नामृत्य (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास मद्रास, दिनांक 10 सितम्बर 1985

निर्देण सं० 79/जनवरी/85—यतः, मुझेँ, वेणुगोपाल राज्

वावकर अधिमिवस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकी इसकी प्रथात जिस्त विधिनयम कहा गया ही, की भारा 269-स के कथीन सक्षम प्राणिकारी की वह विद्यात करने का कारण है कि स्थावर सम्बद्धि, विद्यात करित बाबार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं क्लाट सं 3912, अरिग्नर अण्णा नगर, है, तथा जी मद्रास-40 में स्थित है (भीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप में विणत जस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याक्षय, अण्णा नगर (दस कार्याक्षय, अण्णा नगर (दस कार्याक्षय, अण्णा नगर (दस कार्याक्षय, विश्वीन, तारीख जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्बन्धि के दिवत नावार मृत्य हे कम के क्यमान रितफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्के यह निवनास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का अविश नावार मृत्य, उसके क्ष्ममान प्रतिफल से, एसे क्षमान प्रतिकल के पन्तह प्रतिशत से विभक्त है और मंतरक (अंतरकों) और मंतरिती (गंतरितियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तब पाया गया/प्रतिफल, निम्नितिचित उच्चेस्य से उसत ब्लाएन विकित में बास्कविक क्ष्म से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) वन्तरण वे हुई किसी नाव की शक्त , उनत विश्वित्वय के विश्वीत कर दोने के वन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (थ) ऐसी किसी बाय या किसी धन या जन्य बास्तियों की, बिन्हें धारतीय बाव-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत विधिनियम, या धन-कर वृधिनियम, या धन-कर वृधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवासनार्थ अस्तिरती वृवारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया वाना वाहिए था, कियान में शूनिया के किया;

वतः अव, स्वयं विशिष्यं की पाडा 269-मृ वी अनुसरभ तो, मी उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) को अभीम, निस्मसि<u>ष</u>िक व्यक्तिग्रों, अधीत् :---- 1: श्रीमती कमला नायर ग्रौर 3 अन्यों

(अन्तरक)

2. श्री ए० पी० राजेन्द्रन

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके वृत्रोंकत सम्पृतित से वर्णन के लिए कार्यभाविमां करता हूं।

बानत संपत्ति के वर्षन के बंबंग में कोई भी बाबोंग् उन्न

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की नवीं ना तत्संबंधी अपिनतमों पर स्वा की तामील से 30 दिन की नवीं , को भी अविष वाद में समाज होती हो, के भीतर प्रविक्त अविकास में से किसी व्यक्ति स्वाराः
 - (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अभोहस्ताक्षरी के पास किसित में किए जा सकोंगे।

अनुसूची

भूमि भ्रौर मकान--प्लाट सं० 3912, अरिग्तर अण्ण नगर, मद्रास-40।

(एस० आर० ग्रो०अण्णानग र—दस०सं० 153/85)

के० वेणुगोपाल राजू सक्षम प्राधिकारी सहायक **मा**यकर मायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, मब्रास

तारीख: 10-9-1985

म्प्रेंड्र 🗦

इक्प, नार्चं, टी., एन., एवं, - - - - -

बाबकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) की काड़ा 269-च (1) के अभीन स्वर्ग

প্রায়র রম্পার

कार्यक्रमः, सहायक जायकर वाय्क्तः (निरीक्षक)

ुश्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनौंक 10 सितम्बर 1985

निर्देश मं० 80/जनवरी/85--यतः, मुझे, के० वेणुगोपाल

राजू,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकी पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उजित बाबार मुख्य 1,00,000/- ए. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० प्लाट सं० 4713, मण्णा नगर, मन्नास-40 (नडुवक्करें) है, तथा जो मन्नास-40 में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता मिक्कारी के कार्यालय, भण्णा नगर (दस० सं० 178/85) में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1985

को पूर्वोक्स सम्परित के उकिस बाजार मृस्य से कम के क्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मभ्मे, यह विश्वास करने का बारण है कि यथापूर्वोक्स सम्परित का उकिस बाजार मृस्य, उसके क्रियमान प्रतिफल से, एसे क्रियमान प्रतिफल का बंबह प्रतिवाभ से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्थ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकिस उक्षेर्य से उक्त अन्तरण सिकित बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण वे हुई किसी नाव की वावस्त, जन्नव करियनिक्य के सभीन कर दोने में बन्तर्क के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुनिया को सिए; मीन्ट/बा
- (स) एंडी किसी बाय या किसी धन या अन्य वाहिसाओं को, जिन्हें भारतीय बायक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-अद अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बवारा प्रकृत नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, जियाने में सुनिधा के लिए;

बतन नव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसस्य में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-में की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिश्चित व्यक्तियों, अर्थात् :---31---296GI|85 (1) श्री पी० वेंकटाचलम

(श्रन्तरक)

(2) श्री ए० मार० कालकुष्णन ग्रौर दूसरे

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत जन्मरित को नर्जन को सम्बन्ध मी कोई भी बाधोप ह—-

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारींच है 45 दिन की जनिम मा तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जनिम बाद में समाप्त होती हो, की भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृजारा;
- (च) इस स्थान के राजपथ भें किताशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निचत में किश वा सकेंगे।

स्वकाकरणः इसमें प्रयुक्त अब्द ीर पदी का, को उक्त अधिनियम के अध्याक 20-क मी परिभाषित हैं, वहीं अर्थ लोग की उस अध्याय में दिया गया है।

नगुसुची

भूमि मौर मकान--प्लाट नं० 4713, झण्णा नगर मद्रास-4 (नडुवक्करै) ।

(ए स० ग्रार० ग्रो० श्रण्णा नगर—-दय० सं० 178/85)

के० नेणुगोपाल राजू पश्रम प्राधिकारी सहायह आयहर पायुक्त (निरीक्षण) प्रार्वन रेंज-1, मद्रास

तारीख: 10-9-1985

इक्स बाह्यंत्र टॉ ह एक्त एक्त अन्यन्त्रन

नावकर समिनियन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के सभीद सुचना

नारत नरकार

कार्याजय , तहायक बायकर बावकत (निरक्षिक) गुजैन रेंज-1, नदास

मद्रास, दिनौंक 22 भगस्त 1985

निर्देश स० 83/जनवरी/85-म्नतःमुझे, के० वेणुगोपास राजू;

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स को अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विव्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मन्य 1.00,000/- रहा से अधिक है

भौर जिसकी सं० प्लाट सं० "एफ" श्रौर श्रभिन्न स्वार्थी भूमि—

1/6 प्लाट सं० 799 है, जो श्रण्णा नगर, मद्रास-40
मैं स्थित है (श्रौर इससे उपाबर्ख श्रनूसूची में श्रौर पूर्ण रूप से
विज्ञात है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रविकारी के कार्याक्य, श्रण्णा नगर
(दस० सं० 228/85) में रजिस्ट्रीकरण श्रवियनम 1908

(1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1985 की व्योक्त सम्पत्ति को जीवत बाधार मृत्य से कम के स्थमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि अवाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाधार मृत्य, उसके क्यमान प्रतिफल ते, एसे क्यमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिफल का पन्तर प्रतिफल को अधिक हैं और अंतरित (अंतरिकारों) को बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्निजिति संबंधिय से उक्त अंतरण सिवित में बान्तिविक क्य से क्यित महाँ किया यथा है इ—

- (क) कन्तरण वे हुई जिल्ली बाब की बाबत, उक्त वीपनियंत्र के वधीन कर दोने के वंतरक के वायित्य में क्यों कर्त या वसके सबने में सुविधा के सिए; जीर/बा
- (क) ऐसी किसी बाव वा किसी वन वा बन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय जायकर जिंधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंसरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया जाना चाहिए था. कियार में सविभा के लिए:

कतः अतः उक्त निधिनियम की धारा 269-व के बन्सरक वें, में, उक्त जिधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) हो नधीन, निध्नलिकित व्यक्तियों, वर्षातः :---- 1. श्री एल० के० मारकण्डेयन

(ग्रन्तरक)

2. श्री एस० बालसुब्रमणी

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वया बारों करके पूर्वोक्त सम्मृतिस से बर्वन हैं जिला कार्यवाहियां करता हूं।

क्कत सम्परित में सर्वन के सम्बन्ध में कोई मी बालेप :--

- (क) इस स्वतः के राववन में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन की बर्गा वा स्वयंक्रियों गा स्वाप्त की तारीच के स्वाप्त की वारीन से 30 दिन की न्याप्त, को भी बर्गा का में समान्त होती हो, के भीतर प्रवित्व व्यक्तिसमें में से किसी व्यक्ति व्यक्तिसमें
- (व) इस स्वना के रावपक के प्रकारक की तारीब से 45 किए के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति के हितबहुव किसी जन्म व्यक्ति इंबारा, बभोहस्ताक्षरी के पास विविद्य के किस का सकेंगे।

स्वाधिकरम् हर्मा प्रयुक्त सन्ती बडि पद्यो का, को उनस् क्षित्रियम, से अध्याव 20-क में परिभाषिर हाँ, यही वर्ष मोगा को उस वस्थाय में दिव गय हो।

4642

प्लाट सं० "एक" श्रीर श्रीभन्न स्वार्थी भूमि—1/6 ब्लाट सं० 799, श्रण्णा नगर, मद्रास-40। (एस० श्रार० श्री० श्रण्णा नगर—दस० सं० 228/85)

> के० वेणुनोपाल राज् सक्षम प्राधिकारी सहायक घायकर घायुक्त (निरीक्षण) घर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख: 22-8-1985

मुख्य सामुं 🛭 सीच पुरुष पुरुष्या 🚾

वायक्त व्यथित्यम्, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के जभीन स्थना

STATE STATE

कार्यान्य, उद्यायक माय्कार माय्कत (निरीक्षण)

प्रजीन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनाँक 22 श्रगस्त 1985

निर्देश सं० 84/जनवरी/85—-श्रतः, मुझे, के० वेणुगोपाल राज

जायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकात 'उन्त अभिनियम' कहा जया हैं), की बारा 269-च के नृभीन प्रक्रम प्रीमिकारी की यह निश्नास कर्य का काइण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00000/- राज्य से जिथक हैं

भौर जिसकी सं० प्लाट नं० ''ई'', प्लाट स० 799, भ्रण्णा नगर, भौर भिन्न स्वार्थी है, तथा जो मद्रास-40 भूमि 1/6 में स्थित हैं (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची सें श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता भिधकारी के कार्यालय, श्रण्णा नगर (दस० सं० 229/85) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भधीन, तारीख जनवरी 1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूला सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रपिफल का पन्द्रह्र प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत, निम्नति बित उद्वेष्यों से उक्त अन्तरण निचित के वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उनत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बच्चने में सुविधा के लिए; आहु/या
- (थ) श्रेसी किसी जाय वा किसी यन या जन्म वास्तियों की जिन्हीं भारतीय जाय-कर अंधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उथ्य अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) की मुक्केश्वाची अध्यक्तियों दूवारा प्रकट नहीं विकास गया था या किया जाना जाहिए था, कियाने में वृद्धिया के दिवस।

नतः नव, उन्त विधिनियम की धारा 269-म के ननुसरन में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) हे अधीन, निम्नलिचित व्यक्तियों, वर्धात् ध--- 1. श्री एस० के० मारकण्डेयन

ं(ध्रन्तरक)

2. श्री एस० सेल्यकुमार

(भ्रन्तरिती)

को वह सूचना भारी करके पृथानित संपरित के नर्थन के तियू कार्यमाहियां कारता होंदू।

वनत् राज्यस्य के वर्षण् के बच्चल्य में कोई औ वार्वप्र--

- (क) इब स्था वे राज्यन में प्रकारन की तार्रीय है.
 45 दिन की अवदिव का सरक्ष्मानी व्यक्ति के विकास की तार्रीय है.
 ब्रायन की तार्यीक से 30 दिन की नविभा, को भी वस्ति वाद में समास्त होती हो, के भीत्र पृत्रों का व्यक्ति की वे दिनकी व्यक्ति हुवाराः
- (क) इस स्वना के राष्ट्रपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिव के मीतर उक्त स्थावर कम्पित में हितवपूथ किसी कम्प स्थावित द्वारा म्थाइस्ताकड़ी के वाब मिथिक में किए वा कुकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

भ्रनुमुची

प्लाट सं ''ई'' ्लाट सं ० 799, श्रण्णा नगर, मब्रास-40 श्रीर श्रमिश्र स्वार्थी भूमि--1/6।

(एस० म्रार० म्रो० प्रण्णा नगर--दम० मं० 229/85)

के० वे गुगो गाल राजू सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्राधकर श्रायुक्त (गिरोक्षण) ग्रर्जन •रेंज-2 सद्वास

तारीख : 22-8-1985

प्रकृष काष्ट्र'.टी.एन.एव.

1. श्रीमती एम० ग्रान्डा**सम्मास**

(भ्रन्तरक)

बायकार जीभीनयम, 1961 (1961 का 43) की । धारा 269-म (1) के विभीत सुमना 2. डाक्टर एन० चन्द्र प्रभा

(अन्तरिती)

माउत बरकाउ

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (शिरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनाँक 10 सितम्बर 19::5

िर्देश सं० 85/जनवरी/85—यतः, मुझे, के० वेणुगोपाल राज्

शासकार अधिनियम, 196! (1961 का 43) (विसे इसमें इसमें इसमें एकात 'उनते अधिनियम' नहां नया । , की पाछ 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को बहु विश्वास करने का कारण । कि स्थावर सम्पत्ति, विश्वका उपि । वाचार मृत्य 1,00,000/- रहः से अधिक है

मौदि िसकी सं प्लाट ''बी'', प्लाट सं 269, म्रार० एस० 45, 3, 4/4-ए है, तथा जो पेरियक डेल गाँव में स्थित है (म्रीर इससे उपाबद्ध मनुसूची में म्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता म्रधिकारी के कार्यालय, एस० म्रार० ओ० म्रणाः नगर (दस० सं० 244/85) मे रिजस्ट्रीकरण भूमिनियम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख जनवरी, 1985 मो पूर्व कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम दश्यमान गतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने आरण है यह पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य, उसके स्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिक्षत के जनवरी और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती अन्तिपतियोंं) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया शितफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बंतरण लिखित में प्रस्तिक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) सन्दर्भ दे हुई सिन्दी वास् की वासकः वस्य अधिनियम के स्थीन कड़ के के साम्हरक के वाधित्व में कमी करने वा उससे वसने में सुविधा से लिए: मॉर्ट/श
- (ब) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों की, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 र्1922 का 11) वा उक्त बिधिनियम, वा जन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के निष्टः

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, को नक्त अधिनियम की धारा 269- को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्बद्धि के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी लाक्षेप :---

- (क) वस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि , जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णीक्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ड) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की सामित्र से 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर संप्रति में हिस्तबहुद्द िहसी कन्य व्यक्ति दुवारा अधाहस्ताक्षरी के पास दिक्ति के किए का सक्तिमें।

स्पष्टिभिनरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याप 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हरेका आं उस अध्याय में दिया गया है।

जन्स् जी

भूमि और मकान--प्लाट सं ं ''बी'', प्लाट सं ० 269, ग्रार ० एस० सं ० 45, 3, 4/4-ए, पेरियकू डेल गाँव। (एस० ग्रार० ग्रो० ग्रण्णा नगर ---दस० सं ० 244/85)

> के० वेणुगोपाल राजू सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, मद्रासः

तारीख: 10-9-1985

मोडर 🛭

प्रकृष् नार्याः, द्योः, पूनः, पृत्रः, नकान्यान

कायकर जिपनियम, 1961 (1961 का 43) क्यी. भारत 269-म (1) से अभीन सुधना

नारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकार मायुक्त (निर्दाक्षण)

श्चर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनाँक 12 सितम्बर, 1985

िंदेश सं० ए० पी० नं० 5845——ग्रतः मुझे, जे० एल० गिरधर

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उंचत बाजार मृल्य 1,00,000/- रूठ. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिया है तथा जो फगवाशा से स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध प्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्रीकर्ता श्रीध,करी के कार्यालय फगवाडा से रिजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम 1803 (1908 का

16) के अधीन तारीख मार्च 1985

को पृश्कित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य समारे दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्ब्रह प्रतिग्रत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त्रिती (अन्त्रितिग्रा) के जीज एसे अन्तरण के लिए त्य पावा मवा प्रतिफल निम्नतिस्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तित कें द्रास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण से हुई किथी बाद की बादत, डक्ट अधिनियम के अधीन केए दोने के अन्तरक के दासित्व में कासी केएने या उद्यक्त अवने में दुविधा के लिए, और/पा
- (ब) ऐसी किसी काथ था किसी धन या बन्य बास्तिणे को, जिन्हें भारतीय जाय-कर बाधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बाधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के के प्रयोजनार्थ कन्तिरती बुनारा प्रकार नहीं किया गया या किया जाना जाहिए था, जिल्ला में सुविधा के सिए:

बत: बब, उक्त कोंधनियम को धारा 269-ग के, अनुसरण को, की, उवत विधिनियम की भारा 269-व को उपधारा (1) बै बधीन, निस्त्रीलिक्त व्यक्तिस्तों, वर्धात:--- (1) श्री हरीम्रोम नन्वा पुत्र खैराती लाल, 95-सी, माडल टाऊन, फगवाड़ा।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री जोगिन्द्र सिंह हैयर पुत्र हाकम सिंह श्रीमती निर्मल कौर पत्नी बलवन्त सिंह, 95-सी, माजल टाउन, फगवाड़ा।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूत्राता बारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्बद्धि के बुर्वन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप 🛶

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख बं 45 दिन की बविध या तत्सम्बर्धी करिक्तयों पद भूचना की तामीज से 30 दिन की बद्धि, को औं नवधि बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वोक्स यिक्तवों में किसी' क्विन बुवादा:
- (थ) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपरित में हिल-नव्य किसी कत्य व्यक्ति द्वारा अयोहस्ताकारी के गस सिवित में किए या सकेंगे।

स्पच्छीकरणः -- इसमें प्रगुक्त कब्दों और पर्यों का, यो उक्त अधिनियम के जभ्याय 20-क में गरिभावित हैं, बहु कि कि होगा, को उस अभ्याय में दिया नवा हैं।

मन्स्ची

सम्पिट तथा व्यक्ति जैसा कि विसेख नं० 2099, दिनाँक मार्थ 1985 को रजिस्ट्रीकर्ता सधिकारी फगवाड़ा ने लिखा ।

> जे० एग० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, जालन्धर

दिनौक : 12-9-1985

प्रकम् वार्षं टी.एन.एव., वन्वन्त्रन

जायकर जीभिनयस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के जभीन स्वमा

गाउत चडुकार

कार्यासम, सहामक नायकर नापुन्त (निर्दाक्षण)

मर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनाँक 12 सितम्बर 1985

निदेश सं० ऐ० पी० नं० 5846 — प्रतः मुझे, जे० एल० गिरद्वरः

बायकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० जैंसा कि भनूसूची से लिखा है तथा जो जालन्धर सें स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विजित है) रिजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारों के कार्यालय जालम्धर सें रिजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिश्लीन तारीख जनवरी, 1985

को पूर्व के सम्पत्ति से उचित वाचार मृत्व से कम के दक्षमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विख्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मूस्य, उसके क्रममान प्रतिकास से, ऐसे क्रममान प्रतिकास का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्दरिसियों) के बीच ऐसे अन्दर्भ के सिए तब पाया गया प्रतिकास, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिक्षित में बास्त्र विक् क्य के क्षित नहीं हैं क्या पदा है है—

- (क)) अन्तरण से हुइ टिक्ती जाय की वानत उपत अधि-निवंश की वंशीन कड़ दोने के जन्त∷क को दायित्व को कनी कड़ने वा उद्यव वचने को श्रुविधा को क्षिए। और√वा
- (क) ऐसी किसी बाव या किसी धन या बन्य बास्तियों कां, जिल्हें भारतीय नायकर कां धनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त वांधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रवेचनार्थ क्लाडिटी क्वारा प्रकट नहीं किया व्याध्य या किया झाना वाहिए था, प्रकराने में युनिधा के विकास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीत, निम्नलिखित व्यक्तियां, अर्थात् :---

(1) श्रीमती रीता भल्ला पत्नी सुनील भल्ला, 55, न्यू जियय नगर, जालन्धर।

[(मन्तरक)

- (2) 1. करतार सिंह भसीन पुत्र वियन्त सिंह,
 - 2. श्रीमती वीरेन्द्र भौर पत्नी सतपाल सिंह,
 - 3. रविन्द्र कौर पत्नी सुरिन्द्र पाल सिंह,
 - 4. घरनजीत कौर पत्नी हरिन्द्र पाल सिंह,
 - 5. सतवन्त कौर पत्नी जगमोहन सिंह,
 - 6. सुरिन्द्र कौर पत्नी दिवन्द्र पाल सिंह,
 - 7. बासी बी IV 90, प्रभात नगर, जालन्धर । (धन्तरिती)

को बृह् सूचन। बारी करको पूर्वोक्त सम्पृत्ति सै वर्णन् के सिए कार्यवाही करता हो।

उन्त सम्मित्त के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी शक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 विन की जनींच या तत्सम्बन्धी स्पित्यों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जा भी जनींच वाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वीक प्रवित्यों में से किसी स्पित्त ह्वारा;
- (व) इत स्वना के रावधन में प्रकावन की शारीव वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-क्यूथ किसी कन्य न्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी वें गास सिवित में किए वा स्केंगे।

स्वकातिकरणः -- इसमें प्रयुक्त सन्तों और पर्यों का, जो उनत अधितिक के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा को उन सभाव में विका नवा है।

अमुसूची

सम्पति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं ० 4245, दिनौंक जनवरी 1985 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी जासन्धर ने लिखा।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजन रेंज, जालन्धर

दिनाँक : 12-9-1985

प्रकट् बार्ड. टी. एव. एव. ----

बावकह विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के ब्योग ब्यंग

THE WAY

कार्मासय, सद्दायक नायकडु नायुक्त (निरीक्षण)

जालन्छर दिनौक 12 सितम्बर 1985

निदेश सं० ऐ० पी० नं० 5847—प्रतः मुझे जे**० एल०** गिरधर

बायकर विभिनियस, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके परवात् 'उक्त विभिनियस' कहा गया हैं), की भाष 269-व के वभीन सक्त प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

धौर जिसकी सं० जसा कि धनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (ग्रीर इससे उपावस भनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन तारीख जनवरी 1985

को प्रॉक्त संपरित को उचित वाचार जुन्य से कम को क्रमधाय प्रतिकास को निए अन्तरित की गई है और मुक्ते वह विश्वास करने का कारण है कि स्थापनॉक्त सम्परित का उचित वाचार जुन्य उनके क्रस्मान प्रविक्त है, एसे क्रम्भान प्रतिक्ता का वन्तह प्रतिकृत से विश्व है और अन्तरक (बन्तरकों) और बन्तरिती (बन्तरितियाँ) के बीथ एसे बन्तरक से निए तम पामा निम्न प्रतिकृत, निम्नीनोक्त उद्दोस से बक्त क्लार्य विश्व क्षि

- (क) जन्तरण से हुइ किसी बाव की बावता, उपत किमिनयम के जभीन कर देने के बन्तरक की समित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा से किए; सीर/मा

बंद: बंद, बंदर विधिन्यम की भारा 269-वं के क्यूबर्फ में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-वं की उपधारा (1) के बंधीन, जिन्नलिकित व्यक्तियों वर्षीत् हिन्न (1) कुमारी सीमा गुप्ता,पुत्री जे०के० गुप्ता, 425, एल, माडल टाउन, जालन्धर ।

(प्रन्तरक)

(2) श्री जरनैस सिंह पुत ग्रमर सिंह ग्रीर श्रीमती ग्रवतार कौर पत्नी जरनैस सिंह, 23, न्यू माडस टाउन, जालन्धर।

(ग्रन्तरिती)

क्रा वह क्षत्र भारी करके पृत्रोंकर वंप्रित के वर्षण के विव कार्यवाहियां सुरू करता हो।

बनत बन्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी नाओप उ---

- (क) इस सूचना के राज्यात में प्रकाशन की तारील वें
 4.5 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पृष्ट सूचना की ताजील वे 30 दिन की जबिंध, को भी जबिंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच चै 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा, अभोहस्ताक्षरी के प्रास जिल्हित में किए जा सकेंगे।

ज्याकीकरण:—इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, को उक्त जिथानियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होगा को उस जध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

सम्पति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख न० 4058, ..सिचा ।

> जे० ए**स० गिरधर** सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर**ुप्रा**युक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालग्कर

दिनौक : 12-9-1985

मोहुद्ध थ

प्रका आई. ही. एन. एस. -----

आयफर जिभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्वमा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर मायुक्त (निरीक्षण) प्रजीत रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनौक 12 सितम्बर 1985

निवेश सें० ए० पी० न० 5848-5849--श्रतः मुझे जे० एस० गिरघर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (श्रिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 के अधीम सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वार करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्व 1,00,000/- रह. से अधिक है

भीर जिसकी सं० जैसा कि भनुसूची सें लिखा में तथा जो जालन्धर में स्थित हैं (भीर इससे उपावक भनुसूवी में भीर पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता भिधकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन तारीख जनवरी 1985

को पूर्वीक्त सम्मत्ति को उचित बाजार मूल्या से कम के रहयमान प्रतिकल को लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ते गह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिकल से, होसे इश्यमान प्रतिकल के पंद्रह प्रतिकात से अधिक है

और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के भीच एसे अंतरित को निम्तिस्ति। भीच एसे अंतरण के निए तय पाया गया प्रतिकल, निम्तिसिता उत्पंचय से उथल अन्तरण जिसित में बास्तियक रूप से काथित काँ किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण ने हुई किसी जाब की बाबत, उथत अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः जब, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मिलिकित उक्तिकां, अर्थात् :--- (1) डा० श्रोम प्रकाश तोस्वी पुत्र साधु राम, वासी धन्नीवाली, तहसील जालन्धर, मुख्तयारश्चाम श्री राम तिरथ पुत्रीसालिंग राम, 493, कृष्ण नगर, जालन्धर, विलेख नं० 4069) श्रीर राकेश उप्पल पुत्र राम तीरथ, वासी—उपरोक्त विलेख नं० 4070 ।

(श्रन्तरक

(2) डा॰ मोह्न लाल तोखी, पुत्र श्री साधु राम, गौंव धन्नोवाली, तहसील जालन्धर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की वविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पन्दीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पति तथा व्यक्ति जैसाकि विलेख नं० 4069, 4070, जोदिनांक जनवरी 1984 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी जालन्धर ने लिखा।

> जे० ए ल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

दिनौंक : 12-9-1985

मोहर 🕹

प्ररूप काईं.टी.एन.एस.-----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के विधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

गालन्धर, दिनांक 12 सितम्बर 1985

निष्टुण सं० ऐ० पी० नं० 5850—म्प्रतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का आराण है कि स्थ्यायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपावद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख जनवरी 1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गवा प्रतिफल, निम्नलिखित उव्चिश्य से उक्त अन्तरण निवित में बास्तविक रूप से किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 र्1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः कव, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण मा, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन . निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात ं— 14—296GI|\$5

- (1) श्रीमती सन्या देवी विधवा जी० डी० माधर, द्वारा श्राम ब्रटानी श्री महेण त्रानन्द पुत्र स्वंगीय श्री वी० स्रार० श्रानन्द, 293, लाजपत नगर, जालन्धर ।
 - (अन्तरक)
- (2) स्वर्णराम पुत्र गुरदासराम, गुरमेज कौर पत्नी स्वर्णराम, वासीं-गांव मिलयां खुर्द तहसील नकोदर, जिला जालन्धर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चान की तामील से 30 दिन की अविध, जांभी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के सध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

सम्पति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख सं० 4124, जो दिनांक जनवरी 1985 को रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी जालन्धर ने लिखा में।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी महायक प्रायक्षर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 12-9-1985

शक्य नाइ: ही। एवं, एसं.-----

आयकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अभीन ब्र्या

भाउव चंडका

कार्याचय, सहायक बायकर बाय्क्स (निराज्ञा)

ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 सितम्गर 1985

निदेश सं० ऐ० पी० नं० 5851—श्रतः मुझे, जे० एल० गिरधर.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विन्ने इसमें खिको पश्जात् 'उक्त अधिनियम' कहा नया है), की बारा 269-च को अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है, तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख जनवरी 1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यकान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिभत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के शैच एसे अन्तरण के स्पित्य पाया गया प्रतिफल, निम्निजिबित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण सिवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरन ने हुई किसी नाम की बाबसा, उनसा निध-जियम के बभीन कर देने के बन्धारक की दावित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविभा के लिए; और/वा
- (का) ऐसी कि ली नाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय अग्यकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया वया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थिया के निष्;

(1) श्री हरी प्रकाश पुत लेख राज , 179-स्रार, माइल टाउन, जालन्धर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री हरजीत सिंह पुत्र हरबन्स सिंह और , हरपाल सिंह पुत्र रबेल सिंह और, जरनैल सिंप, पुत्र गुरलाय सिंह, वासी-326-एल० लाजपत नगर, जालन्धर ।

(म्रन्तरिती)

का यह सूचना अर्थ करके पृत्तीक्त संपत्ति के बर्चन के निष्कार्यमाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप ८---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीच वें 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बद्धि, वो भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वास:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सर्कोंगें।

स्पन्धीकरण:----इसमे प्रयुक्त शन्दों जीर पदों का, वो उन्हें अभिनियम, को अभ्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं जर्थ होग्य जो उस जभ्याय में दिया ग्या है।

नन्स्ची

सम्पति तथा व्यक्ति जैस कि विलेख नं० 4330, दिनांक जनवरी 1985 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी जालन्धर ने लिखा ।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्राक्यर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

बत:, वब, उक्त अभिनियम की भारा 269-म के बनुसरक कों, भीं, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1)

🛋 अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियाँ, वर्धात :---

विनांक : 12-9-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

मावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 सितम्बर 1985

निदेश सं० श्रार० ये० सी० नं० 350/85-86--श्रतः मुक्ते, एम० जगन मोहन,

आग्रकर अधिनियम, 1961 (1961 के →3) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो मांडी विलेज, रामनगर
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से बर्णित है) रिजस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय विणाखापतनम
में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के
अजीन नारी ख मार्च 1985

को पूर्वोक्स सम्मत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्त्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एस स्वमान प्रतिफल के पन्त्रह् प्रतिशत से अधिक है जीर अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उच्चेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससं अक्षने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः जब, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मतिस्ति व्यक्तियां, अर्थात् :--

(1) इटी गोपाला सायमल राव पिता रामा राव, डी॰ नं॰ 7-207, माडी विलेज, रामनगर विशाखापटनम।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती पी० सूर्मावती पति श्री निवासा राजू और श्रन्य मांडी विलेज, रामनगर, विशाखापटनम ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में क्योई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अविधि या तस्सविधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाष्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) ६स सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मों हितब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

त्रिं खुली जमीन विस्तीर्ण 1032 चौ० गज, मांडी विलेज, (ग्रिपोजिट बि० एच० पी वी० गेट)में रामनगर, विशाखापटनम, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3531/85, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी विशाखापटनम ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 12-9-1985

प्ररूप नाई. टी. एव. एस.-----

बाधकार निपनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के नधीन स्वना

• १९ अस्कार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 सितम्बर 1985

निदेश मं० ग्रार० ये० स ी० नं351/85 -- 86--- श्रतः मुझे, एम० जगन मोहन,

शायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कृहा गया ह"), की भारा 269-स से अधीन सक्तम प्राधिकारी का, यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक ह"

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो केसरपल्ली, मुन्नावरम में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय मुन्नावरम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख जनवरी 1985

को पूर्णिक्त सम्मित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के दर्शमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से एसे दृश्यमान प्रतिकल का भन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिक रूप से किथित नहीं किया गया है द्

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी भन या जन्य जास्तियों को चिन्हें भारतीय आयक्तर निभिनियम, 1922 : 1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या भनकर अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्ति स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए चा; कियाने कें सुविधा के निए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण बै, मैं: उक्त अधिनियम की धारा 269-च की अध्यारा (1) के अधीन, निम्नलिखिन व्यक्तियों, अर्थात :— (1) श्री राजा वेंकट गोपाला क्रीण्णा भ्रष्पारान, पिता श्रार० वी० मुरली गोपालकृष्णा भ्रष्पारान जमीनदार न्यूज विडु, क्रीष्णा जिला ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री चीता रिव कुमार, पिता डा० चीता रंगाधमा राव, मन्नावरम, ऋष्णा जिला ।

(मन्तरिती)

का यह स्वना जारी करके प्रवीवत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से कि सी व्यक्ति द्वारा;
- (सं) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्मित्त में हितजबुभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यक्टीक रेंग :—-इसमें प्रमुक्त सन्दों और पदों का., धो उस्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा गवा हाँ।

नन्त्र्यी

वेट कृषि भूमि केसरपल्ली विलेज, मन्नावरमं क्रीष्णा जिला, विस्तीर्ण 12.86 एकड़, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 44/85, रजिस्ट्रीर्ता ग्रिकारी मन्नावरम ।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 13-9-1985

भोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 सितम्बर 1985

निदेश मं० श्रार० ये० सी० नं० 352/85→86——श्रतः मुझे, एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-त के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रत. से अधिक हैं

और जिसकी मं० भूमि है तथा जो केसरपल्ली गन्नावरम, में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गन्नावरम में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के जिसत बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का जिसत बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्घेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे अचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में , में , उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिक्त व्यक्तियों , अधीन ।

(1) श्री राजा वेंकट रामकीण्णा ग्रप्पाराव बहादुर, पिता ग्रार० व्ही० मुरलीगोंपाल ग्रप्पाराव जमीदार, न्यु झविड, क्रीण्णा जिला ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती चीता भानूमजी, पति डॉ सरपंच रंगाधमा राव, गन्नावरम, क्रीण्णा जिला ।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

जन्स संपत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वी कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बह्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथोह्स्ताक्षरी वं पास विक्रित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभा-है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिय गया है।

अनुसूची

बेट एग्रीकलचरल लेन्ड, श्रार० एस० नं० 162/2, विस्तीर्ण 17.31 एकड़, केसरपल्ली, विलेज, गन्नावरम नालूक ऋष्णा जीला, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 43/85, रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी गन्नावरम ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजैन रेंज, हैदराबाद

दिनांक 13-9-19**8**5 मोहर : प्रस्थ काइं. टी. एम्. एस.--

शायकर वाधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ भारा 269-व (1) के अभीन स्थान

मारत सरकाः

कार्याजय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 सितम्बर 1985

निदेश सं० श्रार०ये० सी० नं० 353/85→86---अतः मुझे, एम० जगन मोहन

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें असके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 21,9-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित आजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लेट है तथा जो भ्रम्ण बिल्डर्स मोगलराज-पुरम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप मे विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय विजयवाडा में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्परित के बिक्त बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बंबह प्रतिस्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और बंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकस, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त बंतरण निविक्त में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण में हुइ किसी बाय की बाबत, उचत अभिनियद के अभीत कर दोने के अंतरक की दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा की सिर्ह; वरि/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या बन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिथिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सूबिधा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) मेसर्स प्ररुणा बिल्डर्स, बाई मेनेजिंग पार्टनर श्री वी० एस० पी० राजू, मोगलराज पुरम, विजयवाडा ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एन० वेंकटरामया पिता रामा नरसिम्हा शास्त्री, ए फ्लेट, मेसर्स ग्रहण बिल्डर्स मोगलराजपुरम, बिजयवाडा ।

(मन्तरिती)

कार्य बृह्य सुक्रमा कारी कंटके पूनों नत सम्पत्ति कं अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत बन्पीत के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बासेप 🚈

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 विन की नगीं मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर त्वना की तामील से 30 विन की नगीं मा भी अविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों के से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित-बब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्नारा अधोहस्ताक्षरी के शह निक्ति में सिष्ट्या सक्टेंचे।

स्वक्रीकरण:---इसमें प्रमुक्त सम्बंधीर पर्यों का, को उक्त अधिनियम के अध्यास 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ क्षेत्रा को उस अध्यास में दिया क्या है।

अनुसू ची

ए० फ्लेट इन मेसर्स ग्ररुण बिल्डर्स विस्तीर्ण 900 **भौ०** फुट मोगलराजपुरम, विजयवाडा, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 30/85 रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी विजयवाडा।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक': 13-9-1985

मोहर 🛪

प्रस्य बार्ड.टी.एन.एस------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 सितम्बर 1985

निदेश सं० श्रार० ये० सी० नं० 354/85-86---श्रतः मुझे, एम० जगन मोहन,

नायकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी मं० प्लेट हैं तथा जो मोगलराजपुरम, श्ररुण बिल्डर्स में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ना श्रधिकारी के कार्यालय विजयवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जनवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिकाल के सिए बन्तरित की गई है और मुक्के यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उपित बाजार मूल्य इसके ध्रयमान प्रतिकल से, एसे ध्रयमान प्रतिकल का पण्डह प्रतिक्षत से अभिक है और अन्तरक (बन्तरकों) और अन्तरितीं (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नतिचित उद्देश्य से सक्त बन्तरण जिल्हा में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है दिल्ल

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में कृतिका के सिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर विधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के निए;

अन्तः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की नण्धारा (1) के अधीन, निम्नलिकिए व्यक्तियमें. अर्थात् :—

- (1) मेसर्स प्रश्ण बिल्डर्स, बा मेनेजिंग पार्टनर, श्री वी० एस० पी० राजू मोगलराजपुरम, विजयवाडा ।
 - (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती मागती सत्यानारायण मुर्ता, पिता चीदाम्बरम, जेनरल मेनेजर, मेमर्स पेट्रोकेमीकल लि० बरोडा ।

(भन्तरिती)

र यह समान) आरो करके , प्रामिल सम्परित के **बर्जन के लिए** कार्यवाहिया करता हूं।

उन्स सम्पन्ति क अजेन क सम्बन्ध में कां**ड भी आक्षेप:--**-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हु से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्ति वृंदारा;
- (क) इस स्कान के राजपन में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वार अधाहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकेंगे।

प्रवास्ति रणः — इसमे प्रवृक्त शब्दों और उदों का, बा उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा ओ उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लेट प्रेमीसेस मेमर्स प्रमण बिल्डर्म, विस्तीर्ण 900 चौ० फुट, प्राउन्ड फ्लोर, मोगलराजपुरम, विजयवाडा, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 565/85. रजिस्टीकर्ता भ्रधिकारी विजयवाडा ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 13-9-1985

मोहर 🖫

प्ररूप आइ¹.टो. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजंभ रंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 सितम्बर 1985

निदेश मं० म्रार० ये० सी० नं० 355/85-85--म्रतः मुझे, एम० जगन मोहन,

नायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० क्लेट है तथा जो मोगलराजपुरम विजयवाडा में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध धनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत हैमें रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय विजयवाडा में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जनवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह निष्वाच करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार ब्रूक्य, उचके क्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिचत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निक्तित में बास्टिकिक केंप से किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्क् बास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तीरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चान्हिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मेक्स प्रकणा बिल्डसं, बाउ पार्टनर श्री बी० एस० पांडुरंगा राजूं, मोगलराजपुरम, विजयवाडा ।

(श्रन्तरक)

(2) 1. डी० ए० द्वारकानाथ सिविल असिसटेंट सर्जन,
गर्वनमेंट हास्पीटल तनूम्कू।
 2. श्रीमती द्वारकानाथ तनूकू जिला वेस्ट गोदावरी।
(श्रन्तिग्ती)

को बहु बुचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्जनाहियां करला हुं।

उथव सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का सं 45 दिन की जमिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, खों भी जब्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी स्थक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यास अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए का सकोंगे।

रपक्किरण:—इसमें प्रयक्त कर्की और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के जध्याय 20-क में परिमाधित है, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनमची

फ्लेट नं ॰ इजी 2, ब्लाक नं ० 1 (इस्ट) विस्तीर्ण 835 को ॰ फुट ग्राउन्ड फ्लोर, मोगलराजपुरम, ग्रम्णा बिल्डर्म विजयवाडा रिजस्ट्रीकृत विलेख नं ० 525/85, रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी, विजयवाडा ।

> एम० जगन मौहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 13-9-1985

नोइर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) को अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैंपराबाद

हैवराबाद, दिनां ह 13 स्तिन्बर 1985

निदेश सं० ब्राट० ये० सी० नं० 356/85-85-श्रदाः मुझे एम० पानन भोहन

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उन्द अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-क के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर ग्रंपित जिसका उचित बाजार मृत्य

1,00,000/- रा. में अधिक हैं

श्रीर विकास मंश्रीया है तथा जो भीन बायता येल्क में स्थित हैं (श्रीर इसी प्राव्ह अनुसूचा में श्रीर पूर्ण का दे विका है) प्रित्र का श्रीकारा के दार्मास्य येल्क में पिरुट्स ज श्रीमित्रम 1908 (1908 का 16) के श्रीयान तर्ख प्रावदी 1985

को पूर्वेक्त संपत्ति के उपित बापार मूला से कम के दरमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरमान प्रतिफल से, एसे दरमान प्रतिफल का पल्चह प्रीवक्त से अंगिक है और अंतरक (उन्हरकों) और उन्तिस्ती (अन्तिरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मलिखित उद्देश से उस्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हाई िकसी आय की वाबत, उक्त अधिरियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त सिंधितयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अमः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--15—296GI|85

(1) जानार पहासुनिका श्रीनिकातद्वारसार देसम परि डा० जीसहारूपरास अलासाहेब, भेन बाजार, येलुरु वेस्ट गोसवर ।

(अन्तरह)

(2) श्री क्षेष्ठ केष्ठ मुत्रमध्य चारीयुलू श्रीर उसके पुत्र भेन बाजार, येलुरु।

(अन्तिस्तिः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शृष्ट करता हूं।

उदत सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना हो राजपत्र मों प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन की अनिय या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अनिध, जो भी अविध दाद मों समाप्त होती हो, हो भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ह) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्भीता में हित-द्य किसी अन्य कावित द्वारा, सर्वहस्ताक्षरी के पास लिखित मो किए जा सकेगे।

रपच्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्र<u>न</u>ुसूची

 \vec{s}_1 ं नं 37/58, धावा टाईरड श्रीत टेश होड दिस्तीर्ण 283 जी , गात भीत बाजात येतुक, राजिस्ट्राइस्स जिलेख न 161/93, राजिस्ट्राजारी श्राजितासा येतुक ।

एम० जंगत मोहन उज्जम प्राधि परो सहाय त स्नाय घर श्रायुक्त (निराक्षण) स्नर्जन रोंग, हैंदराबाद

दिनों हं : 13-9-1985

माहर 🖫

प्रक्ष बाह् हो । एन । एवं . ----

नायकर बरिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-न (1) के नजीत सुचना

पाउँ चड्ड्यूर

कार्यासय, सहायक कायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्वर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 सितम्बर 1985

निदेश सं० ग्रार० ये० मी० नं० 357/85-86--ग्रत मुझे एम० जगन मोहन

अस्यकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके पर्यात् 'ज़क्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन संख्या प्राधिकारी का यह जिक्कास कारने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसके। सं० घर श्रीर भूमि है तथा जो ईनिसपेट राजमुंडी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुमूर्च) में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारों के कार्यालय राजमुंडी में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारोख जनवरी 1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए क्ष्यति की गई कीर मूक्ते यह विद्यास कार का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्मत्ति का उचित नाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का प्रस्तु प्रतिशत से अधिक है बीद अस्तरक (अन्तरकों) और क्षयादितों (अन्तरकों) और क्षयादितों (अन्तरिकों) के बीच एसे बन्तरण के तिए तम पाम गया प्रतिकल निष्धितिस्त उद्योध्य सं उच्या अन्तरण लिस्त ने नास्तिक रूप से किया गया है:—

- (क) करतरण से हुंडे किसी बाव की बाबत, उक्त जीधीनसमें के बंधील कर दोने के अन्तरक ते दास्थित में कभी करने वा दससे उच्छा में सुविध्य के सिए; बॉर/बा
- (ल) एंडी किसी बाय या किसी धन या जन्य ब्रास्तिण को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अंतरिली द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के निए,

(1) श्री एन० साष्ट्र राममुर्ता, पिता प्रसाद राव ग्रीर भन्य । लकापेट, विजयवाडा ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती बी० कससीभ्रन्नपुरनम्मा, पति श्री सीताराम शास्त्री , इतिसपेट राजमुंडी

(भ्रन्तरिती)

को सह सुख्या चारी करके पृथीक्त सम्पत्ति के अर्थन की लिए कार्वग्रीहर्म व्यक्ता हुं।

तकत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि. को भी अविधि बाद में नजाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकालन की तारीच में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसक्यूथ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारों के पास सिकित में किए जा सकोंगे।

श्र्यकाकिरण:---इसमें प्रयुक्त कब्बों और पत्रों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, मही अर्थ होंगा, को उस अध्याय में दिया गया है।

भनुसुची

डीं॰ नं॰ 6-8-7. (विस्तीर्ण 500 ची गत्र) इनिसपेट, राजपुंडी, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं॰ 268/85, रजिस्ट्रीकर्ती ग्राधिकारी राजमुडी।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारः सहायक **मा**यकर श्रायुक्त (निरीक्षण) **म**र्जन रेंज, **है**दराबाष्ट

व्याः वयः, वयः विभिन्नियमं की भारा 269-ग के बनुसरण के, में अकतं विभिन्नियमं की भारा 269-थ की उपधारा (1) के वर्णान, निम्नीसिवित् व्यक्तियों, वर्णात् ६---

दिनाक: 13-9-1985

प्ररूप मार्च , दी , एन , एस , -----

शायकार शिंधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 (भ) (1) के अभीन स्थान

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक सायकर वाय्वत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनां ह 13 सिसम्बर 1985

निर्देश मं० ग्रार० ये० सी० नं० 358/85-86--यतः मुझे एम० जगन मोहन,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परपात् 'उक्त मिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधार उक्षम प्राधिकारों को, यह लिइनार करन का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जित्तको सं० भ्मि है तथा जो विजयवाडा युलुरु में स्थित है (ग्रीर इसने उपाबद्ध भ्रतुसूचो में ग्रीर पूर्ण रूप से वॉजिन है) एजिल्ट्रा इर्ता श्रिष्ठ हारी के कार्यालय येलुरु में रिजस्ट्रा हरण श्रिविनयम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन जनवरी 1985

की पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाज़ार मूल्य से कम के स्थमान बितकल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल को बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और बंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलकत उद्वेष्य से उकत अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) बंतरण से हुई किसी नाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बंतरक की दायित्व मां कामी करने या उससे वचने मां सुविधा ५ लिए, और/मा
- 'ख', एनी किसी नाम या किसी धन या जन्म जास्तिमों करा जिल्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या जिल्ला जाना चाहिए था, छिपाने में सृत्यिया के लिए;

बत: अब, उचत अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री जहरा चन्द्रा भूज, पिता नरसी ग्रीर श्रन्थ, बिल्ला पारा, बेस्ट बम्बर्ड ।

(अन्तरक)

(2) श्री के० राघवेंद्रा राव, सीने डायरेक्टर, महालिंगमगुरम, मद्रास-34 ।

(भ्रन्तरिती)

को वह कुलना भारी करके पुत्रों कर कमरित के वर्षन के विश् कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कीई भी आक्षेप :---

- (क) इस त्वना के रावपत्र में प्रकाशन की सारीय स 45 दिन की सबीध वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पद सूचना की तामील सं 30 दिन की प्रविध का भी सबीध बाद में समाप्त होती हो, ही भीतर पूर्वोक्स ध्यक्तियों में से किसी न्यक्ति दुवसा;
- (ख) इस सूचना क गाराभाग मा प्रकाशन की तारीक र 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्प्रीत में हित्सब्ध किसी अन्य ब्योक्त द्वारा अभोहस्ता(गरी के पास निविद्यत में किए जा सके थे।

स्पच्छिकरण:--इसमं प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्नर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा था उद्देश माय में विका गया।

वस्युवी

विस्तीर्ण 47.55 एकत्र, भूमि विजयवाडा, येलुरु सालुक, वेस्ट गोदावरी, जीला, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 305/85, रजिस्ट्रीकृती श्रविकारी, येलुरु।

> एम० अगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त निरक्षण) भ्रजन रेंज, हैदराबाद

धिनांक: : 13-9-1985

प्रारूप नार्'.टी.एव.एस.-----

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौं धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंप, हैररावाद हैररावाद, दिनोज 13 सितावर 1985

निकेश सं० श्राट्य ये० संग्वनं० 359/85-86--पतः मुझे एम० जनन भोद्न,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स क अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विष्याम करन का का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

मीरिजितम संघ दावा है ता। जी करित पेट विजयका म में स्थित है (प्री: इता उत्पाद श्रापुत्र) में और पूर्ण का से पर्णित है) रिजे प्रांगी श्रीव तथों के अर्थाल , विजयका म, में रिजे प्रांचिम श्रीवित म 1908 (,1998 एवं 16) के भागान जनारा 1985

कां पूर्वाकत सम्मिति के उत्तित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुर्फ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपति का उचित बाजार ल्या, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्तर प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्य पाया गया प्रतिफल, निम्निलियत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ६—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की शक्त, उक्त अभिनियम के अभीन कर योने के अन्तरक को दायित्य में कमी करने या उससे वजने में सविधा भी किए; जौर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयक्त अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अ प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गमा था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूविधा औ निए;

जतः । । । , उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग को अनुसरण । , में , उक्त अधिनियमं की धारा 269-च की उपधारा (1) क अधीन , निम्निलिखित व्यक्तियों , अर्थात् :---

- (1) श्रा त्रार० गोतलकृष्ण (रिटायर्ड) कैट्टन, पिता सुइबन्ता, घर नं० 4-2-54, कोया झाम्राहरम, कांतापेट, दिजनदाडा । (स्रस्तरम)
- (2) श्रीमजी मंगलगिरी येथी(पाष्ट्रमा) पति गोललकृष्णा, 6-1-13, हाजादारीफरद्रीट, विज्ञानप**्म**।

(ग्रन्तिरसा)

को मह सूचना वारी करके पृत्रीक्ट सम्पत्ति के वर्णन के जिए कार्यवाहियां करता हुंगू।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन भी तारीख सं
 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्विति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बर्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्मध्दीकारणः -- इसमें प्रयुक्त इच्दों और पदों का, जो उपत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

इमारत की० नं० 4-2-54, न्यू भाग्रहारम कोथपेट, विगयानगरम, विस्तोर्ण नं० 325 चौ गज, रजिस्ट्रेक्कत जिलेब नं० 432/85, रजिस्ट्रोक्ती श्रीधकारी, विजयनगरम ।

> एम॰ जान मोहन सक्षम प्राधि तरी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, हैदराबाध

धिनो ह : 13-9-1985

(अन्तर्फ)

प्रकृप आइ. टी एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद हैदराबाद, दिव्हेंक 5 फिएम्बर 1985

निर्देश सं० आा० ए० सी० नं० 324/85-86--अतः मुझे, एम० जनव मोहार

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें प्रचात् 'उक्त जीधनियमा कहा गया ही), की धारा 269-ख के नधीय सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि भावर संपत्ति जिनका उचित् गागिर मूल्य

1.00.000/- रा. से अधिक है[°]

म्बीर जिल्ली सं० जूनी धर्नात है जो बाल्डीयर बार्ड, विलाबा जान में दिया है (बोर इतने जतबाद अनुसूची में मोर पूर्ण कर ने प्रिंग है), प्रिल्डी उनी अधि तरी के कार्याच्या, वैज्ञान में भारतीय धर्निड्डी उर्ण अधिनियम, 1908 (1903 का 16) के अधीत 5/85

का पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचि । वाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रति इन के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते वह निश्वास करने या कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल से जिंद प्रतिस्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) आरे अन्तरित (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय क्या गया प्रतिफल, निम्मिलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विलिखत में बास्तियक स्टा से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई थिसी आय की बाबते, उक्त जिभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के द्वागित्व में कमी करने या उससे अधने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या इ ा अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनाथे अन्तियम, विद्यारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

- (1) श्री ए० वी० रामकृष्णा कुमार, विद्या भूर्यवारायणा अम्बीका वाग, विद्याखापटनम
- (2) मैनर्स टी० गायती इंजीनियरिंग की० प्रा० नि० बाह मेनेकिन ड.इरेक्टर श्री टी० सूच्या रामी रेड्डी, रोड़ नं० 1, बंजारा हील्स्, हैदरायाद

(अन्ति-ति)

को यह सूचना जारी अरखे पूर्वा कत सम्पत्ति के अर्जन के िहए कार्यनाहरा करता हो।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 किन की अपित्र या तत्म-एन्थी उपित्रकों भर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि, वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस स्वाना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्ति मों किये वा सकांगे।

स्पद्धीकरण:--- इसमें प्रयूक्त सन्दों और पदों का, जो जकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विचा प्रशृहै।

अनुसूची

खुली जमीन विस्तीण 1742 चो० गज टीमस नं० 1011 विषय पातृगंग विषय नाल्टीवार वार्ड, वियाखात पटनम, स्वेल्ह्या विषय नं० 5626/85, स्विल्ह्या ति

> एम जगत मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंग, हैदराबाद

तारीख: 5-9-1985

मोहर 🖫

भं, मीं, उनत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) भी, भी, उनत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के सधीन, निम्निसिस्त व्यक्तिसमा सधीत क्रिक्न

प्ररूप: बाद": टी. एन्: एस: ----#

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक वायकर वायुक्त (निराक्षक)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 सितम्बर 1985

निर्वेश सं० आर० ए० सी० र्न० 325/85-86-अतः मुझे, एम० जगन मोहन,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उधित नाभार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

म्रोट जिल्लि सं० फ्लैट है, जो महारानिपेट, विशाखापटनम में स्थित है (म्रोर इससे उपाबत अनुसूची में म्रीर पूर्ण रूप से विणित्र है), रिजस्ट्री इर्जा अधिकारी के कार्यालय, वैझाग में भारतीय रिजस्ट्री इर्ण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1/85

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्भ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्ति का उाचत बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल सं, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्वेष्य सं उक्त अन्तरण लिसित में वास्तविक रूप सं कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुइ किसी आय की वाबत, उक्त मधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरस से वायित्व में कमी कहने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; बार/या
- (ख) एसी किसी अग या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तीरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में स्विधा के लिए;

बतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण बैं, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के यधीन, निम्नलिखित स्यक्तियों, अर्थातः :--- (1) मैं ससं पेरामाऊंट कन्स्ट्रक्शन्स, बाइ पार्टनर श्रीमती बी० लक्ष्मी, पित बी० प्रभातकुमार, बासपल्ली हील्स, विशाखापटनम,

. (अन्तरक)

(2) श्रीमती एम० मनोरमा, फ्लैंट नं० 6, सेकंडर फ्लोर, डी० नं० 16-1-16, महारानीपेट, विशाखापटनम

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां कुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की बविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की वर्वाथ, जो भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपन्ति में हितनव्य किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में विया नया है।

भन्स्ची

पर्वं ट नं० 6, दूसरा मजला, घर नं० 16-1-16, महारानीपेट, विशाखापटनम, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 965/845 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी विशाखापटनम ।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी स**हायक आ**यकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाट

सारीख: 6-9-85

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 सित्तम्बर 1985

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 326/85-86---अतः मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाह 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,0(10/- रु. से अधिक हैं

म्रोट जिज्ञकी सं० फ्लैंट है, जो महारानीपेट विशाखापटनम में स्थित है (म्रांग्ट इससे उपाबद्ध अनुसूची में म्रोंग्ट पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वैमाग में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1/85

को पूर्णोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एरयमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का बारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंयह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल निम्नितिश्वत उद्बंदिय से उक्त अन्तरण लिख्शि में बास्तिबक एप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबत, उक्त निगम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; शीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 19 57 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

(1) मैं सर्स पेरामाऊंट कन्स्ट्रकशन्त्र, बाह्य पार्टनर श्रीमती बी० लक्ष्मी, पति बी० प्रभातकुमार, दासपल्ली हील्स, विशाखापटनम,

(अन्तरक)

(2) डीं॰ सी॰ एच॰ हारीप्रसाद, पिता सी॰ एच॰ बेंक्टप्पा, 15-12-5, महारानीपेट, विशाखापटनम (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के आर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृश्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याद 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसुधी

ए पलैट प्रथम तल, डी० नं० 16-1-16, महारानीपेट विशाखापटनम, रिजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 960/845 रिजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी वैक्षाग।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (तिरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

अक्षः अधः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं., उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाद् :—

तारीख: 6--9--85

मोहर 🖫

प्रकृप बाहर् हो एक एड .----

बायकार बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म् (1) के बधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनां ह 6 दिसम्बर 1985

िदेश सं० आए० ए० सी०नं० 327/85-86--अतः मुझे, एम० जगन मोहार,

कागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसने पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राध्वितारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृल्य 1,00,000/- रु से अधिक हैं

मीर जि.की सं० प्लंध है, जो जिज्ञा अगर्टमें हैं, जमीरपैट में स्थित है (मोर इ.से उग्नब्ध अनुसूची में मौर पूर्ण रूप से विजित है), रिजिल्ली जिल्ली अधिकारी के कार्यकिन, हैदराबा। में भारतीय रिजिल्ली जरण अधिकियम, 1908 (1908 क 16) के अधील 2/85

को पूर्तिकत समितित से उचित वाजार मूल्य से तम को दश्यमान प्रतिकत को लिए अंतरित को गई ही और मूक्षे यह विशास करने का कारण हो कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकत सं, एसं दश्यमान प्रतिकत का पंद्रह प्रतिकात से अधिक ही और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अंतरितियां) को बीच एसे अंतरण को लिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्मिलिखत उद्देश्य से उद्देश करतरण विविद्य में शास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया ही:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के कायित्व में कमी करने या उससे वचने सें सृतिधा के लिए; और/या
- (ण) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिये था, ख्याने में स्विया के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाद्

(1) मैजर्स विजया थिल्डर्स, घर नं० 7-1-70/वी/1, एत० सी० एच० रोड़, घरम करन रोड़, अमीर पेट हैदराबाद

(अन्तरक)

(2) श्रीमती बाइ लामी कांतम 601, बिजना अपार्टमेंटस, एस० सी० एच० रोड़ धारम करत रोड़, अमीर पेट हैंदराबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोवत सम्पत्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उनत संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकारन की तारील से 4; दिन की अविधि प्रा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चन की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविष् बाद में सपाप्त होती हो, के भीतर पूर्वील व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन के भीतर पूर्वोक्त उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य ब्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षर के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषि है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिर नया है।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 601, विजया असर्टमेंटस, एप० सी० एच० रोड़, अमीर पेट हैंदराबाद विस्तीर्ण 1200 चो० फूट, घर नं० 7-1-70/31/1, हैंदराबाद रिक्ट्रिक्स विलेख नं० 765/85 रिकट्रीक्ती अधिकारी हैंदराबाद।

एम० जनन मोहन सक्षम प्राधि नारी सहायकः आयका आयुका (निरीक्षण) अर्जन रेज, हैदरायप

तारीख: 6-9-1985

प्ररूप आई .टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज, हैदराबाद

हैंदराबाद, दिना ह 6 नितम्बर 1985 निर्देश स० आर० ए० सी० न० 328/85-86--अतः मुझे, एम० जगन मोहन,

मारेडपल्ली स्थित है (ग्रोर इत्ती उपायद्ध अनुसूची मे ग्रोर पूर्न रूप स वर्णित है) रिजिन्द्रोति अधि तरी के नार्यालय, मारेडपल्ली में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीर जनवरी 1985

का पूर्वीयत सम्मत्ति के उमित बाबार मृत्य से कम के क्षवसाल प्रितिफल के लिए अतारित को गर्व हैं और मृश्वे यह विक्वास करने का काराम में हि राष्ट्रायवानत सम्मित को उम्बित बाबार मत्या, उसके दृष्ट्रायमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्ट्रामान प्रतिफल का क्ष्या हि अतिकार मा स्वाप्ट्रायमान प्रतिफल का क्ष्या हि अतिकार मा अविकार को कार्या का प्रतिफल का कार्या के की का मा अविकार को नाम अविकार को नाम अविकार का निमासित उद्देश से तक कारण निमासित में बास्त-विकार का काथित नहीं किया गया है के

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बिधिन्दिक के बधीन कर दोने के बंतरक के बाबित में कमी करने वा उनने बचने में स्विधा है जिए; जैर कि

(1) मिस कमलेम 225 ए 4, वस्ट मारेडपल्ली नाड़, सिकदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शारदम्बल, फ्लैट न० 5, गीताजली अपार्टमेटम, बेस्ट मारेडफ्ल्ली, पिकदराबाद-26 (अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध म कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की बबिध या ते कारी क्षित्रों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी बबिध बाद मों सकापत हाती के , द कि तर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति कर कराया.
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मा पकातन की तारीख से 45 दिन के भीता अवर ना नम्यीन में हित-बहुध किसी अन्य न्यान्य न्यार अप हस्ताकरी के पास लिखित में किए जा मकों में।

स्पद्धीकरण: ---इसम प्रयक्त शब्दी ३ र पर्दो का. बो उनक किमिनियम के अध्याप 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होता व उस अध्याय में हिया गया है।

वन्स्ची

फ्लैट नं ० 5, गीताजली अपार्टमेटम, सिकदराबाद, विस्तीर्ण 1500 चो ० फूट, रिजम्ट्रीकृत विलेख न ० 192/85, रिजस्ट्रो-कर्ता अधिकारी मारेडपल्ली

> एम० जगन मोहन नक्षम प्राधिकारी मापक गाय पर प्रमुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, हदराबाद

तारीख . 6-9-1985 मोहर:

प्रकृष जाइ . टो. एन . एस------

गायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्थाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद हैक्राबाद, दिनांक 6 सितम्बर 1985

निर्देश सं० भार० पे० सी० नं० 329/85-86--अत: मुझे, एम० जगन मोहन,

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान 'ज़क्त अभिनियम' कहा गया हैं), को भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्बक्ति, जिसका लियत नाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं ० प्लैट हैं, जो तीरुमला टावर्स, हैं दरावा स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, खैरताबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1/85

को प्रांकित संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के सिए रिजस्ट्रीकृत जिलेख के अनुसार अंतरित कीगई है और मूक्षे यह विष्ठास करने का कारण है कि यह पूर्वोक्त प्रवंकित सम्पन्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से बिधक है और बन्तरक (बन्तरकों) और बन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरक के सिए तम पाया चया प्रतिफल, निम्नितिबल उव्योक्त से उक्त बन्तरक सिवित के बास्तिक रूप से कीचत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (व) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्ही भारतीय आयकर अधिकियम, 1922 (1922 की 11) या तक्त अधिनियम, या धन-कर अधिकियम, १८.७ १००० के प्रयोजनार्थ अन्ति प्रती क्षारा प्रकट नहीं किया गया चा वा किया जाना चाहिए चा, खिपाने में सुविधा के लिए,

अन तब, उबत जिथिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण को, जो, ज्ञान अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के ज्ञानी निम्नसिक्ति स्थानिसम्बद्धाः कथितः :---

- (1) मैसर्स तीरुमला टावर्स कन्स्ट्रम्शन बाइ मैनेजिंग पार्टनर श्री एम० एस० चंद्रय्या, 1-1-593/सी०, गांधीनगर, हैदराबाद (अन्तरक)
- (2) 1. डा० पी० जी० कृष्णा मुर्ती,
 2. श्रीमती पेराली इंदीरा
 पित डा० पी० जी० कृष्णा मुर्ती,
 घर नं० 5-5-106, खलीलवाडी,
 निझामाबाद, ए० पी०

(अन्तरिती)

करों यह सूचना जारी करके पृथिक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्ञपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिमों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इत सूचना को राष्प्रित्र में प्रकाशन की तारीक ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सन्पत्ति में दित-बद्ध किसी अन्य कान्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्यष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियस के अध्याय 20-क में परिजाषित हैं, कही अर्थ होना, को उस अध्यास में दिया क्या है।

अनुसूची

क्लैट नं० 10, सी-ब्लाक तीरुमला टावर्सस, प्रथम तल, एम० नं० 1-4-1011, गोलकोंडा रोड, हैदराबाद रिजस्ट्रीकृत बिलेख नं० 115/85 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी खैरताबाद।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

सारीख: 6-9-1985

प्ररूप आई.टी.एन. एस.-----

ब्गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनाक 6 सितम्बर 1985

निर्देश स० आर० ए० सी० न० 330/85-86--अत: मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त आधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समात्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 1,00,000/- रुठ से अधिक है

स्रीप जिसकी स० कृषि भूमि है, जो ईदरगुडा ऊटपल्ली विलेज में स्थित हैं (स्रीप इससे उताबद्ध अनुसूची से स्रीप पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रगारेड्डी जिला में भारतीय रजिल्हाकरण जीविनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीरा 1/85

- को पूर्वाक्त सम्पत्ति के अंचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं हैं और मूफे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथा पूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्यह प्रतिशत स अध्यक्त और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अत्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वश्य से उक्त बन्तरण लिखित में शास्त्रविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं।—
 - (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
 - (का) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों कारे, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अवं, अवतं अधिनियमं की धारा 269-गं को, अनुसरण मो, मी उक्त अधिनियमं की धारा 269-मं की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् --- (1) श्री अदम पिता श्री अब्दुल रहीम, 2 श्री इक्राहीम पिता श्री बापू, घर न० 11-1-305, अगापूरा हैदराबाद

(अ**न्ह**ःक)

(2) श्री माहम्मद नऊमन सुलेमान पिता सुकमान गीलेटवाला भौर अन्य, घर न० 20-3; 278, हूशनि जालम हैवराबाद (अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पृथेकित सपत्ति के अर्जन वं लिए कार्ययाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में बोर्ड भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्ष्य व्यक्तियों में म किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपित्त में हित्र उद्ध किसी अन्य व्यक्तिन द्वारा अधोहस्ताक्षर। के पाम लिस्कि में किए जा सके ग।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20 का में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होता जो उम्म अध्याय में दिया गया है।

मन्स्यः

कृषि भूमि ग्रेप गार्डन 7.17 एकड, इदरगुडा हामलेट, ऊतपल्ली, विलेज, रगा रे**ड्डी** जिला, रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 511/85 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी रगा रे**ड्डी** जिला।

> णम० जगन माहन नक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

नारीख: 6-9-1985

मोहर 🖫

प्ररूप बार्ड : ही. एन. एस. - - - --

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के नधीन सूचना

भारत सर्वाद्ध

कार्यालय, सहायक आयकर नाय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदरावाद, दिनाक 6 सितम्बर 1985

निर्देश सं० आर० ए०सी०नं० 331/85-86--अतः मुझे, एम० जगन मोहन,

कायकर किंपिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है कि धारा कहागया है कि भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रत. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट है, जो बंजारा सदन हीमायत नगर में स्थित है (ग्रौर इसरे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रौर रियस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, खैरताबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी 1985

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते, यह विश्वास करमं का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रहं प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के लोच एमें अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्ददेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कृप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अतरण स हुइ' कि सी बाय की बाबत्, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने को अंतरक को दायित्व में कभी करने था उससे बचने में सविधा कां पए और/या
- (ख) एसी किसी अाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रधाजनार्थ अर्तारती दुवारा प्रकट नही किया गय. था या किया बाना वाहिए था, क्रिपाने में सुविधा क लिए;

बत[.] अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में लक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के बधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, वर्षात् ह्-

(1) श्रीमती जनाब खाट्न, पति श्री इथ्तेकार महदी खान, जीपीए, श्री अली खाजा, बजारा केस्टल, रोड़ नं० 12, बंजारा हील्स, हैदराबाद

(अन्तरक)

(2) श्री के० वेकट विफवेस्वर शास्त्री, पिता लेट श्री पदमानाभराव, बी-42/एफ०/1, विजयनगर कालोनी, हैदराबाद

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यबाहिया करता हू ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद मं समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा:
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति दनारा अधारम्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

फ्लैट नं० 301, बंजारा सदैन, तीसरा मजला, घर नं० 3-6-782 हीमायतनगर हैदराबाद रजिस्ट्रीकृत विलेख नं 136/85, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी खैरताबाद

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक् आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 6-9-1985

प्रस्य आहे. टी. एन. एस., -----

श्रायक्तर अधिनियः , १६७1 (185, का 43) कौं धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत नरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जररेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाक 6 मितम्बर 1985

निर्देश सं० आर० ए० सी० न० 332/85-86——यतं , मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1901 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख वे स्थीन स्थान ने भिष्य को यह तिश्वास करने का आरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जि की संवपति हैं, जो गंगारा सदन हिपायत नगर में स्थित हैं (श्रोर इसे अब अविवास नगर में विष्त हैं) रिस्ट्रोजिटो अब अविवास के रिजस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1985

को प्वांकित सम्पन्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि दशार ते सम्प से का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान पतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्चन से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (जा परिवास के ते दश्यमान प्रतिफल के विष्य पाया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्यास से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथन नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर द'ने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1937 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती दुः र प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा छै। लए,

खत. बब, उक्त अधिनियम की धार 269-ग के बन्सरण में,, में, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,, निम्निकिखित व्यिवतयो, अर्थात् .--

- 1. श्रीमती जनाब खातुन पति श्री इफ्ते ाप हेएदी खान, जी०पी०ए०, अली ख्वाजा, र्वजारा केस्टल, रोड़ न० 12, र्वजाराहिण्य, हेर्साबाद (ार्ट्स)
- 2. ईडीयन बैंक इम्लाफज यूनियन (ए०पी०), केंअर आफ इडीयन बैंक, बाई प्रेसीडेट ीर ०वी० एल • नरसिम्हा शर्मा वरकतपुर, हैदरा त

की वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति कर राजी लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी हराजंप

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन के जारोस से 45 दिन की वनिध या तत्सम्बन्धी के विद्या पर सूचना की तामील से 30 दिन को बाब में की भी वनिध बाद में समाप्त होती जो ने 10 पूर्वीक्त म्यक्तियों में से किसी क्यवित बुदारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशका करिस से 45 दिन के भीतर उक्त स्था १४२ के उत्तबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अध्यक्ष के के पास सिसित में किए जा सकींगे

स्वक्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पूर्व के उस उक्त विश्वनियम के अध्याय ्रां ्राधित है वहीं अर्थ हागा, जा नगा के दिखा गवा है।

अन्सूची

फ्लैट नं ० ८, ग्राऊंड फ्लोर, र्जजायामवम, यर नं ० ३-6-782, हिमायतनगर , हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत जिलेख नं ० 137/85, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी खैरताबाद ।

एस० हाइ**मोहन** गर्ग हा गरी सहायक आपका हार्जु को तण) जजा विक्त होरगबाद

तारी**व** : 6-9-1985

प्ररूप आर्धः . टी . एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 सितम्बर 1985

निर्देश सं० आर० ए० सी० न० 333/85-86—यत:,मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य

1,00,000/- रा. से अधिक है^{*}

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट है, तथा जो स्कायलार्क अपार्ट मेंट्रस, बगीर बग में स्थित हैं (थीर इसने उनाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है) एतिस्ट्री क्लि अधिकारी के कार्यालय, खैरताबाद में रिजिस्ट्री क्लिण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1985

को पूर्वेकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमार प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल स एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, जिन्तिकित उप्याप स उथ्य अन्तरण निश्चित में बास्तविक रूप से कथित मही किया गया है :—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का .11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए।

अप 7.9 मैं मैंसर्स श्रीग्रेसिक्ह बिल्डर्स, बाइ मैंनेजिंग पार्टनर श्री हादिए पुगतान, घर नं० 3-6-309, के० बी० लाल स्ट्रीट, वर्गारावाग, हैदराबाद

(अन्तरक)

 श्रीमती चन्द्र के० वया पति श्रीराम के० वेपा, फ्लैट नं० 33, नबल्ला क, 3-6-309, स्कायलार्क अपार्टमेंटस, वशीराबाद, हैदराबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सविधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास किनित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमं प्रयुक्त सब्बों और पर्वो का जो उक्त अधितमधमं, के बच्याब 20-क में यथा परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अन्सुखी

फ्लैंट नं० 33, बी-व्ला ः घर नं० 3-6-309, स्कायलाकं अपार्टमेंटस, बगीराबाग, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विजेख नं० 78/85, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी खैरताबाद ।

> एस० जगनमोहन सक्षम प्राधिकारी जायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज, हैदराबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

तारीख: 6-9-1985

मोहर 🏅

प्ररूप आई. ही. एन. एस. ----

बायकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) र व्यक्ति स्वरा

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक बायकर आवृक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंन, हैंदरावाद

हैदराबाद, दिनांक 6 ितम्बर 1985

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 334/85-86---यतः मुझे एम० जगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'इक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका राष्ट्रित शजार मूल्य 1.00,000/- रहा सं अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट है, तथा जो समक्रष्ण शारदा अपार्टमेंटस में स्थित है (श्रौर इसमे उपावक अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप मे विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हो कार्यात्य. चित्रकडपल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिए को एट हैं अप राजे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापुर्वोक्त नम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का एमें रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और जंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए उस यथा एस प्रति-फल निम्मिसित उद्देश्य से जंवत अंतरण निश्वित में वास्तविक स्प से कथित नहीं किया क्या है र

- (क) अन्तरण में हुई किसी आम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के ब्रायित्य में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन था अन्य आस्तिया करें. जिन्हों भारतीय शय-कर स्पितिया , 1922 (1922 का 11) या एकत अधितियम आ धनकर अधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया का शा किया करा चारित कर उद्योजने में गविधा के सिए:

 मैशर्स युनाइटेड उन्स्ट्रक्शन्त को० घर न० 3-6-286, हिमायतनगर, उर्द गली हैदराबाद

(अन्तरक)

2. श्री बी० एन० मूर्ती क्वार्टर नं० आई सी 346, बोकारो स्टील सिटी, धनबाद जिला (बिहार) (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृशेवित सञ्यक्ति के त्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी आक्षेप :--

- (क) इस सचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना को नामोल से 30 दिन को अविधि, जो भी अविध बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों से से किसी व्यक्ति दवारा:
- (क) इस स्वता के राजपट में एकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतन उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबद्ध किसी अन्य स्थावत व्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास विशेषत में किए जा स्कीये .

म्हण्डिक्षः—इसमे हात्त्वत् शब्दां और पदों का, जो उक्त अधितित्रयं के अध्याय 20-तः में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया सवा कै

अनुसूची

फ्लैट नं 1, ग्राऊंड फ्लोअर, रामकृष्ण शारदा अपार्टमेंटस, एम० न 3-6-223, उंदू गली, हैदरगूडा, हैदरावाद,रजिस्ट्री-कृत विलेख नं 24/85, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चीम्कडफ्ली।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, **है**दराबाद

असः बंब, उन्नतं विधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण हो, मी, उन्नतं अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन्, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात् ः—

तारीख 6-9-1985 मोहर : प्रकृष बाइ. टी. एन. एस.---

बापकर यधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पाउ ?60-च (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यास्य सहारक जायकर वाय्क्त (निरक्किण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 सितम्बर 1985

निर्देश सं० आर०ए०सी० नं० 335/85-86—यतः मुझे । एम० जगह मोहन,

बाबकर ली पिराम, 1961 (1961 का 43) (बिने इनमें इसके प्रकार पिनास अधिनियम कहा गया है), की बारा 269-का प्राप्ति सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

ग्रौर जिनकी सं० फ्लैंट है, तथा जो नन्दनम अपार्टमेंटस, नामपल्ली में स्थित है ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद कें रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1985

को गर्ने का निर्माल के लिख के तिबत बाजार मृत्य से कम के द्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है जौर मृत्रे यह विश्वास करने का कारण हो कि यथापुर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भव्य, जाकी राज्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का धन्द्रह प्रतिकार में अधिक ही और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तिकिक के विका एमें अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, रिस्निलिखित उद्देश्य से अक्त अंतरण विकित में बास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी बाव की बावत, उसत विश्वित्यक को बंधीन कर दोने के बन्तरक के बायित्व में कमी करने वा उसते बचने में बुविधा के सिए; और/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922, (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ सम्परिती द्वारा प्रकट नहीं किया गवा था या किया जाना जाहिए था जियाने में सर्विधा के लिए;

- मैसर्स तन्दाम हन्स्ट्रक्णन को० बाइ मैनेजिंग पार्टनर श्री पी० शिवकुमाण रेड्डी, एम० नं० 5-8-42, फतेह सुलतान लेन, नामपल्ली, टैटराबाट
- 2. श्रीमती सौदर्थ म्मा पित श्री के० चन्द्रशेखर रेड्डी, पलैट नं० बी-306, नन्दनम अपार्टमेंट्स, एम० नं० 5-8-42, नामपल्ली, हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके प्वाँक्त सम्मिति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

इक्ट क्रम्पति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की जबिध या तत्मं बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीज से 30 दिन की जबिध थे भी अवधि साद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोंक्त व्यक्तियों में से लिसी व्यक्ति हवारा;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकायन की दारीब से 45 दिन के भीतर उन्नत स्थायर सम्पत्ति में हितन्युक किसी बन्द व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकान।

स्वक्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिन्यम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कहीं वर्ध होगा को सम्बध्याय में दिया कवा है।

अनुसूची

पलैटनं बी-306,एम० नं 5-8-42, नंदनम अपार्टमें टस, नामपल्ली, हैदराबाद, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं 627/84, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

सतः कृष्ट उसन अधिनियम की धारा 269-क के अनुसरक में में, उन्नन अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (१) के व्यक्ति विकासित व्यक्तियों, अधारी है—

सारीख: 6-9-1985

प्ररूप बार्चु टी. एन. एस.-----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्मन रेज, हैदराबाद

हैरराबाद,दिनाइ 6 सिरास्बर 1985

निर्देश सं० मार० ए० सो० न० 336/85-86—यतः, मुझे, एम० जनन मोहन,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाखार अस्व 1,00,000/- रा. में अधिक है

भीर जिन्हा सं० पर्नेष्ट है, तथा जो पूत्तम भनाईनेटस, चिराण भला छेत, में स्थित हैं (भ्रोर इतत उपाबद्ध भनुसूचा में भीर पूर्ण कर से विणित हैं) रिलस्ट्र सिंग्यिष्ट र के कार्यालय, हैरराबाद में रिजस्ट्रा म्हण भिर्मित्यम, 1908 (1908 का 16) के भ्रापान, तारीख क्षावरी, 1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, असके दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह्र प्रतिशत स अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एंसे अन्तरिण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जनतरण ६ हुई (ज़िसी आय की बाबत, उन्कर वीधानयम के स्थीत कर क्षेत्र के अन्तरक क वायित्व में कमी करने या उत्तर्श वर्षने में सुविधा में सिए; मांद्र/या
- (क) एस किसी नाज का किसी धन या अन्य आस्तियों 1, जन्ह भारतीय आयकर आधिनियम, 1922 (1922 क 1) या उकत आवित्यम या धन नेति अधिनयम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजना अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया गया था या किया जाना चाहिए था, अध्यान में सविशा के लिए,

बत: सब, उक्त जिथिनियम की भारा 269-म को, सनुसरण भो, मो. उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) को क्रधीन निम्नलिमित व्यक्तिसर्थों स्रथति ,⊶⊶ 17---296GI|85

- श्रामता सुमान लता संवा पति लेट एव० एव० संबो, घर न० 5-9-58, बतार बाग, हैदराबाद (श्रन्तरक)
- 2. श्रा मुरला परमानन्द पिता लाल जन्द परमानन्द, बाई॰ जा॰ पा॰ ए॰, हिसान चन्द संघा, चिराग भ्रली लेन, हैदराबाद

(अन्तरितः)

को यह सूचरा जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी बन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के णाम सिक्षित में कियो जा सकारी।

स्पष्टीकरण ६—६समें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक् अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिश गया है।

बन्स्ची

पनैट नै० बो-2/एफ-6, तीप्तरा मजला, घर नै० 5-8-512/517/दो, पूर्म अन्तर्टेनेंट्र, जिस्सा अतः लेत, हैदसाबाद रितिप्ट्राकृत विलेख न० 218/85 रिजिस्ट्रा हती अधिकारी हैदर,बाद ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधि !ारो सहायक आयकर प्रायुक्त (निरोक्षण) धर्जन रेंज, हैंदराबाद

हारोब : 6-9-1985

प्रस्क बाब , टी . एन् . एस . ------

बायफर श्रीधिनिवस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चमा

BIGH BETTE

कार्थाजयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 6 सितम्बर 1985

र्देश संव सार्व एवसी व नंव 337/85-86----यस

तिर्देश सं० म्रार्० ए० सी० नं० 337/85-86----यहः, मुझे, एम० जगन मोहन,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकों परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के वधीन तक्षम प्राधिकारी को यह जिस्कास करने का सारण कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृष्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जसकी सं ० फ्लैट है, तथा जो मातृकी श्रपार्ट में दूर हैद राबाद में स्थित है (भौर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्री पूर्ण रूप में विणात है) रिजस्द्री कर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, चं मकड पर्लि में रिजिन्द्री करण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रातीम, तारीख जनवरी, 1985

को पूर्विका सम्बक्ति के उचिन बन्नार मूल्य से काम के सरवमान प्रतिकल के सिए बन्तरित की गई है और मूम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्विकत सम्बक्ति का अधिक बाधार मूम्य, उसके दश्यकाम प्रतिकल से ऐसे दश्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रक्रियत से अधिक है और मंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितिकों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नीजिखिक उद्देश्य से उस्त अन्तरण निजित में बास्त-विक्ष क्य से सामिश्व नहीं किया गया है :——

- (क ज़िस्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त जोध निक्य के बधीन कर बोने के बन्तरक के दरीयत्थ में क्सी कारने या उत्तसमें बचने में मविधा थे लिए. बाँड/बा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जबल अधिनियम, धा धनकार अधिनियम, धा धनकार अधिनियम, 1957 (257 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिसी द्वारा प्रकट नहीं विद्या प्रमा था या किया धाना बाहिए था, किया स्विधा के लिए;

अस: सब, उक्त जीधनियम की भारा 269-व को अन्सरक को, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपःःः (।) को अधीम, ज्ञिमलिकित व्यक्तिकों, कर्ण्याः :— 1 मैंतर्स मातृश्रो इंजोनियर्स एण्ड बिल्डर्स, प्रा० लि०, बाई नैनेजिंग डायरेक्टर ग्रांर चेयरमैंन, श्री एम० वो० सुब्धाराव, घर नं० 3-5-873, हैदरगूडा, हैदराबाध

(भ्रन्तरक)

2 श्रीमती सुसीला देवी पति वैंडटरामन रसय्या, डी नं० 202 मातृश्री ग्रपार्टमेंट्स, घर नं० 3-5-873, हैंदरगुडा, हैदराबाद (ग्रन्तिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सूक्ष करता हुं।

हबत संपरित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की संवीध या तत्संबंधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति प्रशास:
- (च) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थात्रर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पासं लिखिल में किए चा सकरें।

स्पर्ध्योकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० डी-202, दूसरा मजला, मातृश्ची अपार्टभेंटर, हैवरगूडा, हैदराबाद, र्राजस्ट्रीट्स विलेख नं. 26/85, र्राजस्ट्रीट्स कर्ती अधिकारी, चीक्कडपरुखी ।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधितारी सहायक घाया प्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 6-9-1985

मोहर 🖫

प्ररूप आहाँ.टी.एन.एस.-----

आथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

यर्जन रेज, हैदराबाद.

हैदराबाद, दिनां ह 6 सितम्बर 1985

निर्देश तं अत्रार्वण साव नं 338/85-86--पतः मुझे एम जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा से अधिक है

भीर जितका तं० पर्लंट है, तथा जो ग्राउंड पर्लोगर नल्लाकूंट में स्थित है (भीर इक्षतं उपाबद्ध श्रनुसूत्रा में भीर पूर्ण रू ने कींगा है) एकिस्ट्रा एकी अधिकारों के कार्यालय, खरताबादा में रिजिस्ट्रा हरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भवीन, तारीख मा रो, 1985

को पूर्णेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से का के दरममान प्रतिफल के लिए अन्तिरत की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरित (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण सं सुर्घ किसी बाय की बाबत, उक्का अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने वा उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को. जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गयम था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अमुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्मसिखित स्थानितवाँ, वर्षाक्ष :--- श्रा प्रज्ञास सदरे, प्रजास अपार्टमेंटस, घर नं० 2--1-494, नल्लाकूंटा, हैदराबाद

(भ्रन्सरक)

 श्री जी० वी० ए० एस० प्रकास राव, श्रीझा बैंज, पोट्टलावारी पालेम, जिला—नाटुर

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी उन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्माचीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

फ्लैंट नं० 4, विस्तीर्ण 500 चौ० फुट, घर नं० 2-1-513/3, नल्लाकूंटा, ग्राउंड फ्लोग्नर हैदराबाद, रिजस्ट्रीटत विलेख नं० 82/85, रिजस्ट्रीटर्स ग्रिधकारी खैरताबाद ।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, **हैव**राबाद

तारीख : 6-9-1985

प्ररूप आई.टी.एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रींज, हैदराबाच

हैदराबाद, दिनोरु 6 सितम्बर 1985

निदेश सं० श्राट० ए० सं/० नं० 339/85-86---यतः, मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिता सं भूमि है तथा जो रावलकोठे मेडनलतालि क, में स्थित है (प्रो. इ.४ इ जिस्स अनुसूचा में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्र कर्ता भ्रधिकारी के कार्याक्य, मेंडच्स में रजिस्ट्रा करण अजिनियम, 1908 (1908 का 16) के के भ्रथान, काराख जनगरा, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्दर्शित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित गाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही कार कंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के भीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित हव्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथित मही किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (थ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करो, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

कतः कत, उक्षः विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन निम्निज्ञित व्यक्तियों, सर्थात् :---

- 1. (1) श्रा उपल नरसम्या,
 - (2) था उपाल कुमार स्वामी, रावलकोत्ते विलेज, मेडचल तालुक रंगा रेडा जिला

(घन्डरक)

2. मेसर्स मोगल एस्टेट, बाई मैनेजिंग पार्टनर श्री प्ररीक मिर्जा, प्लैट नं० 501, स्टूर्शलग प्रपार्टमेंटस, सिकन्दराबाद

(मन्तरितः)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप ह----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सृष्या के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकोंगे।

स्थव्योकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

वनुसूची

खुत्री जनीन, विस्तीणं 52.53 एकर, रावलकोले विलेज मडोन्नान्ह , रंगा रेड्डा जिला, राजस्ट्रीकृत विलेख नंब 822/35 रोजिस्ट्राक्ती श्रीधकारो मेडवेल ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निराक्षण) भजेन रेंज, हैदराबाष

तारोख : 6-9-1985

प्रकृप बाइं.दी.एन.एस. ------

मायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

धर्जन रेंज, है ताबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 सितम्बर, 1985

निदेश स० म्रार० ए० सीं० नं० 340/85-86---म्रतः मुझे एम० जगन मोहन

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), भर्ती भाषा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारों की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

मौर जिलकों संव रायी अंता परिताहि, जो धनुसुय्या वस्प्लैयत हिमायत समार, में स्थित है (और इ.स. उपायद अनुसूचीमें मी जो पूर्ण समाने परिताहि) पनिस्ट्री ती अविधारी के सामस्यि हैरस्याद में पनिस्ट्री स्था अविभियम, 1908 (1908 सा 16) के अविस पिताह 2/85

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिक स के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसक दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण संसुइ किसी आयं की बाबत, उक्त आभिनियम के अभीन कर दोने के बन्तरक के बायित्व में कमी फरने या उत्तरे बचने ये सुविधा के सिए; आर्टि/या
- (व) एसी किसी जाय या किसी भन जन्य बास्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः मध, उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त आधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) से अधीन, निस्नासिक्स व्यक्तियों, अधीत :---

- मैससं, एस० जे० वि० बिल्डर्ग, बाई पार्टनसं,
 १३० जवत्र तास और भारत जिल्लाम० नं० 3-6-10,
 श्रतुसुक्या कमगीयवा कार्यनेयत, हीमायतनगर ,
 हैवराधाद । (श्रन्तरक)
- मैसर्स शाम इंटरप्राइजेस, बाई पार्टनर्स , श्रीमती मःलीया, श्रव्यास श्रीप
 सैयद, वेतम घर नं० 1-2-53, दोमलगुडा,

ार, बनम घर न० 1-2-53, दामलगुडा, हिरसबाद।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यजाहियां करता हा।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाओप :--

- (क) इस स्मना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत स्वित्यों में से किसी स्वित्त द्वार;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्नर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभागिष्ट हैं, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिवा नया हैं।

जनसूची

प्रेमींसेस न० 101, और 103, धनुसूय्या समर्थायस काम्प्लैक्ट, प्रथम तल, घर नं० 3-6-1ड, हीमायत नगर, हरावाद, रिक्ट्री जिल्ही नं० 1199/85, रिक्ट्री ति धिकारी, हिल्लाबाद ।

> एम० जगन मोह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर भागुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनोक 6-9-1985 मोहर प्रकल बाह्र . दी , एक , एक , ० ० - ०००

आयकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के जधीन सुचना

मारत सरकार

कार्याजन, महामक कामकर नामृक्त (रिनरीक्षण)

मर्जन रेज, हिदराबाद

हैदराबा, विनांश 6 क्षितम्बर, 1985

कार जिसकी सं० फ्लैट है, तथा जो नतम अपार्टमेन्ट्स, बात गागपल्ली, में रियत हैं (और इससे उपायद अनुसूची में आरजो पूर्ण रूप से पणित है) रिजर्द्री ती अधिरारी के वार्यालय, हैरराबाद, में रिजर्द्री गरण अधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के अधीन दिनों से 2/85

का प्वांक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान शितफल के लिए बन्तरित की गई है और मुफे यह विद्यास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सपत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से एसे इस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से व्हिभिक ही और बन्तरक (बन्तरकों) और बन्तरिती (बन्तरितियां) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निक्नीलिंबत उद्देश्य से उक्त बन्तरण निविद्य के वास्तिक रूप से किथा नक्षी किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बायत, उजत विधिनियम के वधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बाड़/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या कम्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, कियाने में सुविधा क्षेतिए।

बतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-मा के अनुसरम , मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) अधीन, निम्निविश्वत व्यक्तियों, अधीय:— मैंसर्स, नंदनम, अन्स्ट्रम्शन को० बाई, मैंनेजिंग पार्टनर श्री पी० शिचकुमार रेड्डी, एम० नं० 5-8-42, फतेह सुलतान लेन, नामपल्ली, हैदराबाद ।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती के० वसंता पित लेट, के० राजरेड्डी, केश्वर ग्राफ फ्लैंट नं० बी-102, नन्दनम, श्रूपार्टमेन्ट्स, घर नं० 5-8-42, नामपल्ली, हैंदराबाद ।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के जर्बन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

हक्त सम्पत्ति के अर्थन के तंत्रंथ में कोई भी आक्षत ::---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणं : इसमें प्रयुक्त शब्दों भींद्र पदों का, जो उरता काश्रीमयम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं कर्ष होगा जो उस कथाय में दिया गया है।

वन्स्नी

पत्रैष्ट नं सी-605/65, छडवा मजिला, ब्लाक नं सीं, नंदनम, टावर्स, घर नं 5-8-42, फतेष्ठ सुलतान लेन, नामपस्ली हैदराबाद रजिस्ट्रीं त चिलेख नं 1253/85, रजिस्ट्री हतीं धिकारी, हैदराबाद।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज, हैदराधाद

दिनांक : 6-9-1985

मोहर 🛭

प्ररूप आई.टी.एन.एत. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कार्री धार्य 269-व (1) को अधीन सुवना

बाह्य सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 सितम्बर, 1985

निदेग सं० आर० ए० सी० नं० 342/85-86—अतः मुझे, एम० जगन मोहन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ह"), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ह[™] कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1.00,000/- रु. से अधिक ह[™]

भीर जिपतीं सं० पर्नेट है तया जो नंदनम्, अवाटभेन्ट्स, नाजपर्वतीं, में स्थित हैं (और इससे उपाबद अनुसूचीं में और पूर्ण, रूप से वर्णित हैं) एजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के वार्यात्य, हैं:राबाद में एजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांत फरवरी 1985

का पूर्विकत सम्पत्ति के जियत बाजार मृस्य से कम के द्रायमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का जीवत बाजार मृस्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल का पन्द्रह भिक्कल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरम से हुई कियों नाब की वायत, उपय विधिनियम के अभीत कर दोने के बन्तरक वी दायित्व में कभी करने ना उससे नचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, खिजाने में सुविधा के लिए;

जत: जब, उक्त जिथिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण जै, मी, उक्त जिथिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जर्थात्:--- मैंसर्स, नंदनम्, यन्स्ट्रक्शन, की० बाई
मैंनेजिंग पार्टनर श्री पी० शिवकुमाए रेही
एम० नं० 5-8-42, फतेह सुलतान लेन, नामपल्ली,
हैदरायाव ।

(ग्रन्तरङ)

2. (1) श्री भूपेन्द्र सिंह चबाडा और

(2) श्रीमती सुरजीत कौर चाबडा पति भूपेन्द्रिहिंह पत्नैट नं क्सी-701/67, एम० नं ० 5-8-42, नंदनम् अपार्टमेन्ट्स, नामपस्ली, हैदराबाद। (श्रन्तरिती)

को यह मुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित विद्या किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

फ्लैट नं ं सी-701/67, सातवां मंजिला एम० नं कि-8-42, नंदनम अवार्टेमेल्ड्य, नामयल्ली, हैदराबाद, एजिस्ट्री त विलेख नं व 1254/85, एजिस्ट्रीकृती, अधिकारी, हिदराबाद।

एम० जगत मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायकत (निरीक्षण) श्रजैन रोंज, हैदराबाद

विनोंक : 6-9-1985

मोहर 🛮

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर उपयक्त (निर्धेकन)

श्रजैन रेंज, हिस्राबाद

हिसराबाद, दिनांक 6 सितम्बर, 1985

निर्देश सं० झार० ए० सी० न० 343/85 86— ऋतः मुझे एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो, की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुट से अधिक है

और नियकी सं० पतैष्ठ है, जो प्रशास प्रयादिनेन्द्रन, तस्ताकूटा में स्थित हैं (और इससे उपाबक प्रतृत्वीं में और पूर्ण रूप से विश्वास हैं) एतिएट्री तो प्रधिनारी के वार्यालय, चीकाडपस्ली, में पिरही रूपण प्रधिनियम, 1908 (1908 या 16) के प्रधीन दिनों के फरवरी, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य से काम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण जिल्ला में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भन या बन्य कास्तियों कारे, जिन्हों भारतीय बाय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था खिपाने में चे सिए;

अतः भवः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण वै, मैं, उक्त अधिनियं की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीनः, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :—- श्री प्रकाण सदरे, प्रवास श्रवार्टनेस्ट्स, घर नं० 2-1-494, नल्लाकूंटा, हिदनबाद ।

(ऋग्तरक)

2. श्रीमंती व्ही० नामारतम, पति व्ही० एल० नारायणा, एम-६, मेट क्वार्टर्स, एक्स्पोर्ट, हैदराबाद। (श्रस्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन संबंध में कोई भी बाओप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारों से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविकाशों में से किसी व्यक्ति ह्याराः
- (ज) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबद्ध भी किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाड़ सिबित में किए वा सकरें।

स्पष्टीकरणः — इसमं प्रयुक्त शब्दौं और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा. जो जस अध्याय में दिया गया हैं।

घनुसूची

पलैट नं० 9, दूसरा मंत्रिला, घर नं० 2-1-513/3 प्रकाश अपार्टमेन्ट्स, नल्लाबूंटा, ईदराबाद, रिल्प्ट्रीशृत दिलेख नं० 178/85 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चीव श्रुपल्ली।

एम० जगत मोहन सक्षम प्राधि:ारी सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) द्यर्जन रेंज, हेदराबाद

दिनोगः: 6-9-1985

प्ररूप बाह् दी.एन.एस. -----

बावकर विभिनियम, 1961 (1961 को 43) की ... शारा 269-व (1) के बंधीन सुत्रना

सारत चरकार कार्यांसय, सहायक बायकर जायुक्त (निरीकण)

'अर्जन रेंज, हैरराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 किस्बर, 1985

निदेश सं० आर० ये० सी० नं० 344/85-85—अतः मुझे एम० जगन मोहन

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्स निधिनयम' कहा गया ही, की धारा 269-च के नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण ही कि स्थावर संस्परित, जिसका उचित माजार म्स्य 1,09,000/- रु. से अधिक ही

स्रोर जिसकी सं० प्लोटहै, जो तरदार पटेल, रोड, सिकन्दराबाद में स्थित है (स्रोर इससे उपाबड़ अनुसूची में स्रोर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिस्ट्रीकर्ता अविकारी ह कार्यालय, मारेडपल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 1/85

को पृत्रोंक्स संपत्ति के उत्तित बाजार मृत्य सं कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपरित का उत्तित बाजार मृत्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और बन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बौध एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्विद्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से किंबत नई किया गया है 4—

- (क) बन्तरूप संबुद्ध किसी बाब की बाबत, सबस अभिनियम के अभीज कर दोने के कन्तरक के बासित्य में कमी करने वा उससे वणने में सुविधा के लिए; बीट/बा
- (क) ऐसी किसी नान वा किसी धन या नत्य नास्तिनों को, जिल्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उनत निधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के इक्केब्बार्थ वस्तिरती ब्वारा प्रकट वहीं किया नवा वा वा किया वावा वाहिए वा जिन्दाने में सुनिधा के निए;

शतः वन, उपत् विधिष्यन की पारा 269-य के वन्धरन में, मैं, उपत विधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :--- श्रो हारिण-न्द्रपिता शीबधुमल।
 श्रवाहर त्यार का योगी,
 पी० जी० राड, विकस्राबाद।

(अन्धरक)

 श्री के० राभू किला के० नण्सण्या, घर नं० 2-2-53, पात बाझा, सिकन्दराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यगिष्कां करता हूं

उक्त सम्पत्ति के कर्पन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इन स्थान के राज्यत्र में प्रकाशन की तारी व ते 45 दिस की अर्घाध या तत्म्यन्थी त्यक्तियों पर स्थान की तामी ज से 30 दिन की अविध, जो धी जविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी स्थापन द्वारा;
- (ख) इस सूचन के राजपत्र में अकाशित की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध निती सन्य योजस द्वारा सभोहस्ताक्षरी के पास निर्देश में किए या समेंगे!

स्वक्रीकरणः — इसमें त्यूक्त शर्मा और व्यॉ का, को उक्क अधिनियम, के प्रधाय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया मवा है।

ग्रनुयुची

ण्लोट तंस 66, त्रिस्तीर्ग 26.6०5 चा० गज, घर नं० 2-11-30, (156 में 159) सर्ग्वर रहेत रोड, कान्दोतसेंट तिकंदराबाद, रिजस्ट्रीहर त्रिलेख तं० 112/85 क्षिल्ट्री स्त्री अधिकारी,मारेडपल्ली।

> एम० जगन मोहत सक्षम अधिकारी सहायक आयरकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 10-9-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जनरेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 सितम्बर 1985

निदेण सं० आर० ये० सी० नं० 345/85 86—अत: मुझे एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन गक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जित्रकी सं० प्लाह तं० है, जो रारदार पटेल रोड, सि छन्दराखाद में स्थित है (श्रीर डापे उपाबद अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिस्ट्री उर्जा अधिकारी के कार्यालय, मारेडपल्ली में रिजस्ट्री उरण अनिश्रविम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनों रु 1/85

का व्यक्ति संपत्ति को उचित वाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिक्षण के लिए अंतरित को गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण दिश्विक में शारतीयन हम से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अंतरत के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (६) ऐसी किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अवः, जक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, दर्थात् :—

श्री हरिक्कथन्द्र, पिता श्री बधुमल,
 4, जबाहर नगर किलोनी,
 पी० जी० रोड, क्विजन्दराबाद।

(अन्तरक)

2. श्री के० वेंकटेश पिताके० नरसय्या, घर नं० 2-2-53, पान बाजार, मिकन्दराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्जवाहियां करता हुं।

जब्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध याद में समान्त होती हो, के भीनर भूवेंक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राज्यक्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उंक्स ' अधिनियम, को अध्याय 20-क में यथा परिभा-षित हैं, दही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

प्लाट नं 65 विस्तीर्ण 266,35 चो० गज, घर नं० 2-11-30, क्रांर 156 से 159 सरदार पटेल रोड, ह्वे कन्टोमेट, रिनिट्संक्रां निनेब १० 113/85, रिनिस्ट्रीजर्ता अधिकारी, मारेडपल्ली।

> एम० जगन मोहन सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराब

दिनांक: 10-9-1985

श्रूष बाह². दी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 जितम्बर, 1985

तिदेश मं० आर० ये० मी० नं० 346/85-86—अतः **मृहो** एम० जगत मोहन

जावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें हिसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को पह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर गम्मस्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लैड है जो धारताका, जालागूंडा में स्थित ई (श्रीर इसन उपायद्ध अनुपूर्वा में श्रीप जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्री प्रती अधि अधी व कार्याप्लय, मारेडपल्ली, में पिकस्ट्री-करण अधिवियम, 1908 (1908) जा 16) के अधीप दिनांक जालारी, 1985

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल क लिए अंतरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्यंक्ति संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके रश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के भेष एसे अन्तरण के लिए स्यूप्पाया गया प्रतिफल, निम्निश्वित उद्देश्य से उकत अन्तरण निकित में अस्तिक कम से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण सं हुउद किसी भाव की वायत अवत अधि-नियम के मधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिये;
- (ए) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1522 के 11) के ११९ प्रीधिनियम, या धन-धर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनाथं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा अं श्रीत्यः;

भत: ६६६, उसत निधिनियम, की भारा 269-म से सनुबर्भ मा, माँ, उसत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीत, निम्तिसिक्त व्यक्तियों, मर्भोत् 🖫

1. श्री चन्द्रकांत, 12-13-284, रोड, नं० 9, तारनाका, विकंदराबाद।

(अन्तरक)

2. के० प्रदीप 12-13-245, रोड, नं० 5, तारनाका, सिकन्दरावाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करकं पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन कं लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कांई भी आक्षंप ---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की अविधि या उत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, की भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इगरा:
- (क) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन को तारीच सं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास मिस्ति मों किए जा ५ को गे।

स्पच्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दा और पदों का, जो उक्त बाधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसुची

प्लॉट ग्रोर भूमि सर्वे नं 182/10 ग्रीर 183/14, विस्तीर्ग, 864 चो गर, नारना हाइ लान गृष्टा, क्षित्रराज्याद रिजस्ट्रीकृत विलेख नं 152/85 रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी, मारेबदली।

एम० ज्यान मोहत सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (िरीक्षञ्क) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 15-9-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन मृजना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जनरे र, हैदराबाद

हैदराबाद, दिशाक 10 सितम्बर 1985

निदेश स० अ। १० वे० सी० नं० 347/35-8 ----अन. मुझे एम० जगन मोहन

प्रायकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 स के अधीन स्क्षम प्राधिकारी को यह विश्वार करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसका स० पलेट न हैं,जो दोस व्याहः हैंदराबार में स्थित है (श्रीर इतन उपावद अनुसूची में श्री को पूर्ण रूप से दिणत है) रिजम्ट्री जो अधिकारी के वार्याप्य हैदरादाद में रितस्ट्रीकरण अधिक्यम, 1908 (1908 का 16) के क्यीन दिनाक 1/85

को पृश्वित सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दर्ममान प्रतिफल न्दे लिए अन्तारत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है जि यथापूर्वोश्त संपरित का उचित वाचार मूल्य, उरुके दर्यमान प्रतिफल स एसे क्यामान प्रतिफल का पंछ प्रतिकात से अधिक है और ऐसे अंतरक (अन्तरकों) और जंतरिती (अन्तरित्यों) के बीक एसे अन्तरण के जिए तय पाया चया प्रतिफल, निम्नलिखिल उद्देश से उका अन्तरण विश्वित में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क्र) अंतरण संहुई किसी आय की भावत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायिएवं में कमी करने या उससे बचने में सूविच्या के लिए, और/या
- (स) एरेरी किसी बाय गा किसी धन या बन्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग क्री अनुसरण कों, औं, अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिधित स्यक्तियों, क्योन, निम्नलिधित स्यक्तियों, क्योन,

 मैसर्स जगजीवन इन्टरब्राइजेम, बाई श्री गुरदीप मिह पिता दीलीप मिह घर न० 1-2-593/52, दोमलगुडा, हैदराबाद।

(अन्तरक)

श्रीमती वद कुमारी,
 फ्लैंट न० 6, घर नं० 1-2-593/52,
 दोमलगुडा, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति को वर्जन को संबंध मां काई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिबित में किए जा सकेंगे।

स्वतीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा को उक अध्याय में दिसा गया है।

यगच्ची

फ्लैटन० 6, प्रेमीनेप घर नं० 1-23593/52, दोमलगूडा, हैदराबाद, रजिस्ट्रोइन्तं विनेख नं० 413/85, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद।

> एम० जगत मोहन सहायक आयक्त आयुक्त (निरीजण) अर्जन रेज, हैदराबाद

दिनाक: 10-9-1985

मोहर ः

वस्य आहें.टी.एन.एस.-----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जनरेज, हैदराबाद

हैरराबाद, दिनांा 10 नितम्बर, 1985

निदेश सं० आर० ये०सी० नं० 348/85-86---श्रत मुझे एम० जगन मोहन

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विक्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका अचित बाजार मृत्य

1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संव फ्लैट हैं, जा गगनमहरू रोड, दोसलगुष्टा, में स्थित हैं (और इससे उपायह अनुसूची में और जो पूर्ण इस में विणित हैं) रिजिस्ट्री तो अधिकारों के ार्यालय, खैरताबाद में रिजिस्ट्री तरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसां : 1/85

को पृत्तीं अंत सम्पत्ति को उचित बाजार मूस्य से कम के क्यामान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह निश्वास करने था कारण है कि यथापूर्वावत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असको दश्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुइ किसी बाय की शावत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोन के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- ब) एंसी किसी आय या किसी धन या ज्न्य ब्रास्तियों का, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, वा धन-जर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रवोधनार्थ जन्तिरती व्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

शतः बव, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मो, उक्त विधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) क वधीन. जिल्लिकित स्थिति स्थित क्ष्मित्वार्थों, व्यक्षित् क्ष्मा मैसमें यस्क एणा विट्रा, बाई पार्टनर श्री क्हीं बीठ ामत,
 1-2-24, गगनमहल रोड, दोमलगुडा, हैरराबाद।

(भ्रत्नरङ्ग)

2. श्री जी० प्रशास्ताच पिता जी० वेजटेख्वर साव, 1-2-593/17, गगनमाह्न, धालोनी, हैदराबाद। (श्रनस्ति।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस त्यना के राजपन में प्रकासन की तारीय स 45 शिव की जन्मिय वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी वसीय बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्योक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील म 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

म्पष्टीकरणः—-इसमों पयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, मही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्की

फ्लैंट नं० 203, बिस्तीर्ण. 985 चौ० फुट. गगनमहरू रोड, दोमलगुडा, हैंद्रगबाद. ्जिस्ट्री त घिलेख नं० 102/85, रिक्ट्री इर्ती अधिकारी, खैरताबाद।

एम० जगन मोहन सक्षन प्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रोज, हैदराबाद

दिनांक: 10-9-1985

मोहरः

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.----

अप्रयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत मरकार

कायांलय, सहायक बायकर बायक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 सितम्बर, 1985

निदेश सं० ग्रार० ये० सी० नं० 349/85-86---ग्रत मुझ एम० जगन मोहन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जि.कीं सं० शैंड है, जो इन्डस्ट्रीयल इस्टेट, रातस्तनपर में स्थित है (और इ.स. जायद अनुसूधी में और जो पूर्ण रूप से विगत है) एकिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के दार्यालय, हैक्सायार में रिजस्ट्रीक्षण अधिक्यम, 1908 (1908 कि 16) के अधीन दिनां 1/85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उमके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्वरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बाच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में गराविक हथ में कांधन नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मो कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या

बत: क्व, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तितयों, अर्थात:—— मैसर्स इंजीियरिंग, लेबोरेटरीज, और वर्कत प्रा०लि० बाइ श्री ग्रार० त्त्वनारायणा, 3-4-874, बर-तपूरा, हैदराबाद।

(ग्रन्तरक)

2. मैस्स, भावे इंजीनियरिंग को०, बाइ श्री प्रनवर्द्धां, भाटिया, घर नं० 6-3-345/3 रोड, नं० 1, बजाग हींहर, हैदराबाद।

(ग्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवर्षाह्यां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील स 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में अ किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकने।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

इन्डस्ट्रीयल शैंड नं० मी-30, सनतनगर, इन्डस्ट्रीयल इस्टेट हैदराबाद, दिस्तीर्ग, 125335 चं:० गज, प्लथ एरिया 2993 चौ० फुट, एजिस्ट्रीक्टर विजेड नं० 604/85, रजिस्ट्री-इती अधिकारी, हैदराबाद।

> एम० जगन मोहन रःक्षम स्रधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रोज, हैदराबाद

दिनां : 10-6-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कामकार अवनुत (निरक्षिण)

श्र ी रेंड, शोताल

भोता र, दि 🖀 . 29 अवस्त 1985

िदेग मं० आई० ए० ती० /त ें /शेस र/ 5874—अतः मुझे, एस० सी० शर्मा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह त्रिश्वास करने का कारण हो कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हो

और जि की सं० क्वा० एउ० आई० री० नं० 303, है, तथा जो परम तमपुर, दुर्ग में स्थित है (बीर इतो जात्वह अपुसूची में और जो पूर्ण का से परित्र है) प्रतिप्र्रीकर्म अि. तरी के वायरिय दुर्ग मे प्रतिस्ट्रीतरम अवितियम, 1908 (1908 त 16) के अवीत दिनाक जनवरी, 1985

को पूर्वे उत सम्पत्ति के टिचित बाजार मूल्य से श्रम के द्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तिरत की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथा पूर्वे वेद सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दशमान प्रतिफल से, एमे दश्यमान प्रतिफल के पन्दर प्रतिस्त से अधिक हैं और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिस्त हमा म कथित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वाग्तिविध हमा म कथित कहीं किया गया हैं:—

- (क) अम्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधितिरमा, 1922 (1922 का 11) या उच्च अधितिरमा, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या विया जाना चाहिए था, शिराने में मृतिधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 260-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिसित व्यक्तियों, अधीत :-- श्री प्रहास समाराई कोटेपिता श्री श्राप्त ब्बल्यू कोटे कि क्यार्टर नं 20-ए, स्ट्रीट, नं 31, सिराई समार ।

(ऋन्तरक)

 श्री भगवती प्रशाद देवागत पिता श्रयोध्या प्रसाद,देवागत निधासी एक श्राई० जी० श्रांच श्राफित, भिताई॥

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

एक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी उन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पध्दीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में पित्ताणित है, वहीं अर्थ हालेगा जो उस उध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

क्वा॰ एल॰ ग्राई॰ जी॰ 303, पदमनापुर, दुर्ग में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्तिहै जितका सम्पूर्ण विवरण अन्तिति द्वारा सत्यापित फार्म न, 37 जी में निहित है।

> एस० सी० शर्मा स्थम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

दिनांच 29-8-1985 मोहर : प्ररूप बाइं. टी. एन. एस.-----

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बधीन सुचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, भोपाल

धीताल, दिनांक 29 श्रगस्त 1985

िदेश म ० आई० ए० सो०/स्रर्जन/भोगाल/ 5875—श्रसः मुझे एस० सीं० शर्मा

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' अहा गया हाँ), की भारा 269-त अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हाँ कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूच्य 1,00,000/-रा. से अधिक हाँ

और विक्ति संग्तिया बना हुआ मकान, प्लाट नंग 5 (खंग नंग 438/5) है. तथा को न्यू मान्ति नगर रायपुर में स्थित हैं (और इनसे उन्हें अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजिस्ट्रीं को अधिकारी हैं। पार्या क्य, रायपुर में रिजिस्ट्री रूप अधिक्या, 1908 (1908 ा 16) के अधीन दिनांक जनवरी,

को प्वांवत सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के करवमाय प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है बीर मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंकत सम्पत्ति का उचित बाजार गृल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल सं, 'ए'से क्ष्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए सम पामा गया प्रतिफल निम्नलिसित उद्वरेष से उक्त अन्तरण लिसित में में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- ग) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया किया जाना शाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जब, उन्तर अधिनियम कौ धारा 269-ग के जनुसरण में, में, उन्तर अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (१) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जर्मात बन्न श्रीमती हरी बुमारी, पत्नी श्री भार० एस० णर्मी, लेक्चरार, गर्ल्स गवर्नेसन्ट डिग्री वालेज, रायपुर ।

(स्रन्तरकः)

 श्री हेमन कुमार पिता जे० पीं० तिचारी, निवासी छोटा पारा, रायपुर ।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

सबस बन्दरिय के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाकोप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकायन की तारीस में 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र को प्रकाधन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास सिक्ति में किए जा सक्षेगे।

अनुसूची

नया बना हुआ मकान, प्लाट नं० 5 पर (ख० नं० 438/5) न्यू गान्ति नगर, रायपुर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा, सत्यापित फार्म नंबर 37 जीं म निहित्त है।

एस० सी० शर्मा सक्षम प्राधिकारीं सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रोज, भोपाल

दिनांक : 29-8-1985

प्ररूप कार्ड टी एन. एस. -----

शायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्चना

भारत गायता

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंच, भोषाल

भोपाल, दिनां :: 29 ग्रगस्त 1985

निर्देश मं० आई० ए० मी०/श्रर्जन/भोपाल/5876—- स्रतः मुझे एस० सी० भर्मा

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया है"), की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का नारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वालार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसको में ० म तान प्लाट नं ० 443 है, तथा जो ए-सेक्टर, शाहपुरा, ग्रोरेरा, जालोनी, भोशाल में स्थित है (श्रौर इसल उपा-बद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप में विधित है) एजिस्ट्रीकर्ता श्रीब हारों के लायालिय भोशाल में रिजिस्ट्रीकरण श्रीधीनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनां ज जनवरी, 1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूंभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आयं या भन या अन्य आस्तियों भा, जिल्हा भारतीय गायकर व्यावसीय 1022 (1922 ना 13) या उन्न अधिनिया, या प्राप्त अधिनिया, या प्राप्त अधिनिया, या प्राप्त अधिनिया, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथं अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया मवा था वा किया जाना थाहिए था, खियाने में स्रिक्श के निया;

चतः अब, उक्त अपिनियम की धारा 269-ण की अनुसरण में में. सक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित्:— च —296GI∣85 प्राप्तनः पुष्ता हेमनाना, पत्ना अपोक हेमनानाः
 तिवासः एल०आई० जाँ० 103, कोटराः,
मुल्तानावाद, भोपाल ।

(भ्रन्तरक)

2. शशिबाला चौकंस पत्ना जे०पी० चौकंस, 21 ई- रेलंब कालोनंत, द्वाराका (गुजरात) । (म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस स्वना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की खबिध, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति खबारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्पन्नीकरण:—इसमें प्रयुक्त सब्यों और पर्यों का, जो उक्त बीधीनयम, के बध्याय 20-क में परिभाषित है, बही वर्ध होगा, जो उस अध्याय में दिया वया है।

अनुसूची

महान, व्लाट न० 443-ए, सेक्टर शाहपुरा, प्ररेश कालोनी, भो । ल में स्थित है • यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण प्रत्तरिता, ब्रारा, सत्यापित फार्म नम्बर 37 जी में निहित है।

एस० सः/० शर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरं/क्षण) श्रुजन रज भोपाल

दिनांक 29-8-1985 मोहर : प्ररूप बार्ड . टी. एन . एस . ------

आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की . थारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रजन रेंज, भीपाल

भोपाल, दिनां 🗆 29 ग्रगस्त 1985

निर्देश सं० ग्राडि० ए०सो०/ग्रर्शन/भोपाल-/5877---श्रतः मुझे एस० सी० शर्मा,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम पाविकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी संव क्वाव एमव श्राईव जीव नंव 178 हैं, तथा जो ए-भेक्टर, शाहपुरा, श्ररेरा कालोनी भोपाल में स्थित हैं (श्रीर इसमें उपाबड़ श्रनुस्ती में श्रीर जो पूर्ण क्या में विणत है) रिजस्ट्रें क्रिती श्रिश हारा के 'शर्मालय, भोपाल में रिजस्ट्री क्रिए श्रिशित्त के 'शर्मालय, भोपाल में रिजस्ट्री क्रिए श्रिशित्त में 1908 (1908 का 16) के श्रशीन दिनांक जनवरी, 1985 को पूर्वोक्त सम्पन्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमार प्रतिफल के लिए अल्लिश्त की गई हैं और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का प्रमुद्द प्रतिक्रत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरित (अन्तरितयाँ) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय प्रामा गया प्रतिफल, निम्नलिनित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिवित में बास्तिकक रूप से किश्त नहीं किया गया है हिन्त

- [क) बन्तरम संशुद्ध किसी शाव भरी बासछ, उसते अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरफ के दावित्य में कमी करने या जससे बचले में सुविधा के जिए; बार/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 रि 1922 का 11) या उन्नर अधिनियम, या धन-कार अभिनियम, या धन-कार अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रिपाने में सुविधा के सिह;

सत: गव, उन्तर विभिन्तिम की भारा 269-म के बनुसरण में, में, उन्त आंधानियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्ननिस्तित व्यक्तियों, वर्धात क्र—

श्री संजित कृमात महना, पिता एन ० के ० महना, बापना हालोनी, 21. बेटिन्या रीड, भोपाल द्वारा, पु० आम और गैंजिन्द्र कुमार जिना और रमाणंकर विकास, भोपाल ।

(भ्रन्तरक)

 श्रा रमाणं हर विषाठाः, पिता म्ब० श्राः बुद्धमेन विषाठीः निवासीः भोषाल ।

(भ्रन्तरिती)

को मह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां अरतः अ

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जनिथ या तत्से बंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील में 30 दिन की जविध, खों भी अविध नोद में समाप्त होती हो. के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों भी में जिस्सी व्यक्ति द्वारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रवाशन की तारीय में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी जन्म अधिकत द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित भारिता जनकींगे।

स्वच्छीकरण:---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त जिथिनियश, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही उर्थशोग का उस सध्याय में दिया गया है।

अनस् जी

म हात एम० ग्राई० जो० तं० 178, ए सेक्टर, शाहपुरा, ग्रारेश हालोनी, भोगल में शियत है । यह वह स्थावर सम्यत्ति है जिस हा सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37 जी में निहित हैं।

> एस० सं१० शर्मा सक्षम प्राधि हर्रः सहायक श्रायकर श्रापुक्त (निर:क्षण) श्रक्त रेज, भोपाल

दिनां छ | 29-8-1485 मोहर :

प्ररूप बाहें.टी.एन.एस.-----

जायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के जभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यात्म्य, महायक जायकार झाय्यक (निरीक्षण) अर्जन रेजि, भोजाल

भो ॥त, दिनां ए 29 ग्रगस्त 1985

निर्वेश मं० ग्राई०ए० पः०/ग्रजेत/भोगान/5878— श्रतः मुझे एस० मी० गर्भा

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाक्ष 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-का के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. में अधिक है '

स्रीर जिलको लं ० प्लाट नं ० 131/1 है, तथा जो महाराणा प्रताप नगर, जोत-2, में बर गार्पिंग लेटेर, हव बगंज, भोषान में स्थित है (श्रीर इपरे उपाबंड श्रेनुसूर्जा में स्रीर जो पूर्ण रूप ने वर्णित है) पित्रस्त्रार्जी स्थितिर के असेन्त्रिंग, भोपान में रिजस्ट्रा इरण स्रिश्चितिषम, 1998 (1908 ज 16) के स्थीन जनवर्रा, 1985

का पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मूझे यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके क्यमान प्रतिफल से एसे क्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाना गया प्रतिफल, निम्नतिवित उद्देश्य से उकत बन्तरण निकत में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बल्तरण से हुइं किसी बाय की बाबत, उपक नीभीनियम के बचीन कर दोने के बच्चरण की वाशित्व में कनी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; ब्लॉर/मा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तिकों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्तः अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया क्या था या किया जाना चाहिए था, छियाने में श्रीकां के लिए;

जतः कव, उक्त किभिनियम की धारा 269-ग के जनसरण क, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 2. श्रा तिहं कि भोह० खां, पिता अब्दुल समद खां, द्वारा श्री मोह० शाहिद खान , दानिश गृह निर्माण मोतायदो, काजो भियादोंट हाउस के पास, गली नं० 2, इतवारा, भोपान ।

(ग्रन्सरिती

को ग्रह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जनत सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी वासीप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी से 45 दिन की अविध् मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निकित में किए जा सकोंगे।

स्यक्टोकरणः ---इसमे प्रयुक्त जब्दों और पदों का, जो उक्त विध-नियम के अध्याय 20 कं में परिभाष्टित हैं, वहीं अर्थ होगा. को उस अध्याय में दिया गया हैं।

मन संभी

प्लाट नं० 131/4, महाराणा प्रताप नगर, जोत-2, मेजर गांविग वेंटर, हवाबगंज, भोषाल में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है, जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा, सत्यापित फार्म नंबर 37 जो। में निहित है।

> एक० सो० थोमी जक्षम प्राधिकारी नहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरक्षिण) श्राजीन रोज, भोपाल

दिनांक: 29-8-1985

प्रक्ष वाह .टी.एव.एस. -----

शांयकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के वभीन सुमना

बारत देखान

कार्भालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्बर्जन रेंज भोपाल

भोताल, दिनां रु 29 अगस्त, 1985 निर्वेश सं आई० ए० सं (०/अर्जन/भोपाल/5879—अतः मुझे, एस० सी० शर्मा

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की बारा 269-च को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उभित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० बंगला प्लाट नं० 53 ए पर है, तथा जो ईबगाह, हिल्य, भोपाल में स्थित है (ग्रीर इसने उनाबढ़ ग्रनुसूच। में ग्रीर पूर्ग का ये बॉणत है) एतिस्ट्रा उन्ती ग्रीध कारों के कार्यालय भोगल में र्जास्ट्रो उरण ग्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रीधीन धिनांक जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उपित बाजार मृत्य में कम के इवयमान प्रतिफल के लिए अन्तरिश की गई है और मुक्ते यह निक्जन करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार मूस्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से एसे दस्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्यदेश से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए गर/या
- (च) ऐसी किसी कार्य वा किसी भन या जन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के. प्रशेषनार्थ जन्दरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविभा के बिए;

भवे भव उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक में. में, उक्त विधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) कें अभीन, विश्वतिकात व्यक्तियों, कर्यात् :--- श्रामना पुरजात कौर पत्ना श्रो सुरजीत सिंह कोहली निजासी 53 ए, ईदगाह हिल्स, भोपाल।

(भ्रन्तरक्)

2. श्रा रमेश चन्द खर्ता, पिता श्रा लेखराजमल खर्ता निवासी 50 बा, रिज गोड, ईदगाह हिल्स, भोपाल ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए लिए कार्यवाष्ट्रियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 चिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्थल्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकारन की हारीस से 45 दिन के भीतर उत्ते स्थायर गम्पत्ति में हितबबर किसी अस्य स्थित वृशास अधीहरूनाक्षरी के पास सिला में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयूक्त शब्दां और पर्यो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

भ्रनुसूची

वंगला, प्लाट नं० 53 ए. पर, ईदगाह हिल्स, भोपाल में, स्थित है। यह वह स्थात्रर सम्पत्ति है जिसका सम्पूण विवरण अन्तरिता द्वारा, सत्थापित फार्म नंबर 37 जो मे निहित है।

> एस० मा० जर्मा सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निर्धिकार) स्रुचन रोज, भोपाल

दिनांक: 29-8-1985

मोह•ः

प्ररूप बाई हो. हुई हस

المراقبة المتعدد المتعدد والمتعدد والمتعدد والمتعدد والمتعدد والمتعدد والمتعدد والمتعدد والمتعدد والمتعدد

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन पुरुष

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रजन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांछ 29 श्रगस्त 1985 निर्देश सं० श्राई० ए० मी०/ग्रजन/भौपाल/5880— भनः मुझे, एस० सी० शर्मा,

भायकर आँचिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का धारण में कि क्षावा मुख्या , जिसका उर्जित स्वार्थ मूख्या 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० भ्राउटहाउस क्वार्टर्स नं० 1031/1 से 1013/8, साथ में प्लाट न० 6/3 प्लाक नं० 4 है, तथा जो नार्थ सिविल लाईन्स, नेपियर टाउन के पास, जबलपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपावेद्ध श्रनुसूर्व। में ग्रीर पूर्ण रूप रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकार्रः के वार्याक्य, जबलपुर में रिजिस्ट्राकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिशीन, नारीख जनवरी, 1985

- (क) अन्तरण सं हुइ किसी आत की बावत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर दोने के अन्तरक के अधिस्य में अभी अरने या उससे स्थानं में सुविधा क लिए, और गा
- (भ) एसी विस्ती शय या किसी अन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें आरतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अनकर अधिनियम या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविभा के सिए;

कतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कं, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्रीमती जोहरवाई पत्नी श्री नानाभाई 1008/9, नेपियर टाउन, जबलपुर।

(भ्रन्तरक)

श्री धीरज लाल मेहता
पिता श्रो मोरारजी मेहता,
निवासी-48, नर्बंदा रोड़,
बारा राजुल कंस्ट्रक्शन्स, जबलपुर।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करकं पूर्वोक्त सम्यन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हु।

उक्त सम्मत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 4.5 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पृवींकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (व) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षणी के पास लिखित में किए आ सकींगे।

स्पथ्बीकरण:---इसमें अयुक्त शब्दों और पदों का, को जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाधित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विवा नवा हैं।

अनुसूची

ग्राउट हाउस क्वार्टर्स नं० 1013/1 से 1013/8 साथ में प्लाट नं० 6/3 (प्लाक नं० 4) नार्थ सिविल लाईन्स, नेपियर टाउन, जबलपुर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण श्रन्थरिति बारा स्त्यापित फार्म नंबर 37-जीं० में निहित है।

एस० सी० शर्मा पक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रज, भोपाल

नारीख: 29~8-1985

मोहरः

आप्तकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा. **269-ण '(1) के बचीन सूचनां**

भारत सरकाड

कार्यालयः, महायम नायकत गायुक्ध (निर्देशक)

म्रर्जन रोंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 सितम्बर 1985

निर्देश सं० ब्राई॰ ए० सो०/ब्रर्जन/भोपाल-5881~-**म**तः

मुझे, एस० सी० शर्मा,

शायजर आंभितिसम. 1961 (1961 का 43) (भिसे प्रसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्तम प्राधिकारी की यह निक्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

प्रौर जिसकी सं० दो मंजिला मकान नं० 6 है तथा जो मार्लण्ड चौक, हिन्दू कालोनी, इंदौर में स्थित है (ग्रीर इससे उपावब अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजर्ट्यकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय, इंदौर में रिजर्ट्यकरण ग्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्राधीन, तारीख जनवरी 1985

को प्रॉक्त सम्पत्ति के जीवत शाजार मृत्य से कम के दस्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और भूभी यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जीवत शाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रांतृकल स एक स्थ्यमान प्रांतिफल का पन्छ प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के धीच एसं अन्तरण के जिए तय पाना बचा प्रतिकत, विस्थितियाँ उद्देश्य से उक्त अम्परण विशिष्ठ में शाकायिक कम से कीचत नहीं किया भवा है है

- (क) नंतरण से हुइ किसी जाय की नावजा, उपना कविन निवस के अभीन कर दोने के अंतरक के वास्तिक में कभी करते या उससे बचने में सुविधा के निए; वर्ष/का
- (क) ऐसी किसी अब या किसी धन या अन्य बास्सियों की जिन्हों भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उत्तः अधिनियम, या धन-अर अधिनियम, या धन-अर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गवा था या किया बाना वाहिए था, स्थिपाने में सुविधा के लिए।

खतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अ अधीन, निम्निसिश्चत व्यक्तिसर्थों. अर्थातः :~

- डा० दत्तात्रय ग्राठले पिता भैरयाजी ग्राठले,
 मार्तण्ड चौक, इंदौर,
 तंसजी व कुमार दत्तात्रय ग्राठले।
- २. मैं० ग्रामीवींद ट्रेडिंग कम्पनी, पार्टनरिशप फर्म 136, देवी ग्रहिल्या मार्ग, इंदौर तरफे पार्टनर श्री मदनलाल पिक्षा दरबारी लाल जी वगैरा, 6, नि० देवी ग्रहिल्या मार्ग, इंदौर, मकान नं० 136।

(अन्तरिती)

(भ्रन्तरक)

की वह ब्याना चारी करके प्रॉक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यकर्माक्ष्मा करता हो।

उक्त सम्परित के मजीन के मध्यन्य मा कोड़ा भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीज है 45 बिन की बविध या तत्सम्बन्धी स्थितियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की बविध, जो भी जबिध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृशीकत ध्योधताओं में से किसी ब्योचत द्वारा,
- (ण) इस स्थान के राजपत्र में प्रकासन की तारीय के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए वा सकेने।

स्वकाकरणः—-इसमें प्रयुक्त सन्दों बीट पड़ों का, को उक्त बारियियम के अध्यास 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होंगा को उस अध्यास में विवा वया हैं।

वन्स्ची

माहान नं∘ 6, म∷र्तण्य चौक, हिन्दू कालोनी, इंदौर में स्थित है।

> एस० सी० शर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीत रोज, भोपाल

वारीय: 3-9-1**985**

मोहरः

प्ररूप आर्. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन क्षेत्र भोपाल

भोपाल, दिनां ह 3 सितम्बर 1985

निदेश मं० श्राई० ए० मो०/श्रर्जन/भोपाल/3882---श्रतः मुझे, एस० सो० शर्मा,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्थात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थादर सम्पत्ति, जिसका उचित काजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिन्हों मं० भूमि ख० न० 61/2 है, तथा जो
ग्राम पिपल्या कुम्हार जिला इंदौर में स्थित हैं (और इससे
उपाबद्ध प्रमुसूचों में और रिजस्ट्रोक्ता प्रधिनरम, 1908
कार्यालय में इदौर में रिजस्ट्रोक्तण प्रधिनरम, 1908
(1908 का 16) के प्रधीन, तारीख जनवरी, 1985
कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के जीवत बाजार मृत्य से कम के दस्यमान
प्रतिकत के लिए प्रस्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिकत्त से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकत का पन्द्रह
प्रतिगत से प्रधिक है भौर अन्तरक (प्रस्तरकों) भौर बन्दरिती
(प्रस्तिरित्रों) के बीच ऐसे प्रस्तरक (प्रस्तरकों) भौर बन्दरिती
(प्रस्तिरित्रों) के बीच ऐसे प्रस्तरक के लिए तथ पाया गया
विषक्ता निश्निक्षित उद्देश्य से उनत प्रस्तरक किक्तित

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाबित्थ में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियां को जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियमं, 1922 (1922 को 11) या उन्त अधिनियमं, या धन-कर अधिनियमं, या धन-कर अधिनियमं, या धन-कर अधिनियमं, 1957 (1957 का 27) के प्रसोचनार्थ जन्सरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में परिकथा के जिन्ह

बतः वंद, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग कं बन्सरक मं, में उक्त विभिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के बधीर, निम्निलिवित व्यक्तियों, वधात क्— श्रं मदनलाल पिता ग्रम्बाराम तम्बोला, नि०-ग्राम पिपल्या कुमार तह० व जिला इवाँर।

(भ्रन्थरक)

2. श्री रमेशचन्द्र बाबूलाल बाहेती, एच० यू० एफ०, द्वारा कर्ता डा० रमेण वी० बाहेती पिता सेठ श्री बाबूलालजी बाहेती, 22, पुराना पलासिया, इंदौर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोड़ भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारींक से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्हित में किए जा सकरेंगे।

स्पक्ष्तीकरणः ---इसमें प्रयुक्त कन्यों और पर्दों का, जो उपत अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

अम्सूची

ग्रसिंचित भूमि खा० नं० 61/2, ग्राम पिपल्या कुमार तह् व जिला इंदौर में स्थित है। यह वह स्थावर संपत्ति है जिल्लका मंपूर्ण विवरण श्रन्तरिती द्वारा सत्यापित फ़ार्म नंबर 37 जी में निहित्त है।

> एस० सी० शर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्राय⊴र श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, भोपाल

तार∂वः 3—9—1985

मोहरः -

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल भोपाल, दिनां १: 3 सितम्बर 1985

माराण, विसार उ विसम्बर 1955 हेण सं व द्याई० ए० सीर्वाद्यर्जन/भोषाल–588

निदेश मं० ग्राई० ए० मे१०/ग्रर्जन/भोपाल-5883---ग्रतः

मुझे, एस० सी० भर्मा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) .(जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि सर्वे नं० 56, 61/1 हैं, तथा जो ग्राम पिपल्या कुमार जिला इंदौर में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबंद्ध अनुभूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीक कर्ता अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रजिस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1985

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए उत्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल के एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत स अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक हण से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविभा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियमं, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियमं, या धनकर अधिनियमं, या धनकर अधिनियमं, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: उब, उब्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थातु ;--- श्रं। मनोहरलाल पिता ग्रम्बाराम तम्बोलं।,
नि०—-ग्राम पिपल्याकुमार तह० व जिल।
इंदौर।

(ग्रन्सर्क)

2. श्रं। कैल.ण एन० गर्ग, एच० यू० एफ०, ब्रारा कर्ता श्रो कैलाणचद्द गर्ग पिता नारायणलालजी गर्ग, निवासी-22, पुराना, पलासिया, इंदौर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करण हो।

ज़क्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पृत्रीकत व्यक्ति हों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्हीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में ९रिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसूची

भूमि सर्वे नं० 56, 61/1, ग्राम पिपल्या कुमार तह० व जिला इंदौर में स्थित है। यह वह स्थावर संपत्ति है जिसका म्संपूर्ण विवरण ग्रन्सरिते। द्वारा सत्यापित फ़ार्म नंबर 37-31 में निहित है।

एय० परे० णर्मा जक्षम प्राधिकारो महायक स्रायक्षम (निर्रक्षण) स्रजन रोज, भोपाल

न्र्ंख: 4--9--1985

मोहरः

प्रका नाड . टी . एन . एस . ------

बाधकर वांधनियन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बंधीन स्वना

भारत अरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनाँक 4 सितम्बर 1985

निदेश सं० माई० ए० सी० मर्जन/भोपाल, 5884—मतः मुझे, एस० सी० शर्मा,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके परवात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित विसका उचित वाकार मृश्य 1,00,000/-ए. से विधिक है

भौर जिसकी सं वो मंजिला मकान नं 2 हैं, तथा जो इन्द्रपुरी कालोनी, इंदौर सें स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद भनुसूची सें ग्रौर पूर्ण रूप से विज्ञत हैं) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधि-कारी के कार्यालय, इंदौर में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के धरममान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते वह विश्वास करने का कारण है कि कथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, ससके अमजान प्रतिफल से देखे अवस्थान प्रतिफल का पन्छा प्रतिकत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिबों) के बीच एसे अन्तरक के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिविक के बास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण संहुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दामित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अग्लरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गप्ता था या जिया जाता चाहिए था, छिषाने में स्विभा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं., उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिश्चित व्यक्तियों, अर्थात् :--02-296GI|85

 (1) मरदार कुंदनसिंह पिता उजागरिमह भुल्लर एवं (2) सरदार हरिमन्दर सिंह पिता कुन्दन सिंह भुल्लर, निवासी—-1-ए०, इन्द्रपुरी कालोनी, इंथीर।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती लक्ष्मीदेवी पति श्रशोक कुमार गुप्ता एवं (2) प्रशोक कुमार पिता काशी प्रसादजी गुप्ता, निवासी—24, लोधी मोहल्ला, इंदौर। (श्रन्तरिती)

को यह स्वता चारी करके पूर्वोक्त स्प्यत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

एक्त सम्मत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:----

- (क) इस सूचना के राज्यस में अकाचन की तारीच से 45 दिन की अविधि या सस्याध्यन्ती व्यक्ति में पर सूचना की वामील से 30 दिन की अविद; को भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो; के भीठर पूर्ण किल
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितवक्ष किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा वभाहस्ताक्षरी के वास निवास में किसी जा सकेंगे।

स्वव्यक्तिरण:—इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, को उनके अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही कर्ष होगा को उस अध्याय में दिवा गया है।

धनुसूची

दो मंजिला मकान नं० 1, सदर मकान के प्लाट का क्षेत्रफल 5400 वर्गफिट है। इन्द्रपुरी कालोनी, इंदौर में स्थित है। यह वह स्थावर संपत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सुर्यापित फार्म नंबर 37-जी० में निहित है।

एय० सो० शर्मा नश्चम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज, भोगल

तारीख: 4-9-1985

मोहर∶

प्रक्य आहे. टी. एन: एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा ७६९-व (1) के बचीन क्चना

भारत सरकाह

कार्यालय, तहायक वायकर वाय्क्त (निरीक्षण)

श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनौंक 4 मितम्बर 1985

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल-5885—ग्रतः मृझ, एस० सी० शर्मा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० बाय 60 के प्लाट पर बना सकान नं० 168 है, तथा जो श्रीनगर कालोनी, इंदौर में स्थित हैं (श्रोर इससे उपाबद्ध श्रनसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, इंदौर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी, 1985

को पूर्वेक्ति सम्परित के उचित बाजार मृत्य से क्रम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विद्यास करने का कारण है कि यभापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पण्यह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पावा गया प्रति-क्य निम्मसिदित उद्योक्त से उक्त अन्तरण निवित्त में वास्तिविक स्थ में क्रिक्त नहीं किया स्था है क्र--

- (क) अन्तरण के हुइ कियी आय की वावस उथल विध-नियम के अभीन कर विभे के अन्तरक के विधित्व में करी कहने वा उकते वचने में वृतिका के जिए? कीर/या
- (थ) रेबी किसी नाथ या किसी धन या अन्य अस्तियां की, पिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की अभोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, फिपाने से मुविधा खे सिए;

कतः वब, उक्त विधिनियम कौ धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अधीत:—— श्री चन्द्रकाँमे महादेव सुकथनकर, निवासी—168, श्रीनगर कालोनी, इंदौर।

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती रानी साहिबा मोहीनी कुंबरजी, निवासी—529, बाबल , जिला मंदसौर।

(भ्रन्तरिती)

को बहु सुभा भारी करको प्रशंकित सम्परित के अपन की निय कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्बन्धि के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की नगींग, को भी वर्णा वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकरा व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वाह्म
- (च) इस सूचना के राजपण में प्रकाधन की तारीच वै 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ह्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्वक्रोकरण:---इसमाँ प्रयुक्त कन्दों और पर्यो का, जी सक्द अभिनियम के अध्याय 22-क में परिभाषित है, बही अर्थ होंगा को जस अध्याय में विका गया है।

वनुसूची

प्लाट 40 बाय 60 पर बना हुआ मकान नं० 168, श्रीनगर कालोनी, इंदीर सें स्थित है।

> एस० सी० शर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपःल

तारीख: 4-9-1985

शोहर :

प्रकृप, भाष⁴, टी. एक. एक. -----

भावकार विभिनियम, 1961 (1961 का 43) कार्र भारा 269-म (1) के वभीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन क्षत्न, भोपाल भोपाल, दिनाँक 4 सितम्बर 1985

निवेश र्स० ग्राई० ए० मी०/ग्रर्जन/भोपाल, 5886—ग्रतः मुझ, एम० सी० शर्मा,

बामकर विभिन्नयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की वादा 269-व को अधीन सक्षम प्रीधिकारी की, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित बाचार सस्य 1,00,000/- रा. सं अधिक है

श्रौर जिसकी सं जाय विल्डर्स कालानी स्कीन नं 2, प्लाट नं 1 व 2 व उस पर निर्मित मकान (श्रपूर्ण) है, तथा जो जाय विल्डर्स कालोनी, इंदोर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्री अनुसूची, में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्री-कर्ता श्रीधकारी के कार्यालय से इंदौर में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी, 1985

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नावार मून्य से कम के क्षयमान प्रतिफल के लिए अंतरिष्ट की गई है और मुझे यह निश्वास करने कको का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उत्वित नाजार मून्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का वंद्रह प्रतिचत से किंग्य है जोर अंदर्क (अंतर्कों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के नीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गवा प्रतिफल, निम्नितिबित उद्वेष्य से स्थत बन्दरण किंबित में वास्तुविक क्य से किंग्य तहीं किया गया है।——

- (क) नत्सरण से हुई किसी बाब की बाबत समय निध-निवस के सभीन कर दोन के अत्तरक के दायित्व में कमी करने वा उपने बचने में सुविधा के सिए; बीध/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अस्य आहितवाँ को, जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना करिक्ए था कियाने में सुविधा वे सिए:

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, धक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के जधीन, निञ्निनित व्यक्तियों, अर्चीक ३-० शीमती शुभांगी पति श्री जीवाजी मंगेश नाइकणी, 5/2, यशवंत निवास रोड़, इंदौर।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती विद्यावती पति श्री रामचन्द्रजी गर्ग, (2) चन्द्रकाँताबाई पति स्व० मोहनलालजी गर्ग, निधासी—16/1, शक्कर बाजार, इंदौर।

(श्रन्तरिती)

को मह सूचना जारी करके पूर्वों कर सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहिकों करता हूं।

उच्या सम्पत्ति को नर्पन को सम्बन्ध यो कोही भी शासीय :---

- (क) इत सूचना के राजपण में प्रकाशक की तारीख वें 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर कृषणा की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी क्विधि वास में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (क) इस त्कान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-नद्दभ सिक्सी जन्म न्यस्ति वृतारा अधोहस्ताकारी के पास निकास में किए जा सकींगे।

रमका करणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, थो उन्हें विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं नर्थ होगा, थो उस नध्याय में विधा वक्त है।

अनुसूची

जाम बिल्डर्स कालोनी स्कीम नं० 2, यहाँ पर प्लाटनं० 1 व 2 व उस पर निर्मित श्रपूर्ण मकान इंदौर सें स्थित हैं।

> एस० सी० धर्मा मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तार्**ष**[: 4--9--1985

मोहर 🗈

त्रस्त नाइ. टी. स्त. एड. ------

नातकर सीधनियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत तरकार

कार्यासन, तङ्कानक मानकर आजुनत (मिरीकाण)

मर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनौंक 4 सितम्बर 1985

निदेश सं श्राई० ए० सी श्राजन /भोपाल / 5887 — श्रतः मुझ, एस० सी० शर्मा,

वानकर विभिन्नित , 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें परचात् 'उनत अभिनियम' कहा गना हैं), की भारा 269-स के अभीन तक्षम प्राधिकारी को वह विक्तास करने का कारण है कि स्थानर सम्परित, जिसका उचित नाकार मूल्य 1,00,000/- रु. से जिधक हैं

ग्रीर जिसकी र्सं० प्लाट र्नं० 10 व उस पर बना हुग्रा मकान है, तथा जो श्रीनगर कालोनी, इंदौर सें स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची सें ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, इंदौर सें रजिस्ट्री-करण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख जनवरी 1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के द्ययभान गरिकल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मस्म, उड़के दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का उन्द्रह प्रतिदात से अधिक है और जन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे जन्तरण के लिए तब पाबा गया प्रतिकल, निम्नलिचित उद्योध्य से उक्त अन्तरण विविद्य में अस्तिविक रूप से क्षित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण ते हुई किती नाम की नावत, उन्त अधि-निवन के नभीन कर वोने के नंतरक के दाजित्व में कनी करने या उत्तर्भ बन्तने में मौत्रधा के किए; और/मा
- (क) ऐसी किसी अाथ या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर निधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना जाहिए आ, जिनाने में सुविधा के सिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) को जभीन, निक्तिविक व्यक्तियों, अर्थाय ध्र—

- 1. श्री राजन्द्रसिंह पिता श्री दुलेसिंहजी, मेहता तरफे भाम मु० दिपेन्द्रसिंह मेहता पिता श्री दुले-सिंह मेहता, 108, श्री नगर कालोनी, इंदौर। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री सीताराम पिता श्री नामदेव खोत, (2) श्री राजेश पिता विजयकुमार खोत, निवासी-15, एम० टी० एच० कम्पाउण्ड, इंदौर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाडियां करता हो।

उक्त सम्बक्ति के अर्जन के संबंध में कोई आयोग :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताजील से 30 दिन की अविधि, को जी अविध बाद में तमाच्य होती हो, के श्रीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी स्थक्ति ब्वारा;
- (क) इस स्थान के राज्यत में प्रकासन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिरावध्य कियी कन्य कामित द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में से किए का सकेंगे।

सम्बद्धीकरण:---इतने प्रजूपत कर्म्ब वरि पर्के का, यो समस् जीवीमगत, के बध्याय 20-क में पीरआदिष्य ही, नहीं जर्म होगा को उस संध्यान में किया गता ही।

अनुकूची

ूप्लाट र्न० 108 व उस पर बना हुआ मकान, श्रीनगर कार्योनी, इंदौर सें स्थित है।

> एस० सी० शर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 4-9-1985

ोहर :

प्रस्थ बाह् . टी . यून . एख . ------

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोज, भोपाल

भोगाल, दिनां हु 3 सितम्बर 1985

निदेश सं० म्राई० ए० सी०/म्रर्जन/भोपाल/9888---म्रहः मुझो, एस० सी० शर्भा,

बायकर अभिनित्रम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-छ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्व 1,00,000/- छ. से अधिक हैं

ा नं क्यु का नं साल-1, सोलावाग कालोनी जो इंदीर में स्थित है (श्रीए इसमे उपाबद्ध श्रमुखो में श्रीर पूर्ण का ने वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता हारो के जार्यालय, इंदीर में जिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 ज 16) के प्रशास, तारीख जनवरी,

को पूर्वे स्थित सम्मिता के जीनत बाजार मृत्य से कम के क्ष्ममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विकास करने का कारण है कि स्थापूर्वे कि संपरित का उचित साजार मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे क्ष्ममान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंसरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्निलिख से बोस्स में अधित नहीं किया गया है:——

- (r) अन्तरण मं हुई जिसी नाम की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दामिल में कमी करने मा उत्तर बचने में सविधा के निष: बांड/का
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोक्तार्थ अस्तरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया बवा था या किया जाना सहिए था, छिपाने में सुविधा थे निए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन.. निम्निलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात्:--- मित्री शकुंतला शिन्दे पुत्री श्री मार्तण्ड. नव शिन्दे, निवासी—सी०-1, सीताबाग कालोनी, इंदौर।

(श्रन्तरक)

 श्री वीरेन्द्र दत्त ग्यानी पिता श्री विष्णुदत्त निवासी—एम० जी. रोड़, इंदौर।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करको पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया गुरू करता हु।

उन्त संपत्ति के कर्पन के संबंध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या सत्संबंधी व्यक्तिकों कर सूजना की टामील से 30 दिन की अविधि, को औं अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रकेंका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वाराः
- (अ) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोतस्ताक्षरी के शस निजित में किए जा सकता।

स्वक्टोकरण:--ध्समं प्रयुवत शब्दों और पदों का, को उपक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो जस अध्याय में विवा गया है।

अनुसूची

म्यू० मकान नं० सी०-1, सीता बाग कालोनी, इंदौर में स्थित है यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण श्रन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37-जी० में निहित हैं]।

> एस० सी० धर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रोज, भोपाल

तारीख: 8-9-1985

प्रकप. बाहाँ, टी. यन. एस्. ----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्थान

भारत तरकार

कार्यात्तय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

ग्रजंन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 सितम्बर 1985

निदेश सं • ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/5889- ग्रतः मुझे, एस० सी० शर्मा,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार्य 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० म्यु० मकान नं० सी-1, सीताबाग कालोनी, इंदौर है, तथा जो इंदौर में स्थित है (भौर इससे उपाबद भनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), पिउट्टें ते भ्रिक्षकारी के कार्यालय, इंदौर में रिजस्ट्रीकरण भ्रिक्षित्यम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख जनवरी, 1985

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि ग्रथापूर्वेक्स संपत्ति का उचित् बाजार मूल्य, उसके वश्यमान प्रतिफल से, एसे वश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (जन्तरकों) और अंत-रिती (अंतरितिगों) के बीच एसे मन्तरण के लिए तय पाया ग्रा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिख्स में बास्तिक रूप से कथिस नहीं किया बना है :---

- (क) मध्यरण सं हुई फिसी सान की नानस, उनस निधिनियम के सधीन कर दोने के बन्धरक के सामित्य में कभी करने या उससे अपने में सुविधा के सिए; सरि/ना
- (क) एंसी किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, धिपाने मा सविधा के लिए;

बतः बब, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के बनुतरण को, मी, उक्त विधिनियम की धारा 269-म की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- कुमारो शकुंतला शिंदे पुत्री श्री मार्तण्ड राव शिन्दे, निवासी—सी०-1, सीलाबाग कालोनी, इंदौर।

(घन्सरक)

2. श्रीमती सुमन ग्यानी पत्नी श्री वीरेन्द्र दत्ता ग्यानी निवासी —एम० जी० रोड़, इंदौर।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस त्यानं के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन की जबिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की जबिथ, जो भी जबिथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में है कि की व्यक्ति दुवारा;
- (वा) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हिस-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताकारी के पात लिखित में किए वा सकने।

स्वाकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों गाँर पदों का, वो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्थ होगा, वो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

म्यु० महान नं० सो०-1, मोताबाग कालोनी, इंदौर में स्थित है। यह वह स्थावर संपत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण श्रन्तरिती बारा सत्यापित फार्म नंबर 37-जीं० में निहित है।

> एस० सी० गर्मा सक्षम प्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, भोपाल

तारीख: 3-9-1985

पांहर अ

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 4 सितम्बर 1985

निदेश सं० प्राई० ए० मी०/म्रर्जन/भोपाल 5890--- मत, मुझे, एस० सी० शर्मा,

जानकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परमात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन तक्षत्र प्रतिकारी को नह निस्त्रत करने का कारण है कि स्थावर बंपत्ति, जितका उचित बाचार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० भूमि सर्वे नं० 142/1 से 161 है, तया जो ग्र.म कबीर खेड़ी, डबलपमेंट स्कीम नं० 54, इंदौर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजित है), रिजस्ट्रीवर्ता श्रीधवारी के वार्यास्य, इंदौर में रिजस्ट्रीवरण श्रीधिचयम, 1908 (1908 का 16) के श्रीम, तारीख जनवरी 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाधार मृस्य हो कन के अवमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई ही और मुक्ते यह निक्यास े करने का कारण हो कि

यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुस्म, उसके काननान प्रतिकत से, एसे काननान प्रतिकत का नंद्र प्रतिकत से सन्धक है और अंतरका (अंतरका आरे अंतरिती (अंतरितियाँ) के नीम एसे अन्तरण के तिए तय पाया गया प्रतिकत, जिम्मिनियत अव्यक्तिस से उक्त अन्तरण लिकित में वास्तिबक रूप से कियत नहीं किया गया है :----

- (क) जंतरण से हुई किसी आब की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दादित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (वा) एसी किसी आय या किसी भन या कन्य आस्तियों की चिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशोधनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना शाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए:

कतः कवः, उक्त किभिनियम की धारा 269-ग के अनुवरण का, का, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अभीन, निम्नसिक्ति व्यक्तिकों, अवित है—-

- 1 श्रोमंतो कार्णाबाई पत्नां श्री नार,यण,
 - (2) मांगील.ल, (3) श्रीराम, (4) रामप्रसाद पिता नारायण, (5) सिद्धीबाई परनी सालाग्राम,
 - (6) स.वंत, (7) भरेण्वर पिता सालाग्राम,
 - (8) रमेश, (9) रमेंज (10) सोमेश्वर पितानागी (11) ब्रिजल.ल पित फक्किनि--ग्राम ककीर खेड़ी,

इंदौर ।

(ग्रन्तरक)

2. श्री/श्रीमती/कृमारी मेसर्स न्यायिक कमचारी गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्याधित जिला कोर्ट प्रीमिसेस,

एम० जी० रोड़, इंदौर,

द्व. । विनकर राव उपाध्याय।

(भ्रन्तिरती)

को बहु बुचना बारी करके पूर्वेक्स सम्मरित के वर्णन के सि। कार्यवाहिकों करता हूं।

तक्त सम्बन्धि के अर्थन के संबंध में कोई भी वासोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीच से 1.5 दिन की जबाधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर तूचना की ताजील से 30 दिन की अवधि, जो भी विश्व साथ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इत तुमान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबष्ध किती अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकती।

स्वाक्तीकरणः — इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का को अक्त वीधनिवस, के अध्वाय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया मबा है≀

अमुसुची

भूमि सर्वे नं० 142/1, से 161 ग्राम कबीर खेड़ी डबलपर्मेट स्कीम नं० 54, इंदौर में स्थित है। यह बह स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण श्रन्तरिति द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37-जी० में निहित्त है।

> एस० सी० धर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायक्त श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रोंज, भोपाल

तारीं**ब**: 4-9-1985

मोहर 🛭

प्ररूप बाद्दी. टी. एन. एस ------

भावकार बाँधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा २६७-थ (1) के सभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक बायकर बायकत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 4 सितुम्बर 1985

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल 5891----ग्रतः मुझे एस० सी० शर्मा,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43**) (जि**से इसमें इसके पश्चात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया ह"), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का क्षरण है कि स्वावर तंपरित, विक्रका उचित वाचार ज्ञान 1,00,000/- रह. से अधिक ही

श्रीर जित्रको सं० नवीन कमांक 27 है, तथा जो रेलवे स्टेशन रोड़, नवोननाम सुभाष मार्ग, उक्जैन में स्थित है (अर्थार इपने उराबद्ध अनुसूचो में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय उज्जैन में रजिस्ट्री-करण भ्रिविनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तीरीख जनवरी, 1985

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उपित नाजार मूल्य से काम के अध्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करमें का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित वाचार ब्रुप, उसके क्यमान प्रतिफल से, एखे क्यमान प्रतिकल का पेंब्रह प्रतिकत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रक्रि-काम निम्नीनिवित उद्वोष्य से उद्धत अंतरण सिव्धित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्दरम व हुई विक्री बान की नायत नियमिन्न के नवीम कर योगे के नन्तक बर्रीबरण में कभी करने या उससे बचने में सुनिधा के सिए; बीर/या
- (च) एोडी किसी जाब दा किसी भून मा बन्द वास्तियों का, जिन्हां भारतीय जाय-कार अभिनियम, 1922 (1922 का 11) वाउथत अधिनियम, वा **धनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27)** के प्रवोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था गा किया जाना चाहिए था, खियाने जें स्विभाके सिए;

अतः जब, उक्त अभिनियम की धारा 269-भ के, अनसरण **को, मी, उक्त** अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) 🕏 धधीन मिन्नलिखित व्यक्तियों, वर्धात :---

श्री दर्शनलाल आत्मज अमीचन्द्र जी डाबर अरीग निवासी--मोहल्ला कंचनवाग, इंदौर (म० प्र०)।

(प्रन्तरक)

2. मेसर्स रामकुष्णा इन्टर प्राइजेस इंदी. জিত फ़र्न द्वारा भागीदार प्रदीपकुमार ग्रात्मज भोला रामजो जायसवाल, निवासी-53/4, रेशमवाला कम्याउण्ड, इंदौर।

(भ्रन्तरिती)

को ग्रह सचना जारी करके पृथेक्ति सम्परित के अजन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या हत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर प्रवेकिए व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (रू) इस स्वनाक राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हिस्बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा मभोहस्ताक्षरी के पास लिसिस में किए का सकों ने।

स्पष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त ग्रन्थों और पदौ का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है,

अनुसूची

पुराना नगर निगम क्रमांक 1/171 व 1/171/1 नवीन कमांक 27, रेलवे स्टेशन रोड, नवीनतम नाम संभाष मार्ग, उज्जैन में स्थित है।

> एस० सी० पार्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायक्र प्रायक्त (निर्दक्षण) श्चर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 4-9-1985

प्रकर बाहै हो एक एस -----

बायकर बर्धिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) को जभीन स्थना

भारत तरकार

कार्यास्य, सहायक बावकर नागुरत (विशोधक)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 4 सिसम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5892—अतः मुझे, एस० सी० शर्मा,

बायकार बीभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इत्तर्में इत्तर्में परचात् 'उक्त विभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के जधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का भारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, विश्वका उचित बाबार बृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० भवन न० नि० श्र० 1/171 का पीछे का भाग नया नं० 28 है, तथा जो स्टेशन रोड़, सुभाष मार्ग, उज्जीन में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उज्जीन में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1985

(1908 का 16) के अधान, ताराख जनवरा 1985 को प्वाचित के उचित वाजार मृस्य सं कम के व्यवमान प्रतिकास को लिए जन्तरित की गई है और मृक्ते वह विस्थाध करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाधार मृस्य, उसके ध्रयमान प्रतिकास से, एोर ध्रयमान प्रतिकास का पन्त्रह प्रोत्तक्त से प्रथिक है और अंतरक (जंतरकों) और अंतरित (अन्तरितियों) के बीज एसे जन्तरण के लिए तय पाया ध्या प्रतिकास, निम्नसिचित उच्चेष्ट्य से उस्त जन्तरण सिचित के सालतिक रूप से कवित नहीं किया ववा है सून

- (क) बन्तर्य में हुई कियी साथ की बावत उनके अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक की पावित्य में कनी करने वा उन्नवे बन्न में सुविधा में सिए? बहि/बा
- (क) इसी किसी बाब का किसी धन वा अक्स कास्तिकी को बिन्हें भारतीय जावकर अधिनियम, 1922 (1.922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया स्वा था या किया जाना थाहिए था, क्रियाने के वृतिभा के विद्युः

नतः सम, उनत मिनियम की भारा 269-ग को वनुवरच में, में, उनत मिभियम की भारा 269-म की उपनारा (1) में बभीम निस्तिनियस व्यक्तियों, वचीत कार्-21—296GI|85 श्रीमती सत्यवतीवाई पत्नी दर्शकालकी द्रावद अरोरा निवासी—मोहल्ला कंचनवाग, इंदौर।

(अन्तरक)

2. मेसर्स रामाकृष्णा इंटरप्राइसेस इंदीप रिजिष् फर्म द्वारा भागीदार प्रदीप कुमार आरमज भोलारामजी जयसवाल, निवासी—रेशमवाला कम्पाउन्ड, इंदौर, (मण्प्रण)।

(अन्तरिती)

का वह वृथमा बारी करके पूर्वीक्त संस्थात क अवन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जबत सन्पत्ति को कर्पन के संबंध में कांग्रे भी बाध्येप ---

- (क) इस स्था के स्थापत में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की विविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, को भी विविध नार में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में संक्रिमी व्यक्तिय हवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीवर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहम्लाक्षरी के पास सिवित में किए जा सकीं है।

स्वादीका हुन : इसमें प्रयुक्त पान्यों और पदी का, भी उनके निर्माणका 20 का में परिभाणित है, बड़ी वर्ष होगा की उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्य

भवन न० नि० कमांक 1/171 का पीछे का भाग, भवा नं० 28, स्टेशन रोड़, सुभाष मार्थ, उज्जैन में स्थित है। यह वह स्थावर संपत्ति है जियका संपूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37—ी में निहित है।

> एस० सी० शर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 4-9-1985

बोहर 🛭

प्रकृत कार्ड . हो . एव . एव . ------

भारत संस्कार

नायकर निर्भागयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) से मधीन तुषना

कार्यासय, सहायक बायकर वायुक्त (किरीक्षण)

् अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 16 सितम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5893—अतः मुझे, एस० सी० शर्मा,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं भकाम प्लाह नं ''बीo—'' पर ब्लाक नं 1, पलासिया 11—सीo, है तथा जो न्यू पलासिया, इंदौर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहण्मान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहप्यमान प्रतिफल से, एसे दहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिषात से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और उन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, छिपाने में स्विधा के तिए।

अतः अनं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित स्यक्तियों, अर्थात् :—

- 1. (1) श्री अनिल कुमार पिता श्री मोतीलालजी
 - (2) श्री सुनील कुमार पिता—तदैव—
 - (3) श्री अजीत कुमार पिता—तदैव— बारा पिता श्री मोतीरामजी पिता श्री राधेलम निवासी—19, श्रोफड पलासिया, इंदौर।

(अन्तरक)

2. मेसर्स जावेरी कन्स्ट्रमशन्स प्रायवेट लिमिटेड, 11/5, न्यू पलासिया, इंदौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी अयिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिक-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों वा, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में युका परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में विमा गया है।

अनुसूची

महान, प्लाट नं० "बी०" पर ब्लाक नं० 1, पलासिया 11 "सी०" (न्यू पलासिया) इंदौर में स्थित है।

> एस० सी० शर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 16-9-1985

प्रकृष बाह्य, टी. एन. एव. ----

जासकर जिप्तिन्यूस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यास्य, सहायक आयकर आयुक्त (जिरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 16 सिन्नम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोषाल/5894—अतः मुझो, एस० सी० शर्मा,

कायकर किंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसके इसके परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उन्ति बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

मीर जिसकी सं कृषि भूमि खं वन व 10 20/4, 20/5, 20/6, 20/9, 51 एवं 52 एक मकान एवं दो कुंए हैं, तथा जो भाम पालडा जिला इंदौर में स्थित है (ग्रांर इयस उपाबद्ध अनुसूची मैं ग्रांर पूर्ण रूप से वर्णित है). रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में पिजस्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे द्रायमान प्रतिफल का कन्द्रह प्रतिशत से आधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में शस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण में हुई किसी आयकी बाबत, उक्त बिधिनियंत्र के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे क्यने में सुविधा के सिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनयम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रवट नहीं किया गया था का किया जाना चाहिये था, किया में स्विधा में सिए;

कतः बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

 श्री भूपेन्द्र कुमार सेठी कमल विला, देवास रोड़, उज्जैन।

(अन्तरक)

श्री लक्ष्मी नारायण पिता पन्नालाल,
 68, उषागंज, मेन रोड़,
 इंदौर।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त संस्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविभ, को भी जविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए का सकरेंगे।

स्वव्यक्तिरकः: --- इसमे प्रयुक्त शब्दां और पदां का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मानन, दो कुएं, एवं अन्य चीजें ,कृषिः। मि खं नं 10, 20/4, 20/5, 20/6, 20/9, 51 एवं 52 ग्राम पालदा, जिला इंदौर में स्थित है। यह बहु स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वाण सत्वापित फार्म नंबर 37 जी० में तिहित है।

एउ० सी० कर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (शिरीक्षण) अजैन रंज, भोषान

न४रीख: 16--9-1985

भक्क वार्<u>टी एक एक</u> -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (१) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोषाल, दिनां र 16 सितम्बर 1985

निदेश मं० आहे० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5895—अतः मुझे, एस० सी० शर्मा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उणित बाजार मृस्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

स्रीर जिल्ली सं प्याट नं 20 है तथा जो पलासिया इंदौर में स्थित है (यौर इससे उपाबत अनुसूची में स्रौर पूर्ण का से विभिन्न हैं), रोजेस्ट्रीकर्ता अधिकां ते के कार्यालय, इंदौर में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख जनवरी 1985

को पूर्व कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्वमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथ पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्य-मान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का दिह प्रतिशत से मधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीत एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखिन उद्देश्य से उक्त अंतरण निचित में ।स्तिबक रूप से कृथित हों किया गया है:—

- (फ) यस्तरण अं हुई किसी बाब के बावत , स्वतः अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे स्वने में सुविधा के किए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हों भारतीय आयकर अ धनियम, 1922 (1992) का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1987 (1987 का 27 के प्रयोजनार्थ अन्तिहिरती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना आहिए था, कियाने में सुविधा के सिपु;

ं अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मं, उपा कान्यम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् ४—

- (1) श्री वेणगोपालन पिता श्री गोपालजी,
 (2) श्रीमती उषा पति श्री वेणगोपालन,
 निवासी—रोड़ द्रांसपोर्ट कारपोरेशन गोडाउन,
 देवास, नाका निरंजनपुर, इंदौर।
 (अन्तरक)
- श्रीमती कमला पति श्री गुरुदास रंगनानी, निवासी—29, अम्बर बिल्डिंग,
 8वां माला', 13/2, महात्मा गांधी मार्ग, इंदौर।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्ववाहियां करता हुं।

उक्त सम्पित के मर्बन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारी करें 45 विन की जनीय ना तरसम्बन्धी व्यक्तिहाने प्रश्न सूचना की तामील से 39 विन की जनाय, को सी अवधि नात में तमाप्त होती हो, के भीतर प्रविक व्यक्ति नों से किसी व्यक्ति हुनारा;
- (ख) ग्रस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाड़ लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, को उक्त मीधिनयम, के मध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं कर्ष होगा को उस मध्याय में विद्या क्या है।

वन्तुवा

प्लाट नं० 20, पलासिया,इंदौर ुमें स्थित है यह वह स्थावर संपत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37⊸जी० में निहित है।

> एस० सी० शर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 16-9-1985

मांहर 🛭

क्क्य बाहुं दी पुन कुष

वाशकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ल (1) में नभीन सूचना

भारत संकार

कार्यासम्, सहायक कारकर कार्यस (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, भोपाल

गायकर विधानवान, 1961 (1961 का 43) (शिवसे इसमें इसके परधात् 'उन्हा अधिनियम' कहा गमा हैं), की धारा 269-च के अधीन तका प्रधिकारी को वह 'निक्यास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उपित नाजार मूल्य 1,00,000/- रू. से अधिक हैं

भीर जिसका सं लाट नं 17, ब्लाक नं 10, 11, म्यु नं भोल्ड 19, नया 22 है, तथा जो यगवन्त निनास रोड, इन्दौर, में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वांगत हो), रोजस्ट्रान्सी श्रधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रिजस्ट्रान्करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, ताराख जनवरी, 1985

को पूर्वागत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य स कम के दश्यमाण प्रितिकत के लिए अन्तरित की गई है और मृझ वह विश्वास करने का कारण है कि वधापूर्वोकत सम्पत्ति का उचित बाबार भूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकान सं एसे दश्यमान प्रतिकाल का भन्नह प्रतिकास स अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय भावा गया प्रतिकाल, विस्तिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किश्वित में वास्तिक रूप सं कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण ते हुई किसी नाय की बाबस, उक्त अधिनियम के नृधील कर दोने के सन्तपुक के दायित्व में अभी करने या उसने क्षाने में सुविधा के सिष्ट; और/या

का अस, उनत विभिन्नित की पास 209-न ने अक्टरन भ", प", तभत व्यक्तिक की भाष 269-व की उपभाष (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) विजय कुमार पुत्री स्व० मेजर मोहन सिंह जी, वर्तमान श्रीमित विजय कुमारी देव परित श्री प्रभाकर देव,
 - 2. कस्तूरी रंगा इस्टेट, 2 स्ट्रीट, मद्राज-86 द्वारा मु० श्राम श्रीमित भानु कुमारी पहिन श्री श्ररणाद रणीय,

रशोद कोठो, 22 यशवन्त निवास रोड, इन्दौर । (भ्रन्सरक)

(2) श्रो द्वारिका प्रसाद सुरेका
2. रमेश चन्द्र सुरेका
3. सुरेश चन्द्र सुरेका
4. नरेन्द्र कुमार सुरेका
सभी पुत्र श्री राधेश्याम जी सुरेका
निवासी—110 कोठ,री मार्केट, इन्दौर ।
(ग्रन्तरिती)

को यह सूचन जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां एक करता हुं।

उक्त संघीत के मर्थन के संबंध में कोई भी माध्ये :--

- (क) एस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 4.5 दिन की नवीं ना तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर शृत्रका की तासील से 30 दिन की अवांध, जो भी श्वीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकर स्थिक्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) एस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबक्ष किसी जन्म व्यक्ति व्वाय अभोहस्ताकरी के पास निकास में किस वा सकेंगे।

अनुसूची

ब्लाट २० 17, ब्ललाक नं० 10 एवं 11, म्यु० ग्रील्ड नं० 19 नया :2, यशवन्त निवासी रोड, इन्दौर में स्थित है।

> एस० सी० शर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरेज, भौपाल

मारीख: 16-9-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जनरेंज, भोपाल

भोपाल दिनांक 16 सितम्बर, 1985

निदेश सं० म्नाई० ए० सी०/म्रर्जन/भोपाल/5897---म्रतः मुझे, एस० सी० धर्मा,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० लाट नं० 30 पर बना हुग्रा मकान है, तथा जो केशर बाग रोड, पर स्थित इन्दिरा गांधा नगर, इन्दौर, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूखी में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रोकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, एन्बीर में रिजस्ट्र -करण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख जनवरी, 1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से एसे दूरयमान प्रतिफल का गन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती '(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिभित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बाल्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आया की आबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उसते बचने में सुविधा के शिष्णः; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 19 57 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नार्गे किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपार में सुविधा के लिए;

- (1) जमनादात पिता भिवदमाल जो साहू, निवासी---हैमसन गालोनी, 11 इन्दौर। (भ्रन्तरक)
- (2) श्रों प्रदीप कुमार 2. इमलेश कुमार पिता माणिक चन्द जी जैन, 3. श्रीमती माणिक बाई पित माणिक चन्द जैन, निवासी—--9/3, महेश नगर, इन्दीर । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां कःता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूपना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीगर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास हिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याद 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अनुसूची

व्लाट नं० 30 पर बना हुन्ना म जन, केसर बाग रोड पर स्थित इन्दिरा गांधे: नगर, इन्डॉन में स्थित है।

> एस० जी० **गर्मा** सक्षम आधिकारी सहायंक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरक्षिण) ग्रजन रेंज, भोषाल

अत अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं:, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तित्यों, अर्थात :---

नारीख: 16-9-1985

उरूप बाइं. टी. एन. एस. ------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का **43) कीं** भारा 269-प्र (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासयः महायक्ष शयक्त आत्रुक्त (निरीक्षण) श्रुर्जन रेज, भोपाल

भोपाल दिनांक 4 सितम्बर, 1985

निदेश सं० आई० ए० मी१०/प्रार्जन/भोपाल/5898— अतः मुझे, एस० सी० धर्मा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भार 269-स के अधीन राभ्रय एर्थिकार्य को, गर निष्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिपकी मं० खुली भूमि नाथ में सर्वेन्ट क्वाटर्स है, तथा जो म्यु० स्ट्रीट नं० 19 के पास, रामवाग, रतलाम में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्री-कर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, रतलाम में रजिस्ट्री-करण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुक्तें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किथी नाम की शावत, उक्त वीधिनयम के अधीन कर दोने के जन्तरक को क्षीयत्व में कमी करने या उससे वचने में श्रुविधा के निए; बौट्/शा
- (वा) ध्रेसी किकी बाय या किसी धन या अन्य आस्थियों करें, जिक्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) वा उक्त अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रधीवनार्थ करिती द्वारा अंकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, डिपाने में तुविधा के सिए;

भतः भवं, उक्तं विभिनियमं को भारा 269-ण के बनुस्तरण कों, मीं, उक्तं काभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) को बभीन अभिनाजिकिका स्वासित्यों. बसारा ६----

- (1) श्रामती सरला कुमारी पत्नि वर्बमान जी कफरिया ऋतुवन, रामबाग, श्रतलाम ।
 - (प्रन्तरिती)
- (2) श्री मोहम्मद हुसैन पिता नजमुई।न पादाबाली
 2. युनुस श्रली पिता श्री नजमुई।न पाकाबाला
 3. शब्बीर हुसैन पिता श्री नजमुई।न पाकाबाला
 4. इशाक श्रली पिता श्री नजमुई।न पाकाबाला
 निवासी—ताहिरपुरा, रखलाम।

(भन्तरिती)

को बहु:स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां सुकः करता हूं।

बक्क कम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं हैं
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 मुख्या की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी
 बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (च) इस सूचना को राज्यपत्र में प्रकाशन की शास्त्रचाली 45 दिए को भीतर उक्त स्थावर सम्मति में हित्दब्ध किसी बन्य व्यक्ति व्वाय विभोहस्ताक्षरी को पांच निक्ति में किए जा सकोंगे।

स्यक्टीकरणः — इसमें प्रमुक्त सब्यों और वर्षों का, जो उक्क अभिनियम, के अभ्याय 20-क में सभा-पहिन भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उसा अभ्याक में दिया गया है।

मनस्पर्द

खुली भूमि साथ में सर्वेन्ट क्वाटर्स, म्यु० स्ट्रीट नं० 19 के पास, रामबाग, रतलाम में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है शिसका सम्पूर्ण विदरण श्रन्तरिती इ.रा सत्यापित फ्रार्म नं० 37 जी में निहित है।

> एस० सी० शर्मा सक्षम प्र.धिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरेंज, भोपाल

तारीख: 4-9-1985

मोहर 🕽

प्रकल **जाह**ै ही . एन . एस . -----

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नभीन स्थाना

प्रारत तरकार

कार्याक्रय, सहायक कायकर काय्क्त (निर्राक्षक)

म्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल दिनांक 4 सितम्बर, 1985

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/5989---ग्रतः मुग्ने, एस० सी० शर्मा,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके परभात् 'उकत अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अभीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विष्णास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० खुली भूमि साथ में सर्वेन्ट बवाटर्स है, तथा जो म्यु० स्ट्रीट नं० 19 के पास, रामकाग, रतल म में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध धनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप ने विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, रतलाम में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिष्ठल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ते यह विश्वास करने का कव्रण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मृल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से,

एसे क्यमान प्रतिफल के पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंत-रक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के थीय एसे अंत-रण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिश्त उद्विषय से उस्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथिए नहीं भया है ■——

- (क) बन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने वा उससे वचने में सुविधा को सिए; और/या
- (च) एसी किसी नाम या किसी भर या अन्य आस्तियों की, जिन्हीं भारतीय नामकर सिंधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सविधा के लिए:

कतः अज, उकत अधिनियम की भारा 269-च के अन्सरण में, में, उकत अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्मलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रांमती सरला कृमारः पत्नी स्व० श्रां वर्डमान जी इफ़रिया, ऋतुवन, रामवाग, रतलाम ।

(भ्रन्तरक्)

(2) श्रोगती जरीनाबाई पत्नी श्री नजमुद्दीन पाकावाला, ताहिरपुरा, रतेलाम ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कृष्क करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पड़ स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति युवारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीका है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितंबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में किया गया है | ||

भ्रनुसूची

खुलो भूमि 25.983 स्के० फ़ीट पाथ में सर्वेन्ट क्वाटर्स, म्यु० स्ट्रीट नं० 19 के पास रामबाग, रतलाम में स्थित है।

> एस० सी० शर्मा सक्षम प्राधिकार सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जनरेंज, भोपाल

तारीख: 4-9-1985

प्ररूप बाइ : टी. एम. एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

आर्यासय, सहायक नायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरेंज, भोपाल

जभोपाल दिनांक 9 सितम्बर, 1985

निदेश स० ग्राई० ए० मो०/ग्रर्जन/भोपाल/ 5902/—— ग्रतः मझे, एस० सी० शर्मा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. में अधिक है

भ्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 16, खमरा नं. 92/7, प०ह० नं० 79 है, तथा जो कमारीडीह, तहसील दुर्ग जिला दुर्ग में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दूर्ग में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गर्द है और एको यह विश्वास करने का कारण है

कि यथा पूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा कालग्राकार या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन का अन्य आस्तियों का, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्योजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के निष्ट:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण चैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---22---296GI/85

- (1) श्री दोनानाथ भट्टाचार्य पिता श्री श्रम्बिका चरण, निवासी----1ए, 65,6 मिलाई नगर, जिला दुर्ग। (अन्तरक)
- (2) श्री चितरंजन चटर्जी पिता स्व० श्री एस० सी० चटर्जी, निवासी—क्वा नं० 4ए, स्ट्रीट 3, सेक्टर 10, भिलाई।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया गुरू करता हुं।

उन्त संपति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (का) इस सूचना के राजपत्र म प्रकाणन की तारीख भ 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी ध्यक्तियाँ पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जविध बाद में सभाष्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक स 45 दिन के भीतर उन्नत स्थावर सस्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्टि में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उन्तें अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया मना हाँ।

जनसची

प्लाट नं 16, खनरा न 92/7 है तथा जो कमाराडीह, दुर्ग में स्थित है। यह वह स्थावर सम्मति है जिसका विवरण फार्म नं 37-जो में निहित है तथा जो अन्तरिती द्वारा सन्यापित किया गया है।

> एस० सो० शर्मा मक्षम प्राधिकारी महायक ग्राकिर्ग्रायुकुत (निरीक्षण) ग्रजीनरें ज, भोषाल

तारीख: 9-9-1985

प्रकृष आहे. ती. एस्. एस् -----

भाशकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अभीन स्पना

शास्त्र सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, भोपाल

भोगाल दिनौंक 9 सितम्बर, 1985

निदेश सं० ग्रार्ह० ए० मी०ेग्रर्जन/भोषाल/5904--ग्रतः मुझे, एस०सी० शर्मा,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

भौर जिसकी सं० भूमि एकड़ 11.58 है, तथा जो ग्राम विस्तरा, में स्थित है (श्रीर इससे उपावड श्रमुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कटनी में रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी, 1985

को प्राेक्ति सम्परित के उचित बाजार मृस्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपरित का उचित बाजार मृस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-क्ष्म निम्नसिचित उद्योग में स्वत अन्तरण निविद्य में नाक्ष्मिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) शन्तरण संधुः किली आय की सावत, उक्त अधिनियम के सभीन कर दोने के सन्तरक से वासित्व में कमी करमें या उससे अवने में मुविधा में सिंद; स्ट्रिंट, वा
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य वास्तियों करें, जिन्हें भारतीय वाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 रा 27) अं अयोजनार्थ अन्तिरिक्षों क्वारा प्रकट नहीं किया मंत्रा था या किया जाना शाहिए था, व्यापन प्रविभा वे जिए।

करात वाक, उक्त विभिनियम, की भारा 269-ग के बन्दारण की, मी, डामस वीभिनियम की तारा 269-घ की उपधारा (1) की अभीन, निम्नसिचित व्यक्तियों, अर्थात् ह—-

- (1) मेसर्म एस० पो० लाइन वन्सं, 784, नेपियर टाउन, जबलपुर भागीदार श्री एनउद्दीन व श्रीमती ग्रपरा बेगम। (श्रन्तरिती)
- (2) श्री सुनील मिश्रा पिता श्री जे० पी० मिश्रा निवासी—-पावरकर वार्ड, नई बस्त, कटनी । (ग्रन्तरिती)

का यह स्थान बारी करके प्रॉक्त सम्पत्ति के अर्थन के बिप कार्यवाहियां करता हु।

समार सम्परित के समेव के सम्बन्ध में काई भी नामाप् .---

- (क) इस सूचना के राज्यित्र में प्रकाशन की तारीच इ 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन में 30 दिन की व्यक्तियों भी अवधि बाद में समाप्त हाती हो। क मध्य व्यक्तिक व्यक्तियों में से किसी स्वस्ति वृवारा:
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा नेभाहस्ताक्षरी के पास जिचित में किए जा सकेंगे।

क्याक्टीकरण: ---इसमों प्रयास शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क से परिकारित हो वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हो.

वमुस्ची

भूमि एकड़ 11.58 हैं जो ग्राम विम्तरा, कटनी सें स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म न० 37-जी में निहित है तथा ग्रन्तरिती द्वारा सत्यापित किया गया है।

> एस० सी० **श**र्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर फ्रायुक्त निरीक्षण) स्रजंन रेंज, भोषाल

तारीख: 9-9-1985

मोहर 🗅

प्ररूप आहाँ. टी. एन. एस. - - -

भागकर आंधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 भ(1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीकण) अर्जन रेंज भोपःल

भोपाल दिनाँक 9 सितम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी० अजन/भोपाल/ 5905— अतः मुझे, एस० सी० शर्मा प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे है निक्यान करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य

का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित धाजीर मृत्य बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है, तथा जो ग्राम बिम्तर लिखा है) और इससे उपाधव ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, कटनी में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जनवरी 1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एंसे इश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिभात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और (अंत-रितियाँ) के बीज एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल मिन्मलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप रूप से अधिक नहीं किया नका है दूर-

- (क, अन्तरण स हुई किसी आय की बाबत उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अस्तरक के दायित्व मों किसी करने या उससे अचने मों सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बाल्सियी को जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए।

बतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के अन्तरण भी, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीत जिस्तिकति व्यक्तियों, अर्थातः---

- (1) मेसर्स एम० पी० लाईन वक्सं नि०-784 नेपियर टाउन जबलपुर, श्री एनेउद्दोन एवं श्रीमिन श्रपरा वेगम भागीदार। (श्रन्तरुक)
- (2) श्री जमना प्रसाद व मिश्रा जगमोहन प्रसाद मिश्रा पिता श्री माणक जी, कटनी

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हो।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बर्गी व्यक्तिता पर सूचना का तार्माल से 30 दन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृश्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा,
- (ख) इस सूचना को राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मो हिस- बद्ध कियों अन्य न्यान्त द्वारा अधांहस्ताक्षरी के पास लिखित मो किए जा सकींगे।

स्वष्टीकरण :— इसमा प्रपृत्तत शब्दा अहर प्रशा का, जा उक्त विभिनियम, के अध्याय 20-क मा परिभाषिक है, वहीं वर्ष होगा, जा उस अध्याय मा दिया गया है।

श्रनुसूची

भूमी खनरा ्नं० 25/1क, 26/1, मौजा बिम्तरा, जिला कटनी में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण श्रन्तरिती द्वारा सत्यातिष फार्म नं० 37 जी में निहित है।

एस० सी०शर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुजन रेज भोषाल

दिनोक : 9-9-1985

मोहर 😗

प्ररूप बाई. टी. एन. एव.-----

कार्यका अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन सूचना

मार्क बरकार

भाषां नय, सहायक शायकर नायकत (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, भौवाल

भोताल, दिनाँक १ भितम्बर 1985

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/ 5913----ग्रतः मुझे, एस० सी० शर्मा,

काशकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें हमके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वात करने का कारण हैं कि स्थानर संपरित, विस्का उचित वाचार मूक्य 100,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी मं० कुपि भूमि खनरा नं० 2, है तथा जो ग्राम देवड़ा तहसोल जगदलपुर जिला बस्तर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रानुत्रूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, जगदलपुर में रिनस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम,

1908 (1908 का 16) के श्रधीन , तारीख जनवरी, 1985 को प्रविक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दरममान न तफल के लिए अन्तरित का गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त समपत्ति का उचित बाजार मृत्य, असके द्रश्यमान प्रतिफल सो, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अतरिती (अन्तरितों) के बीच एसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रति-क्त निम्निनित उद्दर्भय से उच्छ अन्तरण भिष्य में अस्तरिक ए से किथान नहीं किया गया हैं—

- (क) जन्तरूप ते हुई किसी बाब की बाबत, उबक ब्रिविश्व के बंधीन कर दोने के बन्तरक के द्यावरण में कभी करने वा उससे बचने में सुविधा के सिष्; बीर/वा
- (क) श्रेसी किसी साम था किसी थन या अन्य अमिस्तर्भें का, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या थन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविध, है किए;

मतः सब उनत अधिनियम की बाद 269-न में अनुसरण मं, भं, ज्यत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखत व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री प्रताप कोठारी पिता गंगाराम कोठारी निवासी-सारपाल, जगदलपुर-तहसील जिला-बस्तर।

(ग्रन्तरक)

(2) बस्तर सेवक मंजील, जगदलपुर द्वारा ग्रध्यक्ष जीजोसफ कुठेनेकल, जगदलपुर, जिला-बस्तर।

(भ्रन्तरिती)

भा सह स्थाना जारी करके प्यामिश सम्मत्ति के नर्थन के किर कार्यवाहियां करता हुए।

डक्ट सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रेप:---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की बनीब ना ब्रह्मिनची व्यक्तिमाँ पूड़ सूचना की तातीब से 30 दिन की समित, जो भी बनीब नाव में तनाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों का व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस स्वात के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच चे 45 दिन के भीतर अनत स्थादर क्यांति में हितवब्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकरी के पास तिस्ति में किए वा क्केंगे।

स्वक्षीकरण:--- इवने ज्युक्त बच्चों सेड एवं सा है क्या की विकास की सम्मान 20-क में परिभाषित ही, वही वर्ष होगा को उस मध्याय में विकास क्या है।

प्रमुसूची

.भूमि खसरा नं० 2, ग्राम देवड़ा तह० जगदलपुर जिला बस्तर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण श्रन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37 जी में निहित है।

> एस० सी० धर्मा सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकरुग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 9-9-1985

प्ररूप आई.दी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यानय, सदायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 सितम्बर 1985

निर्देश मं० आई० ए० मी०/अर्जन/भोपाल 5914—यतः, मुझे, एस० सी० धर्मा,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० भूमि एरिया 2.5 है, तथा जो रतनपुर में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद्ध अनुमूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोषाल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1985

को पूर्वेवित सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के एरयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके एरयमान प्रतिफल से, ऐसे एरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रशिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उच्चेरय से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की, बाबस, उक्स श्रीधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अव अक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसिश्चित व्यक्तियों, अधित :— श्री बोंदर सिंह आत्म ग श्री भोरजी पनवार, रतनपूर, सङ्क, फंदा

(अन्तरक)

- 2. (1) श्री बीठ केठ दवेआत्मज श्री जेठ एसठ दने, निवारी बबरिया फाटक हटा, जिला दामोह,
 - (2) श्री संतोषपंड्या, रोखहटा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की उविभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इससूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मंपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताकृरी के पास लिखित में किए जा सकिय।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

भूमि एरिया 2.5 है, जो रतनपुर रोड़ फंदा में स्थित है यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37-जी में निहित है।

> एस० सी० शर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपास

नारीख : 9-9-1985

प्रक्ष्य बाइं, टाः, एन . एव . -----

बायकर मिनियम 1961 (1961 का 43) की 269-म (1) के अभीत सुमना

भारत बुरकार

कार्यालय, सहायक वायकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 सितम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोषाल—-श्रदः, 5915 मुझे, एस० सी० शर्मा,

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्तत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. सं अभिक हैं

भीर जिसकी संश्कृषि भूमि ख० नं० 3, 16 एकड़ है, तथा जो प्राम सौरपाल, देव रोड़ा तह० जगदलपुर में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जगदलपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख जनवरी, 1985

का पृत्रांतित मंगीति क गिलित बाजार मृत्य म कम क दश्यमान शितफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान शितफल से, ऐसे दश्यमान शितफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किसा गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बावत, उभक्ष अधिनियम के अधीन कर दन के अन्तरक के शिवत्व में कमी करने या उत्तरे वचने में सुविधा के लिए, प्रोर/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या कन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्राजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, खिनाने में सुविधा के निए;

 अशः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण पा, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (१) के अधीन, निस्तिजित स्पिलयों, अर्थात :--- श्री बातादेवी कोठारी निवासी—-प्राम सीरपाल तह० जगदलपुर, जिला बस्तर

(अन्तरक)

 बस्तर सेवक मण्डल, जगदलपुर द्वारा अध्यक्ष श्री जोसफ कुंठुने कल, जगदलपुर, जिला बस्तर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यमाहियां करता हूं।

उनत संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों दर भूवना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी विधि याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उत्कत स्थावर संपरित में हिसबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पाव निकित में किए जा सकती।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त शासकर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याम में विया नवा है।

वन्स्यो

कृषि भृमि ख॰ नं॰ 3, ग्राम सीरपाल, देवरडा तह॰ जगदलपुर, जिला बस्तर में स्थित ई। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37-की में निहित है।

> एस० सी० शर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज, भोपाल

तारी**च** : 9-9-1985

क्ष्य बाह् . टी. एन . एस . -----

अंत्रकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन स्चना

भारत तरकार

कार्म शव, सहामक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, मोपाल

भोपाल, दिना अ 9 मितम्बर 1985

निर्देश सं० आई०ए०सी०/अर्जन/भोपात्र/5916——ऋतः, मुझे, एस०सी० शमा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसं इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाबार मृस्य 1,00,000/-छ. से अधिक हैं

भौर जिसकी मं० मकान नं० 700/9, प्लाट नं० 7 पर, मोदी हाउसिंग को० सोपायटी निमिटेड है, तथा जो ग्वारी गेष्ट (टैंगोर छे नगर), जबलपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रार पूर्ण कप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में रिचस्ट्रीकरण अधिनियम, (1908 का 16) के अधीन, ठारीख जनवरी, 1985

को पृथेक्त सम्पत्ति के उचित बाधार मूल्य से कव के जनजान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का वन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय वाका गया प्रतिफल, निम्नलिशित उद्वेश्य से उस्त अन्तरण किश्वित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की, बाबरा, उचरा अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमे बचने में सूबिधा के लिए; और/का
- (क) होती किसी नाय या किसी धन या अन्य जास्तिकों को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन- कर अधिनियम, वा धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, एक्ट अनिनिधम की धारा 269-ण के अनुसरण कें, भी, उदल अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (१) के क्यीस, रिप्पिनिखन व्यक्तिमाँ, अर्थात् प्र—

- 1. (1) श्रीमती च्यारानी देवी पत्नी श्री एस० बी० राय
 - (2) कमना भट्टाचार्य पत्नी श्री भन्नचार्य,
 - (3) मुभारां मु विकास शय पिता श्री एम० बी० शय
 - (4) सीतामंगुपिता श्री एस० बी० राय. निवासी—टैगोर नगर, जबलपुर। (अन्तरक)
- कर्नल पी० सी० बेनर्जी पिता स्व० जे० एन० बनर्जी मिलिट्री हास्पिटल, जबलपुर (बर्तमान सैनिक अस्पनाल मिलिट्री हास्पिटल बरेली)।

(अन्तरिती)

का यह सूचना चारी करके पूर्वीकत सम्बक्ति के अर्चन के चिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी अक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण तें प्रकाशन की तारीच से 45 पिन की अविध मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इसस्थना के राज्यक में प्रकाशन की लारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिलबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्लाक्षरी के पांच निस्ति में किए आ सक्षी।

स्यब्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को जक्त अधिनियम के अध्याय 20-का में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विका स्था हैं

अनुसूची

मकान नं ० 700/9, प्लाट नं ० 7 पर मोदी को ० हा उसिंग सोसायटी, रामपुर, खेटनगा, टैंगोर नगर, जबलपुर में स्थित है। यह वह स्थावर मम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37-जी में निहित है।

> एस० सी० शर्मा सक्षम प्राधिकारी महायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

नारीख: 9-9-1985

प्रकृष आहु^र . द्वी . एन . एव-----

भायफर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुभन

भारत तरकाडु

कार्याजय, तहायक नायकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 सितम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5917—यतः, मुझे, एस० सी० शर्मा,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं० भूमि न० 320/1, एरिया 4.31 एकर खाता न० 350 है, ताया जो ग्राम स्रोमागिर्द, तहसील बुरहानपुर में स्थित है (स्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बुरहानपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपत्ति का उचित् बाजार मूक्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतर्कों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य है उक्त जन्तरण मिनीखत में नास्तिविक रूप से किंगत नहीं किया गया है :—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त वरिधनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कनी करने वा उत्तते अवने में तृविधा के सिए; जीर/वा
- (ब) ऐसी किसी बाय या किसी धन या जन्य बास्तियां करे, जिन्हों भारतीय बायकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनयम, या धनकर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बंसरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने धा स्विधा के सिष्ट;

बत्तः अन्, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण बाँ, मीं, उक्त विधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) ुं क्रथीन, निम्हीलिखित व्यक्तियों, वर्धातु :----

- 1. (1) श्रीविडठल (2) भीका, (3) चम्पालाल
 - (4) निर्मला बाई (5) जमीदा बाई पिता तापीराम
 - (6) द्रौपदी बाई विधवा नापीराम महाजन आलमगंज, बुरहानपुर

(अन्तर्क)

- (ा) श्री जाए ≜जोहर पिता इस्माइलभाई सुकरी, निवासी इतवारा ब्रह्मनपुर
 - (2) श्री रतनलाल भैवरलाल माहेण्वरी, मनवारा बुरहानपुर
 - (3) श्री यशवन्त पिता माऊनचन्द सोर्लकी बुधवारा, ब्रह्मनपूर
 - (4) श्री ईश्वरदास ठाकुरदास मर्चेन्टस बुधवारा बुरहानपुर
 - (5) चन्द्रलाल कॉतिलाल सोर्लकी बुधवारा, बुरहानपुर,
 - (6) सी० छायादेवी पति ईश्वर दास बुरहानपुर,
 - (7) मधुसूदन घनश्यामदास सनवारा बुरहानपुर,
 - (8) रामस्वरूप पिता चांदमल चौधरी सनवारा बुरहानपुर,
 - (9) भीमकरण रतनलाल माहेण्वरी समवारा बुरहानपुर

(अन्तरिती)

को यह तूपना बारी करके प्यानित सम्पत्ति के वर्षन के सिथ कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

बक्त संपरित के वर्जन के सम्बन्ध में कांध्रें भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब ते 45 दिन की वर्वीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामीस से 30 दिन की वर्वीध, जो और वर्वीध बाद में समाप्त होती हो, के श्रीतर प्रविक्त स्थवित में से किसी व्यक्ति इवाहा;
- (क) इस स्थान के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीक श्री 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेष्ठस्ताक्षरी के पास विवित में किए जा सकोंगे।

स्वकाकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों गरि पर्वों का, जो उत्तर शिकितयम के अध्याय 20-क मां परिभाषित है, बही नर्थ हांगा जो उस अध्याय मो दिया मुना है।

ग्रनुसूची

कृषि भूमि ग्राम श्रौमागिर्द, तहसील बुरह्रानपुर जिसका खसरा नं ० 320/1 एरिया 4.31 एकड़ फ्राँर खाता नं ० 350 ।

> एस० मी० णर्मा सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज, भोपाल

तारीख: 13-9-1985

माहर:

ब्रह्म आई.टी.एन.एत.-----

जायकर मीधीन्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन स्वना

भारत सरकार फार्यालय, सष्टामक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोंपाल, दिनांक 9 सितम्बर, 1985

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/5925:--ग्रत: मुझे, एस० सी० शर्मा,

अधिकर अभिनिक्स, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अभीन सक्षत्र शाधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या तीन मंजिला एक मकान नं० 18 है, तथा जो व्यायामाणाला, उज्जैन में स्थिन है (और इससे उपाबद्ध असूनुची में और पूर्ण रुप से वर्णित है), रिजस्ट्री कर्त्ता अधिकारी के कार्यात्य, उज्जै। में रिजस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908का 16) के अधीन, जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्मिति को उचित बाजार मूल्य से कम के क्षयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि मधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, ऐसे इद्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितौ (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पामा गबा प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देषय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाग की, बावत, अक्त अभिनियम के जधीन कर बेने के अन्तरक कें दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/वा
- (का) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा कोंसिए;

अत: अब, उक्त अविनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) हे अधीन, रिक्निहिस क्यक्तियों, अर्थात :——
23— 96GI/85

1. श्रीमती क्कमणी बाई पत्ती मदन सिंह जी नीमामहाजन निवासी 8, व्यायामगाला, की गती, उज्जैन।

(भ्रन्तरक)

2. श्री जगदीश पुत्न देवी चन्द
2. प्रेमलता पत्ती जगदीश चन्द्र जी
निजासी खत्रीवाडा,
उज्जैन।

(अन्तरिती)

को बहु सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के कर्षन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सृष्मा की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाण होती हो, के भीतर पूर्विक्त ध्यक्तियों में किसी अवित द्वारा;
- (ख) इसस्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्नत स्थावर संपत्ति में हितवद्भ किसी जन्म व्यक्ति ह्यारा अपोहस्ताक्षरों के पांच लिखित में किए जा सकांगे।

स्पष्टीकरण :---६समें प्रयुक्त शब्दों और पर्दो का, जो उसत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होंग को उस अध्याय में दिया नया है:

जन्त् की

एक किला तींन मंजिना महान नम्बर 18, व्यायाम-णाला, इन्दौर में स्थित है।

> एस० मी० शर्मा, सक्षम प्राधिकारी सहायक्त भ्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोंपाल

तारीचा: 9-9-1985

प्ररूप आई .टी.एन.एस.-----

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यलय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

भ्रजीन रेंज भोपाल

भोपाल, दिनांक 19 सितम्बर, 1985

निवेष सं० ग्राई० ए० सी०/प्रर्जन/भोपाल/5926:—-श्रत: मुझे, एस० सी० शर्मा,

अप्रकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' यहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह त्रिष्ठास करने का यारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य

1,00,000/- फ. सं अधिक है

और जिसकी संख्या म्यु० नं 3 43 का भाग, है, तथा जो कोट गली कमांक 5, उज्जैत में स्थित हैं ्गौर इससे उमा बद्ध अनुमूकी में और पूर्ण इप से विणित हैं), रिकस्ट्रीकर्ता श्रिकारी के कार्यालय, उज्जैत में रिक्ट्रिकरण अधितयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1985 को पूर्वेक्त संपत्ति के उचित बाधार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अन्तरकाँ) और उन्तरिती (अन्तरितयाँ) के लीच एसे अन्तरण के लए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किया गया हैं:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरण के दायिए मों कभी करने या उससे बचने मों स्विधा के लिए: और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मदन लाल तिता मोती लाल जी निवासी गुदरी बाजार , उज्जैन।

(भ्रन्तरक्में)

 श्री दितेश चन्द्र पिना राधारमण पण्डया निवासी फीगंज,
 उज्जैन ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उद्भत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्मंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण : — इसमें प्रगुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

मकान म्युक्रमांक 43 का भाग, मोहल्ला काट गली क्रमांक 5, उज्जैन में स्थित हैं।

> एस० सी० वार्मा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोंपाल

तारीख: 9-9-19 85

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, भोंपाल

भोपाल, दिनांक 9 सितम्बर, 1985

निवासं काई० ए० सी०/प्रजैन/भोषात्र 5927:→स्रत: मुझे सेएस० सी० शर्मा,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम,' कहा गया है), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधिट बाजार मूल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या मकात म्यू० नं० 46/1 है, तथा जो विण्वविद्यालय मार्ग क्रमांक 1, उज्जैन में स्थिन है (और इससे उगाबद्ध प्रतुपुत्री में और पूर्ण द्धम से विकृत है), रजिस्ट्री कर्ता ध्रविकारी के कार्यालय, उज्जैन में रजिस्ट्रीकरण ध्रविन नियम, 1908 (1908 का 16) व ध्रधीन, तारीख जनवरी, 1985।

को प्वंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत स अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीव एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिंदित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) को अक्षेत्र, निम्हलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- मोहम्मद इदरीस पिता मोहम्मद ईसाक निवासी-349, कालियादेह गेट, उज्जैन सर्फ राज हुसैन पिता मोहम्मद ईसाक निवासी-349, कालिया देह गेट, उज्जैन।

(श्रन्तरक)

2. श्री रमेण चन्द्र पिता बाबूराम जी धार्य निवासी कार्तिक चौक, उज्जैन। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाष्ट्रियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हांगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

म्यु० मकान नं० 46/1, विश्व विद्यालय मार्ग, 1, उज्जैन में स्थित हैं। यह वह स्थावर सम्पत्ति हैं जिसका सम्पूर्ण विवरण श्रन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37 जी में निहित हैं।

> एस० सी० शर्मा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-, भोषास

तारीख 9--9-1985 मोहर १ प्रस्य आई.टा.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज भोपाल

भोगाल, दिनांक 9 सितम्बर, 1985

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/ब्रर्जन/भोषात ं 5 928:---श्रतः मुझे, एस० सी० फर्मा,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत 'धिनियम' कहा गया है) की धार 269-ल के अधीन रक्षम प्राधिकारों को यह विषयास करने का कारण है कि रजानन सम्पत्ति, जिल्ला उन्ति बाजार मूल्य 1,00,000/- कि. से अधिक है

और जिसकी रांख्या मूमि ख नं 1081 का मान है, तथा जो मौजा जिकरी जिला बेतूल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ना प्रधिकारी के कार्यालय, वेतूल में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, नारीख जनवरी, 1985 को पूर्वोक्त सम्मान के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकत के लिए अन्तरित को गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाल्येंक्त सम्मित का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकत से एसे दृश्यमान प्रतिकत का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त उन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण संहुई िकसी आध् की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे दक्षे में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 40) या उक्त अधिनियम, या अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भग, उक्त अधिनियम की भाग 269 के अन्यारण में, में, उक्त अधिनियम की भाग 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निमालिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- श्री जगन्नाथ प्रसत्द वर्मा बल्द रामदीन वर्मा निवासी-टिकरी तहसील व जिला बेतूल।
- श्रा नरेन्द्र नाथ भागव
 बल्द भोला नाथ भागव

निवासी बैतुल गंज जिला बैतुल।

(भ्रन्तरिती

(भन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाधन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हांती हो, के शीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शह लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त शस्त्रों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विसर गया ही।

ग्रनुसूची

भूमि ख नं 1081 का भाग, मौजा टिकरी जिला बैतूल में स्थित हैं। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण झन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37 जी में निहित हैं।

> एस० सी० मर्मा, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुश्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 9-9-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अभिन्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 सितम्बर, 1985

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्शन/भोपाल 5929---श्रतः मुखे, एस० सी० शर्मा

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह दिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

श्रीर जिसकी संव म्युव महारा नंव 32/241 है, हथा जो शिन्द्र की छात्रनः, महारानः नक्ष्मं/बाई रोड, लक्ष्कर में स्थित है (श्रीर इसक उपाबद्ध श्रनुभूषा में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रायक्षी श्रीधनार के वार्यावयः, खालियर में रिजस्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 सा 16) के श्रयंन ताराख जनवरा, 1985

को प्रविक्त सम्पत्ति के उच्चित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अर्तारत का गई है और मुक्ते यह विश्यास करने करने का कारण है कि यथा पूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्म. उसक दश्यमा। प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का प्रतिम्रत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने दा उससे बचने में स्विधा के लिए; अरेर/या
- (म) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना बाहिए था, छिपाने में तुबिधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:—— श्रा श्राप्त० जॉ० दाते,
 तिशसा एम० एल० बॅा०, रोड,
 लग्रर, ग्वालियर।

(अन्तरक)

 डा० उदय भोतले , निवासं: एम० एल० बं:० रोड, लक्कर, खालियर।

(ग्रन्तरिती)

कां यह मूचना जारी करके पूर्वोक्स संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिया करसा हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में बकावन की तारीस से 45 दिन का अवाध भा तत्सीबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि , जा भे अवधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के गम 45 दिन की अविधि या तत्से वंधी व्यक्ति में किए जा सके गे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकर अधिनियम, के अध्याय 2()-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याद में दियः गया है।

अन्स्वी

म्यु० माहान नं० 32/241, शिन्द्र की छावती, महारानी सानावा रोड, सरहर स्थानियर में स्थित है। यह यह स्थानर उसति हैं जिएक तस्पूर्ण विकरण प्रतिरंतक द्वारा अवस्थित फ़ार्म नम्बर 37-जी में निहित हैं।

> एस० वं.० जमी, सक्षम प्राधि हारी तहार आधारर आधुक्त (निराक्षण) अर्जन रेज, भोषाल

तार*ेखः ५*--9-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयक्टर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज,भोपाल

भोवाल, दिनां रु 9 सितम्बर, 1985

निदेश सं० ग्राई० ए० सा०/ग्रजन/भोगाल/5930:—-ग्रत मुझे, एक० सी अर्माः

भावकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें भश्कात 'उदत अधिनियम' वहा गया है), को भारा 269-स के अधीन सजन आधिकारी का, यह दिश्शक करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उभित बाजार मृत्य

1,00,000/- रा. से अधिक हैं

र्श्वेर विकास संख्या मालन एम० आई० जाई- 7 है, तथा जो ऋषि कालोना देवाल रोड, उन्जैन में स्थित है (श्रीर इसने उपाबढ़ अनुसूचा में और पूर्ण रूप के विकास है), रिजाल्या श्रिक्षा श्रिक्षा है कायित्य, उन्जन में किरसू - उरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान, तारीख जनवरी, 1985।

की पूर्वोक्स सम्पात के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रमान प्रतिकल के । अए वंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण ही कि सथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल में, एसे दश्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरिक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्का निश्मितिया उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक क्षम से की से मही किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ल) ऐसी किसी अय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर ऑधिनियम, या धन- कर ऑधिनियम, वा धन- कर ऑधिनियम, विश्वास, 1957 का 27) के प्रयोजनाथ अनारिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अर: अव, उरत अधिनयम की धारा 269-ग के अन्सरण भ, भी, उसत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क अधीन, किस्ति खेट अधिकतयीं, अर्थात् :--- श्रा रामेश्वर पितः मागःलानः गर्गः निवासः गोदा चौकः,
 उज्जैनः।

CONTRACTOR OF THE SECOND SECON

(भ्रन्तरक)

 श्रामता पुष्पा पनि श्रा प्रकाश चन्द्र जो माङल निकासा पाटनो बाजार, उज्जैन।

(मन्तरिता)

कां यह सूचना जारी करले पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के सिष् कार्ववाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अजन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप :--

- (क) इस मुखना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारौध से 45 दिन की अविधि या तररांबंधी व्यक्तियों पर सुधना की तामील से 30 दिन की कविध, जो भी अविधि बाद मो समाप्त होती हो , के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख की 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हित-वद्य किसी अन्य व्यक्ति द्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निविद्य मो किए जा सकींगे।

स्पटिकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-ही, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विभा गया ही।

वन्स्ची

भवन क्रमांक एम० ग्राई० जंकि ६०-७, ऋषि नगर कालोनों, देवाव रोड, उल्जैन में स्थित है।

> एउ० सी० सर्मा, सक्षान प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोंपाल

नारीख: 9-9-1985

माहर :

प्रकथ आहे. टी. एव. एख.-----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अधीन सुखना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) शर्जन रोंज भोषाल

भोंपाल, दिनांक 9 सितम्बर, 1985

निवेण सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल-5931—ग्रत: मुझे, एस० सी० शर्मा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पब्काण 'अवत अधिनियम' यहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सभम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00 000/- रुट पंजियत है

और यजिसकी सं अभूमि ख नं 159, 161 है, तथा जो ग्राम संबेरा में स्थित है (और इपते उपाबद्ध अतुसूची में और पूर्ण रूप में विजा है), रिजस्ट्रीकर्स अधिकारी के कार्यालय पेटलावद (झाब्रसा) में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उधित बाजार मृत्य में कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण को दि पराप्यविक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल में, एमें स्थानान प्रतिफल या पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंसरकारें) और अंतरिती (अन्तर्भात्रात्ता) के बीच एम अन्तर्भ को लए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निविति उद्देश्य से उक्त अन्तर्भ शिवित में सास्तिक रूप में किया नहीं किया क्या है दे—

- (क) अन्तरण म हुइ १८२मा अय को अन्तरक के अन्तरक के दावित्व में कमी करने वा उसते बचने जे सुविधा के जिए; बौर/मा
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय कायकर अधितियम, 1922 स्1922 का 11) या उक्त की किया में किया अधिकियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जन्म नेताल के किया जन्म की किया

असः क्षेत्र, उक्त अधिनियम, कौ भारा 269-क को अनुसरण मं भौ , जबस अधिनियम की धारा 269-क की उपधाना (1) अ स्परित्र निकलिसित व्यक्तियों, अवित्र क्षेत्र

- (1) 1 श्री भागीरथ
 - 2 रतन लाल पिजा साल चन्द मेहता जैन निवासी-बामिनयां परगना पेटलायद जिला सामुधा (प्रन्तरक)
- (1) 1. सुभाप चन्द्र,
 2 राजेन्द्र कुमारे पिता लखमी चन्द्र मिजा जैन
 निवासी करवड हाल मुकाम, 4,
 सावेरी बाजार, बम्बई।
 3. अशोक कुमार पिता लखमी चन्द्र मिजा जैन
 करवड तहसील पेटलावद जिला साबआ,
 धनेन्द्र कुमार दिता लखमी चन्द्र जैन निमजा
 निवासी-करवड हाल मकाम 4,
 सावेरी वाजार, बम्बई।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना अगरी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त ग्रम्पीला के अर्थन के सर्वन्ध में कोचे भी आक्षण :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख अ 45 दिन की कविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को अवधि जो भी अवधि बाद में समान्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त कालकारों में से जिसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्स में किन्य स्थावर सम्मित्स में किन्य स्थावर सभाहरताक्षरों के भार जिल्ला मों सिहर वा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: ---इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, को उस्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा को उस अध्याय में दिश गया है।

श्रनृयूची

भूमि खसरानं । 59, 161 ग्राम साँवेरा जटवारी हला। कमांक 1, परगना वेटनाबद (झाबग्रा) में स्थित हैं। यह वह स्थावर सम्पन्ति हैं जिसका सम्पूर्ण विवरण श्रन्तरिती द्वारा सत्यपित फार्म न० 37 जी में निहित है।

> एस० सी० शर्मा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोंपाल

तारीख: 9-9-1985

प्रारूप आइं.टी.एन.एस.-----

आयकर अभित्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय,, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज भोपाल

पोपाल, दिनांक 9 सितम्बर, 1985

सं० ई० ए० मी०/ग्रर्जन/भोंग्नाल 5932:- →ःतः मुझे, ए० सी० शर्मा,

बायकर. अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. में अधिक हैं

और जिसकी संख्या भूमि ख०नं० 65, 100, 102, 103, 104, 51, 226, 300 है, तथा जो ग्राम सावेर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची और पूर्ण रुप से विणन है रिजिस्ट्रीकरण ग्रिधिकारी के कार्यालय, पेटलाबाद (झाबुग्रा) में रिजिस्ट्रीकरण ग्रिधिकित्यम, 1908 1908 का 16 के श्रिधीन, तारीख जनवरी, 1985।

को पूनोकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गर्द है और मुफ्ते यह विश्वास करने का

कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एमे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिकात में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तो पाया गर्भा प्रतिफल, निक्तिविक्त उद्वरिय से उक्त अन्तरण विविक्त के बन्तिक कप से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त निध-निवय के वधीन कर दोने के अन्तरक के बाबित्य में कभी करने वा उससे बचने में वृष्टिया के निए, और/या
- (ख) ऐसी किसी आस या किसी धन या अन्य आस्तिया करों, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उवत अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ बन्दरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया धा का किया जाना चाहिए था. स्थिपने में सुविधा ने लिए;

अतः अधः, उपल अधिनियम की भारा 269-ग क वनुसरण में, में, उपल कथिनियम की भारा 269-ध की उपभारा (1) के वचीर निज्यतिकाल व्यक्तियां, प्रथात ----

- 1. 1. वजे चन्द्र ,
 - 2. भागीर्थ
 - 3, रसनलाल पिता लाल चन्द मेहता जैन निवासी बामनिया, परगना, पेटला वन्द जिला झाबुझा।

(भ्रन्तरक)

- श्री सुभाप चन्द्र पिता लखमी चन्द,
 राजेन्द्र कुमार पिता लखमी चन्द निमजा जैन निवासी करवड हाल मकाम 64, झावेर, तह० पेटलाबाद जिला झबुआ,
 - 4 धमेन्द्र कुमार पिता लखमी चन्द जैन निमजा निवासी करवड हाल मुकाम 64, झावेरी, झाजार। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यअर्सहर्मा करफा क्ष्मा ।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोर्ड भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी वा से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि माद में समाप्त होती हो, को भीतर पृश्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी स्पक्ति हुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 1.5 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हित-बंद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम निचित में फिए जा सकरेंगे।

स्यध्यीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही जर्भ होगा जो उस अध्याय में दिया कमा है।

अभूसुची

भूमि ख० सं० 65, 100, 102, 103, 104, 151, 226, 300 पाम सांवेर जिला आबुमा स्थित है यह बह स्थावर सम्पति हैं जिसका संम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्य पित फार्म नम्बर 37 जी में निहित हैं।

एस० सी० गर्मा, संभम-ग्रंत्रिकारी, सहायक ाग्रायकर द्यायुक्त निरीक्षण सर्जन रेंज भोंपाल,

तारीख: 9-9-1985

मोहरः

प्ररूप आइ.टी.एन.एस.-----

नाग्कर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के नधीन स्वना

भारत बरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायकत (निर्देशिक) ग्रर्जन रैंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 सितम्बर 1985

मं० श्राई० ए० सीं०/श्रर्जन/भोपाल 5933:—-श्रतः मुझे, एस० सीं० शर्मा,

नायक र सिंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके परवात 'उक्त मिंधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- स के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण \mathbf{r}^2 कि स्थावर सम्परित जिसका उचित बाजार मृल्य \mathbf{r} , 00, 000/- क. से अधिक हैं

और जिसकीं संख्या मकान स्यु नं० 49 का भाग है, तथा जो महात्मा गांधीं मार्ग वार्ड नं० 11, सनावद्य का नगर, ब्लाक वडवाह में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचीं में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीं ति श्रिधिवारीं के कार्यात्रय सनावद में रिजस्ट्रीं तथा श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारींख जनवरीं, 1985

को प्रोंक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के करमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने के कारण है कि वचाप्रोंक्त संपरित का उचित बाजार मृल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे व्यथमान प्रतिफल का गंदह प्रतिश्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया नया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कचित नहीं किया गया है धि—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाव की बाबत उक्त बिध-निवृत के बचीन कर दोने के बन्तरक के दावित्व में केनी करने वा उक्क दचने में सुनिधा के किए; बॉर/बा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय नामकर निधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त विधिनियम, या धन-कर निधिनियम, या धन-कर निधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए जा, सिधाने में सुनिधा के सिए;

- 1 श्री श्रमराजी पिता प्यतराम गुजर
- 2 जगन्नाथ पिता मीता राम गूजर
- 3 गोपीं लाल पिता सीता राम गुजर
- 4 गबरू पिता सीताराम गुजर
- 5 सुगान बाई पत्नीं सीताराम गुजर निवासीं खेड़ी तहसील बखवाहा।

(श्रम्तरक)

2 श्रीं हरींहरमा पिता मगनलाल साजी लाड महाजन कर्ता संयुक्त हिन्दू परिवार निवासीं श्रयूद खास तहसींल खंडवा।

(ग्रन्तरितीं)

को यह सूचना चारी करके पृशांक्त सम्मात्ति के नर्जन के निष् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मति के अर्चन के सम्मन्य में के वे भी नासंप्र---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र के प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्ष्री के पास विखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

मकान म्यु नं० 44 का भाग, ब्लाक बडवाहा नगर सनावर का नगर, महात्मा गांधीं मार्ग वार्ड नम्बर 11 में स्थित हैं। यह षह स्थावर सम्पति हैं जिसका सम्पूण विवरण ग्रन्तरिती द्वारा संस्यापित फार्म नं० 37 ग्रजी में मिहित हैं।

> एस० सीं० शर्मा सक्षम प्राधिकार सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रैंज, भोषाल

तारींख: 9-9-1985

प्रारूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यास्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 सितम्बर 1985

सं० ग्रई० ए० सीं०/ग्रजेंन/भोपाल 5934 -- ग्रत: मुझे, एस० सीं० गर्मा,

जायकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

ा,00,000/-रा. सं अधिक हं
और जिसकी संख्या मंगान नं० 400 हैं, तथा जो भवानीं
मार्ग, वार्ड नं० 9, मनावद में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध
प्रमुस्त्री में और पूर्ण रूप से विणित हैं रिजस्ट्रींकर्ता प्रधिनारी
के नार्यालय, सनावद में रिजस्ट्रींकरण प्रधिनियम, 1908
(1908 का 16) के प्रधीन, तारींख जनवरी, 1985
को पूर्वेक्स सम्परित के उचित बाजार मून्य से कम के स्थमान्
मिल्फल के लिए अन्तरित की गर्ड हैं और मुम्मे यह विश्वास
प्रतं का कारण है कि यथाप्वोंक्स सम्परित का उचित बाजार
मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का
पन्दह प्रतिचात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया
विकला, निम्नलिक्त उद्वोदय से उक्त अन्तरण लिक्कि
में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाव की बाबत उक्त लिय-नियम से अभीन कर दोने के बंतरक के बादित्य में कमी करने या उससे वचने में बृद्धिया के लिए; बीर/वा
- (च) ऐसी किसी जाब यह किसी धन या जन्य जास्तियों को, ज़िन्ह अरारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) जा उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, खिपाने में स्विधा जी लिए;

कतः वस, उक्त विधिनयम की भारा 269-ग के वनसरक में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1 डा० सोहन लाल कांसी राम, भवानी मार्ग मकान नं० 400, सनावद।

(श्रन्तरक)

 1. बाबू लाल पिता गोपाल जी गुजर,
 2. सुन्दर लाल पिता बाबू लाल जी गुजर,
 3. कडबाजी पिता बाबू लाल जी गुजर
 4. इन्दर लाल बाबू लाल
 प्रा० कर्ता माता गोदावरी बाई पित बाबू लाल गुजर सबका।

निवासी दसगांव टप्पा तहसील सनावद।

(भ्रन्तरितीं)

को यह स्थना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के भिष कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासीस से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सभाष्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के वास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्वयः किङ्कण्डः — इसमें प्रयुक्तः चन्यां नौर पदां का, वा अवस वीधनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं सर्थ होगा जो उस मध्याय में दिया गया है।

वनुसूची

सकान नं० 400, भवानी मार्ग, वार्ड नं० 9, सनाबद में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सप्पूर्ण विवरण प्रत्तरितीं द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37 जी में निहित हैं।

> एस० सी० धर्मा, मक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण स्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 9-9-1985 मोहर : प्रक्ष बाह् .टी.एन.एस. ------

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व् (1) के अभीन स्थवा

भारत तरकार

कार्याजय, सहायक भागकर भागवत (निडीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 सितम्बर, 1985

सं० ग्राई० ए० सीं०/ग्रर्जन/भोपाल 5935 — ग्रत मुझे, एस० सी० शर्मा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या भूमि खसरा नं० 131/3 है, तथा जो प्राम रेवतीं तहसींल सावर जिला इन्दौर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधींन, तारोख जनवरी, 1985

को पूर्वो क्स संपीत के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सर्पत्त का जीचत बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, एसे द्वयमान प्रतिफल का पन्छह् प्रतिशत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तथ पाना नवा प्रतिफल, निम्निलिखित उच्चरेस से उनत जन्तरण सिक्ति में सास्तिक रूप से कथिस नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुए किसी आय की बाबत, उक्त अधि-विभिन्निय से व्योग कर दोने के बन्दाट्रक के क्यित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के निष्र; व[र/वा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन वा बन्य बास्तिकों को, जिन्हें भारतीय बाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनग्रेट अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा औं तिस् ।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारत (1) भी अधीन, निम्निसिवित व्यक्तियों, अधीत :--

- श्रीमती अंजुला बाई पित कन्हैया लाल जीं सोनी निवासी 65, निवह बाजार, इन्धीर।
 (ग्रन्तरक)
- नरेन्द्र कुमार पिता मांगींलाल जी वाला निवासी खातेगां जिला देवास।
 (भ्रन्तरितीं)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन् के सिक्ष कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अविध , बा अध अविध बाद में समाप्त होती हो, के भौतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (व) इव सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीच तं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी मृत्य व्यक्ति द्वारा नभोहस्ताक्षरी के पाव सिचित में किए जा सकोंगे:

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त खब्बों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि ख॰ नं॰ 131/3 ग्राम रेवतीं तहसींल मावेर जिला इन्दौर में स्थित हैं।

> एस० सी० शर्मा, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज भोपाल,

तारींख : 9-9-19**B**5 मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रैंज, भोषाल

भोषाल, दिनांक 9 सितम्बर 1985

सं० आई० ए० सी'०/अर्जन/भोषाल 5936:---श्रत: मुझे, एस० सी'० णर्मा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन राक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपंति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक हैं
और जिसकीं संख्या भूमि सर्थे न० 172 हैं, तथा जो ग्राम
पिटणारा बदनाघर जिला धार में स्थित हैं (और इसमें उपबद्ध प्रमुक्तीं में और पूर्ण रूप में विणत हैं), रजिस्ट्रींकर्ता
ग्रिधिशारीं के कार्यालय, दनावर में रिजस्ट्रींकरण ग्रिधिनियम,
1908 (1908 ए। 16) के ग्रिधींन, तारीख जनवरीं,
1985

को पूर्णिक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उचत अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुए किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— श्री श्रनिल लुमार टुकराल,
 डायरेक्टर समिति मेटल्स लिमिटेड,
 ललवानी प्रेसरोड, भोषाल।

(भ्रन्तरकः)

 मैसर्स ओरसेको केमिक्ल्स प्राइवेट लिमिटेड 5, रामबाग, इन्दौर।

(भ्रन्तिन्तीं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत
- (ख) इंस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-षित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में . दिया गया ही।

अन्स्ची

भूमि सर्वे नं 172, ग्राम पिटबारा बदनावर जिला धार में स्थित हैं। यह वह स्थावर सम्पति है जिसका सम्पूर्ण विवरण श्रन्तिनीं द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37 जी में निहित है।

> एस० सी० णर्मा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज, भोषाल,

तारीख : 9-9-19**8**5 मोहर : प्ररूप आर्द. टी. एन. एव. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के अभीन स्पना

भारत तरकार

कार्याजन, उद्दारक नामकार नामुक्त (निर्दाकाय)

श्चर्जन रेंज, भीपाल भोपाल, दिनांक 9 सितम्बर 1985 निदेश गं० श्चाई० ए० सी० श्वर्जन/भोपाल/5937—स्रतः मुझे, एस० सी० शर्मा

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (निसं इसमें इसकों परवात् 'उनत अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित्र काजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० भूमि है तथा जो ग्राम एक्लदूना (दिगठ.न). में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीनर्ता ग्रिधिटार के लार्यालय, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908का 16) के श्रिधीन तारीख जनवरी, 1985

को पूर्वेदित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोदित संपरित का उचित आजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल के एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरक के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उन्तरक कन्तरक लिखत मन्तरक लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) नंबरण से हुई किसी नाम की नावत, उनत निधिनियम के जभीन कर दोने के अन्तरक वें दायित्य में कमी करने ना उससे नचने में सुविधा के निए; बौर/धा
- (व) एसी किसी साम या किसी धन या अन्य आस्तियों की चिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

सतः जब, अक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मे, भैं, अक्त अभिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अभीत, निम्नतिसित व्यक्तियों, सर्भात:— (1) श्रीमिती भूरीबाई पत्नी श्री गंगा राम कुरूमी। निवासी ग्राम एकलदूना (दिगठान) ।

श्रन्तरक)

(2) मैं० इन्दौर प्रा० लिमिटेड, फ़ारेन लिकस डायरेक्टर : श्री एम० एम० नेवेटिया, इन्दौर ।

(স্থন

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त संपरित के अर्थन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारित से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुगरा,
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपति मेथे हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

ह्मक्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गवा है।

धन्स्ची

भूमि ग्राम एकलडूना (दिगठान) जिला इन्दौर में स्थित है ।

> एंस० मी० धर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोप ।ल

तारीख: 9-9-1985

श्**रूप बाइ**्च टी. एन्. एस.-----

नायुकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म् (1) के न्भीत स्माना

शास्त प्रकृत

भागांसय, सहायक नायकर नानुक्त (निरीक्षक)

ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 सिसम्बर 1985

निदेश सं० श्राई० ए० सी० श्राजन/भोपाल/३९३८—श्रतः गं,एस० सी० शर्मा

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (भिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अभिनियम कहा गया है) की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राभिकारी को, वह यिक्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाचार मृन्यू 1,00,000-ए. से अभिक है

ग्रीर जिसकी सं भक्तीन म्यु नं 157 (1) है सथा जो जवाहरा मार्ग, रतलाम स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध ग्रानुभूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, रतलाम में रजिस्ट्री करण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रामीन तारीख जनवरी, 1985

को प्रविक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्रविक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तब वाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वर्षय से उच्त अन्तरण जिल्ला में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तद्रभ वे हुइ किसी बाब की पावल, उनक विधितिसक के स्थीत कर दोने के बन्तरक के बादिए में कनी करने वा उससे द्वाने में सुविधा के निष्; बाद/या
- (क) प्रेसी किसी लाय या किसी भन या जन्य आस्तियाँ की, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरती ब्वास प्रकट नहीं किया गया वा सा किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के सिए;

अतः अज़, उक्त अधिनियम की धारा 269-न को अन्तर्भ मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीर किम्निस्तिक्त स्थितकों, अर्थात् ः— (1) श्रो तनसुखलाल पिता श्रोमती सौभ ग्यमल जी तलाटी, सरस्वती भवन फीगंज, उज्जैन।

(भ्रन्सरिती)

(2) श्रीमती रईशवानों पति श्री जाकिर हुसैन जी, खदीजा मंजिल, स्टेशन रोड, रतलाम।

(भ्रन्तरिती)

को यह तृषना बारी करकें पूर्वोक्त संपरित के वर्षन के सिव्ध कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उभव कम्परित के मर्चन के संबंध में कीई भी नाक्षेप :---

- (क) इस ब्यान के रायपम में प्रकाशन की तारीय से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामीन से 30 दिन की अविध, यो भी जबिश वाद में तमाप्त होती हो, के भीत्र प्रवेचित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियों;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकायन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ह्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निविद्य में किए वा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया न्या है।

मनुसूची

मकान म्युं नं 185 (1), जबाहर मार्ग, इन्दौर में स्थित हैं। यह वह स्थावर सम्पत्ति हैं जिसका सम्पूर्ण विवरण श्रन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं 37 जं में निहित हैं।

एस० मी० शर्मा सक्ष प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

सारीख: 9-9-1985

मोहर 🛭

प्रस्थ मार्च दी, एव ु एव .-----

नावकाः नुभिनियमः, 1961 (1961 का 43) की पारः 269-च् (1) के नभीन सूचना

भारत चडुकाह

कार्याक्रम, सहामक नामकार नामुक्त (निरीक्क)

भ्रजंन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 9 सितम्बर 1985 निदेश सं० श्राई० ए० सी०/भ्रजंन/भोपाल/5939—-श्रतः मुझे, एस० सी० धर्मा

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का 'कारण है कि स्थावर संवीता जिसका उचित वावार मृस्व 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० (नई भृषि) प्लाट नं० 92 का प्लाट है तथा जो अग्रवाल नगर, इन्दौर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबड़ ग्रनुसुची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिपर्ट दर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रिजर्ट्र वरण ग्रिधिनिरम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तार्र ख जनवरी, 1985

को पूर्वों कत सम्पर्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मृज्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से, हो क्रयमान प्रतिफल का पन्तक प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अल्लारितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया मया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त जन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण वे हुई फिसी बाय की वायत उक्त बीध-नियम के अधीन कर दोने भी अन्तरक के दावित्य में कमी करने वा उक्की वजने में स्वीधभाषी जिल्हा बीद/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी भन या बन्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर बिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिमाने में सुविभा के लिए;

बतः भग, उत्रत निभिनियम, की भारा 269-ग भी बन्दरण में, मैं उत्रत निभिन्यम की भारा 269-च की उपभारा (1) के नभीन, निम्नीलीयत न्यक्तिपाँ,, नथाँत् ड—

- (1) श्रं। जगदीशचन्द पिता श्रं। मूलचन्द जीश्रंटालियाः निवासीः 52, श्रद्धानन्द मार्गः, (छावनोः), इन्दौरः।
- श्रोमती हेमलता पित श्री पुलाबचन्द शाह, निवासी 132, स्तेह नगर, इन्दौर।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी-धाक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति :
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्थव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया वदा है।

अनुसूची

(नई भुमि) यहां पर प्लाट नं 92 का प्लाट, श्रग्रवाल नगर, इन्दौर में स्थित है यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण भन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं 37 जी में निहित है।

> एस० सी० णर्मा श्वक्षम प्रधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण) श्रुजन रेंज, भोपाल

तारीखा: 9-9-1985

प्ररूप आर्इ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सुकता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 सितम्बर 1985

निदेश मं० ग्राई० ए० मो०/ग्रर्जन/भोपाल/5940//ग्रत. मुझे, एस० मो० शर्मा

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इसमें इसके पश्चात 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति विसका उचित वाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 4 है तथा जो श्री राम नगर कालोनी, केसरवाग रोड, इन्दौर में स्थित है (ग्रीर इससे उपावड श्रतुसूची में श्रीर पूर्ण कम ने ग्रीगत है), रजिस्ट्रोकर्ता श्रिधकारी के कार्यानय, इन्दौर में रजिस्ट्रोकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधान, तारीख जनवरी,

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मून्य है कम के स्थामन प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उचित बाजार मून्य, उसके सम्मान प्रतिफल से, ए'से स्थामन प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ए'से जन्तरण के लिए तय पाया गवा प्रति-फल निम्निलिशत उद्वेश्य से उक्त जन्तरण सिचित में बास्त-विक क्य से कथित नहीं किया गवा है ह—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बायत उक्त आध-नियस के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अचने में सविधा के लिए; वरि/वा
- (क) एकी किसी जाव वा किसी भग वा अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जाव-कर ज़ीभनिषम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अभिनियम, या भव-कर अभिनियम, या भव-कर अभिनियम, या भव-कर अभिनियम, विशेष उत्तर (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, जिनाने में सुविधा के लिए;

सत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण औ. मैं, उक्त सिधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) ले सधीन, निम्नलिखित स्थिनितयों संघति ६—— (1) श्री मोहन लाल पिता श्री हरिशंकर मिश्र , 9 लाड कालोनो, इ**न्दौ**र ।

(ग्रन्तरक

(2) श्रीमती सरला देवी पति
श्री राजेनद्र नुमार गांधी,
निवासी 4/3, नार्थ राज भोहल्ला, इन्दौर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हूं।

उक्त सम्परित के डर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए वा सकींगे।

स्पव्यक्तिरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गवा हैं।

अनुसूची

प्लाट नं० 4, श्रोराम नगर कालोनी, केसरबाग रोड, इन्दौर में स्थित है ।

> एस० सी० शर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर भ्रायुक्त (निरक्षिण) भ्रजन रेंज, भोपाल

तारीख : 9-9-1985

मोहर

प्ररूप आहें. टी. एन ु एस प्रान्तान

नाध भर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-म (1) के मधीन स्वना

नारत सहस्रार

कार्यासय,- सह्ययक आयकर आकृत्त (निरीकाण)-अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 16 सितम्बर 1985

निर्देश सं० श्राई० ए० सी० /श्रर्जन/भोपाल/5941— श्रदाः मुक्षे, एस० सी.० शर्मा

ग्रीर जिसकी संव पलैट नंव 3 है तथा जो शेठ अपार्टमेंट, कैलाश पार्क कालोनी, इन्बीर में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अन्सूची में भीर पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय, इन्दीर में रिजस्ट्रीकरण ग्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रीधन, तारीख जनवरी, 1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम को दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, सक्के क्रयमान प्रतिकल है, एस क्रयमान प्रविक्त का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरिक्यों) के नीच एसे जेतरण के बिए दक् पान क्या बातपक, निम्निसिक्त ब्रुक्किय से बनत अंतरण कि बिक्त में क्रायम से कि बिक्त में क्या सवा है:---

- (क) जीवरण ते हुई जिल्ली वाथ की बावदा, अवक जीविनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक की बायित्व में कभी करने या उक्क बच्चने में मुणिया के लिए; बाद/धा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तिकों की, चिन्हों भारतीय जायकर जीवीनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जीवीनयम या धनकर जीवीनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बंदिरती ब्वारा प्रकट नहीं सिवा बना मा किया जाना चाहिए वा कियाने जे स्वीवधा के किए,

वतः। शव, अवत वाभिनियम की भारा 269-म के वनुवरन हों, हों, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (१) को अधीन जिस्तिविक्त व्यक्तियों, अर्थात् :—— 25—296GI|85 (1) श्री बल्लभ दास मगन लाल सेठ, द्वारा बैंक श्राफ बौदा, मेन ग्रांच, बड़ौदा ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शकुन्तला पत्नी श्री कृष्ण कांत सेठ, सेठ भ्रपार्टभेंट, कैलाश पार्क, कालोनी, इस्देर ।

(ग्रन्तरिती)

भौ: कह-सुकामा भारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के तिथ् कार्यवाहियां करता हुं।

बक्त ह्राक्सरित को सर्ज्य को सम्बन्ध को कोड़ी की व्यक्तिप ः---

- ्रिक्षे हुक् सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारींच हैं
 45 किन की जबीध मा तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 कूचना की ताजीस से 30 दिन की अवधि, जो भी
 कक्षिण्याव में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त
 ध्यक्रिस्त्रों में के किसी व्यक्तित व्यक्तिस्
- (क) इत सुमना के राजपत्र को प्रकाशन की तारील ह 45 दिन को भीति र उपनि स्थापर १०० ता थीं हित-वर्ष किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के राष्ट्र किसित को स्थित का सकति ।

रचारिका :---इसर्वे प्रश्वत सन्यों और पदों का, जो उक्त निध-निवस के नध्याय 20-क में परिभाषित हैं। है, वहीं नर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या नवा हैं ते!

ग्रनुमूचो

फ्लैट नं 3 सेठ ग्रपार्टमेंट, कैलाश पार्क कालोनी, इन्दौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है, जिसका सम्पूर्ण विवरण ग्रन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं 37-जी में निहित है।

> एस० सी० शर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारी**ख** : 16-9-1985

मोहर 🛭

प्ररूप बार्ड टी. एन एस .-----

आयकर । प्रिंक्सिम, 1961 (1961 का 43) की

भारत 269-च के अभीत स्चना भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 सितम्बर 1985

निर्देश सं० म्राई० ए० सी० /म्रर्जन/भोपाल/5942--- मतः

मुझे, एस० सी० शर्मा

आयकर अधिनिर्धि, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके किता कि उद्धार अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.,00,000/- र . सं अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 7 सी, सेठ ग्रपार्टमेंट फ्लैट नं० 4, है तथा जो कैलाए पार्क कालोनी, इन्दौर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है (रिजस्ट्रीकर्ती ग्रिधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जनवरी, 1985

को पूर्वेक्ति सम्प्रीत के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्यास करने का जारण है कि यथापूर्वेक्त सम्प्रित का उचित बाजार मूल्य, असके रह मान प्रतिफल से एसे रहयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिभात स अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरित (अन्तरित्यों) व बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलि खित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिख्ति में बास्तविक रूप से कर्षमा महीं किया गया है :——

(क्षं) अन्तरण सं हुई किसी आयः की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/था

202

(क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह अगरतीय आयकर मिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अस, उकत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—- (1) श्री वल्लभ दास पिता श्री मगन लाल सेठ, निवासी बैंक ऑफ इण्डिया, मेन ब्रांच, बड़ौड़ा (गुजरात)।

(मन्तरक)

.(2) श्री किर्ति कांत पिता श्री विदुल दास मेठ, 7-सी, मेठ भ्रपार्टमेंट्स, कैलाम पार्ककालोनी, इन्दौर ।

(बन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूच्छा के रयजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पार में हितााव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकींग।

स्यब्दीकरण :---इसमें प्रयुक्त झादों और पवों का, जो उक्त अधिनिधम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा गया है।

ग्रनुसुची

प्लाट नं० 7 सी फ्लैट नं० 4, शोठ श्रपार्टमेंट्स, कैलाश पार्क कालोनी, इन्दौर में स्थित हैं ।

> एस० सी० शर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक झायकर ज्ञायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, भोपाल

तारीख: 9-9-1985

बच्द बार्ड . दी . हन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासक, सहायक बायकर बायुक्त (निराक्षण)

धर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 सितम्बर 1985

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोषाल/ 5945—-ग्रतः मुझे, एस० सी० शर्मा

प्रावकर अभिनिवन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें पश्चात् 'उनत अभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अभीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उधित वाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० भूमि खसरा नं० 72, 73 है तथा जो ग्राम बिचीली हप्सी, कनाडिया के पास, इन्दौर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी, 1985

वि वृत्तित संस्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान वित्तिक के लिए अंतरित की गई है और मृत्र यह विद्वास करने का कारण है कि स्थानुवाँक्त संपत्ति का उचित बाजार दृष्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रमुद्ध प्रतिकृत से स्विक है और अन्तर्क (अन्तर्कों) भीर सन्तरिक्षी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे सन्तरिक के लिए तय पावा नवा प्रति-क्य विक्वितियों) के दिन ऐसे सन्तरिक किया ग्या है:—

- (क) वंतरण से हुई किसी बाय की वावत, उक्त विधिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सृविधा के विष्; वौर/वा
- (थ) एसी किसी नाय या किसी भन या अन्य जास्तियों की, जिल्हें भारतीय भागकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरती बुवारा प्रकट नहीं निभाग्या था या किया भागा चार्या किया के सिष्

कतः वकः, तक्त किपिनियम की भारा 269-ग के अनुवरण का, मी, उकत अधिनियम की धारा 269-च की उपलास (1) व अधीन, निस्तिवित व्यक्तियाँ, अधीत् ६—ः (1) श्री जयराम पिता श्री राम जी निवासी बिचौली हप्सी, कनाडिया के पास, इन्दौर ।

(ग्रन्सरक)

(2) महाराजा भारतेन्द्र सिंह पिता स्व० एच० एच० यशोधर सिंह, निवासी खिलजीपुर नया 100/2, साकेत, नगर इन्बौर ।

(ब्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्पन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की बब्धि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर बूचना की ताबील से 30 दिन की बब्धि, जो भी अब्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकोंगे।

स्वव्यक्तिरण:--- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विश्वियम, के बभ्याय 20 के में यथा परिभाषित हैं, बही वर्ध होगा जो उस बभ्याद में दिया प्रवाह ।।

मन्स्ची

कृषि भूगि खसरा नं० 72 एवं 73 ग्राम बिचौनी हन्सी, कनाडिया के गस, जिला इन्दौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण श्रन्तरिती द्वारा मत्यापित फार्म नं० 37-जी में निहित है।

> एस० सी० शर्मा मक्षम शाधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निर्राक्षण) श्रजैत रेंज, भोगाल

तारीख : 9-9-1985

प्रकृप कार्ड की . एन . एड . -----

अध्यक्तर अधिनियम, 1961 (1961 मा 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुवमा

भौरत गरकार

भार्यालय, सहायक आयंकर आयुंकि (विधिनण) श्रर्जन रेंज, भोपाल भोगाल, दिनांक 9 सिसम्बर 1985

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भीपाल/ 5946—गतः
मुझे, एग० सी० शर्मा
शादक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) विसं इतमें
इसके इजात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा
269-ा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को कह विश्वाह करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विस्ता उचित बाबार कुन

ग्रीर जिमकी सं० प्लाट नं० 144 है बना हुग्ना मकान है नथा जो विष्णुपुरी इनक्लेब, कालोनी, इन्दौर में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से बर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रिजिस्ट्रीकरण अधिक्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी, 1985

1,00,000/- रह. से अधिक **है**

को पूर्वाक्त सम्पासि के उचित बाजार मूल्य सं कम के कायबाम प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओं मह विश्वास करने का कारण हो कि मधा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है बार बंतरक (अंतरकाँ) और बंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एखें अस्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिकत, निम्मिशिषक उद्देश से उक्त अन्तरण निश्चित में बास्किक रूप से बन्धिक नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्सरण बे हुई किसी जाब की बाबत, उक्त अधिनियम के जभीन कर बंने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (ख) होती किसी आव का किसी भग का अस्य आस्तिकों कां, जिन्हों भारतीय जाय-कर विधिनियम, 1900 (1922 का 11) या उक्त जीभिनियम, या धनकर जीभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती त्वारा प्रकः नहीं किया गया या राज्या जाता चाहिए था, विध्याने में स्विधा से किहा,

शत नग, उसत अधिनियम की धारा 269-य को अनुभरन मों, में . उक्कर अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीर निम्नितियित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री मनोहर लाल पिता श्री गोविन्द राम जी बबलानी, निवासी 144, विष्णुपुरी एनेक्स कालीनी, इन्दौर ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमति सर्विन्दर कौर पती
श्री परमंजीत सिंह निवासी 960,
खाती वाला टैंक, इन्दौर ।
2. श्री मीतपाल सिंह पिता श्री गुरवयाल सिंह,
मिवासी 144, बी, प्रेमनगर, कालोनी, इन्दौर ।
(ग्रन्तरिती)

कोश्यहं सूर्यमा आरी कारके पूर्वीक्त सम्पत्ति की सर्थम की शिक्ष कॉर्यवाहियां करता हूं।

अंक्स तपिति के अर्जन के सर्वभ में कोई भी आक्षेप :---

- (का) इस स्वमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जनभि या तत्संबंधी व्यक्तिमों पद स्वाप्त की निर्मा पद स्वाप्त की अपिश्व की अपिश्व की अपिश्व प्रविक्त की अपिश्व की स्वाप्त होती हो, से भीतार प्रविक्त किसी स्वाप्त कुंगाया;
- (च) इत सूचना के राज्यन में प्रकाशन की ताणींच सी
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिनड
 ेकसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्त अरी के पाड
 निवित में किए था सकोंगे।

स्युष्टीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों जीए पदों का, को उक्त जिथिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया भया है।

यगत्त्रपी

प्लाट नं० 144 पर बना हुम्ना मकान विष्णुपुरी कालोनी, इन्दौर में स्थित हैं ।

> एस० सी० भर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, भोपास

तारीख : 9-9-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

बारत सुरकाइ

कार्यालय, सहायक आयकर बाय्क्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भोषाल भोपाल, दिनांंं 9 सितम्बर 1985

निर्देश सं० ग्राई०ए०सी०/ग्रर्जन/भोपाल/5947-- ग्रतः मुझे, एस० सी० शर्मा

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-व के अधीन सक्षम प्रधिकारों की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिसका सं० प्लाट नं० 38 पर बना दुम्रा मकान दो मंजिला है तथा जो काटजू कालोना, इन्दोर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रानुसूचों में ग्रौर पूर्ण रूप के विणित है), रिजिस्ट्रोक्ती मधिकार्य के कार्यालय, उन्दोर में रिजर्ट्र इ.ण. मधिकार्य के कार्यालय, उन्दोर में रिजर्ट्र इ.ण. मधिकार्य, 1908 (1908 जा 16) के प्रवोन तार्राख जनवरी, 1985

की पूर्वेक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य र कम के स्थ्यमान प्रतिफरा के लिए अंतरित की गई और मुभे यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थापुबोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एंसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वास से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तस पाया गया प्रतिफार, निम्नेलिखित उद्देश्यों से उवस कन्तरण निखित में बारितियों के स्थाप नहीं किया गया है —

- (हा) अन्तरण से हर्ड़ किसी हाय कर बादत, उक्त प्रीधित्यम के अधीन अप बाने के जन्तरक के दाणित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निष्; बॉर/बा
- (क) एसे किसी आय प ितारी यस या तत्य अस्तियों सो, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उन्ते अधिनियम, या अस-कर अधिनियम, या अस-कर अधिनियम, या अस-कर अधिनियम, 1957 (1∋57 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं िकया ग्या था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में स्विधा के लिए;

बतः अव, उथल ब्राधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरम में, में, अक्ल अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) श्री मनोहर लाल पिता श्री व्यवहारी मलजी, श्री नारायण दास पिता श्री व्यवहार मलजी, निवासी सिन्धू नगर, इन्दौर ।

(अन्तरक)

(2) श्री घनश्याम दास पिता श्रीचन्द जी व श्रीमती कमलाबाई पति श्री घनश्याम दासजी, निव० मकान नं 38,काटजू कालोनी, इन्दौर ।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के तिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीय वे 45 दिन की अवधि या तत्सीकेशी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, वो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वाद्ध;
- (ब) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के गक्क लिखत में किए वा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्द्यी

प्लाट नं० 38 पर बना हुम्रा मकान दो, मंजिला, काटज् कारोोनी, इन्दौर में स्थित है ।

> एस० सी० शर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेज, भोपाल

तारीख : 9-9-1985 मोहर : प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 सितम्बर 1985

निर्वेश सं० ग्राई० ए० सी०/भ्रजन/भोपाल/5948---भ्रतः मुझे एस० सी० शर्मा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्ब 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिल्ला सं व्याट नं 72 है तथा जो जानकी नगर, एक्सटेंकन, इन्दौर में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूर्वा में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता भिधकारी के कार्यालय इन्दौर में रजिस्ट्रोकरण भिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भधान, तारीख जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्ववमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते गह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धनकर अधिनयम, या धनकर अधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रोमती मुनीता चोपड़ा पत्नी श्री इन्द्रमोहन चोपड़ा निवासी 10/2. उपागंज, इन्दौर ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती गंगा देवी पत्नी श्री मदन मोहन पाठक देतिया।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि जोद मो समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्ति वृदारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ग किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्याक्षरी के पास विखित में किए जा सकोंगे।

स्यध्वीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 72, जानकी नगर एक्सटेंशन, इन्दीर में स्थित है ।

> एस० स**ा० शर्मा** सजम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्राय<mark>क्त ('नर्रःक्षण)</mark> श्रजन रेंज, 'गेपाल

सारीख : 9−9−1985

प्रकप् बाइं. टी. एन. एत.-----

नायकः विभिनियमः, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-व (1) के नभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यास्त, सहायक नायकर नायकत (निर्दाक्षण) प्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 सितम्बर 1985

निर्देश सं० भाई० ए० मी० /श्रर्जन/भोपाल/5949-- अतः मुझे, एस० सी० धर्मा

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके प्रचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), को धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० ध्लाट नं० 196 पर बना हुआ गोडाउन है तथा जो ट्रांप्रपोर्ट नगर, इन्दौर में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूत्रों में भौर पूर्ण कृत ने विणत है), रजिस्ट्रीवर्ता भशिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीतरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाबार मृश्य से कम के बह्यमाय प्रतिफल के लिए अन्तरित ही गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सस्परित का उचित बाबार मृत्य, उसके बह्यमान प्रतिफल से, एसे क्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तक्का) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय क्या प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं पाया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, **डक्स** अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (वा) ऐसी कियी जाय वा किसी थन या जन्म जास्तियी करे, जिन्ही भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया प्रा था था था था कियाने में सुविभा के सिक्षा

अत: अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुभरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, अर्थात :—

- (1) मैं जा एम द्रांसपोर्ट कम्पनी निवासी 196/1, द्रांसपोर्ट नगर, इन्दौर तरफ़े श्रोशाइटर श्री गुरमीस सिंह पिता बलवन्त सिंह निव० 162 एम० खातीवाला टैंक, इन्दौर में स्थित है।
 - (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती ब्रमीना पति ताहेर ग्रली (मालिक मै० ग्रमीना ट्रांसपोर्ट नगर, इन्दौर) ठिकाना 160/1, ट्रांसपोर्ट नगर, इन्दौर। (श्रन्सरिती)

को बहु सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिए कार्यवाहियां ए-रू करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी नाओप :---

- (क) इस स्वना के राज्यन में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविश्व या तत्सवंधी व्यक्तियों पद स्वना की तासीक से 30 दिन की व्यक्ति को भी व्यक्तियों में संगाप्त होती हो, के भीतर प्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इंगरा;
- (क) इच स्थान के प्रावपण में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के शीतह उक्त स्थानर सम्पत्ति में दिवनकृष किया का काम किया का स्थान का स्थान के पाड़ सिहित में किए का सकेंगे।

स्व्यक्तिरण: ---इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, वो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं कुर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ज्याद नं० 196 पर बना हुम्रा गोडाउन ट्रांसपोर्ट नगर, इन्बौर में स्थित है ।

> एस० सी० धार्मी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्प (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 9-9-1985

बोहर 🖫

एकप बार्ड ० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के ब्भीन सूचना भारत सरकार

कार्याक्षमः, तथ्रायकः आयकार आयुक्तः (निन्दीक्षण)

मर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 सिनम्बर 1985

निर्देश सं० घाई० ए० मी० /घर्जन/भोपाल/३९५० धराः मुझे, एस० सी० शर्मा

था¥कर अभिनियम 1961 (1961 क्वां43) (विसे इकके परवात् 'उक्त सधिनियम' व्यक्त गया 👸, व्यी पारा 269-च के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्कात करने का कार्य है कि स्थाबंद सम्बक्ति विक्रका उपित बाकार मुख्य 1,00,000/- स्त. से **व्यापक ह**ै

श्रीर जिसकी सं० भवन कमांक 128 है तथा जो विष्णुपुरी कालोनो, इन्दौर में स्थित है (भीर इससे उपावज्ञ अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्टोकर्ता खिंधकारी के कार्यासय इन्दौर में रिजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधोन नारोख जनवरी, 1985

को पूर्वेश्वित सम्पत्ति को उचित शाजार मूच्य हो कम को स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई ही और मूझे वह विश्वास कर: 🕾 कारण ही कि:यथाप्येक्ति सम्पत्ति का उभित 🖼 अः मुख्य, असके दश्यमान प्रतिकाल से एसे दश्यमान प्रतिकाल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिकस निम्नेलिबित उत्वरिय से उपत अन्तरण शिक्षित में भास्तविक रूप स कथित नहीं किया गया है:--

- (क) बन्तरून से हुई किसी बाय की बावड़, उनत वॉफ-नियम के बंबीन कर बने के बन्दरक के वायित्व में कभी कहने या उन्नते नचने में स्विधा के लिए; मीर/वा
- (क्र) एरेती किसी जान या किसी भन या शन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय अध्यकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या बक्त विशिविषय, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकाट वहाँ किया नशाबा वाकिया वाना चाहिए वा, क्रियाचे में स्विधा के लिए?

वतः अग, उक्त विधितियम की धारा 269-न के वन्तरण मं , प्रकत अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अभीष, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

- (1) डा० अन्दर्ग सिंह िता श्री भाग सिंह, निवासं। 128, विष्णुपुरी एनेक्स, इन्दौर । (श्रन्सरक)
- (2) श्रामतः रोची बाई पति श्री निमन लाल एवं श्री जिमन लाल पिता था टहलदास करमचन्दानी, 47, कुमावत्तपुरा, इन्दौर ।

(भ्रन्तरिती)

को वह स्वता जारी करके द्वेक्ति सञ्चरित के अर्थन के किए कार्यवाद्वियां करता हो।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इंड त्वना के राजपन में प्रकालन की तारीब है 45 विन की बनीय ना तत्संबंधी व्यक्तियों नुचनाकी तामीस से 30 दिन की बचीथा, जो और अविभ नाय के नमाप्त होती हो, से मौतर वृत्रोंकत न्थविसमां में से किसी न्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थना के राजपण में प्रकाशन की शारीय है 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में विजवस्थ किर्ण अन्य व्यक्ति ह्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निधित में किए जा सकेंगे।

लक्किरण ३--- इसमे प्रकृतस्य सन्दर्शनीर वद्यो का. यो उपह अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाणित हैं, वहीं नर्थं होगा जो उस जन्याय में दिया न्वा है।

म्बुची

भवन क्रमांक 128, विष्णुपुरी कालोनी, इन्दौर में स्थित है । यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिनका सम्पूर्ण विवरण श्रन्तरितो द्वारा सत्यापित फार्म 37 जी में निहित है।

> एस० सी० शर्मा सक्षम प्राधिकारी संहायक आयदार आय्क्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेज भोपाल

विमांक: 9-9-1985

मोहर 🤋

प्ररूप बाह्रे. टी. एन. **एस**.-----

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) को अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायकः वास्तरः वाय्वतः (निरीक्षणः) ग्रर्जन रेंज, भोषाल

भोपाल, हिनांक 9 भितमबर 1985

निदेश सं० म्राई०ए०मी०/श्रर्नन/भोषाल/5951---म्रतः मुझे, एस०मी० गर्धा

शायकः अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें देसकं पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या स्थ० मकाने नं० 7 है, तथा जो पिपली बाजार, इंदौर में स्थित हैं (और इससे उपाबद धनुसूचीं में और पूर्ण के रूप से पणित हैं) रिजस्ट्रीकर्मा प्रधिकारीं के आधितय. इंदौर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधितियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, कनचरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है

कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्य-मान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दृह प्रतिशत से अधिक ही और उन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए.सम पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्योध्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिबिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय का बाबत, उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उसमें बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (भा! एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्सियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर आधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्भ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं। किया रुपा था किया जाना चाहिए था व्यापने में प्राप्त विश्वा

चन. अब, अक्त विभिन्नयम की भारा 269-ग की जन्मरण गा, माँ उक्त विधिनियम की भारा 204-व की उपगारा (1) ेशीन भेगविचित्रक व्यक्तियों, व्यथित :—— 26—296GI|85 श्रीमती मुशींका रानीं नुष्ता पिता रामदयालजीं गुष्ता 2. सूदर्शन पिता स्व० रामदयालजीं गुष्ता, निवासीं → 1.0/4 मनोरमागंज, इंदौर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री कमल कुमार पिता शंकरलाल सोनीं, मनींथ कुमार पिता कमल कुमार, 62, महाबीर मार्ग, इंदौर।

(श्रन्सरितीं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं!।

उक्त सम्पत्ति को कर्णन को सम्बन्ध में कीई भी बालोप :----

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जनिभ या तत्सम्बन्धी स्पन्तियों पद स्वान की तामीस से 30 दिन की व्यक्ति, जो भी व्यक्ति याद में समाप्त होती हुई, के भीतर प्योक्त स्पित्यों में से किसी स्पीकत दुवारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाबन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्बक्ति में द्वित्ववृथ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा कथोहस्ताकरी के पाव निवित में किए जा सकोंने।

स्वाकरण :---इसमें प्रयुक्त कन्यों और पदी का, को अवत अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित ही वही अर्थ होगा, को उस अध्याय में विद्या गया ही।

STATE OF

म्यु० मधान नं० 7, पिपली बाजार, इदौर में स्थित हैं।

> एस० सी० सर्मा सक्षम प्राविकारी सहामक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रॅज, भोषाल

नारीख: 9-9 ·1985

मोष्टर:

प्रकृत नाहीं दी पूर्व एक प्राप्त सम्बन्ध

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पास 269-म (1) के बंधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वाय्क्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज: भोपाल भोपाल, दिनांवः 9 सितम्बर 1985

निदेश सं० म्राई०ए०सीं०/म्रर्जन/भोपःल-5952--म्रतः मुझे, एस०सीं० शर्मा

मायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पक्ष्वात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया है"), 🚮 भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उन्नित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक **है**

और जिसकीं संख्या प्लाट न० 9 है, तथा जो न्यू देवास 🕻 रोड़, श्राहिल्या माता वालोनीं, में स्थित हैं (और इससे उपाबद अनुभूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, देवास में रजिस्ट्रीकरण प्रधि-नियम 1908 (1908 १.७ 16) के श्रधीन, जनवरीं 1985 को पुर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुध्य से कम के दश्यसान प्रतिफल के लिए अन्तरित की ग**र्क है और मुझे यह विक्यास** करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इंड्यमान प्रतिफल से एसे इंड्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और (अंतरका) और अंतरिती (मंतरितियाँ) के बीच उसे, अंतरच के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्य सं उक् 🕟 🚧 🕡 👢 गास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) मन्तरण स हुई किसी नाम की मामत जनत मीध-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे सभने में सुविधाओं सिक्षः नौर/सा
- (क) एंसी किसी बाद वा किसी बुन बन्द बास्सिमी को, जिन्ही भारतीय जायकर अधिनियम्, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर गधिनियम, 1957 (1957 का 27) कें प्रमाणनार्थ अन्तरिती जुवारा प्रकट नहीं किया गया **वासाकिया वाना वाहिए था कियाने में** स्**वि**त्रा में पिए।

(1) श्रीमिति ाशींबाई पति गंगाधरजी वर्मा निवासी-मकारः नं० 68, न्य देवाम रोड, इंदौर ।

(प्रन्तरक)

(2) श्रीमति दिलीप कुमार पिता कान्तीलालजीं, व बसंत कुमार पिता बाब्लालजी, निवासी-85, बल्लभ नगर, इंदौर्।

(ग्रन्तिरती)

को यह मुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुई।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप 💵

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्तं बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सनाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका क्षे 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितनवृष किसी जन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास के अधीन, निम्नलिशित अयिक्तयों, अर्थातु :---

स्पष्टीकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, **यो उक्त** अधिमियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

मगुस्पी

व्लाट नं० 9, न्यू देनाम स्थित भ्राहिल्या माता कालोनी देवाम में स्थित है।

> एस०सी० शर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक धायकर धायकर (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

वदः वयः, उक्तं विभिनियमं की भारा 269-न के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपचारा (1) से नधीन . निम्निसिवित व्यक्तिमा, सर्वात ।---

नारीखा:9-9-1985

शक्त सहि हो, एवं. स्ट_{ाननानन}

बावकड कॉथनियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन स्वता

नारत सुरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नायुक्त (निर्दाशक)

म्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनाँक 9 सितम्बर 1985

निदेश सं० ऋाई०ए०सी०/ऋर्जन/भोषाल-5953---- ऋतः मुझें, एस० सी० शर्मा

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (वित्ते इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-इ के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका स्थित बाजार मुन्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या मजान नं 37/3, है, तथा जो मोहन पुरा, इंद्रौर में स्थित हैं (ग्रीर इसमे उपाबड़ ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ग करते विता है रिजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, इंद्रौर में रिजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908(1908 का 16) के ग्रिधीन, जनवरी 1985

को पूर्वीयत सम्बक्ति के अचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान विकल के लिए ब्लिश्ति की गई है और मूझे मेह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोत्रक सम्बक्ति का उपित बाजार बूल्य, इसके क्यमान प्रतिकल से ऐसे क्यमान प्रतिकल का पंक्र प्रतिकात से अधिक हो और अन्तरक (अत्तरका) और अन्तरिती (अन्वरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाना मका विकल, निम्निविक्त उद्वेष्य से उस्त अन्तरण जिल्लित में बास्नविक क्य से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण के हुई किसी बाव की वावत उक्त विष्तिवय के व्यक्ति कर दोने के वन्दरक के द्यवित्व में कमी करने वा उससे वचने में सुविधा के लिए: बॉड/वा
- (व) एंडी किसी भाव या किसी धन या शुन्त वास्तिकों का, जिन्हों भारतीय अध्याद अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन्कड अधिनियम, या धन्कड अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ अन्तरिती द्वाय प्रकट नहीं किया दवा था या किया जाना वाहिए वा क्रियाने में स्विधा के सिए;

(1) श्री श्रब्दुल मजीद पिता मोहम्मद ईशाक, 37/4, मोहनपुरा, इंदौर ।

(अन्तरक)

(2) श्री जबीर हुसैन पिता श्राबेंद श्रली, बोह्दरा बाजार, खुशहाल गेंट इंदौर।

(श्रन्तरिती)

को वह बूचना बारी करके पृश्चोंक संपरित के अर्थन के निर्ण कार्यवाहियां करता हुने।

उनक बंगरित के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बच्चीभ, जो भी बच्चीभ नाद में समान्त होती हो, के भीतर पृथाँकत व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति इवारा;
- (क) इस सुचना के राज़पत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकोंगे।

अनुसूची

मकान नं० 37/3, मोइनपुरा, इंद्रौर में स्थित हैं।

एस० सी० शर्मा सक्षम प्राकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

अत: अ१, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनूसरण वें, में, एक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1), वे सभीन, निम्नतिथित व्यक्तियों, अधीत अ—

तारीख: 9~9~1985

प्रस्त नार्ड्, डी., एन्ड **एव**्ड क्टन्टन्टन

नायकर निधितियस, 1961 (1961 का 43) की नारा 269-न (1) ने नपीन स्पना

भारत शुरुवाह

व्यवस्थित, सहायक बायक र बायकर (निहासक)

भ्रर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, विनांक 9 सितम्बर 1985 निदेश सं ्रिमाई०ए०सी०/भोपाल-5954--श्रतः सुझें, एस०सी० शर्मा

बायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित्रं इसमें इसके परणात् 'जनत अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन समय प्राधिकाड़ी को, वह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित अवार मुख्य 1,00,000/- रा. से अभिक हैं

श्रीर जिसको मंख्या प्लाट तं० 365 है, तथा जो विष्णुपुरी एनेक्स कालोनी, इंदौर में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबड़ श्रनुसूची म ग्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, इंदौर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908(1908 का 16) के श्रिधीन, जनवरी 1985

1908(1908 को 16) के प्रधान, जनवरी 1985 को पूर्वों के सम्मित के उचित बाजार मूल्य से कम के इर्यमान ब्रिसिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पण्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्युव्यय से सकत अन्तरण सिकित में वास्तिवक इन्य से कामत का इं क्ष्म

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जिथ-विवन के बधीन कर दोने के बस्तरक के दाविस्त में कर्ती करने वा उद्यो वचने में स्विधा के लिए; बीर/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के क्योधनार्थ अन्तरिती क्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्यिन में सुनिधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भो, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री स्वर्ण सिंह पिता जागीर सिंह, निवासी—मकान नं० 24, नंदा नगर, रोड़ नं० 1, इंदौर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री प्यारा सिंह पिता दिलीप सिंह व कर्नल सिंह पिता दिलीप सिंह व बलजोत सिंह पिता होशियार सिंह, निवासो-13, जानकी नगर कालोनी, इंद्रौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कर्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 4.6 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचन की सामीन से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी स्विक्त कुशराः
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे ।

स्पन्नीकरण हिन्स्ह्समें प्रयुक्त सन्दों और वदों का, वो उत्तर विश्वीनयम् के वध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं वर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्या हैं।

नन्स्ची

प्लाट नं० 365, विष्णुपुरी एनेक्स कालोनी, इंदौर में स्थित हैं। $_{\rm s}$

एस० सी० शर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ्ष्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, भोपाल

तारीख: 9-9-1985

प्रकम बाद् . दर्ग . एव . ======

बायकर बीधनियन, 1961 (1961 का 43) की पहरा 269-भ (1) के सधीन स्वना

· भारत सरकार

कार्थासय, सहायक भायकर माध्वत (निरोक्षक)

श्रर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनाँक 9 मिनम्बर 1985

निद्रोश सँ० श्राई० ए० सी०/श्रर्जन/भोपाल--5955---श्रतः मुझं, एस० सी० शर्मा,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इतार्थे इसको पश्चात् 'उन्दर्ध अभिनियम' कहा गया है"), की बारा 259-ए के अभीन अभिन्न प्रांधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, विसका उचित बाबार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रोर जिसकी संख्या प्लाट नं० 3 है, तथा जो इन्द्रपुरी कालोनी, इन्दौर में स्थित है (धीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण स्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जनवरी 1985

का प्यांक्त सम्पर्ति के जांचत वाकार मृत्य सं कम के दरममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूनोंक्त सम्मतित का उचित वाकार मृत्य, उसके दर्यमान प्रतिफल सं, एसे अध्यान प्रतिफल का वंद्रह प्रतिकास सं निधक हो और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाना गया प्रतिफल, निम्नतिवित उद्योग्य से उक्त अंतरण विविद्य में वास्तिक इस से काजत नहीं किया गया है दे—

- (क) अल्लरण स क्ष्मुइं किन्सी अस्य की बाबस, सम्बद्ध सिंधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक में दासित्व में कमी कारने मा उत्तर्ध वसने में कृतिया के सिए; सरि/वा
- (ख) एसी किसी भाग या किसी भन या बन्च वास्तियों की, जिन्हों भारतीय वायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या चव-कर विधिनियम, या चव-कर विधिनियम, वा चव-कर विधिनियम, वा चव-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ क्लिएसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था का जिल्ला वाला चाहिए था, छिपाने यें सुविधा के विद्;

अत: अब, उक्त जिभिनियन की भारा 269-ग के जनुत्ररण बें, में, उक्त जिभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के बचीन, निम्नमिणित व्यक्तियों, वचाँत ७(1) श्री शिवशंकर शर्मा पिता श्री राजेन्द्र शर्मा तरफे श्राम मु० ताराचन्द पिता बुधरामजी टूटेजा 149, जावरा कम्पाउन्ड, इन्द्रौर -

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती जोगेन्द्र कौर पति ग्यान सिह व ग्यान सिह पिता भगतसिंह निवासी—77, प्रतापनगर, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को बहु सूचना बारी करके पूर्वीक्त सम्पर्कि क अग्रद क शिष्ठ् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपति के वर्णन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सुबना के राजपन में प्रकाशन की तारी का 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन को अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हाती हों, के भातर प्रवेकित स्वित्यों में से किसी स्वित्त द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीक स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-स्वूध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सक्षेत्रे।

स्वक्षीकरण :--- इसमें प्रयूक्त गम्यों और पर्वो का, जो उक्त जिभिनियम के अध्याम 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याम में विका नवा है।

नगत्त्री

प्लाट नं० 3, इन्द्रपूरी, कालोनी, इन्द्रौर में स्थित है।

एस० सी० धर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (ऋनिरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 9~9-1985 <u>.</u>

प्ररूप बाइं. टी. एन.. एस. -----

भारत प्रतिभाग तथा विश्व की भारत प्रतिभाग विश्व की भारत प्रतिभाग विश्व की भारत प्रतिभाग की भारत की भार

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 सितम्बर 1985

निद्रोग सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन भोपाल ं 5956—मतः मृत्ते, एस० सी० शर्मा

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके पर्यात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भार 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 7 बी० पर बना मकान नं० 123/1 है, कथा जो लबारिया भेरू, इन्दौर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, जनसरी 1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास अरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है

- (क) बन्धरण से हुई किसी बाय की बाबस्, उपस अभिनियम के अभीन कर दोने के बन्सरक में दायित्व को कामी करने या उससे बचने को सुविधा के सिए॥ और/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अंतरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा के सिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जनुसरण वं, में उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) ले अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती मनजीत सिंह पिता जसबन्तसिंह. निवासी-123/1, लबारिया भेरू, इन्दौर।

(भन्तरक)

(2) श्री हकीमुद्दीन पिता नजरहुसैन 2. इकबाल हुसैन पिता नजरहुसैन निवासी-बाबरिया भेरू, धार रोड, इन्दौर

(भन्तरिती)

को थह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाओप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी संबंधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वाय अधाहस्ताक्षरी के पाष्ट तिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्यक्षीकरणः -- इसमें प्रयुक्त सब्यों और पद्यों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया भवा हैं।

भनुस्ची

प्लाट नं० 7 बी पर बना सकान नं० 123/1, लबारिया भेरू में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37 जी में निहित है।

> एस० सी० धर्मा सक्षम प्राधिकारी स**हाबक बाय**कर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारी**च** : 9-9-1985

प्ररूप जाई.टी.एम.एस. ------

जाबकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 व (1) के अभीन त्वना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्तः (निरीक्षण)

मर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनौंक 11 सिसम्बर 1985

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/म्रर्जन भोपाल--- 5957---- ग्रतः मुझे, एस० सी० शर्मा

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके परभात् 'उक्त नीधीन्य्य' कहा गया ह"), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सभ्यति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000 /- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या मकान नं० 97 है, तथा जो जयरामपुर कालोनी, इन्द्रौर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता घिषकारी के कार्यालय इन्द्रौर में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम 1908 (1908 का 16)

के ग्रधीन, जनवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उडिवृद्ध बाबार भूरूप से कम के उरवजाब प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाबार रुख, उबके क्यमान प्रतिप्रक् से, एसे क्यमान प्रतिपाल का गण्डह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रती (अन्तरितियों) के बीच एोड़ो अंकरण के सिए तय पाया गया ीतफल, निम्नलिखित उद्योच्य से उक्त अन्तरण सिलित में गस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरम से हुन्दें किसी बाव की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के बंतरक के *वायित*न में कभी करने था उसने नचने में सुविधा के सिए, और/या
- (वा) एंसी किसी बाय या किसी भन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय बावकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या थन-कर **अधिनियम,** 1957 (1957 का 27)⊸ के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया नेया या या किया जाना चाहिए था., डिक्वाने कें त्रिया वे विदः

क्तं: अब्,, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण ्मैं, उक्त विधिनियम की धारा 269-व कौ उपधारा (1) अभीन , ^{भन्नम्न}सिसित व्यक्तियों , अर्थात् ए----

(1) श्री खुणीराम पिता मुल अन्दजी सोमानी नि०--97, जयरामपुर कालोनी,

(भ्रन्तरक

(2) श्रीमती सी०लनादेवी पति सूरेश कूमार चावला नि०--- 55 एम० भाई० जी० कालोनी, इन्दौर ।

(श्रन्तरिती)

को बहु सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के नुर्वन के सिक् कार्यवाहियां करता हुं।

दक्त सम्पत्ति के क्वान के संबंध में कोई भी नाजेन ६---

- (क) इस सूचनाको राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिभ, जो भी अविभि बाद में समाप्त होती हो, के भौतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किथी अन्य स्थनित द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पोद निवित्त में किये वा बकेंगे।

ल्**क्लीकरण:—-इ**समें प्रयुक्त कक्यों और पदों का, जो उक्री अप्रिनियत्र, को अध्याद 20-क में परिभाषित्र हीं, बहुी नर्थ होगा, जो उस मध्याय में विशा

अनुस्ची

मकान नं. 97, जयराम पुर कालोनी, इन्दौर में स्थित है।

> ए.स० मी० शर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज, भोपाल

नारी**ख**: 11-9-1985

मोइर:

प्ररूप आर्च. टी. एन. एस. -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सडकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन क्षेत्र भोपाल

भोपाल, दिनांक 11 सिनम्बर 1985

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रार्जर्न भोपाल 9558—म्प्रतः मुझे, एस०सी० धर्मा

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस

1,00 000/- क. से अधिक हैं
ग्रौर जिसकी मंख्या प्लाट नं 58 (तल मंजिल) है, तथा जो
ग्रग्रवाल नगर, इन्दौर में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध ग्रनुसूची
में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित हैं) रजिस्ट्रोकतण ग्रधिकारी के कार्यालय
इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16)

के श्रधीन, जनवरी 1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गर्क है और मुक्के बह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल का पद्ध प्रतिकात से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखत उक्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (भा) अन्तरण संहुई किसी नाय की नावत, अवद शीधियम के अधीन कर वाने के नंतरक के वासित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (स) एसी किसी बाय या किसी वर्ण या क्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय जायक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) हो प्रयोजनार्थ यन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

जत: अब, उथ्त अधिनियम को भाग 269-ग के जनुसरण हो, मी, उथल अधिनियम की पारा 269-म की उपधारा (1) हो अधीन, निम्मीलिक्स व्यक्तियों अधीन, कि--- (1) प्रगति कंसट्टबणन कम्पनी तरफे पार्टनर सनत कुमार कल्याणमल बडजात्या, नि०-146, जावरा कम्पाउन्ड, इन्दौर

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमित सरला देवी पितश्री रमेश कुमार जी तिवारी नि० 53, न्यू भ्रग्नेयाल नगर, इन्दौर

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्बक्ति के अर्थन के लि कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पास क बर्जन क सम्बन्ध पा कार्ध भी बार्शन :---

- (क) इस सूचना के चक्रपण में प्रकाशन की तारीस । 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पं सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि को भी जविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वेक्स आहरूया में से किसी के विद्यारा,
- (च) एक क्ष्मा के राज्यन में प्रकाशन की शारीक त 45 दिव के शीहर बक्त त्यावर सम्परित में हितव्यूप किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अशोहस्ताक्षरी के पाड निवित में कि: जा सकोंगे।

ल्बस्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त एव्दा और पदों का, को उक्त विभिन्नम के बच्चाव 20-क में परिभाषिट ही. वहीं अर्थ होगा का उस बच्चाय में दिया क्या हैं।

अनुसूची

प्लाटनं० 58, परबना फ्लैट नं० 1 (तल मंजिल), श्रग्रवाल नगर,इन्दौर में स्थित है।

> एस० सीं० शर्मा भक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ऋायुक्त् ∰(निरीक्षण) ऋर्जन रेंज, भोषाल ।

तारीख: 11-9-1985

माहर :

व्यक्त बार्ष .डी<u>. वृत्त .वृत्त</u>

वायकर वरिविचन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-न (1) के वधीन स्वात

पारव करकार

धार्यानन, सहावक नायकर नायुक्त (निरीक्तन)

मर्जन क्षेत्र, भोपान

भोपाल, विनोज 11 सितम्बर 1985

निर्वेश सं० भाई० ए० सीं०/झर्जन/भोपाल 5959—शतः मुझे, एस० सीं० शर्मा

बावकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इसवें इसके परवात् 'उनत विभिनियम' कहा गया ही,, की वारा 269-च के नभीन तक्षम प्राधिकारी की वह विश्वात करवें का कारण ही कि स्थावर अम्मति, विश्वका उचित वाचार भूका 1,00,000/- रा. संविधिक ही

जीर जिसकी संख्या प्लाष्ट नं० 106 पर स्थित पर्लंड नं० (प्रथम मंजिल) है, तथा जो स्कीम नं० 47, इन्दौर में स्थित है (जी र इससे उपाचड प्रनुसूर्वी में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिशस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के वार्यास्य इन्दौर में रिजिस्ट्री रिण प्रधिनिधम

90 रा 16) में भ्रधींन, जनवरी 1985 को पूर्वोक्त क्यांति के उचित वाबार मृत्य वे क्या के क्यांति के उचित वाबार मृत्य वे क्या के क्यांतिक में लिए मन्तरित की गई हैं और मृत्रे नह विकास करने का कारण है कि वचापूर्वोक्त बंपीरत का जीवत वाबार मृत्य, उसके क्यांत्रान प्रतिफल ते, ऐते क्यांतान प्रतिफल के केंद्र प्रतिकत से विधिक हैं बीर अंतरक (वंतरकों) बीर वंतरित्री (अन्तरित्रियों) के बीच ऐते बन्तरण के लिए तब पावा प्रया प्रतिक क्या, विम्मितिकत उद्देश्य से उसत बन्तरण विधित के वास्तर किया कर से कारण के विधित के वास्तर किया कर से कारण के विधित के वास्तर किया कर से कारण के विधान के वास्तर किया कर से कारण क

- (क) बन्तरण वं हुई किया बाव की बावक, क्या वीपीनवंत्र के बनीय कर दोने के नन्तरक की बावित्य में कवी कड्यें वा बन्नवं व्यवं में के बुद्धिया के विष्यु; क्यार/वा
- (क) ऐसी किसी नाय वा किसी थन वा केल वास्तियों की, चिन्हें भारतीय आव-कार विधिवनमं, 1922 (1922 का 11) वा उक्त विधिवनमं, मा थव-कर अधिनियमं, मा थव-कर अधिनियमं, 1957 (1957 का 27) के प्रतीधवार्थ कन्तरियी द्वारा वक्त नहीं किया वंदा था वा किया जावा आहिए था, कियाने में कृतिया के किया।

बक्षः सव, क्वत वीधीनवन की पाप 269-व के नगुवरण ती, ती, क्वत वीधीनयन की धारा 269-व की जनवारा (1) के वधीन विक्तितिक व्यक्तिकों, सर्वाद क—— 27—296GI|85 (1) मैसर्स बड़जात्या कंस्ट्रवशन कम्पनी 25, जावरा कम्पाउन्ड, इन्दौर

(भन्तरक)

(2) भी भारती बंसल पति सत्यप्रशाश बंसल बङ्जात्या भापटेंमेन्ट, 106, स्कीम नं० 47, इन्होर

(भग्तरित्री)

को बहु तुषना पारी करके पृथाँकत सम्पृत्ति के वर्षन के सिए कार्यपाहियां करता हुंगू।

बाबद र्यपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस ब्यान के रायपण में प्रकाधन की तारीच हं 45 दिन की वर्वीच ना तत्संबंधी व्यक्तियों पड़ ब्यान की तामील में 30 दिन की नवधि, वो भी वर्वीच नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाहन की तारीब बे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबक्ष किसी जन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास विविध में किए वा सकोंगे।

स्वक्रीकरण: इसमें प्रवृक्त कक्यों और पदों का, यो उक्त मौधिनयम के मध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं वर्ष होगा यो उस मध्याय में दिया नवा हैं॥

बग्त्यी

प्लाट नं 106, पर स्थित पसैट नं 3, स्कींम मं 47, इन्दीर में स्थित है।

> एस० सी० शर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, भोपाल

तारी**व**: 11-9-1986

मोहर '

अक्ष्य बार्च . टी _न एव_{ं एवं न}ाला-----

नायकर निर्मित्यम, 1961 (1961 का 43) की चारा 269-ध (1) के नभीन सूचना

भारत सर्कार

कार्याक्य, सहारक कार्यकर कार्युक्त (निरक्षिक) अर्जन क्षेत्र भोपाल

भोपाल, दिलांना 11 सितम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/मर्जन/भोपाल 5960--- मरा: मुझे, एस० सी० शर्मा

बायकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाल 'उन्तर अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन शक्षम पाधिकारी को, यह विक्थास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजिस बाजार मुख्य 1,00,000/- उ. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्याट नं० 46 व उस पर बनाए हुआ मनान है, तथा जो प्रायमम्बर्ध शालंनी (एक्सटेशन), इन्होंन में स्थित है (और इससे उपाइड अनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित है) प्रजिस्ट्री गर्ता अवि गरी के गर्यात्रय इन्दोर में रिजस्ट्री गरण अधिनियमः 1908 (1908 व्या 16) के अधीन, 1985

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दूरयमान व्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है बार मृझे गह विश्वास कारण का कारण है कि यथापूर्वेक्स सम्पत्ति का सोचल बाजार मृत्य, उसके दूरयमान प्रतिफल तो, एसे दूरयमान व्रतिफल को, एसे दूरयमान व्रतिफल को, एसे दूरयमान व्रतिफल को, एसे दूरयमान व्रतिफल को, एसे दूरयमान व्रतिफल को। पंद्रह श्रीलवात से अधिक है बार मन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिका अन्तरिका को निए द्वर्य पामा भ्या प्रतिफल जन्मनिस्तित उद्वर्य य उच्चर अन्तरण कि निए व्यापा भ्या प्रतिफल जन्मनिस्तित उद्वर्य य उच्चर अन्तरण निष्का का सामा का स्थाप का का सम्परण विश्वास की सामा प्रतिकार का सम्पर्ण विश्वास की सामा ग्रीतिफल कर का से स्थापक नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सूविभा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या कत्य जास्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर जिम्मियम, १९२३ (1922 का 11) या उक्त जिम्मियम, सः भन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की अध्याजनाने अन्तरिसी ब्यारा प्रकट नहीं किया क्या था या किया बागा वाहिए वा कियाने वें वृषिभा की सिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण क्रिं, क्रिं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म उपभारा (1) क्रिं अधीन, निम्नलिख्त व्यक्तियों, अर्थात् ६---

(1) श्री हासातम्य पिता श्री बादूमल जेठवानी 45, राजमहल एम्ड, बालोनी, इन्दौर

(मन्तरक)

(2) श्रीमणी श्रासा यादव पति श्री जगदीश प्रसाद यादव ग्राम श्रिडिन्या जिला होश गीबाद

(भ्रग्तिःती)

को बहु सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के कर्षण के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत संपरित के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यम में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इत सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति भे हित-बहुध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा वधोहस्ताक्षरीं वे पास सिचित में किए वा सकीने।

स्वक्षाकरणः इसमें प्रयुवत शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, कही अर्थ कृष्ण जो उस अध्याभ में विद्या स्वाही।

मनुसूची

प्लाद्य नं ० ४६ व उस पर बना हुआ मशान राजमहल शालोनी (एनस्टेशन), इन्दौर में स्थित है।

> एस० सी० शर्मी सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, भोदाल

तारींख : 11-9-1985

प्रकृप बार्षं .टी . एन . एस . -----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत चरकार

कार्याच्य, सहायक आगक्त आगुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, विनोक 11 कितम्बर 1985

िर्देश सं० प्राई० ए० सी०/घर्जन/भोपाल 5961--- प्रतः मुझे एस० सी० शर्मा

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकार 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

स्रीर जिल्ला संख्या प्लाध नं० 77 पर निर्मित मधान नं० 6 है, तथा जो मनीसपुरी वालोनी, इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूत्री में और पूर्ण एप से धणित है) गजिर्द्रालर्सा अधिकप्री के वार्यालय, इन्दौर में गजिर्द्रालयण अधिनियम 1908 (1908 वा 16) के अधीन, जनवरी 1985

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बीर/या
- (क) ऐसी किसी वाय भा किसी धन वा सम्य आस्तिवाँ को, जिन्हों भारतीय सायकर सिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या जक्त सिधिनयम, या धनकर सिधिनयम, या धनकर सिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ सन्ता रिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वासिए या छिपाने में सिवधा के सिए;

नतः अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अनुकरण वें, में, उक्त अधिनियम को धारा 269-न की अपधारा (1) के अधीन निम्निनिस्त व्यक्तियों, अधित :----

- में ससे बृन्वावत श्रपार्टमेन्टस तरफे पार्टनर बाज षण श्रप्रवाल पिता श्री दौलतरामण श्रप्रवाल तिवासी--- ·158, साभेत नगर, इन्दौर
 - (भ्रन्तरक)
- (2) श्रीमती नीरा एच० लाल पति श्री एच० एस० लाल निवासी-43, साकेत नगर,

(श्रन्तरिती)

को सह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्धत्त के अजन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपरि के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यवितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त श्रांती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकेंग:

अनुसूची

ण्लाष्ट नं ० 77 बीं पर निर्मित फ्लैट नं ० 6, मनीपुरी कालोमी, इन्दौर में स्थित है।

> एय० सी'० शर्मा ंश्वम प्राधिकारी स**हायक ग्राय**्ट आयुक्ट (विरीक्षण) ग्रुजैन रेंज, भोपाल

तारीचः 1/1-9-1985 मो**ध**ः

व्यक्त आहें, डी. एन . एस. ------

कावकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43 की कार 269-व (1) के स्पीत प्या

STORY STATE

कार्यासय, सहायक नायकर नायुक्त (निरक्षिक)

प्रजैन रेंज भोपाल

भोपाल, दिनोंक 11 सितम्बर 1985

निर्देश सं० घाई० ए० सी०/घर्जन/भोपाल 5962---घतः मुधे एस० सी० शर्मा

नायकर विभिन्निम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इसवी इसकी भश्यात् 'उक्त विधिनियम' कहा गवा हैं), की वासा 269-व के नभीन सक्षम प्राधिकारी को वह विध्वास करने का कारण हैं कि स्थापर सम्मत्ति, जिसका उभित वाचार मुक्न 1.00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या महान नं 44/1042, तथा जो जासणी रोड, मन्दिर के पोछे गली, खालियर में स्थित है (और इससे उपाबद धनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीहर्ता धिक-कारी के कार्यातय खालियर में रजिस्ट्रीहरण धिकित्यम 1908 (1908 का 16) के अधीन, जनवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्मित के उनित बाजार मूक्य से कम के दक्षमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते वह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उनित बाजार मूक्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, ऐसे द्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकार) और बंत-एती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया क्या प्रतिफल निम्नितिचित उद्वेष्य से उन्त बंतरण सिचित वें शस्तिक रूप से कथित नहीं किया पना है दे—

- [क] अंत्रप्रच वे हुई किवी नाव की नावत्, उच्छ अधिनियम् के वधीन कर योगे के अंत्रक के वादित्व वे कभी कुरले वा उदके नुष्ये के दृष्यिमा के निष्; और√वा
- (व) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आसिस्वाँ की, जिन्हें भारतीय नायकर जिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर जिभिनियम, या श्व-कर जिभिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ जंतरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियार में स्विधा की जिस;

सतः जन, उक्त वीधिनियम को भारा 269-व के जनुसदम मं, मं, उक्त वीधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (धूरे वे वालेन, निक्तिसिक व्यक्तियों वर्षा हरू (1) भी बीतानाथ शाबीजी भारमज हैमनदास शाबीजा नि० छत्री बाजार, लरशर खालियर

(ग्रन्त्रक)

(2) श्री सुरेश कुमार मात्मज श्री श्रीचन्दजी नि-दस मन्दिर खासगी रोड, संश्हर, ग्यालियर

(पग्तरिती)

का यह सूचमा बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति से वर्षन के बिछ् कार्यगाहियां करता हुं।

शक्त सम्मत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थार के राजपत्र में त्रकालन की तारीज वं 45 दिन की जविभ वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिभ, को भी जबिभ बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के थाजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवव्य किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकेंगे।

स्वक्षां क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र का का अक्ष विभाग का अक्ष विभाग का 43) के अभ्याव 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा को अक्ष वभ्याय में दिया गया है।

मन्त्रकी

महान मं॰ 44/1042, खालगी श्रोड, दक्त मन्दिर के पीछे गुब्बी, ब्वासियर में स्थित है।

> एस० सी० समाँ सक्षम प्राधिकारी सञ्चायक मायकर मायुक्त (निरीक्षक) सर्वेन रेंग, भोपाल

तारीख ' 11-9-1985 मोहर प्ररूप काई.टी.एन.एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्गासय, सहायक श्रायकर वायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, भीनाल

भोपास, दिनांक 12 पगस्त 1985

निर्देश सं० भाई० ए० सी०/धर्जन/भोनाल/5827--- मतः मुझे, एस० सी० धर्मा

नायकर कि भिनयम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ५२ थात अभिनयम कहा गया है), की धारा 269-या के अधीन सभन प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपीत जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रत. सं विधिक हैं

भीर जितकी संख्या तल मंजिल एवम् पलीर एवम् गैरेज 2.77 स्कें भी ० 247, है तथा जो सामेत नगर, इन्द्रीर में स्थित है (भीर इससे उपाबद भन्सूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है) भीर जिसके भन्तरण से संबंधित विवरण उक्त भिधिनियम को धारा 269 ए० बी० के भन्तर्गत सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय मोपाल में जनवरी 1985

को पूर्वोक्षः संस्थात्त के उचित बाबार मूल्य से कम के व्ययमान प्रतिफल के लिए असरित की गई है और मूओ यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके व्ययमान प्रतिफल से, एसे व्ययमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकार में विभक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-व्यक्ष निस्नितिया उद्यवस्य से उक्त अन्तरण सिवित में बास्तियक क्य के व्यस्ति मही किया गया है :---

- (क) बंदरण से हुई किसी शाय की बाक्स, उक्त अधिनयम के बधीन कर दोने के बंदरक के दायित्व में कमी करन या उद्यसं बचने में सुविधा के लिए; बॉर/या
- (ण) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों कर, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन- वर आधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अमेशनार्थ अन्तरिती युवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से स्विभा के सिए।

नतः नय, उसत निधिनयम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उसत आधानण्य की धारा 269-म की उपधारा (1) के मधीन, निश्नक्तिकट स्थानतयों, संधात् :---- स पत्नी थी। मंगससेन बजाज

म् श्री किरन बजाज निवासो 71,पत्रकार कालोनी, इन्दौर

(मन्तरक)

(2) श्री मास्टर नितित नावालिंग पुत्र श्री टेकचन्दानी 3, मम्बर बिल्डिंग, 13/3, एम० जी० रोड, इन्बीर

भन्तरिती)

को यह सूत्रना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तानील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि जाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस स्वना को राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींग।

स्पक्किरण: -- इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का, थी उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

विल्डिंग (प्राउन्ड एवम् फ्लोर) 247, साकेत नगर, इन्होर में स्पित है।

> एसं० सी० णर्मा सलम प्राधिकारी सहायक भागकर भागुक्त (निरीक्षण) भागत रेज, भीनाम

सारी**य : -1 2-8-85** पोहर ७ व्यक्त बाह् . टी. एव . एस . ------

बावकर अधिविषय, 1961 (1961 का 43) भी भारा 269-व (1) के बधीन सूचना

मासा परकार

कार्यामय , बद्दावय गायकर मायुक्त (निरक्षिण) भाजन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनाँक 12 भगस्त, 1985

निर्देश सं • धाई • ए० सी • | धर्जन भोराल | 5828 - धरः मुझे | एस० मी • धर्मा

लंबकर गीधीयवम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे द्वावें प्रवाद 'उनत वीधीयवम' नहां गंगा हों), की धारा 269-व के संभीन दक्षन प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सन्तित, विश्वका उपित्र बादार भून्य 1,00,000/-छ. वे विश्वक ही

मौर जितकी संख्या मकान नं० 247, प्रथम मंजिल है स्था को साकेश नगर, इन्दीर सेंस्थित है (भीर इससे उपायम् प्रमुस्नी सेंभीर पूर्ण रूप से विज्ञात है) भीर जिसके प्रम्तरण से संबंधित विषरण उक्त श्राधिनयम् की श्रारा 269 ए० बी० के प्रम्तगंत सक्षम प्राधिकारी के कार्यास्य भोगाल में फनवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति से स्वित वाचार मून्य से कन के स्वयाम प्रतिपंत्त से किए संतरित की गई हैं और वृक्षे यह विश्वास करने का कारण हैं कि उपापुर्वोक्त सम्पत्ति का स्वित दावार पूर्व, उसके स्वयान प्रतिपंत्र से, ऐसे स्वयाम प्रतिपंत्र का प्रवाह प्रतिवान से विथिक हैं और नंतरक नंतरकों) बीर बंत-देखी (बंतरितियों) के बीच ऐसे संतर्य के लिए तय पाया गया जिल्ला, निम्निविस स्वयोक्त से उन्त बंतरण विकित में गल्याक्त स्व में क्षिक नहीं किया पना हैं:---

- (क) संघरण ने हुई फिड़ी बाय की नावत, उनक सीय-विषय के बचीन कर बेने ने संघरण के शासिक में क्यी कार्य ना वक्के बचने में बृधिया के किए; कर्म-/मा
- (क) होती किसी बाब या किसी भन या जन्म आस्तिनी को जिन्हों भारतीय नायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अभिनियम, या पर-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अवस्थान बंधरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया परा भा या विकास जाना जाहिए था, कियाने में चूरिया के किए;

कतः भव, उपत वीयीनवन की वारा 269-ए के वर्ग्यस्य को, जो, उपत वीयीनवन की वारा 269-ए को वर्ग्यस्य (१) के क्षील, विक्लीविक व्यक्तिकों, वर्षात् :- (1) श्रीमती सोहतलाल पस्ती मंगलसेन बजाज श्री किरन बजाज, 71, पत्रकार कालोनी, इन्दौर

(घन्तरक)

(2) श्रीमती रुकमनी टैकचम्यानी 3, ग्रम्बर बिल्डिंग, 13/2, एम० जी० रोड, क्षम्दौर

(भन्तरिती)

को बहु सूचना बारी करके पुनीवत सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हो।

क्का बम्पीत के वर्षन के बम्बन्ध में कोई भी बालेब :---

- (क) इस सूचना के राज्यात्र में प्रकाशन की तारीय ते 45 दिन की बड़िश या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की जनिथ, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों वें से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इत स्वाना के राजपन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितवष्थ किसी जन्म मिलत द्वारा नथोहस्ताक्षरी के पास मिखित में किए वा सकेंगे।

रमक्किरण:---इतमें प्रयुक्त कव्यों और पयों का, यो उनत निध-नियम, की बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बड़ी नर्थ होगा को जस संध्याय में दिया गया है।

अपूर्वी

(बिल्डिंग), प्रथम मंजिल, मकान नं ० 247, साकेसनगर, इस्सीर में स्थित है।

> ्रसः सी० शर्मा सक्षम श्रीधिकारी सहायक भागकर भागुक्त (निरीक्षण) भागन रेंज, भोगाल

तारीय: .12-8-1985

मोहरः

प्रकार कार्य : दी : पुण्य पुष्य :-----

बावकर वीर्थानवस, 1961 (1961 सा 43) वर्ष भारा 269-म (1) के बभीन बुचना

भारत पहलान कार्यालय, सद्दायक व्यवसर कार्यक्त (विरक्षिक) धर्मन रेंज, मोराल

मोराल, विनांक 5 सिसम्बर 1985

निर्देश सं० धाई० ए० सी०/धर्जन/भोपाल/5900--- सतः सुने- एत०सी० धर्ना,

ग्रेयकर विधिनियन, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें सभो पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही,, की भारा '69-व के वधीन सक्षण शिकारी की वह निरमाय करने का हरण ह" कि स्थानर सम्पत्ति, विश्वका श्रीचत बाबार मुख्य ,00,000/-रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी संख्या दुकान नं० 20 (तल मंजिल) है तथा को झाबुआ टाउन, 170, आर० एन० टी० मार्ग, इन्दीर में स्थित है, (और इन्दीर पें स्थान अनुस्थी में भौर पूर्ण रूप से बणित है) भौर जिसके भन्तरण से संबंधित विवरण उक्त अधिनियम की धारा 209 ए० बी० के भन्तर्गंत सक्तम प्राधिकारी के कार्यालय भीपाल में जनवरी 1985

है। पर्धोक्त सम्मित्त के उचित शाचार मृत्य से कम के स्थमाय -तिफास के लिए अक्तिरत की गई है और मृत्ये वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उचित वाबार -कृत्य, उसके क्यमान प्रतिकल से, एसे स्थमान प्रतिकल का बन्द्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार) और अंतरिती (अन्तिगितरों) के बीच एंडे सम्मरण के लिए वह शावा नवा प्रतिकल, निम्नीजिस्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण किवास में बास्तिक कप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण वं हुई फिडी बाद की बावत, कक अधिनियम के बधीन कर दोने के बन्तरक के दाकित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीर/या
- (क) एखी किली नाय वा किली वन वा नम्म वास्तिकों को, चिन्हें भारतीय बायकर विभिनियन, 1922 (1922 का 11) वा उक्त निर्माणकर विभिनियम, वा धनकर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नंतरिती बुवारा प्रकट नहीं किला गढ़ा वा या किया बाना वाहिए वा कियाने जें सुर्विभा के निष्हें;

ि वस: सर्थ, उक्त वीधीनयम की धारा 269-म **चै वम्बर्यः** हो, हो, इक्त वीधीनयम की धारा 269-म की उपभारा (1) हो वधीन, निम्नलियियं व्यक्तियों, वर्षांस् हल्ला

- (1) में सर्स पारिजातो सेनेभेटिक इन्टरप्राईसेस प्राईनेट णिमिटेड 170, मार० एन० टो० मार्ग, इन्हीर (धन्तरक)
- (2) श्री भरत कुमार विजय कुमार खडांकी खाँधी निवास, श्रमरावसी

(बन्दरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पण्टि क अर्बन के लिए कार्ववाहियां सुक करता हो।

बक्त बन्नति से वर्षन से संबंध में सोहाँ भी बाह्यप :---

- (क) इस स्वान के राज्यव में प्रकाशक की सारील है 45 दिन की नवीध ना सरकाजन्यी व्यक्तिमों पर क्वान की तामील से 30 दिन की नवीध, जो भी समीय नाद में समान्य होती हो, के शीतर प्रोंचक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्वारा;
- (क) इस स्थान के सम्याप के प्रकारण की आशीक वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वस्थ किसी व्यक्ति स्वारा, वधोहत्ताक्षरी के पात निविश्त में निक्ष का क्यों ने ।

लक्किरणः --इममें प्रमुक्त क्षमां बीर नवीं का, जो उक्क वीधीनवन, के बध्वाव 20-क में वीरभावित है, नहीं वर्ष होना को उन्न बध्वाव में दिया नवा है।

वपुसूची

बुताननं ० २०, तल मंजिल, साबुधा टावर, १७०, घार० एन० टी॰ मार्ग, इस्तीर सें स्थित हैं।

> एस॰ सी॰ शर्मा सक्षम प्राधिकारी सक्षायक भायकय भायुक्त (निरंक्षम) भर्जन रेंज, भोगल

तारीय : 5-9-1985

मोहरः

प्रकृष बाह् . ही . एन . एसं . -----

बावकर क्रीधीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बचीन ब्यना

नारत सरकार कार्यालय, सहायक बायकार जायका (नि.स.क.)

मर्जन क्षेत्र, भोगाल

भोराल, दिनांक 5 सितम्बर 1985

निर्देश सं० भाई० ए० सी०/मर्जन भोपाल 5901—मतः मुझे, एव० सी० धर्मा,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इसमें इसके प्रकात 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के जधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्नास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वानार सूल्य 1,00,000/- रा. संअधिक है

भीर जितकी संख्या छाफित नं० 6 ए (प्रथम मंजिल) है सथा जो माबूबा टावर, 170, ब्रार० एन० टी० मार्ग, इन्द्रीर में स्थित है (ब्रीर इतसे उनावब बनुसूबी में ब्रीर पूर्ण रूप से विजित है) भीर जितने ब्रन्तरण से सन्वन्थित विवरण उक्त मधिनियम की घारा 269 ए० बी० के ब्रन्तर्गत सक्षम प्राधिकरी के कार्यालय भीनाल में जनवरी 1985

की पृत्रों कर सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के सममार प्रतिफल के लिए अन्तरित की यहाँ हाँ बीर मृत्रों यह विश्वास करने का कारण हाँ कि यथापूर्वों कर सम्पत्ति का उचित बाजार कृत्य उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का यन्त्रह प्रतिसत से अधिक हाँ बीर अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (जतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के सिए तथ पाया गया शतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्छ अन्तरण मिखित में वाक्शिक कम से कथित नहीं किया थया हाँ है

- हुँक) नन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, अवस नीपनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की यादित्य में कमी करने ना उत्तर वजने में सुविधा के सिए; शरि/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जल्य ज़ास्तियों को जिन्हों भारतीय नायकर निधीनयम, 1922 (1922 का 11) या जक्त निधीनयम, या धन-कर निधीनयम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ जन्तरियों द्वारा प्रकट नहीं किया जया या या किया जाना चाहिए था, जिनाने में संजिधा के निह;

करः अब, उक्त मधिनियम की धारा 269-व मो बन्तरं में में, में उन्त मधिनियम की धारा 269-च सी उपधारा (1) के मधीन, निम्निचित व्यक्तियों, सर्धात् :--- (1) मैत्तर्स परिजात जिलेनेटिक इन्टरप्राईसेस प्रायवेट लिमि॰ 170, घार॰ एन॰ टी॰ मार्ग, इन्टोर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीजयंत गोराल फडके वासुदेव नगर, इन्दोर।

(भन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके वृशाँक्त सम्मत्ति के श्रवंग के सिए कार्य-गोहियां करता हुं ।

डक्त संपत्ति के कर्पन के संबंध में कोई भी बाखेंप:--

- (क) इस स्थान के श्राविष में प्रकाशन की रारीच है 45 दिन की अविध या तर्श्वंभी व्यक्तियों वर् स्थान की तामील से 30 दिन की श्रवृष्टि, को भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर वृशेष्ट व्यक्तियों में है किसी स्थानत द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजधन के बारीय वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर कम्पीत ने द्वितवह्म किसी कम स्थानत द्वारा नभोहरताक्षरी के शब विचित में किस वा ककी।

स्वक्धिकरण:---इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्यों का, को जनत बावकर बिभिनयम, 1961 (1961 का 43) के बच्चान 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा का उस अध्यास में दिवा गया है।

वन्त्रकी

माफित नं० 6ए (प्रथम तल), झानुमा टावर, 170 भार०एन०टी० मार्ग, इन्दीर में स्थित है।

> एस० सी० धर्मा सक्षम प्राधिकारी सह्ययक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्राजन क्षेत्र, भोपास

तारीखः 5-9-1

प्र**क्ष**्रवाद^क्टी, पुन<u>्</u>षास<u>्</u> -=--=--

भागकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नधीन सूचना

नारत चरकार

कार्यालय, सहायक मायकर वायक्त (निरीक्षक)

श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, विनांक 5 सितम्बर 1985

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/प्रजॅन/भोपाल/ 5903— अतः सुक्षे, एस० सी० शर्मा

वायकर गिंधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसवें इसकें परनात् 'उक्त विधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित वाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या श्राफिस नं० 6-जी (प्रथम मंजिल) है तथा जो झाबुग्रा टावर्स, श्रार० एन० टी० मार्ग, इन्दौर में . स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसके श्रन्तरण से संबंधित विवरण उक्त श्रीधिनियम की धारा 269 ए० बी० के श्रन्तर्गत सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय भोपाल में फरवरी 1985

को पूर्वीशत सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य में कम के व्यवसाय प्रतिकल के लिए अंतरित की नहीं हैं और मुक्ते बहु विकास करने का कारण हैं कि सभाप्तेंकत सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एमें दश्यमान प्रतिकल का पन्नह प्रतिकत से ब्रिथिक हैं और बंतरक (अंतरकों) और बंतरियों (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के सिए तय पास नया महिल् क निश्निविधित बहुवरिय से उन्त अंतरण विधित में वास्त्रिक का ने किथात नहीं किया नया है है——

- (क) अन्तरण सं हुई किसी बाय की बाबत, उच्च अधिनियम के अभीन कर दोने के बन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाब या किसी धन या बन्स बास्तिकों को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धनकर अधिनियम, का धनकर अधिनियम, का धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रणोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गवा था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा की सिए;

शतः अस् , उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में , में , उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपध्यस्य (1) के अधील निम्मलिखित क्षण्यतयों , अर्थास् ∴—— 28—296GH85 (1) मैसर्स परिजात क्षिनेमेटिक इन्टरप्राइसेस प्रायवेट लिमि०

170, श्रार० एन० टी० मार्ग, इन्दौर ।

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमती बोन्क्रा मुखर्जी, डा॰ डी॰ मुखर्जी इस्दौर।

(भ्रन्तरिती)

कार्य स्वाप्त अपरी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्णन के निय कार्यवाहियां करता हुं।

उपत सम्परित के धर्मन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (चा) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी कन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के बात लिखित में किए जा सकोंगे।

रिकारिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियमं, के अध्याय 20-क में परिभाविस है, वहीं अर्थ हक्षेगा जो उस अध्याय में विका गया है।

अनुसूची

माफिस नं० 6थी (प्रथम मंजिल) झाबुआ टावर्स, 170, भार० एन० टी० मार्ग, इन्दौर में स्थित है।

> एस० सी० शर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुर्जन क्षेत्र, भोपाल

तारी**व**: 5-9-1985

प्ररूप बार्ड.टी.एन.एस., १००००००००

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, विनांक 5 सितम्बर 1985

निर्देश सं० माई० ए० सी०/मर्जन/भोपाल/5906—मतः मुझे, एस० सी० शर्मा

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीर सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रीर जिसकी संख्या भ्राफिस नं० 1ए (प्रथम मंजिल) है तथा जो झाबुस्रा टावर्स, 170, भ्रार० एन० टी० मार्ग, इन्दौर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में झौर पूर्ण रूप से वर्णित है) स्रीर जिसके श्रन्तरण से संबंधित विवरण उक्त स्रधिनियम की धारा 269 ए० बी० के श्रन्तर्गत सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय भोपाल म मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के श्रामाम प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ते यह विश्वास करने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, एर्स द्वयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है जीए शतरक (जंतरकों) और जंतरिती (अंतरितियों) के बीच एर्स अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दर्श से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त्रिक रूप से किथत नक्षीं किथा गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के खबिरच में कमीं करने वा उबसे वचने में खबिया के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्दारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अव, उक्त जिभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन निम्नजिक्ति व्यक्तियों, जथित् :—- (1) मैसर्स परिजात सिनेमेटिक इन्टरप्रायसेस प्रायवेट लिमिटेड 170, श्रार० एन० टी० मार्ग, इन्दौर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री श्यामसुन्दर मालपानी
4/1, साउथ तुकोगंज,
हन्दौर।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के जिस् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्ज्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ब बें 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति :
- (स) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की बारीच ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित-बक्ध किसी व्यक्ति व्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सर्कोंगे।

स्पद्धिकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विशा गया है।

अनुसूची

म्राफिस नं० 1 ए (प्रथम मंजिल), झाबुम्रा टावर्स, 170, मार० एन० टी० मार्ग इन्दौर में स्थित है।

> एस० सी० शर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षी) भ्रजैन क्षेत्र, भीपाल।

तारीख: 5-9-1985

प्रकम बाइं.टी.एन.एस.-----

नायकर मिश्नियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) चे सभीन सूचना

भारत चरकार

कार्यांकय, सहायक मामकर मामुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 सितम्बर 1985

निर्वेश सं० श्राई० ए० सी०/धर्जन/भोपाल/ 5907—श्रतः सुझे, एस० सी० शर्मा

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

मौर जिसकी संख्या भ्राफिस नं० 5 (प्रथम मजिल) है तथा जो मासुभा टावर्स, 170, ग्रार० एन० टी० मार्ग, इन्दौर में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रौर जिसके भ्रन्तरण से संबंधित विवरण उक्त श्रिधिनियम की धारा 269 ए० बी० के भ्रन्तर्गत सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय भोपाल में मार्च 1985

का पूर्वोक्त सम्मरित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिकत्त के निए बन्दरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास सर्ग का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार बृत्य, उसके स्वयमान प्रतिकास से एसे स्वयमान प्रतिकास का बृत्य, प्रतिकात से बिथक हैं बीर अन्तरक (बन्तरकों) और अन्त-रिती (बन्दरितिकों) के बीच एसे बन्दरण के निए तय पाया गवा इतिकास, निम्न[सचित उच्चेष्ट से उच्च बन्दरण सिचित में बास्तरिक क्य से सुनित नहीं किया गवा है कि—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की वानत, उक्त अधिहियम के स्थीन कर दोने के स्तारम क् सहित्य में क्शी अपने वा स्वयं अध्ने में दृश्यिमा के सिए; खोड/सा
- (क) एवी किसी नाथ या किसी धन ना गन्य आस्तियाँ को, किन्हें भारतीय नायकर अधिनयम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनयम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया या ना किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के सिए;

बत: बब, उक्त निधानयम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त निधानयम की धारा 269 थ की उपधारा (1) वै निधान, निज्यसिक्त न्यक्तियों, स्थान रू—

- (1) मैसर्स परिजात सिनेमेटिक इन्टरप्राईसेस प्रायवेट लिमि०
 - 170, भार० एन० टी॰ मार्गे, सन्दौर।

(भन्तरक)

(2) श्रीमती कृष्णा देवी सुगनवन्द भग्नवाल 91, इमली बाजार, इन्दौर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्धन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त कट्यों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिना गया हैं।

अनुसूर्या

ग्राफिस नं० 5 (प्रथम मंजिल) झाबुग्रा टाघर्स, 170, श्रार० एन० टीं मार्ग, इन्दौर में स्थित है।

> एस० सी० शर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन क्षेत्र, भोषाल

तारीख: 5-9- 985

त्रक्य वाद् . ही . एव . एव . -----

मामकर मिन्तियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) में नभीन स्वता

भारत सरकार

कार्यातम, सहायक मायकूर मायुक्त (निरीक्ष)

श्रजंन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 सितम्बर 1985

निर्देश मं० ग्राई० ए० सी०/ग्रजन/भोपाल/ 5908—-प्रतः मुझे, एन० सी० शर्मा,

नायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (निसं इसमें इसके पर शत् 'उन्त अधिनियम' कहा नया हैं), की भारा 269-न के नेपीन सहाम प्राधिकारी की, यह निकास करने का करन है कि स्थापर संपत्ति जिसका जीवत बाबार कु

1,00,000/- रह. से अभिक **ह**ै

श्रौर जि की सख्या दुकान नं 17, 24, एवम 26१ (तल मंजिल) है तथा हो झाबुआ टावर्स, 170, श्रार० एन० टेह्न मार्ग, इन्दौर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है) श्रौ जिसके अन्तरण से सम्बन्धित विवरण क्ता भिधिनियम की धार 269 ए० बो० के श्रन्तर्गत सक्षम श्रीधिकारी के कार्याला भीपाल में मार्च 1985

को पूर्वो स्त संपत्ति हो उचितः बाजार मृत्य से क्रम के दश्यमान मित्रफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विकास करने के कारण ही कि यथापूर्वोक्त तम्मित्र के खिला वाचार मृत्य, सके दश्यमान प्रतिपत्त से, एसे दश्यमान प्रतिपत्त को पंत्र प्रतिपत्त को पंत्र प्रतिपत्त को पंत्र प्रतिपत्त को पंत्र प्रतिपत्त को विद्या की विद्य की विद्या की विद्या

- (क) अभारण वे हुई भिन्नी जान वंश नामक क्यक विधिक्षण के अधीन कर दोने के सम्बद्ध कामित्व में कभी करने वा कड़वे क्यने के स्थिया के सिन्; कीर/वा
- (ख) ऐसी किसी जाय या जिसी भन या जुन्य वास्तियों को, जिन्हों भारतीय बायक र विधिनवन, 1922 (1922 का 1!) वा उन्त वीधिनवन, या जन कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) खे प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया वन का वा किया जाना वाहिए था, किया में बृहिष्या के लिए;

भतः व.व. उक्तः श्रीभिनियम भी भारा 269-त के जनुबरण में, मीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-त की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

- (1) मैंसर्स परिजात सिनेमेटिक इन्टरप्राईसेस प्रायवेट लिमिटेड। 170, श्रार० एन० टी० मार्ग, इन्दौर। (भ्रन्तरक)
- (2) श्री रमेश कुमार गोवर्धनदास 183, विद्यानगर, इन्दौर।

(श्रन्तरिती)

को यह सुवना वारी - करके पुर्वोक्त - संपत्ति औ वर्षत के सिक कार्यनाहियां करता हुँ।

इन्द सम्पत्ति में अर्जन के सम्मन्ध में कोई भी जाओ। :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश वें 45 दिन की जनींचे या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनींचे, को की नवींचे नाम में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स कोक्समों में से किसी व्यक्ति सुनारा;
- (क) इत सूचना के राजपण में प्रकासन की तारीय क 45 दिए के भीतर उक्त स्थानर सम्परित में दितवद्देश विश्वी सन्य व्यक्ति द्वारा संभोहस्ताक्षरों के पास दिवस्त में किए या वर्षों में ।

श्राब्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथः परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्यार में दिना नशा है।

वनसची

दुकान नं० 17, 24 एवम 26 ए (तल मंजिल), झाबुआ, टावसे, 170, प्रार० एन० टी० मार्ग, इन्दौर में स्थित है।

> एस० सी० शर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

तारीख: 5-9-1985

इक्स बार्च . दी. एत्. एत.-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269 अ (1) के अधीन इत्या

भारत सरकार

कार्यालयः सहायक वायकर वायुक्त (विरीक्षण)

म्रार्जन रेंज भोपाल

्भोपाल, दिनांक 4 सितम्बर, 1985

सं० म्राई० ए० सी०/भ्रजन/भोषाल/590धः-**—ग्रतः** मु**प्ते,** एस० सी० भर्माः

ायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हं), की धारा '69-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वात करने का गरण ह कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य ,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी महया दुनान नं 21 (तल मंजिल) है तथा जो मान्छा टाइस इंगर गनर टंट मार्ग, इन्दौर में स्थित है (ग्रीट इससे उपावद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण क्या से विजित है), ग्रीर जिसके श्रान्तरण से संबंधित दिवरण उस्त ग्रिध-नियम को धारा 269 ए० बीठ के श्रात्मेत स्थाम श्रिधिनार के कार्यालय भोषाल में मार्च, 1985

तो पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्वमान तिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विक्यास ,रने का कारण है कि यथापूर्वीकत सम्पत्ति का उचित बाजार इस्म, उपके दश्यमान प्रतिफल सं, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का बह्म प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती अतारात्यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय तथा गया प्रतिकान निम्नीलिसित उद्देषय से उक्त अंतरण लिखिन में बास्तिवक य से को यत नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण ते हुई किसी आय की वावत उपत अधि-नियम को अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे वजने के गृजिया के लिए; और/या
- (क्) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 है (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन्-कर अधिनियम, या धन्-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा खे लिए;

कतः जब, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के बनुसरण , मैं, उक्त विभिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) विभीन, निम्नितिसित व्यक्तियों, वर्षात् :--- नैसर्स परिजात सिनेमेटिक एइ टरप्राइसेज (प्राइवेट)
 लिफ्टिंड, 170 ग्राए० एन० टी० मार्ग,
 इन्दौर ।

(प्रन्सरक)

श्री जी० एस० जाभद,
 45, ए० श्रेम नगर,
 इन्दौर।

(भ्रन्तरिती)

भा यह बुचना २१दी करके पृत्रास्थित संस्थातित के वर्षात के ज़िल् कार्यवाहियां शुरः करता हुं।

इन्द्र सन्तार्ड के नर्बन के सम्बन्ध में कोई भी शार्धि :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विर की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी वक्षि वाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (स) इस स्वान के राजपण में प्रकाशन की शारीख इं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोइस्ताक्षरी के गार जिस्ति में किए वा सकांगे।

स्पाक्तीकरण:--इसमें प्रयुक्त कन्यों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में गरिभावित हैं, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया क्या है।

अवस्थि की

दुकान नं∘ 21 **(त**ल मंजिल झाबुझा टावर्स, 170, आर० एन० हो० मार्ग, इन्दौर में स्थि**त है**।

> एस० सी० शर्मा, सक्षम ग्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल श्रायकर भवन, होंशगाबाद रोड, भोपाल

सार्⊹ख: 5--9--1985

प्रारूप आई.टी.एन.एस.

भावकर ग्रीभिनियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 म (1) के मधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आवकार आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 सितम्बर, 1985

बावकर गणिनिया, 1961 (1961 का 43) (त्याचे दक्षणे दक्षणे वस्थात् 'उनत गणिनिया' नक्षा गणा हो), की भाक्ष 269-व में वधीन समान प्रतिभक्षारी को यह निश्वास करूने का काइन हो कि स्थाप्र संबद्धित, विव्यक्ष उपित् वाधार मूच्य 1,00,000/- का से अधिक ही

मीर जिसका संख्या युकान नं 10 (तल मंजिल) है तथा जो साबुधा टावर्स, भार० एन० टा॰ मार्ग, इन्बौर में स्थित है भीर इसके उपायड अनुसूची में श्रीर पूर्ण क्य से विणित

- है) फ्रांट जिसके ग्रन्थरण से संबंधित विवरण उक्त प्रधिनियम की धारा 269 ए० बी० के मन्तर्गत सक्षम प्राधिकारी के कायलिय भोपाल में तारीख 1985
- को पूर्वेक्ट बम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रमणान वृतिक्स के जिए अन्तरित की गर्य है बॉर बुके वह विश्वास करने का कारण है कि वश्यम्वोंक्ट संपरित का उचित बाजार बूक्य, उसके स्थ्यमान प्रतिकत्त से, एसे स्थ्यमान प्रतिकत्त का जन्मद्र प्रतिस्त से अध्यक्ष है और बन्तरक (बंदरका) और बंद्यीरती (बन्तरित को के बीच एसे अन्तरक के जिए तब गया स्था प्रति-कृत निम्म जिस्त उस्पेक्ष से उनत बन्तरक निवित में बास्स-कृत क्ष स्थ से किया नहीं किया बना है ----
 - हैं ज़्यूरप् वे हुई किसी बाव की रावध, उपक अभिनियन के अभीत कर योगे के अन्तरक के धारित्य में कार्ड कार्य या कार्य केशने में यूपिया में सिह; बीट/या
 - (च) ऐसी किसी नाय या किसी धन या शन्य जास्तियों को, चिन्हें शारतीय आय-कर विश्व नथन, 1922 हैं। 1922 का 11) वा उनत व धनियन, या धनकर विधिन्यन, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ वन्दरिती बुनारा प्रकट नहीं किया गया चाया किया चाना चाहिए ।। कियाने वें विश्व के हिन्दर्भ के हिन्दर्भ के हिन्दर्भ के हिन्दर्भ के हिन्दर्भ

बतः ४वं, वश्त निवित्तिक की भारा 269-ण कें, वनुवरण कें, में. उक्त निश्वितम की शास 269-च की उपभाय (1) कें अभीन भिन्नतिस्ति व्यक्तियों क्यांति "---- मिसर्स परिकास सिनेमेटिव इन्टरप्राइ िज (प्राइवेट) लिमिटेड, 170; श्रार० एन० टी० मार्ग, इन्बीर।

(मन्तरक)

 श्रो इन्द्र नारायण प्रवस्थी 153, रेडियो कालोर्ना, इन्दौर।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के सिए कार्यवादियां कुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (b) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूपन की तामील से 30 दिन की अविध, जो शी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील के 45 दन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बक्थ किसी व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाछ सिस्थित में किए जा सकोंगे।

स्वक्तीकरण : — हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

अनुसूचा

दुकान नं० 10. (श्वल मंजिल) झाबुझा टावर्स, 170, भार० एन० टोर्सार्ग, इन्दौर में स्थित हैं।

> एस० सी० प्रामी, सक्षम प्राविकारी, सहायक स्रायकर स्राविक्स निरीक्षण स्र्यजन क्षत्र, भोपाल स्रायकर भवन, होशंगाबाद रोड, भोपाल-

तारीख: 5-9-1985

प्ररूप बाई. टी. एन. एस. -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन क्षेत्र भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 सितम्बर, 1985 सं ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/5911:-- यद मुझे, एस० सी० गर्मा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें परवाह 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), को भन्त 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने स्न कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1.00,000/- को से अधिक ही

श्रीर जिसकी संख्या दुकान नं० 23/25 (तल मंजिल) है तथा जो झाबुआ टावमं, 170, आग० एन० टी० मार्ग, इन्होंग में स्थित है (श्रीण इससे उपावक अन्सूर्च में और और पूर्ण रूप से विजित है) और जिसके अन्तरण से संबंधित विवरण उक्त अधिनियम की धारा 269 ए बं० के अन्तर्भ सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय भोपाल में मई, 1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान 'तिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि संथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का विश्व का विश्व का विश्व का विश्व की विश्

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधि-त्रियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित्व कें कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/वा
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य बास्तिकी को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 ध्वा il) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 दिन्य को 27) के प्रयोजनार्क अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण अं, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निस्मीनिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— 1 मैंससं परिजात सिनेमेटिक इन्टरप्राइसेस (प्राइवेट) लिमिटेड 170, ग्रार० एन० टी० मार्ग, इन्दौर।

(ग्रन्तरक)

(2) मदनलाल आनंद स्व० लाला दीनानाय ग्रानंद 12 यशवंत कालोनी, इंदौर

(अन्तरिती)

(3) श्रन्तरक (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पति है)

को वह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के विवय कार्यवाहियां सुरू करता हुं ।

उन्द कर्याचा के वर्जन के संबंध में कोई भी बाध्येष :---

- (क) इस स्थान के रायपत्र में प्रकाशन की ताराय से 45 दिन की अविधि का तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, यो भी व्यक्तियों में संगिष्ठ होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन के भीतर स्थावर सम्बक्ति में हितबद्ध किसी बन्य स्थित इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकोंगे।

स्वक्षीकरणः - इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, को उक्त किथ-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया नया है।

नग्त्रची

दुकान नं० 23/25 मजिल, झाबुआ टावर्स, 170, भार०एन०टी० मार्ग इंदौर में स्थित हैं।

श्रनुसूची जैसा कि कि कि सि श्रई-12/37ईई/16197/84--85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई, द्वारा दिनोक 10-1--1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० सी० शर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण) श्रजैन रैंज-2, भोपाल

दिनांक: 18-9-1985

मोहर ह

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, भौपाल

भौपाल दिनांक 5 सितम्बर 1985

सं० म्राई० ए० सी०/म्रर्जन/भोपाल/5912:---म्रानःभुन्ने, एस० सी० गर्मा,

अगणकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृल्य 1,,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसेकी संख्या दुकान नं 19 (सल मंजिल) है सथा जो झाबुआ टावर्स, 170, आर एन टी ए मार्ग, इन्दौर में स्थित हैं और इससे उपायद अनुचनी में और पूर्ण रूप से विणित हैं), और जिसके अन्तरण से मर्चिश विवरण उक्त अधिनियम की धारा 269 ए बी के अन्तर्गत सक्षम प्राधिणारी के कार्यालय भोषान में तारीख अप्रैल, 1985

को पर्शेवन सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के किए इन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत स अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिएित में बास्तिषक हुए से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे अभने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी जाय का किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूत्रिधा के लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269 थ की उपधारा (1) के अधीम, निक्निकिविद्य व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1 निर्मिटेड 170, द्वारिक एनक टीक मार्ग, इस्वीर

(भ्रन्तरक)

2. श्री एवम् श्रीमती भदन मोहन बींगया, 10, संगम 16; लिटिल गिपिटिस रोड, मलबार हिल्स बम्बई।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता शुंध

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बविध, जो भी अविधि बाद गों समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों मों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की 'तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक्ष्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषितर हों, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

दुकान नं० 19, (तल मंजिल), झाबुझा टावर्स, 179 भ्रार० एन० टी० मार्ग, इन्दौर स्थित है।

एस० सी० शर्मी, सक्षम प्राधिवारी, सक्षम प्राधिवारी, सहायक श्रायकर श्रायकत निरीक्षण श्रायक भोजाल, श्रायकर भवन, मैदा मिल के सामने, होशंगाबाद रोड, भोपाल

तारीख 5--9-1985 मोहर:

प्रकृप बाही ही एन एस , - - --

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

माउल सरकार

कार्यालय, बहायक बायकर बायुक्त (निर्देशक)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल भोपाल, दिनांक 5 सिसम्बर 1985

सं व्हाई० ए० सी०/अजॅन/मोताल 5918:--अतः मुझे, ए० सी० भर्मा,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पर्तित, जिसका उचित बाजार मूज्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

धार जिसकी संख्या आफिस नं 3 ए (प्रथम मंजिल) है तथा जी झाबुआ धावसें, 170, आर एन टी मार्ग, इन्दीर में स्थित है (भीर इससे उपाबद अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणत है), भीर जिसके अन्तरण से संबंधित विवरण उक्त अधिविम की धारा 269 ए बी के अन्तर्गत सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय भीनाल में तारीख जून 1985 को पूर्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास फरने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित की गई अनि एसे अन्तरण के लिए तब पाया क्या प्रतिफल, निम्निलिक उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिक्त के बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बार/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

बतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) ▼ अधीन, ⁴नम्निसिखित स्यक्तियों, अर्थात ध—— 29—29601|85 1. मैं अर्स परिजात जिनेनेदिन इन्धर प्राइसेस प्राईवेट जिनिटेड, 170, आए० ए५० टी० मार्ग, इन्दौर

(अन्तरका)

श्रीमती चन्द्रावती बाई,
 315, नार्थ राज मोहनका,
 इन्हार।

(अन्तिरती)

को गृह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्पना की तामील से 30 दिन की अवधि, जरें भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ग किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में से किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा रुदा है।

धनुसूची

आफिल नं० 3 ए (प्रथम मिलित) झाबुआ टावर्स, 170, आर० एत० टी० मार्ग, इन्दीर मेस्थित हैं।

एस० सी० शर्मा, सझम प्राधिकारी, सझायक आयक्तर आयुक्तः (िर्साअण) अर्जाः क्षेत्र भोशाल, आयक्तर भवत, मैदा मिल के सामने होशंगाकाद, रोड, भोषाक्ष

हारीखा: 5-9-1985

मोहरः

्प्रकृप आर्क्षा, टी.एन. एक.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के नभीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्रम, सञ्चामक नामकर नाम्यक्त (निर्दोक्षण)

अर्जन क्षेत्र; भोपाल भोपाल, दिनांक 5 सितम्बर, 1985 सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5920:—-श्रतः मुझे, एस० सी० शर्मा,

बावचार मधिनिवस, 1961 (1961 का 43) (जिबे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियस' कहा गया है), की पारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विकास उचित्र वाजार मूख्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

मौर जिसकी संख्या आफिरा नं० 7 (प्रथम मंजिल) है तथा जो झाबुआ टावर्स, 170, आर० एन० टी० मार्ग, इन्दौर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध सूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रौर जिसके अन्तरण में संबंधित विवरण उक्त अधिनियम की धारा 269 ए बी के अन्तर्गत सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय भोपाल में तारीख जून, 1985

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (क) इसी किसी जाव या किसी धन या वन्त जास्तिवाँ की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का भवकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ जन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गवा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

कतः कवः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरणः कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की हिस्सा (1) कों अधारे, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीतः क्रिक 1. मैंसर्स परिजात सिनेमेटिक इन्टर प्राइसेस प्राइवेट लिमिटेड 170, आर० एन० टी० मार्ग, इन्दौर

(अन्तरक)

श्री अमित कुमार
 पिता अमिल कुमार
 315 नार्थ राज मोहल्ला,
 इन्दौर।

(अन्तरिती)

का वह भूकता जाड़ी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिकां बुक्त करला हुने।

क्षमत संपर्वत के मर्भन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन करी अविध या तत्सवधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध जाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबत्र्ध किसी अन्य प्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शस तिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः इसमें प्रवृक्षत शब्दों और पदों का, जो समत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा है।

मन्स्**ची**

अफिस नं० 7, (प्रथम मिजिल) 270, आर० एन० टी० मार्गे, इन्दौर में स्थित हैं।

> एस० सी० धर्मा, सक्षम प्राधि गारी, सहाय आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन क्षेत्र, भोपाल आयकर भवन, मैद्या मिल के सामने होशंगाबाद रोड, भोपाल

तारीख: 5-9-1985

महिरः

प्रकृप आहें ही. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-य (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्याभय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र भोपाल भोपाल, दिनांक 5 सितम्बर 1985

सं. आई० ए० सी० अर्जन/मोपाल 5921:--अत: मुझे, एस० सी० शर्मा,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

धौर जिसकी संख्या आफित नं 4, बी (प्रथम मंजिल) तथा जो झाबुआ टावर्स, 170, आरं एन टी मार्ग, इन्दौर में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसके अन्तरण से संबंधित विवरण उक्त अधिनियम की धारा 269 ए बी के अन्तर्त सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय भोषाल में तारीख जुन, 1985

को पूर्वे वित सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के धरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की मर्द है और मुक्ते यह विदयास करने का कारण है

कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूख, उत्तके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से शिधक हैं और अंतरित (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखिल उत्दृश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबल कप से कथित किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्त्र में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए: और/णा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

गतः अव, उनते अधिनियम की धारा 263-ग के अनुसरण मैं मैं, उनते अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) चै अधीन. निम्निजिख व्यक्तियों, अर्थात् :--- मैं सर्च परिजात सिनेमेटिन इन्टर प्राइसेस प्राइनेट लिमिटेड 170, आर० एन० टी० मार्ग, इन्दौर।

(भन्तरक)

 श्रीमती संघ्या पत्नी महेश कुमार 12, ग्रास्त्री मार्केट, इन्दौर।

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिख् कार्यवाहियां करता हूं।

अक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध के कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीचा के 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर कूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकक व्यक्तियों में ते किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के रावपत्र में प्रकाशन की सारीय सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में किल-बद्ध किसी व्यक्ति दवारा, ज्योहत्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकींने।

स्पाका करण :— इसमें प्रमुक्त शब्दों और वहाँ का, जो सक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में वरिभाषिक है, वही अर्थ होगा जो उस अध्यान के दिवा गया है।

अनुसूची

श्राफिस नं. 4 बी, झाबुग्रा टावर्स, 170, ग्रार० एन० टी० मार्ग, इन्दौर में स्थित है।

> एस० सी० शर्मी, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन क्षेत्र भोपाल श्रायकर भवन, मैदा मिल के पास होशंगाबाद, रोड, भोपाल

सारीख: 5-9-1985

प्ररूप आह. टी. एन . एस . -----

मायकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन क्षेत्र भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 सितम्बर 1985

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पर्णात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के विधीन सक्ष्म प्राधिकारों को, यह विशास करने का कारण है कि स्थावर संपास जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिन्नकी संख्या म्राक्तिस नं० 4, ए प्रथम मंजिल है तथा जो मानुका दलां, 170 करू एन० टी० मार्ग, इन्दौर में स्थित है (और इन्नते उनाबद्ध मनुसूची में और पूर्ण रूप से विणा है, और जिन्नों मान्तर से संबंधित विवरण उनन् मधिनियम की धारा 269 ए वी के मन्तर्गत सक्षम प्राधि हारी के कार्यालय भोजाल तारीख जून, 1985

को पूर्वोका संगत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दृश्यान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संगत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दृह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए स्य पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण किखित में बास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किमी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे कचने में सुविधा के लिए; आर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीम, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- मैंसर्ज परिमात सिनेनेडिक इन्टर प्राइसेस प्राइ लिमिडेड 170, घार० एन. टी० मार्ज, इन्दौर।

(पन्तरक)

 श्री संवीप कुमार पिता सुनील कुमार
 35, नार्थ राज मीहल्ला,
 इन्दौर।

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पिं के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की उविध, जो भी शविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- के दिश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अक्षोहस्ताक्षरी के पास किकित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीफरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों वा, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में विशा गया है।

अनुसूची

ग्राफिस नं० ए (प्रथम मंजिल), झाबुग्रा टावर्स, 170, घार० एन० टी० मार्ग, इस्बीर में स्थित है।

> एस० सी० शर्मा, सक्षम प्राधि गरी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्राचीन क्षेत्र भोपाल आयकर भवन मैदा मिल के सामने होशंगाबाद रोड, भोपाल

सारीख:: 5-9-19.85

प्ररूप बार्ष टी. एन्. प्रस्

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) में अधीन स्थान

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजीन रोंज भोषाल

भौपाल, पिनांक 5 सितम्बर, 1985

सं० फाई० ए० सी०/मर्जन,भोपाल, 5923---प्रत मुझै, एस० सी० गर्मा,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चाह 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जि.की संख्या कृषि भूमि है तथा जो राम बाग, रतलाम में स्थित है (श्रीर इत्तर उपाबद अनुसुधी में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसके श्रन्तरक से संबंधित दिवरण उक्त श्रीधिनियम की धारा 369 ए बी के शन्तर्गत रक्षम श्राधिकारी के नायलिय भोषाल में तारीख मार्च, 1935

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के स्थमान प्राप्त के प्राप्त करा को गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, असके स्थमान प्रतिफल सं, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अन्तरका) और बन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गमा प्रतिफल, निम्निलिस्त उद्देश्य से उस्त अंतरण किस्ति में बास्तविक रूप से किथा नहीं किया गमा है ॥——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबतः, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को बाबित्व में कभी करने वा उन्नचे क्याने में सुविधा के निए। आदि/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भन या बन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ उत्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विभा के लिए;

कतः कव, अकत अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उकत अधिनियम की भारा 269-घ की अपभारा (1) के बभीन, निम्मसिबिट व्यक्तियों, कथीन :---

श्री सरका कुमारी
पतनी श्री बढ़ीमान फरिया
निवासी श्रम्तुयम, समबाग,
रतलाम

(फ्रन्तरक)

- 2. श्री मोहम्मय हुसैन
 - 2. युनुस श्रली
 - 3. शब्बीर हुसैन

4. इशायां अली सभी नाबालिंग पुत्र पिता श्री नजमुद्दीन अब्बास भाई पायावाला रतलाम।

(अन्तरिती)

की यह स्वता जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

सन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश त 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत- बृष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्टीकरण: -- इसमें प्रयुवत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

भनुसुषी

कृषि भूमि, म्यु स्ट्रीट नं० 19 के पास, रामबाग, रतलाम में स्थित हैं। यह वह स्थावर सम्पत्ति हैं जिसवा सम्पूर्ण विवरण धन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37 ईई में स्थित है.

> एस० सी० शर्मा, स्थाम प्राधि ारी सहायक आयुक्त किरीक्षण अर्जन क्षेत्र भोपाल

तारीख 5~9~1935 **मोहर** 2 प्ररूप आईं. टी. एन. एसा.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षरः, धर्णन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 सितम्बर 1985

सं० ग्राई० ए० सी०/अर्जन/भोषाल/65924:---- त्रत मुझे, एस० सी० शर्मा,

शायकर काधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मृत्य 1.,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या भूमि तथा सर्वेन्ट कवाटर्स है तथा जो म्यु स्ट्रीट नं 19 के पास, वाटर्स है तथा जो न्यु स्ट्रीट नं 19 के पास, रामबाग, रतलाम में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसुवी में श्रीर पूर्ण रूप से धणित है) श्रीर जिसके श्रन्तरक से संबंधित दिवरण उक्त श्रीधनियम की धारा 269 ए वी के श्रतगत स्थाम प्राधिकारी के वायलिय भोगाल में तारीख फरवरी, 1985

को पूर्णांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्यांक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से एसे द्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा ब्द्रांकिए; और∕या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, सर्थात् :— श्रीमती सरला कुमारी परनी श्री वर्द्धमान फरिया निवासी ऋषुवन रामबाग, रतलाम।

(भन्तरकः)

 श्रीमती जरीनाबाई पत्नी नजमुद्दीन पाधावाला निवासी ताहिरपुरा, रतलाम।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करंतां हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी मविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति वृवारा;
- (स) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से • 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:---इसमें प्रयुक्त राज्यों और पर्वो का, जो जक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में दरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

वनताची

भूमि तथा सर्वेन्ट क्याटर्स, म्यु स्ट्रीट नं० 18 के पास, रामबाग, रतलाम में स्थित है।

> ए० सी० शर्मा, सक्षम प्राधिवारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त निरीक्षण प्रजीन रेज, भोपाल प्रायकर भवन, मैंग मिल के सामने, होशंगाबाद रोड, भोपाल

तारीख 5--9--1985 बोहर 1

पारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भूजैन रेंज धिल्ली

नई दिल्ली, विनांश 22 सितम्बर, 1985

सं० धाई० ए० सी०/एस-1/एस धार~3/1-85/643:----धतः मुझे, धार० पी० राजेश,

काथकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इत्तरें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित वाचार मूस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

यौर जिसकी संख्या के ०--21 है तथा जो कैलाग नालोनी, नई दिल्ली में स्थित है श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीक्सी श्रिधिकारी के नार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिकारी, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख जनवरी, 1985

को प्वेंक्त संपत्ति के उचित वाजार मृस्य से कम के स्वयंत्राम वितिष्ठल के लिए अंतरित की गई है और मफ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापृथोंकत सम्पत्ति का विचित वाजार मृस्य असके श्वयंत्रान प्रतिष्ठल से, ऐसे स्वयंत्रान प्रतिष्ठल का पन्द्रह शितवात में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित अन्तरिति। अन्तरिति। के वीच ऐसे जन्तर्थ के तिए तब पावा नवा शांत्रफल, निम्नलिखित उद्वर्षों से उक्त अन्तर्थ सिक्ति के सम्पर्थ के सिक्त के सम्पर्थ के सिक्त के साम्पर्थ के सिक्त के साम्पर्थ के सिक्त के साम्पर्थ के सिक्त के सम्पर्थ के सिक्त के सिक्त के स्वरंग के सिक्त के सिक्

- (क) बन्तरण ने हुई किसी बाम की बाक्य, सक्त जीवनियम के जंबीन कर पने के बन्तरक के बाबित्य में कमी करने क उससे बचने में सुविधा के सिए; बॉर/बा
- (स) एसे किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अंतरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुनिधा की लिए;

कतः थवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण कै, कै, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के बधीन,, निम्हलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--- श्रीमती प्रदेशमा कुमारी पत्नी श्री करतार सिंह चन्दर, निवासी के -- 21, कलामा कालोनी, मई धिरली।

(अन्तरक)

2 श्रीमती निना सेठ पत्नी श्री सतींग सेठ, निवासी जी 1/16, दरिया गंज, नई दिल्ली।

कारी यह क्षाना चारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के निष्ट कार्यवाही शुरू करता हुई।

जबत सम्पत्ति को कर्जन को संबंध में कारेग्रें भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींब वें 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों क्य सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति .
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक कें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी कें पाण लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वयद्धीक रण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्तः अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिश हैं, बही कर्ण होगा जो उस अध्याय में दिका गया है।

अनुस्ची

स्तिगल स्टोरी बना हुन्ना घर, प्लाट नं० के०~21, सादादी 311 वर्ग गज, कैलाफ वालोनी, नई दिल्ली।

> श्चार० पी० राजेश, सक्षम अधिवारी, सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजन रॉज 1 दिल्ली,

तारीख: 12~9~1935

प्ररूप साहाँ, टी. एन., एस. -----

न्यायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1 दिल्ली

नहै बिल्ली, बिनांक 12 सितम्बर, 1985 सं० प्रार्थे० ए० सी/एक्यू/1/एस फ्रार-3/1-85/644:---श्रतः मुझे, फ्रार० पी० राजेश,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर मम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

मीर जिं की संख्या एम--73 है तथा जो ग्रेटर कैलाश--2, नई दिल्लों में स्थित है (भीर इस्ते उपाबद मनुसुधी पूर्णे का ले विणित है), रजिस्ट्रीन की प्रधिन की के नायिल गई दिल्ली भारतीय रजिस्ट्रीन काधिनियम, 1908 (1903 जा 16) के मत्रीन, तारीख जनवरी, 1985

क्ये पृतांकित सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है आर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्त्रोंकित सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का भन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उसते अन्तरण निवित में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है ८—

- (क) अन्तरण सं हुइ किसी नाय की बावत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे क्यने में सुविधा के लिए; और/वा
- (का) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा खेलिए;

चतः अव, उक्त अधिनियम भी धारा 269-म के अनसरण हों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित क्यिनतयों, अर्थात् ः—

श्री जे० सी० मलहोता,
 ६-346, ग्रेटर कैलाश-1,
 नई धिल्ली।

(भन्तरक)

2. मैं० ग्रानन्द एपार्टमेंट (प्रा०) लि०, ई--207, ग्रटर कैलाश--2, नई दिल्ली।

(पन्तरक)

की यह स्थना जारी करके प्वेक्ति सम्पत्ति क वर्जन के विष् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपण्णी में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हा, के भीतर पूर्वोकर व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितअद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाछ लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्हीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जीधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं अर्थ होगा, खो उस अध्याय में दिया पदा हैं।

प्रनुसुची

प्रो॰ मं॰ एम--73 ग्रैटर कैलाश--2, नई विल्तीं, सादादी 501 वर्ग गज,

> मार० पी० राजेग, सक्षम प्राधिवारी, सहायक म्रायकर मायुक्त निरीक्षण) म्रजन रेज 1 दिल्ली

सारीखा: 12→9--1995

मोहर 🖫

प्रकल बाह् . टी. एन्: एक्: -----

बायकर लिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के बधीन सुचना

मारत सङ्कार

कार्यालयः सहायक जायकर लाय्का (निराधक)

म्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली,

नई दिल्ली, दिनांक 15 सितम्बर, 198

ि निवेश सं० श्राई ए० सी०/एक्यू/1/एस श्रार~3/1~85/ 645~-श्रतः मुझे, ग्रार० पी० राजेश,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विशे इसवें इसवें परचास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के वधीन सक्तम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाबार व्यवस्थ 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी संख्या एस 349, है तथा जो ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली में स्थित है (भीर इससे उपायदा अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1985।

का. पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के अवजान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है जौर मृश्वें वह विकास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बृह्म, उसके उस्तमान प्रतिफल से, एसे अवगान प्रतिफल आ पंत्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और बंतरिकों (बन्तिरितिकों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तब पाया चथा प्रतिफल, निम्नितिबित उद्योग्य से उक्त अन्तरण निम्नितिबत अमें वास्तिक अमें कार्सिक अमें की कार्य हैं

- (क) बन्तरण तं हुई किसी नाम की गायक, उक्क विधिनयम के अधीन कर दोने के बन्तरक के शक्तिक में कनी करने ना स्तर्स वचने में बन्तिक वे सिए; बीड़/वा
- (क) ऐसी किसी बाय वा किसी धन वा बन्ध वास्तिकों कर्त, जिन्हों भारतीय आयकार विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया बाना चाहिए था खियानं को सुविधा के सिए;

बत का बाब , उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में , में , उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की लच्छारा (1) को अधीन . किम्मिलिखत व्यक्तियों , अर्थात ६—— 30—296GI85

 श्रीमती स्वरूप कौर पत्नी श्री हरबन्श सिंह बक्शी, निवासी-131, पालिका बाजार, नई दिस्ली।

(ग्रन्तरक)

2. मैं० डैनी डेयरी श्रीर फुड इंजीनियर्स (प्रा०) लिं० वेहरादून रोड, सहारनपुर, द्वारा डायरेक्टर श्रीमती नरगिस मणिक, (श्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति क उजन के निष्ण कार्यवाहिया करता हो।

उपत सम्बक्ति के मर्जन के संबंध में शाई भी जाक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 बिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बचीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्चेक्सि व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- क्यूथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा. अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वयाज्यकः इसमें प्रमुक्त सन्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अन्स्की

दूसरी मंजिल, (बरसाती फ्लोर) प्रो० नं० एस० 439, ग्रैटर कैलाश~1, नई दिल्ली

श्चार० पी० राजेश, मक्षम प्राधिःगरी, महायक श्रायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज-1 नई दिल्ली

तारीच : 12--9-1985

प्र**क्ष्य नार्ष**े द**्वे. एन**्यस्य स्वयन्त्र सम्बद्ध

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्याजय, तहाबक आसक्तर सामुक्त (निर्देक्क्य)

ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 सितम्बर, 1985

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही, की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका सचित बाचार मूक्य 1.00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या एस~170, है तथा जो ग्रैटर कैलाश→2, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबक श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जनवरी 1985।

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वमान प्रतिफल के लिए अन्तरिस की नई है और मूक्षे यह निष्यात करने का कारण है कि स्थाएकोंक्त सक्ष्यित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्यमान प्रतिफल से, ऐसे क्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिफत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चरेय से उक्त अंतरण निचित्त में, बास्तिक रूप से कथित नहीं किया वया है:---

- (क) जन्तरण से हर्ड किसी काय की बावत, आयकर अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा. के लिए; और/या
- एसी निक्सी नाय का किसी अप वा कन्य किस्तियों की, जिन्हीं भारतीय खायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था ता किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के निए;

कत्तः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (१) के अधीन, निम्निलिखित अ्कित्यों, अर्थात् :--- कुमारी 'सिमा श्रग्रवाल पुत्ती श्री एम० पी० श्रग्रवाल, निवासी ई~482, ग्रैटर कैलाश ~2, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती परिसम्बर बेरी पत्नी पी० श्रार० बेरी, मास्टर पंकज, बेरी, मास्टर नीरज बेरी, निवासी~328, लाजपत नगर, जालन्धर (पंजाब)।

(मस्तरिती)

को सह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सक्पत्ति के अंजीन के हैलह कार्यवाहियां करता हूं।

क्या सम्बक्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षीय ह—

- (कां) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 विम की जविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तासील से 30 विन की अवधि, को मी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वहुथ किसी अन्य स्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के नाम किसिस में किए जा सकोंने।

स्पष्टिकरण:---इसमं प्रयम्त शब्दों और पदों का, जो उच्छ किंधिनिसम के अध्याय 20-क में परिभाविद हैं, नहीं अर्थ होगा, जो उस सभ्याय में विका सम्ब हैं।

क्यूसूची

ग्राउण्ड प्लोर, श्रौर बेसमेंट प्रोक्लोर नं० एस०→170, ग्रैटर कैलाग--2, नई दिल्ली सावादी 300 वर्ग गज।

> श्रार० पी० राजेश, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंण 1, नई दिल्ली

तारीख: 12-9-1985

प्रक्रम बाह् , टी, एन, एव, कार्यात्रक

नारकः निर्मानवन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के न्यीन स्थान

भारत सरकार

कार्यक्रम सङ्गायक आयकर याम्बन (१००काला) । श्राजीन रोज-1, दिल्ली

नई विल्ली, दिनांदा 12 सितम्बर 1985

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०|एक्यू| 1|एस श्रार-- 3| 1-- 85| 648:~ भ्रतः मुभे, श्रार० तो० एः नग,

णायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

धौर जिसकी संख्या प्लाट नं० 3, ब्लाइ नं० 'ए' है तथा जो एम० डी० एस० ई० भाग-1, नई दिल्ली में स्थित है भौर इससे उपाबद्ध अनुसुची में पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण प्रधिक्तियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन सारीख जनवरी, 1985।

को प्राक्त सम्पत्ति के अचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिकार के लिए जन्तरित की गई है जोर मुक्त यह । बह्बास का कारण है कि श्याप्योंक्त सम्पत्ति का अचित बाजार मूल्य इसके श्रवसान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल को पेइह प्रतिचत से जीवक है जीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (बंकरितियाँ) के जीव एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निकासित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में

- (क) अन्तरण से हुंदूर किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के अधिक्य में क्ष्मी कुट्ये या उससे अथमे में द्विथा के सिए; बीड/वा
- (ता) होती किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हों सारसिय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत अधिनियम, वा धनकर बीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्यारा प्रकट नहीं किया यया था या किया जाना चाहिए था, कियाने से ह्रिया के किए;

कतः बन, उक्त अधिनियमं की धारा 269-न के अनुसरण को, को, उक्त अधिनियमं की धारा 269-न की उन्धारा (1) के बनीन निकालिया व्यक्तियमं प्रभाव क

- 1 श्री णिव प्रह्नलाव सिंह पुत्र श्री विवारी सिंह, निवासी हाऊस नं० 112, हरी नगर तिहाड़) डी० डी० ए फ्लैटस, नई विल्ली।
 - (श्रन्सरक)
- श्री विजय कुमार
 पुत्र श्री सतपाल विर (2)
 श्रीमती किरत देवी पत्नी
 श्री पवन कुमार
 निवासी 168, 3 सी नेहरू, नगर,
 गाजियाबाव।

(भ्रन्सरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्मक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस त्वना के राजपव के प्रकावन की तारीच से 45 विन की अवधि ना तत्वक्षण्यी व्यक्तियाँ एक स्वन की सामील से 30 विन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपन में प्रकालन की सारीस ते 45 दिन के भौतर एक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवकुथ किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्वकारणः ---इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्यों का. वा उक्स स्विधितिया, के सभाव 20-क में परिभावित ही, वहीं अर्थ होगा को उस सभाय में दिया नवा है।

प्रमुखी

फी होला प्लाट नं० 3, ब्लाक नं० 'ए', नाद दी 200 वर्ग गुज, एम० सी० एस है भागडा, नई दिल्ली

> श्रार० पी० राजेण, सक्षम पाधि⊲ारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोज 1, दिल्ली

नारीख: 12--9--1985

माहर 🖫

प्रस्व नाई.वी.एन.क्क.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-ध (1) के अधीन त्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आवृक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेंज 1, विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 सितम्बर, 1885

िर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू/1/एस श्रार-3/1-85/649 श्रत: मुक्षे, श्रार० पी० राजेण,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विस्ते क्ला किसके प्रवात पंजा किस अधिनियम किस गया है), की धाक 269-के के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विद्यात कर्ण का का का ए है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का जीवत वाचार 1,00 000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या प्रो० नं० 2-एफ०/63 है तथा जो लाजपा नवर, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रानुसूचा में पूण का न बणित है), रजिस्ट्रोक्ता श्रीधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजर्स्ट्रोकारण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, सारीख जनवरी, 1985

को वृयंक्ति सम्मत्ति के उभित बाजार मृत्य सं कन के अवसान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वाक्त सम्पत्ति का जीवत बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह् प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निम्निलिखत में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बास की बाबक, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दासित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (व) एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों कर, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियस, 1922 (1922 का 11) या उकत अभिनियस, या भनकर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनाथ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया या विकास जाना काहिए था, विज्याने में सुविधा से सिद;

मतः अस, उक्त सिंधिनयम की भारा 269-ग के सनुसरण के, भी, उस्त अभिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अभी।, निम्निलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :--- श्री रामस्वरूप दुश्र'
 2-ई/49, लाजपतनगर,
 विल्ली।

(भन्तरक)

श्रीमती बिसला रानी
 परनी स्व० ग्राजित सिह,
 2 एफ/63, लाजपत नगर,
 नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

का यह तुमना मारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यगाहियां करता हो।

उपत बंपरित के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राषपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तिवारों कर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यधि, वो भी जन्मि बाद में समाप्त होती हो, के भीतक पूचीकर का वित्तारों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीबा सं 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितंब्र्य बर्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा, नभोहरू तक्षरी के यास निवित्त में किए जा सकोंने।

स्वक्यकरणः --- इसमें प्रयुक्त सम्बागिर पर्यो का, को उक्त अधिनियम, को अध्यास 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्यास में विसा गया है।

अनुसूची

2-एफ 63, लाजपतनगर, नई दिल्ली, ताक्षादी 10 वर्ग गज।

> म्रार० पी० राजेम, सक्षम ग्राधिकारी, सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रोंज,-1 दिल्ली

सारीख: 12-9-1985

प्रकप् आर्द् टी. एन. एवं . ----

ं सायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-यं (1) के अभीन सूचना बाह्य सरकार

कार्याक्षय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्धिक)

श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ला, दिनांक 12 सितम्बर 1985

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/एस० ग्रार०-3/

1-65/650--श्रतः मुझे. श्रार० पी० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उन्कर अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० ए/464 है तथा जो डिकोंस कालोनी, नई दिख्लों में स्थित है (श्राँर इससे उपाबद्ध श्रासूची में श्राँर पूर्ण रूप से वणित है), रिजस्ट्रानर्ता श्रीधवार है: व.यित्र, नई दिल्ली में रिजस्ट्राकरण श्रीधनियम, 1968 (1908 वा 16) के श्रीधान ताराख जनवरी, 1985

को पूर्व कत सम्मत्ति के उकित बाजार भूल्य से कम के सम्मान तिफल के लिए अन्तिरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने ना कारण है कि यभ/पूर्वोंकत संपत्ति के उचित नाजार भून्य उसके दृश्यमान प्रतिकार से एसे दृश्यमान प्रतिकास का खिह प्रतिशांत से लिथक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के नीच ऐसे अन्तर्ग के लिए तय निमास गा प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त बन्तरण निकास में वास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है:---

वायित्व में कभी करने या उससे अधने में सूविधा को लिए; और/या

- (क) जन्तरण संहुई किसी भाग की बाबत, सकत अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक की
- (ण) ऐसी किसी अप या किसी अन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उजस अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

कतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-१ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निस्नसिचित अधिकतयों, अर्थाक :---- (1) श्री सोहन लाल पुत्र श्री ठाकुर दास, भी-160, हरी नगर, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती हरब स कौर पत्नी एम० गुरनाम सिंह कालोटी, निवासी सी-1, भौर 3, कारबाला कालोनी लोधी रोड, नई दिल्ली।

(ब्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बचन के जिल कार्यशाहियां करता हूं।

उपत संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बासंप :----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच वे 45 दिन की अविध या रास्त्रंभी ध्यक्तियों पर प्यान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी ध्विध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा
- (व) इस सूच्या के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हित-रव्ध किसी अन्य स्वित इवारा बभोहस्ताक्षरी के पास दिख्ला में किए जा सकरें।

स्पन्नीकरणः—इसमें प्रयुक्त कर्ष्यां और वदों का, को उक्त शिवित्रम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, यही वर्ष होगा, को उस अध्याध में विका गया है।

धनवर्षी

प्रापर्टी बरिंग नं० ए-464, डिफ़ेंस कालोनी, नई दिल्ली, साम्रामी 236 वर्ग गर्ज ।

आर० ो० राजेश
. सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

सारीख : 12-9-1985

प्रकृत आहें, टी. एत. एस. निर्माणना नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व् (1) के अभीत स्वमा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक गायकर गायुक्त (निर्दासण), अर्जन रेंज-1, नई दिल्ला

नई दिल्ली, दिनांक 12 सितंम्बर 1985

निदेश मं० ग्राई० ए० मो०/एक्यू०/एस० ग्रार०-3/ 1-85/84-85--श्रतः मुझे, श्रार०पी० राजेश

वासकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके परवास 'उक्त विभिन्नम्' कहा गया हैं), की भाष 269-व के वभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विभ्वाम करने कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका छिचत बाबार मृक्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० ई-607 है तथा जो ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकार के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण, श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिथीन, तारीख जनवरी, 1985

को पूर्वो कत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के खरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से ,, ऐसे इश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंत-रितयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलीचत उद्विश्य से उक्त अंतरण लिचित में वास्तिवक कप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बायतं, उपत अधि-नियम के अधीन कर दोने के अध्ययक के वाजित्य में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; बार/या
- (वर्ग) एसी किसी नाय या किसी भन या जन्य नास्तवाँ को , जिन्हों भारतीय नायकर वाँभनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर निधिनयम, या भनकर निधिनयम, या भनकर निधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपने से सुविधा के शिष्ट;

बंदा वर्ष, उक्त विधितियम की भारा 269-ग के जनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) ले अधीत, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धात :--- (1) श्री एस० एल० शिकारी पुत श्री एम० एल० शिकारी, कर्ती आफ मै० एच० एल० शिकारी (एच० यू० एफ०), निवासी 217, जी० डी० ए० फ्लैट्स कालका जी हौस खास, नई दिल्ली।

(भ्रन्सरक)

(2) श्रोमती सरोज सबरवाल पतनी श्री इन्दर राज बरवाल., निवासी एस-405, ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली।

(मन्तरिती)

को यह सुक्ता जारी करकं पूर्वित सम्परित के अजन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हूं।

उक्त सम्पति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी गाओप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी वा की 4.5 दिन की अविधि या तस्सविधी व्यक्तियाँ पर सूजना की तामील से 30 दिन की जन्मि, को भी बाधि बाद में समाप्त होती हो, के भी र पूर्वों कर व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इ.त स्कान के राजपत्र में प्रकाशन की तारांक है 4:5 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हितबह्म विसी अन्य ज्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास विसित में किए का सकरि।

स्पक्किरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों अदि पदों का, को उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

रेजीडेंटल फ्लैट्स /दूसरी मंजिल, प्रो० नं० ई--607, ग्रेटर कैलाग-3, नई दिल्ला तादादी 1100 वर्ग कीट।

> श्रार० पे≀ः राजेश सक्षम ऽाधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त ('नेरीक्षण) श्रर्जन रेंज⊶1, नई दिल्ली

नारोख: 12-9-1985

प्रक्षम्, बार्दः, दी. एतः, एतः, न्यः

नायकर अभिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) को अभीन सृभना

शारत बरकान

कार्यांसय, सहायक आयकर आयुक्तः (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज⊶1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 12 सितम्बर 1985 निदेश सं० श्राई० ए० सी० /एक्यू०/1/एस० श्रार०-3/ 1-85/653--श्रतः मुझे, श्रार० पी० राजेश विकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमे

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परवात 'उदत विधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसको सं० भाग-4, नेशनल पार्क लाजपत नगर, नई दिल्ली में स्थित हैं (श्रीर इसमें उपाबक अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्लो में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी, 1985

कारे पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृल्य से काम के इत्यमान वितिष्मल के सिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार बृद्ध, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिफल का पन्तर प्रतिखत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बंदिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तब पावा का वितिक मिम्निवित खद्दिय से उपत बंतरण विविद्ध में पास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण ते हुई किथी बाग को बाबत, उक्त बीधिविवक के अधीन कर दोने के बन्तारक के द्यीयत्व मीं कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बार/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वार प्रेकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खियाने में सुविधा के लिए;

नतः अर्थ उक्त निधिनियम की धारा 269-न से नन्सरक कें, कें, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) कें अधीन, निम्नलिबित व्यक्तियों, अर्थात् प्र⊶ (1) श्रामती हरबंस कौर तरूला पत्नी स्वों० राम सिह नरूला, निवासी 9914, प्रभा स्ट्रीट, नवाब गंज पुल, बंगस, दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री हंसराण मेहुता पुत्र श्री घातम प्रकाश निवासी -196, डिफ़ेंस कालोनी, नई दिल्ली।

(ध्रन्तरक)

को नह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सञ्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरु करता हुई ।

डक्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी बाओप

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के के 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी अयिक्तमों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिमों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति सं
- (क) इस स्वान के रावपन में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मं हित्-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधीहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकोंगे।

स्वक्षांकारण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो सबस अधिनिवस के अध्याय 20-क में परिशादित ही, वहीं वर्ष होगा जो जस अध्याय में दिसा प्रवादः

मन्सूची

प्लाट नं० 46, एन० एच० भाग-4, तादादी 200 वर्गे गज,नेशनल पार्क, लाजपत नगर, नई दिल्ली।

> ग्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) मर्जेस रेंज-1, नई विल्ली

तारीख: 12-9-1985

जोंडर 😘

प्रकथ बाइ. टी. एन. एस. ------

नायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के मधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक कायकर बायक्त (निर्दाक्षक)

मर्जन रेंज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 9 सितम्बर 1985

निदेश सं अाई० ए० सी० /एक्यू०/1/एस० आर०-3/ 1-85/654--अतः मुझे, आर० पी० राजेश

चायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वार करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाचार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं प्रो० नं ई-101 है तथा जो धेटर कैलाग-2 नई दिल्ली में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबज धनुसूक्ती में और पूर्ण रूप से विज्ञत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्राधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के धोन, तारीख जनवरी, 1985

को प्वॉक्त सम्पत्ति के जीवत बाजार मृत्य से कन के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रों यह जिस्तास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, ऐसे व्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से बीधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अन्तरितिकों) के बीध ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया। तिफल निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त कन्तरण सिचित में बास्तिक क्य से कीधत नहीं किया गया है :—

- हुँक) अन्तरण वे हुई हिक्की बाय की शायतः, व्यस्त व्यक्षित्वन के नवीन कर देने के वस्तरक में राजित्य ने कनी करने ना अवसे वस्ते में स्विधा के क्यार
- पिती किसी जाय या किसी भन या बन्य वास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना भाहिए था, छिपाने में सविधा के जिल्हा

क्षेत्र सक्त, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ को उपधारा (1) धीन, निम्नतिकित व्यक्तियों, वर्षात् ह— (1) मैं ० भगवती बिल्डर्स, ई--588, ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली ।

(प्रन्तरक)

(2) श्रीमती सत्या रानी डन्ना पत्नी स्व० श्री लक्ष्मी दास, निवासी 16, नेशनल पार्क, नर्ष दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

बन्दा चंपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाझेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की जनिध या कत्सेवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की जनिध, जो भी जनिध नाद में मनाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराच क 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिरणः - इसमें प्रयुक्त शस्यों और पर्यों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होना जो उसु अध्याय में विशा गया हैं।

वन्यूचो

दूतरी मंजिल, प्रो० नंः ई-101, ग्रेटर कैलाश-2, नई विल्ली तादावी 1350 वर्ग फ़ीट ।

> श्रार० पो० राजश मक्षम प्राधिकारी सङ्ग्रह श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज−1, नई दिल्ली

तारो**ख** : 9--9-1985

म्ब्रेट 🕄

प्रकृप बाई. टी. एम. एस. -----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सहकार

कार्यासब, सहायक अध्यकर आयक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 12 सितम्बर 1985

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० श्रार०-3/-1-85 255 श्रार० पी० राजेश;

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, 'जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

गौर जिसकी मं० फ्लैट नं० डी-42, है तथा जो एन-जी-एम-ई भाग-1, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद अनुसूची में भीर पूर्णका में वर्णिन है), र जिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय र जिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय र जिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय र जिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1-1-1985 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दिस्मान अतिकास के रिमए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि संभापबाँकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके दिस्मान अतिकाल से, एमे दिस्मान अतिकाल का पन्नह अतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अंतरिती (अन्तरित्याँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया शिक्तल, निम्निश्चित उद्वेद्य से उक्त अन्तरण निवित्त में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम की अधीन कर क्षेत्रे के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उक्षसे बचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर, अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जानक किहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

(1) श्रीमती क्याम सुन्दर दुक्तरालश्रीमती मनोरमा टकराल, निकापी-डो-42, एन० डो० एस० ई०-1, नई दिल्लो।

(ग्रन्तरक)

(2) म० म्रजन्ता सलायर्स (प्रा०) लि०,
 ए-6, लिग रोड, एन० डी० एस० ई०-1,
 नई दिल्ली।

(ग्रन्तरितः)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सुचन की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के गाजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त रशावर सम्पित्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्षित में किए जा सकेंगे ।

स्पक्षतिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित है, वहीं अर्थ होगा जं उस अध्याय में दिया गया है।

नगसची

2-1/2, सुटोरी विल्डिंग नं० डi-42, एन० डi० एस० ई0-1, भाग-1, नई दिल्ली, हादादi-143 वर्ग गज ।

म्रार० पाँ० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजन रेज-3, नई दिल्ली

तारीख : 12--9-1985

१६म् अहर्, टी. एव . एयु_{क्र न्याप} नामा

बाय्कर अभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के ब्रुपीत सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-1, नई दिल्ली नई दिल्लो, दिनोक 12 सितम्बर 1985 निदेश सं० ग्राई० ए० स०/एक्यू०, 1/एस० ग्रार०-1/ 1-85/656—ग्रत: मुझे, ग्रार०पो० राजेश

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1.90,000/- रु. से अधिक है

र्थार जिल्ला मं० डा-395 है तथा जो डिकेंव कालोना, नई दिल्ला में स्थित है (श्रीर इन्.: उपाबद श्रनुसूच) में श्रीर पूर्ण स्था से विभिन्न है), रिजस्ट्रा इति श्रीक्ष जरा के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रा तरण अधिनियम 1908 1908 वा 16) के श्रावंगन तारीख जनवर , 1985

को प्येक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिब की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अंतरितियों) के त्रीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्च श्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक र दायित्व में कमी करने या उससे सचने में सुविधा के लिए; बाँड/बा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन या जन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय जाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिभिनियम, या भन-कर जिभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया भया था या किया जन्त चाहिए था, फिलाने में अधिका के लिए;

अतः व्या, उक्त जिभिनियम की भारा 269-म के जनुसरण में, भी, उक्त अभिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अभी। निम्नलिखित व्यक्तियों, जबति :--- (1) लेफ्टिनेंट कर्नल करतार सिंह, 72/ए, जवाहर क्वार्टर , सर्माप बेगम ब्रिज, मेरठ ।

(भन्दरक)

(2) अनर गैन्गिंस सुगर एण्ड इण्डिया लि०, 9/1, श्रार० एन० मुखर्जी रोड, कलकता ।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शूरू करता हू ।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन की अविधि या तत्मंबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि श्राद में समाप्त होती हो, के भीकर प्रवेक क्यिक्तयों में से किसी व्यक्ति रहारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मो हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरों के पान लिखित मो किए जा सकोंगे।

स्थरकोकरण:--इसमों प्रयावत शब्दों और पत्रों का, जो उनक अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित हाँ, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया हाँ।

अनुसूची

प्रो० नं० डो-395, डिक्रेंस कालोनी, नई दिल्ली तादादी 354 वर्ग गज

> ग्रार० पो० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्लों

तारीख: 12-9-1985

माहर :

प्ररूप भाषीं , टी., एन., एसं ,------

बारकर विभिनियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के वभीन सुभना

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक भाग्कर आयुक्त (निर्क्षिण)

श्रर्जन रेज-1, नई दिल्लं नई दिल्लं, दिनां 13 फिलम्बर 1985 निदेश संघ श्राई० ए० साठ /एवयू०/1/एस० झार०-3/ 1-85,657--श्रतः सुझे, श्रार० पा० राजेश बायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियन' कहा गया है'), की धारा 269-इ के मधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का

कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00000/-रु. से अधिक हैं ओर जिसका सं० ६० 605, तथा जो ग्रटर कैसाग-2 नई दिल्ला में स्थित है (ग्रीट इसो उपाबद्ध अनुसूचा में ग्रीर पूर्ण का ने विभाग है), प्रिल्टा एती ग्रधि तर के कायिलय, नई दिल्ला में र्यास्ट्रा एएण बिधिनयम, 1908 (1908 एत 16) के ग्रायांन, ताराख जनवरा, 1985

को पूर्वोक्श संपरित के उपित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य. उसके दश्यमान प्रतिफल से

सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंत-रक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंत-रण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी बाय की वाक्स, उत्तः अधिनियम की अधीन कर दोने की अन्तरक को दायित्व में कमी करने वा उससे वचने में सुविधा अर्ज लिए; बोर/या
- (अ) इसी किसी आप या किसी अन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आपकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिथिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, खिषाने में सुविधा अं लिए;

बत. कव, उसत अभिनियम की भारा 269-ग के बन्सरण को, मैं. उक्त अभिनियम की भारा 269-थ की उरभारा (1) के अभीग, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रा प्रदोप शंकर भट्ट ग्रीर श्रो ग्रभि गंकर भट्ट पुत श्रा ग्रभ्वा शंकर भट्ट, द्वारा ग्रटार्नी : सनायसेठ निवासा जा-1/16, दरियागंज, नई दिल्ला ।

(श्रन्धरक)

(2) श्रा सुवा जाना पुत्र श्रा नन्द लाल शर्मा और श्रामता रूपिन्दर शर्मा पत्नी श्रा सुवा उर शर्मा, निवासी एस-21, बटर कैलाश-1, नई दिल्ला।

(भ्रन्तरितीं)

को यह सूचना आरी करके पूर्वेक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जा भी अविध बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर प्वोंक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना क राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितसहस् किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरों के पान लिखित में किए जा सकी गे।

स्वक्योकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उबसे अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अभुसूची

पहलो मंजिल, ग्रेटर माफ़ प्रो० नं० ई-605, ग्रेटर कैलाफ-2, नई दिल्ला कादादा 696 वर्ग फाट ।

> श्चार० पो० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्चायुक्त . (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख : 10-9-1985

प्ररूप वार्.टी.एन.एस.-----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन सुबना

भारत सरकार

कार्यालय, ब्रहायक आमकर आयुक्त (निज्ञीक्षण)

श्रर्जन रेंज्ञ-ा, नई दिल्ल*ो*

नई दिल्लंं, दिनांक 12 सितम्बर 1985

निदेश मं० ग्राई० ए० संः० /एक्यू०/1/एस० ग्रार०-3/ 1-85/659---श्रतः मुझे, ग्रार० प∵० राजेस

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अभीन अक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर सम्बत्ति, जितका उजिद्य नाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसको सं० 6 है था जो पृथ्वोराज रोड, नई दिल्ला में स्थित है (शीर इन्ने ज्ञाबड ग्रानुता में ग्रीर पूर्ण रूप से विभिन्न है), तिस्ता हती ग्रीध हारा के ज्ञासीलय, नई दिल्ला में रिजस्त्रा हरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रामीन तारीख जनवरी, 1985

को पूर्विकत सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बॅतरित की नई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्स सम्पत्ति का उपित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल के एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया, प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित भी वास्तविक रूप से किथत नहीं क्या गया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करणे या उससे अखने में सुविधा दायित्व के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयण्ड-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त आधिनियम, या धन-कर-अधिनियम, 1057 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

सतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. ीमनिविश्वत व्यक्तियाँ, अर्थात् हे—— (1) श्रामता इमिला देवी, 6, पंचशाल मार्गे, नई दिल्ला ।

(अन्तर ह)

(2) रोहित टावर बिल्डिंग लि०, 28, नजफ़गढ़, रोड, नई दिल्लं/।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथींक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिष् कार्यशाहियां करता हूं।

उक्त सम्मति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्रोप :---

- (क) इस त्वना के राजपण में प्रकाशन की तारीख वे 45 दिन की जनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की जनिथ, जो भी अविध याद में समाप्त होती हो, के भीतर वृजीक्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की बारीय से 45 विन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हिंद-वव्य किसी जन्म व्यक्ति व्वारा, जभोड्ड्साक्षरी के पात सिवित में शिक्य का सकेंगे।

स्वध्यक्तिरणः - इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो सक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क के परिभाषित है, तहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवा गया है।

वनस्वी

6, पृथ्व। राज रोड, नई दिल्लो टोटल एरिया, 2 52 एकड़ ।

> भार० पो० राजेक सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भूजेन रेंज-1, नई दिल्लो

नारीख : 12-9-1985

श्रस्य बाइं. टी. एन. एत्,----=

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकाड

कार्यालय महायक काथकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्लीं

नई दिल्ली, दिनांक 12 दितम्बर 1985

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संव ए 10267 है तथा जो ग्रैटर कैंगाग-2, नई दिल्ली में स्थित है (ऑर इन्ने उपाबद अनुसूर्वी में और पूर्ण रूप से दिल्ली में रजिस्ट्री राजि अधिनारी के वार्यात्य, सई दिल्ली मे रजिस्ट्री राण अधिनियम, 1908 के (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरीं, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर उन के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बच्चने में सुनिधा के लिए; और/या
- (ह) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नत अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रभट नहीं किया गृहा था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में मुविधा के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निमनलिखता व्यक्तयों, अर्थात् :--- (1) श्री श्रशोद बोहरा,
 8/1, साउथ पटेल नगर,
 नई दिल्ली ।

(अवत्रक्र)

(2) श्री पंत्रज कुणवाहा पुत श्री एस० एस० कुशवाहा, निवासीसीं० बीं-6/8, लोकल मापिग सेक्टर, सफदरजंग इनक्लेब, नई दिल्लीं।

(भ्रन्त रितीं)

को यह सूचना आरने करके पूर्वोक्त सम्पत्ति क अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वार्जन के सब्बंध भा काई भा आठ प ----

- (क) ,इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी क्ष स 45 दिन की अवधि या अल्पम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवाराः

स्पष्टोकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-उ. र. पोजन्मायत हैं, वहीं कर्य होगा जो उस अध्याय मा दिया गया है।

अनसची

फ्लैंट म्रान पहलीं मंजिल, प्रा० नं० एत० 267, ग्रेटर कैलाम-2, नई दिल्लीं।

> श्रार० पीं० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारींख: 12-9-1985

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस. -----

नाधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्रम, सहायक वायकर वायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई :दिल्ली नई दिल्ली, दिलांं 12 जिसम्बर 1985 निदेश सं० आई० ए० सी० /एक्यू०/1/एस० आर०-3/ 1-85/661---अतः मुझे, आर० कीं० राजेश

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का आरण हैं कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकीं सं०, प्याद र्नू० ए-233 तथा जो डिफेंस इनलोनी, गई दिल्लीं में स्थित है (और इनसे उपादद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीं तो अधियारीं के बार्यालय, नई दिल्ली में उपितस्ट्रीं, एण अधिनियम, 1908 (1908 सा 16) के अधीन, तारीक्ष जे परी, 1985

को पूर्विक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उशके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया नया प्रतिफल निम्हिलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिबक रूप से क्षित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण पंहुइं किसी बाब को बाबन, अन्वक बिधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दावित्य में कमी करने स्न उससे बचने में सुविधा के बिए; बार्ट/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर आधिनयम, 1922 (1922 को 11) या उत्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं कि ए। गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के सिए;

कत. अब उक्त अधिनयम की धारा 260-म के अनमरण कें, कैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) कें अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, वर्षात् ः—

(1) श्रीं प्रीतपाल सिंह पुत्र श्रीं तिलोचन सिंह, 57, हेमगुन्ट, नई दिल्लीं ।

(ग्रन्तरक)

(2) द इण्डिया एसीरेंस कम्पनीं लि०, गुलाब भवन, 6, बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्लीं।

(भ्रन्तरितीं)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए रायवाहिण करता हो।

उक्त संम्पत्ति के अर्जर के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में संकिमी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावार संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्षत में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्तर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची 🗸

प्लाट नं० ए-253, डिफेंस झालोनी, नई दिल्ली।

म्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजैन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख: 12-9-1985

मोहर 🖫

प्रकप 'लाई' . दी . एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन मृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्लीं, दिनांक 12 नितम्बर 1985

विदेश सं० आई० ए० सीं० /एस्यू०/1/एस० आई०-3/ 1-85/662--श्रत, मुझे, आर० पीं० शाजेश

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पञ्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, नियका उचित वाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सी-2/34 है तथा जो नाजपत नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबंड धनुसूची में और पूर्ण रूप से चणित है), रिल्ट्रीयती ध्रिधिारी वे दार्यालय, नई दिल्ली में रिजिस्ट्रीयरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 रा 16) के श्रिधीन, तारीख जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमे दृश्यमान प्रतिफल के पद्म प्रतिक्रत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती .(अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तर्ण के निए तय पाया मया प्रतिक्त का, निम्निचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निक्ति में बास्तिंशक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के उन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयांजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट रहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था छिपाने में मूजिथा के लिए:

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को में उक्त अधिन्नियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्निशिक्षत व्यक्तित्यों, अर्थीत् :---

(1) श्री मोतृत पाप मोतना, छ/20, यरिषाग्य, यई दिल्ली ।

(ग्रतरः)

 (2) श्री मोहन लाल साहतगरी, सी-2/34, लाक्पत नगर, नई दिल्ली ।

(अन्तरितीं)

को यह सूचना जारी करके पूर्विकत सम्पत्ति के भन्नन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के गर्बंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख म 45 दिन की अर्धाध या तत्नंबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अत्रीध, जो भी अविध के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मों हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के एक लिस्ति मों किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

सरशारी बनीं हुई प्रौप नं० सीं-2/34, व्याजपत नगर, नई दिल्ली ताप्रादी 100 वर्ग गज,

ग्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधि गरी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेज-1, नई दिल्ली

तारीख : 12-9-1985 मोहर:

प्ररूपः बाइ : टी. एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

नारत् तरकानु

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंग-1, नई दिल्लीं नई दिल्लीं, दिनांश 13 पितम्बर 1985 निदेश स० आई० ए० स० /एक्यू०/1/1-85/ 363--श्चल मुझे, आर०पीं० राजेश

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावन सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं एस 114 है तथा जो ग्रेटर कैलाग-2, मई पिल्ली में स्थित है (और इस्ते उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है, रिजम्द्री ति अधि तरी के सामन्य, सई दिल्ली में उस्वरी, 1985

को न्वींक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के कश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत स रिथक है और अंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसं अंतरण के लिए तय पाया गया श्रतिफल निम्नतिबित उद्योध्य से उक्त अंतरण जिलित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण संहुरं किती नाय की बावत, उक्त अभिनियम के जधीन कर दोने के अंतरक के शीयत्य में कभी करने या उसके बच्ये में सुविधा के लिए; जीर/वा
- (भ) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अंतरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, क्रिपाने जें सुनियम के लिए:

अतः अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) श्री निरंदन दास सहगत, श्री सुरिन्दर नुमार सहगल, निघासी ए~40/मी, साकेन, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री गुरचरन सिंह प्रारोड़ा, श्रीमती जगदीश ग्रारोड़ा, निवासी एम-114, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ते 45 दिन की कलीं या तत्त्रम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में अकाशन की तारीन से 45 दिन के भीतर उक्क स्थावर सम्पत्ति में हितवब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निषित में किये था सकेंगे।

स्वध्यक्तिरण: -- इसमें प्रयुक्त सम्बद्धी और पर्यो का, जो उक्त विभिन्नियम के सभ्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस सभ्याय में दिवा

जन्सूची

प्रो० नं० एम-114, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली, (दूसरीं मंजिल), तादादीं 505 वर्ग गज ।

श्रार० पी० राजेण सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

तारींख * 13--9-1985 मोहर *

प्रकप आई.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भे (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंग-1, नई दिल्लीं

नई दिल्लीं, दिनां : १। नितम्बर 1985

निदेश सं० ग्राई० ए० सीं०/एमपू०/1/एम० ग्राग्०--3/ 1-85/664---श्रतः मुझे, श्राग्०पी० गालेण

आयकर किंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

आंग जिनकी तर बी/85 ए. में नियत है तथा जो कात हा जी, नई दिल्ली में नियत है (आंग इ.जे. उपायब श्रमुसूची में पूर्ण कर र बीगत है), पिनिस्ट्रीं जी अविकारीं के कार्योत्त, जई दिल्ली में तारील जनवरी, 1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एमें दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिखत उद्धेश्य से उक्त अन्तरण लिक्ति में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के सिए; और/या
- (ब) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तियों करे, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विभा के लिए;

अतः गय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखिट व्यक्तियों, अर्थात् :--32---296 GI/85

- (1) श्री मुरिन्धर कुमार तनेजा, श्री शांति स्वरूप तनेजा पु द्व स्व० श्री श्रीवन और श्रीमती शीला तनेजा एण्ड श्रधर्म, 389, गगत विहार, नई दिल्ली। (श्रन्तदक)
- (2) श्री ओम प्रकाश रखेगा पुत्र स्व० श्री कन्हेंगा लाल, निवासी बी/85-ए, कालकाजी, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त अपत्ति के अर्जन के सबध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन की अविध या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के कि 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पाक लिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्त्र ची

प्रो० बैरिश न० बीं/85-ए, तादादी 100 वर्ग गण, कालकाणी, नई दिल्ली।

> श्चार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायक्षर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-1, नई दिल्ली

तारींख : 11-9-1985 मोहर: प्रारूप आर्इ टी.एन.एस.----

आयकर आधानयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंग, ५ई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 9 नितम्बर 1985 निर्देश सं० आई० ए० मी०/एक्यू०/1/एम० आ२०-311-8 665---अतः मुझे, आप० पी० राजेश

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें **र** अके परकात 'अबल अधिनियम' कहा गया हो। की भाग 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्व म करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित दाकार मूस्य 1, UI, 000/-रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संव पन/ट नंव 98, ब्लाफ़ "एस" है तथा जो ग्रेंटर कैलाण-3, नई लिल्ली, में स्थित है (ग्रीर इसले उपा-बम्ध अनमूच से पूर्ण कर । पंणिर है), रजिन्द्री उसी अधि-कारी के कार्यालय, कई दिल्ली । में भारतीय - रजिल्ट्रीकष्ण अधिनियम, 1908(1908 का 18) के अधीन, दारीख जनवरी 1985

कर पृथ्वेवत संपरित के उपित भाषार मुख्य में कम के क्यामान करियमान कि सिए जन्तरिक की गई हैं और मुक्के वह विश्वास कारने क्या कारण है कि अवायुक्तित सम्परित का उपित वाजार भूस्म, उमार्क क्यमपान श्रीतफल सा, शासी क्श्ममान प्रतिकल का पेन्नह प्राप्तमात क अध्यक्ष है अन् अन्तरक (ज्लारकों) जीर वंसरिती (बन्दर्गिरितियों) की बीच गीसे अन्तरण के मिए तब पामा भवा प्रति-कस मिम्नीनिश्चित उदश्येग से उक्त अन्तरण निश्चित में अस्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरभास हुए किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने था उत्ससंगयने में सुनिधा के लिए: मार∕गा
- ंब) एोसी किसी बाब ना किसी भन या बन्व कास्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ जन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गदा १८ वा किया जाना चाहिए था, फियाने भे श्रीयभा के जिए:

क्याः बद्धः बक्त मिनियम की भारा 269-म के जन्धरम उक्त अधिरियम की भारा 2,69-व की उपभारा (1) क्षे अधीर नामितिकत व्याक्तवाँ, वर्धात् :---

- ं (1) श्री गुरबचन सिंह भसीन सुपूत श्री हरनाम सिंह भसीन, निवासी-9/6, कालका जी एक्सटेन्सम, नई दिल्ली, द्वारा जनरल अदारनी अमरजीत सिंह भसीन, (अन्तरक)
 - (2) श्री एस/श्री हरभजन सिंह नश्ला सुपुत एम० मोहिन्दर सिंह फ्रोर एस० गुर्रावन्दर सिंह नरुना सूप्त एस० हरभजन सिंह नरला, निवासी-29/6, वेस्ट पटेल नगर, भई विरुली,

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूबोक्त सम्पत्ति को वर्जन को लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अपीन को सम्बन्ध मो कोई भी बाक्तेप्:---

- क) इस सूचना के राजधन में प्रकाशन की हारीय 45 दिन की जनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों स्चनाकी तामील से 30 दिन की बनिध, वां भी मनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृकाय;
- (ब) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब बे 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी बन्य स्यक्ति ध्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाच जिस्तित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्रिरणः ---इसमें प्रयुक्त खर्गे और पर्वो का भो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विधा गमा है।

अन्स्ची

प्लाप्ट नं०-98, ब्लाक 'एस तादादी-300 वर्ग गज. ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली 4।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002 .

नारीख: 9⊶9—1985

माहर .

प्ररूप बाहु .टी. एन. एस.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय. मझायक जायकर जायकत (निरीक्षण) अर्जन रेंज, नई रिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 9 सितम् र 1985 निर्देश संव आईव्एव्सीव/एव यूव/1/एस-आर-31-85/666 -अत: मुझे, आरव्पीव राजेश

बायकर अतिविषय, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्नत अधिनियम' कहा गरा है'), की भारा 269-न के अधीन सध्यम प्राधिकारी को. यह विश्वाम करने को कोरण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उपित शाजार मूल्य 1,00,000/- रु., से अधिक है

यौर सिकी संक यो-11/26 ई तथा जो लाजपत नगर नई दिल्ली, में स्थित है (श्रीर इसके उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणा है), रिजस्ट्री उर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली, में भारतीय रिजस्ट्री उर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली, में भारतीय रिजस्ट्री उर्ता अधिकारी 1985। को पूर्वों कत संपत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल्प के लिए खंतरित की गई है और मूफे यह विश्वास करते का कारण है कि यथापवों कर मम्पित का उचित वाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल्प से एसे, दश्यमान प्रतिफल्प के पन्दह प्रतिशत से, अधिक है है ह जन्तरक (अन्तरका) और बन्दरिती (अन्तरितियों) के जीन एसे अन्तरण के लिए तथ्यामा गया प्रतिफल्प, निम्मिलिखत उद्योग्य से उपत अन्तरण लिखत में वास्तिक रूप से काश्यत नहीं किया गया ही पन्तरण लिखत में वास्तिक रूप से काश्यत नहीं किया गया ही

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत., उक्त किभिनेयम के अधीन कर कोरे के जन्तरक की ग्रामित्व मों कमी करने या उसमें बचने में मृतिकथा के लिए। बार/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिल्हों भारतीय आय-कर अधिनियम; 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम; या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती दवारा प्रकट नहीं किया गण था या किया जाना चर्हिए था विद्याने में मिनिभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण के, में उक्त अधिनियम की धार 269-घ की उपधारा () के अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री रोम चन्द्र भाष्टिया सुपुत स्व० श्री ज्ञाप-रवाम दाव, भिवासी-6/21, ईस्ट पटेल नगर्, नई दिल्ली

And the state of t

(अन्तरक)

(2) श्री ठाकुर दार्स सुंपुर्व भाग क्या ग्रादिनोमल दादवानी, निवासी-39/24, श्रोत्ड राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वाध्नर सम्पारत के अजन के लिए , कायंवाहियां गृहः करता हुं।

उक्त सम्पत्ति है गर्दन र सन्बरा ६ फाई भी आक्षेप :--

- (क) इसं पूचना व राजपंत्र को नकाशन की तारीखं इ '45 दिन की अनिधि का सम्बद्धानी क्येंक्तियों पंत्र सूरत को समील है (3) की की जोतीय, को भी अवधि बाद में समाप्त होकों हो, के भीतर पूर्वोकता वर्षक कर है कि कि व कर कराय.
- ्रिंग) इसं ्ार्ग के राज्यक म क्रांका को तारोह से 15 कि के भीका तकते रुगा का कि में हिन्दुक किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास

्याको प्रवृक्ष शरको और गदों नेता, जो नवंदर अधिनियम के अध्याय 20-का में में परिभाषिर हो, बही पर्श्व प्राचन के स्वर्थित हो किए र सकत की।

* Hay

प्रौपर्टी नं०-म्रो-11/26, तौदादी 200 वर्ग गर्ज, लाजपत नगर, नई दिल्ली,

ं आर्० पी० राजेश धाः प्राचित्ररी सहायक आयकार अत्युक्त (निरीक्षण) , अर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 9-9-1985

प्रकर बार्च दी एन एच

भायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के मधीन सुचना

EIGH STAIL

कार्यासय, सहायक शायकर बाबुक्त (निरीक्रण)

अर्जन रेंज-1 मई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 सिनम्बर 1985

निर्देश सं० आई०ए०सी०/ए/यू०/1/एस/आर-3/1-95/667 अतः मुझे, आर० पी० राजेश

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

मीर जिसकी सं 1-डी/162 ई तथा जो लाजपत अगर, नई दिल्ली हु स्थित है (धाँग इसमे उपाद्यद्ध अनुस्वी में पूर्ण रूप से बिह्नित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली, में भारतीय वित्रहीकर अधिकियम, 1908(1908 का 16) के अबील तारीख जनवरी-85। का पूर्वीवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीवत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीवत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्वेष्ट्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्विक रूप से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, अब त विभिन्नियम के बधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के बिष्ट; और/वा
 - (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविषा के किए:

भत: अब, उठ त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, लक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात :--- (1) श्री गुरबक्श सिंह सुपुत श्री प्रधान सिंह, निवासी-1-डी/162, लाजपत नगर, नई दिल्ली,

(अन्तरक)

(2) श्रीमती एक्ति गाबा पत्नी श्री रमेश कुमार गाबा, निवासी-1-ए-211, लाजपत नगर, नई दिल्ली,

(अन्तरिती)

को सह त्या भारी करके पूर्वों कर सम्परित के वर्षन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त इन्हरित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप :---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी अयिक्तयों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे दिस व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपक्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शस सिचित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शुन्थों और पर्दों का, जो उन्स् अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रौपर्टी नं ०-1-धी/162, लाजपत नगर, नई दिल्ली, तादादी 100 वर्ग गज,

> आर० पी० राजेश सक्ष्म प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीणक्ष) ट्रुअर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली

तारीखा: 9-9-1985

प्ररूप बाइं. टी. एन. एस. -----

काथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्यक (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, गई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनां रू 12 तिलम्बः 1985

निवेग सं० आर० ए० सी०/एनगू०/1/एस०आर०3-1-85/670--अत: मुझे, आर० पी० राजेश, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहे. से अधिक हैं

भ्रीर जितकी सं० ई-540, है तथा जो ग्रैटर कैलाश-2, गई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसमें उपाश्वद्ध अनुसूची में पूर्ण का में बॉणा है), रिश्ट्री उत्ती किश्रिशी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिश्ट्री इस, अधिनियम, 1908 (1908 अ 16) इ अशीन नारीब जनवरी-85

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य सं कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मृझे यह धिश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रांतशत स आध्यक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्बेश्य से अक्त अन्तरण लिक्ति में बास्तबिक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरमृषं हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बिभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचम में सुविधा के लिए; आर/या
- (क) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिनी दशारा एकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिविधा के निए:

असः अब, प्रकत अधिनियमं की भारा 269-ग **के अन्सरण** में, में प्रकत अधिनियम की भारा 269-ग की उपपारण (1) के अधीन निम्निजितिक **अधितयों**, सर्वात ---

- (1) मैं अर्स भाष्टिया एपिटमेन्ट, ए-18, कैंताक कालोती, नई दिल्ली, द्वारा पार्टनर श्रीनती राज कुमार भाष्टिया, (अलाएक)
- (2) कुमारी प्रकाश कुमारी पुत्री स्व० श्री लाखा सिंह, ई-540, ग्रैटर कैलाग-2, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी बाक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन की अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, तो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (हा) इस सूचना के राजधत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्! किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पा! लिखित में किए या सकरें।

स्पद्धीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों आरंग पदी का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मा परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

ग्राउड फ्लोर (फन्ट प्रोशत) फ्लैंट तादादी-950 वर्ग फिट, प्रौपर्टी न०-ई-540, ग्रैंटर कैलाश-2, भई दिल्ली।

> आर० पी० राजेश स्थम प्राधिकारी ्सह्रायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1 दिल्ली, मुई दिल्ली-1100 02

तारीख: 12-9-1985

श्रम्भ मार्चः दीः, एतः, ६वः, ०००००

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

. कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 नई दिल्ली

पर िल्ली, दिनांक 11 सिनम्बर 1985

निदेश मं ० आई०ए०सी०/एक्यू०/1/एस०आर० 3/15-85/671-- अतः मझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 260-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने को कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1.00,000.7- रा. से अधिक है

स्रीर जिसकी सं । जी/109, है पथा जो लाजपत नगर, नई दिल्ली, में स्थित है (स्रीर इससे उपाबद्ध अनुमूची में पूर्ण का व पर्णित है), प्रीमिट्री क्ली अधिकारी के कार्यालय, पहीं दिल्ली वे भारतीय प्रीमिट्रीकरण अधितियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, पारीख जनवरी-85

का पर्वारः कर्णाल के प्राचित वाहार मूल्य में कम के इक्ष्यणन प्रतिकल को लिए अंतरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उमके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पंदह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरिक के लिए स्य पामा गया प्रतिकल, निम्मिलिखित उद्द्राश्य से उक्त बंतरण लिखित में बास्तिबक रूप से किथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचाने में सुविधा के सिए; और/या
- (स) एमी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः मब, उक्त अधिनियम की भारा 269-म्ब के अनुसरण गें, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (!) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियाँ, सर्वांत —

- (1) श्रीमती राठी बाई पत्नी स्वर श्री ईश्वर दास, 1-बी/109, लाजपत नगर, नई दिल्ली, (अन्तरक)
- (2) श्री सरदार राम सिंह, एस० लाभ सिंह श्रांर एस० जोगिन्दर सिंह, अन्त्रल पुत्र एस० ज्ञान सिंह, डब्लू जैंड-3, ए/112, विष्णु गार्डन, एक्सटेन्सन, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्ट. सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त संपत्ति के अर्जन के गर्बंध में कार्ड भी आक्षेप :---

- (क) इस सुचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति युवारा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास . > निकित में किए जा सकेंगे।

स्यव्हीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषिठ है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

अनुसूची

हाऊस नं०-1-बी/109, लाजपत नगर, नई दिल्ली, सादादी-100 वर्ग गज,

आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (भिरीक्षण) अर्जन रेंज-। दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 11-9-1985

प्रसम् कार्य : क्षी : प्रमृत् प्रस्तिक कार्याम्यास्य

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकाड

्कायां सहायक आयकर आयते (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 जितम्बर 1985 निदेश सं ात्राई० ए० सी ०/एक्यू ०/1/एस०जार०-3/1-85/672—जित: मुझे, आर० पी० राजेश,

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें शसके परचात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा कूड़-क के अधीन सक्षम प्राप्तवना किए। यह विद्यास कारने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित गाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जितकी संख्या प्ताप्ट नं ०-ई 106, है तथा जो ग्रेटर फैलाई-2, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से बणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली, में भाजीय रिजस्ट्रीकरण अधि-नियम, (1908(1908 का 16) के अबीत वारी जनवरी, 1985

भारे पूर्वोकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के ध्रयमान वितिष्कत सं लिए अन्तरित की गर्द हैं और मुक्ते यह विद्याब करने का फारण हैं कि स्थापनोंस्त संपत्ति का उचित साजार अन्तर, उसके दश्यमान प्रतिष्कल सं एंसे ध्रयमान प्रतिष्क्ष का पन्त्रह प्रतिष्क्षित सं अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिपों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फन, निक्तलिखित इद्देश्य से उस्त अन्तरण मिसित में यास्त-विक रूप स कथित नहीं किया गया हैं —

- (क) अंतरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कनी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आरि/या
- (क) एँसी किसी नाय या किसी थन या अन्य वास्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्छ अधिनियम, या अनकर विभिन्नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्दिरिती द्वारा अकट नहीं किया गण था या किया जाना बाहिए था, छिपान में मृतिथा के लिए

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-श के अनुसरण बं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ उपधारा (1) अं अर्थन, निम्निकित काहितायों. अर्थात हु— (1) श्रीमती रिन्निन्द्र कीर पत्नी श्री दीपार जिह खोलार, निवासी-डब्लथू-19, ग्रैटर कैलाशा, नई दिल्ली,

(अन्तर्क)

(2) श्री मुन्दर दास गिरधर, भिवासी-डीट41, असर कालोगी, लाजपंत नगर-3, नई दिल्ली.

(अन्तिःती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुए।

उक्क सम्मति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षप :---

- (क) इस स्वता के राजपत में प्रकाशन की तारीत भ 45 दिन की जनभिया तरसंबंधी व्यक्तियाँ पर स्वता की तामील स 30 दिन को अवित्र, जो भी जनभि बाद में समाप्त होती हो, के शीतर युवा जिल्ल व्यक्तियों में से कियों व्यक्तित द्वारा,
- (च) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष ह 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बहुभ किसी जन्म व्यक्ति द्वारा, अर्थाहुस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकोंगे।

भिष्यक्ति स्वां का अभिक्त सन्दां और पदां का, आ अभिक विभिन्नियम, के सम्याय 20-क में परिभाषित है. वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया भूषा है।

अनुसूची

प्लाप्ट नं ०-ई/106, ग्रेप्टर कैलाश2, नई दिल्ली, तादादी— 251 वर्ग गज,

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली

सारीख: 9-9-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंब-1 नई रिल्मी

नई दिल्ली, दिनां रु 12 शिनम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस०आए०-3/1-85 672-ए ---अतः मुझे, आए० पी० राजेश, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्रचात् 'उवत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के जधीन सक्षम प्राधिकारों की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचितः बाजार मृल्य 1.,00,000/- रा. से अधिक है श्रार जि.की संख्या प्लाप्ट सं० 1546 है तथा जो चितरंजन पार्क, नड़ि हिन्ती में लिया है (स्रोट इ.स. उसबद्ध अनुसूची में पूर्व कर उ वर्णित है), राजिन्द्री उनी अविकारी के कार्या-लय, नई दिल्ली में राजिस्ट्री इरण अविनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी अप्रे । अधिकत समपीत के उचित काजार मृल्य से कम के दश्यमान श्तिपाल को लिए रिजरट्रीकृत विलेख को मनुसार जन्त-(ता की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का नारण है कि सथाप्यांक्त सपत्ति का उचित बाजार मुल्य इसके रक्ष्यमान प्रतिफल से एसे रूप्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्त रितिया) के बीच एसं अन्तरण कं लिए तय पामा गया

> (क) अन्तरण संहुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे अभने में सुविधा के लिए; और/या

प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोष्य से उद्देश अन्तरण लिखित

में क तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 . (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः उव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नोलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्री सुकुमार बाँहा पुत्र श्री बी०के० बांस, निवासी—1546, चिन्तरंजन पार्क, नई दिल्ली । (अन्तरक)
- (2) श्रीमती शान्ति राय चंधिरी पत्नी श्री डी० एन० रायचधिरी, (2) श्री अरुप राचंधिरी, निवासी ए-145, लाजपन नगर, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हुए।

र्वेक्क सम्परित के कर्णन क सम्बन्ध में कोई भी बाक्षपः---

- (क) इस स्थान के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीं है 45 दिन की अविधि मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्ष व्यक्तिया में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए वा सकोंगे

स्पद्धिकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा शो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्याट नं० 1546, जिन्दोजन पार्क, नई दिल्ली, तादादी 233 वर्गगज, ।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आप्रकार आयुक्त (तिरीक्षण) अर्जन रेंज-I दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 12-9-1985

माहर:

प्ररूप बार्ड .टी.एन.एस. ------

नामकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्थना

भारत तरकार

कार्वालय, सहायक बायकर बाय्क्स (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 सितम्बर 1985

निर्देश मं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस०आर०-3/1-85/ 672-बी---अतः मुझे, आए० पी० राजेश

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त गिंधनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास अरने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी मं० एम-33 है तथा जो ग्रैटर कैलाश-2, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबड़ अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्द्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय, भई दिल्ली में अजिस्दीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीम तारीख जनवरी, 1985

- को पर्वाक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मत्य से कम के व्यवसान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके इस्थमान प्रतिफल से एसे इस्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिद्यास से अधिक है और बंदारक (अंतरकॉ) और बंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिश्वित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित न**ही किया गया है।**
 - (क) बन्तरण से हुन्दें किसी बाब की बाबत, उपत अधिनियम के अधीन कर दोने की अन्तरक के खियल में कमी करने या उससे यजने में सुविधा क रिक्ट, बाँद/बा
 - (क) एोमी किसी बाव वा किसी धन या बन्य शास्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उप्त अधिनियम, या धनकर निभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ऋम्बरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

(1) श्रीमत्ती बिमला कपूर परनी स्व० श्री जगमोहन कपूर, निवासी-सी-407, श्रोरागनी बिहार, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री बी० के० भुवानिया ग्रीर श्रीमती मीन भुवानिया, निवासी-ई-139, मस्जिद माँठ, नर्ष दिल्ली, ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्णन के अम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाकन की तारीख से 4.5 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति दवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लियित के एक रहर के पर

स्पष्टीकरण --इसमें प्रमुक्त शब्दों और पद्मी का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस मध्याय में दिया भवा है।

नन्स भी

प्रौपर्टी नं० एम-33, ग्रैटर कैलाई-2, नई बिल्ली. तादादी-250 वर्गगज।

> अर् पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-।, दिल्ली, नई दिल्ली

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण , मैं, उवत अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) a. अजान:. निम्नलिखित स्यक्तियों, अर्थात् :---

33-296 GJ/85

तारीख: 12-9-1985

माहर:

प्ररूप माई.टी.एन.एस. ------

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

पारत परका

कार्यांकरः, सहायक बाबकर बाय्क्स (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 नई दिल्ली

नई विल्ली, दिनांक 11 सितम्बर 1985

निर्वेश सं अर्ह ए० सी ०/एम्यू ०/1/एस०आर०-3/1-85/672-सी---अत: मुझे, आर० पी० राजेश,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके इसके प्रशाद 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

प्रौर जिल्ली संख्या जे-1919, है तथा जो चितरंजन पार्क, विकार में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), 'रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृन्य से कम के उपमान प्रतिकृत के लिए जन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृन्य, इसके इत्यमन प्रतिकृत से, एसे अवनान प्रतिकृत का पंत्रह प्रतिभत से अधिक है और अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (का) सम्मरण से हुई किऔं साम की सावस्त, तक्स समिनियम में सर्थीय कर दोने में संवर्ध में दायित्य में कभी करने या उत्तये समाने में स्थिया में लिए: सरि/का
- (क) ऐती किसी नाय वा किसी भन या जन्य वास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त विधिनियमं की धारा 269-त के बन्धरण के में उक्त अधिनियम की धारा 260-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ध--- (1) श्री बी० पी० मुकर्जी,
4/14, डक्लयू०ई० ए०, करोल बाग,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शान्ति वालापतरा, जे-1919, चितरंजन पार्क, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके प्वाँक्त सम्बक्ति के कर्पन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

वक्त बंक्टिल में अर्थन के बम्बन्ध में कोई भी नार्शन:----

- (क) इस क्षमा के राज्यम के जनावम की तारीक में 45 विश की व्यक्ति या तत्त्वम्बर्गी व्यक्तियाँ पर स्वना की तासीस से 30 दिन की अविधि, जो भी जनीय बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेशन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति:
- (व) इस स्वाम के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिठ बहुभ किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के प्राप्त निवित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुष्यी

जें-1919, चितरजन पार्क, नई दिल्ली, तावावी 233 वर्ग गुज, ।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 11-9-1985

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 सितम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/1-85/ 1451---अत: मुझे, आर० पी० राजेश,

शायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है, की भारा 269 के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या स्पेस नं०-415 है तथा जो 19, बारा-खम्बा रोड़, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी कार्यालय, अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली, आयकर अधिनियम 1961, के अधीन तारीख जनवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकक्ष के जिए मन्तरित की गई है जीर मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके दश्यमान प्रतिकास से, एसे दश्यमान प्रतिकास का मन्त्रह प्रतिशत से मिथक है और मंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के निए तथ पासा गया प्रति-कस, निम्मतियित उन्वोदन से दश्य मन्तरण विचित् में वास्तु-विक रूप से कथित नहीं किया पना है है—

- (क) अन्तर्रम् वं हुदं किसी वाव की वावत्, उत्तर अधिनियन् के न्थीन् कर दोने के नृत्तरक के दाशित्व भें कमी करने या उत्तसे अचने में सुविधा के लिए; शौद्ध/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी भन वा अन्त आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती हुवारा प्रकट नहीं किया ववा वा का किया जाना जाहिए आ कियाने में स्विभा के सिए;

अत: अव, अक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, अक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, कर्णात् डम्प (1) मेसर्स कैलाश नाथ एण्ड एसोसीयेटस, 1006, कंचनजुगा, 18, बाराखम्बा रोड्, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

The state of the s

(2) श्री गौतम देव शर्मा श्रीर श्रीमती ऊषा शर्मा, एफ-71, भगत सिंह मार्किट, नई विल्ली।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके प्वींक्त सम्पत्ति के रर्जन के लिए कार्ववाहियां करता हूं।

र क्य सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई" भी बाख्येय ह--

- (क) इस स्वना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 सिन् की नवीं मा तत्त्वम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिश की सबिध, को भी कविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्वित्तयों में से किसी स्वस्ति बुवारा;
- (क) इस त्यना के राजपण में प्रकाशन की तारीश है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवंद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा वभोहस्ताक्षड़ी है वाद्य लिश्वित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण : ---इसमें प्रयुक्त भव्यों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

भग्स्ची

आफीस स्पेस नं० 415, ताबादी-500 वर्ग फिट, चौथी मंजिल, प्रोपोजिङ कमर्शीयल मल्टी स्टोरीड बिल्डिंग, 'अरुनाचल' 19, बाराखम्बा रोड़, नई दिल्ली।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I विस्ली, नई दिस्ली

ता**रीख** : 9--9--1985

प्रारूप आध्र.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 सितम्बर 1985

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37-ईई/1-85/1449—अत: मुझे, आर० पी० राजेश

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विदवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

म्नीर जिसकी सं० बेसमेन्ट बी-14, है तथा जो 90, नेहरू पलेस, नई दिल्ली में स्थित हैं (म्रीए इसमें उपाबस अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), र्राजन्द्रीकर्त्ती जीवकारी के रार्यालय अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख जनवरी 1985।

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से काम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मभ्के यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अनसरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के भीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित ग्रे वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अधितः :— (1) मैसर्स सिद्धार्थ, द्वारा पार्टनर श्रीमती बाला बतरा, निवासीं-ब्री-4, मानसरोवर, 90, नेहरू पलेस, नई दिल्ली।

(अन्दरक)

(2) श्रीमती किवता सायल ग्राँगर श्री सी० एल० सायल, निवासी—ई-275, ग्रैटर कैलाश-2, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवोंक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पच्छीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

बेसमेन्ट नं० बी-14, शादादी-424, वर्ग फिट, "मान-मरोवर" 90, नेहरु पलेस, नई दिल्ली।

> आए० पी० राजेश मक्षम प्राधिकारी सहायः आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1 दिल्ली, नई दिल्ली

हारीखाः: 9--9--198**5** -----

पहिंद्य 🛭

प्रकल वार्च , टी , पल , युव , ------

लागकर जभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) जे अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर आयुक्त (निर्माण)

अर्जन रेंग-1 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनां क 9 सितम्बर 1985

निदेण मं० आई० ए० भी०/एक्पू०/1/37 ईई/1-85/ 1452---अन: मुझे, आ४० पी० राजेण

नायकर निधिनयमं, 1961 (1961 का 43) (चिन्ने इसनें ध्रसके परचार जिन्त निधिनयमं कहा गया हाँ), की भारा 269-च के नधीन सक्षम प्राधिकारों को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित सामार मुख्य 100,000/- रा. से विधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० पलैट नं० 708, है तथा जो 17, टालस्टाय मार्ग, नई दिल्ली, में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण का से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रैज-1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनयम 1961, के अधीन नारीख जनवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्मरित के उचित बाकार मृस्य से काम के करमजान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृत्यः, उत्तके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया शितफान, निम्निचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित में शास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की वावतः, स्थवः वर्षित्वतं के बंधीय कर दोने के सम्बर्ध के स्वित्य के कती करने वा स्वयं व्यवं के स्विधः के विद्यः और/वा
- (य) ऐसी किसी नाथ ना किसी धम ना करन वास्तिनों को, चिक्हे भारतीन वास-कर अधिप्रिनय, 1922 (1922 का 11) ना उक्त विधिननम, ना धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रनोधनार्थ अल्परिती क्षूत्रारा प्रकट बहुरि देवा का वा ना किया काना चाहिए था, कियाने जे स्थिमा के विद्युः

अतः जव, उक्त अभिनियम कौ भारा 269-ग को अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-य की उपभारा (1) इ अभीन, निम्मीसंचित व्यक्तियों, सर्भाव ६--- (1) कुमारी रीना आनन्द (माइनर) यू/जी डा॰
 (श्रीमती) जे॰ आनन्द,
 चिवासी—ई-11,
 डिफेंग कालोनी,
 नई दिल्ली,

(अन्तरक)

(2) श्री सस० एन० सहगल पुत्र स्व० श्री जे० एन० सहगल, श्रीमती सरलजीत पत्नी श्री एस० एन० सहगल, कुमारी मीनिका सहगल, (माइन४) मास्टर सुमित सहगल, (माइन४) निवासी—डी-2/78, काका नगर, नई दिल्ली,

(अन्तरिती)

को बहु सुबना बारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्थन के दिवस् कार्यवाहिनां करता हुं।

वक्त कम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेत्र :---

- (क) इस स्वान के रावपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन की बंबीध का तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की बंबीध, को भी वंबीध बाद में समाप्त होती हो, के भीसर पूर्वीक्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में द्वित- वक्ष किसी कन्य व्यक्ति ब्वारा, सभाइस्ताक्षरी के पात निवित में किए का सकीन।

स्वकारिकरणः ---इसमे प्रमुक्त कन्यों और पदों का, जो उक्त मिन्-निवम के सभ्यात 20-क में परिभाष्टित हैं। वहीं सर्थ होगा, को उस सभ्यास में दिया नदाः है।

जनसर्ची

पर्लंट नं० 708, सातबी मंजिल, । .ल स्टाय मार्ग, नई दिल्ली, नादादी-361 वर्ग फिट ।

> े आप० पी० राजेण राजम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली

तिरोखि : 9∽9~1985

मोहर 🛭

मुख्य भाषां है हो । हुन् । हुन् ----

कायकर मिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन स्वना

शहर सम्बद्ध

कार्यासय, सहायक नायकर नायक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 9 सितम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एमयू०/1/37-ईई/1-25/ 1454—अत: मुझे, आर० पी० राजेश

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 7, ब्लाक नं० 2, है तथा जो 3, औरगंजेब रोड़ 4, पृथ्वी राज रोड़, नई दिल्ली, स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम 1961, के अधीन दिनाँक जनवरी-1985

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान शितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यभाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दर्यमान प्रतिफल से ऐसे दर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रीत्वात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिबित उद्विभ से दक्त अन्तरण निवित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (७) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त विधितियम के वृथीन कहा दोने के अन्तरक के बादित्य में केनी कहाने वा उच्चे बचने में बृहिंग्या के निष्; और/वा
- (क) ऐसी किसी भाग या किसी धन या जन्य भास्तियों की, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त विधिनयम, या धन-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) वे प्रयोजनार्थ अन्तिर्ति ब्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, जियाने में ब्रिया के निए;

अतः अवः, उत्तर विधिनयम की धारा 269-ग के अगुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपधारा (1) क्षेत्र अधिन, निम्नुसिखित व्यक्तियों, अधित क्ष्म

- (1) श्री बिजोयानन्दा पटनायक, नित्रासी-3, ग्रौरंगजेब रोड़, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- (2) डिस्न्ट कन्ट्रवसन एन्ड प्रोपरटीज (प्रा० लि०,) 22, बाराखम्बा रोड़, नई दिल्ली, (अन्तरिती)

की यह सूचना बार्डी करके पूर्वोक्त सम्मित के अर्थन के सिय् कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त रुप्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारांच जं 45 दिन की जनभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बह्म में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति।
- (च) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 बिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्भ किसी अन्य स्थावित बुवारा, अधोहस्ताक्षरी को पास सिवित में किए जा सकोंगे।

स्मानिक हुन् : — इसमें प्रयुक्त खब्दों और पद्यों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 का में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्यान में दिया गया हैं।

वन्स्ची

ण्लाट नं० 7, ब्लाक नं० 2, 3,ग्रीरंगजेब रोड़, 4, एथ्वी राज रोड़, नई दिल्ली, तादादी-3071, वर्ग गज,

> आर**० पी० राजेण** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज- दिल्ली, न**ई** दिल्ली

तारीखा: 9--9-1985

मक्त बाहु । यो पुरु हर् ------

नायकर् निभिन्यम, 1961 (1961 का 43) की भाव 269-क (1) के नभीन सूचना

BIEG SERVE

कार्यालय, सहायक वायकर मायुक्त (निरीक्रण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 सितम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37-ईई/1-85/ 1455—अत: मुझे, आर० पी० राजेश,

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इतकों इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, चिसका उचित वाबार भूस्य,

1,00,000/- रत. से अधिक **ह**ै

श्रीर जिसकी संख्या प्लाट नं० 7, ब्लाक नं० 2, है तथा जो 3, औरंगजेब रोड़, नई दिल्ली, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणिह है), रजिस्ट्री-कर्त्ता अधिकारी . के कार्यालय, अर्जन रेंज -1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम 1961, के अधील तारीख जनवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के अभिन बाजार मृस्य से कम के दरममान प्रतिकाल के सिए अन्तरित का गई है और मुक्ते यह निक्याल करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके दरममान प्रतिकास से, एसे क्यमान प्रतिकास का चल्द्रह प्रतिकात से अभिक है बौर बंतरक (जंतरकों) जौर बंतरिती (अंतरितियों) के नीच एसे बंतरण के निए तय गावा गवा प्रति- कन निम्नितिचित उद्योध्य से सकत अन्तरण सिचित में बास्तिक क्या से कभित नहीं किया गवा है :----

- (क) जलारण वे हुए कियी बाय की बावत, अक्त जीवनियम के ज्योंन कर दोने के जलारक के खबित्व में कनी करने वा उद्देश क्यने में सुविधा वी तिए; बोड़/वा
- (क) एसी किसी काय या किसी भन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय सायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनते अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वाच प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुनिधा के निए;

बतः सन, उपल विधितियम की भारा 269-ग के बनुसरण मं, में उदल विधितियम की भारा 269-व की उपभारा (1) से प्रभीत, निस्तिविक व्यक्तियों, विधीत है- (1) श्री विजयोगन्दा पटनायक, 3,औरगंजेब रोड़, नई दिल्ली,

(अन्तरक)

(2) तेज प्रांपरटीज प्रा० लि०, 22, बाराखम्बा रोड़, नई दिल्ली,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी काहके पूर्वोक्य संपृत्ति से अर्थन के जिल् कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्पन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप अ--

- (क) इस तुषना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की सविध या तत्सम्बन्धी स्वित्तयों पर सृधना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकोंगे।

स्वयास्त्रः — इसमे प्रयुक्त सन्दों और पदों का, वो स्वयः विभिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्यी

प्लाट नं० 7, ब्लाक तं० 2, 3, औरंगजेब रोड़, 4, पृथ्वी राज रोड़, नई दिल्ली, नादावी-2535 वर्ग गत्र।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंग, 1, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 9-9-1985

एक्ट बार्च और दुर् पुरस्तान स्थान

नायभार विधितियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन सुवना

भारत बंहका

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरासक)

अर्जन रेंज-1, नई विल्ली

नई दिल्ली-110001 दिनांक 9 सितम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू,/1/37-ईई/1-85/ 1456—अत: मूझे, आर० पी० राजेश,

स्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपये से बिधिक हैं

ष्पौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० सी(बी) बी एफ-1, है तथा जो 15, ईश्वर नगर, फ्रोखला इन्डस्ट्रीयल एरीया, नई दिल्ली, में स्थित है (ग्रांर इससे उपाबढ अनुसूची हैं पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम 1961, वा अधीन तारीख जनवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के स्त्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्त्यमान प्रतिफल से, ऐसे स्त्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और जन्तरिती (अन्तरितयों) के नीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त वर्षिनियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए वाँड/वा
- (क) एसी किसी नाय या किसी भन या जन्य नास्तियों को जिन्हें भारतीय जायकर निभिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निभिनयम, या भन-कर निभिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जामा चाहिए था, छिपाने में मुस्थित से सिए।

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--- (1) जाकारिया शाहि**ब** इमध्यत (प्रा०) लि०, जाकारिया हाऊम, पीरगाहिब गली, मुगदाबाद, (उत्तर प्रदेश) ।

(अन्तर्भः)

(2) माँहम्मद जफार नादिम सहामसी सुपुत श्री मोहम्मद शाहिस सहामसी, जाकारिया हाऊस, ई-37, कालनन्दी कालोनी, नई दिल्ली,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ::---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृक्षारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पक्तीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं नर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

तादादी-1042.57 वर्ग फिट, वेसमेन्ट नं० 'सी' बी एफ-4, 15, ईश्वर नगर, श्रोखला इन्डस्ट्रीयल एरीया, नई दिल्ली ।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज,1 दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 9-9-1985

मो हः

प्ररूप शाई. टी. एत. एस प्र------

बायकर ब्रॉपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्थान

भारत सरकार

कार्यालय, सष्ठायक बायकर बायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, 1 - नई दिल्ली

नई दिल्ली -110002, दिनांक 9 सितम्बर 1935

निदेश सं० आई० ए० सी०/ए/यू०/1/37-ईई/1285/ 1457—-अत: मुझे, आर० पी० राजेश,

बायकर शौभितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधितियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण हैं। कि स्थावर सम्पत्ति, जिसवा उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिन्नकी सं० पलैंट नं० सी (जीएफ-3) है तथा जो 15, ईश्वर नगर, श्रोखला इन्डस्ट्रीयल एरीया-3, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में पूर्ण रूप से बिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम 1961, के अधीन तारीख जनवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के करमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे क्ष्यमान प्रतिफल का चन्द्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया पया वितिफल, निम्निलिखित उद्वेष से उक्त अन्तरण किरीबत के बास्तिक रूप से किश्वत नहीं किया पवा है:—

- (क) बन्तरण सं हुई किसी बाय की बावत, उनक अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के वासित्य में कमी करने वा उससे वचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर. अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-रूर अधिनियम, १०६७ (1957 कः २७) कं प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः जम, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के बनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलियित व्यक्तियों, अधीत :---

- (1) श्री जाकारिया णाहीद इमपक्कम (प्रा०) लि०, जालारिया हाऊस पीरमाहि**ष** गली. मुशदा**षा**द, (उत्तर प्रदेश)। (श्रस्तरक)
- (2) श्रो मारिया जावेद डी/ग्रो श्री एम० एस० जावेद, सी/ग्रो जाकारिया हाऊस, ई37, कालनदी कालोनी, नई स्थिनी, ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त मध्यक्ति अं अर्जन के लिए फार वाहियां करता हो।

उक्त मुम्पतिल के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस अवना के राजण्य में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अधीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पाब्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं , वहीं अधे द्रागा जा उस अध्याय में धिका पदा है।

बन्स्ची

कवर्ड तादादी-1090.57 वर्ग फिट - ,प्राउडीं फ्लोर, फ्लैट नं० "सी" जी०एफ०-3, 15, ईप्रतर तगर, प्रीखता इन्डस्ट्रीयन एरीया 3, नई दिल्ली, ।

> आर० पी० राजेश शक्षप प्राचिकारी े सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1 ,दिल्ली, नई दिल्ली

तारीब : 9-9-1935

प्ररूप आई.टी.एन.एस.----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) प्रार्जन रेंज-1 नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 9 मितम्बर 1985

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एनयू०/1/37-ईई/1-85 1458—श्रत: मुझे, श्रार० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके दश्चात 'उदत अधिनिम' कहा गया हों), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम पापि-गरी को, यह विश्वात करने का कारण ही कि स्थावर मंथीत जिल्ला उदित बागार मल्य

1,00,000/- स्त. से अधिक है

ग्रीर जिपकी गंख्या जी० एफ०-4, ध्यार नगर, है तथा जो श्रीखता इन्डरद्रीयन एरीया, गई दिल्ली, में रिम्त है (ग्रीर इसमें उपायद प्रमुद्रायों में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ना गोग्रायों के जानीना श्रामेंग रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय प्रायकर श्रीधिनियम 1961, के श्रामीन तारीख जनवरी 1985।

को पर्योधन संपंति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकत को लिए अंतरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि गथापवंति संपत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिदृत से अधिक है आर अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्दृश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए।

जन: अब, उसन अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्रत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मिलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) आकारिया शाहिद इम्प्यंस (प्रा०) लि॰, जाकारिया हाऊस, पीरगाहिव गली, मुरादाबाद, (उत्तर प्रदेश)! (भ्रन्तरक)
- (2) श्री मोहम्मद ग्रमिर सामसी पुत्र श्री मोहम्मद ग्रब्वास सामसी, जाकारिया हाऊस, ई-37, कालन्दी कालोनी, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मूलना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्कला की रामील से 30 तिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मो समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रोंकत व्यक्तियों मो से विक्षी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थायर सम्पत्ति में हित- बद्ध किंगी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

रपद्धित्पः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

तादादी-1090.57 वर्ग फिट, ग्राउन्ड फ्लोर, फ्लैट नं॰ 'सी' जी॰एफ॰-4, 15, ईश्वर नगर, श्रोखला इन्डस्ट्रीयल रीया-3, नई दिल्ली,

> भ्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक जावकर अयुक्त (निरीक्षण) भ्राजन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 9-9-1985

प्ररूप क्षार्प. टी. एन. एस.-------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्**च**ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1 नई दित्ली

नई दिल्ली दिनांक 9 सितम्बर 1985

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/ स्यू०/1/37-ईई/1-85/1459-श्रतः मुझे, श्रार० पी० राजेश,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संगीत, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं०पलैंट नं० 102, है तथा जो 16, कुन्दन हाऊस, नेहरू पलेश, नई दिल्ली, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से बणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, अर्जन रैंज-1, नई दिल्ली, भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम 1961 के श्रशील, तारीख जनवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरिनियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निस्तित उद्योग्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) वितरण सं हुई किमी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्मरक के बायित्व में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी बाय का किसी धन या अन्य ब्रास्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनयम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृजिधा के लिए।

नतः भवः, उक्त निधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त निधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के नधीन. निस्निलिसित व्यक्तियों, अधीतः --

- (1) श्री ज्ञान चन्द भ्राहुजा पुत्र स्व० श्री स० डी० श्राहुजा, निवासी-ई-9, ग्रेटर कैलाई-1, नई दिल्ली। (भ्रन्तरक)
- (2) श्रीमती सुजाता दिवान पत्नी श्री सुरिन्द्र कुमार दिवान, श्रीर श्रीमती रुपा दिवान पत्नी श्री शिव कुमार दिवान, निवासी— -346, डिफोंस कालोनी, नई दिहसी, (श्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति की अजन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उस्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कांद्र भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के अजपत्र में प्रकारन को लारीख सं 45 दिन की अर्जाध या तत्नम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अजिह, को भी अविध बाद में गमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यज्ञित द्वारा;
- (स) इस भूचना के राजपक्ष में जकाका की दार्गाय से \$5 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहरणधारी के पास लिखित में कि ए आ कराना।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदः का जो उक्त अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं नर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया गया है।

प्रनुम्ची

पसैट नं०-102, नादादी-284 वर्ग फिट, पहली संजिल, बिल्डिंग नं० 16, कुन्दन हाऊल, नेहरू परीस, नई दिल्ली,

> म्राप्ट पीट राजेश जक्षम प्राधिजारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली

सारीख: 9-9-1985

प्रकर थार्च. ही. एव. एच. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकाइ

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षक)

भ्रजन रेंज-1 नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 9 सितम्बर 1985

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37-ईई/1~85 1461—-श्रतः मुझे, ग्रार० पी० राजेश,

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात 'उक्त अविनियम' कहा एया हैं), की भारा 269- ह के अधीन सक्षम प्राधिकारी कां, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० ई-540, है तथा जो ग्रेटर कैलाई-2, नई रिल्ली में स्थित है (शिर इस उपाबद्ध भ्रतुसूच। में पूर्ण एप से वर्णित है), रिल्स्ट्रीकर्त्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, भ्रजीन रैंज-1, नई दिल्ली, भारतीय भ्रायकर ग्रिधिनियम 1961, के श्रधीन नारीख जनवरी 1985

करे पूर्वोक्त सम्पत्ति के अचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान शिलफल के लिए अन्द्रित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्नह प्रतिशत से अधिक है और बंतरक (बंतरकों) और बंतरिती (बंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कल निम्नलिक्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिक्ति में बास्तविक एक से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) वंतरण से हुई किती बाय की बाबत, उक्त राष्ट्रांश्वास के अभीन पर दाने के असरक के दावित्व पी आभी कारने या असने वचने में सुविधा के विद्; और/या
- (क) ध्रेसी किसी आज था किसी भन वा जन्म बास्तियों को जिन्हों भारतीय बायकर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त विभिनियम, वा भनकर अधिनियम, वा भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अवोधनार्थ बन्दरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जवा भा या किया जाना वाहिए था, कियाने में सुविधा के जिए;

बतः बब, उक्त बिधिनियम की धारा 269-म के बन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के बधीन, निम्नलिबित स्यक्तियों, वर्षात् :- (1) श्री सतानिसला वस जोहन्स भरनारद गोसाल वेस, निवासी-- स-170, ग्रेटर कैलाभ-2, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती प्रकाश कुमार, ई-540, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली,

(भ्रन्सरिती)

का वह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पति के वर्जन के विष्

उनत रम्पतित् के अर्थन के सम्बन्ध् में कोई भी आक्षांच:---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीचा के 45 विन की अवधि या तत्सवंधी स्थानितवाँ पर सूचना की सामीन से 30 दिन की नवधि, को बी अवधि श्रव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्थानितयों में से निसी स्थानित ब्वारा;
- . (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- किसी मन्य स्थाबत इवारा वशोहस्ताक्षरी के वाव निवित में किस वा सकेंगे।

अनुसूची

ग्रोरसन ग्राफ ग्राउन्ड फलोर, ई-540, ग्रेटर कैलाश-2, नैई दिल्ली, तादावी-925 वर्ग फिट ।

> ग्नार० पी० राजेक सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) प्रजीन रेंज-1 विल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 9-9-1985}

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस.-----

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यासय, सष्टायक अायकर बाग्यत (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज-1 नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 9 सितम्बर 1985

निदेश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37-ईई/1-851462— प्रतः मुझे, ग्रार० पी० राजेण,

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्ण्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी करें यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या पर्लंट नं 1324, है तथा जो 89, नेहरु पलेस, नई दिल्ली, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी कि कार्यालय, ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय श्रायकर ग्रिधिनियम 1961, के श्रिधीन तारीख जनवरी 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिकंत के लिए अन्तरित की गर्दे हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के भीच एसे अन्तरक के लिए तम पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नेहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (था) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाँहए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

् कतः अव, उक्त अभिनियम की धारा 269-क के अनुसरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिजित व्यक्तियाँ अर्थात :--- (1) स्कीपर सैंत्स प्रा० लि०,22, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली,

(श्रन्तरक)

(2) कुमारी सिमरान आन्तद (माइनर), स्व० लैफ्टि० कर्नल आर०एस० आन्नद, निवासी-ई-11, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली, (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को वर्जन को संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारांख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इ्वारा;
- (था) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य विक्त द्वारा अधोहस्त्राक्षरी के पास सिचित में किए जा सकोंगे।

स्पच्यीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त कींधनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

ग्रनुमूची

फ्लैट नं० 1324, 89, नेहरू पलेस, नई दिल्ली, तादादी-150 वर्ग फिट

श्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधि हारी सहाय ह श्राय हर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज । दिल्ली, नई दिल्ली

सारीखाः 9-9-1985

महिर:

प्ररूप आईं. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली,

नई दिल्ली, दिनां ह 11 जि म्बर 1985

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एमपू०/1/37-ईई/1-35/ 1464---यतः, मुझे, आर० पी० राजेशः,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का. 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00.000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० स्पेत नं० 19 है, ाया जो बाराखम्बा रोड़ नई दिल्ली में स्थित है (ब्रोट्ड सने उताबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप ने विणित है) रिनिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेज-3, नई दिल्ली भारतीय आयक्षर अधिक्यिम 1961, के अधीन तारीख जनवरी, 1985

को प्रबेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रांतफल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूय, उसके द्रियमान प्रतिफल से एसे द्रियमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत स अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के दौच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिख्ति में वास्तविक एप से किथत निम्नी किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आद की बाबत, उक्त अधिनयम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: उब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1), के अधोन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हु---

मै० कैलाज नाथ एण्ड एसोनिएट,
 1006, कचा जंगा, 18, बाराखम्बा रोड़,
 नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्री संजीव तरेन, बी-540, न्यू फेंडस कालोनी, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करकं पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस राचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारील है 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्ति हों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरण:--इसमें प्रयुवत शब्दों और पदों का, जो उक्त जिबिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हागा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

वन श्रोपन कार पाकिंग स्पेस इन द लोवर बेसमेंट, प्रोपोजिड मल्टी-सटोरीयड कर्माशयल बिल्डिंग, 'अरुणाचल', 19, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 11-9-1985

प्रक्रम आइं .टी.एन.एस..-----

नायंकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प(1) के नधीन सुपना

भारत सरकार

भार्यालय, सहायक आयकर आयकत (निरक्षिण) अर्जन रेंज-1, भी दिल्ली

नई दिल्ली, दिशां ७ १ सि:स्वर 1985

मिर्देश मं० आर०ए० मी०/एकपू०/१/38-ईई/1-85/ 1465——मार, मुझे, आर०पी० राजेस,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'जिक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-म के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह निष्मास करने का कारण है कि स्थावर संपंधिक विस्ता प्रविद्ध बाजार मुख्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

भौर निसकी सं० फ्लैंट नं० 10-ए है, स्था जो 16, नाराखम्ब रोड़, भई दिल्ली में स्थित है (आर १८) उपावद्ध धनुसूची में श्रार पूर्ण रूप से वॉणा है) जिल्ही उनी दिशकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-1, पही दिल्ली, भारतीय आगकर अधि-नियम 1961 के अशीन आरीख जनवरी, 1985

कां पूर्वित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गर्ड

है और मूझ यह विश्वण करने का कारण है कि यथा-प्रांक्त सम्पत्ति का उचित वाजार कृत्य, उसके दृश्यमान प्रति-फल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिफल से अधिक हैं और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देष्य से उस्त अंतरण लिखित में यास्तविक रूप से कथित नहीं किया नया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अपित्यों कर्न जिन्ही भारतीए आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकासनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया पर या किया जाता वाहिए था, किया या मुन्तिक के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ा के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
▶ अधीन, निम्निचित स्यक्तिसों, अधित् :--

मै० पन कैंमि का,
 14/1, मथुरा रोड़, फरीदाबाद

(अन्धर छ)

2. मैं० बैरा उन्हार्जीन (इण्डिया) (प्रा०) लिं०, 204, रोहिन हाऊस, टायस्टाय मार्ग, नई दिल्ली । (अन्तरिती)

का यह सूचना आरा कर के पूर्वीचत सम्पत्ति के अर्जन के सिष् कार्यजान्त्रज्ञ रूपा है।

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्य में कांई भी आक्षेप :--

- (क) इस सुचना क राजपण मा प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि था तत्सम्बन्धी क्यांवितयों पर सुचना की तामील से 30 दिन की वर्षाय, जो भी वर्षाय नाद में समाप्त होती हो, क भीतर पूर्वोक्स कार्यवस्थी था से किसी क्योंबत इंगाए।
- (स) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन के शीतर राज्य स्थावर संपत्ति मा दिसर बंदा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के अपना राजकर हो राज्य का स्थान ।

स्वक्यीकरण :---इसमें प्रयुक्त सन्धां और पदी का, जो उपस विधिनयम के अध्याय 20-क मां गोरशगोधार हाँ, बहुते अध्ये होंगा जा कर अध्याय मी ग्रिया गया हो।

अनुसूची 🕟

फ्लैट नं० 10-ए (1001) डी०सी० एम० बिल्डिंग, 16, बाराखम्बारोड़, नई दिल्ली, नादादी——1000 बर्ग ग्या

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी महायक आयाहर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 9-9-1985

माहर :

प्ररूप बाइ .टी. एम. एस. ------

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोंज-1, नई दिल्ली वर्ड दिल्ली, दिलांक 9 जिल्ह्मकर 1985

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 10-डी, डी० सी०एम०है, तथा जो बिल्डिंग, 16, बाराख्रभ्या रोड़, नई दिल्ली में स्थित हैं (श्रीर इसमें उपाबद्धअनुसूची में श्रीर पूर्ग रूप से विणय हैं) रिजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्ज रें -1, नई दिल्ली, भारती आयकर श्रिधित्यम 1961 के अधीन वारीख जनवरी, 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ताह प्रतिक्रत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की, बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए:

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- मैं० वं रा एसानिएट प्रा० लिं०, ए-39, एन० डी० एस० ई० भाग-11, नई दिल्ली । (अन्तरक)
- 2. मैं० अभित एपार्टमेंट (प्रा०) लि०) रोहित हाउस, टालस्टाय मार्ग, नई दिल्ली । (अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, आंभी अविधि भाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकर्ग।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित, है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है:

अनुसुची

प्लैट नं० 10-डी सी०एम० बिल्डिंग, 16, बाराखम्बा रोड़, नई दिल्ली, तादादी—1000 वर्ग फीट ।

> आर० पी० राजेम सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जेन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 9-9-198

प्रकम् बार्षः ही. एन. एवः -----

बायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 सिनम्बर 1985

निर्देश मं ० आई० ए० मी०/एक्यू०/1/37तई ई/1-85---1468--यतः, मुझे, आर० पी० राजेश,

आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतम इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क्ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिल्लका उचित आजार मृज्य 1,00,000/- रह. से अ**धिक ह**ै

भीर जिसकी मं० फ्लैंट नं० वी-52 है, तथा जो 23, कस्तूरवा गांधी मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीए इससे उपाबद्धर अनसूची में स्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्दीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम, 1961के अधीत, तारीख जनवरी, 1985 क्यों पूर्विक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य हो कम को करपनान प्रतिकास के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके क्रयमान प्रतिकल से, ऐसे क्रयमान प्रतिकल के वंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (कः) अन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, उकत र्जाभनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्वैवधा के लिए: अप्रिया
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या जन्य जास्तियों वो, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियन, मा **अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)** के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

वतः अय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उयत अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) 🛋 अधीष. निम्नलिखित व्यक्तियों. गर्थात् :---

1. मारोस पासरीचा, जी-3, महारानी बाग, नई दिल्ली

(अस्तर्क)

2. श्रीमती रेखा विज पत्नी श्री रमेण कुमार विज, म्रोर मास्टर रजनीश विज भ्रौर ललिन विज, बोथपुत्र श्री रमेश कुमार विज, निवासी--ए-5/1; राना प्रताप बाग, दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करुको पूर्वोक्त सम्पत्ति को वर्जन के लिए कार्यवाडियां करता 鬓।

उक्त तंपलि के वर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस बुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जी भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस स्थाना को राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वच्छीकरणः ---इसमें प्रवृत्तत शब्दों और पदों का, ओं उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा भी उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

पलैंध नं व बी-52, पांचवी मंजिल, हिमालया हाऊस, 23 कस्तूरवा गांधी मार्ग, नई दिल्ली, नादादी--1778 वर्ग फीट ।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

नारीख : 9-9-1985

प्रस्त बाह्य हो, एन्ट एस्ट------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-न (1) के मधीन स्वना

वारत श्ररकार

कार्यात्यः, सहायक आयकर आयुक्तः (निरीक्षण) श्रजेन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांङ 9 सितम्बर 1985

निदण म० द्यार्ड० ए० मी०/एक्यू०/1/37-ई ई/1-85/ 1469--यतः, मुझे, श्रार०पी० राजेण, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

इसस्ते पक्ष्मात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), कर्म धारा 250-र के अधीन सक्षम प्राभिकारी को, यह विश्वस्य क्षारने क. कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 102, ई-492 है, तथा जो ग्रेटर कैलाग, नई दिल्लो में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण का से विणित हैं), रिजस्ट्रोक्स श्रिश्चित्रारी के कार्यालय अर्जन रेज-1, नई दिल्लो भारतीय श्रायकर श्रिधित्त्रास, 1961 के श्रश्चीन, तारीख जनवरी, 1985

को वर्गोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मध्य से कम के क्यमान को लिए अन्सरित की गह मभ्रे विश्वास करने का यह कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इच्यमान प्रतिफल से., एसे इच्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अध्य है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंत-रितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, जिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण जिखित में वास्तविक म्प से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बिटिटियम के अधीन कर दोने के बन्सरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा संश्वाह: और/मा
- (ग) एरी किसी आयं या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय धायकार विधिनयम, 192? (1922 का 11) या उत्तर विधिनयम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ वन्सरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए वा लियाने में सुविधा वे लिए:

अतः अप, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मं. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) ➡ अधीर निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- श्रीमती कुमुम खन्ना,
 बी/24, मेक्टर-5, राकरकेला 'उड़ीसा'-769002 (ग्रन्सरक)
- श्रीमती रमण क्कड़ श्रौर श्री रिवन्द्र कुमार क्कड़।
 क्कड़ कोल्ड स्टोर, जी०टी०रोड़, जालन्धर कैन्ट।
 (ग्रन्तरिती)

को यह स्थान बारी करके पृंजीवत सम्पत्ति के वर्षन के सिए कार्यवाहियां करता हैं।

जमत बम्मति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आशोप :---

- (क) इस सूचना के राजधन के प्रकाशन की तारीं खें 45 किन की अवधि या तत्त्रंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की क्षामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में के किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उच्छ स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी

स्पष्टीकरणः ----इसमे प्रयूक्त कट्टों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही कर्ण होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

पश्चैट नं० 1/605, मीम बिहार, ग्रार० के० पुरस, नई दिल्ली, तादादी—1430 वर्ग फ्रीट ।

> म्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सह्यक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

नारोख: 9-9-1985

प्रकप काई. टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 769-भ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर सायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, नई दिल्लीः

नई दिल्ली, दिनां ह 9 सितम्बर 1985

निर्देश मं० श्राई० ए० में//एक्यू०/1/37-ई ई/1-85/1470----गतः, मुझे, श्रार० पं/० राजेश,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी संज क्लट गंज 1-605 है, तथा जो मोम बिहार श्रारंज के पुरस, नई दिल्ली में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रतुसूचा में श्रीर पूर्ण का से विजत हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधनारी के पार्यालय, श्रजन रोज-1, नई दिल्ली, भारतीय श्रायकर श्रीधनियम 1961 के श्रधान, तारीख जनकरी, 1985

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृषेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंसरक (अंतरकों) और अंसरिती (अंतरितयों) के बीच एसे बंहरण के लिए तय पाम गवा प्रतिफल, निम्नितिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निचित में बास्तिक रूप से किथित नहीं किया गया है:—

- (क) जंतरण से हुई किसी जाय की बाबत, उजक अधिनियम के अधीन कार दोने के अंतरक के दायिक में कमी करने या उससे बचने में मुख्या के किए: और/बा
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस अधिनियम, या धर-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बतः व्यव, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण में, मैं, अक्त विधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के विधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :-- 1. ब्रिगेडियर सनान हु गोन सालवेज, 101. भाटिया एपार्टमेंट, ई-540 ग्रैटर कैलाज-2, नई दिल्ली: 1

(अन्तर ह)

मैं० सरी घर कारपेट (प्रा०) लि०,
 पटेल नगर, कालोनी, बाराणमी,

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्परिस के अर्जन के लिए स पंजाहियां करता हो।

वन्त सम्मत्ति के अर्चन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) रस सूचना के ट्राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि भाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तियों हो के भीतर पूर्वोक्त
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास निष्यत में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शन्धों और पदों का, जो उक्त किंधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगे जो उस अश्याय में दिया

श्रनुसूची

श्रनमुची

फ्लट नं० 1-605, सोम विहार, श्रार० के० पुरम नई दिल्ला, तादादी---1430 वर्ग फ्रीट ।

> श्रार० पी० राघेज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

नारीखा : 9-9-1985

प्रकार कार्यं, टी. प्रमे. प्रयोगायाम्य

भाषकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अभीत स्था

भारत परकार

कार्यालय, सहायक आधकर जायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-1, दिल्ली

नई दिल्ला, दिनांक 9 सितम्बर 1985

नायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उनत निधिनियम' कहा गया हैं), की भाष 269-स के अधीन सक्षत्र प्राधिकारी को यह विश्वात करने जा कारण है कि स्थावर सम्मित्ति, प्रिसका उचित वाजार भूका

1,00,000/- का से अधिक हैं
श्रीर जिसकी संव फ्लैट नंव 1224 है, तथा जो 89, नेहरू
फ्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुभूषी में
श्रीर पूर्ण का से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय,
श्राजन रेज-1, नई दिल्ली, भारतीय श्रायकर श्रीधनियम 1961
के श्रायीन, नारीखं जनवरी, 1985

को पूर्वेक्स सम्पर्तित के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने मह विश्वास करने का कारण है कि संभापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य उत्तके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंसरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय किया गया प्रतिफल, निम्निसिय उद्देश से दक्त बंतरण किया गया प्रतिफल, निम्निसिय उद्देश से दक्त बंतरण किया गया प्रतिफल, निम्निसिय उद्देश से दक्त बंतरण किया गया प्रतिफल, निम्निसिय उद्देश से दक्त बंतरण

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बावत, अवस शीधिवज्ञ के वजीन कर दोने के अन्तरक के सरिद्य में क्रमी करने वा उससे बचने में अधिक्रश के सिए; बॉफ/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या जन्य वास्तियों को विन्ही धारतीय नायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) ना अक्त निभिनियम, वा भव-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में त्विधा के विद्या

बतः वन , उक्त विधिनयम की धारा 269-ग की वनुसरक में, में, उक्त विधिनयम की धारा 269-व की उपधारा (1) के जधीन निम्नतिवित व्यक्तियों, वर्षत् :--- मै० स्कीपर सेल्स (प्रा०) (लि०),
 22, बाराखम्बा रोड़, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

2. श्री हरीश चन्द्र पुरश्री दाता राम, और श्रीमती संतीय कुमारी चन्द्र पत्नी श्री हरीश चन्द्र, सेक्टर नं०-9, हाऊस नं० 858, श्रीर० के० पुरम, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वता जारी करके पूर्वीवत संपरित के अर्जन के थिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीर से 45 दिन की जविभ या तत्सवंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे विद्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (क) इस सूचना के हाब्यन में प्रकारन की तारींच है
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पाछ
 लिखित में किए जा सकरें।

स्पच्छीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनस्ची

कवरड एरिया, प्लैंट नं० 1224, बारहवीं मंजिल, ताक्षादी—150 वर्ग फुट, 89, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली।

> श्चार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रोज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 9-9-1985

प्रकष् वार्ड्-टी. एन . एस. . ======

बावकः वृधिनिस्स्। 1961 (1961 का 43), की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

THE STREET

कार्याच्य, तहायक जायकार जायुक्त (क्रिकेश्क)

श्चर्जन रेंज-1, दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 10 सितम्बर 1985

जासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस्ते इतर्जे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृज्य 1,00,000/~ रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संव जीव एक०-2, मधुबन, है, भथा जो 55 नेहरू प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण का संविधान है), रजिस्ट्राकर्ती अधिकारी के कार्यालय, श्रजेन रेज-1, नई दिल्ली, भारतीय श्रायकर अधिनियम 1961 के श्रधीन, तारीख जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिनत बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता विलंख के जनुसार अंतरित की शई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि अभाष्मोंक्त सम्पत्ति का जिनत बाजार मृत्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल के पन्यह प्रतिशत ते अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित ज्यूबेक्व से जनत अन्तरण निस्तर में बास्तविक रूव से किश्व नहीं किया गया है उन्न

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने मों सूविधा के लिए; और/वा
- (ब) एती किसी भाग का किसी भन या जन्म झास्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधीचनार्थ जन्दरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा है विश्वा

नतः। अन्, उनत जीभीनयम की भारा 269-न के जनुबरण में, में, उनत अभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) चे बभीन, निम्नुतिचित अभिन्तमां, अर्थात् थ——

- 1. मैं० नन्दा ब्रदसं (ई० एक्स० पी०) (प्रा०) लि०, प्लैट नं० 15-ए, शंकर मार्कीट, नई दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- मास्टर जितेन्द्र कपूर (माइनर) द्वारा
 श्री एम० एल० कपूर,
 रोड़ नं० 8, हाऊस नं० 15, ईस्ट पंजाबी बाग,
 नई दिल्ली।

(प्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप उ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्द्रीक है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए जा सुर्धे थे।

न्यस्थीकरणः — इसमें प्रमुक्त सम्बं और पदों का, यो अक्त जिम्मित्वमा, को अभ्याय 20-कृ में परिभाषित हैं,। वहीं कुर्व होगा जो उन्न कभ्याय में दिया वदा हैंं अ

नगत्त्रची

र्जाः एफः -2, मधुबन ; 55, नेहरू पङ्कुस, नई दिल्ली, तादादी—1330 वर्ग फ्रीट ।

म्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सह्ययक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 10-9-1985

प्ररूप नार्दं.टी.एन.एस. ------

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

धारत तरकार

कार्यालय . सहायक भागकर नायुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रोज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली , दिनांक 10 मितम्बर 1985

निर्देश मं० ब्राई० ए० स्१०/एक्यू०/1/37-ई ई/1-85/1474—-यतः, मुझे, ब्रार० परे० राजेश,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्व 1,00,000/- रा. से अधिक ही

ग्रीर जिलकी संव पलैट नंव 301, प्लाट नंव 36 है, तथा जो कैलाग काशोनी एक्सटेन्सन, नई दिल्ली हुमें स्थित हैं (ग्रीर इसेसे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण का से बिल्ली हुमें स्थित हैं (ग्रीर इसेसे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण का से बिल्ली, पिलस्ट वर्ता ग्रीध कारी के कार्यालय, ग्राजन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय ग्राय कर ग्रीधिनयम, 1961 के ग्रीधान, तारीख जनवरी, 1985 को पूर्वीक्य सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की पर्य ही बौर मुम्ने यह विश्वात करने का कारण है कि सभाप्तिक्त संपरित का उचित बाजार पूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकाल से, एसे क्रयमान प्रतिकाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (ग्रीतरितयों) के बीच एसे ग्रीतरण के लिए तय पाया ग्रा प्रतिकाल, निम्निसित उच्चरेय से उक्स अन्तरण निकित में वास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है दिल्ल

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की अवस उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने को अन्तरक के वायित्य में कामी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; अदि/या
- (ह) एमि किसी आय या किसी धन वा अन्य वास्तिवाँ की जिन्हीं भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्च अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गण था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए।

बतः वस, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग कै अनुसर्ण कों, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-गे की उपभारा (1) कों भारीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धात ह श्री जिनेन्द्र कुमार जैन,
 117, बजाज हाऊस, 97, नेहरू पलेस,
 नई दिल्ली:

(ग्रन्तरक्)

2. श्री विनोद कुमार, श्री मनोहर कुमार, निप्रामी—एन०-2 (शाकीट) ग्रेटर कैलाज-1, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अत्रिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कि व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति द्वारा;
- (श) इस सूचना के उपजपत्र में प्रकाशन की शारीख है 45 दिन के भीतर उजन स्थावर गंपन्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्तःक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के बाध्याय 20 क में परिभाजित हैं, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

फ्लैंट न० 301, तीसरी मंजिल, ईलाइट हाऊस 36, जमहद्वपुर, कमिशयल सेन्टर, नई दिल्ली, कैलाग कालोनी, एक्सटेन्शन ।

> ग्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रोज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 10-9-1985

प्रस्य बार्च, टी. एन. एस., ------

काशकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

शारत सरकार

शार्धालय, सहायक आयकर जायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांकं 10 सित्तम्बर 1985

निर्देश सं० ब्राई० ए० सी $1/\sqrt{1/37}$ ई $1/\sqrt{1/37}$ ई $1/\sqrt{1/37}$ के ब्रांक पी $1/\sqrt{1/37}$ के ब्रांक पी $1/\sqrt{1/37}$

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमे इसमें इसके पश्चात जिस्त अधिनियम कहा गया है), की भाग 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसको सं० फ्लैट नं० 1105 है, तथा जो 24, बाराखम्बा, रोड, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसमे उपायद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिसीकर्ता श्रीधकार्र, के कार्यालय, श्रर्जन रेज-1, नई दिल्ली, भारतीय श्रायकर श्रीधनियम 1961 के अश्रीन, तारिख जनवरी, 1985

को पूर्विक्स सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान शितफाल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि ग्रथापूर्वों कत संपरित का उचित कावार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफाल का वन्द्रह प्रतिचात से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिक का निम्निविद्यत उद्योदय से उक्त बन्तरण निम्निविद्यत से जास्तिविक ल्य से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाबित्य में कभी करने या उससे अधने में सुविधा के निए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिवां को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनयम, 1922 (1922 को 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर विधिनयम, 1957 (1957 को 27) जो प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा वै लिए;

जतः वजः, उक्त जिभिनियम की भारा 269-ग के जनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :~--

- चरणजं।त सिंह सबदेव, श्रां.मतः रेन् जुनेजा,
 निवासी---20, बंगलो रोड़, दिल्लीः
 (भ्रन्तरक)
- 2. मैं० जैंक होम्स प्रोडक्टस लि०, 1106, अशोश इस्टेट, 24, बाराखम्बा रोड़, नई दिल्ली

(भ्रन्करिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त झांती हो, को भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्स स्थावर संपत्ति में हित्न बद्ध किसी बन्य न्योंक्त द्वार अथोहस्ताकारी औं प्रम निरंबत में किए भा सकागे।

बन्स्ची

न्नाफिस पलैट नं० 1105, तादादी—640 वर्ग फ़ीट, रगारह्वीं मंजिल, 'ग्रमोहा इस्टेट' 24, बाराखस्वा रोड़, नई दिल्ली ।

> स्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

नारीखा : 10-9-1985

मोहर

असम् वाह<u>ै.की.एन.एस.</u>------

बावकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के बधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक भागकर जानुक्त (निरीक्षण) ग्राजन रोज-1, नहीं दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 सितम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० मी०/एक्यू०/1/37-ईई/1-85/ 1476--- अत: मुझे, आर० पी० राजेश,

कावकर बीधीनबम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ं की संव फ्लैट नंव बी-6 है तथा जो प्लाट नंव 36, कैलाण कालोनो, नई दिल्लो में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ़ धनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्रजन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनयम, 1961 के ग्रधीन, तारीख जनवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित नाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की नहीं ही और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण ही

कि यथा पूर्वाक्त सम्पत्ति का उष्यत बाजार मृल्य, उत्तक श्रवमान प्रतिकल से, एसे श्रवमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्मलिखिठ उद्देश्य से उक्त अन्तरण निष्वित में वास्तिविक रूप से कथित महीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कनी करने या उससे बचने में सूनिधा के सिए; और/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या जन्म आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धनकार अधिनियम, वा धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रिपाने में सूविधा के लिए;

लसः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिबिस व्यक्तियों, अर्थात् :---

ईलाईट डिबलप्रेस (प्रा०) लि०,
 115, धन्सल भवन, 16, कस्तूरबा गांधी मार्ग,
 नई दिल्ली।

(भन्तरक)

 श्रीमती इन्दिरा बोहरा ई-143; लाजपत नगर-1, नई दिल्ली ।

(भन्तिरिवी)

को यह बुचना चारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उस्त संपत्ति के अर्ज्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस त्याना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पइ स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, खे भी नवीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोदत्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित- बक्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पक्कीकरण :—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त्य्र अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

फ्लैंट नं० बो-6, प्रोपोजिड ईलाईट हाऊस, प्लाट नं० 36, कम्यूनिटो सेन्टर, कैलाण कालोनी, एक्सटेन्शन (जमस्दपुर) नई दिल्ली।

तादादी---327 वर्ग फ़ीट ।

ग्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सद्भायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-1, नई दिल्ली-110002

तारीखा: 10-9-1985

प्ररूप आर्द्व.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यारंग, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-1, नई धिरली

नई धिल्लं , धिनां र 10 सित्त वर 1985

मिर्देश सं० ष्ठाई० ए० सं००/एक्यू०/1/37ईई/1-85/ 1477—-श्रतः मुझे, ंश्रार०पं० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिराका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जित्तको सं० पर्तेष्ट नं० बंग-३ फ्याट नं० 36 है, तथा जो कैया जालोगा, नई पित्तो में स्थित है (श्रीर इसके उपाबद्ध श्रमुक्को में श्रीर पूर्व का से बिजित है) किस्ट्रल श्रिशियारी के जातित, प्रतेत हैं -1, नई दिस्ता, भारताय श्रायक्त श्रिधितका

1961 के श्राप्ति, कारीख अनुनरी, 1985

को पूर्विविद्य संपत्ति के उच्चित गाजार मन्य में कम के दशमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मझ या विकास करने का कारण है कि स्थापविभात संपत्ति का उच्चित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रजिडल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाना गया प्रतिकल निम्मलिक्ति उद्देश से उबत अन्तरण लिगित में कास्तियक रूप में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण गे हुई किसी आय की बादत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दंने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने भें सिवध के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--

(1) ईतःईट खिननोन्ना (प्रत्०) लि०.
 115, भन्तल भन्ना, 16, क्स्तुत्वा गांध/ मार्ग,
 नई दिल्ला।

(भन्तरक)

(2) श्रामतः चन्दर तान्ता पर्ताः श्रां जै० पो० विमनानी सो०/प्रो०, मै० प्रलदात निर्योगल, 3525, कुतुत्र रोड़, दिल्ला।

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में को**ई भी आक्षेप** :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्में जेंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अदिधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से विश्ती व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उकत रक्षावर सम्पत्ति में हित- बद्ध जिल्ली अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त बब्दों और पदों का जो उक्त अधिनित्म, के अन्यार 20-क में यथा परिभा-षित हैं, वहीं अर्थ होंगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

पत्तैट नं बो-2, प्रोपोिड ईलाइट हाऊर, प्लाट नं -36, कम्पृतिटो सन्टर, कैलास कालोन एकपटेन्सन (जमहसपुर) नई हिल्लो, तादावी-420 वर्ग फीट ।

म्नार्यः पोश्याः त्यमः प्राधिकारीः बहुत्यः स्रामाप्यः प्रापुत्रतः (निरोक्षण) स्रजैन रोज-1, नई दिल्लो-110002

सारीख : 10-9-1985

मोहरः

36 -296GI|85

प्ररूप आहें.टा. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याचय, रहायक अगक्तर आयुक्त (निरीक्षण) प्रति रेंग्ना, गर्र स्टिला

नई दिल्लं , धिनां । 10 िताबार, 1985

निवेश पं० ग्राईं० ए० काः/एकपूर/1/37ईई/1-85/ 1478--ग्रतः सुझे, ग्राए० मी० राजेश,

नायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परमान 'उका अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- स्व ने अधीन सक्षम गणिल्हारी को यह जिस्साम करने का मारण है कि स्थापक संस्थित किया सियम स्थापक कि स्थापक संस्थित है कि स्थापक संस्थित है कि स्थापक संस्थित है

ग्रीर जितना सं० वेतनेंत नं० 4, ई-578, है तथा जो ग्रेटर कैला छ-2, नई दिल्ला में स्थित है (ग्री: इसते उपाबद्ध ग्रापुत्र) में पूर्ण का ने विभा है), 'किस्ट्रा तो ग्रिक्तरी के कार्यालय ग्राजीन रोज-1, नई दिल्ला में भारतीय ग्रायपर ग्रिक्तियम 1961 के ग्रायान सराख जनवरा, 85

करे प्योंक्त संपत्ति के लिए एकार मुला से कम के द्रयमान प्रतिक्रल के लिए अंतिपद की कि है और मुभे का जिस्त कार करने का कारण है कि मुश्यकों है और मुभे का जिस्त वाजार मुल्य, जसके द्रश्यान प्रतिफल से, एमे द्रश्यान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंत-रिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मलिखित एद्रदेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से लिथित नदीं किया गया है :--

- (क) अारण में हर्ज किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एंनी घारी त्या राजिसी घर मा अन्य आस्तियों को, जिल्हों अर्पाति आसलर श्रीधीनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा १९०-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्तिक्टिन व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रीमता राज राना गुण्ता, ई578, ग्रैटर कैलाश-2 नई दिल्ला।

(ग्रन्तरक)

(2) मैं अबर्द न थ पेत्रा निधि, 1ए, लव लोक पलेस कलकता-19

(अन्तरितं।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-हैं, यही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बेसमेंट नं०-4, ई-5/78, ग्रीटर कैलाश-2 नई दिल्ली, तादादा-368 वर्ग फिट।

न्नार० पी० राजेश सक्षम ग्रीधरारी सहायक ग्रायकर द्यायुवत (निरीक्षण) ग्राजेन रेज-1, दिल्ली

दिनां 7: 10-9-1085

मोहर 🛭

प्ररूप बार्ड .टी.एम.एस.

बायकर विधानयम, -1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के वधीन स्चना

भारत सर्कार

कार्यालय, सहायक वावकर वायुक्त (निर्द्रीक्षण) भ्रर्जन रेंज-1, नई दिल्लां

नई दिल्ला, दिनां उ 10 सितम्बर, 1985

निदेश सं० म्राई० ए० सं१० ।एक्यू०/1/37ईई/1-85/ .179--- मतः मुझे, ग्रार० पा० राजेश,

शायकर बांधनियम, 1961 (1961 का 43) (शिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया ह"), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका अचित जाजार मृज्य 1:00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसका सं० फ्लैट नं०-2-डा, है तथा तथा जो अशोका एपार्टमेंट-1, देवला (खानपुर) नई दिल्ला, में स्थित है (ग्रीर इस से उपावद्ध अनुसूचा में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्राकर्ता अधिकारा के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ला, में भारताय भायवर ग्रहिनियम 1961 के ग्रहान ताराख जनवरी, 85

को पूर्वोक्त संपीत्त के उचित बाबार मृल्य सं कम के अध्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य . उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय भाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य हे उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया बया हैं:--

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने वा उससे वचने में सुविधा है लिए; और/या
- (ब) एरेरी किसी बाब या किसी बन या बन्य बास्तियां को, जिन्हां भारतीय बाब-कर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोख-नार्थवन्तरिती बुनारा प्रकट नहीं किया गया था वाकिया जाना चाहिए का क्रियाने में सुविधः स्ट्रे सिए।

बतः वब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६---

(1) श्रामके ---(1) श्रामतो सरला मादिना ए-८, एन० डा० एस० ई-1, नई दिल्लi।

(म्रन्सरका)

2 2 2 ----

(2) श्रामता बन्दना दता पत्नि श्राः रन्जीत दत्ता निवासः ए०-२/१५/१, सफ़दरजंग इन्क्लेव, नई दिल्ला।

(अन्तरितः)

को यह स्थाना कारी कारके प्वोक्त संपत्ति के अर्जन के निष कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्मित्त के अर्थन के मम्बन्ध ए कोई भी गाक्षप -

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख न 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिया पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वींकर व्यक्तियो में सं किसी व्यक्ति इवारा;
- (ब) इस सचना क राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ह वह कि। इ. भी १ हरा र १५७ १ । रोज में दित्रबंदध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास रहाब्ड में हात् कर महा 🕡

स्पद्धीकरण - इसमें प्रयास मन्द्री और पत्नी का, जी उनक अभिनियम वं अप्याप ११०-३, च परिकासित हैं, वहा अर्थ कुछ । अर एक भाषाया चार हिंद्या गामा है -

श्रनुसूची

पर्लंट नं०-2-डो, स्रशोका एर्पार्टमेंट-1, तिसरी मंजिल, देवली (खानपुर) नई दिल्लो, तादादो-48 वर्ग फ़ि

> स्रार० पा० राजेश सक्षम अधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायकत (निरंक्षण) धर्जन रेंज-1, दिल्ली नई दिल्ला

दिनांक: 10-9-1985

मोहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) भर्जन रेंज-1, नई दिल्लं

नई दिल्ला, दिलां / 10 सितान्बर, 1985

निरोण सं० श्राई०ए० तर्वाप्य एवर्ष १/1/37ईई/1-85/1480---श्रतः मुझे, श्रार० पर्र० राजेश

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकेपक्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मृल्य 100, 606/- रक. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं ० फ्लैंट नं ० 1225,हैं तथा जो 89, नेहरू पलेस, नर्ष दिल्ली में लिया हैं (और इतसे उपाबद अनुस्ति में भौर पूर्ण क्य से विज्ति हैं), रिजर्द्रावर्ती श्रिधिशारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नर्ष दिल्ली, भारतीय आयहर प्रधिनियम, 1961 के श्रिधीन, तारीख जनवरी 1985

को पूर्वाक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे रह किंग्बार करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूष्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकॉ) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किंथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की जबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोन के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; बरैर/या
- (छ) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए;

बाहः श्रंब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित, व्यक्तियों, अर्थात :— (1) जै० स्काप्तर सेल्या (प्रा०) लि०, स्कापर भवन, 22, बार्यक्षण्या रोड, नई फिल्मा।

(ग्रन्तरङः)

(2) श्रामगा माला मानन्द परित श्री परिटस ए० एस० मानन्द निशासा-च क परिटर माक पाए एण्ड क्यमगर, हाई कोर्ट, पास्मू।

(प्रन्धिती)

को ग्रह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितवद्ग किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में से किए जा सकोगे।

स्पक्कीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्**स्**ची

पलैट नं ॰-1225, 89, नेह्र पलेस, न**ई दि**ल्ल*े,* स्.दा**र**े 150 वर्ग फिट।

> श्रार० पो० राजेश सक्षम प्राधिवारी सहायक स्नायकर श्रायुक्त (निर्रक्षण) सर्जन रेंज-1, दिल्ली नई दिल्ली

तारीख: 10--9--85

मोहरः

प्रकृप बाइं.टी. एन. एव . ------

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

शारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्लो

नई दिल्लं:, दिनांक 10 सित्तम्बर 1985

निर्देश सं० ध्राई० ए० नां०/एक रू०/1/37ईई/1--285/1481---अगः मुझे ध्रार० परं० राजे ६; ब्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अशीर सक्षम प्रशिधकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्पावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. सं अधिक है

मीर जित्ता संख्या फ्लैंट नं 602 है एया जो 7, टालस्टाय मर्ग, नई दिल्ला में स्थित हैं (ग्रीर इसते उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूरी कर ने विषत हैं), रिकिट्स ती श्रिक्षार के कार्याला श्रामेन रेंग-1, नई दिल्ला, भारताय श्रायकर श्रीधे-नि.म. 1961, के श्रीमान कारीख कनवर 1985

को पूर्वीवत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित को गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्य-विक रूप से क्षियत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संहुदं किसी आय की बाबत, उक्त व्याधिनियम के बजीन कर धीने के बन्तरक के बाबित्य में कभी करने या उससे वजने में सुविधा के लिए; नोर्/सा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, चिन्हें भारतीय बाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या गरा असिनियम, या भन-कर अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1067 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अधि, उक्त अभिनियम की धारा 269-त के जनसम्बद्धां, में, उक्त अधिनियम की धारा 260-च की उपधारा (प) के अधीन, निम्निलिखिक व्यक्तियों, अधीतः :—

(1) श्री ग्रहत कुमार बोहरा सुपृत,
मेजर जनरल एस० पा० बोहरा
श्रेमातः विस्ता बोहरा पत्ना
श्री ग्रहत कुमार बोहरा,
मास्टर ग्रास्ति कुमार बोहरा श्रीर
मास्टर ग्रासित कुमार बोहरा,
निजासा-ग्री०-8 बा०, वेस्टएन्ड कालोनी,
नई दिल्ली।

(भ्रन्तरह)

(2) श्री विश्वजोत्त पृथ्वोजीत सिंह पुत श्राः राज कुमार पृथ्वाजात सिंह, निवासा 80, लोबा इस्टेट, नई दिल्लो ।

(श्रद्धितः)

· सर्विष्ठ स्थाना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के निष्ट - कार्यवाहियां करता हुं।

सक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माओप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकारन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हैं, के भीतर पूर्वा कर स्थावितयों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

रनच्दीक पुण्ड--इसमें प्रयुक्त कन्दों और बदों का, धो उनक अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

पनुसूची

पर्लैट नं॰ 602, छठें: मंजिल, प्राप्त दोप, 7, टाहरटाय मार्ग, नई दिल्ला, तादादी-709 वर्ग फीट।

> धार० पी० राजेश सक्षम प्राधिवारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भाजेन रेंज--1, नई दिल्ली

सारीख: 10**-**9-85

मोहर 🗧

प्रकप काइं.ही.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन मृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 सितम्बर 85

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/1-85/ 1482—श्रत: मुझे, श्रार० पी० राजेश,

नायकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त जीधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार म्ल्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जितकी संख्या पतैट इन वेस्ट टावर है तथा जो 9, बाराखम्बा रोड़, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रृपून्नों में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता ग्रिशिकारों के कार्यालय, श्रजंन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम 1961 के श्रिधीन तारीख जनवरी-85

को प्लेक्ति सम्पत्ति के उभित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रिक्ति के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उभित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निट कित उद्वेश्य से उक्त अंतरण निकित में बास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरणं संहुद किसी आम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व भे कभी करने या उससे बचने में स्विधा
- (अ) एसी फिसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधाजनाथ उन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा की लिए;

श्रतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में अक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, विस्निसिक्त व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) मैं ० कैलाभ नाथ एन्ड एसोसिएटस, 1006, कंचनजुंगा, 18, बाराखम्बा रोड़, नई दिल्ली।

(म्रन्तरक)

(2) श्री मुकुलपी भागवा ए-11/ए, साउथ एसक्टेंशन भाग-1, नई विल्ली

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करते हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकारन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर संपत्ति में हितब्द्ध किसी अन्य स्थाक्त द्रारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं सर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसूची

वन 'बी' रिसीडेन्टल पलैट इन वेस्ट टावर, तावादी 1600 वर्ग फीट, पहली मंजिल, प्रोपोजिड मल्टीस्टोरीयद ग्रुप हार्जीसग स्कीम 'नोलिगरी' एपार्टमेंट' 9, बाराखम्बा रोड़, नई विल्ली एक घोर एक घोपन कार पार्किंग स्पेस

> ग्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजेंन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख: 10 9 85

प्रकृष बाह्". टी. एन. एव.

बायकर रुधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

आमांलय, तहायक जादकर आयुक्त (निरक्षिण) धर्जन रेंज−1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 10 सितम्बर 1985

निर्देश सं० धाई० ए० सी०/एकपू०/1/37ईई/1-85/1483—अत: मुझे, श्रार० पी० राजेश, शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सक्त परणात 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के जधीन सक्षम प्राधिकार'। की शह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार म् 190,000/- रा. से अधिक हैं।

ग्रीर जिसकी सं० पर्लंट नं० एम० 6, है तथा जो 89, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उनाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रून से विग्ता है), रिजस्ट्रीकर्ला ग्रीधकारी के कार्यातन, ग्रार्थन रेंज-1, नई दिल्ली भारतीय ग्रायकर ग्रीध-नियम 1961 के ग्रिधीन तारीख जनवरी-85 को पूर्वीस्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के सम्यान बिताल के लिए अंतरित की गर्ह है और मृत्रों यह विश्वास

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जीवत वाजार मृत्य स कम के दश्यमान हित्रक के लिए अंतरित की गई है और मृत्रो यह विश्वास करने का कारण है कि एथएएयाँकत सम्पत्ति था उचित वाजार गृत्य, त्सके दश्यमान प्रतिफल सं. ऐसे दश्यमान प्रतिफल का वन्द्र प्रतिमात अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एमं अन्तरण के जिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेदय से उक्त अन्तरण जिल्लित में वास्तिक रूप से किथा गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त आधानयम के अधीम कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने सचने में ज्ञिका ने निक; बौर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम दा धन-कार अधिनियम पा प्रकार अधिनियम दा धन-कार अधिनियम १९५७ (1957 का 27) के एक जिल्ला मन्तिर्दी द्वारा प्रकार कहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

् बत[्] बंबः उक्त स्पिनियम की धारा 269-ग के अनसरण मों, मों, उज्जत अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) मास्टर सन्दीप गोयल यू०/जी श्रीमती मालती गोयल, निवासी एस०-83, पंचिशाला पार्क, नई विल्ली

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती रीटा महाजन पत्नी, श्री के० जी० गुप्ता (भ्रलाईज महाजन) 2-डी, पाकेट-3, मयूर विहार, दिल्ली

(भ्रन्तरिती)

को सह स्थाना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां कारता हुए।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, आंभी अविध बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर पूर्वीकल व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा,
- (क) इस एचन के राजपत्र में प्रकाशन की तारांख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर एम्पित में हित बद्ध किसी अन्य व्यक्ति दवारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्रीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ द्वारा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं एम० – 6, सकीपर टावर, 89, नेहरू पलेस, न् नई दिल्लो, तादावीं 350 वर्ग फिट।

> द्यार० पी० राजेश मक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज-1, नई दिस्त्री

तारीख: 10-9-85

त्रकृष बाइं.टी.एन.एक .----

आयकर अधिनियम, 1981 (1961 का 43) का भार 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत संस्कार

कार्यालयः, महायकः शयकः भाग्यन्तः (निरक्तिण)
भार्जन रेंज-1, नई विल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 10 सितम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एलपू०/1/37ईई/1-85/
1484—अत: मृक्षे, आर० पी० राजेश,
शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिके एक्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मृल्य

श्रीर जितिकी संख्या कार पाकिंग स्पेस, है तथा जो 17, टाल-स्टाय भाग, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणा है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिकिकारी के कार्यालय, श्राजन रेंज-1, नई दिल्ली, में भारतीय भारकर श्रिधिनियम, 1961 के श्रिधीन तारीख, जनवरी-1985,

1,00,000/- रु. से अधिक **ह**ै

को पूर्वितित सम्पिति के उपित बाजार मूल्य से कम के इद्यमान प्रतिकान के लिए अन्तरित को गर्क हैं और मझे यह जिक्कास करने का कारण है कि वथापूर्वित संपरित का उपित बाजार बृत्य, उसके इश्यमान प्रतिकान से, एसे इश्यमान प्रतिकान का पहुर प्रतिकात से अधिक है और संतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकात का निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिविक खप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबक, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (एंसी किसी नाय या किसी धन या बन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनं-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अमोजनार्थ जन्तिरिती स्वारा प्रकट महुन किया वा वा का बाबा वा बाहर वा. कियाने में जिला के लिए।

अत: अब, उक्त अभिनियम की धारा 269-भ के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपभारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६-- (1) श्रीमती सुरेन्द्रा देवी तुलसेन पत्नी, श्री प्रह्लाद राय तुलसन, निवासी 983, कुचा नटवा, चांदनी चौक, विद्यली

(भ्रन्तरक)

(2) मास्टर वहन जैन पुत्र, श्री तहन कुमार जैन, निवासी डी० 400, हिंफेंस कालोनी, नई दिखली

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थान जारी करके पृत्रोंक्स सम्परित के अर्थन के रेजा कार्यकाहियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्सेय:---

- (क) इस सजना के राजपण में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी स्थानितयों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि जाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वा कर स्थानित यों में से किसी व्यक्तित दुवारा;
- (च) इस सूचना कं राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन के भात र उक्त स्थादर सम्पोत्त में हितबब्ध किसी अन्य अयिकत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा अकी गै।

स्वच्छीकरणः -- इसमें प्रयाक्त शब्दों और पदों का, जो उन्स किंपियम, के बुध्याय 20-क में प्रिभावित है, वहां अर्थ हतेगा जो उस अध्याय में दिया नया है।

अनुसूची

कार पाकि। स्रेत नं०-2, ग्राउंहै ब्लोर बन्दना बिल्डिंग, 11, टालस्टाय मार्ग, नई दिल्ली।

> म्रार० पी० राजेश प्रज्ञन प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) [म्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख: 10-9-85

त्रकृष बाइं.टी. एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 266-* (1) के अधीन स्चना

भारत संस्कार

शार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 सितम्वर 1985

निर्देश सं० ब्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/1-85/1485—श्रत: मुझे, श्रार० पी० राजेश,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या फ्लैंट नं ० 106, सुर्या किरन है तथा जो कस्तुरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रर्जन रेंज—1, नई दिल्ली भारतीय श्रायकर श्रधिनियम 1961, के श्रधीन तारीख जनवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वाकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल गें. एमें दृश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (बन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में शस्तिक है पे के किए ते पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में शस्तिक है पे से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) असरण सं हुए किसी बाय की बाबत, सबस के कांचीनयम के कथीन कार दाने के जन्तरक के वाधित्व मा कार्न करने या तथ्य नकत म मूर्विया के सिए; बीर/या
- (क) एसी किसी बाब या किसी धन या बन्य बास्त्यां करें, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निस्हः

अत: भव उक्त अधिनियम को भाग २६३ ग के अनुसरण में, र्में, इक्त अधिनियम की भारा 269-च को उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 37—296GI|85 श्रीमती रुपिन्दर कौर, बो-95, ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली

(ग्रन्तरक)

(2) श्री कुलंबन्त सिंह, मास्टर कुलबीर सिंह, बी०-95, ग्रेटर कैलाश नई दिल्ली

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचमा की सामीस से 30 दिन को नविध, को भी अविध बाद में सभाष्य होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति लगिन्नयों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किशी बन्य व्यक्ति द्वारा, अथोहस्ताक्षरी के वास निवास में किए वा सकी।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो तस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्की

फ्लैट नं० 106, सूर्या किरन कस्तुरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली, तादादी 760 वर्ग फीट।

> ग्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख: 10-9-85

प्रकृत वाही. दी. एवं. एवं. -----

अन्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की शादा 269-व (1) के बचीर अधवा

बार्व ब्रायाः

कार्यालय, सङ्क्ष्यक कार्यकर भागूक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज⊷ा, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिभाल 10 सिधम्बर 1985

निर्देश मं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/1-85-1486--अत: मुझे, आर० पी० राजेश,

आयक्षर अभिनिजम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकास 'उनक अभिनिजम' कहा नका हैं), की धारा 269-त के अभीन सक्षम प्रारिक्करी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बक्ति, जिलका उचित बाजार मूल्य 1,60,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी संख्या फ्लैंट नं० 203, है तथा जो फ्लाट नं० 36 कलाश कालौनी एंक्सटैन्शन. नई दिल्ली, में स्थित और इससे उपायक्ष अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेज-1, मई दिल्ली भारतीय आयक्षर अधिनियम, 1961 के अधीन तारीख जनवरी-85

को प्रविका सम्पत्ति के उपित वाकार मृश्य से अप के क्यामान प्रित्तिकल के लिए अंतरिस की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कल्पण है कि सभाष्वाँकत तंपीत का उपित बाजार मृल्य उसके कल्पणण प्रित्तिकल से, एसे क्यामान प्रक्रिक्स का पन्द्रह प्रतिकत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्वरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पावा गया प्रतिकत, निक्नीलीबत उद्देशय से उपत अन्तरण निवित्त में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण संहुइ किसी बाव की बावस उपस अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के क्षयित्व में अभी करने या उसने बचने में सुविधा के मिए: वीर/या
- (था) एसी किसी आज वा किसी अन जा जस्य वास्तियों को, जिल्हों भारतीय आयकर विभिनित्तम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भव-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के ज्योजनार्थ जन्तरिती ब्लास प्रकट महीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सर्विधा भी किया

अतः वन्धः उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के विन्यूपरण में. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) म्ह अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, वर्षात् ह— (1) मै० विलाइट जिवेहर्स (प्रा०) लि० 115, अन्याप भवन, 16 कस्तूरबा गांधी मार्ग पर्दे दिल्ली

(अन्तर्क)

(2) श्री गोकिस पन्डिन, सी-700, न्यू फैड्स कालोनी, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह त्याना जारी करके पृषांक्य सम्परित के अर्थन के सिष् कार्यगाहियां गुरू करता हुं।

उन्ह इत्यत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में अलोहां भी बाक्षेप :---

- (क) इस प्रवास के राज्यक में प्रकार की काशीत है 45 विश्व करें अवधि का तस्ता वासी व्यक्ति के पर क्ष्मा की राज्यतिल से 30 किन करी अवधि , को भी अवधि बाद में समाचा होती हो की भीतर प्रवेकित व्यक्तियों में में किसी व्यक्तित दुवारा;
- (क) इस सूजभा के राजपण में प्रकारका की सकती के 45 दिन के भीतर उपत स्थापर सम्मति के सूक्ष- सद्ध मिली अन्य व्यक्ति वृद्धारा, जभोइस्ताक्षरी के पान लिखित में सिए जा तकोंगे।

स्थव्यक्तिरण: ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्मों का, जो उच्या विधिषयम के लध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही कर्ष होगा जो उस कथ्याय में दिया गया है।

अनससी

फ्लैंट नं 203, प्रोपोजड ईनाइट झाउस, प्लाट नं 36, कन्यूनिटी मेन्टर, कैलाश कालोनी एक्सटेंशन (जनस्दपुर) नई दिल्ली, नाहादी 492 वर्ग फीट।

आए० पी० राजेश प्रक्षम प्राधिन्तरी सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली दिल्ली

भारीख: 10−9-85

प्ररूप आहर्ष. टी. एन. एस.-----

आयंकर अधिनिज्ञम 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन मणना

BLAN STAIR

कार्यालय, सहायक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 10 सिनम्बर 1985

निर्देश सं० आई० जए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/1-85/ 1487—अत: मुझे, आर० पी० राजेश,

बास्कर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (िषषे इसके इसके परचात् 'उछत अधिनाम' कहा गा है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिन्नि संख्या फ्लैंट नं० 202, ई तथा जो प्लाट नं० 36, कैनाम जालीनी एक्लटेंग्य नई विस्ती में स्थित हैं (ग्रॅल इसम उपाबद्ध अनुभुची में ग्रीर पूर्ण रूप में त्रिणित हैं), रिजिस्ट्रीजनी अधि जरी के कार्यालय, अर्जन रेंग्नर, में नई विस्ती भारतीय आयदार अधिनियम 1961, के अधीत तरिख जनवरी-85

भा पृतिकल के लिए अंतरित की गुई है और मून्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गुई है और मून्ये यह विश्वास करने का कारण हो कि स्थायर सम्यन्ति, जिसका उभित वाजार गृल्य मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और किल्लिसित में किला मा ग्राम मधा प्रतिकल, निम्नलिसित उद्देश्य से उन्तर अन्तरण लिसिन सामाविक एक में को स्थान नहीं दिया एक हैं —

- (क) अन्तरण सं हुइ किसी नाम की नायत उक्त जिथ-नियम के जधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; ग्रीर, शि
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन वा कन्य बास्तियों की, जिन्ही भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 सा 1922 का 11) या उथत अधिनियम, भा धन-कर बाधिनियम, भा धन-कर बाधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्सीहती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए; और/मा

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरैण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैं० ईनाईट डिवेल्पर्स (प्रा०) लि०, -!5, अन्यल भवत, 16, रुस्तूरबा गांधी मार्ग नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री गोक्ति पन्डिन नी-70, न्यू फ्रैंड तकालोनी, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

का यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के सिध कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उबत् सम्परित के शर्जन के मध्य मा कार्ड भी बाह्मप .---

- (क) इस स्वना को राजपत्र में प्रकाशन की लागील हैं 45 विन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील मं 30 दिन की सर्वीध, जो शी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ह) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबष्ध बद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताकारी के पास लिक्ति में किए वा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः —-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिनियम के अध्याय 20-क में पीरभाजित है, वहीं कर्य होगा को उस अध्याय में दिया पदा है।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 202, मोनोनड ईनाइट हाउस, प्लाट नं० 36, कन्यूनिटी अस्टर, एकउटेंशन (जनस्दपुर) नई दिस्ली नादादी 364 वर्ग फीट।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली नई दिल्ली

न(री**ख** 10-9-85 मॉहर: .er ====

प्रकृत नार्वे . थी . एव . एस . -----

शावकरं अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत वहकाड

क्रथांकव, सञ्चयक कायकर वाय्क्स (मिर्शिक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 10 सितम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एमयू०/1/37ईई/1-85/ 1488--अत: मुझे, आर० पीकु राजेश, प

कायकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी कां, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर 'सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 201, है तथा जो प्लाट नं० 36, कैलाश कालोनी एक्सटेंशन, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद अनुभूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन तारीख जनवरी-85

को पूर्वोक्त सपरित के उचित बाजार मूल्य स कम के दश्यमान अन्तरित की प्रतिफल के लिए गर्भ और मुभ्ते यह विश्वास ंकरने वा कारण है िक यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल., निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है :---

- (क) व्यवस्थ वे हुई कियी नाय की बावत, उक्स विधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (व) ऐसी किसी आय् या किसी अन वा अस्य आस्त्यां को, चिन्हें भारतीय जान-कर जीवनियम, 1922 (1922 का 11) या उचत अधिनियम, या अन-कर जीवनियम, या अन-कर जीवनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ अन्तिरती ब्वाए प्रकट नहीं सिया गया या वा किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के सिए;

भतः अब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण को, मो, उक्त अधिनियम की भारा 269-ध की उपभारा (१) को अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ्र— (1) मैं० ईलाइट डिवलार्स (प्रा०) लि०, 115, अन्सल भवन, 16, कस्त्रबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री शाहित पन्डित, सी-700, न्यू फेंण्डस कालोनी, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के शिए कार्यवाहियां कारता हुं।

बाबत संपत्ति के अर्थात के समाध भी कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से रें 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कि व्यक्तियों में सिक्षमी व्यक्ति ब्यारतः
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विचित में किए जा धकाँगे।

स्पट्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगर जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

भ्रनुसूची

हर्नेष्ट नं ० 301, प्रोपोजड 'ईनाइष्ट हाउउ' प्याट नं ० 36, कम्य्निटी सेन्टर, कैलाश कालोनी, एक्सटेंग्रन (जनक्दपुर) नई दिल्लो, तादादी 430 वर्ग फीट।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंजें ा, नई दिल्ली

तारीय: 10-9-85

₹₹:

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांच 10 सितम्बर 1985 निर्देण सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/1-85/ 1489--अन: मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्क 1.00,000/- रु. से अधिक है

धौर जिसकी संख्या प्लैट आन 5वी मंत्रिल है तथा जो 34, फिरोजशाह रोड़, नई दिल्ली में स्थित है (भीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज—1, नई दिल्ली, भारतीय-आयकर अधिनियम 1961, के अधीन नारीख जनवरी—85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं अरैर मुके यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का गन्द्रह प्रतिशत से आधक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में धास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया हैं:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए
- े **जतः जब, उक्त अ**धिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण के. मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की तपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :----

(1) मैं ॰ कैलाश नाथ एन्ड एसोसिएटस 1006, कंचनज्ञा 18, बाराखम्बारोड़, नई दिस्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) मैं ० जीवन टेक्सटाईल्स गरीकरस (प्रा०) लि०, 56, बुटावाला बिल्डिंग, न्यू सिल्क मार्किट, कालबा देवी, बोम्बे।

(अन्तारेत ी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यक्टोकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

फ्लैंट आन द 5वीं मंजिल, तादादी-1600 वर्ग फीट, एक कार पार्किंग स्पेस, प्रोपोजिड मल्टी-सटोरियड, ग्रुप हार्जासंग स्कीम, अदिसवर एपार्टमेंट, 34, फिरोजशाह रोड़, नई दिल्ली।

> आग्० पी० राजेश यक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज–1, नई दिल्ली

सारीख: 10-9-85

में हुए :

प्रकृप बाहु . टी. एव. एव. -----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-म (1) के संभीन स्वमा

भारत सरकार

फार्यासय, सहायकं आवकर जायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-1, तई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांग 10 तिनम्बर 1985 निर्देश सं० श्चाई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/1-85/ 1490---श्वत: मुझे, श्चार० पी० राजेण,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उधित बाजार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिस्की संख्या श्राए० टी० टी० 101 (जी-एफ) है तथा जो शापिंग सेन्टर, नई दिल्ली में स्थित है (अंद इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित है). रिजस्ट्री ती श्रिध हारी के कार्यालय श्रजंन रेंग-1, नई दिल्ली में भारतीय श्राय ह श्रीधिनयम 1961, के श्रिधीन तारीख जनवरी-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के सर्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल को पंद्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गमा प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से अक्त अंतरण लिखित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गमा है :---

- (क) अन्तरण सं हुइ जिल्ली जाय की बावत अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक औ द्यापित्य में कमी 'करने का उससे बचने में सुविधा अ'ाए और/मा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, किया में स्विधा के सिक;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के जन्तरण में, में, अक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिबित व्यक्तियों, अधीन हु-- (1) श्री . राजेन्द्रा त.एन० 52—ए, क्ताट प्लेस,नर्षे दिल्ली ।

(श्रन्तर ह)

(2) भी भ्रान्ति चन्द्रा, सी-33, तारा भ्रपार्टमेंट, नियर कालकाजी, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को बहु कुचना चारी करके पृशांकट सम्पत्ति के बर्चन के लिए कार्यगाहियां करता हूं।

उक्क सम्मृतिक के नर्जन के सम्मन्य में कोई भी बाखेप:--

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तार्धि सं 45 दिन की समीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्विष, जो भी वविध बाद में समाप्त होती हो, के पीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इसरा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति स्थारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकोंगे।

स्वकातिकरणः ---- ससमें प्रयुक्त शब्दों और पदा का, जा उपक अधिनियम, के अध्याय 20 क में प्रिभाषिक हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस मुख्याय में विया प्रसार्धः

प्रनुसूची

श्चार० टी० टी० 101, (ग्राउंड फ्लोर) जी-2 मापिंग सेन्टर, कम कम्यूनिटी फैसलेटिज, कालकाजी, नई दिल्ली, तादादी 72.5 वर्ग फीट ।

(म्रार० पी० राजेश)

सक्षम प्राधिकारी

सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंग-1, नई दिल्ली।

तारीख: 10--9-1985

प्ररूप बाई. टी. एन., एड.,----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) श्री भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

भारत तरकार

कार्याजय, तहायक वायकर नायुक्त (निरीक्त)

श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्लीं नई दिल्ली, दिनां∴ 10 सिनम्बर 1985 निर्देण मं० श्राई० ए० सी०/एस्यू०/1/37ईई/1-85/ 1491--श्रत: मुझे, ग्रार० पी० राजेण,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एरवाह (उक्त अधिनियम) कहा नया है), की भाष 269-व के अधीन सक्षम प्राचिकारी को यह विषयास करने का काइच हैं कि स्थावर सम्बत्ति जिसका उचित बाबार मुख्य

1,00,000 / - रु. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या प्लाट नं ए०-19 है तथा जो हताट सर्कस, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाधद भनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीवर्त्ता भ्रधिवारी के कार्यालय, भ्रजेंन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम 1961, के भ्रधीन तारीख जनवरी-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्मे यह विश्वास का कारण है कि यभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके क्षयमान प्रतिफल है, एने स्थ्यमान प्रतिफल का पत्कह प्रतिशास से अधिक है और जन्मरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीध एन अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल. निम्निचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में साम्बिक क्षय स कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी जाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मं कभी करने या उससं अजने में सुविधा के लिए और/या
- (ब) एसे किसी बाय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों की. जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम. 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम. 1957 (1957 का 27) के ध्वाजनाय अधिनियम. 1957 (1957 का 27) के ध्वाजनाय अधिनियम. 1957 (तिश्व महीं किया गया सा वा किया जाना चाहिए था, जियाने में सुविधा के विद्

बतः जब, उक्त जिथिनियमं की भारा 269-ण की अनुसरक में, में, उक्त अधिनियमं की भारा 269-ण की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) मैंगर्स रिचिया अनस्ट्रकशन (प्रा०) लिए 15/4581, दरीया गंज, अग्रवाल हादुरीड, नई दिल्ली

(श्रन्तरङ्)

(2) श्री प्रयाम विश्वार,
श्रीमर्ता नेम्ला मेह्ना,
श्री प्रकाण विश्वार,
श्री प्रेम विश्वार,
श्री जगत नारायन,
निवासी—105, जार बाग,
नई दिल्ली

(भ्रन्तरिती)

का यह स्चना जारी करके पृत्रोंकत सम्पत्ति के सर्चन के लिए कार्यवाहियां सूरू करता हूं।

उनत सम्मरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तेप ए---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिंध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अपिक्त व्यक्तिया;
- (का) इत स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के बास सिविश में किसे वा सकती।

स्पाकांकिरणः -- इसमें प्रयुक्त सम्बां बार पदों का., को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन संची

बुकिंग एवं कमणियल फ्लैट तादाधी-340 वर्ग फीट तीसरी मंजिल, बिल्डिंग झन्डर क्लस्ट्रक्रणा, प्लाट नं० ए-19 कनाट सर्वस, नई दिल्ली।

> श्रार० पी० राजेश रक्षम प्राधि∴ारी सहायक श्रायरुर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नारीख: 10-9-85

प्रकप आई. ती. एन. एस. -----

जायकर जीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा ?69-ध (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

स्थायांनय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज~1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 10 सितम्बर 1985

निर्देश मं० ग्राई० ए० मी०/एवयू०/1/37ईई/1-85/ 1492---भ्रत: मुझे, ग्रार० पी० राजेण,

बाग कर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रधात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित भाजार मूल्य 1.00.000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या सोफ नं० 5. है तथा जो 49-50, नेहरू पक्षेम, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमे ज्याबद्ध अनुसूचीं में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारीं के कार्यालय, ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय श्रायकर ग्रिधिनयम 1931 के ग्रिधीन तारीख जनवरी-85

को प्योंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयंमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्यास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयंमान प्रतिफल से, एसे स्वयंमान प्रतिफल के पंत्रह प्रतिकात से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में शास्तविक हम से किथा नहीं किया गया है:—-

- (क) अन्तरण में हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाखरव के कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: बार/या
- (स्र) एसी किमी काय या किसी क्षत्र या अन्य आस्तियः को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर र्थाधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तोरती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या विषा जाण चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

भाग १४, डक्ट किंचियम, की धारा 269-म के अनुसरण में, मे, उक्ट अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) र शिक्ट निम्नलिकित व्यक्तियों, क्यांत्

(1) झा० के० बी० (प्रचरी)
 ई-326, निर्मात बिहार, दिल्ली

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एस० के० बालसु**बमनयम** ए-3/129, जनक पुरी, न**ई** दिल्ली

(ग्रन्तरिती)

को यह तृष्यना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब द्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के णस तिस्ति में किए जा सकींगे।

स्पक्तीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, वा अवत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विद्या

अनुस्ची

सोफ नं० 5, पहली मंजिल, रेड रोग बिल्डिंग 49-50, नेहरू पलेन, नई दिल्ली, तादादी 229 वर्ग फीट। श्रार० पी० राजेश ाक्षम प्राधिशारी सहायक स्रायण्ड श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रानंत रेंग-1, नई दिल्ली

न(रोखा: 10-9-85

प्ररूप आइ. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्स (निरीक्षण) शर्जन रेंज-1, नई दिल्लीं नई दिल्लीं, विनांक 10 दितरूवर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सीं०/एनयू०/1/37ईई/1--85/ 1493---अत: मुझे, आर० पीं० राजेश,

कायवार किंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (िषसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 26:)- स के अधीर रक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 1025 है तथा जो 09, नेहरू फ्लेन, नई दिल्ली में स्थित है (और इसी उपायक अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिल्टी ति अविशासी के सामीत्रा, अर्जन रेंज−1, नई दिल्ली, ∥भारतीय आयश्य अविनियम 1961 के अधीन तारीक जनवरीं-05

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रति भल के लिए अन्तरित की गर्द हैं और मुक्ते यह विश्वास करन का कारण है

िक पथा पूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरितों (अंतरितियों) के पीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तसे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः प्रवः, जक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण माँ, माँ, जक्षत्र अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिश्चित व्यक्तियाँ, अर्थात् :---38—296 GI/85 (1) मैतर्स एकीपर स्टा (प्रा०) थि०, 22, बाराध्यक्षा रोड़, गई दिल्ली

(भ्रन्तरक)

(2) श्री प्रशाम चन्द्र (एच० यू० एफ०),56, राम नगर, नई दिल्ली

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संगंधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ने 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, दही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैंट नं ० 1025, B9, नेहरू प्लेत, नई दिल्ली सादादी 15 वर्ग फींट।

> श्चारः पी० राजेश सक्षम प्राधि ारी सहायस श्रायात्र श्रायुक्त (तिरीक्षण) श्रर्भन रेंज-1,नर्दे दिल्ली

तारीख: 10-9-1985

(कर बार्ड, टी. एव. **एवं**⊴

ायकर महिंपनियम, 1961 (1961 का 43) की चारा 269-म (1) के मधीन क्षमा

मारत खरमार

श्वासंमय, सहायक आयकर शामक्त (निरीक्तण) धर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 11 सितम्बर 1985 निर्देश सं० भ्राई० ए० सीं०/एक्यू०/1/37ईई/1-85/ 1494--श्रत: मुझे, श्रार० पीं० राजेश,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित माजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० ष्टपि भूमि है तथा जो ग्राम सतकारी, तादादी 10 बीचे, 13 बिण्वे, नई दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्री इती ग्रिधिकारी के आर्यालय, ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली मारतीय ग्रायक्षर ग्रिधिनियम 1961 के ग्रधीन, तारीख जनवरीं 85

को प्रावित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापुर्वित सम्पत्ति को उचित बाजार मन्द्र प्रस्क दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का गन्द्र प्रतिपत्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मनिवित उद्देश्य में सकत बन्तरण निवित्त बें गम्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरक से हुइ किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने वा उससे अचने में सुविधा क लिए; अर्फरा
- (श) ऐसी किसी आय या किसी धन या कन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को प्रयोजनार्थ अन्तिरिती दुशारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जावा चाहिए था, छिपाने में स्विभा के सिए:

बतः गव, उक्त गिपिनयम, की धारा 269-ण में सन्सरण में, में, उक्त गिपिनियम की धारा 269-ए की उपभारा (1) में मधीन : निम्निलिखित व्यक्तियों, नर्थात् :--- (1) चाहु खान निवासी चान्दनहुला तहसील महरौली, नई दिल्ली

(श्रन्तरकः)

(2) कुमारी सुनीता मजुमदार सी-5/6, सकदरजंग डिपलोमेंट एरीया, नई विल्ली,

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना बारी कारके पूर्वोक्त संपत्ति के कार्यन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

जबद बन्दरित से वर्षाय के सम्बन्ध में कोई" भी बाक्षेप्:---

- (क) इस स्वान के राजपण में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अवधि या तत्में नेधी ज्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की बदिध को भी अवधि क्यां में समस्य होती हो, के भीतार प्राप्ति व्यक्तियों के किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना की राज्यत्र में प्रकाशन की तारिकास 4.4 दिन की भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हितंबहुक किसी अन्य स्थक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी की णह निश्चित में किए जा सकींगे।

स्पद्धीकरण: — इसमें प्रवृक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस क्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि तायादी-10 बीघे, 13 विश्वे, सतबारी, तहसीन महरौली, नई दिल्ली, खसरा नं० 1053/2 (3-9), 1054 (3-12), 1055 (3-12)

म्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधितरी सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख: 11-9-85

प्ररूप कार्ड , टी. एन , एस , =----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकाड

कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 नितम्बर 1985

निर्देश सं० ग्राई० ए० सो/एक्यू०/1/37ईई/1-85/ 1495--श्रतः मुझे, ग्रार० पी० राजेश,

हायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु से अधिक है

और जिन्नि सं ्षि भूमि 11 बीघे, है तथा जो 11 बिश्ने, प्राम शतकारी, तहसीन महरौली, तह दिल्ली में स्थित हैं (और इसे उनावत प्रमुखनों में और पूर्ण रूप से विणित हैं), स्विप्ट्रें जी प्रति गरी हैं। अर्थावा, नई दिल्ली, भारतीय अर्थें से अर्थें तारी जा जनवरी—85 को पूर्वें कर सम्पत्ति कें उचित बाजार मृख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की नई हैं। और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वें कर संपरित का उचित बाजार मृख्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्दह प्रतिकान में अधिक हैं। और अंतरित (अंतरितों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, जिम्मी जीवत उद्दृश्य से उक्त अन्तरण लिकित में प्रतिफल, जिम्मी जीवत उद्दृश्य से उक्त अन्तरण लिकित में प्रतिफल, जिम्मी जीवत उद्दृश्य से उक्त अन्तरण लिकित में प्रतिफल, जिम्मी जीवत उद्दृश्य से उक्त अन्तरण लिकित में प्रतिफल रूप से किंवत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर धेने के अन्सरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, मा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सृद्धिश के जिए।

नतः सनः, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग को अन्तरण मों, मों, उक्त आधिन्यिम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः— (1) चाहु खान और माजिद, ग्राम: चान्दनहुला, तहसील महरौली, नई दिल्ली।

(घन्तरक)

(2) कुमारी सुनीता मजुमदार, सी--5/6 सफदरजंग जिपलोमेंट एरीया नर्ष दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्यक्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चान की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपंत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पंति में हिंत- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पट्टोकरणः ---- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याम में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि, ग्राम-पतवारी, तादादी 11 बीघे, खसरा नं∘ 1056(4-16), 1057(4-16), 1058 (1-19) नई दिल्ली।

> धार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंजु⊸3, नई दिल्ली

तारीख: 11-9-85

ध्रक्य नाइ^{*}्टी. धृत्. प्रत्. -------

बायकार क्रिभिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) की अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बादकर बायुक्त (निरीक्षण)

श्रजीय रेंग--8, नई विल्ली नई विल्ली, दियों र 10 निजम्बर 1985

निर्वेष सं० श्राई० ए० सी०/एपयू०/3/एस० श्रार-2/1-85/ 2520--श्रतः मुझे सुनील चीनडा

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और निवकी सं० प्रत्य न० 13 है तथा जो ब्हाश जे-4, राजौरी पार्डन, नई दिल्ती में स्थित है (और इसने उपाबद्ध धनुसूची में पूर्ण रूप से पर्णित है), प्रशिद्धी इती अधिकारी के कार्या द, नई दिल्ती में शापनीय प्रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के अधीत, दिनोग जनवरी 1985

करे प्रवेक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान पतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वींक्त संपत्ति का उचित बाजार बृन्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के केच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिश्वा उद्देश्य से उक्त अन्तरण मिश्वत में बास्तविक रूप से किश्वत नहीं किया गया है दि—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी बाय की वावत, उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक से दायित्व में कमी करने या उबसे दवने में सुविधा वै बिए; और/वा
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन वा जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, प्रभावकर अधिनियम, प्रभावकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं फिया ववा वा वा किया जाना वाहिए वा कियाने के स्विधा के सिद्धा के

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा /1) के बधीन निम्नतिबित ध्यक्तियों क्रवीत :--

(1) श्री गोराल धाउ फ्रास्ट्र पुत्र श्री वाथु पाम, विष जै→्4/13, पार्जारी गार्बन, वई दिल्ली ।

(স্কার্টা

(2) श्री सूदर्गन बुनार पुत्र श्री एम० भार० गुलाटी, निवासी बी⊶1/277, पश्चिम विहार, नई दिल्ली । (अस्तिन्ति)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पह्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षप :--

- (क) इस सूचना की राजपत्र में प्रकाशन की शारी कर्म 45 दिन की अविधि था त्रसम्बन्धी अविद्या पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील म 45 दिन के भीतर उंक्त म्थावर संम्पन्ति में हितंबरूभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें अयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वनुसूची

हाऊन बैंदिंग प्लाट न॰ 13, ब्लान जे-4, सादाबी-173 वर्ग गज, पार्जारी गार्बन, सातरपुर, नई दिल्ली।

> मुनील चोपड़ा सक्षम प्राधि ∷ारी सहायङ घायऊर घायुवत (निरीक्षण) धर्जन रेंज−3, नई दिल्ली

विनोह: 10-9-1985

प्ररूप काइं.टी.एन.एस. -----

नायकार निधित्यम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-ए (1) के निधीत स्थान

मारव सडकाड

आयांलयं, सहायक आयकार आयक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंग्रे-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिल्ली 10 कि.स्ट 1985

निर्देश सं ० आ६० ए० सी०/एलपू०/3/एस० आए०--2/1--05/2521---प्राः मुझे, सुनीय चानडा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

र्जार गि.की सं० डो-1, खाता नं० 203 है तथा जी धजय इतकोत्र दिल्ली में तियत है (जीत इतो उपायक अनुसूची में पूर्ण खारो पर्णित है), परिष्ट्री इती धतिकारी के कायी है, नहीं दिल्ली में भारतील प्रतिष्ट्री होंग धतिकारी के कायी है,

(1903 ा 10) के खरी। तारीख जाउदी 05
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूला से कम के दश्यमान
प्रतिपत्त के लिए अंतरित् को गई है और मुभ्ने यह विश्वास
करन का कारण है कि यथाप्रविक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दश्यमान प्रतिपत्त से, एसे दश्यमान प्रतिपत्त का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिपत्त निम्नलिकित उद्वेष्य से उक्त-अन्तरण लिकित में
बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है ध---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत उक्त अधिनियम की अधीन कर दोने की अन्तरक वी दायित में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए, वार्टिशा
- (च) ऐसी किसी जाय या धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भीरतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जब, उकत अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरक के भी, उकत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखत व्यक्तियों, अर्थात् ह

- (1) श्री चिरमा नाय घरोड़ा पुत्त, श्री डी० एन० झरोड़ा निवासी पे० 19, राजीरी गार्डन नई पिल्ती (अन्तरस)
- (2) श्री सीन पाथ विज (2) श्री पमेश कुमार विज (3) श्री सुरेश कुमार विज, पुत्र एव० श्री धेखर धास विज निवासी डी० 16, श्रज्य इन क्लेंज, गई दिल्ली (प्रातीसी)

को यह तुषना जारी करके पृशास्ति सम्परित के वर्षन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्मृतित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षप्र--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर मूचना की सामील में 30 दिन की अविधि, जो भी स्विधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वाराई
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उकत स्थायर सम्पत्ति में हितजब्ब किसी अन्य स्थावत ब्वाय अभाहस्ताक्ष्री के पाइ निधित में किए का सकी गे।

स्वक्रीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभालिद हैं, वहीं कुर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्या

2-1/2, मंजिया हाउस नं० डी-16, खसरा न० 283 तादादी 200 वर्ग गज, अजध इस क्लेब, हाई दिल्ली

> सुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) शर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

सारीख: 10-9-85

योष्ठर 🚁

प्ररूप . बाड़ी . टी . एन . एस . - - - -

ৰাজজ্ব ক্ষিনিয়ন, 1961 (1961 **का 43) ক্রী** বয়ে 269-ল (1) **के লগীন ন্থনা**

मारख सरकार

कार्यालय, सहायक बावकर कायुक्त (निर्दाक्तिक)

श्रर्जन रेंज~3, नई दिल्ली

नद्द दिल्ली, दिनौक 13 सितम्बर 1985 निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस-ग्रार-2,1-85/2523--ग्रतः मुझे सुनील चीपड़ा,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

श्रीर जिन्नकी सं० 11/6, है तथा जो तिहाइ-2, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ती श्रीवकरी के कार्यालय, नई दिल्ली से भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीवित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनाँक जनवरी 1985,

को पूर्वे उत्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम को दृश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विद्यास करने का अंगरण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्द्र प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तर्भारा एयों) के बीच ऐसे अन्तर्भ के लिए तय पाया गया अन्तर्भ निम्नितिसित उद्देश्य से उक्त अन्तर्भ सिसित में बास्तविक रूप से किसा गया है।

- (क) अस्तरण ने हुई फिसी आम की कान्त, उपल अधिनियम की सभीम कर दोने में मृन्दाहक ही दायित्य में कभी करने वा उससे युवा में सुविधा के लिए; और/भा
- (ख) एसी किसी अय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा की लिए;

कतः सब उक्त निर्धानियम की भारा 269-म कै बंग्हरच के मैं, उक्त श्रीधनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अभीग, रिम्नलिशिय स्थितियों, अर्थात् ६---

- (1) श्री चानन राम पुत्र श्री नानक चन्द, नियासी—की/25, महाबीर नगर, नई दिल्ली। (धन्तरक)
- (2) श्री वेद प्रकाश पुत्र श्री कुन्दन लाल, निवासी---11/6, तिहाड़--2, नई दिल्ली । (भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पृत्रीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप ः---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभेहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्वक्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

नर्स्थी

प्रो०-सं० 11/6, तादादी-100 वर्ग फिट, तिहाड़-2, नई दिल्ली ।

> सुनील घौपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-1100002

दिनौक : 13-9-1985

प्रकल, बाह्र , टी. एन., एस. - - - -

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सप्तायक आयकर जायुक्त (निरीक्षण)

श्रजंन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनौंक 13 सितम्बर 1985

निवेश सं० श्राई० ए० सी।ए वयू०।3।ए स०-श्रार-2/ 1-85/2524-श्रतः मुझे, सुनील चौपड़ा,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं 0 11/6, है तथा जो तिहाड़ -2, दिल्ली से स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची मे पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली से भारतीय रिजस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनौंक जनवरी-85,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितयाँ) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्विष्य से उसते अन्तरण के लिए तय

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व वं कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; मौर/या
- (ण) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को. जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में यिवधा के सिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिबित व्यक्तियों, अर्थात :---

- (1) श्री चानन राम पुत्र श्री नानक चन्द, निवासी—बी/25, महाबीर नगर, दिल्ली। ('मन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीश वें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थात्रर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ मकोंगे।

स्यव्दीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जग्तुची

प्रो॰ नं॰-11/6, तादादी-100 वर्ग गज, तिहाड़--2, नई दिल्ली ।

> सुनील चौपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनाँक: 13-9-1985

मोहर 🗯

प्ररूप आइं.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन स्चना

नारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नर्षे दिल्ली, दिनौंक 10 तिराज्यर 1985

निदेश सं० श्रार्ह्ण ए० सीः । एक्यू० | 3|एस**-श्रार-2 | 1**~ 85~-श्राः मुसे, सुनील चोपड़ा,

आग्रफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 260 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को नह निष्नाम करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं हा इन नं वी/215-ए, है लया जो लासरपुर, दिल्ली में ल्यिन है (ग्रीर इनसे उनाबढ़ धनुसूची में पूर्ण रूप से विणिए है), रजिस्ट्रीकर्ती प्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनौक जनवरी 1985,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दरयमान प्रतिपत्न के लिए अन्तरित की गई हैं और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफाल का पत्ति प्रतिकाल से पत्ति प्रतिकाल का पत्ति प्रतिकाल से अधिक हैं और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के सीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिपत्ति, निम्निलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण के बिस्त मां वास्तिक कप से किथित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के बधीन कर बोने के बलाएक की बाबित में कभी करने या उससे बुवने में बुविधा की लिए; बार/या
- (ण) ऐसी किसी नाम या किसी भए या अन्य नास्तिनों को, जिन्हों भारतीय नाय-कर लेधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त निधिन्यम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, ज्याने में सुविधा जो लिए;

सत: वस, उकत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, मैं, अवन अधिनियम की धारा 260-व की उपभारा (1) कें अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री श्रार० एत० महतीत्रा पुत्र रतत सिंह, निवासी:—-श्री/215-ए, राजोरी गार्डन, नर्ष दिल्ली।

(भन्तरक)

(2) श्रीमती प्रेम सेठी पत्नी श्री सुभाष सेठी, निवासी—प्रो-14, वेस्ट पटेल नगर, नई विल्ली। (ग्रन्तिरती)

की यह सूचना बारी करके पूर्वोंक्त संपत्ति के वर्षन के विक कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

सक्त संपत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप ए-

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं वि 45 दिन की अविधि या तत्मंबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विविधा में किए जा मकी ।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्क श्रीधनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया प्या है।

वदस्यी

हाउस नै० बी/215-ए, तादादी-220 वर्ग गज, ग्राम-सातर पुर, विल्ली ।

> सुनील चीनड़ा सक्षम प्राधिकारी हायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रॅंज→3, दिल्ली, नई दिल्ली~110002

वितीक: 0-9-1985 मोहर

प्रकल् कार्यः, टी., एन., एस.,------

भागकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सदकार

कार्योलय, सहायक भायकर भायकत (निरक्षिण)

श्चर्यन रेंज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनौंग 10 सिराज्वर 1985 निरेश सं० श्राई० ए० सा०/एनपू०/3/एन०-श्चार-2 1-85/2526--अतः मुझे, स्तील चोपड़ा,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस के प्रश्नात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का बारण हैं। कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित वाजार मृत्य 1,00,000/- सं अधिक हैं।

घोर जिन्नकी सं० प्लाट नं० 192, है तथा जो द्याक जे-3, राजीकी गार्डन, नई दिल्ली से ल्या है (ब्रीट इन्हें) उपाबद्ध मनुस्त्रों में पूर्ण रूप से विलित हैं), रिलस्ट्राक्ती घाँध निर्मा कार्यालय, नई दिल्ली में रिलस्ट्राकरण घाँधिनियम, 1908 (1908 का 16) के घाँचीन दिनौक जनवरी 1905,

को पूर्वोकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत उकत अधि-नियम के अधीन कर वोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या सससे अवने में सुविधा को लिए और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ब्रास्तियों की, जिन्हीं भारतीय कायकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ध्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, कियाने डें ब्रिया के लिए;

अतः अब, उन्ते अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) दे अधीन, निम्निलिखन व्यक्तियों, अधीत रे——
39—29661/85

- (1) श्री स्तानाल कपूर पुत्र श्री विदलाल, निवासी-~जे-3/192, राजोरा गार्डन, नई दिल्ली (ग्रन्सरक)
- (2) श्रीमती सलताम कीर पतनी श्री राजेन्द्र सिंह नन्दा, निवासी—-1/100, लाजनत नगर, नई दिल्ली (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के वर्षन के सिष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब दें 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जा भी अवधि बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किती 'ये कित द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारी इस के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्षि में हित बढ़ भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाय जिला कि मां किए जा सकोगे।

स्पद्धीकरणः --- इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदौं का, जो उचल अधिनियम. के अध्याय 20-क में परिभाजित हैं, बही अर्थ हांगा जो उस अध्याय में विवा गया है।

अनुसूची

बता हुम्रा घर, प्लाट नं० 192, ब्लाह जे-3, यादादी-160 वर्ग गर्ग, राजोरी गार्डन, नई दिल्ली।

> सुनील चीपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेजि-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनौंक: 10-9-1985

त्रकण बाइ".टी.एन.एच.,-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा भारा 269-भ (1) के सभीन सूचना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक बायकर बायक्त (निरीक्षण)

्धर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाँक 13 सितम्बर 1985

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस०-श्रार- 2/1-85/2527--श्रतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

बायकर अभानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकरी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/-ऊ. सं अभिक हैं

और जिसकी सं डब्ल्यू-जेंड-592-सी, है तथा जो खसरा सं 357, प्लाट नं 10, रिशी नगर, नई दिल्ली सें स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वॉणत है), रजिस्ट्री-फर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्लो में रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनौंक जनवरी-85

को पृत्रोक्त सम्पत्ति के अचित बाजार मृत्य से क्षम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का अधित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफ ल्नीम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्त में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क्) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक ज बायित्व में कमी अरुपे या उससे बचाने में सृविधा के सिए: और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अजिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रधोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के किए;

सतः अब, स्वयतः अधिनियम की वारा 269-ग के अनुसरण की, की अक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीर, निम्निलिसित व्यक्तियों, अधित् :---

(1) श्री तेजभान पुत्र सुधा राम निवासी—न्यू-जैड-592-सी, रिणी नगर, नई दिल्ली ।

(भन्तरक)

(2) श्रीमती ज्ञान देवी पत्नी श्री राम प्रकाश, डब्ल्यू-जैड-2221-ए, राजा पार्क, शकुर बस्ती नई विल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त संपत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी लाक्षेप :-

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी क्षिप बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब्रुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयुक्त धब्धों आरे पदों का, आ उपत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, अही अर्थ होगा थी उस अध्याय में विका गया है।

वन्स्या

बनी हुई प्रो० नं० डब्ल्यू-जैड-592-सी, दो सोफ तीन हुकमरे, किचन,एक बरामन्डा, तादादी-120 वर्ग फिट, प्लाट नं० 10-खसरा सं० 357, रिशी नगर, नई विल्ली।

> सुनिल चेपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक धायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-3 दिल्ली नई दिल्ली-110002

दिनाँक: 13-9-1985

प्रकरः सार्वः टी. एन् . एक . -----

थायकर कांधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयृक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 सितम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस०-आर-2/ 1-85/2528--अतः मुझे, सुनील चौपड़ा,

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके वश्वात जिधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० आर०-ए-21, प्लाट सं० आर०-ए-21, खारा सं० 1601 और 1603 नरायना, दिल्ली में स्थित हैं (आर इयसे उपायद्ध अनुमूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्री-कर्ता श्रिक्षकारों के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनाँक जनवरी, 1985,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यभाप्योंक्त संपत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का वन्त्रह्म प्रतिकात अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेदय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है -

- (क) बन्तरम् सं हुई निन्तीं काय की बावतः, वनदः शीधनिशम् श्री सभीन कर दोने के बन्तरक के वायित्व में कमी करने वा सबसे सभने में धृष्या के किए; शार/भा
- (प) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों कते, जिन्हों भारतीय अध्य-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या प्रजन्तर अधिनियम, या प्रजन्तर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिशी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना नाहिए था छिपाने में स्विधा की लिए;

अक्षः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्तिविक व्यक्तिओं. वर्धात :---

- (1) श्री दीप चन्द पुत्र श्री हर चन्द जल्लहा,
 तिवासी—-डब्ल्यू—जैड-21, टोडर पुर, दिल्ली
 2. श्रोमती भरपाई पत्नी श्री फकीरा
 तिवासी—-डब्ल्यू-जैड-21, टोडर पुर दिल्ली,
 3. सरिता देवो पत्नी श्री जयलाल,
 निवासी---डब्ल्यू-जैड-107, टोडर पुर,दिल्ली ।
 (श्रन्तरक)
- (2) श्री सितिष धर्मा पुत्र श्री सेवा नाथ श्रीर श्रीमती सुरेखा धर्मा, पत्नी श्री सितीश धर्मा, निवासी—-281, पहाड़ गंज, दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवाँक्त सम्परित के वर्षन के सिक् कार्यवाहियां कृष्ठ करता हुं:

उक्स सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की वनिभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की वनिभ, को भी वनिभ वाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवादा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्यक्तिरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का को सकत जिथिनियमं, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया यया है।

अनुसूची

हाउस सं० भार-ए-21, प्लाट नं० श्रार-ए-21, ताबादी-200 वर्ग गज,खसरा सं० 1601 श्रीर 1603 नारायना, दिल्ली।

> सुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-3, नई दिल्ली-110002

विनौंक : 10-9-1985

प्ररूप आई.टो.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-म(1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनौंक 10 सित्रवर 1985

निदेश सं० श्राई० ए संग्रुएक्यू०/3/एस० श्रार०-2/ 1-85/2529--अः मुक्ते, सुनाल चौपड़ा,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसका सं० 5, कोला सं० 10, है तथा जो 11,1, रेक्ट सं०-51, कीला सं० 47, बायडीला, बिल्ला से स्थित है (भौर इससे उपावत अनुपूर्वा से पूर्ण रूप से वॉणत है), रिक्ट्राकरी भाधिकारों के कार्यालय, नई दिल्ला से भारताथ रिक्ट्राकरण भिधितयम, 1908 (103 का 10) के अधोन, दिनाँक जनवरी 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित को गई है और मृभ्ने यह विस्वास करने का कारण है कि यथापृशंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और भंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्तर अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहा किया भया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्क अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने मं साबका के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के सिए;

कतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरक में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री राज कुमार सैनी, राजेश कुमार सैनी, पुत्र श्री मोहिन्द्र कुमार सैना।

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमती साथिती देवी पत्नी के० सी० कीहली, निवासी—म्झार०-50, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वार;
- (5) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- विद्या किसी अन्य व्यक्ति स्त्रारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया

धनुसूची

तायादी-18 बिने, 18 निश्वे, कीला सं० 5, 6/1, 15, रेक्ट सं० 50, कीला सं०-1, 10, 11/1, रेक्ट सं० 51, कीला सं० 47, रेक्ट सं०-79, भाग-4/5, बागडीला, दिल्ली।

सुनील चीपड़ा सक्षम प्राविकारी सहायक द्यायकर श्रायुक्त (निरोक्षम) प्रजंन रेंज-3 विल्ली, नई विल्ली~110002

विनौकः 10-9-1985

प्ररूप आर्घ ,दी , एन , एस , ------

ब्रह्मकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालयः, सष्टायक आयकर आयकत (निरीक्षण) धर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 जिल्लार 1985

निकेश सं० आई० ए० सी०/एस्यू०/3/एस आर-2/1-85/ 2530--अश: मुझे, सुनील जीनड़ा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मृल्य 1,00,000/- रा. सं अधिक हो

श्रीरितितको सं व बो-127, है तथा को नारायना विहार, दिखी। मिलिया है (श्रीर इन्ते उपायद अनुपूर्व में पूर्ण रूप से विणित है), रित्रहर क्वी श्रीय कारों के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिज्ञहर करण श्रीयिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रयीत, दिनांक जनवरी 1985,

- को पृथंकित सम्पत्ति के उनित बाजार मृत्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल कं लिए अन्तारत को गई है आर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृन्य उसके दश्यमान प्रतिफल सं, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य सं उयत अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :—
 - (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाब्त उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
 - (क) ऐसी किसी जाय या किसी धर्म या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अय, उकत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भो, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचिछित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री जिलिन्द्र तिह पुत्र श्री बलगरा तिह, गारदा जिलिन्द्र परती श्री जिलिन्द्र तिह, निवासी---193, जोर बाग, दिल्ली। (श्रन्तरक)
- (2) श्री बाली राम पुत्र चन्ताया मल धीर श्रीमती माना देवी परती श्री बनी राम, निवासी—-वी:--47, नारागत विहार, दिस्ली । (श्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त कम्पत्ति के अर्जन के सिध् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ह--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को अविधि या तत्सम्बन्धी व्याक्तयों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त प्रक्रियों में से किसी व्यवित द्वारा;
- (था) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षारी के पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों आँर पदों का, जो उक्त किनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस सध्याय में दिया गया है।

पन्सूची

तादादी--- 300 वर्ग गज, प्लाट सं० वी-127, नारायन विहार, दिल्ली ।

> सुनील चीपड़ा सक्षम प्राधिनारी सहागर श्रायरूर श्रायुष्ट (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्लो-110002.

दिनौक : 10-9-1985

त्ररूप आइ.टी.एन.एस-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनौंक 13 सितम्बर 1985

निदेश सं० माई० ए० सी०/एनयू०/3/एस-मार-2/1-85/2531--मार: मुझे, सुनील चीपड़ा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं०रेक्ट नं० 6, कीला नं० 19, है तथा जो ग्राम-पोक्षान्गीपुर, दिल्ली में स्थित .है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रोकरण अधिनियम. 1908 (1908 का 16) के प्रधोन, दिनाँक जनवरी 1985. को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार भूल्य से कम के शरयमान लिए अन्तिरत **प्रति**फल के की गइर्ट हुरे मुभ्ने यह विश्वास करने कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भरि अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेषय से उक्त अन्तरण लिबित में भास्तविक रूप से कथित महीं किया गया हैं :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत अधिनियम, या पनकर अधिनियम, या पनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिकिट व्यक्तियों, अधित :---

- (1) श्रोमती विनोद ओबराव पत्नो श्रो तिलोक नाथ, बी-एफ-50, जनकपुरो, नई दिल्लो । (भन्तरक)
- (2) द्वारका नाथ भदलाका पुत्र श्री ठाकुर वास, ए-2/ए/48, जनकपुरी, नई विल्ली । (भन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्प्रत्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी उन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पारतीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वेही अर्थ होगा औं उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं ०-ए-12, ताबाबी-200 वर्ग फिट, रेक्ट नं ० 6, कीला नं ०-19, प्राम-पोंशान्गी, पुर, दिल्ली ।

> सुनील चीपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

विनौक : 13-9-1985

प्रकृष् वार्षः दी.एन.एस्.-----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निर्दीक्षण) प्रार्जन रेंज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 10 सितम्बर 1985

निदेश सं० प्राई० ए० सी०/एस्यू०/3/एस-प्रार-2/1-85/

2532--ग्रतः मुझे, सुनील चौपड़ा,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी नं ० प्लाट नं ० ए-2, खसरा सं ० 5/1, 9, 10, 19, 20, ग्राम न्यू मुस्तान नगर, नई दिल्ली स्थित मे हैं (श्रीर इससे उपायद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीव नारों के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनौंक जनवरी 1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इर्थमान प्रित्तिक को लिए अन्तरित्त की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूच्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे इर्थमान प्रतिफल के पदह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक क्ष्प से कथित नहीं किया गया है द

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के उन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा केलिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा से निए;

अत: ग्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण ग्रें, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रीमती प्रकाशवती डी/ग्री० तेजा सिंह सरदार, परनी श्री डी० एन० मलहोत्ना, निवासी—पलैट नं० 8/521, लोधी कालोनी, लोधी रोड, नई दिल्ली । (ग्रन्तरक)
 - (2) श्री छाजू राम पुत्र श्री सोहनलाल, निवासी--हाउस सं० बी-31, मुल्तान नगर, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं ्र दिन की अविधि या तत्संबधी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सम्माप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्रारा अधोहस्ताक्षरी के पार्ट लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याद में दिसा गया है।

भनुस्ची

भूमि तादाधी-200 घर्ग गज (30'+60') प्लाट नं ० ए-2, खसरा नं ० 5/1, 9, 10, 19, 20 न्यू मुलतान नगर, नई दिल्ली।

> सुनील चौपड़ा सक्षम प्राक्षिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-3, दिल्ली, नर्ष दिल्ली-110002

दिनौक : 10-9-85

मोहर

शक्त वाही, ब्रीट एर. एवट----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुचना

नारत तरकार

कार्यालय, सहायकं आयकर आय्वत (निरोक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनौंक 13 सियान्बर 1985

निदेश सं० श्राई० ए० सो०/एस्यू०/3/एस-श्रार-2/1→85/ 2533--श्रतः मुझे, सुनील चोभड़ा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्यात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-इस की अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक ही

श्रीर जिलको सं० प्लाट सं० बी-एल-17, है लया जो खसरा सं० 845-846, श्राम लिहाइ, नई दिल्ली से स्थित है (और इ.से उताबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण कर से विश्वित है), रिजिस्ट्रोक्ती श्रीविकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजिस्ट्रोकरण श्रीविज्ञम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनौंक जनवरी-

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्ययमान प्रतिपत्त के लिए अन्तरित की यह आर पुक्ते यह विश्वास करने का स्वारण ही कि स्थापत्रींकत सम्पत्ति का उचित बाजार

करने का जारण ही कि संधापत्रीकत सम्मित्त का उपित बाजार मूल्य, असके दरमान प्रतिफल से, एसे दरमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक ही बार अंतरक (अंतरकाँ) और मन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सम पाम गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अल्ल्फ लिखत में बास्तविक स्प से कथित नहीं किया गया है है—--

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बिभिनियम के बभीन कार दोने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने वा उत्तरे बचने में सुविधा के बिए; बरि/मा
- (क) एंसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों की जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अत-कार अधिनियम, या अत-कार अधिनियम, विश्वासन, 1957 (1957 का 27) भी प्रायंत्रनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, फिपाने में शुविधा के लिए;

(1) श्री कें कें विश्वा सी/श्री श्री राम लुभाया चहुा, निवासो—च्युरी नगर क्लाक टावर, नई दिल्ली, (शन्तरक)

(2) श्री रबुबीर सिंह मन्जित सिंह पुत्त स्व० श्री सरादार सिंह, निवासी—61/7, अशीक नगर, नई दिल्ली। श्रीकरिती)

को यह स्वना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवन के लिख कार्यशाहियां शुरू करता हु।

जनत् सम्पृति, को अर्जन् को संबंध में कोई भी बाक्षेप् :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व व 4.5 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामी ज से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त क्यां करा में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिक में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निष्टित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुका है।

प्रनुसूची

प्लाट सं ०-जी-एल-17, तादादी-200 वर्गगर, खसरा सं 0 845-846, ग्राम तिहाइ, नई दिल्ली।

> सुनोल चीउड़ा सभन प्राधिहारी सहाय र श्राय रूर श्रायुत्तः (निरीक्षण) **धर्मन रे**ज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-100002

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, को, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधार (१) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाल :---

विनौक : 13-9-1985

प्ररूप बाहें. दी. एन. एस. ---- ---

गायकर व्यथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अभीन मुक्तमा

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकार आयुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जेन रेंज∽3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 मितम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/एम-आर-2/1-85/2534--आतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

बायकार विभिनियन, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इस्तें इसके परभात् 'उक्त अभिनियन' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन तक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाच करने का कारण है कि स्थानर तन्त्रीत, चितका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अभिक हैं

श्रीर जिसकी सं० बी-एल-52, खमरा सं० 870, है तथा जो ग्राम-तिहाड़, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनौंक जनवरी 1985,

को व्योंक्त तस्मीत के जीवत याजार मूल्य से कब के क्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विक्वास करने करने का कारण है कि स्थानुकेंक्य सम्बद्धित का उचित बाजार मृस्य, उसके व्ययमान प्रतिफल से, एसे व्ययमान प्रतिफल का वन्त्रह प्रतिवाद से अधिक हो और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अंतरितिवाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिकल, निम्मलिकित उन्द्विव से उन्तर अन्तरण लिकित में वास्तविक रूप से काथत नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुइं किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दावित्व में कनी करने या इससे बचने में सृविधा के किय; और/या
- (ब) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

- (1) श्रीमती नीलम खुराना श्रीपत्नी बी० एस० खुराना जे-11/42, राजारी गार्डेन, नई दिल्ली । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री केवल कृष्ण पुत्रं कृष्णलाल, निवासी—8922, पाल बाग, दिन्त्ली । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के कर्णन के संबंध में कीए भी बाक्रेप अ-

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारींव से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर त्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पाछ लिकित में किए जा सकोंग।

स्वच्छिकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहूी अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

प्लाट सं० बी-एल~52, तादादी-200 वर्ग गज, खसरा नं० 870, ग्राम-तिहाड़, नई दिल्ली ।

> सुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-11002

जतः अज, उक्त जिधिनियम की भारा 269-न के अनुसरण में, मं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन. निम्निसित व्यक्तियों, अधीत ;----- 40---296GI85

दिनाँक : 13-9-1985

मोहर

प्ररूप बार्ष: टी. एन. एस. -----

काथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- घ के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्राजन रेंण-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनौंक 10 सितम्बर 1985

निदेश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस०-भ्रार-2/1→85/2535--भ्रतः मृझे, मूनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.,00.000/- रु. से अधिक ही

भीर जिसकी सं० जी-43, खमरा सं० 1651, है तथा जो ग्राम नारायना, दिल्ली में स्थित हैं (भ्रीर इनसे उपाबद्ध श्रनुसूर्चा में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ध्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनौंक जनवरी 1985,

को पूर्णेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्वमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितिबों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नसिचित उह्न्षदेय से उन्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अभीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उसते बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन,, निम्हांअस्ति व्यक्तियों, अर्थात :---

- (1) श्रीमती सुचारीता वर्मा पत्नी श्री एस० धर्मा, निवासी--सी-43, इन्दरपुरी, नई दिल्ली । (श्रन्तरक)
- (2) श्री साजिब भुषन डिग्रोरा, श्री राजीव दुमार डिग्रोरा, श्रीर श्री ग्रकन कुमार डिग्रोरा, पुत्र श्री विरेन्द्र भूषन, निवासी—-4/2602, बिडन पुरा, करौल बाग, नई दिल्ली।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता है]।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कीई भी नाक्षेत्र :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तिमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्नोक्त व्यक्ति में में किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पक्तीकरण:---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पद्यों का, ओ उक्त अधिनियमः, के अध्वाद 20-क में वरिभाषित हीं, वही अर्थ होगा ओ उस अध्याद में दिशा गया है।

अन्सू ची

हाउस नं० सी०~43, एक ड्राइंग रूम 5, बैंड रूम, 3 कमबाईण्ड टायलाट, बाथ रूम, किचन आदि प्लाट तादादी— 500 वर्ग गज खमरा नं० 1651, ग्राम नारायना, दिल्ली। सुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायक्तर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज—3, दिल्ली, नई दिल्ली—110002

दिनाँक : 10-9-85

प्रक्ष बाई .टी .पुन .प्स . -----

बाय्फर बिंपिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अभीन सुचना

भारत तरकार

कार्यालय, तहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई विल्ली, दिनाँक 10 सिलम्बर 1985

्रक्ष्यः, निवेश सं० भाई० ए० सी०/एक्यू०/३/एस०-म्रार/२/1∽ 85/2536---म्रतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को बहु निश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाज़ार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रोर जिसकी सं० प्लाट सं० - 6 है तथा जो खमरा नं० 245 ग्राम बुराडी, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वॉणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाँक जनवरी 1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिकाल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित दे बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकाल से, एस द्रियमान प्रतिकाल के पत्त्रह प्रतिवात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्निलिखित उद्वरेष से उक्त अन्तरण निचित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वानतः, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कमी करने या उससे स्थाने में सुविधा के लिए; और/मा
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रबोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

कतः अब, उक्त क्षिपिनयम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) क अधीन निर्मालिकत व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) रोशनलाल पुत्र श्री मीर सिंह, निवासी—बी-15, भगवान दास नगर, दिल्ली। (भ्रन्सरक)
- (2) श्री भगवान दास, ओम प्रकाश, श्रर्जुनलाल पुन्न श्री मीर सिंह, सावित्री देवी पत्नी श्री श्याम लाल, श्रीमती रुक्मनी पत्नी श्री कुंज बिहारी । (श्रन्तरित्ती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी विषय माद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं। वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

नगत्त्र

त्तादादी-2 बिघे, 4 बिग्वे, 2 बिघे, 13-1/2, बिग्वे, (मन) 5 बिघे, 7 बिग्वे, प्लाट सं०-6, खसरा नं० 452, ग्राम बुराड़ी, दिल्ली ।

सुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-दिल्ली, 3, नई दिल्ली-110002

दिनाँक : 10~9~1985

प्रकल बार्च .टी .एन .एस . ------

भावभर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-ण (1) के अभीन सुचना

भारत संस्कार

कार्यालय, राष्ट्रायक भायकर जायुक्त (निर्वाशिण)

म्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनौंक 10 सितम्बर 1985 निवेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू/3/एस-श्रार/1~85/ 2537—ग्रत: मुझे, सुनील चोपड़ा,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (शिलो इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/- रु. ते अधिक हैं

भीर जिसकी सं उब्बयू — जैड — 167, है तथा जो प्लाट सं 17, खसरा सं 394, रानी बाग, दिल्ली, में स्थित है (ग्रांर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनौंक जनवरी, 1985

की पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान सिक ज के जिए सन्तरित की गई हैं और मुन्हें यह निक्वास करने का कारण है कि यथामूर्वोक्त सम्मित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल के क्लाइ प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती क्लारिती (बन्दरितियों) के बीच ऐसे सन्तरण के लिए तय वाबा गया प्रविक्तन, निम्मिनिकित उद्वोदय से उक्त बन्तरण विविद्य में वास्तविक क्य से कथित वहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण वं हुइं किसी बाग की बाबस, जनत विभिन्निय के जभीन कर दोने के जन्तरक के दावित्य में कड़ी करने वा उससे बखने में सुविधा को सिह्ह कीर/वा
- (क) एसी किसी अप या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयक ए अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उन्ते अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिस्ती स्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना जाहिए था, जिपाने में सुविधा के लिए।

बक्ष: श्व, उन्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण बी, बी, सबस अभिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) बी अभीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, सभीत् --- (1) श्रीमती विमला गोयल पत्नी श्री धरम पाल गोयल निवासी----1495, रानी बाग, शकुर बस्ती, दिल्ली।

(भन्तरक)

(2) श्री तेजभान सचदेवा पुत्र श्री साधु राम, 592जी, रिशी नगर, दिल्ली।

(भ्रन्तरितीं)

को यह तुष्पा बारी करके पूर्वोक्त सम्पक्षिः के वर्धन के सिध कार्यनाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की व्यविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भै व्यक्ति वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्पक्ति ह्वाए;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किसे या सकी।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्नेत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

मनुसूर..

प्रो० सं० डब्ल्यू जैड-17, रूम और बाउण्ड्री वींचार की तादादीं-150 वर्ग गज, एलाट सं० 17, खसरा सं० 394, खेबट नं० 44/1487 रानी बाग, णकुरबस्ती दिल्ली।

सुनील घोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक घायकर आयुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेज-3, दिल्लीं, नई दिल्लीं-1100002

दिनांक : 10**~9~8**5

बोक्र 🗈

भक्ष वाद^र्दी .पुष .पुष ,----वन्तन्तननन

ायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचमा

कार्याज्य, सञ्चायक वायकार वायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 9 सितम्बर 1985

नायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) (निचं इसमें इसके पश्चात् 'उसत अधिनियस' नहां गवा हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षत्र प्राधिकाही को वह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उज्जित बाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकीं सं 0 16/1135, गली नं 0 10-11, है तथा जो नाईवाला करील बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायड़ प्रनुस्चीं में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रींकर्ता प्रधिवारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रींकरण प्रधिवियम, 1908 (1908 का 16) के अधींन, दिनांक जनवरीं 1985. को पूर्वोंक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दूर्यमान प्रतिफल से, एसे दूर्यमान प्रतिफल का पन्तू प्रतिक्रत सं अधिक है और अन्तरकों और अन्तरिती (अंतरित्यों) के बीच एसे जंतरच के लिए तम पाया गया प्रतिक्रक, निम्नितिविद्य उद्देश्य से उच्छा बन्तरण मिवित में बास्यिक क्य से किथत नहीं किया वसा है:--

- (क) जन्तरण वे हुई किसी भाग की वावस्त, उत्तर विभिन्नित्व के अधीत कर दोने के बन्धरक व दानिस्त में कमी करने ना उन्हों नहाने में सुद्रिय के लिए; बहि/ना
- (क) ऐकी किसी बाव वा किसी थन वा मन्य आस्तियों को विभन्ने आरतीय बाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम या थक्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोधनार्थ अन्तिहरती ब्वारा प्रकट नृष्टी किया बाब था या किया जाना चाहिए था, कियाने में विश्वा के किए;

नतः अप, उच्च अभिनियम की भारा 269-ग के जनुसरण जो, जी, शक्त विधित्रियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीर, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :--- (1) श्री दिदार सिंह पुत्र श्री मेहगा राम, जी⊸नं∘ 10-11, 16/1135, नाईदाला करौल बाग, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

- (2) 1. बी० एल० गुप्ता एण्ड सन्स (एच० यू०-एफ०) द्वारा श्रीं बीं० एल० गुप्ता 2. श्रींमतीं लींला बती
- (3.) धरमवींर 4. श्रवतार सिंह और श्रींमतीं कमला देवीं.

निवासी----बीं--37, प्रशांक विहार-1, दिल्ली । (श्रन्तरितीं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिड़ा कार्यवाहिया सुरू करता हुं।

उन्त सम्मत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाश्रीप उन्न

- (क) इस स्थान के रायपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की नवीध या तत्सम्बन्धी स्थानतयों पर स्थान की तामील से 30 दिन की नवीध, जो भी नवीध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थाबितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस न्या के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर अम्पश्ति में हितयक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगें।

श्याकीक रण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त व्याधिनवन, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ध होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नग्रुची

हाउस सं० 16/1135, गलीं मं० 10~11, नाईबाला, करौल बाग, नई दिल्ली, तादादीं~117 वर्ग गज, खसरा मं० 1075 ।

> सुनील चौपड़ा सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, दिल्लीं, नई दिल्लीं-110002

दिनांक : 9~9~1985

बाह्य ।

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

गायकर विधिनिसम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 सितम्बर 1985

निवेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस०--/ग्रार-3/ 1--85/948---श्रतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियमं कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 16/8 करोल बाग है तथा जो नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद प्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिनस्ट्रीं को प्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908, (1908 का 16) के प्रधीन तारीख जनवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत, उसत निवम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सूजिधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- . (1) श्रीमती निशी तलवार निवासी⊸-493, सैनिक विहार दिल्ली । (अन्तरक)
 - (2) श्री ओम प्रकाश निवासी—-16/8, ्रोल बाग, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिमां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारी क से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुस्ची

1/12वें भाग का सम्पत्ति सं० 16/8, करौल बाग, नई दिल्ली ।

> सुनील चौपड़ा .जम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जुन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 13-9-1985

प्रकल बाड .टी.एन.एस. ------

बायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन सुचना

नारत सहस्रार

कार्यालय, तहायक कायकर जायुक्त (निर्द्रीकाण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 13 सिनम्बर 1985 निर्देश मं० एज०सी०/एक्यू०/3/एस० आ२०3/1-85/ 949—अत: मुझे, सुनील चौपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (वित इसमें इसमें इसमें इसमें इसमें इसमें इसमें इसमें इसमें उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 260 ए के अधीए सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

गौर जिसकी मं० 16/8, करौल बाग है तथा जो नई दिल्ली में स्थित है औरइसने उपाबद्ध अनुसूची में पूर्णरूप से वर्णित है), रिवस्ट्रीकर्ता अधि जारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय द्भिर्तिस्ट्री हरण अधिनियम, 1908 (1908 का 6) के अधीन, दिनांक जनवरी 1985,

को पूर्वोका सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रितिफल के निए अन्तरित की गई है बौर मुक्ते यह विश्वाद करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल सो, एसे स्थमान प्रतिफल का धन्स्य प्रतिकत से विधक है बौर अंतरक (अंतरकों) बौर अंतरिती (अंतरितिकों) के बौथ एसे अंतरण के निए तय पाया गया प्रतिकल्य निम्त्रितिबित उद्दोस्य में उपत अन्तरण निम्त्रित में बास्तिक ल्य में कीथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण स धूर्व किसी बाब की बावत, उक्त अभिनिदम के अभीन कर दोने के अन्तरक के व्यक्तिक के कवी करने वा उक्के बचने के बुविया के किए; और/वा
- (भ) ऐसी किसी जाय या किसी भन वा जन्म जास्तियों की जिम्हें भारतीय जायकर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उन्तत के जिनियम, 4ा भन- कर विभिन्नक, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया सवा भा वा किया जाना चाहिए था, कियाने भें सजिभा के निए।

अक्षः अस उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिसिक्ष व्यक्ति में अर्थास् :--- (1) श्रीमती निलनी कपूर। निवासी—-7ए/80, मोती नगर, नई दिल्ली--15।

(अन्तरक)

(2) श्रीश्रोम प्रकाण निवासी—16/8, करोल बाग, नई दिल्ली।

(अन्न रिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित के अवन के निए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उनत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रोब :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या सस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील में 30 दिन की अविधि, जो भी मन्धि माद में समाप्त होनी हो, के भीतर वर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इसारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्राल के 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पात निवित में किए वा सकेंगे।

स्वव्यक्तिरण: ---इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्क जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस सध्याय में दिया गया है।

and the same

1/12वें भाग का सम्पत्ति नं ० 186/8, करोल बाग, नई दिल्ली ।

मृतील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 13-9-1985

प्रकार याही, **टी** ए**म. एस.** -----

अध्यक्तर आंभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 सितम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एमप्०/3/एम-आर-3/ 1-85/950--अतः मुझे, स्नील चोपड़ा,

नासकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें (सके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उ**चित बा**जार मृ<mark>ल्य</mark> 1,00,∪00/- रत. से अधिक ह°

श्रीर जिसकी सं० 16/8, है तथा जो करोल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इसमें उपाबद्ध अनुसूची पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिका री के कार्यालय, नई दिल्ली मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी 1985,

को पूर्वोदत सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इश्वमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास फरने का **सारण**े हैं कि प्रयापूर्वीक्त सम्पन्ति का उचित बाजार प्र उसने वृद्धमान प्रतिकत थे, ऐसे वृद्धमान प्रतिक व काश्रमका प्रतिम से पश्चिक है बोर बन्तरक (बन्तयकों) और बन्तरिती (बन्तरितिमी) के बीच देरें। बन्तरच के लिए तब पाया गया विश्ववा; विन्नसिवित उद्देश्य से अपत धन्तरण जिस्तित में बास्तविक 🗪 है कवित नहीं किए गया 🔭

- (क) अन्तरण से हुउई किसी आय की बाबत, उक्त मधिनियम के सभीत कर दोने भी अन्तरक अ वर्गियरण मो कमी करने या उससे बन्नने मो सुविधा के निए; बहुर/बा
- (स) एेमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के त्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया भाषाकिया जाना चाहिए था, क्रिपाने में सविभाके लिए: और/वा

बत. अ.च., उन्त अधिनियम का भारा 269-ग अ जनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्रीयुवरात तलवार निवासी -- 493, सैनिक विहार, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2 श्री स्रोम प्रकाश निवासी-16/8, करौल बाग, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह स्थान बारी करके प्रोंक्त सम्पत्ति के बर्बन के लिए कार्यवादियां शरू करता है।

तकत सम्मत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाश्रेष :---

- (क) इस स्वाम के सवक्त्र में प्रकाशन की तारीच वे 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ वंद मुचना की सामील से 30 दिन कि जबिंध, यो भी बंबीय बाद में समाप्त होती हो, के भीतर वृत्रीयत व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 बिन के भौतर उक्त स्थावर कम्पत्ति में डिड-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा, अधोष्ठस्ताक्षरी के वास भिवित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धकरण :---इसमें प्रयुक्त धन्दों जीर पदीं का, थो उच्च विभिनियम, के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा जो उस अभ्याय में दिया नवा है।

मन्सूकी

1/12वें भाग की सम्पत्ति संख्या 16/8, करील बाग, नई दिल्ली ।

> सुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरोंज-3, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 13-9-1985

प्रकृप सार्व . हो . स्व . युव . --- हरा --- हरा

बावकार वरिश्तियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के वशीन बुधना

भारत-सरकार

कार्यासय, सहायक कार्यकर सायुक्त (विरोधान)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, विनांक 13 सिसम्बर 1985

निवेश सं० आई० ए० ती०/१३वू०/3/एस०-नार/3/1--85/951---मतः मुसे, सुनीत चोरड़ा,

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात् 'सकः अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ध के अधी- तक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का क्रारण है कि स्थावर संपरित जिसका स्थित बाजार मुख्य 1,00,000/् ं से सिश्यक हैं

भीर जिन्नि सं ॰ 16/8 है तथा गरील बाग, नई विस्ली में स्थित है (भोर इससे उपायक अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), तिर्द्धा गति श्रीय गरी के कार्या तथ, नई दिल्ली में भारतीय रिजिट्टी गरण प्रिविधितम, 1908 (1908 का 16) के अक्षीत, विशोग कावरी 1985,

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिकल के लिए जन्तिरित की गई है बीर मुम्हें यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार कृष्य, उसके स्थमान प्रतिकल से, एसे स्थमान प्रतिकल के पंत्रह प्रतिक्रत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण जिक्ति में बास्तीबक क्य से क्षित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण में सुद्धै जिस्सी आय की बाबत, उक्त अभिनियम को अभीन कर दोने को बंतरक के दायित्व में कमी करने या उत्तसे बचने में सुविधा को सिए; और/या
- (क) ऐसी फिसी जाम या किसी भन या जल्म कारिकारों की., जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियमः, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियमः, या भनकर अधिनियमः, या भनकर अधिनियमः, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूत्रिभा के लिए;

(1) श्रीमती रेन कपूर मकान सं० 23, भन्दर लोक, विस्ती।

(अन्तरक)

(2) श्री श्रोम प्रकाशनिवासी 16/8, करोल बाग,मई दिल्ली।

(अन्तरिती)

स्त्रे यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

सकत संपत्ति को कर्णन को संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति, जो भी व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिकित में किए जा सकेंगे।

सिकारिय: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, शे अक्त अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया यस है।

वन्स्ची

1/12 वें भागकी समासि संख्या 16/8, करील जाग, नई

सुनील चोपड़ा नर म प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्भनरॅज-3, नई दिस्री--110002

1

विनांक: 13-9-85

प्रस्य बाइ. टी. एन: एस. ------

भावकर अभिनियम, 1981 (1981 का 43) की बारा 269-व (1) के सभीत स्वना

भारत सरकार

ंकार्यांचय, सहायक जामकर जामक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज - 3, नई दिल्ली नई दिखली, दिनांक 9 सितम्बर 1985

निर्देश सं ० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/3/ एस० श्रार०-3/1-85/ 953—श्रतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

भागकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेजात् 'सकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्थान करने का कारण हैं कि स्थावर कस्पत्ति, जिसका उचित राजार क्ष्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

गौर जिसकी सं० 5040, ब्लाक 'एम' है, तथा जो सन्त नगर, करौल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबक अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रक्षिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रिष्ठित्तम, 1908 (1908 का 16) के श्रष्ठीन, तारीख जनवरी, 1985 का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के क्रयमान श्रिक्त के लिए कन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार गृल्य, उसके क्रयमान प्रतिफल का प्रतिकृत संपत्ति की गई है और क्रयमान प्रतिफल का प्रतिकृत से जिल्ल है जीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिकी (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिकी (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय क्या जा प्रतिकृत, निस्तिसित उद्वेपम से उक्त अन्तरण कि लिए तय क्या जा प्रतिकृत, निस्तिसित उद्वेपम से उक्त अन्तरण कि लिए तय क्या जा प्रतिकृत, निस्तिसित उद्वेपम से उक्त अन्तरण

- (क) अम्तरण से हुई किसी अाय की बाबत खक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में बृविधा के विष्ट;
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन या मध्य जीसितां को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनयम, वा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा वा किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुजिभा के सिए; और/या

नतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की, उपथारा (1) के अधीन निम्नलिसित स्पक्तियों, अधीत् क्

- 1. श्रीमती राम राखी पत्नी श्री केसर मल, ग्राम--कारवा, जिला भन्छारा (महाराष्ट्र) प्रेजेन्ट 16/23, डब्ल्यू० ई० ए०, करौल बाग, मई दिल्ली,
 - 2 श्री भगवान वास, राज कुमार, कृष्ण लाल और रोशन लाल, पुत्र श्री नारायण वास, निवासी---52/4577, रेगरपुरा करौल बाग, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना वारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्स तम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के रावपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 हिए की अवृधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान। की तारीं से 30 दिन की अविध, को भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वेक्त काश्वित्यों में से किसी व्यक्ति क्षारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनद्र्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्वक्रीकरण:—इसमें प्रयुक्त जन्दी और पर्दों का जो जनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया वक्ष हैं।

नगसची

डबल स्टोरी बिल्डिंग हाऊस नं० 5040, ब्लाक 'एस' स्नसरा नं० 3289/719 भीर 3290/719, प्लाट नं० 36, भीर 37, तादादी--214 वर्ग गज, सन्त नगर, करौल बाग, नई दिल्लो ।

> सुनील चोपड़ा , जम प्राधिवारी सहायक भागकर भागुक्त (निरीक्षण) भाजन रेंज-3. दिल्लो. नहीं बेल्लो - 11002

विनोक : 9-9-1985

श्रक्य बाह'. टी. एन. एस.------

अध्यकर जोभिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-म (1) के अभीन स्वाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्थन रेज-3, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 सितम्बर 1985

निर्देश सं श्राई० ए ०सी० /एक्पू०/3/ एस० श्रार०-3/1-85/ 954--श्रतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

बायकर अधानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है कि भारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुक्ब 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० ई-15 है, तथा जो हौज खास, इनक्लेव नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता भिष्ठकारी के कार्यालय नई दिल्तो में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन तारीख जनवरी-85

को पूर्वी भत संस्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रथमान प्रतिफर्स के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि पूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, पूर्वें दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उनत अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए और/या
- (क्ष) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तिकों को. जिन्हों भगरतीय आय-कर व्यधिनियम, 1922 (1.9⊋2 का 1.1) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती त्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,, छिपान में सुविधा को खिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-में की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—

1. श्री जें० पी० प्रोपर्टीज प्रो० सुरिन्द्र पाल सिंह, एफ-62, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली

(ग्रन्तरक)

- 2. (1) डा० (श्रीमती) देविन्द्र पाल,
 - (2) मास्टर ग्रमित पाल सिंह,
 - (3) कुमारी सुमित पाल कौर, निवासी—जे-295, साकेत, नई दिल्ली,
 - (4) कुमारी प्रियंका कालरा,
 - (5) कुमारी मोनिका कालरा,
 - (6) कुमारी सूरत कीर्ति कालरा,
 - (7) श्रीमती चन्द्र कालरा,

निवासी--डी-120, साकेत, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन को निष् कार्यकाहियां शुरू करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बास्तेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 4,5 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (इ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिमित्यम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, कहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया

अनुस्ची

्रध्ताट नं० ई-15, हौज खास इनक्लेव, नई दिल्शी, तादादी— 200 वर्ग गज, तथा घर ।

> सुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिली-110002

दिनांक: 9-9-1985-

प्ररूप बाई. टी. एन. एस. *****

नायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ के अधीन सुनना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक भायकर आयुक्तः (निरीक्षण) धर्जन रेंज 3, विस्ती

नई दिल्ली, दिनांक 13 सितम्बर 1985

निर्देश सं० धाई० ए० सी०/एक्यू॰/3/एस० धार०-3/1-85/955--यतः भूमे, सुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मूक्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

मौर जिसकी सं 0 11708, वार्ड नं 0 16 है, तथा जो गली नं 0 2-3, ब्लाक -यू, करौल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध भनुसूची में भौर पूर्ण रूप से बर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता भधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण मधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भधीन, तारीख, जनवरी, 1985

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान श्रीतफल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पदह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) बीद अंतरिती (अन्तरितियों) के अधि एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिख के वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाध की बाजत, उक्त नियम के अभीन कर देने के बंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के शिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः वस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभाषा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् क्र- स० गुरचरन सिंह महेन्द्रा,
सपुत्र सरदार सोहन सिंह घौर
श्रीमती सुदर्शन कौर,
निवासी—12/1, डब्स्पू० ई० ए० करील बाग,
नई दिल्ली।

(शन्तरक)

2. श्रीमती उर्मिसा गोयल धर्म पत्नी श्री ज्ञान चन्द, शौर श्री श्रतुल गोयल सपुत्र श्री ज्ञान चन्द, मकान मं० 3, गंसी मं० 1, राम मगर, नई दिस्ली

(पन्तिरती)

कों यह सूचना जारी करके पृथोंकत सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के शीलर पूर्वों कर म्यान्तियों में से फिसी व्यक्तित स्थारा;
- (क) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुंध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिशित में किए जा सकेंगे।

क्ष्यिक्षाः - इसमें प्रयुक्त कथ्यों और पर्यो का, की उक्त अधिनियम, के अध्याद 20-क में परिशाबित हैं, कही अर्थ होना को उत्त अध्याद के विका स्याद हैं।

वनस्थी

सम्पत्ति नं 11708, वार्ड नं 16, गली नं 2-3, ब्लाक-यू, खसरा /प्लाट नं 3581/651/2, स्थित सन्त नगर करौल बाग, नई दिल्ली, तावादी---75 वर्ग गज ।

> सुनील चौपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रॅज-3, बिस्सी, नई बिस्सी-1:10002

तारींब : 13-9-1985

प्रकृप लार्च . टी .. धन . . एक . ----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के अभीत स्चना

गरित सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भजेन रेंज-3, नर्ह धिल्ला

नई दिल्ली, दिनो ह 9 सितन्बर 1985 🕆

निशेश सं अवि ए० सी ं/एक्पु०/3/एस-पार-3/1-85 960/---प्रतः मुझे, सुनील घोपड़ा,

जायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उत्तत अधिनियम' कहा गया हैं), की अध्य 269-व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उच्चित वाचार सम्बद्ध 1,00,000/- रत. से अधिक हैं

भीर जिल्ला सं० 449-450 है सभा जो स्यू राजेन्द्र नगर, गई दिल्ला में स्थित है (भीर इस्ते अवाबद्ध अनुसूचा में भीर पूर्ण रूप से घणित है), रिजर्ड्रान्सी अधिकार के वार्यास्य में रिजर्ड्रास्ट्रण अधिनिश्य, 1908 (1908 का 16) के भागत, सराख जनगरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्परित को उचित बाजार मूल्य से कम को स्वयमान प्रतिफल को लिए छंतिरत की गई है बीर मुक्ते यह विश्वास करने की कारण है कि वथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य कमके क्रथमान प्रतिफल से, एसे क्रयमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिकत से अधिक है बीर अन्तरक (अन्तरकों) और बुन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए स्थ पाया वस्य प्रतिफल निम्मानिस्त उद्देष्य से उक्त अन्तरण निकित में पास्तरिक क्य से कथित नहीं किया गया है क्

- (क) बनारण वे हुई किसी थाय की शावत, उपक विधिनियम के बधीन कर दोने के बनारक के ब्रिक्टिंग भी कमी करने या उपसे नचने में बनिया के जिल्हा कर/या
- (क) एर्सी किसी जान वा किसी जेन ना जस्म शास्त्रकी को जिन्हों भारतीय नाय-कर जीभीनवस, 1922 (1922 का 11) या उक्त जीभीनवस, या धम-कर वीभीनयस, या धम-कर वीभीनयस, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया भया भा वा किया जाना चाहिए था, कियाने में जीनिशा वे सिए.।

वका वक, उक्त विभिनियम की वारा 269-न के वयुक्तक वी, मी, उक्त विभिनियम की भारा 269-म विशिधकाय्य (1) की वभीन, निम्नलिवित स्पवितयों, वर्धतः :---

- श मोगा एस नाय फिला धाक योगा पिव नाथ, श्रा पिव नाथ योग ग्राश्रम, भ ष्यार काला कुई, रमेश नगर, नई दिल्ला (ग्रन्तरक)
- 2. श्री सिलक राज प्रशेष, पुत्र स्व० श्री राम लाल प्रशेष, निवासी--एच-338, स्यू राजेन्द्र नगर, नई थिल्ली (प्रशीरता)

क्को वह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन् के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

डक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में करेड़ें भी क्लोप इ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में त्रकाशन की तारीय हैं

 4.5 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी स्पितियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी
 सुब्धि बाद या समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वीकर
 स्पितियों या से किसी स्पिति द्वारा;
- (क) इस स्वना के युवपन में प्रकाशन को तारीच वे 45' दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मंति में हितवद्य किसी बन्य व्यक्ति द्वारा विश्वहरताकरी के पाछ सिचित में किस् का सकोंगे।

स्वकारकरणः --- इसमें प्रमुक्त कर्का नीर पर्यों का, वो उत्तर निधिनयम के नध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं नर्थ होगा वो उस नध्याय में दिया चुना हैं॥

कृत्यी

बनी हुई सरहारी प्रौ० सादावी—127.666 वर्ग गण । प्रौ० नं० 449-450, डबल स्टोरी क्वार्टर, न्यू राजेन्द्र नगर, मुद्दे (ब्रह्मी ।

> ्रसुषीस चोपहर सरकम प्राधिकारी सहायकः वश्यकर प्राकृत (निरीक्षण) धर्जन रेंज-3, दिस्सी, मई विल्ली-110002

तारीच : 9-9-1985

ARE .

प्ररूप बाई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालसः, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) फर्जन रेंज-3, दिल्लें।

नई दिल्ली:, दिनोक 13 सितम्बर 1985

निर्वेश सं० माई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस० भार०-3

कायकर किथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मूल्य 1,,00,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जित्रहा सं० किं 62 है, सया जो हौज खास इन्स्लेख नई जित्रहों में स्थित है (श्रीर इसके उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्य हो से विजि है) एजिस्ट्रेश बीधकारी के कार्यालय, नई जिल्हा में एजिस्ट्रा इरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिशन, सर्ख जनवरी, 1985

को प्योक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह दिश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिक्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अपने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

जतः अस, उसत अधिनियम की भारा 269-ए के अनूसरण में, में, उसते अधिनियम की धारा 269-ए की उपभारा (1) के संभीन, निम्निलिखत व्यक्तिया, अर्थात् ६—

- श्री एत० के० भाटिया,
 श्री प्रीत् के० भाटिया,
 श्री प्रतिल भाटिया ग्रीर
 श्री सुताल भाटिया ग्राल पार्टनर श्राफ भाटिया एगटिमेंट द्वारा जी० ए० श्री मती राज नुमारी,
 ति गसी—डब्ल्यू-41, ग्रीट्र मैं श्रीश-1, नई दिल्ली (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती शहुन्तला मृसनी पत्नी श्री एम० श्रार० मतात, नितासी —सी-44, डिफ्रेंस कालोनी, नई दिल्ली (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकारन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्भ किसी अन्य व्यक्तिस द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकोंगे।

स्पष्टीकरणं:——इसमें प्रयूक्त इन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में रिरभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्री॰ नं॰ के -62, हीज खाझ, इनक्लेय, नई दिल्ली, चौथी मंजिल ।

> मुनील घोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रॅज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 13-9-1985

मोहर 🗈

प्रकप बाड : टी . एन . एस : ------

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-अ (1) के विभीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायकत (निरीक्षण) अर्जन रेंड-3 नई विल्ला

नई दिल्ली, दिलांग 9 रिक्ताबर 1985

निर्देश सं० घाई० ए० सी०/एमगू/3/एस. प्राप्त०-3 1-85/963-प्रतः, मझे, सुनाल चीपड़ा,

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैंं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1.00.000/- रु. से अधिक है

1,00,000/- स्त. से अधिक है

भौर जित्र हैं। सं व 16'80 एण्ड 16'86 है तथा जो जोशंः
रोड़, हरील बाग, नई पित्तः में स्वित हैं। भौः इसां उपादक भासूना में और पूर्ण का ने बाँगत हैं। प्रजिल्द्रः ति अधिनारी के हार्याला, नई बित्ता में रिक्ट्रिं हरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अशीन, तरिंख जनगरी 1985 को पूर्वोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के दृष्यमान शितफल के लिए अन्तरित की गईं और मूझे यह विश्व करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार प्रत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उव्वयम से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तीवक रूप से अधित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुंद्दी किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, था धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया रखा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा को लिए;

असः ढ.ज., उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में., मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्तिलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— श्रं। भ्रामो ह कुमार पृत्र श्रं: सुराज, ए-50, कार्ति नगर, नई धिल्लाः

(मन्दरिती)

2. श्री: रमेश राजधाल सुपुत्र श्री: श्रीशा नन्द, 833, जोगी: रोड़, क्ररील बाग, नई दिल्ली (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाओप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के बैं 45 दिन की क्षत्रीध या तत्सनंभी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अश्रीध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकारन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में क्रित-ेब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाक्रस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:— इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्ति हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं.

अनुसूची

हाकत नं० 16/80 एण्ड 1686, स.स.सी----111 वर्ग गज, जोगा रोड़, करील बाग, नई दिल्ला।

> सुने ल घोपड़ा संभ्रम प्राधिकारी सहायह आयश्य आयृक्त (निरीक्षण) अर्जनु रेज--3, नई दिल्ल:-110002

दिनौत: 9-9-1985

प्रकप आहो. की. एन: एबः -----

नामकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

त्रायां लग, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) भर्मनेन-सेंज-3, दिस्को

नई दिल्ली, दिनांक 9 सिक्ट बर 1985

निर्देश सं० घाई० ए० सो०/एक्यू०/3/एस० घार०-3/ 1-85/964---प्रत , मुझे, सुनील घोन्डा,

कायकर पाँधिनयम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें बरनात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के सभीन सक्षक प्राधिकारी कां, यह विक्तास करने का कारण है कि स्थान संपीत जिसका उधित बाजार मूल्य

1.00.000/- क. सं अधिक हैं
और जित्रके मं॰ 60/11 है त्या जो रामजा रोड़, उरौल बात, नह दिस्तं में स्पित हैं (वीर इत्ते जनक अनुसूच में और (विकास के विकास हैं) एति दूर सिम्बिएर्स के ए बिल्य, नहीं रिका में एजिन्द्र रण अधिनि म, 1908 (1908 का 16) के असंत, तरिख जावरे, 1985

को पूर्वीकर संम्यांत के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिप्रत के लिए बतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण ही कि यथापर्वोक्त संपरित का उचित बाजार पूज्य, असक दृश्यमान प्रतिफल से, एांसे दृशमान प्रतिफल का वंद्रज्ञ प्रसिक्त से किथक ही उगैर अंतरक (अन्सरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाः) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-प्रकृतिनियाः) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-प्रकृतिनियाः। के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-प्रकृतिनियाः। के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-

- (क) अंतरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमो कुड़ने दा उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी अप या किसी धन या बन्य अस्तियों करें, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या धनकर आधिनियम, या धनकर आधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनीय उन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए।

जतः जब, उच्क विधितिसम्, की धारा 269-ग **से बन्सरण** मी, भी, उस्ता अधितिसम् ⇔ी धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निस्तिधि जिस व्यक्तिसमों, जर्धातुः——

- 1 श्री राजीव प्रोहरी_र
 - 6, ईएबर नगर, नई दिल्ली ।

(प्रन्सरक)

श्रो राज कुमार मनीचा एण्ड घदर्स,
 60/11, रामजस रोड़, नई दिल्ली।

(मन्तरिखी)

को यह सूचना अन्ति करके पूर्वक्ति तंपीत के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता है।

जन्त सम्पत्ति के जर्पन के सम्बन्ध में कांई भी भाक्षेप :---

- (क) इस स्वान को राजपत्र में प्रकाशन की तारीन ते 45 दिन की स्विध या तत्सवंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तानील से 30 दिन की जबिंध, जो भी स्विध यद में नमाप्त होती हो , के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्पार्क को राजपंत्र में प्रकाशन की तहरील है 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हित-बृह्ध भिन्ती, अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी को पास निवित्त में किए जा सकोंगे।

स्वाकिरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-ही, यही अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्त्ची

प्री॰ बैरिन ब्लाफ तं॰ 60, ज्लाट तं॰ 1.1, रामगा रोड़ करोल सम, नई डिल्लें, त.डाई:—634 वर्षे गज, (1/4 मिनमाण्डि भाग)।

> सुनील कोपड़ा सक्षम प्राधिनारी सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निर्रीकण) ग्राजुन रेज-3, नई दिल्ली-110002

तारीख: 9-9-1985

प्रकृत् वार्ष[ा].टी.एम्.एव _{प्र}न्तकारणास्त्रक

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के स्थीन स्था

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निय्पेक्षक) प्रजेत रेंज:-3, नर्ड सिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 10 तितम्बर 1985

निर्देश सं० ग्रन्डि० ए० सो०/एक्पू०/3/एस० ग्रार०-3/1-85/ 965---प्रतः, मुझे, सुनीस चोपड़ा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है।, की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्य 1.00,000/- रा. से अधिक है

भीर जितिको सं० 60/11 है समा जो रामकत रोह, करोल बाग, नई विल्लो में स्थित है (भीर इसके उपावस भनुसूत्री में भीर पूर्ण रूप से वणित है) रजिस्ट्रेक्त प्रधिकारी के कार्यालय, नई विल्लो में रजिस्ट्रेक्टण श्रधिनियम, 1908

(1908 का 16) के अप्रोत, तारोख जनवरी, 1985 को पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाबार मुख्य से कम के क्रममान इतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिकल से, ऐसे द्वयमान प्रतिकल का पन्द्र प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पावा क्या प्रतिकल निम्नतिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में

- (क) अन्तरण से हुए किसी बात की नावत, क्या वीधीनसम के अधीन कर दोने के सन्तरक के स्वतित्व में कनी करने वा उसवे वचने वें कृषिण के लिए; बॉर/ना
- (क) एसे किसी बाब वा किसी वन वा प्रत्य वास्तिकों को जिन्हों भारतीय बावकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपन अधिनियम, वा वय-कर विधिनियम, वा वय-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती ब्वाय प्रकट नहीं किया गया बा किया बाग वाहिए बा, कियाने में वृत्यिया की किया हों।

बत: बब. उक्त बधिनियम की घारा 269-व के जनसरण जो, मी, उक्त जधिनियम की धारा 269-व की उक्सारा (वि) के जधीन : निम्निसिचित व्यक्तियों, वर्षां :---- लैफ्टि० कर्नेल प्रशोक बोहरी,
 क्षियर मगर, नई दिल्ला।

(भन्तरक)

2. श्री राज कुमार, श्रीमती सुदेश मानोचा, श्रीमती मीमू म नोषा, श्रीमती रेनू म नोषा, निवासी—60/11, रामजस रोड़, नई दिल्ली। (प्रन्तिरती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के विश् कार्यअप्तियां सुक करता हुं।

खनत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बासीप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ वृद्ध सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति वृद्धार:
- (व) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तररीब ६ 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ब किसी बन्य क्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पांच मिवित में किए वा सकोंगे।

स्वकारिकारकः —हसमें प्रयुक्त करों कीर पदों का, को सकत किमिनयम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं वृथे होगा को उस अध्याय में दिया क्या हैं।

मनुसुची

प्रौ॰ वैरिन प्लाट, नं॰ 11, क्लाक नं॰ 60, रामजस रोड़, करोल बाग, नई दिल्ली (1/4 घविभाजित भाग)।

> सुनील खोपड़ा सक्षम प्राधिन।री सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 10~9~1985

प्ररूप आई.टी.एम.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 घ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आपकर आय्क्स (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3 नई, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 सितम्बर, 1985

सं० आई० ए० सी०/एनवू/3/एस आर-3/1-85/966---अत- मुझे, सूनील चोपड़ा,

बावकर निर्माचयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इनके इसके पश्चार 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं)., की भारा 269-क के अधीन सक्षम पाधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सस्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

धौर जिसकी संख्या प्लाट नं 11 है तथा जे ब्लाक नं 60, रामजर रोड, गई दिल्ली में स्थित है (धौर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण क्य में विज्ञती है), रिजस्की क्रिक्त प्रिधिकारी के लायालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्या, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल से गृंद्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरफ (अंतरका) और अंतरित (अंतरितियाँ) के बीच एमें अंतरण के लिए तम पामा गगा विकल निम्नितिशित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिकित में शास्त्रीक रूप स कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई फिसी जाय की बानत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (था) ऐसी किसी काय या किसी धन था अन्य ब्रास्सियों को, जिस्हें भारतीय अगय-कार विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वौ प्रयोजनीर्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा स्थित के नियर

बत: बंब:, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अभीन अनुमानिकित व्यक्तियों. बंबति :--- मेजर अनिल फोहरी,
 प्रैटर कैलाश-21, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

श्री राज कुमार,
 श्रीमती सुदेश मानोचा,
 श्रीमती मीनू मानोचा,
 श्रीमती रेनु मानोचा
 निवासी 60/11, रामजस रोड, करोल बाग,
 मई विस्ली।

(अन्तरिती)

को यह त्यना बारी करके पूर्वोक्त सम्पंतित के कर्वन के सिए कार्यवाहियां कुरु करता हूं।

क्षमत सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाओप प्र---

- (क) इ.स. सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की अविधि मा तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्वक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवाराः
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सै) 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिताबद्ध किसी अन्य स्थावित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकी।

स्पन्धिकरणः -- इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का जो उभक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नया है।

अनुसूचीं

प्रों ने 11, ब्लाक नं 60, रामजस रोड, नई दिल्ली।

सुनील चोपड़ा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आंगुक्त निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, मई दिल्ली

सारीख: 9-9-1985

माहर:

प्रकप बार्ड.टी.एन.एस् :------

भाषकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के बधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-3, दिल्ली

मई दिल्ली, विनांक 10 सितम्बर, 1985

् सं श्राई॰ ए॰ सी॰/एक्यू/3/एस आर-3/1-85/967:---अतः मुझे, सुनील घोपड़ा,

शायकर श्रीधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मून्य 1,00,000/- रहे. से अधिक हैं

भौर जिसकी संख्या 60/11(60/11) है सथा जो रामजस रोड, करोल बाग, नई दिल्ली में स्थित हैं (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जमवरी, 1985।

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के अध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तब पापा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उव्ववेष से उक्त कन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है हैं

- (क) कन्तरण वे हुई कि वी बाय की बावत, उनत विधिनयम के बधीन कर देने के अस्तरक वी वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निष्शु और/या
- क) एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य व्यक्तिसयों को जिन्हीं भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए।

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की, अनुसरण बँ, बँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् म्राम्स श्री सुनील ग्रोहरी,
 सी०-34, ग्रैंथर कैलाश, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री राज कुमार, श्रीमती सुदेश मानोचा, श्रीमती मिनु मनोचा, श्रीमती रेनु मनोचा, निवासी 60/11, रामजस रोड, करोल बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

की यह स्थान जारी करके पूर्वोक्त सम्पन्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांई बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है ते 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राज्यक मं. प्रकाशन का ताराख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबव्ध किसी जन्म व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाट लिखित में किए जा सकों।

स्यक्षीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उन्स्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विका मवा हैं।

अन्स्ची

क्लाक नं० 60, प्लाट नं० 11 रामजसरोड, नई दिल्ली तादादी 634 वर्ग गज (1/4 अविमाजित भाग)।

> मुनीन चोपड़ा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, दिस्सी

तारीख: 10-9-1985

मोहर 🛭

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

नाथकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के वधीन सूचना

भारत सारकार

कार्याक्ष व, सहायक जायकर आपृक्त (निद्रीक्षण)

अर्जन रेंज-3, दिस्ली

नई विल्ली, दिनांक 9 सितम्बर, 1985

सं० आई० ए० सी०/एम्यू/3/एस आर-3/1-85/969:--अतः मुझे, सुनील चौपड़ा,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी संख्या 96/बी-7, एक्सटेंग्रन है तथा जो सफदरजंग रिसीडेंन्सल स्कीम, नई विख्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से बणित है) रिजस्ट्रीनतों अधिकारी के कार्यालय नई दिख्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1985

को प्रोंकत सम्पत्ति के अवित बाजार मूल्य से कब के अध्यक्षान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि ग्रथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उवित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक अंतरकों) जीर अंत-रिस्ती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण विवित में पस्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरक से हुई किसी आय की वायत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनिवस, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, ना धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व को बनुसरण में, बें, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्— श्री राममन इस्टेट प्रा० लिं०। जी → 56, ग्रीन पार्क, मई बिस्ली।

(अन्तरक)

2. श्री जी० एल० खुराना
पुत्र स्व० श्री पी० मार० खुराना
भीर श्रीमती सुवमा खुराना
पत्नी श्री जी० एल० खुराना,
निवासी 1/301, सरोजनी नगर,
नई दिस्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना वारों करकें पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के किए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

सकत सम्मति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की जनीधि या तत्संबंधी स्विक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जविध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत स्विक्तयों में से किसी स्विकत दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशक की तारीब से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्ष 3 किसी बन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए का सकेंगे।

बग्लुची:

मी े नं ० 5-96/बी--7, तादादीः 132.0%, वर्षः मीटर, सफदरजंग रिसीकेटा, स्कीन, नई दिस्मी ।ः

> सुनील चौपड़ा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3 दिस्सी

तारीच : 9—9—4985

महिर 🛭

प्रकप बाइ टी.एन.एस-----

बायकर वाधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-म (१) के अधीन सूचनाः

भारत सरकार.

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (जिरीक्षण) अर्जन रेंज-3, विस्ली

मई दिल्ली, विनांक 10 सितम्बर, 1985

सं० आई. ए० सी०/एका्/3/एस असद-3/1-85/970 खक्षः मुझे, सुनील चोपड़ा,

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त बिधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

मंतः जिस्की संख्या मा-1/41 है स्था जो होस बास इन्डस्ट्री, वर्ष दिख्ली में स्थित है (मोट इनसे उपाबद अनुसूची में पूर्ण का से वर्णित है), रिजस्ट्री क्ली अधिकारी के कार्यालय, मई दिख्ली में भारतीयः रिजस्ट्रोकरण अधितियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी. 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उत्तित बाजार मृत्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके देश्यमान प्रतिफल से, एसे द्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल; निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित। में बास्तिकक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करते या उससे अवने में सुविधा के लिए; आर्/या
- (क) ऐसी किसी आया या किसी धना या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्टिंग्सी व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा सा किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुविधा के निए;

श्रतः अव, उक्त अधिनियम की गरा 269-ग के अनुक्रक में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों अर्थात :—

 श्रीत सोमन नाथ मेहला पुत्र पालामल मेहला.
 5475, सोहण कोठी, पहाइ गंज, नई दिस्ती।

(अन्तरक)

 श्री अमरजीत सिंह पुता एस० अजित सिंह जोहर, सी-139, ब्रिफोंस कालोनी, नई दिल्ली।

(ब्रह्मीरको)

को यह सुचना जारी करके पूर्वों करा संस्पृतित के अर्थन के सिम् कार्यवाहमां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- व्यूध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकतें।

स्वच्छीकरण:--इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उम्र अध्याय में विया गया है।

धनुसूची

सिमल स्टोरि हाउस बना हुआ सादादी 202 वर्ग गज, बी: 1/4.1, ही म खास दनगलेब, नई दिस्ली।

> सुनील चीनड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 3, बिक्की

रारीख: 10-9-1985

मोह्रर:

प्ररूप आई. टी. एत. एस. -----

भारकार गिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, तहायक नायकर नायुक्त (निर्दाक्तन) प्रजीन रोज-3, विल्ली

नई दिल्ली, दिनांच 9 सितम्बर 1985

सं० धाई० ए० सीं०/एक्पू/3/एस धार०~3/1-85/ 971:---अतः मुझे, सुनील चीपड़ा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें दबके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि न्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जि.की संख्या ए~40 है तथा जो एन० डी० एस, ई भाग-2, नई दिल्लों में स्थित हैं (श्रीर इयसे उपाबद अनु-सूबा में पूर्ण रूप से विणित हैं), श्रीतस्द्रीत सी अधितारी के कार्णनय नई दिल्लों में भारतीय श्रीतस्द्रीत एण श्रीधनियम, 1908

(1903 का 16) के अवोन, तारीख जनवरी, 1985 को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा। पूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मृत्या, उसके स्थ्यमान प्रतिक्त को पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरित (अंतरितियाँ) को बीच एसे अंतरिण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्वेषय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाव की बाबत, उभत विभिन्नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दावित्य में कभी कड़ने या उसने वयने में कविभा से किस; बीड़/वा
- (थ) ऐसी किसी जाम या किसी धन या जन्म जास्तियों .को., जिन्हें भारतीम जामकर किसीनयम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर विधिनयम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जामा चाहिए था, जियाने में सुनिधा को लिए;

. अत: अव, जनत अधिनियम की धारा 269-व के, अनुसरण वा, मा, उनत अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिश्वित व्यक्तियों, नर्भात :---

(1) श्री इन्दर लाल
पुत्र सरदारी लाल बाहरी,
 (2) विरेन्द्र लाल बाहरी
पुत्र सरदारी लाल बाहरी,
 5/5, रूप नगर, दिल्ली

(भन्तरक)

 (1) श्री गिरधर चन्द जैन पुत्र स्थ० श्री सुमेर चन्द जैन

(2) राजीय जैन पुत्र गिरधर चन्द जैन

(3) संजीध जैन पुत्र श्री गिरधर जैन भौर श्रीमती पुष्पाला जैन पत्नी गिरधर जैन निषासी बी-33, पंचिमाला इन्यलेख, नई दिल्ली

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यकाहियां कुरू करता हुं।

. जक्त संपत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनवृष्ट किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पच्छीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रीप्रियम, के स्थ्याय 20-क में प्रिशािष्ड हैं, वहीं वर्ष होगा को उस स्थ्याय में दिवा यवा हैं।

धनुसूची

प्रो• बेरिंग नं० ए 40, नई विल्ली साउच एक्सटेंशन भाग-2, नई दिल्ली, तावादी 250 धर्म गज

> सुनील चीपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) धर्णन रेंज-3, दिल्ली

तारीख: 9-9-198*5* ^{--भुर}ः। वक्त-बार्ड :टी : ध्रम : युव : --------

बायकर स्थिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के संभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक बायकर बायकत (निरीक्षण) प्रजन रेंज-3, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 सितम्बर, 1985

सं॰ आई॰ ए॰ सी॰/एक्यू/3/एस आर 3/1-85/974:----श्रतः मुझे, सुनील चीपड़ा,

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसवा उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिल्ली संख्या 23/24, पुराना रिजन्द्र नगर है तथा जो नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसी जपाबद्ध श्रमुसुधी में पूर्ण रूप ी विणित है), रिजिस्ट्री त्यां श्रिधि रि के भाषांच्य, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्री रिण श्रधिनियम, 1908 (1908 भारतीय के श्रवीन, तारीख जनसरी, 1985।

(1906 पर 10) पर अवार, ताराख जनपर, 1955 र को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के इच्छमाम प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और म्भे यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार र मल्प, उसके इच्छमान प्रतिफल से एमें इच्छमान प्रतिफल का प्रतुरिश्वात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियो) को बीच एसे अंतरण को लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निसित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक क्ष से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में क्षत्री करने या उससे वचने यें सुविधा के सिष्ट; बीप/या
- (ए) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उपत प्रश्चिनियम, या भन-को अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के अयोजनाय धन्तिरिती शांच प्रकट नहीं किया गथा जा या किया जाना चाहिए जा, कियाने में जिन्हों से सिए।

् वतः अव. उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1)-के अभीन निकासियाल व्यक्तियों, अर्थात् क्र--- श्रीमती जय वन्ती सुखनानी निवासी सी-24/16/203 जनवा पुरी, नई दिल्ली।

(फ्रन्तरक)

2. श्रीमती पुष्पा वेवी, निवासी 23/24, पुराना रिजन्दर नगर, नई दिल्ली।

(भन्सरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के चित्र कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त संपति के अजन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूजना के राजान में प्रकाणन की तारी के से 45 विन का श्रविध या तस्सेवंधी व्यक्तियों पर सूजना की तारी ले से 30 विन की श्रविध, जो भी अवधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (स) इस सूजना के राजपत में प्रकाशन की तारीय में 45 दिश के मीलर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्यब किसी धन्य स्थावत दारा, प्रयोत्स्ताक्षरी के पाप विश्वित में किये जा मकेंगे

स्वध्यीकरण ।—इसमें प्रयुक्त कच्यों प्रोर पड़ी का, जो उक्त श्रास नियम से अध्याय '0-क में परिपाणित है, वही सर्व होना को उस सक्ष्मान में दिया गया है।

अनुपूची :

सरहारी बना मनाटर संख्या 23/24 पुराना एिन्धर नगर, नई दिल्ली शादादी 88.1 वर्ग गण ।

> सुनीक चीपड़ा सलम प्राविकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-3, दिल्ली

तारीख: 13-9-1985

मोहर 🛮

प्रारूप अरहाँ, दी एन एस.

नायकर सिंधनियसः 1981 (1961 का 43 की धारा 269 घ (1) के स्थीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

भजन रेंज-3, धिरली

नई दिल्ली, धिनांक 9 सितम्बर, 1985

सं॰ भाई॰ ए॰ सी॰/एक्य्/3/एस मार॰-3/1-85/ 975:--भारः मुक्षे, सुनीक चीक्का,

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिल्लास करने का कारण हु कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

मीर जिसकी संख्या 166, क्लाक ए-1, है तथा जो रफ्कर जंग डिक्न औट िसं हैन्टन रक्ष में, साट्य दित्सी, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीत इश्ती उपाबत अनुसूची में पूर्ण रूप के बिणा है), पिस्ट्र एसी अधितारी के बायित्य गई दिल्ली में मानताय रिल्ट्र वर्ण अधितियम, 1908 (1908 वा 16) के मर्जान, तारीख जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान पौतप्का के लिए जन्तरित की गर्द है और मुक्ते यह विश्वास उन्ने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार एक्य उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल कम उन्नेह प्रतिकृत से कथिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अत्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पावा वका प्रतिफल, निम्निस्थित उद्देश्य से उक्त अन्तरण मिचिस के बास्तविक रूप से कथिय नहीं किया थवा है है——

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत अक्त बिध-नियम के अभीन अन्द दोने के जन्तरक के वायित्व मी कमी करने या उससे क्यमें में सुविधा के सिए बार/या
- (क) ऐसी किसी बाब वा किसी अन या क्रम्य अमेरितकी को, जिन्ही भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या अन- खर अभिनियम, या अन- खर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) वें प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रियाने में सुविधा के मिए;

का: अभ, उक्त अधिनियम की भारा 269-म के अक्तर्य-में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) हे सधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वधार्त:— श्रा राम गोनल गोवल पुत्र स्व० श्रा लाला राम गटन दास निवासी 25/सी, रामकरदूट, कलरता।

(ब्रम्दरङ्)

 श्रीमती सादिसी देवी पत्ना श्री देवल पाम, निवासी 166, ब्लाक ए─1, सफद्दाजंग (सिक्टिंग्टल स्काम, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को मह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्रेप :---

- (क) इब स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब वे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी अधिकत्यों पर मृचना की तामीन से 30 दिन की जविध, को भी जविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी अधिकत द्वारा;
- (ण) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास सिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पक्ष करणः --- इसमें प्रमुक्त कव्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशाधित हैं हैं, वहीं अर्थ होगा जो उसे अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

त्री॰ बेरक मं॰ प्लाटमं॰ 166, ब्लाक ए-1, हाइ।दी 303 वर्ग गण, सप्पदरजंग डिवलप्पेट रिसं डेन्टल स्क्रीम, साज्य दिली, नई दिल्ली (1/2 भाग)।

> सुनील चीपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर भायुक्त (निरीक्षण) धर्जन टेंज-3, दिल्ली

सारीख: 9-9-1985

प्रकार बार्ड, डी. इत. एत.-----

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-म (1) के अधीन सूचना

नारव बदुकार

कार्यालय, बहाबक वायकर जाब्क्स (निरक्षिण)

म्रर्जन रेंज-3, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांदा 9 स्तिम्बर 1985

सं ॰ ग्राई ॰ ए॰ सी । /एक्यू / 3/एस ग्राप-3/1-85/976:---ग्रतः मुझे, सूनी ल चौपड़ा,

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जित इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' महा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्तम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानन पार्थात, किन्ना उक्ति वाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संख्या एस-196, है तथा जो पंचिशिला पार्क, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रन्सूची: में पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रें कर्ता ग्रीधवारी के दार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रें करण ग्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, तारीख जनवरी, 1985

को पूर्वीक्त मन्यति के तिचन वाज्यर यूल्य से कास के दश्यमान विश्वक के लिए अन्वरित की नहीं हैं बीर सुक्षे कह विश्वक के तिल् अन्वरित की नहीं हैं बीर सुक्षे कह विश्वक के प्रति का उचित बाजार मृज्य , उसके दश्यमान अतिकास ने , एने दश्यमान अतिकास का गंद्रह प्रतिस्त से अधिक हैं और अंतरक (लंतरकों) और अंतरिती (लंतरियिका) के कोन एसे अवस्था के लिए तय याया गया असिक्त का निम्तिकार उद्देशिय सन्तन कत्र एसे निम्तिकार उद्देशिय सन्तन कत्र एसे निम्तिकार से सम्वरिक क्ष्य में किथन नहीं किया गया हैं

- (क) अन्तरण सं हुए चित्री बाव की बावरा, उच्छ विधिनिक्त के अधीन कर दोने के अन्तरक की की जर्ब में करी करने या उससे वचने में सुविधा के सिक्; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी भन वा अस्थ जास्तिवीं को, जिन्हों भारतीय आनक्षर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती इवाय प्रकट नहीं किया ग्या था था किया जाना चाहिए था, कियाने में मुविधा के निए;

श्री दिवान चन्द कालरा,
 358, चिराग दिल्ली, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

 श्री अमर्जात सिंह साह, सी-118, शक्ति नगर, एक्सटेन्शन, दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को वह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त संपर्ति के वर्षन के जिल्ला कार्यवाहियां करता हुं।

इक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ⊱ 🗝

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अविधि, जो धी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्मिक्ट में किसी व्यक्ति हवारा;
- (ण) इस सूचना वे राजपत्र मों प्रकाशन की तारीच हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हिलबद्ध किसी बन्य व्यक्ति क्यारा अधाइस्ताक्षरी के शाद्ध लिखित मों किए जा सकों ने ।

स्वक्तीकरण :---इसमें प्रयुक्त सन्धें बीर वर्षे का, को उच्छ विधिनयम के अध्याद 20-क में वरिधार्मिक्ड हैं, वहीं वर्ष होगा के उच वध्याय में दिवा वृक्षा हैं।

अनुसूची

1/1-2, मंजिल हाउस, नं॰ एस-196, पंचिशला पाकै, नई दिल्ली।

सुनील चौपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, दिल्ली

तारीख: 9--9--1985

अक्ष बाह : हा . एन . एन . ----

नार्थकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

मारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-3, दिल्ली

बम्बई, दिनाँक 10 स्तिम्त्रर 1985

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस ग्रार-3/1-85/ 977---श्रतः मुझे, स्नील चोपड़ा,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें असके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- हैं अधीन सक्षम लिधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- का से अधिक हैं

स्रौर जिस्की संख्या टी-10 है तथा जो प्रीन पार्क, एक्सटेंशन, नंई विल्ली में स्थित है (स्रौर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप मे विणत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, नई विल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख जनवरी, 1985

की पूर्विका सम्पन्ति के अधिकार शाखार माल्य में कम के दश्यमान शितफल के लिए जन्मरित की गर्ड है बार गुरु एक विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्बत्ति का जिच्त बाजार मुल्क, उसके दश्यमान प्रतिफल में, एसि नश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत में अभिक है और अंतरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितिगाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य गया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण जिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त श्रीधीनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे अचने में स्विधा के लिए; बार/या
- (क्षं एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 दा 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अस्तितियों दिनारा प्रयास किया विद्यार विकास की लिए;

अत: भब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में में, उक्त अधिनियम की धारा-269-च की उपधारा (1) के अर्थ किम्मीलसित कारिक्यों स्थात्:—

- 1. श्री सी० एतल पुरी,
 - (2) श्री नितित पुरी
 - (3) श्रीमती कृष्णा पुरी, निवासी एरा०-488, ग्रैटर कैनाण-1, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्रीमती शिला मोधे पत्नी श्री आरं सी मोधे वाई-42, होज खास, इक्बलेव, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

का यह सम्बना जारा करक पूर्वांक्त सम्बन्धि से अर्थन के निए निए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध 🥍 कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी बन्धि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (का) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशित की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पार लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बीधिनियम के अध्वास 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, ओ उस अध्याय में दिया गुवा है।

अन<u>ु</u>सूची

1/8 भाग, भूमि तांदादी 322 वर्ग गज, टी-10, ग्रीन पार्क एक्सटेन्शन, नई दिल्ली तथा भवन।

> सुनील चोपड़ा जक्षम प्राधिारी गहायक त्रायक शायुक्त (जिरीक्षण) अर्जन रोज-3, नई दिल्ली

तारीख: 10-9-1985

भारत चंतुकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 3 दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 9 सितम्बर, 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एवयू/3/एस आर-3/15/5/ 978:--अतः स्झे, सुनील चौपडा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके प्रचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मृख्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिनकी संख्या 3, जानन्द लोक, है तथा जो श्राम मस्जिद मोठ, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप व वर्षणा है), रिजस्ट्रीजर्मा अधिकारी के कार्यात्य नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख जोरवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित्र बाजार मूल्य स कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और भूके यह विद्यास हरने का कारण है कि प्रधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार कृष्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रविफल के क्लूह प्रतिकास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरकी (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के न्लिए तय पाया क्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त जन्तरण निचित में बास्तिक रूप से किथा नहीं किया गणा हैं:—

- (क) बन्तरण में हुए किसी भाव की वावस, उक्त - अभिनयम के अभीन कर योगे के अन्तरक के बाबित्य में कमी करने या उससे गणमें में सुविधा के लिए; बार/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों की चिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तारित द्वारा प्रकट नहीं किया गय। या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सृतिया के लिए।

कतः बंब, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अनुसरण बं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) क्षे अधीर मिन्निस्तिकित व्यक्तियों, नवांत् क्ष्म श्री जोगिन्द्र सिंह बिन्दरा
 पुत्र श्री चरन सिंह बिन्दरा,
 निवासी बी-3/43 एपार्टमेंट
 महरौली रोड, नई दिल्ली।
 (2) श्री मोहिन्द्र पाल सिंह बिन्दरा
 पुत्र श्री चरन सिंह बिन्दरा
 निवासी 9 मंगल, बिल्डिंग, बिहाइन्ड स्टेंट बैंक,
 चांदनी चौंक, दिल्ली।

(अन्तरक्)

- 2. श्री इन्दर मोहन खानिया
 - (2) श्रीमती कष्णा खानिजा,
 - (3) श्री मुमित खानिया
 - (4) मास्टर अमित खानिजा निवासी बी-223- सी०, ग्रेटर कैलाम-1, नई दिल्ली.

(अन्तिरिती)

को यह स्थनः अपरी करकं पूर्वोक्त सभ्यति के वर्षन के त्याप् कार्यवाहिया कारता हो।

उनत सम्परित के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेण :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराँख से 45 दिन की अविध पा तत्सम्बन्धी व्यक्तिया पर सचना की नामीज जे 30 दिन की अविधि, जा भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तरिक्ष से 45 दिन के भीतर उन्हें स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के शास लिखित में दिन्य का सकींगी।

रक्तक किरणः — इसकें प्रयुक्त धन्यों जीर वर्षों का, जो समत विधितियम के सभ्याय 20-क में परिभवित हैं वहीं कर्ष होगा को उस अभ्याय में विधा गया है।

19.0

प्रो० नं० 3, तादादी 793, वर्ग गण, जानन्द्र लाक, एरिया मस्जिद मौठ, नई दिल्ली ।

> मुनीच वीपड़ा, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (किरीक्षण) अर्जन रेंज-3, दिल्ली

नारीख: 9--9-1985

हर:

1014

त्रक्ष्य भक्षाः ठी. एषः एषः व्यवस्थानम

बायकर आर्थानयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के सभीन सुचना

भारत तरकार

कार्यांसय, सङ्गयक आयकर वाय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 सितम्बर, 1985

निर्देश सं० आई० ए० मी०/एक्यू/3/एस आ $\tau-4/1-85/1413$ —अतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें धुन्न प्रवाद (उन्त अधिनियम) कहा गया है), की भारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्वास करने का कारण कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी संख्या प्लाट नं० 4, खल्पा नं० 411, है तथा जो हरी कृष्ण नगर, दिल्ली में स्थित है (भार इससे उपा खढ़ अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास अरने का कारण है कि ब्थापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाचार वृश्व, स्वके क्यमान प्रतिफल से ऐसे व्ययमान प्रतिफल का बुल्क् प्रतिवाद ने मीचक है बार बंदारक (बंदारकों) नीर अंतरिती (बंदिशिक्ति) ने बीच रूपे नम्बरण के लिए हम बाबा गया प्रति-का विश्वविद्या क्यारय से स्वय बंदरम विद्या के पास्तुविक क्य से कथित नहीं किया गया है है—

- [10] व्यवस्य वं सूर्य निकार वाय का बावद वाय का क्ष्मित्त के वाय के वधीन कार दोने के बंदरक के दायित्व में कमी कार्य मा उपसे वचने में स्विधा के लिए ब्रीडि/वा
- (क) होती निक्की नाथ ना निक्की पन ना करण जास्तियों की, जिन्ही शास्त्रीय सामकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) मा उनत अधिनियम, रा धन-कर वधिनियम, 1957 (1957 का 27) वो प्रयोखनार्थ मन्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं मिना प्रवा वा वा जिला भागा नाहिए ना, कियाने में सुनिधा को निक्का

कतः अव, उक्न अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण जें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) क अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्रीमती सुमित्रा देवी
 डी/भ्रो दिवान ष्टहल बन्द
 पत्नी श्री बिहारी लाल नागपाल,
 निवासी एच-15 बी, साकेत,
 नई दिल्ली।

(अन्तरक)

श्रीमती स्नेहलता जैन
पत्नी श्री विजय कुमार जैन,
निवासी 1580 ई/1, नवीन शाहदरा,
दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सृष्णा जारी करके प्वोक्त संपरित के बर्जन के लिए कार्यवाहिया शृष्ट करता हुए।

उन्त संपरित के नर्जन के संबंध में कोई भी जाकीप .---

- (क) इस सूचना की राजपत्र में प्रकाशन की शारीश से 45 बिन की सबिध या तत्संबंधी ज्यवित्रयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जविध, को भी विविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त स्विक्त में से किसी स्वित इवारा;
- (व) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहम्ताक्षरी के पास लिखित में किए प्रा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त कव्यों और पवों का, जो उक्त वार्षितियम के अध्याय 20-क में प्रिशाविक है, वहीं वर्ष होंगा को उस मध्याय में किया गवा है।

अन्स्ची

एक मंजिला, एक बिल्डिंग बमय तहत आराजी लगभग 202 वर्ग गज, मुदरजे प्लाट नं० 4, खसरा नं० 411, वाक्या रकबा मीजा उल्देभपुर अन्दरून आबादी, हरी कृष्ण नगर, ब्लाक 'बी' अन्दरून हदूद कमेटी, शाह्दरा, दिल्ली।

सुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-3, दिल्ली

तारीख : 9--9--1985

मांहर:

अक्न बार्ड . ट. एन . एक . - - ---

भरवष्कर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुमना

नारत सरकार

मार्यासक, संद्यासक बायकर आयुक्स (निरीक्षण)

अर्जन रैंन-3, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनां र 13 शिलम्बर, 1985

निदेण सं० आई० ए० मी०/एक्यू/3/एस० आर०−4/1− 85/1414:--अतः मुझे, सुनील चौपड़ा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उनत अधिनियम कहा गवा है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विक्यान करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या ई० 14/68 कृष्णा नगर है तथा जो दिल्ली में स्थित है (श्रीप इस्ति उपाबद्ध जनुसूची में पूर्ण रूप ने विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ला जिल्लारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी,

को प्रवोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मृन्य सं कम क क्षत्रमान इतिमन के लिए कन्तरित की गद्द हैं भर मुझे वह विश्वास करने का कारण हैं कि यथाप्योंक्त सम्मत्ति का उचित वाजार मृत्य, उसके क्ष्यभान प्रतिकत से, एसे अव्यक्षन प्रतिकत का पन्तर प्रतिकत से अधिक हैं और कम्बरक (अन्तरकों) बार कम्बरित (जन्तरितियों) के वीच एसं अन्तर्थ के लिए तय गया गया प्रतिकत, निम्नांतिकत उद्देश्य के उचित कन्तरण लिक्ति में गास्तिक रूप से कवित नहीं क्षिया गया है:—

- (क) अन्तरण ल हुइं किसी आग की बाबत उक्त अभिनियत के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में अभी करने या उसस बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (क) पाँछी किली जान या किसी का ना कत्य अस्तियों को विक् अस्तिया नामकर विभिन्निक, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या भने-कर अधिनिक्म, 1957 (1957 का 27) के अध्येशनार्थ अन्तिरिता द्वारा प्रकट नहीं किया गया का सा किया जाना चाहिए का कियाने में सुनिधा के निए;

करु कर, उक्त आंधित्यम की धार 269-ग के वनुस्य को, की, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीत, निर्मानिसित स्मिनितमों, अभाति कर् श्री झांगी पाम सुपुत्र श्री रतन चन्द निवासी 13 2बी, पश्चिमी आजाद नगर, दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्रीमती शीला रानी चुग धर्म पत्नी श्री सूरज प्रकाश चुग निवासी /240, कैलाश नगर, दिल्ली-31।

(अन्तरिती)

का मह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्ववाहियां २७ करता हूं।

श्वत शर्मात से कर्मन से क्रमण में कोई भी क्रमण :---

- (क) इत सूचना के एक्थन में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की अनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाम की तामील से 30 दिन की नगीं। जो भी मूंबीय कार में तक्ष्म होती हो, से मौतर पूर्वीयत स्विवता हों में किसी व्यक्ति हुए।
- (क) इस नुवना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर सम्बन्धि में दिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहरसाक्षरी के
 पास लिकित में किए जा सकोगे।

स्थव्योकरण :---इसमा प्रयास्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा, जो उस अध्याय में विश पदा है।

erri

संख्या एफ-14/6 सी, कृष्णा नगर, दिल्ली, तादादी 55 वर्ग गज,

मुनील चौपड़ा, सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, दिल्ली

तारीख: 13-9-1985

प्ररूप आहें.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ष (1) के अधीन सुचना

المراجع المراجع المستوالين المراجع الم

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रार्जन रज-3 दिल्ली

दिल्ली, दिनां र 6 सिहम्बर 1985

सं श्राई । ए० सीं /एक्यू/3/एस श्रार-4/1-85/1415:-अत: मुझे, सुनील चौपड़ा,

शायकार प्रीधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रधात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का सारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका डिंबत बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिनकी संख्या खररा न० 1948/824/3. है तथा जो प्रो० नं० 38. ईस्ट कृष्णा तगर, दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप के प्रिश्त हैं), रिजिम्ही कृती अधितारी के त्यांच्य, नई दिल्ली में भारतीय रिजिस्हीं क्रिंग अधितियम, 1908 (1908 त 16) के अधीर, तारीख जनवरीं, 1985

को पूर्णेक्त संपरित के उत्तित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान बितफल के सिए अंतरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृत्रोंकत संपरित का उपित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसं दश्यमान प्रतिफल का पम्द्रह ब्रितिसत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एस अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उन्तर अन्तरण लिखित भें बास्य विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्धरण संहुष्ट किसी नाथ का वास्त, अक्ष्म अधिनियम को सभीन करं दोने को अन्तरक को दानित्व में कभी करने या उससे ब्याने में धुनिशा को लिए; बीर/मा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां. जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जिल्ला अधिनियम या धन-कर अधिनियम या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयांजनार्थ अन्तरिता द्वारा प्रस्ट नहीं किया गया था या किया वाना शाहिए था, कियाने में सुविधा में सिए;

श्रत: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण मो, मौ उक्त प्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निस्निसिश्चित व्यक्तियों, अधीत :—— डा० सुनींल भटनागर पुत्र श्री टाजेन्द्र तगर भटनागर, निवासी हाउन ने डी 5स10, कृष्णा नगर, दिल्ली।

(श्रन्सरक)

2. डा० राजेन्द्रा कृमार भटनागर पुत्र श्री बिजन लाल भटनागर, निवासी डीं-5/10, कृष्णा नगर, दिल्ली।

(भ्रन्तरितीं)

की यह सूचना आरी करके पृथीकत सम्परित के अजन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

राक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कांचे भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तरहं तथी स्थानित को पर स्थान की तामील से 30 दिल्ला कि कि मील प्रविद्या अविध बाद में समाप्त होती हों, के भीलर प्रविद्य स्वित्त को से से किसी स्थानिक द्वारा;
- (क) इस सूचना के काजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पृष्ट सिखिल में किए का सर्वारा

स्पट्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जीविनवम को अन्यत्य 20-क मी परिभाषित हैं, बहु। अथ आग्या, जो उस अध्यास मी दिया गया है।

जन्सूची

तादादीं 166 वर्ग गच, प्रो० नं० 38, खमरा नं० 1948 /824/3, ईस्ट कृष्णा नगर, दिल्ली।

> सृतील चौपड़ा, सक्षम प्राधिक्षारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरोक्षण) स्रर्जन-रेंज 3, दिख्ली

तारीख: 9-9-1985

WEN ALE . .

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

भारत सरकार

भागक आएकर कायका (नियासमा) अर्जन रेंज 3 दिल्ली, नई दिल्ली, दिनांक 9 नियम्बर 1 985 निदेश संब आई० ए० सीं०/एक्यू/3/एस आर-4/1-85/

1416-- प्रतः मुझे, सुनील चौपड़ा,

हासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें हरके परकात् 'छेक्स अधिनियम' कहा गया है।, की धारा 269-स े अधी संश्म प्राधिकारी के यह दिखास करने का आएम है कि स्थावर संपन्ति जिसका उचित उपजार मृस्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

और जिसकीं संख्या जे-1/10, है तथा जो कृष्णा नगर, ग्राम गोन्डलीं, दिल्लीं में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध ग्रन्स्चीं में पूर्ण एप से वर्णित है), रिक्ट्रीं त्ती रिधिवारीं के कार्यालय, नई दिल्लीं में भारतीय रिक्ट्रीं रण ग्रिथिनियम, 1908 (1908 रा 16) के अधीन, तारीख जनवरीं, 1985

को पूर्विक्त करमाँ ति के उचित बाजार मृज्य से कम के स्वयमान गांतफल के लिए। कस्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण। है कि यथापृत्वित संपन्ति का अचित बाजार मृज्य, उसके स्वयामा प्रतिकत से. एसे स्वयमान प्रतिकत का पंद्रह प्रतिकात से विधिक है और अंतरका (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितिगाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तब भामा गया प्रतिकत निकालिक उद्देक्य य सकत बन्तरण लिकित में अस्तिवह न असे किया नहीं किया गया है:--

- (क) बन्तरिय वं हुई किशी बाय की बाबत, उपक विद्यानियम के बचीय कर दोने के बुन्तरूक में शक्तिय में कभी करने या उससे गयने में सुरिन्धा के जिए; मीर/या
- (क) श्रेसी किसी बाय या किसी धन या जन्य बास्तियों को जाह भारतीय बायकर अधिनियम. 1922 (1922 का 11) या उक्क अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, विस्ति , 1957 (1957 का 27) के अयोधनार्थ करूमी ती इंजारा एकर नहीं किया एया था या किया थालिय बालियों का भारियों था, फियान में सर्विधा के लिए,

श्रकः अत्र अन्त द्रिभिनियम की भारत 260 ग जे अनसरण क्रिके प्रिक्त क्रिकित्यम की भारत १५०-घ की न्यामाना (1) के बभीन, निम्नीतिखित व्यक्तियों, अर्थात् .

- श्रीमती बुसुम तन्याः ।
 पत्नी श्री जगदीश तलवार,
 - (2) श्रीमती सुमन नहंगल पत्नी श्री क्षेत्र नागयण महमल
 - (3) श्रीमतीं मल मेहरा पत्नीं श्री जवाहर कृष्ण मेहरा, निवासीं ए-23, रिंग रीड, लाजपत नगर-4 नई दिल्लीं। नई दिल्लीं।

(अन्तरक)

2. श्रीं दर्शन लाल पुत्र श्री दिवान चन्द िवासीं मीं ए 1/12, कृष्ण नगर, दिल्लीं (2) श्री प्रेम प्रकाश पुत्र श्री पिशीरीं लाल, कृष्णा नगर, ग्राम गोन्डली, दिल्ली।

(ग्रन्तरितीं)

का यह मुखना आरी करके प्रोंक्त सम्पत्ति के वर्षक के जिल्ला कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के उर्वत के संबंध में कोई भी बाक्षप :--

- (क) इस मुखला के राज्यात में पकाइन की तारीख सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे किंत कर्णकरणों में किसी स्थानित दशराः
- (ब) इस गचन के राजपत्र में प्रकासन की तारींस के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी बन्य व्यक्ति द्वाय, अधोहरताक्षरी के एक सिसित में किए का स्केंचे।

स्यक्टीकरण:—इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों सा, वा उपल अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहाँ 'कर्थ होता, को समासध्यास में दिया गया है।

अनुसूचा

बनीं हुई प्रो० प्लाट नं \circ जे-1/10, तादादीं 118-1/18 वर्ग गज, कृष्णा नगर, ग्राम गोन्डलीं, दिल्लीं।

सुनील चौपड़ा, सक्षम प्राधिकारी व्यकर ग्रायक्त (निरीक्षण)

सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज ३, दिल्ली

तारोख: 9-9-1985

प्रकल नार्दे हो हो हुन हुन हुन क्षा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

भाविलय, सहायक आयकर जायकत (निरीक्षक) अर्जन रेंज 3 दिल्लीं

नई दिल्लीं, विनांक 10 सितम्बर 1985 निवेश सं० आई० ए० सीं०/एक्यू/3/एम आर--4/1-85/ 1417-अतः मुझे, सुनील चौपड़ा,

असकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सकाम प्राणिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उजित वाजार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या जे-1/10. है तथा जो कृष्ण तगर, इलाका, णाहदरा, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी,

को वृत्तींकम सम्मित के उषित बाजार मूल्य से तम के इत्यमान शीतरात को किए जन्तिरित की गई हैं और मूक्ते यह विकास करने का छारण है कि यथापूर्वोंकत सम्मित का उधित बालार मूल्य, रुसफ़े रक्यमान प्रतिकास से होसे इत्यमान प्रक्षिणक का कबह प्रतिकास से बीधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितों (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकास निम्निलिख उक्वोय से उक्क अंतरण हिस्बित में बास्तीवक क्य से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अंतरण ते हुइ किती अंत की नावत, उचत श्रीधीनश्रम के जभीन कार बेने के अंतरक के बादित्व में कभी कारने वा उसने वचने में स्विधा के किए, और/शा
- (क) ऐथी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों की विक् भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अर्थ प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धो या किया जाना वाहिए भा, ज्यिपाने में मुविधा से लिए:

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, हैं कि जिपिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के व्यक्ति, निम्मतिबत्त अधिनतमों, अर्थात् हिन्स श्रीमती कुनुम तत्त्वार पत्नी श्री जगदीण तलवार श्रीमती पुमन हिंगा पत्नी श्री कंवल नारायण सहगल, श्रीमती तमल भहरा, पत्नी श्री जवाहर ाल कृष्ण मेहरा, निवासी— 3, ब्लाल ए, रिंग रोड, लाजपत नगर, नश्री दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

श्री बलदेश राय और श्री जीवन दास,
निवासी ए-4/9, कृष्णा नगर, दिल्ली
 (2) श्री यगपाल पुत्र श्री राम जी दास,
निवासी -6, साउथ श्रनार, क्ली एक्सटेन्णन,
दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

 श्रेष्ठ सुक्षतः वारी करकं पूर्वाक्त सम्यां के अर्थन के किय कार्यनाहिया युक्त करता हा ।
 सक्त सम्यतिक के एकार के सम्बन्ध यो कीर्य भी कार्यण क्रिक्त

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 किस की जबभि पत्सक्तन्थी व्यक्तियाँ अक सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियाँ में से किसी क्यकि, नारा:

स्वक्रीकरणः - इतमें प्रमुक्त शब्दों जौर पदों का, को उन्हें जीभीनियम के अध्याय 20-के में परिभावित हों, वहां अब होगा को उस अध्याय में दिया कहा है।

वन्त्वी

बनी हुई प्रो० प्लाट नं० जे-1/10, तादादी 118/1/18 पर्ग गज, कृष्णा नगर, ग्राम गोन्डली, इत्यका, शाहदरा, विल्ली-5।

सुनील चौपड़ा, गंज़म प्राधिकारी सहाय रुग्रायकर क्रायुक्त (निरीक्षण) क्षर्जन रेंज-3, दिल्ली,

नारोख: 10--9-1985

मोहर 🙃

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस. ------

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) को अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर वायुक्त (निरुक्तिण)

श्चर्जन रेंज 3 दिल्लीं नई दिल्लीं, दिनांक 9 सितम्बर 1985 निदेश सं० श्चाई० ए० सीं०/एक्यू/3/एस श्चार-4/1-85/ 1418--श्चत: मुझे, स्तील चौपड़ा,

आयकर किथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है "क स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकीं संख्या जे-1/10, है तथा जो कृष्णा नगर, ग्राम गोडलीं, दिल्लीं में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध श्रमुसूची में पूर्ण रूप से चूर्णित हैं), रजिस्ट्रींकर्ता श्रधिकारीं के कार्यालय, नई दिल्लीं में भारतीय रजिस्ट्रींकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधींन, नारीख जनवरीं, 1985

का पूर्विक्त सम्हित के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती अभ्वितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया नव प्रतिफल निम्नलिसित उद्वेष्य से उक्स अन्तरण लिसित में बास्तियक स्प से किशत नहीं किया गया है र—

- (वा) जनसरण से हुए किसी बाय की बावस , जनक निविध्यम के मधीन कर दोने के अन्तरक के सोयत्व वो सभी करने वा वसके क्यमें में बृद्धिया के लिए; भीए/वा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, विन्हें भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गमा था या किया जाना थाहिए था, छिपाने में तुविधा के निए:

अतः तव, उक्त अधिनियम की भारा 269-न **से मन्दरन** में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित् :----44—296QI|85

- श्री कुमुम नत्रवार पत्नी श्री जगदींण नत्रवार
 - (2) श्रीमिती मुमन सहगल पत्नी श्री कंवल नारायण पत्नी श्री सहगल,
 - (3) श्रीमतीं वसल मेहरा पत्नीं श्री जवाहर कृष्णा, मेहरा, निवासी ए-23, रिंग रोड, लाजपन नगर-4, नष्ठ दिल्लीं।

(अन्तरिती)

2. श्री भारत प्रकाम चौपड़ा पुत्न श्री बाल कृष्णा चौपड़ा, निवासीं सीं ए. 1/12, कृष्णा नगर, दिल्लीं।

(श्रन्तरितीं)

को बहु सुचना चारी करने प्वांनत सम्पत्ति में वर्षन के जिल्ला कार्यवाहियां करता हूं।

वक्ष कम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाध्येप्:--

- (क) इस बुबना के रायपुत्र में प्रकाशन की तारीं हु हैं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूजना की तामीस से 30 दिन की जबिध, जो भी जबिध वाद में बनाय होती हो, के भीतर प्रांवर व्यक्तियों में सिक्ती व्यक्ति हुनाए;
- (क) इक सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीश है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वर्ष किसी अन्य व्यक्ति हवारा, वभोहस्ताक्षती के पास निवित्त में किये वा सकेंगे।

स्वक्यकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के सभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होणा जो उस अभ्याय में दिया मया है।

अनुस्ची

बनीं हुई प्रो०, प्लाट नं० जे-1/10, तादावीं 118/1/18, बर्ग गज, कृष्णा नगर, ग्राम गोन्डलीं, दिल्लीं।

सुनील चौपड़ा, सक्षम प्राधिकारी

सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-3, दिल्ली

नारीख: 9-9-1985

मोहर 🖁

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-3, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 सितम्बर 1985 सं० आई० ए० सी०/एक्यू/3/एस आए-4/1-85/1420-अत: मुझे, मुनील चींगड़ा,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या 167 बी, ब्लाक जी है ई तथा जो खसरा नं 1076/5. 12/921, दिलगाद कालोनी दिल्ली, में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय. नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं काम के स्वयमान प्रिकास करने का तरण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित क्षाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्निचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की, बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिवाने में सुविधा की लए:

अतः अग, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, मैं,, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, गिम्नलिखित व्यक्तियों, अधीस :—

श्रीमती आशा गुअलारी
पत्नी श्री बी० सी० शर्मा,
श्रीमती मन्तोय एस्तोगी,
पत्नी श्री के० आए० रस्तोगी,
निवासी मी 7/5, माउल टाउन,
दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्री एन० के० कौशिक पुत्र श्री आग० एन० शर्मा, निवासी एच~12, चन्दर नगर, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्षन के संबंध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अबिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत अविकारों में किसी व्यक्ति सुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य करिल द्वारा प्रश्लेदस्ताक्षरी के पास जिबित में किए जा सकरें।

स्यक्तीकरण:---इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्योका, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित क्ष्णै, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं:

अनुस्ची

मकान बनी हुई बैरिंग प्लाट नं० 1672 बी, ब्लाक सी, कृषि तादादी 175 बर्ग गज, खसरा नं० 1076/5/2/921, ग्राम झिलमिल नाहिर पूर दिलणाद कालोनी, दिल्ली ।

सुनील चौपड़ा, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, दिल्ली नई दिल्ली

तारीख: 12-9-1985

प्रकृप आई. टी. एत. एस. - -

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की পাৰ এ৪৬% (1) জ লখীৰ **দ্যান**

M134 A3413

कार्यालय, तहायक नायकर नाम्कत (निरोक्तक)

अर्जन रेंज-3, दिल्ली

दिल्ली, दिनांक 13 कितम्बर, 1985

मं० आई० ए० सी०/एक् $\chi/3/एम$ आ२०-4/1-85/1419--अतः मुझे, सुनील जॅशड़ा,

कायकर किंपिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति. जिसका उचित वाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

प्रीर जिसकी संख्या प्लाट नं क जे-1/10 है तथा जो कृष्णा नगर, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण का से बुर्णित है), र्राजस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय र्राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1985। को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल का स्वयं स्थाप्त ग्रीतफल का स्वयं स्थाप्त ग्रीतफल का स्वयं स्थाप्त ग्रीतफल का स्वयं स्थाप ग्रीतफल का स्वयं प्रतिफल के स्वयं प्रतिफल का स्वयं प्रतिफल के स्वयं प्रतिफल का स्वयं प्रतिफल के सिक्त का स्वयं प्रतिफल का स्वयं प्रतिक संवयं प्रतिक का स्वयं का स्वयं प्रतिक का स्वयं प्रतिक का स्वयं प्रतिक का स्वयं प्रतिक का स्वयं का स्वयं प्रतिक का स्वयं का स्वय

- (क) कल्काहरू से हुन्दं निक्ती नाम की सावत उपक विधिनियम के अभीन कर धेने के अन्तरक के स्विष्य में कभी कड़ने या उत्तरे दवने में सुनिधा के लिए; और्√या
- (क) एंसी किसी कांग था किसी धन् वा अन्य वास्तिवाँ कर्म, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या अस-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरियों द्वारा प्रकट नहीं किया गया या का किया जाना पाहिए था, जियाने में सृतिका के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभाषा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- श्रीमती कुसुम तलवार पत्नी श्री जगदीम तलवार,
- 2 श्रीमती सुमन सहगल पत्नी श्री कवल नारायण सहगल
- 3 श्रीमती कमल मेहरा पत्नी पत्नी श्री जवाहर कृष्ण मेहरा, निवासी ए-23, रिंग रोड, लाजपत नगर-4, भाग-2, नई दिल्ली।

(अन्तर्क)

श्री कृष्ण लाल पुत्र श्री जीवन दास, निवासी-77, अनार कली ऐकसटेणन, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यनाहिया करता हां।

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 विन की सर्वीय या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की सर्वीय, जो भी सर्वीय क्षेत्र में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (व) १व व्यक्ता के राज्यम के प्रकाशन की तारीश के 45 विश्व के प्रीत्र उक्त स्थान्य सम्मस्ति के हितबद्वभ किया कमा क्षित इंगास अभोहस्ताकरी के पास किया में किए का सकीये।

स्थळकिरणः---इतमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, वो उनत् सिंपिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्ष होगा को उस अध्यास में दिया नया है।

वन्स्वी

बनी हुई सम्पति, बना हुआ पिछला हिस्सा, प्लाप्ट नं ० जे-1/10, शादादी 118/189 वर्ग गज, स्थिल कृष्णा नगर, ग्राम गान्दली, दिल्ली-51।

मुनील चौपड़ा सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-3, नई दिल्ली

तारीख: 13-9-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर लिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अभीन सुचना

भारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर बाय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनां 🕆 8 सितम्बर, 1985

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/~ रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संख्या 302, है तथा जो 20, युसुफ सराय, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में विणत है), के कार्यालय, अर्जन रेज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961, के अधीन, नारीख जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खरमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह बिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्मह प्रतिशत से आधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वोक्य से उन्त अंतरण लिखित में बास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर वेने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

 मै० श्रोक्सफोर्ड इंजिनियरिंग प्रा० लि०, 18/48, कर्माणयल काम्पलेबम, माल्चा मार्ग, डिपलोमैटिक, इन क्लेब, नई दिल्ली।

(अन्तर्क)

 श्रीमती ए० लीला संक्टर III /567, आर० के० पुरम, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को बह सूचना बारी करकें पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तायंख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

असमधी

फ्लैंट नं० 302, तीसरी मंजिल, 'ओरिएन्टल, एपार्टमेंट, 20, युसुफ सराय, नई दिल्ली, तादादी 404.51 वर्ग फिट

> सुनील घौपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली

असः अध , उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में , में , उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन , निम्नलिखित स्थिकतमों , सर्थात् :---

तारीख: 8−9-1985

प्रकार वार्षेत्र श्रीत एकः एकः ====

नापकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अभीन स्णाना

मारत सरकाह

कार्यालय, सहायक नायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 सितम्बर 1985

सं० आई० ए० सी/एक्पू/3/37ईई/1-85/745--अतः मुझे, सुतील चौपड़ा,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसम इसके प्रवात 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मून्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्राँर जिसकी सं० 311, है तथा जो 19 यूमफ मराय, नई दिल्ली में स्थित है (ग्राँर इसमें उपाबद अनुमूची में पूर्ण इस से विणित है), कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961, के अधीन, तारीख जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार बृत्य से कम के क्रियमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उचित बाजार मृत्य, उसके क्रियमान प्रतिफल से, एसे क्रियमान प्रतिफल का पत्यह प्रतिकृत से विभिक्त हैं बौर बन्तरक (बन्दरकों) बौर बंदरिती (बंदरितियाँ) के बीच एसे बंदरण के तिस तम पामा व्या प्रतिफल निम्नतिकित उद्वेषय से बच्च बंदरण किवित में बास्त्यिक क्ष से कथित नहीं विका यहा है है—

- (क) बंतरण में हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कार दोने की बन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे ब्यने में सुद्रिशा के बिए; बॉड√या
- (ख) एसी किसी आय या किसी थन या बन्य बास्तियों करें, जिन्हों भारतीय आयु-कर सिधीनक्स, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर सुधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया प्रया था या किया वाना चाहिए था, छिपाने में सुन्या के बिए;

 मैं० बोम्बे बिल्डर्स (इण्डिया) प्रा० लि०, 18/48 कमिशयल काम्पलेक्स, मास्वा मार्ग, डिपलोमैटिक इन क्लेब, नई दिल्ली

(अन्तरक)

 श्री एम० जितेन्द्र सिंह,
 14 न्यू डबल स्टोरी, एक्सटेन्शन लाजपत नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के तिब्
कार्यवाहियां सुरू करता हूं।

उक्त सम्पृति के अर्थन के संबंध में काई भी बाक्षप ६--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख़ से 45 दिन की अविध या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की दामीन से 30 दिन की नविध, जो भी नविध बाद में नमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवाद्य;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीन से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकोंगे।

स्वाक्ष्येक रण ६---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो क्वल अधिनियम को अध्याय 20-क में परिशाधिक हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

पलैंट नं० 311, तीसरी मंजिल, औरियेन्टस स्पार्टमेंट, 19, युसुफ सराय, कम्यूनिटी सेक्टर, नई दिल्ली, तादादी 405.87 वर्ग फिट।

सुनील चौपड़ा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली

बतः वब, उक्त विभिनिषम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त विभिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अभीन, निम्नृतिखित व्यक्तियों, अर्थान् ः—

तारीख: 9-9-1985

प्रकृप भार्च .टां.एन . एस ..-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायकत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3. नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 9 सितम्बर 1985 निर्देश मं० आई० ए० सी*०*|एन्यू०|3|37ईई|1-85| 746--अतः मुझे, मुनील चोपड्रा,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को बहु विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उत्तित बाजार मृल्य 100,000/- रु. से अधिक हैं

भ्रौर जिसकी सं 901, है तथा जो 6 राजेन्द्रा पलेस, पूसा रोड़, नई दिल्ली, में स्थित है (भ्रौर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण क्य में वर्णित है), के कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961, के अधीन तारीख जनवरी, 1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूम्से यह विद्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्स सम्पाद्य का उचित बाजार मूल्य उसके व्ययमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरका) और और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच अन्तरण के विए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नतिबित उद्देश्य से उक्त अन्त-

रण लिखिस में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आग या किसी अन या अन्य आस्तियों सते, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 क्या 11) या उस्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती बुवारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विका के सिद्धाः

वर्ष कर जन्त विधिनियम की पारा 269-न के वन्तर्थ में, में, उनत विधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियमें, अवादि ह— (1) श्री चन्दर मोहन गुण्ना, सुपुत्र श्री अर्जुनदास गुण्ता, 1/9, ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सरला अने जा, पत्नी स्व० श्री श्रो० पी० अने जा, निवासी-ई-85, कीर्ति नगर, नर्वं दिल्ली।

(अन्तरिती)

(3) मैंगर्स नोवा पोन इंडिया, लिमिटेड । (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए क्यार्चवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की वर्वाध या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की वविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः—हसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

ग्रनुसूची

फ्लैटन'०-901, 6, राजेन्द्रा फ्लेस, पूसा रोड, नई दिल्ली, तादादी-570, वर्ग फिट।

सुनील चौपड़ा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई *दिल्ली*

तारीख: 9-9-1985.

. प्रकृष् कार्ड्<u>टिक्न, एव.</u>------

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के बभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 सितम्बर, 1985

ं निर्देश सं० अई० ए० सी०/एक्यू०/3/37 ईई/1-85/747---अतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी का वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 321, है तथा जो 9. बिकाजीकामा पलेस नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में विणित है), के कार्यालय, अर्जन रेज-3, नई दिल्ली, में भारतीय आयकर अधिनिययम 1961, के अधीन तारीख, जनवरी, 1985

आयकर आधानययम 1961, के अधान ताराख, जनवरा, 1985 को पूर्वोक्त संपत्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान भित्रफल के लिए अन्तरित की गई है और मुओ यह विश्वास करने का कारण है कि संथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिकित में बाल्त विक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी भन या अन्य जारितयों को, जिन्हें भारतीय अनय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया मया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा के लिए;

कतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) दे सधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, जजति :--- (1) श्री रिवन्द्र कुमार सुपुत्र, श्री लक्ष्मन स्वरूप, 34, नेहरु बाजार, पहाइगंज, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री गुरदीन मिह बेदी, पुत्र श्री टी० एस० बेदी, 209, गोल्फ लिंक, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह स्वना बारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी शर्वीच बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृकारा;
- (स) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन की सारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकेंगे।

स्पष्टिकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त मिन-नियम के अध्याव 20-क में परिभाष्ति हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस मुध्याय में विवा गया हैं:॥

अनुसूची

पलैट नं ॰ 321, तीसरी मंजिल, 9, बिकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली, लाखादी 320 वर्ग फिट।

सुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण, अर्जन रेंज-3, दिल्ली नई दिल्ली

नारीख: 9-9-1985.

प्ररूप आई ्**टी**् **एन**् **१व**् -----

बायकर अभिनियन, 1961 (1961 का 43) की भारत 269--भ (1) के नभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 सितम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37-ईई/1-85/748--अतः मुक्षे,, सुनील चोपड़ा,

वायकार विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें प्रचात (जिसे अभिनियम) कहा गया हैं), की भाषा 269-व के बभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाद करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार अस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं ० बी – 31, प्लाट नं ० – 1 है तथा जो श्रोल्ड रोहतक रोड़, नई दिल्ली में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में पूर्ण रूप में विणत हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधक⊹री के कार्यालय, अर्जन रेंज – 3, नई दिल्ली, में भारतीय आयकर अधिनयम, 1961, 1961 का 43 के अधीन, तारीख जनवरी, 1985

को प्योक्त संपत्ति के उनित बाजार मृत्य से कम के क्यमान श्रीतक्त के तिए अन्तरित की नद्दं है और नृत्ते यह विश्वास जरने का कारण है कि समाप्तोंक्त सम्पत्ति का उनित वाजार स्थ्य, उसके क्यमान प्रतिक्त से, एसे क्यमान प्रतिक्त का पन्तर प्रतिकृत से अधिक है बीर बन्तरक (बन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिवा) के बीच एसे बन्तरक में तिए सम बाबा गवा प्रतिकृत निम्मतिनित उन्हों किया नवा है:—

- (क) बन्दरण वे हुई कियी मान की नावक व्यव वृद्धि-दिवय के बन्दिर कर दोने के बन्दरक के करित्य में कर्मी करने ना करवे जनमें में वृद्धिमा के किय; क्षेत्र/मा
- (क) होती किसी बाब या किसी बाब या बाब बारिस्तरी की, जिल्ही बाइसीन बाबकर विविधियम, 1922 (1922 का 11) वा अवह विविधियम या वत काड विभिन्नम् या वत काड विभिन्नम् । 1957 (1957 का 27) के प्रवेश-वार्व क्यांडिस क्यांडिस व्या वा या या किया जाना चाहिए या कियाने में सविधा के लिए:

बतः कर, उस्त बधिनियन की धारा 269-व में अनुबरण तें, तें, अका बधिनियन की घारा 269-व की क्रवारा (1) के त्रवींन⊋ निक्कियोंका व्यक्तियों, अंगीर क्र--- (1) रूपा कन्स्ट्रक्शन (प्रा०) लि०, जी—एल— 4, अशोका इस्टेट, बाराखम्बा रोड़, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती विजय लक्ष्मी गुप्ता, पत्नी श्री ज्ञान चन्द्र गुप्ता, निवासी--6, जोर बाग, मार्किट, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को बहु शुक्रता जारी करके पृथीकत सम्मत्ति के अर्थत के सिर्य कार्यवाहियों करता होत्।

जनत सम्परित के अर्धन के सम्बन्ध में काई भी नाक्षेत्र ह---

- (क) इस क्षता में जनन में प्रकारत की तारीय से 45 दिन की नवीं में उत्तारमा स्थानित मों पर त्यान की तानीय से 30 दिन की नवीं में भी नवीं वाद में संज्ञापत होती हो, के भीचर गुर्वेश्वत स्थितमां में से निक्ती स्थानत स्थार;
- (क) इस सूचना के रावपत्र में त्रकावन की तारीच के 45 दिन के शीलर उपव स्थानर तत्र्वरित में हित्तववध किसी सन्य व्यक्तित स्वास स्थाहरताक्षरी के वास विश्वति में किस था सकतें ।

प्रनुसूची

बेंसमेंन्ट नं० बी-31, प्लाट नं०-1, श्रील्ड रोहसक रोड़, दिल्ली, तादादी-275 वर्ग फिट।

> सुनील चोपड़ा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-3, दिल्ली

तारीख: 9-9-1985

प्रकृप बाइ. टी. एन. एस.-----

नामकर समिनियम, 1961 (1961 का 43) की गरा 269-व (1) से सभीन स्वता

भारत सरकार कार्याजयः, सहायक सायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3,नई विल्ली

मध दिल्ली, विनांक 9 सितम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/1-85/750--अत: मुझे, सुनील चोपड़ा,

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उच्चित बाजार अक्ष्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं ० पलैट पं ० 9 बी है तथा जो के -84, ग्रीत पार्क नई दिल्ली, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अतुसूची में पूर्ण रूप मे विणत है), रजिस्ट्री तो श्रीव तारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनियम, 1961, जनवरी-85

कर पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान ब्रांतफस के जिए कन्तरित की गई है और मुखे वह विक्वाब करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार बूम्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, ऐसे द्रयमान प्रतिफल का ब्रांच्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, ऐसे द्रयमान प्रतिफल का ब्रांच्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, ऐसे द्रयमान प्रतिफल का ब्रांच्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, ऐसे द्रयमान प्रतिफल का ब्रांचरितियों) के बीच ऐसे जनरण के लिए तब बाबा नवा प्रीह-फल निम्निसिंसत उद्वेष्य से उक्त बन्तरण सिविस्त में बास्त-विक कप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुए जिसी जाय की बावत, उक्क अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दावित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बार वा किसी वन वा अपन वास्तिनी को, विन्द्र नारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम वंश्वेषणकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्वाच प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जियाने में सुविधा के सिए;

- अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के अनुसरम बी, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1) को अधीन, पिम्निसित व्यक्तियों, अर्थात्:—— 45....296GI|85 (1) श्री पी० एस० जगपाल, एन्ड सन्स, (एच० यु० एफ०), जे-4, ग्रीत पार्क, नई विल्ली।

(अन्तरक)

(2) मै॰ गिक्त चैम,1130, रंग महल,नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को बह सूचना जारी करफो पूर्वोक्त संपत्ति को बर्जन को विश्व कार्ववाहियां करता हों।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चान के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की बनिभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तिकार पर स्वतः की तामीन से 30 दिन की अवभि, का भी अविध वाद में बमाप्त होती हो. के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्योत्त में जिल्ल-बहुभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के नास निस्ति के किए था दकींगे।

स्पव्योकरण: -- इसमें प्रयुक्त दृष्टों और पदों का, जो उक्त व्योधनियम, के अध्याय 20-के में परिभाष्यन हैं, वहीं अर्थ हमेंग जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

फ्लैट नं 9 बी, दूसरी मंजिल, तादावी; 400 वर्ग फिट, अन्डर कन्स्ट्रकशन बिल्डिंग, के-84, ग्रीन पार्क, मई विल्ली।

> सुनील चोपड़ा, सक्षम धिकाप्रारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली

सारीख: 9~9~1985.

प्ररूप मार्ड. टी. एन. एत. ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-५ (1) के अधीन सुचना

भारत सहसार

कार्यालय, सहायक आयकर श्रायकत (निरक्षिण) श्रर्जन रेप-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, निर्माः २ स्तिम्बर 1985

निर्देश सं० श्राई० ए० स ०/०वयू०/३/३७७-ईई/1- 85/751 --श्रनः भुझे, गुन.ल चोपड़ा,

आयकर लिशिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके पश्चात् 'उक्त लिशिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के लिशीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का शारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- ज. ले लिशिक है

और जिसकी संब 203 फ्यार नंव 6 है तथा कीफ्त्या पार्क होज खास नई किल्ली में फ्यित है (और इसरे उपायद अन्सूची में और पूर्ण क्य ने बणित है, आयों 11, प्रजंन रेंज नई दिल्ली, भारतीय श्रायकर श्राधिक्यिम 1961, तारीख अन्यरी, 1985

को पृथेक्ति सम्पान के एचित बाजार मृत्य सं कम के द्रश्यमाय प्रितिकल के लिए अन्तिर की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापुर्थोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल के एक्से रूप्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिखत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया जना प्रतिफल निक्सिलिंकन नद्यकारों से उस्त अन्तरण निक्सिलिंक के सिंपत नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुन्दे किसी बाय की बाबत, उनके जिसीनयुम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में अभी नारमें है। उसमें जबने में सर्विधा के किए; बर्टर या
- (कं एसी किसी आग वा किसी भन या अन्य बास्तिकों के जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयाकनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

क्त: जब, उक्त जीभीनयम की भारा 269-ग के जनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के बधीय, निम्निलिसित व्यक्तियों, अधारत :---- (1) कौगल्या एजुकेशनल ट्रस्ट, द्वारा, विवेक कपर, 11/48, पूसा रोड़, नई दिल्लों।

(प्रन्तरक)

(2) श्रा शरद राव, 204, राजा राम मोहन राय रोज, बोम्बे ।

(भन्तरिती)

को ग्रेह स्वना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता क्ष्में

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी ब्रम्भि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति इंग,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पाइ सिकित में किश जा सकींगं।

हमक्कीकरण:--इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया भवा है।

अनुसूची

पत्रैट नं०-203, यूनिट 'I', पहली मंजिल, प्लाट नं०-6, कौगल्या पार्क, हौज खास, नई हिल्ली ।

> सुनील घोपड़ा सक्षम प्रधिशारी, सहायक मायश्र मायुक्त (निर्राक्षण) धर्जन रेंज-3, दिल्ली -110002

तारी**ख**: 9-9-1985.

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक भायकर अत्रयुक्त (निरक्षिण) भर्जन रेंज-3, नंई दिल्की

नर्षे दिल्ली,दिनीक 9 सिसन्बर 1985

निर्देण सं० प्राई० ए० मी०/एकपू०/3/37 ईई/1-85/752 प्रतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक हैं स्था जो कौराल्या पार्क, न ई सिल्ला में स्थित हैं (और इससे उपाबद अरुधुजा में पूर्ण रूप से विण्ता हैं), के प्रायित्त्र, अर्जन रेंज-3, नई सिल्ला में, भारतां अप आया रूर अधिनियम, 1961 के अशंन, साराख जनकरं, 1985 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिरः की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से एसे स्थ्यमान प्रतिफल का

पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती

(अन्तरितियों) के बीचा ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिक्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में

बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त निवम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या ध्वेकर अधिनियम, या ध्वेकर अधिनियम, या ध्वेकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना थाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः इव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण की, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के सभीन, निम्मसिक्किक व्यक्तियों, सर्थात् ।——

 (1) कीशत्या एक्कुश्यनल दूस्त द्वारा, श्र. त्रिके : प्रृप्त, 11/4 वर्रु, पूसा रोड़, नई दिल्ला।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री शरद राव,
 204, राजा शम कोहन राय, रोड़,
 बोम्बे।

(अन्तरिती)

को यह स्चना नारी करके पृथेकित सम्पत्ति के अर्जन के रिण कार्यवाहियां करता हां।

उपत सम्पर्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सम्भा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सावन्धी व्यक्तियों पर स्मान की तामील से 30 दिन की अदिकि, जो भी अविधि बाद में सभानत होता हो, को भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जु सकींगे।

स्पष्टीकरण:—हसमें प्रव्यक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिरियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हांगा जो उस अध्याय में निया गया है।

भ्रनसुची

बरमातों फ्लोर, विल्डिंग प्लाट नं०⊸6, कौशल्या पार्क, हौज खात, नई दिल्ली, त.द द∴ 880 ार्ग फ्रांट ।

> सुनाल घोपड़ा सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरंक्षण), ग्रजंन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ला

सारीख: 9-9-1985.

प्ररूप बार्ड, टी. एन. एस.-----

भाषकपु विधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-व (1) के अधीन सुवना

Constitution of the consti

भारक बरकार

भावतियः, सहायक नामकर नायुक्त (विद्रीतिक) भार्जन रेज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 सितम्बर 1985

नायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के नधीन सक्तम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मुक्स 1,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी संव भोप नंव 30 है तथा जो मस्जिद मौठ , नई दिल्ली में स्थित है (भौर इसके उपाबद भनुसूची में भौर पूर्ण रूप के विणिध है), के कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में, भारतीय भायक

मधिनियम, 1961 के मधीन, तारीख पनवरी, 1988

की प्रांक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मृत्य से कम के अध्यमन अतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि ग्रथाप्र्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितिमों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,, निम्निसिखत उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किश्त नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उपत अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविभा के लिए; और/या
- (थ) ऐसी किसी आय या कसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हों क्षारतीय नायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में सविधा चै किए:

श्रत: अथ, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण वें, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के क्रिकेट किस्सिक्ट व्यक्तियों संभात च— (1) श्री अनूप मिलक,
 ड/-21, पंचशिला इनक्लेव,
 नई दिल्ली।

(मन्दरक)

श्रीमती श्रीनता भाटिया,
 १-160,
 प्रेटर कैलाग-2,
 नई दिस्की ।

(मन्द्रितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के सिए कार्यवाहियां कारता हु।

चक्त सम्बद्धि को कर्षन की सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप ङ्रन्न

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब वें 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीक से 45 विश के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- व्यथ किसी अन्य व्यक्ति व्यारा कथाहस्ताक्षरी के वास निवित में किए जा सकेंगे।

स्वव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदौं का, को उक्त क्षिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

सन्स्ची

शोप नं० 30, मस्जिद मौठ, सी० एस० सी०, नई दिल्ली खादाको-10:96 मीटर ।

> सुनीस जोपड़ा सक्षम प्राधिनारी, सहायक प्रायकर प्रायुश्स (निर्राकण), प्राजन रेंज-3, दिस्सी, नद्दी दिस्सी

तारीख: 9-9-1985.

प्रकर बार्च , टी , एवं, एव ,-----

जायकर जीभीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के जभीन स्वना

भारत सरकार कार्यानय, सहायक आग्रकर आग्रकत (निरीक्षण)

भाजन रेंज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनाङ 9 स्तिल्बर 1985

निर्देश सं० भई० ए० सं१०/९४यू०/3/37 ईई/1-85/ 754--प्राः तुम्ने, सुनाल चो छा,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

मीर जिन्नका सं ० 101, है तथा जो कौश्यला पार्क, होज खास, नई पिटला, में स्थित है (प्रांट इसने उपाबक प्रमुखना में पूर्ण खान से विणित है), रजिस्ट्री ती अधिकारी के कार्यालय, प्राजन रेज-3, नई पिटला में, भारतीय धायकर धिनियम 1961, के धवान तारीख जनवरी, 1989

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमाम श्रीफिस के सिए कत्तरित की गई है कि मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के निएउद्यक्ष बाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्योदय से उच्या बन्तरण किवित में वास्तविक रूप से क्रीयत नहीं किया पया है है—

- (क) कलारण से हुई किंसी बाय की बावत, उचत विभिनियस के अभीत कर दोने के अन्तरक के शायित्व में कभी कारने या उत्तसे वचने के बृदिशा के लिए; शीर्/या
- (क) ऐसी किसी बाग या किसी धन या अन्य ं आस्तियों क्य जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अध्वरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया बाना था, खिपाने में स्विधा के विदः

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नस्थित व्यक्तियों, वर्धात्:— (1) नै० सूर्या इन्टरप्राइजेज (प्रा०) स्ति०, एल -34, कासिनगर, नई दिल्लो ।

(प्रन्तरक)

(2) मैं ॰ मान्ति [']इन्डिया' (प्रा॰) लि॰, 29, यशान्ति पलैस, चानकापुरी, नई दिल्लो।

(अन्तिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लि कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन की अविधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्व किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वव्यक्तिरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-कं में परिभावित हुँ, वहीं अर्थ होगा को उस् अध्याय में विया व्या हैं।

समृस्ची

पर्लंट मं०--101, पहली मंजिल, 1, कौल्पला पार्क, हौज खात, नई दिल्लो, सादादी--1406, वर्ग फ्रीट ।

> सुनील जोपड़ा सक्षम प्राधिकारी, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण), भजंनरेंज-3, नई दिल्ली

तारीख: 9-9-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आगृक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 सितम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सीं०/एक्यू०/3/37 कीं -85/755:---अतः मुझे, सुनील चौपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परंचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

अर्थर जिसकी सं० ए-314 है तथा जो 3, बिका जी कामा प्लेस, नई दिल्ली, में स्थित हैं (और इससे उपादस अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), र्राजरद्री अर्ती प्रिश्च निर्मा के कार्यालय, प्रर्जन रेज़-3, नई दिल्ली में, भारतीय भायकर अधिनियम, 1961 के अधीन, तारी के जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के क्ष्यमान अतिएक के लिए अन्तरित की गई है और मृश्ने यह विस्वास करने का अगरण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है किर अंतरिक (अंतरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित क्ष्यरेप से उक्त अन्तरण जिल्ला में आस्त्रिक रूप से किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने से अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अवने में सुन्धा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरती द्वारी प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

क्षः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के सनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के सधीन निम्निलिश्वत स्पक्तियों, अर्थात् है—

(1) कीमती अन्त के, कीर, बाव श्रीमती कानात हाजूरिया, ई-14, ग्रेटर कैशाण-एतपतेच,।, नई विल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री ओ० पी० मरुला और, श्रीमती एस० भरुना, जी-15, जंग पुरा एक्सटेन्शम, न**ध**िदल्ली।

(भ्रःतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्थन को लिए कार्यवाहियां करता हो।

जनत संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्ट व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब्ब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसूची

मनैट क॰ ए-314, तीसरी मंजिल, धिशा 3 जी कामा प्लैस, नहीं दिल्ली, तावाबी-294 वर्ग फीट।

> सुतील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी, सहायक मायकर मागुक्त (निरीक्षण), मजैनरेंज-3,दिल्ली

सम्रोख : 9-9-19\$5

प्रकर्प बाह्री टी एन एस ------

कायकर किंपिनियम, 1961 (1961 का 43) की नाड़ा 269-च (1) को अधीन सुचना

भाइत अरकाड

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण) कर्जन रेंज-3, तई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 क्षितम्बर, 1985

िर्देश सं० म्राई० ए० सी०/एस्पू०/3/37 ईई/1--85/756 : म्राः मुझे, सुनील च पड़ा,

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मंपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 1.00,000/- रहा से अधिक है

और जिसकी संव 202 है तथा जो झार-1, हीजबास, नई िस्ली में हिन्न हैं (और इन्ने उपाबन अनुसूच में और पूर्ण कप से वर्णित हैं), रजिल्ड्री हनी अधि हारी के त्यांनिय, अर्जन रेज-3, नई दिल्ली में भारतीय झाय र अधिनियम, 1961 के अर्धन, तारील करवरी, 1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्हें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य उसका दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे क्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्रियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अम्मिक कप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त बिध-निवस के बधीन कर दोने के बन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विवध के लिए, बॉर/मा
- (ता) एसी किसी आय का किसी धन वा अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारताय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जिन्हों अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) जो प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

जरः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण ४, गं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) इ.क. । निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धात ॥—— श्री करनजीत िंह,
 70, रीगल बिल्डिंग,
 नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती उषा नन्दा, निवासी षाई--44, हीज खात, नहीं दिल्ली ।

(प्रस्तिती)

की ग्रह्न सुक्तमा बारी करको पूर्वोक्त सञ्पत्ति के वर्षन के सिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्परित के वर्षन् के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त क्विक्तियों में से किसी क्विक्त क्वारा
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपात में हितबव्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

. स्पन्तीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहि अर्थ होगा जो जस अध्याय में दिसा व्या है।

वन्स्यी

फ्लैंट नं ०→202, घार-1, हीज खास, नई दिल्ली, तादादी-872 वर्ग फीट ।

> सुनील चीपड़ा, सक्षम प्रावि ारी, सहाय क्र बायकर बाबुच्त (िरीकण), प्रजैन रेज → 3, स्ट्रै पिल्ली

तारीख: 9---9--1985.

प्रक्ष बार्च डी. एने इ एक .----

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय , सङ्घायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण) बर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 सितम्बर 1985

निर्देश सं ० आई० ए० सी०/एक्पू०/3/37 ईई/1-85/757---भतः मुझे, सुनीरः चोपड़ा,

बायकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाद करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित आजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

अतः वि कि सं० 5, है तया जो कोश्याना पार्क, हीज खास, नई दिल्ली में त्यित है (और इ से उपादक अनुसूची में और पूर्ण रूप रे विल्ली है), प्रतिपादीती अधि गरी के गर्या पा, अर्जन रेंज--3, नई दिल्ली में भारतीय आयक्षण अधिनियम, 1961, के अधीन, तारीख जनवरी, 1985

को प्रवेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रव्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास काने का कारण है कि यभाउवोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रव्यमान प्रतिफल को एंद्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया चया पित्फल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण किवित में बास्तिक क्य से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण वं हुई किसी शाम की शामच, समस् शीधनियम के स्थीन कर को के अन्तरक में स्थापित्य में कभी करने वा अससे स्थाप के सिए; बीट्र/शा
- (क) ऐसी किसी भाग या किसी भन या किसी बास्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अस्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया पवा था वा किया जाना वाहिए था, कियाने वे बृद्धिया के जिए;

अतः अव, उक्न अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण , मैं, अक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीतिखित व्यक्तियमें, अर्थात्:— (1) कौश्यला एजुकेशनत दृष्ट, द्वारा की चिवेक सपूर, दृस्टी, निवासी----प्रार्थना मधुबन, करनाल इन द स्टेट ग्राफ हरियाना।

(मन्दरक)

(2) श्री प्रशोक कुमार जैन पुत श्री प्रार० एस० जैन, फ्लैट नं० 101, प्राउंड फ्लोर, 5, कौश्यला पार्क, होज खास, नहीं विस्ती।

(प्रस्तिरं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के क्जन के कि कार्यवाहियां करता हुए।

बाबत संपत्ति के बर्बन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की वविष या तत्सवधी व्यक्तिया पर सूचना की तामील से 30 दिन की जविष, को भी जविष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास विविक्त में किए जा सकरेंगे।

स्थळीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो खक्त विभिन्यमं के अध्याय 20-क में परिभावित ही, वहीं वर्ष होगा, वो उस अध्याय में दिया वया ही।

-

बरसाती पनैट नं ० 4 02, तादादीं-- 6 9 B वर्ग फीट, टाप पनोर, ग्राफ व बिल्डिंग, 5, कौश्यना पार्क, हुई जि खास, मधु दिल्ली ।

> सुनील पोपड़ा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण), शर्जन रेंग्र-3, नई दिस्ली

सारीख: 0--9-1985.

प्रकृप बाहै, टी. एव. एव.----

भारक १ जिथानियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन सुचना

वारम मस्कार

कार्यालयः महायक अध्यक्तर आगृक्त (निरक्षिक) शर्जन रोज--3, राई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 सितम्बर, 1985

निर्देण सं० ध्राई० ए० सी० एक्यू/3/37 ईई/1-85/758---ध्रतः, मुझी, सुनील चोपड़ा.

नामकर क्रिपित्यमः 1961 (1961 का 43) (चिसं इसमें इसकें पश्चाल् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी का., यह विक्वास करने का कारण है है। स्थालर संपत्ति जिसका उच्चित वाषार मन्य ;

1,00,000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी सं० 205, 19 है तथा जो पानेन्द्रा पत्रोस, नई दिल्ली; में स्थित हैं (और इत्ते उपावद अनुसूची में पूर्ण क्या से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के ार्यालय, प्रार्जन रोज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीत, तारीख जनवरी, 1985

को प्योक्त सम्मिति के उचित काकार मून्य से कम के क्यमान वित्यक्ष को निष्ठ बन्तरित की गई हैं, और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित् वासार पूस्त , उनके क्यमान प्रतिफल से एसे क्यमान प्रतिफल का पंक्र तिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) को बीच एसे मन्तरण को सिष्ट तब पाया नया विकास किम्मिसिल उद्देश्य स उक्त अन्तरण सिचित्त ए बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

> मानगण में हुए किसी साथ की गायत उस्त अधि-नियम के अधीन कर रीते के अस्तरक के रामित्य की कमी करने मा उससे यचने की स्विधा के लिए; और/ग

(क्ष) एसी किसी बाध या फिसी कर या अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर विभिन्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त लिबिनयम या धनकर बिचिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोखनार्थ अस्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया जाना चाहिए था, क्षिणाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण भें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बधीन, निम्मिकिक व्यक्तिमों, नधीत क्र—
46 —296 GI/85

(1) श्रीमती डी० एस० गांधी,
 श्री एस० एन० गांधी,
 १-1/166, श्ररोड़ा कालोनी,
 भोषाल (एम० पी०)।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री संजय चौधरी पुत, श्री भादीलाल चौधरीं, सी-108, राजेन्द्रा नगर, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरिती)

की यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिद्ध् कार्यवाहिया गुरू करता हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेय :---

कि प्रमान के राजपन में प्रकारन की तारीय से
45 किन की नवींच ना स्टब्रंबंधी व्यक्तियों पद
स्थान की तामील से 30 बिन की अवधि, जो भी
नवींच नव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से फिल्सी स्वक्ति इवास;

(च) इब सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के गाव विविद्य में किए वा सकों में ।

स्वच्छीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिक नियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, बहुी वर्ध होगा, वो उस अध्याय में विधा गवा है।

अनुसूची

पलैट नं०~205, तादादी-321 वग फीट, दूसरीं मंजिल, कींति महल, 19,राजेन्द्रा पलेम, नई दिल्लीं।

> मुनील चौपड़ा, सक्षम प्राधिशारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेज-3, नई दिल्ली

तारीख: 9~9~1985.

माहर :

थक्य बार्च. टी. एन. एच्.------

भावकर नीभीनवन, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के सभीन स्थान

नारत सहस्रार

कार्यालय, सहायक नायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनां ह 9 सितम्बर 1985

निर्देण सं ० ग्राई० ए० मी०/एभ्यू ०/3/37 ईई/1-85/759:---ग्रतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

बायकर विधिनियन, 1961 (1961 का 43) विते श्वाने इसके पश्चात 'उक्त मीधीनयम' कहा गया है, की भाग 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृस्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० बी-408 है तथा जो 5, ब्रिशाजी कामा पलेस, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबब अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्द्रीकर्ती श्रधिकारी के लार्यालय, श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली, में भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1961 के **ग्रधी**न, नारीख जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के उदयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार ब्रूच, उत्तक क्षत्रभान प्रतिकल से, एचे क्षत्रमान प्रतिकल का पंद्रह बर्दिचन से अभिक हो और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीम एंसे अन्तरम के निए तब पाया गवा बतिकल, निम्नलिधित उद्योग्य से उन्त बन्तरण लिखित वें रुपश्राधिक रूप से कथिए नहीं किया नदा है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उज्ज अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बजने में मविधा के लिए; बरि/या
- 🐿 रेखी किसी बाब या किसी धन या अन्य प्रास्तियों जो. जिन्हों भारतीय जाय-कर विधानियस, 1922 (1922 का 11) या उच्छ विभिनियम, या धन-कर अभिनिमम, 1957 (1957 का 27) को अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. स्त्रिपाने में यित्रिशा बे बिए;

जनः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्षत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :---

(1) श्री फरीद श्रहमद सिट्टकी, **ड**ी→5/2, वसन्त चिहार, नर्ड दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती मकुन्तला दलाल और, श्री सन्दीप दलाल, निवासी-एच-203. सोम विहार श्रार० के० पुरम, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वना वारो करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन को जिए कार्यवाहियां करता हुः।

उक्त संपरित के अजन के सबंध मा कांद्र' भी आक्षेप :---

- (क) इस भूचना में राज्यक में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन्की अवधिया तत्सम्यन्धी न्यनितयों पर स्थना की तामील से 30 दिन्की अवधि, यो भी वर्षाय वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर म्यन्तियों में से किसी स्यक्ति बुवाय;
- (ब) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्दश किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा वशेहस्ताक्षरी के पार भिषित मां किए का मकारी।

ल्यानीकरण:---इसमें प्रयुक्त शस्त्री और वर्षों का, वो उस अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिर है, वही वर्ण होगा, यो उत्त वध्याय में विकासव

मन् सुच्या

बी-408, 5, बिका जी कामा प्लेम, नई दिल्ली, तादादी-279 वर्गफींट।

> म्तील चोपडा सक्षम प्राधिकारी पहासक भ्रायार भ्रायुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेज-3, नई दिल्ली

तरींखा: 9~9~19**8**5.

महिंद

श्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269ण (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आव्यक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली। दिनां रा 9 शितम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37-ईई/1~85/760:---श्रतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्ट अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मसि, जिसका उचित बाजार मृत्व 1,00,000/- उ. से अधिक है

और जिसकी सं० 402 है तथा जो आर-1, होज खास, नई दिल्ली में स्थित है (ओर इसे उपाबढ़ अनुसूची में ऑर पूर्ण रूप से धणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के ार्यात्रम, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में, भारतीय आयात्र अधिनियम, 1961 के अधीत, तारीख जनवरी, 1985

कां पूर्वोंक्त सम्परित के उपित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह किश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके स्वमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिक्षत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीं कों) के बीच एसे अंतरक के लिए तब पाया गया प्रति-फन, निम्मलिखित उच्चेष्य से उथत अन्तरण निक्ति में बास्त-गिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक की दावित्व में कभी करने या उससे अधने में सुनिधा के सिए; आह./या
- (क) एंसी किसी बाय या किसा धन या अन्य आस्तिकां की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः कथा, उक्त विधिनियम, की धारा 269-ग के वनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम को धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात्:—

श्री करन जीत िह,
 12, रीगल विल्डिंग,
 पालियामेन्ट स्ट्रीट,
 नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रो रमें श चन्द्र खुरान≀, एच-56, किती नगर, नई दिल्ली,

(अन्तरिती)

(3) मसर्ज पाल एण्ड पाल बिल्डर्स लिमिटेड, 12, रीगल बिल्डिंग, नई दिल्ली ।

> (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

की यह सूधना चारी करके पृथिक अम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप ए---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की टारीब बं 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (थ) इद ध्रुवना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीय वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थान्य सम्पत्ति में हितवबृथ किसी अन्य स्थानत द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास जिसित में किए जा सकों।

स्वक्रीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दो का, जो उपठ अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिर गमा है।

अनुसूची

फ्लैट नं ०-402, श्रार-1, हौज खाम, नई दिल्ली, तादादी-1000 वर्ग फीट ।

मुनील चोपड़ा, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुषन, (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली ।

तारीख: 9--9--1985

प्रस्प बाई.टी.एन.एस,-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भजंन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक ६ सितम्बर 1985

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/3-37 ईई/1-85/761:--श्रतः महो, सुनील चोपड़ा.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मल्य

1,00,000 / - एः से अधिक हैं।

और जिसकी मं० 007, है तथा जो 5, बिका जी कामा पलेश नई दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपायद्ध प्रानुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिशारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली, भारतीय श्रायकर प्रधित्यम, 1961, के प्रधीन, तारीख जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूला से कम के हश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्षत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्द में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ण) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तिया को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के निए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्रीमती सरला भाटिया.
 ए→8, एन० डी० एन० ई०,
 पार्ट→2.
 नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री रोहित वेहरा पुत्र, श्री ग्राप्य सीय वोहरा, एल-57, कीर्ति नगर, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वकाकरण:---इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उपस अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया मुना हों।

अनुसूची

बेसमेन्ट नं ००७, 5, बिकाओं आसा पलेप, नई दिल्ली, सादादी-280 धर्म फीट ।

सुनील चोपड़ा पक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ैन रेंज~3, नई दिल्ली ।

तारीख: 9-9-1985

प्ररूप बहाँ टी, एन⇒ **एस**्न-----

बायकर बिविनयम, 1961 (1961 का 43) की बाहा 269-व (1) के बधीन स्वना

भारत सरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 सितम्बर 1985

निर्देश सं० म्राई० ए०सी०/एक्यू०/3/37 ईई/1-85/762:---म्रतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनाम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- क के अधीन तक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से विधिक है

और जिसकी मं० यूनिट 'बी' फ्लैट नं० 102 है तथा जो बिल्डिंग नं०-6, कैंक्यला पार्क, हाँज खास, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमे उपाबड अनुसूची में पूर्ण रूप से बिल्ली में स्थित है (और अधिकारी के कार्यालय, अजंब रेज-3, नई दिल्ली में. भारतीय आयक्त प्रधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख जनवरी, 1985 को पूर्वेक्त सम्परित के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूर्फ यह विश्वास करने, का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्परित का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशात से अधिक हो और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसं अन्तरण के लिए तथ पामा गया प्रति-फल, जिस्नी लोखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में बास्त-फल, जिस्नी लोखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में बास्त-

विक रूप में कथित नहीं किया गया है 🤃

- (क) जन्सरण संहुई किसी बाब की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीत कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा व्यक्तिप; अडि/वा
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम्, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ज्यारा प्रकट नहर किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

कतः क्षत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) की, समीप, निम्निसिस व्यक्तियों, अर्थात् ः⊷

- (1) कौश्यला एजुकेशनम दूस्ट,

(म्रन्तरक)

(2) लेफ्टि बार्नल जे० बी० कुचाल, 108, बसन्त एनक्लेब, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्ह सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आकरे --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 जिन की अविधि या तत्त्रम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की जबधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुतारा;
- (चं) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच स दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल्बच्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिरणः --- इस्में प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहुँ अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बेसमेन्ट युनिट 'बी' (फ्लैंट नं०-102,) बिल्डिंग नं०-6, कोश्यला पार्क, हौजंखास, नई दिल्ली, तादादी-830 वर्ग फिट,

सुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 9-9-1985

प्रकृप बार्ड . टी . एन . एक . ------

बायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बभीन सुचना

RICH WATER

कार्यात्तय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 सिहम्बर 1985

निदेश मं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37-ईई/1-85/763—अतः मुझे, मुनील चोपड़ा,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे ध्रांमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

ग्रौर जिसकी सं० यूनिट. "ए" फ्लैंट-101, है तथा जो बिल्डिंग नं० 6, कौण्यला पार्क, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख जनवरी 1985

को पूर्वों क्त संपर्तित के उचित बाजार मून्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित को गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि सथापूर्वों क्त सम्पत्ति का उचित बाखार मून्य, उसके दश्यमान प्रतिफल हो, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (जन्तरका) और अन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया बया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्योक से उक्त जन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किया गया हैं —

- (क) जन्तरण सं हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जिथितियंत्र, को ज्यौन कर दोने को जन्तरक को वायित्य में कमी करने या उससे ज्याने में सुविधा के सिए; जार/वा
- (क) ऐसी किसी शाम या किसी धन या अन्य आस्तिया का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिधिनियम या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अथोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था का किया जाना चाहिए था, डिपाने में स्विका के किया

. बत: अब, उक्त विधिनियम की धारा 269-म के बन्सरण कों.माँ उक्ता विधिनियम को धारा 269-च की उपभारा (1) अं अधीन िनम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- (1) कौश्यला एजुकेशनल द्रस्ट, द्वारा द्रस्टी श्री विवेक कपूर, निवासी---, 11/4-बी, पुसा रोड़, नई दिल्ली,

(अन्तरक)

. (2) श्री जे० बी० कुचाल (एच-यू-एफ) द्वारा कर्ता लेफ्टि० कर्नल जे० बी० कुचाल, निवासी-108, बसन्त इनक्लेब, नई दिल्ली,

(अन्तरिती)

की यह स्वना बारी करके प्योंक्त हम्मत्ति के जर्बन के निष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त इंपत्ति के बर्धन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्से ---

- (क) इस सूचना के द्राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की सबीच वा तत्त्रम्थणी व्यक्तियों पर कूचना की तामील से 30 दिन की बबीच, को भी बबीच बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति कुनारा;
- (ब) इस बुजना के राज्यम के प्रकारन की वारीय से 45 जिल के शिवार क्या स्थाप्त कम्परित में हितनक्य किसी कम्प क्षित ह्वारा ब्याहस्वाकड़ी से गर्थ दिवात में किए था क्योंने।

स्थळाकरण: ---इसमें प्रयुक्त शन्यों और पदों का, जो उनर शिक्षिनवर्त, के बच्चाय 20-क में परिजाणित ही, वहीं वर्ष होता, जो उस अध्याय में दिशा च्या ही।

अनुसूची

बेसमेन्ट यूनिट 'ए' (फ्लैंट नं० 101) बिस्खिंग नं० 6, कौण्यला पार्क होज खास, नई दिल्ली, तादादी-685 वर्ग फिट, ।

> मुनील चौपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

तारीच : 9-9-1985

प्रका नार्षः सी. एन. एक अ-----

नाभकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अधीन सुधना

भारत सहस्रह

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 9 सितम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37-हेई/1-85/764--अतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-छ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आरण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० जी-58, है तथा जो गुजरात को-श्रोपरे-दिव हाऊसिंग सोसायटी, लि०, नई दिल्ली, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से अणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली, में भारतीय आयकर अधिनियम 1961, के अधीन तारीख जमवरी 1985

- को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कान के दब्बजाल दिएक के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते वह विकास करने का कारण है कि समापूर्वोक्त सम्पत्ति का अवित कालर मूल्य उसके दब्बजान प्रविक्ता की पूर्व हक्त्वान प्रतिक्ता का पन्त्रह प्रतिवात अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के बिए इस बाग नमा प्रतिकत, निम्निचित उद्देश्य से उक्त अंवरण सिनित में वास्तिक रूप के किया नहीं किया गया है:—
 - (क) कलारण से हुए किसी बाव की बाबस, धक्छ प्रतिमागः के जभीन कर दोने के समारक के स्ववित्व में कमी करने या असते वचने में स्विधा वी सिए; बॉर/बा
 - (क) एसी किसी बाय या किसी वन या बन्य कारिक्यों को जिन्हें भारतीय जायकार जिन्हें भारतीय या उत्तर जिन्हें किया था कर जिन्हें किया गया भाषा का का जाना चाहिए था. कियाने में सुविधा के किए।

नतः नवः, उक्त निभिनियम की भारा 269-ग के नन्सरण जें, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के क्रमीन, निम्निलिक्त व्यक्तियों, अर्थात् :---- (1) श्री नितीन कुमार शाह,निवासी-13/19, शक्ति नगर, दिल्ली,

(अन्तरक)

(2) श्रीमती ज्ञान्ता बेन पटेल, ई-47, जवाहर पार्क, लक्ष्मी नगर, दिल्ली,

(अन्तरिती)

को यह ब्याना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहिमां करता हा।

तकत सम्बन्धि के क्षर्वन के संबंध में कोई भी कार्याय :---

- (क) इस स्वान के राजपण में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की जनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की सामीय से 30 दिन की अवधि, जो भी विश्व नाथ में समाप्त होती हो, के मीतर पृथ्व के काविस में से किसी क्वांस स्वारा;
- (क) इस तूचना को राजकन को प्रकाशन की तारीक है 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबव्ध किसी सन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसिश में किए वा सकीने।

रनव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिशादिक है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विका गया है।

ग्रनमुची

प्लाट नं० जी-58. गुजरान को-आपरेटिव हाऊ सिंग मोसायटी लि०, दिल्ली,

> सुनील चोपड़ा सक्षम प्राधि कारी महायक आयक्र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नारीख: 9-9-1985

प्ररूप आइ[‡]. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आगकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 9 सिनम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37-ईई/1-85/765 —-अतः मुझे, सुनील चोपड़ा.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-'रु. से अधिक है

ष्मौर जिसकी सं० हाऊम नं० 2, रोड़ नं० 25, है तथा जो पंजाबी बाग, नई दिल्ली, में स्थित है (ग्रींग इसमे उपाबढ़ अनुभूची में पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन नारीख जनवरी 1985

को प्रवंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का गंवृह प्रतिष्ठत से अधिवः है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिख्ति में बास्तिबक एप से किथन नहीं किया गया है:—

- (कं) अन्तरण में हुई किसी आए की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर होने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह³ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मी, जक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निर्म्यासित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती सुप्रेम बस्सल. निवासी-1/15-बी. लाजपत नगर-2, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री रमेश दुआ, निवासी-457, रिशी नगर, शक्र बस्ती, दिल्ली,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उसत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्दध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्द और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अन्सूची

भूमि तादादी-199.42 वर्ग गज, हाऊस नं० 2. रोड़ नं० 25, पंजाबी बाग, एक्सटेन्सन, नई दिल्ली.

> मुनील घोपड़ा सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

तारीख: 9-9-1985

अ**स्प बार्ड**ः टी. एनः **एस**ः हरणररणारणाला

बायकर मधिनियम, 1961 (1961 को 43) की वारा 269-व (1) में सधीन सृचना

भारत सरकार

कार्यालयं, सहायक नायकर नायुक्त (र्निर्देशक)

अर्जम रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 सितम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37-ईई/1-85/766—अतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गवा हैं), औं बारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापन सम्पत्ति, जिसका उपित बाबार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्राँग जिसकी सं० डी-8, है तथा जो वेस्टण्न्ड कालोनी, नई दिल्ली, में स्थित है (ग्राँग इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप ने वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, अर्जन रेज-3, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम 1961, के अधीन, जनवरी 1985

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के परयमान लिए अन्तिरत की गर्ह है ≒ प्रतिफल को मौर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृख्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एोसे इश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं **औ**र अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में भास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई जिसी भाग की वावत, उक्क अधिनियत के बंधीन कार दोने के अंतरक के दालिक मा कामी कारने या उसम बंधने में खुविधा के किए, और या
- (क) एरेती किसी बाव वा किसी थ्य या वस्य व्यक्तियां गां, जिन्हीं भारतीय जामकर अभिनियमं, 1922' (1922 को 11) या उक्त मधिनियमं, वा एस-कार अधिनियमं, 1957' (1957 को 27) कें प्रयोजनार्थ अंतिरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा कें सिद्य;

अत: अग. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन जिस्सीलिसित व्यक्तिमों. अर्थान ः—
47—296 GI/85

- (1) श्री यणवन्त कुमार सेठी पुव श्री रामचन्द्रा सेठी, निवासी--एफ-90, कित्ती नगर, नई दिल्ली, (अलार इ)
- (2) श्री सुदर्शन कुमार कोहली, कुम कुम कोइली, निवासी-14, पालम मार्ग, वसन्त विहार, मई दिस्ली

(अन्तरिती)

(3) मैसर्ज प्रीमियर ट्रेंडर्स, 0-8; बेस्ट एंड कालोनी, नई दिख्ली। (वह ध्यवित जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सुचना जारी करके पृत्रोक्त सम्पत्ति क अर्जन के लिए कार्यकाहियां करता हुं।

बस्य कम्परित के मर्चन के सम्बन्ध में कोई भी आ**स्प**्रस्थ

- (क) इस सूचना को राजपूज में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जबकि या तत्सम्बन्धी व्यक्तित्यों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्यॉक्त क्विसायों में से किसी स्थितर द्वाराः
- (क) इस स्वाम के रावप्त में प्रकाशन की सारींच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी जन्म व्यक्ति ब्वारा नभीहस्ताक्षरों के पास लिक्ति में किए जा सकोंगे।

ग्रन्सूची

डी-8, वेस्ट एन्ड, कालोनी, नई दिल्ली,

हुनीत चोपड़ा पक्षप प्राधिकारी सहायक आयकर आपुष्ट (निरीक्षण) अर्जन रत्र-त्र, तर्ह दिल्ली

तारीख: 9-9-1985

मोहर 🗄

प्रकल नाहरे, टी., रुप., एक्., २००० वर्ग

जायकर जीभीनवज्ञ., 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) में वचीन कृषया

पाइत सरकार

कार्यांतय, सहायक जायकर जायकत (निर्दाक्तिण) अर्जन रेंज-3 नई दिल्ली

मई विल्ली विनोक 9 सितम्बर 1985

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37-ईई/1-85/ 767—अतः मुझे, सुनील चोपड़ा

मायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उन्तत निधिनयम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाबार बुख्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 201 है तथा जो 3, एन-डक्स्यू-ए, पंजाबी बाग, नई दिल्ली, में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-लय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में, भारतीय आयकर अधि-नियम 1961, के अधीन तारीख जनवरी 1985

को पर्नोक्स संपत्ति के उपित नाकार शृज्य से कम के क्याबाय प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित नाजार मूल्य उसके स्थ्यमान प्रतिकाल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अन्तरकार) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच एोगे अन्तरण के लिए सथ पाना नया प्रतिकाल निम्मिनीचित उन्हरें से उपस् संतर्भ किंदरम् है उपसे वास्तरित में वास्तरिक क्या वास्तरिक क्या वास्तरित है किंदरम्

- (क) अन्तरण से बूर्ड किसी अध्य की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक में बाजिस्य को कभी जन्में या समने दक्षने में सुविधा के सिए; बौर/का
- (शा १ मी किसी आग वा किसी भन वा अन्य वास्तियों त्या, जिन्हीं भारतीय आगकार विभागवंग 1922 (1922 का 11) या उक्त निजनियम, या धनकार व्यक्तियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोदनार्थ व्यक्तियम प्रकट नहीं किया गया था वा किया ६८० बाहिए था जिनाने में सुविका के सिक्;

नतः अव, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक में, मैं, उन्त विधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1), दे अधीन, निम्नतिश्वत व्यक्तियों, वर्धात् ह— (1) मैं रिणी पाल प्रोपरटीज (प्रा०) लि०, 704, प्रगती टावर, राजेन्द्रा पलेस, नई दिल्ली,

(अन्तरक)

(2) सरदार रिवन्द्र सिंह साहनी,
 ज – 162ए, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली,
 (अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्ववाहियां सूक्त करता हुई।

धक्त कर्मात्त के अर्थन के सम्बन्ध में कोई' मी बार्का ट——

- (क) इस सूचना के रायपन में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन की जनभिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की शाबील से 30 दिन की नगीन, को बी अमित नाथ में तनाप्त होती हो, के भीतर पूनों का व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (क) इस त्वला के रायपन में प्रकारन की सार्धि के 45 दिल के बीठर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वस्प किसी मन्त्र व्यक्ति द्वारा, अभोइस्ताकरी के यान लिसित में किए या बक्तेंचे।

स्वच्योक रणः --- इसमें प्रयुक्त सम्बोधीर वसीका, को सम्बर् --अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याद में दिया गया है।

नगुस्ची

फ्लैट नं० 201, दूसरी मंजिल 3, एन-डब्लू-ए, पंजाबी बाग, नई दिल्ली,

> सुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3 दिल्ली, नईदिल्ली

तारीख : 9**-**9-1985

मोहर 🕄

प्ररूप बाइं्टी. एन . एस.,-----

नायकार नाभनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के सभीन सूचना

भारत चरकार

कार्यांचय, तहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 सिनम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37-ईई/1-85/ 768—अतः मुझे, सुनील चोपड़ा

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रोर जिसकी सं० बेसमेन्ट नं० 5, है सथा जो 6, बिका जी कामा पलेस, नई दिल्ली, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख जनवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुर्फ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसं दश्यमान प्रतिफल के पन्तर् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसं अन्तरण के लिए सय गया गया प्रतिफल, निम्निलिंगत उद्देश्य स उक्त अन्तरण कि बित में नास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी कारने या उसस अजने में शुविधा के सिए; और/बा
- (च) एंसी किसी जाब या किसी भन था अन्य जास्तियों की, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा अकट नहीं किया गया था या किया जाम। बाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए

जतः जब, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) कमान्डर जी० एस० गुप्ता श्रोर कुमारी सुमाति गुप्ता, निवासी-डी-110, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली,

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सत्या गुप्ता पत्नी कमान्डर जी० एस० गुप्ता, और कुमारी सुमाति गुप्ता डी/ग्रो कमान्डर जी० एस० गुप्ता, निवासी—डी-110, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली,

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शूक करता हुं।

डक्त सम्पत्ति के कर्जम के सम्बन्ध में कोई भी बाक्सेंग प्रकर

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियां पर सूचनों की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्सि व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्वथ किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अथाहस्ताक्षरों के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्मध्दीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों आरे पर्दों का, वो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अन<u>ु</u>स्भी

बैसमेन्ट नं० 5, 6, विका जी कामा पलेस, अई दिल्ली,

मुनील चीपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (फेरीक्स्प) अर्जन रेज 3 दिल्ली, गई दिल्ली

नारीख: 9-- 3-- 1985

प्रकार वार्षं दी एवं पुत्र .----

जागाधर जिभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के जभीत सुखता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई धल्ली, दिनांचा 10 मितम्बर 1985

निदेश नं अ।ई० ए० सी०/एनयू०/3/37-ईई/1-85/769--अत: मुझे, सुनील चोपड़ा

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारत 269-- त के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण ह' कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संस्था मी-70, है तथा जो पंचिशिला इनक्लेब, नई िल्ली में स्थित है (श्रीर इतने उपाबड़ अनुसूची में पूर्ण का से श्रीणा है), के कार्यालय, अर्जन रेंच-3,नई दिल्ली, में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन, तारीख जनवरंग 1985

का पूर्व क्ल सपित्त को जांच्य बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफ के लिए अन्तरित की नद्दं हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हो कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफ ल से एसे दश्यमान प्रतिफ ल से एसे दश्यमान प्रतिफ ल से पन्तरक (अन्तर्कों) और अन्तर्क (अन्तर्कों) और अन्तर्क (अन्तर्कों) और अन्तर्क (अन्तर्कों) को बीच एसे अन्तर्क के सिए तब बागा गा प्रतिफ ल, निम्नलिखित उद्देष्य ने उच्त अन्तर्क जिल्लाक में बास्तरिक स्प से किया नहीं किया सवा है :---

- (क) मन्तरण से हुई किसी नाय करी वावत, उपस अधिनियभ के नधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे वचके में सुविधा के सिए; और/वा
- (ख) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अभि नेयस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या धन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) औं प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिजाने में सुविधा के 'सए;

करा: अब., उन्न आधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की पारा 269-क की उपधारा (1) के अधीन,, निम्मनिधित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री बी० के० मधाचार्य सी/श्रो श्री पी० आरं० खन्ना, पार्टनर खन्ना ग्रीर अन्नदानाम, चार्टड एकाउन्टेन्ट, 706-707, आकाश दीप, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली,

(अन्तरक)

(2) श्री जय सिंह मेहता सी/घ्रो श्रीमती एस० एस० कोठारी, एनड कं०, 9-ए, आत्मा राम हाऊस, 1, टालस्टाय, मार्ग, नई दिल्ली,

(अन्तरिती)

की यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के शिष् कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पन्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी नाक्ष्य :---

- (क) इक्ष सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच क्षे 45 दिन की जनीध यह तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की जनिध, जो भी जनीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- .(व) इस मूचना क राजपण श्री प्रकासन की तारींच स् 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति श्री हित्बव्ध किसी बन्य स्थित द्वारा ज्याहरताक्षरी के पास निवित सी किए था सकींगे।

स्वक्योतस्य :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का, को उक्त जिभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगुसूची

हाऊस नं० सी-70, पंचिशला इनक्लेव, नई दिल्ली,

सुनीन चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक जआयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, दिल्ली, गई दिल्ली

तारीख : 10--9-1985

प्रारूप आंई.टी.एन.एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ध (1) के अधीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आय्कत (अरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 गई दिल्ली

गई दिल्ली, दिनां । 9 तिन्। बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/ः/37-ईई/1-85/770---अतः मुझे, सुनील चीपड़ा,

गायकर अधिनियम 1961 (1961 का 45) (जिसे इसमें इसके रचात् 'उन्त अधिनियम' नहा एया है), की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिस्था उतित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० यू-जी-मे-1! है एथा जे. 5. वी सजी कामा पलेस, नई विल्ली, में स्थित है (श्राः इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणय है), अर्थार रेस-3, नई दिल्ली में भारतीय अध्यक्षा अधिविषय 961, 1961 व अधीन तारीख जनवरी 1985

को प्रकित सम्मान क जीचन अकार भूक र अस को दश्यमान मितिकल के लिए अन्तरित की गई है और भूभी यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्मिति का उचित बाजार भूष्य उन्हार उपमान जीनिकल के, भूक इस्प्रमान जीनिकल का गंद्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एमं अन्तरा के लिए उस पाया गया गितिकल, निम्मालीखा उद्यों के सुधा अस्तरियां के स्वास्ति के सम्मितिक क्रम से कथित हो। किया गया है क्रम

- (क्ष) जनतरण से हुई किनी बाव को बाक्त, उपस् विधिनयम के जधीन कर दोने के बन्तरक खे दावित्य में कमी करने वा उससे वधने में सुविधा के सिए; जोड़/वा
- (क) एसी किसी जाय या किस्त जन य अन्य महिन्दा की, जिन्हें आरतीय अध-कर जे धीनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धनकर जीधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियमं की भारा 269-ग के अनुसरण मा, मी, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियां अधीन :---- (1) सोमदर विल्डर्स प्रा० लि०, 56, अम्यूनिटी सन्टर, ईस्ट आफ कैलाश, अई दिल्ली,

(अन्तरक)

(2) श्रीमती साविती वर्जाज ग्रॉर श्री दिनेग जन्दर ब्रजाज, ई-87, आन्नद निकेतन, नई दिल्ली, ।

(अन्तरिती)

को यह सूचा जारी करके पूर्वोंक्त सपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां ¹⁷रु करता हुं।

उक्त सम्परिः के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 हिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना हिन तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोबट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत आयकर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनुसूची

यू-जी-वे^र 11, उपर ग्राउड फ्लोर, 5, विकाजी विगमा फ्लेस, मई दिल्ली, ।

> सुनीलं चौपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक आंग्रकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनं रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली

नारीख: 9-9-1985

प्रक्ष नाइं , टी. एन. पुस्त , न - - ----

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मभीन स्माना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरुक्तिका) श्रर्जन रेज-3, नई जिल्ल,

नई दिल्ले दिनांः 8 सितम्बर 1985

निर्देश सं० म्राई० ए० सं.०/एक्यु०/3/37-ईई/1-85/771 मतः भुक्तो, सुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें **एसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), कि. धारा** 269-रू के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या यू-जी-की-8 है तथा जो 5, बिनाजा कामा प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसमें उपाब स श्रनूसूची में पूर्ण रूप से बणित है), हार्यालय, श्रर्जन रेंज 3, नई दिल्ली, भारतीय श्रीयान श्रीधनियम 1961 के श्रिधीन तारीख जनवरी 1985

को पूर्वांक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं हैं और मूओं गई विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम का स्वाप्त, उक्क अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने ना उक्क बच्चने हैं बृद्यिमा के किए। आप्रिया
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अ धनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, जिन्हों के सुविधा को लिए?

अब, उक्त अधिनियम की भारा 26)-ए के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नजिकित व्यक्तियों, (1) आ मोम दल बिल्डर्स (प्रा०) लि०, 56, जम्बुनिटी नेन्टर, ईस्ट आफ़ कैलाश, नई दिल्ला ।

(भ्रन्तरक)

(2) आमता सन्तोष वांदना, निवासो-एच-एस-3, कैलाश कालोनी, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहिया व रहा हो ।

उत्त मन्पीत के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अप्रीध या तत्संस्वन्धों व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की वर्षा को भी अपिय नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हित-स्था किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास विचित्त मों किए का सकींगे।

स्थळीकरण —-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पधों का, को उक्त निधितियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विधा गया है।

प्रनुसूची

कीश्रोसक नं० 8, ऊपर प्राप्तन्ड फ्लोर, 5 बिकाजी कामा प्लेस नई दिल्ला, ।

मुनी त चौपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरक्षण) ग्रर्जन रेज-3, दिल्लो, गई दिल्ली

नारीख: 9--9--1985

भोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- घके अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यास्यः, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 मित्रम्बर 1985

निर्देश सं० श्राई० ए० मो०/एक्यु०/3/37ईई/1-85/772—श्रतः मुझे, मुनील चोपड़ा,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.,00.000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० यू-जी-के-9 है तथा जो 5, बिकाजी कामा फ्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसने उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), कार्यालय श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्लो में भारतीय श्रायकर श्रिधित्यम 1961 के श्रिधीन, तारीख जनवरी 1985

को पूर्वोक्ट सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गर्ह है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत स अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्ष्येय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत, उक्त मियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के थिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण औं, तों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) अों अधीन. निम्निचित व्यक्तियों, अधीत् :--- (1) सोम दत विल्डर्स (प्रा०) लि०, 56, कम्बुनिटा सन्टर, ईस्ट आफ कैलाण, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती के० एम० श्रह्लावत, श्रीर श्रीमती साविती श्रह्लावत, फ्लैट नं० 404, बी-ब्लाक, सोम विहार, श्रार० के० पुरम, नई दिल्ली,

(ग्रन्तरिती)

को यह स्चना आरी करके प्रवेकिन सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद मों समाप्त होता हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रय्वत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयमा, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची .

की भ्रोसक नं० यूजी के-9, ऊपर ग्राउन्ड फ्लोर, 5, बिकाजी कामा पलेस, नई दिल्लो, तादादो-56 वर्ष फिट।

मुनील बौपज़ उक्षम प्राधिक्षरी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ला

तारीख: 9--9-1985

ाहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्कत (निरोक्षण)

ग्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्लो, दिनांक 11 सितम्बर 1985

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्पू०/3/3755/1-85/773——श्रतः मुझे, सुनील चौपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित वाजार मूल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसका सं० ए-64, प्रात नगर है तथा जा को-श्रोपरे-टिव हाऊ :, बिल्डिंग सोसायटी, लि०, में स्थित है (श्रौर इससे उपावड़ अनुसूची में पूर्ण हप से वर्णित है।, कार्यालय श्रुजेन रेंज-3, नई दिल्ली में, धारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1961, के श्रिशीन, तारीख जनवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे गह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्वार से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) गैर अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूपं से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः उव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उप गरा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्रामाः विमलः देवंः,
 685, पोहलाकं भाग महल, तेल्लेवाङ्ग,
 दिल्लाः।
 (अन्तरक्)
- (2) था आगारा समक्ष्य मन्द्र थामनी समा बन्दल.
 383. नगार बिहार, बिह्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हा

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस यूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की लाबीट से 30 दिन की अविध , जो भी अविध धाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्ति में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उदत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के गस लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रीधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हीं, बहा अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुस्बी

प्लाट नं० ए-64, तादाद -150 वर्ग गण. प्रन्त नगर को-स्रोपरेटिव हाऊल. सोसायटी दितिसंग लि०, दिल्ली ।

> सुनील चांपड़ा संशम प्राधितारी सहायक स्रायकण क्राप्कर (निरीक्षण) स्रजैन रैंज-3, दिल्ली, गई दिल्ली

तारीख: 11--9-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्लं:, दिनांकः 9 सितम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/1-85/774--आतः मुझे, सुनील चीपड़ा,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या 401, यूनिट "जी" है तथा जो 5 कौक्यला पार्क, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रन्सुची में पूर्ण रूप से वर्णित है), कार्यालय, ग्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में, भारतीय ग्रायकर ग्राधिनियम 1961 के ग्रिधीन तारीख जनवरी 1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए उत्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्टेय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्ष्स अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम,, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिव्धा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :—
48—296GI|85

- (1) कांग्यला एजुनेणनल द्रस्ट द्वारा श्री विवेक कपूर द्रस्टी,
 11/4, बी, पूमा रोइ, नई दिल्ली ।
 (ग्रन्सरक)
- (2) श्री अभोक कुमार गर्ग, 20, बाबर रोड़, नई दिल्ली । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकोंगे।

स्पद्धिकरण:---इसमें प्रयूक्त अब्बो और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गण है।

अनुसुखी

फ्लैंट नं० 401, युनिट 'जी' दूसरी मंजिल, बिल्डिंग नं० 5, कीश्यला पार्क, हौज खास, नई दिल्ली, नादादी— 1500 वर्ग फिट।

> मुनील चाँपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्राजैन रेंज-3, दिल्ला, नई दिल्ली

तारीख: 9-9-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंग-2, नई दिल्ली

नई दिस्ली, दिनांक 10 मितम्बर 1985

निदेश सं० श्रई ० ए० सी०/ए क्यू०/3/37-ईई/1-85/774---श्रतः म्**से**, म्नील चोपड़ा

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मूल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० डी-245 है तथा जो सरवोदया इनक्लेव, नई दिल्ली, में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), कार्यालय अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली में भारतीय आयहर अधिनियम 1961, के अधीन तारीख जनवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की उद्दे हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पद्मह प्रतिशास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथ नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर वेने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीर/या
- (ल) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गण भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलीखत व्यक्तियों, अर्थात् ——

(1) श्री ओम प्रकाण बन्मल, किमन गंज, पिलकवा, उत्तर प्रदेण,

(भ्रन्सरक्)

- (2) श्रीमती णिला देवी जैन पत्नी
- (2) श्रीमती शिला देवी जैन पत्नी श्री ए० के० जैन, 3916, जैन भवन, एजदीक जगत सिनेमा, दिल्ली-6।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए, कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होता हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों मों से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जर सकेंगे।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त अध्या और पर्वो का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

श्रन्युची

प्री० नं० डी-245, सरवादमा इनकरेव, नई दिल्नों, तादादी-1100 वर्ग फीट ।

> सुनील चौपड़ा पक्षम प्राधिकारी पहाय : ब्रायार ब्रायुक्त (निरीक्षण) ब्रार्जन रेंग-3, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 10-9-1985

प्ररूप आहें. टी. एन. एस . -----

जायक र अभितियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-ज (1) के अभीत संस्था

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक जायकार नायुक्त (निरोक्तक)

श्रर्जनः रेंज-3, नर्ष दिल्ली

मर्ष दिल्ली, दिनाँक 9 शितम्बर 1985

निवेश सं० श्राई० ए० सीं०/एष्यू०/3/37-ईई/1-85/775-⊶ श्रतः मुझे, सुनील चोषड़ा,

मायकर अधिरियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उकत अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी जो, यह विश्वास करते का मारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- राज से अधिक है

और जिसकी संव 102, प्लाट संव 22. जह तथा जो तम्यू-निटी सेन्टर, युसूफ सराय, नई दिल्ली से स्थित हैं (और इससे उपायक अनुसूची से पूर्ण हम से विणित हैं), वार्यालय अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली, भारतीय आयार अधिनियम 1961, के अधीन, तारीख जनवरी 1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप सं किश्रत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाद को नावरा, उक्त अधिनियन के स्थीन कुछ दोने के बन्दारक औ कारियल में कभी करने या उत्तरो वचने में सुविधा के निए वरि/या
- (च) ऐसी किसी अग्र या किसी भून या अग्य आस्तियाँ का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुनिधा के लिए,

(1) मैसर्स भनोट प्रीपर्ग्टीज एन्ड इंडसर्ट्रीज नि०, 102-103, रोजा हाऊस. 30-31, नेहरू पलेस, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

(2) हेमन्त चाँपड़ा, बी-47, श्रमर कालानी, नाजपत नगर, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरिती)

का वह त्यना जारी करके प्यानित सम्मरित के वर्जन के किए कार्यमहिद्या शुरू करता हो।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की बारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चिना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पर्क्त में हित- सद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाम लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पळीक रण: --- इसमें प्रयुक्त कक्यों और पदी का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित ही, वहीं अर्थ होंगा जो अध्याय में दिया गवा है।

अनुसुपी

पनैट नं 102 नादादी-344 वर्ग फिट, पहली मंजिल, (बिल्डिंग का निर्माण होना है) प्लाट नं 22, कम्यूनिटी सेंटर, युसुक सराय, नई दिल्ली ।

> मुनील चौपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्राधकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंत्र-3, दिल्लीं, न**ई** दिल्ली

बतः क्या, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के बन्सरण में, में बक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अभीन, निस्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

ता**री**ख : 9--9-1**98**5

प्ररूप मार्घ. टी. एन. एस.-----

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म के अभीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3 नई दिल्ली नई दिल्ली दिनांठ 9 जितम्बर 1985

निदेश सं० ग्राई०ए० सीं०/एक्यू०/3/3-7 ईई/1-85/776

--ग्रतः मुझे, सुनील चोपड़ा.

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेचात् 'उक्त अधिनियम,' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिता बाजार मूल्य 1,,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 204, प्लाट नं० 21 है तथा जो युसूफ सराय, उम्यूनिटी सेन्टर, नई दिल्ली, में स्थित है (और इससे उपायद अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), कार्यालय अर्जन रैंज-3, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम 1961, के अधीन, नारीख जनवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तिरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबतः, उक्त नियम के अधीन कर देने के अंतरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, फिपाने में सुविधा के सिए:

अतः अधः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नोलिखिस व्यक्तियों, अधीत :-- (1) ससर्स साकेत प्रोपरटीज (प्रा०)लि०, सी-538, डिफैंस कालोनी, नई दिल्ली,

(ग्रन्तरक)

(2) श्री विवेक जैन 2 श्री सुरेन्द्र कुमार जैन निवासीं-36, श्रगोक पार्क, न्यू रोहत रोइ, नई दिल्ली, (3) मास्टरमोनु कुमार (4) मास्टर तनुज कुमार यू/जी श्री सुरेन्द्र कुमार, निवासी-के-15, एन-डी-एस-ई-2, नई दिल्ली,

(भन्तरितीं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्विक्त स्यक्तियों में में किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रय्क्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वही अर्थ हागा जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची'

फ्लैट नं० 204. तादादी-378 वर्ग फिट, प्लाट नं०-21, युसूफ गराय, कम्यूनिटी सेन्टर, नई दिल्ली।

> सुनील चौबेड़ा नक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली

तारींख: 9-9-1985

मोहरः

प्ररूप नार्च्यती पुरु पुरु ------

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के बधीन सूचसः

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

श्रजंत रेंज-3, नई दिल्लीं नई दिल्ली, दिनांक 9 सिनस्बर 1985

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 201, प्लाट नं० 21 है तथा जो यूमूफ मराय, इम्यूक्टिंग संन्टर, नई दिल्ली, में स्थित हैं (और इससे उपाबंड अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित हैं), कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली, में भारतीय आयश्र अधिनियम 1961, के अथीन, तारीख जनवरी 1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरक के सिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं कया गया है ६—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कमी करने या उससे अचाने में सुविधा दायित्व के लिए; और/मा
- (च) एसी किसी भाग या किसी भन या अन्य जास्तियों को जिन्ही भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, का भन-कर अभिनियम, का भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सृविधा के सिए;

कतः वयः, उक्त अभिनियम कौ भारा 269-म के वनुसरण में, में उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित, व्यक्तियाँ, अभीतः :---

- (1) श्री सतीण सूद, एच-9, साऊथ एक्तटेन्यन, पार्क-6, नई दिल्ली (अन्तरक)
- (2) श्री कैलाश नाथ सूद, निवासी--एच-9, साऊथ एक्सटेन्सन, पार्ट-I, नई दिल्ली

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कांई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्त्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बव्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्तीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया या है।

वन्स्वी

50%भाग, फ्लर्ट नं० 201, तादाटी-214.50 वर्ग फिट, ज्लाट नं० 21, युमूफ सराय, कम्यूनिटी सेन्टर, नई दिल्ली- 61

सुनील चौपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 9-9-1985

प्रारूप आई.टी.एन.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली दिल्ली दिनाँक 9 सिनम्बर 198

नई दिल्ली, दिनाँक 9 मितम्बर 1985

निवेश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू०/3/37-ईई/1/85/ 778—-अतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-श्र के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या 312, शिलांक हाऊन, नं०-1 है तथा जो \mathbb{Q}_{1} 2, मीलन सिनंमा कमर्शीयल काम्पलेक्स, नई दिल्ली, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से बिल्ली, कार्यालय, ग्रजन रेंज-3, नई दिल्ली, में भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 के ग्रिधीन नारीख जनवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफक्त के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विषया करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एंसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिषत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिसित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की शवत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/सा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा के लिए;

कतः जब, उकत अधिनियम की भारा 269-ग के अमूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिकित व्यक्तियों, अभीत्:— (1) डाउ विकाश चन्द्र कश्यप,जे-212, साकेत, नई दिल्ली,

(भ्रन्तरक)

(2) माह्म्मद शहीद पुत्र श्री ग्रब्दुल माजिद, निवासी-7664. सुरेश नगर, बारी मस्जिद रोड़, सदर बाजार, दिल्ली-6

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना चारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्थन के किए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृष्टिक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मस्ति में हितब्र्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास जिसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास जिसिस में किए वा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पत्तों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

312, शिवलांक हाऊस नं० - 1, $\mathbf{v}_{l}2$, मीलन सिनेमा, कमर्शीयल काम्पर्लैक्स, नई दिल्ली, तादादी-320 वर्ग फिट, \mathbf{l}

सुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 9-9-1985

माहर ः

प्रारुप काइ . टी. एम. एस. ५-----

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-अ (1) के बभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक नायकर मायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनाँक 11 सितम्बर 1985 निदेश संब्र्याई०ए० सीवाएक्यूवा3/37-ईई/1-85/779 ---ग्रतः मुझे, सुनील चीपड़ा,

शायकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के शधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मृस्व 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी संख्या सी-219, है तथा जो श्रानन्द विहार दिल्ली 4 में स्थित है (श्रीर इससे उपात्रद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), कार्यालय अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली, में भारतीय श्रायकर श्रश्रिनियम, 1961, के श्रश्रीन, तारीख जनवरी 1985

कां पूर्वोक्स संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेष्य से उक्त कन्तरण किवात में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त विधिनियम के अभीन कार दोने के जन्तरक को दाकित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के विष्: वरि/बा
- (का) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय जायकर जिभिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनयम, या धन-कर अधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

जतः अब, उक्त अधिनियम की धार्य 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के क्धी~, निम्नलिखिट पिक्तवों, क्यांत् ध—

- (1) श्रीपीठ एक्ट भल्ला,
 30/2, पान दरीवा, चारबाग,लखनऊ ।
 (श्रन्तरक)
- (2) श्रोमर्नाः स्नेह् शर्मा पत्नी श्रीः श्रो० पी० शर्मा, सी-14, श्रानन्द धिहार, दिल्लो, (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यबाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सें बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकावन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्यक्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसृची

वसन्त रिमोडेन्टल प्लाट नं० मी- 219, श्रानन्द विहार, दिल्ली ।

> सुनील चौपड़ा सक्षम प्राधिकारी यहायक आयकर श्रायकत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 11-9-1985

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1 नई दिल्ली,

नई दिल्ली, दिनाँक 9 सितम्बर 1985

निदेश सं श्राई० ए० 'सी०/एक्यु ०/ 1/37-/ईई 1-85/780, → स्रतः म्झे, सुनील चोपड़ा,

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसने इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की भारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का फारण है कि स्थावार संपरिता, जिसका उपित बाजार युस्ब 1,06,000/-रु. से अधिक हैं

थ्रौर जिसकी संख्या फ्लैटनं० 2-ए है तथा जो **बी**-5, राजेन्द्रा पार्क, पुसा रोड़, नई दिल्ली, में स्थित है (ग्रीर इममे उपाबद्ध प्रनुमुची में पूर्ण रूप से वर्णित है), कार्यालय, श्चर्जन रेंज-3, नई विल्ली, में भारतीय श्रायकर श्रधिनियम 1961, के प्रधीन तारीख जनवरी 1985

करे पर्वोदन मम्परित के उचित बाजार मन्य से कम के अवगान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते, यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेक्ति, सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिवात से अभिक ही और अंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया पितफलः निम्निलिखित उद्दोश्य से उभत अन्तरण निखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :--

- (म) अस्तरण मं हक्क किसी बाय की बाबत . अधिनियम को अधीन कर दोने 🖷 अन्तरक वार्यितव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा ने मिए; नीउ/वा
- (व) दोती किसी जान ना निक्की नन ना नाम नारिक्कों को, जिन्हें भारतीय बाय-कर बिधनियम, 1922 (1922 का 11) था उक्त अधिनियम, या वन-कर **व्यवि**नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बस्तरिती बुवारा वकट नहीं किया एया वा या किया वाना वाहिए वा, कियाने में निश्रभाके जिए:

करू: बम्ब, उक्त विभिनियम की धारा 209-व के बनुसरण , मैं, शक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के वधीमः निम्नतिकतः व्यक्तियों, वर्धातः :---

(1) मैसर्स ध्रणोका बिल्डर्स एन्ड कन्सद्**न**स् **ई-2/6, झन्डेवालान एक्सटेन्सन,** नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

(2) थीं राज कुमार श्राहुजा, 17/4, नरसिंह पुरम स्ट्रीट, माउन्ट रोड़, महास ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुभवा बारी करको पूर्वोक्त सम्पन्ति को अर्थन के विद कार्यवाहियां भूक करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इन्द्र सुनवा के समयन में प्रकारक की तार्द्रीय से 45 रिवर् की अवर्षि या तत्वकारणी व्यक्तिकारी प्रा स्चना की तामीस से 30 दिन की व्यविभ, जो भी क्वीय शह में समाप्त होती हो, के भीतर प्वींक्त व्यक्तिकों में से किसी व्यक्ति हुवाराह
- (क) इस ब्याना के रायमल में प्रकाशन की तारीय से 45 किन को भीतर उपत स्थावर सम्पत्ति में हितवकुथ किसी बाज अधिक बुवारा बभोइस्ताक्षरी में पाद विकित में किए वा वर्की ने ।

स्वक्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और वदों का, यो उक्त निधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं वर्ष होना, यो उस मध्याय में विया ाचा है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 2-ए. ग्राउन्ड फ्लोर, बी-5, राजेन्द्रा पार्क, पुसा रोड़, नई विल्ली।

> स्नील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुका (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, दिल्ली; **न**ई दिल्ली

तारीख: 9-9-1985

भोहर:

प्रकल नाई. टी. एन. एस. ----

नायकर निधीनयम, 1961 (1961 का 43) स्वी धारा 269-भ (1) के नभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक भावकर नाव्यत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनाँक 9 सितम्बर 1985 निदेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/3/37-ईई/1-85/781』 —श्रतः मझे, सुनील चोपडा,

नायकर शॉधनियम, 1961 (1961 का 43) (निसं इसनें इसकें पत्त्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स क अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का कारण हैं। 'क स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० नं० 701-ए है तथा जो 6, बिका जी कामा प्लेस, नई दिल्ली, में स्थित है (श्रौर इससे उपाबढ़ अनुसूचों में पूर्ण रूप से विणित है), कार्यालय, श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली, में भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 के श्रिधीन तारीख जनवरी 1985

को पूर्विक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिकाल के लिए बन्तरित की गई है बौर मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि सभाप्वेक्त संपत्ति का उचित बाबाद मूल्य, उसके रच्यमान प्रतिकाल से एसे रच्यमान प्रतिकाल का पन्ने प्रतिकाल का पन्ने प्रतिकाल के पन्ने प्रतिकाल से अधिक है और बन्तरक (अन्तरका) बौर अतिरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तस पाना नवा प्रतिकाल निम्मतिचित उद्देष्टम से उक्त संतरण मिरीका के बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण सं हुई फिसी नाय की बाधत, उपध अधिनियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के बासिस्त में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के सिए: बार/वा
- हा) एसी किसी जाय या किसी थन या नन्य नास्तिनों को, बिन्हों भारतीय जाय-कर निभिनयम, 1922 (1922 का 11) या उकत मीभिनयम, या धनकर निभिनयम, या धनकर निभिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोध-नार्थ जन्तिरती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया थाना वाहिए था, छियाने में सूबिधा के सिए;

जतः। जन, उस्त अधिनियम की भारा 269-म के जन्तरण को, मी, उस्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित स्पित्तकों, अधीत् ः——
49—296 GI/85

(1) श्रन्सल प्रोपरटीज एन्ड इन्डस्ट्रं।ज, (प्रा०) लि०, 115, श्रन्सल भवन, 16, कस्तूरबा गाँधी मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) कुमारी रनजीता चन्द्रा, 15, गुरुद्वारा रकाब गंज, रोड़, नई दिल्ली । (अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके प्वॉक्त सम्पन्ति के अधन के लिए कार्यवाहियां करता हुं

इक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोर्ड भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील है 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पह स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा,
- (श) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विश्व के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंचे।

अनुसूची

पलैट नं० 701-ए, 6, बिका जी कामा प्लेस, नई दिल्लो।

> मूनील चोपड़ों सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, दिल्ला, नई दिल्ली

तारीख: 9-9-1985

प्रकृष बाह[े]. टी. एवं. एस.------

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यासयः, महाज्ञाः आधाकर आधुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 सिसम्बर 1985

निर्देश सं आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/1-85/ 782--- भतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उवत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,90,000/- रह. से अधिक है

धौर जिसकी संख्या 701 है तथा जो बिका जी कामा पलेस, नई दिल्ली में स्थित है (धौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण क्य में विणित है), के कार्यालय अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख जनवरी 1985

कर्न पूर्विवत सम्पत्ति के उचित बाजार मल्य मं कम के इध्यमाम प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापवीक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मृत्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल कर पन्नह प्रतिषात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) जन्तरण से हुई जिसी जाय की वाबत, उस्त बिधिनियम के जभीन कर बीने के अन्तरक के दायिका में प्रतीकार के लिए; बारि/या
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम बा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के पर्योजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकार नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में एविया के निगः

(1) धन्सल प्रोगर्टीज एन्ड इंडस्ट्रिज (प्रा०) लि० 115, धन्सल भवन, 16, कस्तूरबा गांधी मार्ग नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) कुमारो हिनता चन्द्रा, 15, गुरूद्वारा रकाब गंज रोड़, नई दिल्ली।

(ग्रसरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पर्धित के कर्चन के जिल्ला कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षीप :---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीय से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 विन की अविधि, खो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृक्तरा;
- (च) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा स्कोंगे।

स्वच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया वदा है।

ग्रनुसूची

फ्लैंट नं॰ 701, 6, बिका जी कामा प्लेस, नई बिल्ली।

> सुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरक्षिण) म्रजन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली

अतः अवः, उक्त अधिनियम, की धारा 269-त्र के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-त्र की उपधारा (1) के अधीन, निस्नतिकित व्यक्तियों, अधीत् :---

तारीख: 9-9-1985

प्रकृष् वाद्ये द्वी एन एस . -------

बायकर बीचनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-च (1) से बचीन सुचना

द्रास्त सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेंज-3, नई दिल्लः

नई दिल्लं।, दिनां रू 9 सितम्बर 1985

निर्देश सं. प्रार्ड० ए० सं/०/एत्यू०/1/37ईई/1-85/ 783-श्रत: मुझे, सुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-इ के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारल हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी संख्या शाँप नं० 158, है तथा जो बिल्डिंग नं० 9, बिका जो कामा पलेस, नई दिल्लं। में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रन्सुची। में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रा-कर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, अर्जन रैंज—3, नई दिल्ली में भारतीय ग्रायकर श्रिधिनियम 1961, के अंश्रीन काराख जनवरी—85

को पूर्वोक्स सम्पांत्त के उचित बाबार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितार्गों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि मिनलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में बास्तविक हप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण डे हुए किसी आय की अवत उथत अधि नियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दायित्य में कामी करने वा उससे सचने में सुगिशा के सिए; और/या
- (खा एसी किसी बाय या किसी धन या वन्य वास्तियों कारे, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) मा अवत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकृत रहीं किया बना या किया जाना चाहिए था छिएएने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्तरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रोमतो चरनजीस कौर श्रीर, श्रीमती गूलविन्दर कौर, श्रार०-211, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली,

(भ्रन्तरक)

(2) मैंसर्स सोम दत्त बिल्डर्स (प्रा०) लि०, 56, कम्युनिटो सेन्टर, ईस्ट माफ कैलाण, नई दिल्ली,

(मन्तरितो)

भी वह स्थान जारी करके पृथीक्त सम्पत्ति के अजन के निष्, कार्यवाहियां करता हूं।

उब्ह सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामीस से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्र व्यथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम निश्चित में किए जा मकोंगे।

स्पर्काकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अभ्याय 20-क में परिभाषित हा, वहीं अर्थ लांगा, जा उस लध्याय में दिया गया हा।

वन्त्रभी

शांति नंश 188 विवेदा नंश 9, वि.स. जा इत्माः पर्लस, नई दिल्ला, तादादो—166 वर्ग फोटा

> सुतील घोउड़ा पत्रम प्राप्ति अस्य सहायात स्रायातर स्राप्तित (गिराक्षण) स्राजीत रैंज--3, तर्द दिल्ला

तारीख: 9-9~85

भोहर :

The record residue.

प्ररूप बाई. टी. एन. एस. ५-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

क'र्याजयः, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रेंज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 9 सितम्बर 1985 निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/3-37ईई-1-85/ 784--शन: मुझे, सुनाल चोपड़ा,

बायकर अंभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्च त् जिक्त अधिनियम कहा गया है), के धारा 269-ख के अधीन अधम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाक सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00000/-

रुपये से तिथक हैं

श्रीर जिल्की संव स्पेस नंव 3 श्रीर 4, है ता जो 2-ए बिकाजी (प्रमा पलेल, नई दिल्ली में स्थित है श्रीर इससे, उपाबद्ध प्रमुख में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रीशारी के अधिनियम 1961 के अधीन तारीख जनवरी-35

को पूर्विक सम्मान के उचित बाजार मूल्य से कर के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्मान्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्य तम अने पाल को, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह्र प्रतिकृत से स्वयं है जिए अन्तरित (अन्तरिक्त) को अन्तरित (अन्तरिक्ति) के निष्ट स्थाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तिविक का अन्तरिक किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त किथ-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचये में सृद्धिचा
- (स) एसी किसी बाय या धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उवत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

(1) मैं कैलाश नाथ एन्ड एसोसिएटस, 1006, कंचनजुगा, 18, वाराखम्बा रोड़, नई दिल्ली ।

(म्रन्तरक)

 (2) मास्टर वैभव ग्रानन्द, सीक-19, चिराग इनक्लेव, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 ती अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना मील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों किसी व्यक्ति दुवारा;

्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से न के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास गर्मे किए जा सकोंगे।

स्वच्छीकरणः -- !समं प्रयुक्त शब्दों और पदों का., वो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परेशायित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्त्यं।

दो ग्रोपन कार पार्किंग स्पेत नं० 3 ग्रौर 4, प्रेपोजिड कर्माशयल काम्प्लेक्स, ए-एल-पो-एस, 2-ए, बिकाजी कामा पलेस, नई दिल्ली

> मुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

तारीख: 9-9-85

प्रारूप आइ. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्लं ।, दिनांक 9 सितम्बर 1985

निर्देश संख्या आर्धि ए० स्.िं $\sqrt{\sigma}$ स्यू०/3/37ईई/1-85785—प्रतः मुस्रे, सुनं/ल चोपड़ा,

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके परेशात 'उकत अधिनियम' अद्य प्रशाह"), की धारा 269-च् के बजीन रक्षम शाधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर प्रकारित, विश्वका उचिता बाबार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिन्नकी संख्या 610 गगनदोप, है सथा जा 12, राजेन्द्रा पलेत, नई दिल्ला में स्थित है (श्रीर इससे अपावद श्रम्सूचा में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रिजिस्ट्रारता श्रधिवारी के फार्यालय, श्रजन रेंज-3, नई दिल्ला में भारतीय श्रीयवर अधिनयम 1961 के श्रधीन तारीख जनवरी-85

को पूर्नोवत संपत्ति को उचित बाबार अस्व से कम् को स्वस्थान प्रतिफल को लिए अंतरित को गई है और मुक्ते सार् विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्चोंक्त बंग्यति का उचित बाजार मृत्य स्वसके ब्ल्यान प्रतिकत्त से, इसे स्वयान प्रतिकल् का पन्त्रह् प्रतिकत्त में निभक्ष है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिशियों) के बीच इसे अन्तरण के लिए तब् पावा गवा प्रतिफल, निम्नलिजित उद्देश्य से अन्त अन्तरण सिचित में प्रास्तिक क्य से कांचित नहीं किया प्रवा है ह—-

- (क) अन्दरण से हुई कियों भाग की नागबा, सक्क् अधिनियुम् के अभीन कर दोने के जन्दरक. बो वासित्व में कमी करने या उससे बजने में सुविधा के लिए; बीर/या
- (श) ऐसी किसी बाम का किसी धन व सन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, स्थिमने में सुविधा भी शिक्ट;

(1) श्रीपती गिना देवी, 34, पुना रोड़, नई दिल्ली

(भन्तरक)

(2) श्री ए दुगाल ग्रौर श्री प्रदीय मेहरा, . 29--ए, एप्र-ग्राई-जी फ्लैट, राजौरी गार्डन नर्ष दिल्ली

(ग्रन्तरिती)

का बहु ६ प्ता जारी करके पूर्वोक्त सम्मृति के अर्थन के लिह् कार्यवाहियां कु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तार्थेश ले 45 दिन की जबभि या तत्त्वंगे. व्यक्तियों पृष्ट सूचना की कार्योक्त के 30 दिन की सम्बद्धि, को की सम्बद्धि काद में स्थाप्त होती हो, के भीतार पूर्णिका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति कृतान्तः;
- (क) इस सूचना को राजपण में प्रकाशन की तारीक को 45 दिन को भीवण जन्द स्थानण सम्पत्ति में दिख-बहा किसी व्यक्ति वृजारा, ज्योद्धलाकानी की काब कि बाब में किए का क्योंने।

क्यूक्टीकाञ्चन: - इसमें प्रवृक्त सन्दों सीर वर्षों का, यो उक्त जीभीनयम, के बभ्याय 20-क में परिभाषित हुँ, बहुर कर्य होगा जो उस जभ्याय में हैंबबा वसा है।

अनुसूची

610, गरतदीय 4 छठी मंजिल, 12,राजेन्द्रा पलेस, नई दिल्ली--१., तादादी 395 वर्ग फीट।

> सुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (िरिक्षण) ग्रजन रेंज-3, नई दिल्ली

बत: बब, उक्त जीधीनयम की भारा 269-स के जमसरक में, में उक्त जीधीनयम की भारा 269-स के उपधारा (1) में जभीन, निकालिकित सर्वांक्तयों, अर्थात ----

तारीख: 9-- -85

प्रकल बाह्", टी. एन. एस. -----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 9 सितम्बर 1985

निर्देश सं० धाई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/1-85/ 786--धत: मुझे, सुनील चोपड़ा,

नायकर लाधनियम, 1961 (1961 का 43) िजसं इसमें इसके परचान् 'उक्त निधिनयम' कहा गया हैं), की भाष 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उष्यत नाजार मृस्य 1,00,000/-छ, से विधिक हैं

और जिसकी सं के पी | 3/39 है तथा जो प्रीतम पुरा, दिस्ली में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है | रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, धर्जन रेज 3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961, के अधीन तारीख जनवरी 85

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के ज्यमान प्रितिक न वे लिए अंतरित की नहीं हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का वारण हो कि सभाप्विवस सम्पत्ति का उचित बाजार बृज्य, उस के दश्यमान प्रतिकल से, एसे ध्रथमान प्रतिकल का बन्द्रह प्रतिकत से अधिक ही और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिकों (अन्तरितिकों) के बीच एसे अन्तरण को लिए तन पाया गमा प्रतिकल, जिम्मतिचित उद्देष्ट्य में उच्य मन्तरण निवित में बाद्य वस सन्तरण निवित में बाद्य वस सन्तरण निवित में

- (क) अन्तरभ ते हुइ किशी बाव की वायत, उनके विवित्व के नधीन कर दोने के जन्तरक के दाधिन मां कमी अरते या उसके वान मां सुविक। के लिए; बीर/या
- (ख) ऐसी किसी बाव या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम या धव-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में सुविधा की लिए;

- (1) श्री खराती लाल लाम्बा, पुत्न स्व० एम० एल० लाम्बा, निवासी-ए०-1/243-बी०, लारेंस रोड़, दिल्ली। (श्रन्तरक
- (2) श्री अन्तराम चावला, पुद्ध श्री नानक चन्द चावला, निवासी-8845, शिदीपुरा, । विल्ली ।

(श्रम्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पर्योक्स संपत्ति के अर्जन के निम् कार्यवाहियां कारत हूं।

उक्त सम्परित है अर्जन के संबंध में कोई भी बाओप--

- (क) इस संचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्ति में पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अधिभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में संकिसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस स्कान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से सं 45 फिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित-भद्भ किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

वन्सूची

हाउस नं० के० पी०/339 प्रीतम पुरा, दिल्ली ।

सुनील बोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निर्दक्षण) श्रर्जन रेंज-३, नई दिल्ली

अतः शव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग क तन्मरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निविखित व्यक्तियों, अधीन :--

तारीख: 9-9-85

मोहरः

प्ररूप कार्ष: टी. एन. एस. ------

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्पालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 9 सितम्बर 1985

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/1-85/787--श्रतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस् कें प्रकार 'उन्त निधीयम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के नभीन सक्षम प्राधिकारों को यह विस्थास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाचार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या $\mathbf{\hat{\xi}} - 4/15$ है तथा जो झन्डेवालान एक्स-टेंगन नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना ग्रधिकारी के कार्यालय शर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रधिनियम 1961 के श्रधीन तारीख जनवरी-85

को प्रशंकित सम्परित के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंकत सम्परित का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) जार अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उसत अन्तरण निक्ति से विष्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त आधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या कन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविभा के सिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनूसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निक्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रणोका बिल्डर्स, $\xi/2/6$, झन्डेबालान एक्सटेंगन, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

(2) (1) श्री एस० के० पुरी पुत्र स्व० श्री गुरदास राम पुरी ।

> (2) श्रीमती ऊषा पुरी पत्नी श्री एफ ० सी० पुरी ।

(3) श्री मनोज पुरी
पुत्र श्री एफ० सी० पुरी
निवासी ए-24, प्रहलाद मार्किट, करोल
बाग, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाष्ट्रियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबह्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में से किए का सकोंगे।

स्पाक्षीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

वन्स्ची

एक कमरा और एक बाथ रूम, रूम न \circ बी \circ , दूसरी मंजिल, \$-4/15, झन्डेवालान एक्सटेंगन, न\$ दिल्ली !

मृतील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

तारीखा: 9-9-85

बस्य बार्ड .टी .एन .एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

क्रमालिय, सहायक आयकर आयुक्त (िरिक्रिण) भ्रजीन रेज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 सितम्बर 1985

निर्वेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/1-85/788—श्रत: मुसे, सुनील चोपड़ा,

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह िस्वास करने का आरण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृत्य 1.00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 702-ए है तथा जो 6, विकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाद्यद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), कार्यालय ग्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय ग्रायकर श्रिधिनियम, 1961 के ग्रिधीन तारीख जनवरी, 85

को पूर्वोक्त सम्पन्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के कि कि विद्यारित की गई हैं और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण हैं विश्वास सम्पन्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान गतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्स्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और कन्तरिती (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब बाबा गया प्रतिफल, निम्निनिचित उद्देश्य से उचत अन्तरण बिचित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुइं किसी बाब की बाबत, अक्त बिधनियम के बधीन कर देने के अन्तरक की दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (स) एसी किसी या किसी धन या अन्य अस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती वृंबारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्त्रियाने में सुविधा के सिए:

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) वे अधीन निमनुजिल्लित व्यक्तियों. अर्थात् :--- (1) श्रन्सल प्रोपर्टीज एन्ड इंडस्ट्रिज (प्रा०) लि० 115, श्रन्सल भवन, 16, कस्तूरवा गांधी मार्ग नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

(2) कुमारी उदिता चन्द्रा, 15, गुरुद्वारा रकाब गंज रोड, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित्त के वर्जन के लिख कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वमा के राजपन में प्रकाशन की तारीच के 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 विन की अविधि, को भी अविध शव में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्पाक्षरी के पास जिस्ति में किये जा सकी।

स्पद्धिकरणः — इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदौं का, जो उनतें अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित, -हा, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया है।

ग्रन्सुची

फ्लैट नं० 702-ए 6, बिकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली, तादादी-220 वर्ग फीट।

> सुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-3, नई दिल्ली

तारीख: 9-9-1985

मोहर 🖫

प्रकल् बार्ड . टी , एन . एव . -----

बायकर विधित्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के वधीन सूचना

भारत सरकार

कार्य जर, महायक जायकर वायुक्त (विरामक)

ग्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 सितम्बर 1985

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/1-85/789—ग्रत: मुझे, सुनील चोपड़ा,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन, सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्म्पारि, जिसका उचित बाबार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या 206, 5/67 है तथा जो पदम सिंह रोड, करौल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमनान वित्यक्त के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके स्थमान प्रतिफल का पंकल प्रतिपत्त को स्थमान प्रतिफल का पंकल प्रतिपत्ति से अन्तरिती (जन्तरिता) के बीच एके जन्तरित के बिए त्य पाया क्या वित्यत्ति कि विश्वास्ति उद्देश्य से उक्त कन्तरण जिल्हित विश्वास्ति विद्या से वास्तरिक स्थ से किया नहीं कि वा स्था क्या क्या स्था के वास्तरिक स्थ से किया नहीं कि वा स्था है कि

- (क) करूप ते हुन्दं किसी बाब की बाबस करूप किसिन्य के बभीच कर वेचे के क्यारका के दायित्व में कमी करने या उससे बचने मीं सुविधा के दिला; और /शः
- (सी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियाँ को, जिल्हें भारतीय काय कर अभिनिष्यम, 1922 (1922 का 11) या उदत अधिनिष्यम, वा अन-कर अधिनिष्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिमाने में सुविधा के सिए;

विष: विष, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण केंद्र में उक्त विधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) में वर्धीय. निस्तिविषय व्यक्तिकारों, अधिक् 50—296 GI/85 (1) मैं० पाल मोहन कन्स्ट्रक्शन कम्पनी,
 6/47924 चांदनी चौक,
 दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) मैं गंगा ट्रेडिंग कम्पनी, 47/5, ओल्ड राजेन्द्रा नगर, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गृक्ष करता हो।

उक्त राज्यित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप

- (क) इत स्वान के राजपन के प्रकाशक की दारीध है 45 दिस् की सर्वीध का सम्बन्धी ज्यक्तियों गर सूचका की दासीच से 30 दिन की व्यक्ति, वो भी अविध बाद में स्वाप्त होती हो, के भीतर पृव्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवास;
- (क) इब् स्वा के राजपत में अकाशन को दारोध में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर अध्योत्त में हिलाक्य किसी बन्ध कंड़ीक्त द्वार अधोहम्ताक्षरों के एक लिखित में किस् ए सकेंगे।

स्पंडितरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया भवा है।

श्रनुसूची

फ्लैंट नं० 206, पहली मंजिल, पाल मोहन हाउस, 5/67, पदम सिंह रोड करौल बाग, नई दिल्ली, तादादीं-103 वर्ग फीट।

सुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, नई, दिल्ली

तारीख: 9-9-85

प्रकल कार्याः, हो। एनः एकः - - - ----

भाषणार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

भारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रजीन रेंज--3, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनाँक 9 प्रितम्बर 1985

निर्द्रोध सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/1-85/790--श्रन: मुझे, स्नील चोपड़ा,

अ। थकर अधिनियम, 1961 (1961 आत 43) (जिसे इसमें इसके परेवात 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं). की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिस्तास करने का कारण हैं कि स्थानन सम्पर्कि जिसका उचित बाजार म्स्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिनकी संख्या 205, पाल मोहन एपार्टमेंट हैं तथा जो 3, एन-जब्ल्यू-ए०, पंजाबी बाग, नई दिल्ली में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुस्ची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित हैं), कार्यालय, श्रर्जन रेंज−3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख जनवरी, 85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित याजार मूल्य से कम के क्यानान प्रिकृत के लिए अप्तरिक्त की मुद्दे हैं और मूझे यह जिल्लास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान अतिफाल से, एसे दश्यमान अतिफाल के पंचह अतिकात से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तरितिकों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय बाबा गंवा प्रतिफल निम्मिलिबित उद्देश्य से उक्त जन्तरण सिवित के बाबाविक कर से कांचित नहीं किया बंबा की है

- (क) ब्रुक्ट्रिय ने हुई किसी जाय की वानस्त, सक्त अवश्रीसम्बद्ध के अधीन कर दोने के अन्तर्क के एश्वित्य की कमी करने या उत्तस वचने हों सुविधा के चिए; जीट्र/वा
- (स) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धर-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा से सिहा;

ात. अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के बमुकरण मं, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के बधीन, निम्किनियस व्यक्तियों, अधीत :— (1) श्री भाग्र थें० मिलक,25/55, बेस्ट पटेल नगर,नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

(2) मैं० रिशी पाल प्रोपर्टीज (प्रा०) लिं० 704, प्रगति टावर, 26, राजेन्द्रा प्लेस, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना बारी करके प्वोंक्त सभ्यत्ति के वर्णन के निष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांचे भी जाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के रावपत्र में प्रकशन की तारीय से 45 दिन की मनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 दिन की जनिथ, जो भी विश्वित में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिया में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में श्रकाशन की तारीण से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितवृष्ध किसी अन्य व्यक्ति इमारा अभोहस्ताकरी के पास जिस्ति में किए जा सकारी

स्माक्कीकरण: ----ध्समं प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उपले अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

वन्स्यी

पाल मोहन एपार्टमेंट, 3, एन-डब्ल्यू-ए, पंजाबी बाग, नई दिल्ली, तादादी-825 वर्ग फीट।

> सुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज∺3∎ नई दिल्ली

नारीख: 9-9-1985

मोहरः

प्ररूप बार्ड . डी . एन् . एख . ----

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ 1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

भागितम्, सहायक माधकर नायकत (निर्क्षिण)

नई दिल्ली, दिनाँक 9 सितम्बर 1985

श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

निर्देश मं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/1-85/791--श्रत: मुझे, स्तील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन राष्ट्राम प्राधिकारा को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार प्रस्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी मं० 204, 5एन-डब्ल्यू-ए, है तथा जो पंजाबी बाग, ग्राम मादीपुर, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची श्रीर पूर्ण रूप मे विणित है), कार्यालय, ग्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1961 के श्रधीन तारीख जनवरी, 85

को पृथिनित संपत्ति के जिल्ल बाजार मूल्य संकम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यह पूर्वेनित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे ध्रथमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच बंतरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अंतरण लिखित में वासिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरभ ते हुन्दं किसी बाव की अन्तर, जन्त, निवित्तियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में अभी करने वा उक्क बचने में वृद्धिमा के निष्टुः और/या
- (क) एंसी किसी आम या किसी भव या अस्य वास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया आना काहिए था, छिपाने में मुविशा के सिए:

जत: अब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ए के जनसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिकित व्यक्तियों, अर्थात ए— (1) श्रीमती सावित्री वेवी सीवलानी, सी०-112, क्रिती नगर, नई दिल्ली।

(भन्तरक)

(2) मैं० पाल मोहन कन्स्ट्रवशन कम्पनी, 6/4792, चाँदनी चौंक, दिल्ली । (भ्रम्तरिती)

को बहु सूच्या आरी करके यूबॉक्त सम्पत्ति के अर्थम् क लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परिश के वर्जन के सम्बन्ध में कार्श भी बाक्षप .---

- (क) इस सूचना के एजपत्र मो प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविध मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की वविध, जो भी अविध बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर प्वांकित व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थात्रर संपत्ति में हिनबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोत्रस्ताक्षरी के पास सिस्थित में विग्र का सकाँगे।

स्भव्योकरण :—इसमें प्रयुवत शादों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया ग्या है।

अन्सुची

204, 5एन~-डब्ल्यू-ए, पंजाबी बाग, ग्राम मादीपुर नई दिल्ली।

> सुनील चोप**ड़ा** सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज~1, न**र्ड** दिल्ली

तारीख: 9--9--85

प्रकप नाइं.टी. एन, एस. -----

नामकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-में (1) के अभीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनाँक 9 सितम्बर 1985

निर्देश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/1-85/792—अत: मुझे, सुनील चेपड़ा,

आयकर लिधिनियम. 1961 (1961 का 43) (चित्रे इसमें इसके पश्चास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाष 269-स के अधीन सक्षम प्रीधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसको सं ग्रारं जे० ए० 1 जी० 6 जी०, 101103 है तथा जो 5 जी०, 25 जी० ग्रीर 42 जी०, 60/
25, न्यू रोहतक रोड़, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची से ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है). रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, ग्रर्जन रेज-3, नई दिल्ली में भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम 1961 के ग्राधीन तारीख जनवरी-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्षयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य' उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबता, उकत अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के शिए; बौर/का
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, भिन्हों भारतीय आय-कर निधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त सीधनियम, यो धनकर निधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरती द्वाय प्रकट महीं किया गया ना या किया जाना नाहिए था, कियाने में दुनिया के किए;

क्षा: सव, उनत विधितियमं की पारा 269-न के बनुब्रुस्थ कों, मीं उनते विधितियमं की धारा 269-च की उपधारा (1) को वधीन, तिस्तिसिक क्रिक्टियों, अर्थाव केल्ल (1) राज राहुल कन्ट्रक्टर्स ग्रीर बिल्डर्स (प्रा०) लि० एन० 42-ए०, कनाट पलेस, नई दिल्ली

(भ्रन्तरव

(2) श्री राजेन्द्र जैना. पि -फ्लैट सागर भ्रपयर्टसेंट, 6-तिलक मार्ग, नई दिल्ली

(ग्रन्तरिर्त

को यह सूचना आदी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन क निएं कार्यगितियां सूक्ष करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के गर्जन के संबंध मा काड़ी भी आक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व व 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितयक्ष किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाज तिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के सभ्याम 20-क में परिभाषिध है, वहीं अर्थ होगर, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ग्रार० जे० ए०→1 जी०→6 जी०, 101/103/5 जी०, 25 जी० ग्रीर 42 जी०, ग्राउंड फ्लोर, 60/26, प्रभात मार्ग, न्यू रोहतक रोड़, नई दिल्ली तादाद्री—1150 वर्ग फीट।

> मुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेंन रेंज–3, नई दिल्ली

ता**रीख: 9-9-198**5

मोहर 🖫

प्ररूप जाई.टी.एन.एसं.-----

बायकर अधिनियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

काबालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाँक 9 सितम्बर 1985

निर्देश मं० भ्राई० ए० मी०/एक्यू०/3/37ईई/3-85/822--भ्रत: मुझे, मुनील चेपड़ा,

मानकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी के यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या 9/45 है तथा जा बिका जी कामा पलेस, नई दिल्ली में स्थित है (आर इसमें उपाबढ़ अनुमूची में पूर्ण रूप से विणित है), आर्थालय श्रजंन रेंज-3, नई दिल्ली भारतीय श्रायकर श्रीधनियम 1961 क श्रधीन तारीख जनवरी-85

का पूर्वाक्त सम्पत्ति क अचित बाजार मृत्य स कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का डांचत बाजार मृत्य, उसके स्थयमान प्रतिफल सं, एसे स्थयमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत सं अधिक हैं और अंतरिकों (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य सं उक्त उन्तरण लिखित में बास्तांचक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देनें के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा पक्त नहीं जिया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

नतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-य के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तिया, अधीत् .--- (1) मैं० निरन्कारी क्राकरी हाउस,
 3/2656, बेंबन पुरा, करौल बाग,
 नई विरुली

(भ्रन्तरक)

(2) श्री के० के० भाटिया,
 बी० 1/61, सफदरजंग इनक्लेब,
 नई दिल्ली,

(भन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सपत्ति के अर्जन के सबभ में कांई भी जाक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति आ भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति पुकारा;
- (क) इस स्पान के राजपत्र मां प्रकाशन की तारी का सं 45 विन को भीतर उत्तत स्थावर सम्पत्ति मों हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वार अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों अप जा सकीगे।

स्वक्रीकरणः — इसमे प्रयुक्त राज्यों और पदां का, जो उक्त जिनियम, के अध्याप 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हांगा जो उस अध्याय में विया गया है।

मम्स्यी

9/45, उपर ग्राउंड फ्लोर9, बिकाजी कामा पलेस, न**ई** दिल्ली, तादा**दी** 184 वर्ग फीट।

> सुनील चोप**ड़ा** स**क्षम प्राधिकारी** सहायक **भा**यकर श्रामुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज–3, नर्ड दिल्ली

तारीख: 9-9-85

मोहर 🗓

प्ररूप आई .टी .एन .एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 सितम्बर 1985

निर्वेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/3-85/840--अत: मुझे, सुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें परचात् 'उक्त अधिनियमा कहा गया है), की धारा 269-म के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य

1,00,000/- फ. से अधिक ही

भौर जिसकी सं० 202 यूनिट 'एच' है तथा जो 6, कौभ्यला पार्क होज खास,नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961, के अधीन तारीख जनवरी 1985

को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पद्गह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंत-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) कौश्यला ए.जु.ेश्वन्स ट्रस्ट, अपोना, मधुबन, करनाल (हरियाणा) (अन्तरक)
- (2) श्री राहुल जैन श्रौर,
 श्रीमती अन्जली जैन,
 2, पाला अ विहार, विलंगटन श्रैश,
 नई िल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कर । हूं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष सैं
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त
क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीदर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध िकसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अर्थाहस्ताक्षरी के पास तिस्तित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-हो, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हो।

अनुसूची

फ्लैट नं० 202, यूनिट 'एच' पहुली मंजिल, 6, कौश्यला पार्क, हौज खास, नई दिल्ली, नादादी 1385 वर्ग फीट।

> सुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी मुद्दाब के आव हर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नारी**ख**: 9-9-85

मोहर :

प्रकथ बर्क्स टी एन एस्. - - - - -

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीव न्यना

. HITTH ATTITUTE

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जम रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 सितम्बर 1985 निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/3-85/ 1-85/848—अत: मुझे, सुनील चोपड़ा,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-खं के अधीन सक्षम पाधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या 38/2087 है तथा जो नाईवाला करौल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में विणित है), कार्यालय, अर्जन रेंज→3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961, के अधीन नारीख जनवरी→85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के उत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि यथापृष्टिक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे उत्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त कि निम्निस्तिन उद्योध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक अप के कीथन नहीं किया गया है :—

- हुँक) बन्तरण ने हुई किसी बाय की बावस्त, ब्रम्स जोधीनयन के अधीन कार धार्ग के अन्तरक के दादित्य में कभी करने या छससे क्याने में सुविधा क 'लए: अटि√वा
- (क) ऐसी किसी जान या किसी धन या नस्य वास्तियाँ को, जिल्हों भारतीय आय-सह अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया शर्या किया जाना वाहिए था, जिल्हा में वृत्या औ विवाह

तः अध, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुस् प्रां, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा भीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) श्री खैराती लाल, ए० पी०—22, सालीमार बाग, दिल्ली ।

(अन्मरक)

(2) मैं श्रक्त अही स्पेयर (रिजी) 1542/29, नहवाला करौल बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुई।

बन्द सम्पत्ति को अर्जन भी मंबंभ में कोई भी आओप 🐎 🖛

- (क) इस नुषना के राजपत्र तो प्रकाणन की तारीय के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृषना की तामील से 30 दिन की अवधि, यो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकित का कि जिल्हा है कि की कार्या का कि कार्या कार्या का कि कार्या कार्यों कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्य कार्या कार्य कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्य कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्य कार्या का
- (क) प्रभाव भाषा के शक्षपत्र मों प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संस्थित में दितवर्थ किसी बन्द कारित द्वारा, स्थोहस्ताकरी के पास जिविद्य श्री दिना का सक्तीय।

स्यव्दीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

समस्यो

38/2087, नाईवाला करौल बाग, नई दिल्ली, ताबाबी ग्राउंड फ्लोर, 36.62 वर्ग मीटर, तादादी पहली मंजिल 19.12, वर्ग मीटर।

> सुनील चोपड़ा सक्षम प्राधि हारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंग्र-3, नई दिल्ली

3-9-1985

मोहर:

प्ररूप बाइ", टी. देन, ऐसे.. ----

बावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के सधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यांचय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 सितम्बर 1985

निर्देश सं॰ आई॰ ए॰ सी॰/एक्यू॰/3/37ईई/1-85/

7-85--अतः मुझे, सुनील चोपड़ा, बायकर बीधीनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इंसके परवात् 'उक्त बीधीनयम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह बिश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य

1.00,000/- रह. से अधिक हैं

भौर जिसकी संख्या 201-301 श्रीर 401 है तथा जो 1, राजेन्द्रा प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन नारीख जनवरी 85

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि विश्वास करने का कारण है कि विश्वास मृत्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, एमें दश्यमान प्रतिफल का पन्तृह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तब वावा गया प्रतिकल निम्मतिवित अव्वदेश से उन्तर सन्तरण किवित में वास्तिक रूप से कवित महीं किवा गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किता आय की वावत, उक्त विभिनियम के बधीन कर दोने के बंतरक के धायित्व में क्रवी करने या उससे बचने में तुनिधा के सिए; और/या
- (ण) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तिवाँ को, जिम्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया थाना चाहिए था, ज्ञिपाने में सुविधा के सिए;

कतः त्रभः, उकत अभिनियम की धारा 269-थ के अनुसरण मं. में. उपत अभिनियम की धारा 269-थ की उपभारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ्र— (1) मैं० निहा दिप कन्स्ट्रमणन
 1, राजेन्द्रा प्लेस,
 नई दिल्ली ।

(अनारक)

(2) श्री सतीम चन्द्रा गुप्ता, 18, यन्द्रल लेन, बंगाली मार्केट, नई दिल्ली !

(अन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लि। कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

खनतः सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी जाओप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य विकत द्वारा अधोहस्त्याक्षरी के पास निकित में किए जा सकोंगे।

स्वक्तिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्स्ची

स्पेस नं० 201, 301 ग्रांर 401, दुसरी मंजिल, तीसरी मंजिल, चौथी मंजिल, बिल्डिंग अन्डर कन्सट्रवशन 1, राजेन्द्रा प्लेश, नई दिल्ली ।

> सुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्रर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

तारीख: 9-9---5

मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आय्क्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, मई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 सितम्बर 1985

निर्देण सं० आई० ए० सी०/एक्यू० रेंज 3/37ईई/ 1-85/8-25/1021---अन: मुझे, मुनील चोपड़ा,

बायकार अधिनियम 1961 (1961, का 43) (जिसे इतमें इसके परधात 'उधत अधिनियम' कहा नया हैं)., की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को प्रष्न विश्वास करने का कारण हैं कि स्थार संस्पत्ति जिसका उपित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी संख्या 2/33 है तथा जो आजाद अपार्टमेंट, अर्रावद मार्ग, नई दिल्ली में स्थित हैं (ग्रौर इसमे उपाश्रद अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित ई), कार्यालय, अर्जन रेंज-3 में भारतीय आयक्तर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख अगस्त 1985

को प्रवेकित सम ित के जिसत बाजार मृत्य से कम के ध्यमांच इतिफल के लिए अन्तरित की गर्द हैं और पहाँ यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थाप्येक्त संपत्ति का उचित बाबार प्ल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल में, एोसे दृश्यमान प्रतिफाल का मन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और बन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिष्ट एस पासा गया प्रतिफाल निम्निलियन उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में अस्तिक रूप में कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण में हुन्हें किसी आप की बाबत अक्त बीध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; बीर/बा
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तिर्वों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरिती न्यारा प्रकट नहीं किया गमा था या किया जाना साहिए था, स्त्रिपाने में मूर्विभा के निए;

जतः अव, उक्त आधानसम् ती धारा 269-व को अनुसरण में, मंं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलि**वित व्यक्ति**यों, अर्थात् ः— 51---296 GI/85

- (1) श्रीमती आप० खन्ना, डो०--्9, होत्र खात, नई दिल्ली--16 (अन्तरक)
- (2) श्रीमती गीता भट्टाचार्य, बी-2/33, आजाद अपार्टमेंट, अर्रीवद मार्ग, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके प्वोंकत सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोर्ड भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीचा से 45 दिन की जमीध या तत्त्रम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जमीध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच हैं 45 दिश के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में दिया-वस्भ किसी जन्म व्यक्ति व्यारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए या सकीय।

स्थळकरणः—इसमें प्रमुक्त शन्यों और पर्यों का, जो उत्पन्न अधिनिवस, के अध्याय 20-क में परिभाषित हूँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नया है।

अवस्थी

बी-2/33, आजाद अपार्टमेंट, अर्गवद माग, गर । बल्ली

मुनील चोपड़ा पक्षम प्राधिकारी सहायक आयरूर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, नई दिल्ली।

नारीख: 13--9-85

मोहर:

सक्त नाहें, द्वी_य एत . एस . - - - ----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्थाना

शारत सरकार

कार्यालय. महायक आयकार आयकत (निरीक्षण) अर्जभ रेंज~2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 सितम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एस्य्०/2/37ईई/1 \sim 85/581 \sim 3त: मुझे, के० वासुदेवन,

आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पण्यात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इं के अधीन सक्षम प्राधिकारी कां, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिस्का उचित नाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या बी० 58 है तथा जो गुजरानवाला टाऊन, भाग—1 दिल्ली में स्थित हैं (ग्रींग इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज़ → 2, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख जनवरी → 85

को प्रेंकित सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य में कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है थोर मृक्षे यह विश्वास करने का जारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित याजार मृल्य, उनके दश्यमान प्रतिफल सं एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिवत उद्देश्य से उचत अन्तरण लिखित में बास्तविक मण से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण अ हुइ किसी आध की बाबत, उच्छ श्रीधीनसम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बासिस्य में कमी करने या उससे बचने में सूजिशा के लिए बोह/भा
- (ण) एसी किसी नाय या किसी धन वा जन्य वास्तियाँ की, जिन्हीं भारतीय अत्य-कर निर्मानयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नाथं जम्तिरती द्वारा प्रकट नहीं फिया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में मृतिधा के निए;

(1) श्री कृष्ण लाल छावड़ा,
पुत्र श्री जानु राम,
निवासी ए० जी० 587, शालीवार बाग,
दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री यशवन्त कुमार, पुत्र श्री चन्दर लाल,

(2) श्रीमती मन्जुलता, पत्नी श्री नन्द नास,

(3) श्रीमती अनिता रानी, पत्नी श्री विजयं कुमार,

(4) श्री मनोज कुमार, सुपुत श्री सुन्दर नान, निवासी 51-ई०, कमला नगर दिल्ली-7

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर्रके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के 'सिए कार्यवाहिया शुरु करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी कासंप :- -

- (क) इस स्वना के राष्यत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर एवंक्ति व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति ब्यांक्त इस्रों से
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीक सं 45 दिन के भीतार उक्त स्थायर सम्प्रीत्त में हिला बह्ध किसी जन्य व्यक्ति द्याण अभोहस्ताक्षरी के पाब लिसित में किए वा सकेंगे।

स्थव्यक्तिकरण --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो अकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नवा है।

अनुसूची

प्रो० नं० बी०-58, गुजरानवाला टाऊन, भाग-1, दिल्ली, नादावी 241.67 वर्ग गज।

के० वासुदेवन चाम प्राधिकारी यहायक आयक्त आयुक्त (किरीक्षण) वाजी केंग्रेच-2, दिल्ली

御: 16-9-85

: :

अतः लवः उत्तरः अति वा, मा, अवल विधितियः कृष्ठभीतः, निम्नेलिकितः प्ररूप आ**र्ड**.टी.एन.**एड**.----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक अध्यक्तर कार्युन्तः (निरक्तिक)

श्चर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 13 सिनम्बर 1985

निर्देश सं० 37ईई/9625/84-85--श्रतः मुझे श्रनिल कुमार,

आसकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उसत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर मम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- राज्ये अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० सब प्लाट नं० 3, 692/693 पूना मतारा रोड़, आवकर पट्टोल पम्प के सामने, पूना (क्षेत्रफल 5758 चो० फुट) तथा जो पूना में स्थित है (ग्रीर इपसे उपाबद्ध ग्रमुखी में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिक्षकारी के कार्यान्य पहाब अस्तर श्रायुक्त निरीक्षण ग्रावेन रेंच रजिस्ट्रीकरण ग्रीक्षनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रावीन नारीख जनवरी 1985

- को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रितिकल के सिए अंतरित की नहीं है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक अंतरकों; और अंतरिसी (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पामा गया प्रतिकल, निम्नांचितित उद्यक्त से उचत अंतरण लिखित में कार्यक कर से से कार्यक कर से कार्यक कार से कार्यक कर से कार्यक कर से कार कार से कार्यक कर से कार कार स
 - (क) अंतरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अभीन कर दोनें के अंतरक के दायित्य में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
 - (क) ऐसी किसी आय या किसी धन वा अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) जे प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया जाना चाहिए था, छिपान में सुनिधन के लिए।

बत: अध, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग की बनुसरक मों. मीं, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग को उपधारा (1) के अधीन, जिस्कीरियत कावितमाँ, अधाद :--- (1) शालिनी गोविन्द गोखले, 1 धरती ग्रपार्टमेंटस, लेन ने० 10, प्रभात रोड, पूना ।

(प्रस्तरह)

(2) डो० डो० वाफलकर, मेसर्स चाफलकर कन्सट्रक्यानस, 33, महाबोर नगर सांगली।

(ग्रन्तरितो)

का यह स्वभा जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अनीधि या तत्संबंधी न्यक्तियों पर सूचना सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यागत
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितदद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पार लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त आयकर अधिनियम के अभ्याय 20-क मा परिभागिक ही, बही अर्थ होगे। की इस अध्याय में दिखा गया है।

अमृस्ची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख/37ईई/962584-85 जो जनवरी माह 1985 को सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरोक्षण ग्रर्जन रेंज, पूना के दक्सर में लिखा गया है।

> थनिल हमार नक्षमप्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रॅंज, पूना

दिनाँक : 13--9--1985

ताहर :

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi, the 30th September 1985

No. A.32014/1/81-Admn.ll.--The services of Shri S. Rama-krishnan, Senior Investigator of National Buildings Organisation and at present working as Junior Research Officer (R&A) in the Commission's office are hereby replaced at the disposal of National Buildings Organisation, New Delhi w.e.f. the afternoon of the 30th September, 1985.

2. Shri Ramakrishnan has been granted 43 days earned leave w.e.f. 30-9-1985 to 11-11-1985. On the expiry of his leave, Shri Ramakrishnan should report for duty to the Deputy Director (Inf.), N Bhavan, New Delhi. National Buildings Organisation, Nirman

> M. P. JAIN, Under Secy. (Admn.) For Sectary Union Public Service Commission

New Delhi, the 2nd September 1985

No. 38014[1|85-Admn.III.—The President is pleased to permit Shri S. B. Gupta, a permanent Assistant and officiating Section Officer on ad-hoc basis in the C.S.S. cadre of the Union Public Service Commission to retire from Government service, on attaining the age of superannuation with effect from the afternoon of the 31st August, 1985 in terms of Department of Personnel & Administrative Reforms O.M. No. 33/12/73-Ests(A) dated the 24th November, 1973.

No. A.38013, 1/85-Admn.HI.—The President is pleased to permit Shri A. S. Jat, a permanent Assistant and officiating Section Officer on ad-hoc basis of the C.S.S. cadre of the Union Public Service Commission to retire from Government service, on attaining the age of superannuation with effect from the afternoon of the 31st Aug., 1985 in terms of Department of Personnel & Administrative Reforms O.M. No. 33/12/73-Ests(A) dated the 24th November, 1973.

The 19thSeptember, 1985

No. A-19014[9]82-Adm.I. --Shri D. Lakshmanna Rao, an

No. A-19014 9 82-Adm.1. --Shri D. Lakshmanna Rao, an officer of CES, pre-ently on deputation as Under Secretary in the Office of the Union Public Service Commission is relieved of his duties w.e.f. 19-9-85 (AN) on completion of his tenure. Shri Rao has been granted 42 day's earned leave w.e.f. 20-9-85 to 31-10-85. On the expiry of the leave Shri Rao will report for duty to the Director General (Works), CPWD Nirman Bhavan, New Delhi.

M. P. JAIN, Under Secy. (Personnel Adm.) Union Public Service Commission

New Delhi-110 0001 the 16th September 1985

No. A-19013|2|81-Adm.I.—The services of Shri R Natarajan, an Officer of IA & AS, presently on deputation as Deputy Secretary in the Office of the Union Public Service Commission are placed at the disposal of the Comptroller & Auditor General of India, New Delhi with effect from the fore-noon of 16th September, 1985, on completion of his tenure.

> D. KAILASA PRASAD Dy. Secy. (Adm) Union Public Service Commission

CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 30th September 1985

No. 4E-PRS-315.—On attaining the age of superannuation, Shri J. C. Kapoor, a permanent Assistant and officiating Section officer in this commission is retired from the Government service with effect from the afternoon of 30th September 1985.

> K. L. MAI HOTRA Under Secretary (Admn.) for Central Vigilance Commissioner.

MINISTRY OF PERSONNEL & TRAINING, ADMINIS-TRATIVE REFORMS, FUBLIC GRIEVANCES AND PENSION

DEPARTMENT OF PERSONNEL & TRG.

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION,

New Dolhi-110 003, the 4th October 1985

No. A-19021|5|82-Ad.V.—The services of Shri R. Ganapathiappan, Supdt. of Police, Central Burcau of Investigation, Special Police Establishment, EOW Madras Branch are placed at the disposal of Madras Refineries Ltd. Madras with effect from the afternoon of 31st August, 1985 to join as Vigilance Officer on immediate absorption basis.

> R. S. NAGPAL Administrative Officer (E) CBL

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

BUREAU OF POLICE RESEARCH & DEVELOPMENT.

New Delhi-110003, the 30th September 1985

No. 3|24|85-Adm.-I.—The President is pleased to appoint Shri V. K. Kaul, IPS (Raj : 1956) a: Director (Trg.) in the Burcau of Police Research & Development with effect from the forenoon of 18th September, 1985 in the pay scale of Rs. 2500-2750 until further orders.

> S. K. MALLIK. Director General

DIRECTORATE OF COORDINATION (POLICE WIRELESS)

New Delhi-3, the 27th September 1985

No. A.12012 181-Admn. II.—In further continuation of this Directorate's notification of even number dated 6-8-84 and Directorate's nottreation of even number dated 6-8-84 and 18-3-85, the Director, Police Telecommunications is pleased to appoint Shri Jai Chand, Senior Technical Assistant of Directorate of Coordination (Police Wireless) as Extra Assistant Director is the Directorate of Coordination (Police Wireless in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 on ad-hoc basis for a further period of six months w.e.f. 3rd May 1985 forenoon or till the posts are filled up on regular basis, whichever is caption. filled up on regular basis, whichever is carlier.

The 30th September 1985

No. A.12012[1]84-Admn.II.—Consequent upon his appoint-No. A.12012/1/84-Admn.II.—Consequent upon his appointment to the post of Extra Assistant Director vide Office Order Part II (No. 206/85) dated 11-9-85, Shri R. C. Mitra has assumed the charge of the post of E.A.D (Group 'B' Gazetted) with effect from 11-9-85 in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-ER-35-88(--0.1000-EB-40-1200) on adher has being write 2.11 1985. A New 15th the post is fellal page. hoc basis upto 3-11-1985 A.N. or till the post is filled upon regular basis, whichever is earlier.

B. K. DUBE.

Director Police Telecommunication

DIRECTORATE GENERAL, CRPF

New Delhi, the 27th September 1985

No. O.U.4|85-Adm-3.—Shri Rattan Singh, Subedar Major (Office Supdt.) of the CRPF has been promoted to the grade of Section Officer in the Directorate General, CRPF, New Delhi with effect from the forenoon of 9th September, 1985.

No. O.II-6|85-Adm-3.—Shri S. S. Nayyur, Subedar Major (Office Supdt.) of the CRPF has been promoted to the grade of Section Officer in the Directorate General. CRPF. New Delhi, with effect from the forenoon of 231d September, 1985.

The 4th October 1985

No. O.II-902|77-85-Adm-3.—Shri V. P. Manocha, Section Officer of the Directorate General, CRPF has been promoted to the grade of Joint Assistant Director (Accts) Audit Officer in the P&AO. CRPF. New Delhi with effect from the forenoon of 1st August, 1985.

> CISHAN LAL, '. Dir. (Adm.)

New Delhi-110003, the 1st October 1985

No. O.II-1972/84-Estt.—The Director General, CRPF is pleased to appoint Dr. R. N. Kaman, as JMO in the CRPF on ad-hoc basis w.e.f. 7-8-85 (F.N.) for a period of 3 months or till the recruitment to the post is made on regular basis which were in auditor. basis, whichever is earlier.

No. O.IJ-1972 84-Estt.—The Director General, CRPF is pleased to appoint Dr. R. N. Kaman, as JMO in the CRPF on ad-hoc basis w.e.f. 6-5-85 (F.N.) for a period of 3 months or till the recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

The 3rd October 1985

No. D.1-30|85-Estt.-1.—The services of the undermentioned Dy. Ss. P. of CRPF are placed at the disposal of C.I.S.F., on deputation basis, with effect from the dates shown against their names :-

Shri Virendra Singh, 27 Bn—20-8-85 (F.N.).
 Shri Sant Ram, 35 Bn—22-8-85 (F.N.).

ASHOK RAJ MAHEEPATHI, Asstt. Dir. (Estt.)

DIRECTORATE GENERAL CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 30th September 1985

No. E.16013(1)[3]81-Pers.I.—Consequent upon his repatriation to State cadre, Shri A. Ghatak, IPS (WB: 59) relinquished the charge of the post of Deputy Inspector General, CISF, Eastern Zone, Calculta with effect from the forenoon of 16th September, 1985.

Sd-ILLEGIBLE

DIRECTOR GENERAL, CISF

New Delhi-110003, the 3rd October 1985

No. E-28013/2/84-Pers.II/1473.—Consequent on his retirement on superannuation, Shri A. D. Kakkar, IPS Mha. 1972) relinquished charge of the post of Assistant Inspector General, Directorate General, Central Industrial Security Force (MHA), New Delhi on 30-9-1985 (A.N.).

> SUNIL KRISHNA, Asstt. Inspector General (Pers.)

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi, the 3rd October 1985

No. 11/1/85-Ad. I-The President is pleased to appoint by promotion, the undermentioned Investigators working in the offices mentioned against their names in column 4 below, as Assistant Director of Census Operations (Technical) (Group-Ar-Gazetted) in the scale of only of Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300, on purely a temporary and ad hocbasis, from the date(s) as mentioned against their names in column 3 below upto 28-2-86 or till the posts are filled on regular basis, whichever is earlier, and post them to the offices shown against their names in column 5 below :-

Sl. Name of the Officer No.						Date of appointment	Office in which working	Office in which posted		
1 2					 	3	4	5		
S/Shri 1. M.V. Rao		•	•		,	25-6-85 (FN)	Office of the Registrar General, India, New Delhi.	Office of the Director of Census Operations, Andhra Pradesh, Hyderbad.		
2. Rajendra Prasad	•	•	•	٠	-	30-7-85 (F N	Office of the Director of Census Operations, Bihar, Patna.	Office of the Director of cen-		
3. A.V. Arakeri	٠	•	•	•	•	2-8-85 (F N)	Office of the Registrar General, New Delhi.	sus Operations, Bihar, Patna. Office of the Registrar General India, New Delhi.		

2. The above mentioned ad hoc appoinments shall not bestow upon the officers concerned any claim to regular appointment to the post of Assistant Director of Census Operations (Technical). The services rendered by them on ad hoc basis shall not count for

the purpose of seniority in the grade nor for eligibility for promotion to the next higher grade. The aforesaid ad hoc appointments may be reversed at any time at the discretion of the competent authority without assigning any reason therefor.

The 7th October 1985

No. 10|44|82-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri B. P. Jain, Accounts Officer in the office of the Registrar General, India, as Assistant Director in the same office by transfer on deputation, with effect from the forenoon of 3rd October, 1985 for a period not exceeding 3 years or until further orders, whichever is carlier. further orders, whichever is carlier.

2. His headquarters shall be at New Delhi,

V. S. VERMA. Registrar General, India

MINISTRY OF FINANCE (DEPARTMENT OF FCONOMIC AFFAIRS) CURRENCY NOTE PRESS

Nasik Road, the 11th Sentember 1985

No. ESG-1-17/12677,---The General Manager, Note Press, Nasik Road is pleased to appoint Shri M. L. Sonawane, Sectional Officer as Administrative Officer in the pay scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from 11th September 1985 (F.N.).

He will be on probation for a period of 2 years, or till his retirement whichever is earlier.

No. ESG-1-17/12679.—Consequent on the expiry of the deputation period Shri M. L. Sonawane has relinquished the charge of office of the Purchase Officer,i Currency Note Press, Nasik Road with effect from 11th September 1985 (F.N.).

> s. D. IDGUNJI, General Manager

BANK NOTE PRESS

Dewas (M.P.), the 27th September 1985

F. No. BNP/C/S/85-In continuation of this Office's Notificition of even No. dated 20-2-85 and 19-5-85, the adhoe appointments of the following officers are hereby extended upto date 24-7-1985 or till the appointment

is made on a regular basis in accordance with the Recruitment Rules, whichever is earlier on the same terms and conditions.

Sl. Name of Officers No.	Post egainst which has jointed on edhoc basis
1 2	3
S/Shri	
1. Ram Brikshtt (SC)	· . Assistant Engineer (Mech.)
2. R.N. Th kur (SC)	Cond.)
3. K.K. Garg 4. A.K. Couhan (SC)	Assistant Engineer (Civi) Assistant Engineer (Elect.)

M. V. CHAR, General Manage

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (A&E) ORISSA

Bhubaneswar, the 30th September 1985

E.O. No. 41.—The Accountant General (A&E). Orissa is pleased to appoint Shri N. Srmivas Rao, Section Officer of this office to officiate as Accounts Officer in the scale of pay of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200| with effect from 2-9-85 F.N. until further orders in accordance with the provisions of the I.A. & A.D. (Administrative Officer, Accounts Officer and Audi, Office) Recruitment Rules, 1969. This promotion is on ad-hoc basis and subject to the final decision of the High Court|Supreme Court on the cases subjudice in the Court and without prejudice to the claims of his seniors.

K. S. MENON, Sr. Dy. Accountant General (Admn.).

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE CGDA

New Delhi-110066, the 27th September 1985

No. AN-1/1909/5/L.—Shri MAN MOHAN SINGH, 1DAS, who attained the age of 58 years on 7-9-85 (his date of birth being 8-9-27) will be struck off the strength of Defence Accounts Department with effect from 30-9-85 (AN) or retirement from service and will be transferred to the Pension Establishment with effect from 1-10-85 (FN).

No. AN-1|1930|5|L.—Shri K. L. MAKIN, IDAS who attained the age of 58 years on 5-6-85 (his date of birth being 6-6-27) has struck off the strength of Defence Accounts Department w.e.f. 30-6-85 (AN) and has accordingly been transferred to the Pension Establishment with effect from 1-7-86 (FN).

CORRIGENDUM

The 30th September 1985

No. AN|II|2603|85.—In this Department Notification No. AN|II|2603|84 dated 15-2-84 published in the Gazette of India Part-III Section-I dated 10-3-84 regarding appointment of Permanent Section Officers (Accounts) as Accounts Officers in a substantive capacity, the following amendment is made:—

Against Srl. No. 4-Shri S. Krishnamurthy.

For 1-4-82, Read 1-4-81.

Against Srl. No. 5—Shri R. D. Goel, For 1 4-82, Read 1-4-81.

Against Srl. No. 6-R. C. Bhardwaj. For 1-4-82. Read 1-4-81. Against Srl. No. 84—Shri Balwant Singh, For 1-4-83 Rend 1-4-82.

> A. K. GHOSH Addl. C.G.D.A. (AN).

I TO STORAGE WAS TO SEE TO SERVED FROM A PARK AS SUFFICE FROM

MINISTRY OF LABOUR

DIRECTORATE GENERAL, FACTORY ADVICE SERVICE

AND LABOUR INSTITUTES

Bombay-400 022, the 30th September 1985

No. 33/2/85-Esti.—The Head of Department, Directorate General Factory Advice Service & Labour Institutes, Bombay is pleased to appoint Shri V. B. Ahire as Administrative Officer, Regional Labour Institute, Madras under the DGFASLI Bombay in an officiating capacity with effect from 9-9-85 (F.N.) until further orders.

The 3rd October 1985

No. 5|3|85-Estt.—The Deputy Director General, Factory Advice Service and Labour Institutes, Bombay and Head of Department is pleased to appoint Shri Tarun Kumar Ghosh to the post of Assistant Director (Artist and Layout Expert) in the Directorate General Factory Advice Service and Labour Institute Organisation in a substantive capacity with effect from 7-1-85.

S. B. HEGDE PATIL, Dy. Director General & Head of Deptt.

MINISTRY OF COMMERCE & SUPPLY (DEPARTMENT OF COMMERCE)

OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMSSIONER KANDLA FREE TRADE ZONE

Gandhidham-Rachohh-370 230, the 3rd October 1985

No. FIZ|Adran.|7|2|79|15733.—The Development Commissioner, Kandla Free Trade Zone, Gandhidham-Kutch hereby appoints Shri N. Sreeramachandran, Appraiser, Madras Custom House, Madras as Appraiser, Kandla Free Trade Zone on usual deputation terms in accordance with the Ministry of Finance O.M. No. 10(24)|660-E.III dated the 4th May, 1961 as amended from time to time in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the foremoon of 16th September, 1985 for a period of one year in the first instance.

T. C. A. RANGADURAI Development Commissioner, Kandla Free Trade Zone.

MINSTRY OF INDUSTRY

(DEPARTMENT OF INDSTRIAL DEVELOPMENT)

OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER (SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi, the 27th September 1985

No. A-19018(95) 75-Admn.(G).—Consequent on his appointment as Scentst Engueer 'SE' in the Department of Electronics, New Delhi, Shri R. B. Kokane, relinqui hed charge of the post of Deputy Director (Uectronics) at Small Industries Service Institute, Bombay, on the afternoon of 17th August, 1985.

No. A-19018(782)[85-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri Subhash Choudhary as Assit. Director (Gr. 1) (Mechanical) at Extension Centre, Tinsukhia under Small Industries Service Institute, Gauhati with effect from the foreneon of 17-6-85 until further orders.

The 1st October 1985

No. 12(331)|62-Admn.(G).—On reversion from the post of Director (Gr. II) (Leather|Footwear). Small Industries Service Institute, Kanpur, Shri D. B. Ka assumed charge of the post of Deputy Director (Leather|Footwear) in the same Institute of the forenoon of 30th August, 1985.

No. 12(617)|69-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri O. K. Gupta, Asstt. Director (Gr. II) (Mechanical) Small Industries Service Institute, Allahabad as Asstt. Director (Gr. I). (Mechanical) at the same Institute with effect from the forenoon of 7-6-1985 until further orders.

No. 12(690) [71-Admn.(G).—Consequent on his appointment as Faculty-cum-Administrative for training Centre, Narendrapur under the National Insurance Company Ltd. Calcutta, Shri N. K. Mazumdar relinquished charge of the post of Deputy Director (Industrial Management Training) in this office on the afternoon of 14-6-85.

No. A-19018(266)|76-Admn.(G).—Consequent on his completion of the tenure of deputation in Small Industry Development Organisation Shri Amalendu Mukherjee, relinquished charge of the post of Accounts Officer at Small Industries Service Institute, Calcutta on the forenoon of 1-7-1985.

C. C. ROY, Dy. Director (Admn.).

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS

(A'DMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi, the 23rd September 1985

No. A-11(1169).—The President has been pleased to appoint Shri B. K. Dana, Assistant Director (Admn.) (Gr. II) in the office of Directorate of Supplies & Disposals, Calcutta to officiate as Assistant Director (Admn.) (Gr. I) on regular basis in the same office with effect from the forenoon of 23rd August, 1985.

Shri. Dana will be on probation for two years with effect from 23-3-1985 (FN). $\,$

The 30th September 1985

No. A-1|1(1183).—Shri B. S. Kachwaha, permanent Junior Progress Officer and officiating Assistant Director (Grade II) in this Directorate General is retired from Government service with effect from the afternoon of 30th September, 1985, on attaining the age of superannuation.

RAJBIR SINGH,
Dy. Director (Administration,
for Director General of Supplies & Disposals.

ISPAT KHAN AUR KOILA MANTRALAYA . KHAN VIBHAG

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-16, the 27th September 1985

No. 14101C|A-32013(AO)|84|19A.—Shri B. N.Paul, Superintendent, Geological Survey of India has been appointed by the Director General, GSI on promotion as Administrative Officer in the same Department on pay according to rules the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-FB-35-880-40-1000-E.B.-40-1200|- in a temporary capacity with effect from the forenoon of 26-8-85 until further orders.

No. 9515B|A-32013(AO)|85|19A—The following Superintendents, Geological Survey of India have been appointed by the Director General, GSI on promotion as Administrative Officer in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200|- in a temporary capacity with effect from the date shown against each until further orders.

Sl. No. Name Date of appointment

- 1. Shri N. G. Chaudhury-12-8-85 (FN).
- 2. Shri U.R. Mazumdar—28-8-85 (FN).

A. KUSHARI, Director Personnel).

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagour, the 4th October 1985

No. A. 190121780|83-Estt.A.—Shri R. R. Shende, has relinquish the charge of the post of Assistant Chemist in Indian Bureau of Mines, on the afternoon of 13th September. 1985 sequel to his selection as Assistant Works Manager|Chemist in Indian Ordnance Factories Board, Department of Defence Product on, Ministry of Defence, Dhandara.

P. P. WADHI, Administrative Officer, for Controller General. Indian Bureau of Mines.

Nagpur, the 27th September 1985

No. A. 19011(354) 84-Estt A.—The President is pleased to appoint on the recommendation of the Union Public Service Commission, Shri Partha Pratim Chakrabarti to the post of Assistant Controller of Mines in the Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the forenoon of 6th September, 1985 until further orders.

The 1st October 1985

No. A-19012(184)|83-Estt.A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, Shri H. N. Sen, Survey Officer on adhoc basis, Indian Bureau of Mines has been promoted to the post of Survey Officer on regular basis in the Indian Bureau of Mines with effect from the forenoon of 16th September, 1985.

No. A-19012(185)|83-Estt.A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, Shri Gurdev Singh, Map and Drawing Officer on adhoc basis, Indian Bureau of Mines has been promoted to the post of Map and Drawing Officer on regular basis in the Indian Bureau of Mines with effect from the forenoon of 16th September, 1985.

G. C. SHARMA,
Assistant Administrative Officer,
for Controller General
Indian Bureau of Mines

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 27th September 1985

No. A. 12026 3 85-M (F&S).—The Director General of Health Services is pleased to appoint Mrs. A. Chatterjee to the post of Deputy Nursing Superintendent at the Jawaharlal Institute of Post-Graduate Medical Education & Research, Pondicherry on a regular basis in a temporary capacity with effect from the 9th July, 1985.

P. K. GHAI, Dy. Director Administration (C&B).

MINISTRY OF AGRICULTURE AND RURAL DEVELOPMENT

DEPARTMENT OF AGRICULTURE & COOPERATION DIRECTORATE OF EXTENSION

New Delhi. the 24th September 1985

No. F.2-4¹79-Fstt.(I).—Consequent on the resignation of the post of Special Officer (Project) as Assistant Administrative Officer w.e.f. 9-9-1985. Shri N C being who was officiating as Special Officer (Project), on ad-hoc basis has relinguished charge of the said post with effect from the forenoon of 9th September 1985.

2. On the recommendations of the Departmental Promotion Committee Group 'B' Shri N. C. Jain, a permanent Superintendent (Grade I) is promoted to the post of Assistant Administrative Officer, Group 'B' (Gazetted) in the scale of par Rs. 650-1200 in the Directorate of Extension, Depart-

ment of Agriculture and Cooperation, Ministry of Agriculture and Rural Development with effect from forenoon of 9th September, 1985 and until further orders.

R. G. BANERIFE. Director of Administration.

(DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT) DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 3rd October 1985

No. A. 19023|2|85-A.III.—On the recommendations of the U.P.S.C. Shri S. P. Shinde, has been appointed to officiate as Marketing Officer (Gr. I) in this Directorate w.e.f. 12-8-85 (FN) until further orders by the Agricultural Marketing Adviser to the Govt. of India.

Consequent on his selection to the post of Marketing Officer, Shri Shinde relinquished the charge of post of Assistant Marketing Officer in the afternoon of 5-8-85.

J. KRISHNA,
Director of Administration,
for Agricultural Marketing Adviser
to the Govt, of India.

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE PERSONNEL DIVISION RECRUITMENT SECTION

Bombay-400 085, the 23rd September 1985

No. PPA|80(5)|84-R-III.—Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri P. Janardhanan, permanent Assistant Security Officer in this Research Centre and officiating as a Security Officer on ad-hoc basis in the Directorate of Estate Management Department of Atomic Energy as Security Officer on regular basis in Bhabha Atomic Research Centre with effect from the forenoon of August 29 1985 until further orders.

M. D. GADGIL. Dy. Establishment Officer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY NARORA ATOMIC POWER PROJECT

NAPP Township, the 19th September 1985

No. NAPP|Rectt|11(6)|84-S|10979.—Project Director, Narora Atomic Power Project appoints Shri T. M. Govindan Kutty, a temporary Assistant Accountant in NAPP to officiate on ad-hoc basis as Assistant Accounts Officer in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 in he Natora Atomic Power Project with effect from the forenoon of May 16. 1985 until further orders or till a regular incumbent is posted, whichever is earlier.

No. NAPP Rectt | 11(6) | 84-S | 10980.—Project Director, Narora Atomic Power Project appoints Shri M. K. Suresha,

a temporary Assistant Accountant in NAPP to officiate on ad hoc basis as Assistant Accounts Officer in the scale of pay of Rs. 650-70-740-35-380-FB-40-960 in the Narora Atomic Power Project with effect from the forenoon of June 10, 1985 until further orders or till a regular incumbent is posted, whichever is earlier.

R. K. BALI, Administrative Officer-III

HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400 008, the 27th September 1985

No. Ref. 05012|R4|OP|3616.—Chief Executive. Heavy Water Projects. appoints Shri Annamalai Natarajan, Assistant Accountant, Heavy Water Plant (Tuticorin) to officiate as Assistant Accounts Officer, in the same office. In a temporary capacity. on adhoc basis w.e.f. April 29, 1985 (FN) to June 5, 1985 (AN) vice Shri S. Raman, Assistant Accounts Officer granted leave.

SMT. K. P. KALLYANIKUTTY, Administrative Officer

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 3rd October, 1985

No. A 32014/7/84EC (*)—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following Technical Assistants (at present working as Assistant Technical Officer on ad-hoc basis) in the grade of Assistant Technical Officer in the pay Scale of Rs. 650-1200/- on regular basis with effect from the date shown against each and until further order:

SI. Name No.				ointment
			on	regular basis
1 2	 	 		3
S/Shri				
1. Sampuran Singh				1-12-84
2. R.P. Gaindher				1-6-85
3. S.K. Nanda .				1-7-85
4. P.S. Dholkia .				1-7-85
5, T.M. Sainuddin				1-7-85

V. JAYACHANDRAN
Deputy Director of Administration.

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE CUSTOMS

Kanpur, the 25th September 1985

No. 4/85—Consequent upon their promotion to the grade of Superintendent Group 'B' in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-BB-35-880-40-1000-BB-40-1200/-, the following Inspectors (Senior grade), Central Excise assumed/took-over the charge of Superintendent of Central Excise, Group 'B' on the dates and places mentioned against each:—

SI. Name of the officer No.							Date of as- sumption of charge on pro- motion				
1			2		 					 3	4
1. 1	S/Shri P.N. Jaiswar M.L. Kureel					-		•	•	Hdqrs. Office Kanpur Bareilly Division	9-1-85 5-2-85

1 2		4										
3. Ram Prakash				•			,				Farrukhabad Division	28-2-85
4. Jagrbop Ram			•		٠				٠	-	Kanpur-I Division	2-4-85
5. Jhaboo Ram						•			٠		Kanpur-I Division	4-4-85
6. A.N. Sharma								•			Kanpur-II Division	8-4-85
7. Asharfi Lal	•	•	٠	•	•	•	•	•	•	•	Kanpur-II Division	13-5-85 (A.N.)
C.P. Sonkar					•		,				Farrukhabad Division	3-6-85
9. R.M. Sahai	-									•	Hdgrs. Office Kanpur	2-8-85
10. K. N. Dixit											Hdgrs, Office Kanpur	6-8-85
11. S.R. Pawar									•		Hdgrs, Office Kanpur	30-8-85

No.5/85—The following Group 'B' officers of this Collectorate retired from Government service on attaining the age of superannuation with effect from the dates mentioned against each:

Sl. No.		Nar	ne of	office	etirement	Date of retirement				
S/Shri 1. Nathani Ram	•					•		Supdt. Gr. 'B'	Kanpur-II Divn.	30-385 1-3-85 being holiday)
2. C.P. Singh								Do.	Sitapur Divn.	30-4-85
3. Harcharan Singh							•	Do.	Agra Divn,	31-5-85
4. J.P. Sharma			٠			-		Do.	Agra Divn.	31-7-85
5. L.P. Sahu				•			-	Do.	Hdgrs. Office, Kanpur.	31-7-85

No. 6/85—The following Group 'B' Officers in the grade of Administrative Officer/Assistant Chief Accounts Officer Examiner of Accounts, Central Excise Collectorate Kanning retired from Government service on attaining the age of superannuation with effect from the dates mentioned against each;—

Sl. Na No.	me of the of	Date of retire-ment.			
1	2	 	 · ·		3
S/	Shri .				
2. R.	L. Bhatia S. Sinha anpat Sahai				30-4-85 31-5-85 28-6-85 29 & 30-6-85 being holidays)
		 	 		G.S. MAINGI

G.S. MAINGI Collector Central Excise, K npur

Vadodara, the 27th Setember 1985

No. 8|1985. --Shri V. K. Upadhyay, Assistant Collector of Central Excise and Customs, Divn. III, (Group 'A') Vadodara will attain the age of 58 years on 16-9-1985. He shall accordingly retire on superannuation pension in the A.N. of 30-9-1985.

A. M. SINHA, Collector Central Excise & Customs Vadodara

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-110 066, the 3rd October 1985

No. A-19012|1096|85-Estt,V,—On the recommendations of the Departmental Promotion Conunittee (Group B), Chairman, Central Water Commission appoints Shri Awadesh Sharma, Supervisor, to the grade of Extra Assistant Director| Assistant Engineer (Engg.) in the Central Water Commission on a regular basis in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the forenoon of 9-5-1985 until further orders.

2. The above mentioned officer will be on probation in the grade of EAD|AF in the Central Water Commission for a period of two years with effect from the aforesaid date.

No. A-19012|1121|85-Estt.V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri M. C. Das, Senior Research Assistant, to the post of Assistant Research Officer (Chemistry) in the Central Water Commission in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 on a purely temporary and adhoc basis with effect from the forenoon of 13th September, 1985 for a period of six months or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

The 7th October 1985

No. A-19012[1112]85-Estt.V.—Chairman, Central Water Commission appoints Shri Mohd. Anwar Ahmad, Supervisor to the grade of Extra Assistant Director|Assistant Engineer (Engg.) in the Central Water Commission on a purely temporary and adhoc basis in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the forenoon of 31-5-1985 for a period of one year or till the post is filled on regular basis whichever is earlier.

MEENAKSHI ARORA. Under Secretary Central Water Commission

MINISTRY OF RAILWAYS

(RAILWAY BOARD)

New Delhi, the 30th July 1985

No. 85-RE|161|6.—It is hereby notified for information of all users of Railway Lines and Premises situated on the under noted sections of 'WESTERN RAILWAY' that the Over Head Traction Wires on these lines will be energised at 25000 Volts A.C. on or after the date specified against the section. On and from the same date the Over Head Traction Lines shall be treated as LIVE at all the times and no unauthorised person shall approach or work in the proximity of the said Over Head Lines.

Section & Date

Mathura-Bayana (Km 1243 to 1168)-14-09-1985.

No. 85-RE|161|6.—It is hereby notified for information of all users of Railway Lines and Premises situated on the under noted sections of 'CENTRAL RAILWAY' that the Over Head Traction Wires on these lines will be energised at 25000 Volts A.C. on or after the date specified against the section below. On and from the same date the Over Head Traction Lines shall be treated as LIVE at all times and no unauthorised person shall approach or work in the proximity of the said overhead lines.

Section & Date

Bhandai-Gwalior (km 1332 to 1221|29-30)-31-07-1985.

A. N. WANCHOO, Secretary, Railway Board

MINISTRY OF INDUSTRY & COMPANY AFFAIRS (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)

COMPANY LAW BOARD
OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Garden Citles & Home Crastis Limited.

Calcutta, the 17th September 1985

No. 14311|560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Garden Cities & Home Crafts Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of BBG Engineering Industries Private Limited.

Calcutta, the 17th September 1985

No. 2668|560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the BBG Engineering Industries Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

P. K. CHATTERJEE, Addl. Registrar of Companies West Bengal

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Behar Construction Private Limited.

Patna, the 27th September 1985

No. (668)560-4231.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 the name of the Behar Construction Private Limited, has this day been struck off and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Dr. Singh's Institute of Pathology & Blood Banking Private Limited.

Patna, the 27th September 1985

No. (1286)560/4184.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5)/ of section 560 of the Companies Act, 1956 the name of the Dr. Singh's Institute of Pathology & Blood Banking Private Limited, has this day been struck off and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Ms. Albit India Private Limited.

Patna, the 30th September 1985

No. (1079) 560|4222.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 the name of the Albit India Private Limited, has this day been struck off and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Katyal Industries Private Limited.

Patna, the 30th September 1985

No. (70) 560 | 4225.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5)| of section 560 of the Companies Act, 1956 the name of the M|s Katyal Industries Private Limited, has this day been struck off and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Katlhar Credit & Investment Company Private Limited.

Patna, the 30th September 1985

No. (1078) 560 4228.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 the name of the Katihar Credit & Investment Company Private Limited, has this day been struck off and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M|s. Bhartiya Publishers Limited.

Patna, the 3rd October 1985

No. 448|560|4339.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 the name of M/s Bhartiya Publishers Limited, has this day been struck off and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M|s. Shree Bansht Industries Limited.

Patna, the 3rd October 1985

No. 598|560|4342.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 the name of M|s Shree Banshi Industries Limited, has this day been struck off and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies 4ct, 1956 and of Ms. Spark Press Private Limited.

Patna, the 3rd October 1985

No. 449|560|4346.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act. 1956 the name of M|s Spark Press Private Limited, has this day been struck off and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Life Saving & Finance Company Private Limited.

Patna, the 5th October 1985

No. (1155) 560|4219.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act,

1956 the name of the Life Savings & Finance Company Private Limited, has this day been struck off and the said company is dissolved.

> A. W. ANSARI, Registrar of Companies, Bihar Patna

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s, Srow Packaging Private Limited.

Hyderabad, the 1st October 1985

No. 3827 TA.III 560.—Notice is hereby given pursuant to the sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M|s Srini Packaging Private Limited,

unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

S. P. TAYAL, Registrar of Companies Andhra Pradesh Hyderabad

DIRECTORATE OF O&M SERVICES

(INCOME TAX)

New Delhi-110002, the 30th September 1985

F. No. 36|4|82-AD|DOMS|4280.—On his attaining the age of Superannuation, Shri Parmeshwari Sahai, Superintendent in the Directorate of Inspection (IT & Audit) and presently working on deputation as Additional Assistant Director in this Directorate relinquished the charge of Additional Assistant Director in the Directorate of Organisation & Management Services (Income Tax), New Delhi on the afternoon of 30th September, 1985.

S. M. CHICKERMANE, Director FORM ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106|107, Koregaon Park, PUNE-1

Pune-1, the 13th September 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EF|12339|1984-85.— Whereas, I. ANIL KUMAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable Property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

Rs. 1,00,000]- and bearing
Unit No. B in Bungalow No. 30 in Monsson Lake Cottages
Co-operative Housing Society, I.N.S. Shivaji Road,
Near Lonavla Lake, Raiwoods, Lonavla situated at Lonavla
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
IAC Acqn Range, Pune on January, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the

fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Ms Trivedi Estates & Constructions Pvt Ltd., 514 Raheka Centre, Plot No. 214, Natiman Point, Bombay.

Transferor)

(2) Mr. Raju Hari Haran, Maya Plot No. 533, 17th Road, Khar, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days. from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Unit No. B in Bungalow No. 30 in Monsson Lake Cottages Co-operative Housing Society, I.N.S. Shivaji Road, Near Lonavla Lake, Raiwoods, Lonavla. (Area 1100 sq. ft.)

Property as described in the agreement to sale registered in the office of the IAC, Acquisition Range, Punc, under document No. 12329 1984-85 in the month of January, 1985)

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range Poona

Date: 13-9-1985

FORM ITNS.....

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE 106|107, Koregaon Park, PUNE-1

Pune-1, the 13th September 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|511|37EE|1984-85.— Wherens, I, ANIL RUMAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-

and bearing No. Villa No. 15 of Azalea Gardens, situated at Village Sansari Devlali Cump on S. No. 210|C|1 and 210|C|2

situated at Nasik

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC. Acq. Range, Pune on January, 1985

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of r transfer with the object of :-

- 'a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfers and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under mis-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Habitat India, Developers and Builders Mehar Building, Shivajinagar, Nasik.

Transferor)

 Rusi Cawasji Trombaywalla, Mrs. H. R. Trombaywalla, Miss K. R. Trombaywalla, Rehana Manzil 2nd floor, Mahim, Lady Jamshedji Road, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Villa No. 15 of Azalca Gardens, situated at Village Sansari Devlali Camp on S. No. 210|C|T and 210|C|2. (Area 1018 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the IAC Acquisition Range, Pune, under document, No. 511|1984-85 in the month of January 1985)

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Poona

Date: 13-9-1985

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE NAGPUR

Nagpur, the 3rd September 1985

Ref. No. IAC/ACQ/23/22/85-86.—Whereas, I, M. C. JOSHI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing
Flat No. 104 (First floor) Renuka Griha Nirman Sanstha
Ltd. Plot No. 174, Circle No. 20, Ward No. 73, Dharampeth
Extn. Shivaji Nagar, Nagpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the u/s 269AB (1)(b) of II Act, 1961 in this office at Nagpur on 5-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any managem or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Renuka Griha Nirman Sahakari Sansthan Ltd., 119, Daga Layout, North Ambajhari Road, Nagpur.

(2) Shri Rupchand Meghraj Goplani Plot No. 28, Vidya Nagar, Yavatmal.

(Transferce)

Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said kmmovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 104 (First floor)) Renuka Griha Nirman Sahakari Sansthan Ltd. Plot No. 174, Circle No. 20, Ward No. 73, Shivaji Nagar, Nagpur.

M. C. JOSHI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Nagpur

Date: 3-9-1985

FORM ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE NAGPUR

Nagpur, the 3rd September 1985

Ref. No. IAC/ACQ/21/22/85-86.--Whereas, I, M. C. JOSHI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000[- and bearing Flat No. 102, first floor) Renuka Griha Nirman Sahakari Sansthan, Plot No. 174, Circle No. 20, Ward No. 73, Shivaji

Nagar, Nagpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the u/s 269AB (1)(b) of I.T. Act, 1961 in Nagpur on 5-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer wth the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Renuka Griha Nirman Sahakari Sansthan Ltd., 119, Daga Layout, North Ambajhari Road, Nagpur.

 Transferor) (2) Smt. Vanita Vanmali Borker 19, Daga Layout, North Ambazari Road, Naggur.

(Transferee)

(3) Shri Marotrao M. Pimple, 212, Gandhi Nagar, Nagpur.

Person interested in occupation of property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 102 First floor) Renuka Griha Nirman Sahakari Sansthan Ltd., Plot No. 174, Circle No. 20 Ward No. 73, Shivaji Nagar, Nagpur,

> M. C. JOSHI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Nagpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the sad Act, to the following persons, namely :--

Date: 3-9-1985

Seal .

FORM ITNS -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME TAX,

> ACQUISITION RANGE NAGPUR

Nugpur, the 3rd September 1985

Ref. No. IAC/ACQ/24/22/85-86.—Whereas, I, M. C. JOSHI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000- and bearing No.
Old House, Plot No. 131 Nazul Sheet No. 81-C, Amaravati
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the u/s 269 AB(1)(b) of I.T. Act, 1961 in this office at

Amaravati on 2-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other essets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

(1) Smt, Kanalabi Murlidharji Jitgodia Sau, Tarabai Dwarakadasji Agarwal, Inside Jawahargate, Amaravati.

Transferor)

(2) 1.Pannalal Choutmalji Chandak 2. Balkishan Pannalalji Chandak

3. Omprakash Pannalalji Chandak Inside Jawahargate, Amaravati,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Old House on Nazul Plot No. 131, Sheet No. 81-C Amara-

M. C. JOSHI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Nagpur

Date: 3-9-1985

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II CALCUTTA

Calcutta, the 11th September 198:

Ref. No. AR-47/R-II/Cal/85-86.-Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIŃ

being the Compeent Authority under Section 269B of the Income-tax Act., 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

No. 105/1 situated at Ultadanga Main Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule appared to 152)

(and more fully described in the Schedule annexed h eto), has been transferred with the Competent Authority uls 269AB of the said Act read with rule 480D(4) of Income-tax Rules, 1962 under registration at R.A. Calcutta on 2-1-1985

for an apparent consideration which is less than fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax: Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby nitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of ection 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

53-296GT[85

- (1) 1.Sri Niloy Pyne 2. Smt. Dipali Pyne,
 - both of 1. St. George's Gate Road, Calcutta-22.
 - 3. Smt. Debika Mullick of 87, Chittaranjan Avenue, Calcutta.
 - 4. Shri Dilip Kumar Dutta, 12, Kapalitola Lane, Calcutta.

(Transferor)

(2) M|s, Ardialoy Investment Co. Ltd., of 4, Middleton Street, Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersgned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1 share of land measuring 9 Bighas 16 cottahs 15 chittacks 1 share of land measuring 9 figures to collars 15 chittages 32 Sft. together with Factory Sheds, Office Buildings, Shop rooms, godowns, Staff quarters Labour quarters and other structures situated at 105/1, Ultadanga Main Road, Calcutta. More particularly described in Deed No. 1 49 of R.A. Cal. of 1985.

> SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II
> 54, Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta-16

Date: 11-9-1985 Seal:

FORM ITNS -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II CALCUTTA

Calcutta, the 11th September 1985

Ref. No. AC-46/R-II/Cal/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinefter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a Lair market value Rs. 1,00,000]—and bearing No. No. 105[1] situated at Ultadanga Main Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annoxed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R.A. Calcutta on 2-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aferesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assers which have not been or writch ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Sri Niloy Pyne.
2. Smt. Dipali Pyne both of 1, St. George Gate Road, Calcutta-22.

3. Smt. Debika Mullick of 87B Chittaranjan Avenue, Calcuta.

 Sri Dilip Kumar Dutta of 12, Kapalitola Lane, Calcuta.

(Transferor)

 Ms. Alrub Investment Company Ltd. of 4, Middleton Street, Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person (merested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION. ... The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

4 share of land measuring 9 Bigin, 16 cottahs 15 chittacks 32 Sft. tegether with Factory Shed, Office Building, Shop rooms godowns, stall quarers, Labour Quarters and other structures situated a 105/1. Ultadanna Main Road, Calcutta. More particularly described in Deed No. I 48 of R.A. Cal. of 1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16

Date: 11-9-1985

Scal:

FORM ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mrs. Kalpana Roy, Mr. Av it Roy & Mrs. Eva Gupta,

(Transferor)

(2) Machino Techno (Sales) Private Ltd.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I CALCUTTA

Calcutta, the 13th September 1985

Ref. No. T8-37 85-86/SL 1064 IAC/Acq.R-I/Cal.—Whereas, J. SHAP JI NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reformed to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00 000l- and bearing No. 21/1, situated at market Road. P.S. Benjapukur, Calculta-17 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R.A. Calcutta No. 1-1377 dated 29-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the house of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely to-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Asbestos shed—land area—18 Cottahs, 6 chittacks 42 Sft.—Lot No. D—of premises No. 21/1, Darga Road, Mouza—Tiljala---P.S. Beniapukur—Calcutta-17, Registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. I-1377 dated 29-1-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1 54, Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta-16

Date: 13-9-1985

Scal :

FORM ITNS----

(1) Musst. Sayeda Begum.

(Transferor)

(2) M/s. ACMF Construction Co. (P) Ltd.

may be made in writing to the undersigned :-

u. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I CALCUTTA

Calcutta, the 13th September 1985

Ref. No. TR-18/85-86/Sl.1065 IAC/Acq.R-I/Cal.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1.00.000/- and bearing

Rs. 1,00,000|- and bearing No. 5, situated at Lower Range, Calcutta-17

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R.A. Calcutta under registration No. I-60 dated 3-1-1985

R.A. Calcutta under registration No. I-60 dated 3-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evanion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I berely initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used hereis as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that 5 Cottahs 10 Chittacks 9 Sft. of land together with a one storied building thereon at premises No. 5, Lower Range, Calcutta. Registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. 1-60 dated 3-1-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Colcutta-16

Date: 13-9-1985

Scal:

FORM ITNS-

(1) Mrs. Kalpana Rani Jalui.

(Transferor)

(2) Smt. Joginder Kaur & Sri Attar Singh

(Transferent

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA-16

Calcutta, the 13th September 1985

C. A. 133 85-86 Sl. 1066 I.A.C. Acq R-I Cal-whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Rs. 1,00,000 and bearing No.

61B, situate at Park Street, Calcutta-16 (and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred and registered with the Competent Authority u/s 269AB of the said Act read with rule 48DD(4) of Incom-tax Rules, 1962 under registration No. C.A. 133 dated 12-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to oelieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to may tax under the said Act. In respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever periods expires late;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

All that flat No 4-D measuring 1421 Sft, on the 4th floor of 'Neelam' at 61B, Park Street, Calcutta-16. Registered before the Competent Authority, I.A.C., Acquisition Range-I, Calcutta vide serial No. C.A. 133 dated 12-2-85.

> SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-9-1985

FORM ITNS

(1) Tulip Products Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) Faran Construction Company.
- (Transferce)

(3) Transferor

(Person(s) in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

FFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
CALCUTTA-16

Calcutta, the 13th September 1985

Ref. No. TR-28|85-86|SI.1067|J.A.C.|Acq.I|Cal.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tan Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'suid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. No 37, situated at Imdad Ali Lane Calcutta-16. (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and registered with the Competent Authority u|s 269AB of the said Act read with rule 48DD(4) of Income-tax Rules, 1962 under registration at R.A. Cal. under registration No. 1-797 dated 17-1-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. watchever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that one storeyed building—land area 6 Cottahs 8 chittacks and 4½ sft, at 37 Imdad Ali Lane Calcutta-16. Registered before the Registrar of Assurances of Calcutta vide Deed No. 1-797 dated 17-1-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16

Date: 13-9-1985

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA-16

Calcutta, the 11th Septemebr 1985

AR-20|85-86|SL Rcf. No. 1052 I.A.C | Acq R-J | Cal.-whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable wrongety hours as four market was the said act. property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

No. 176 situated at Acharya Jagadish hCandra Bose Road,

Calcutta.

No. 176 situated at Acharya Lagadish Chandra Bose Road, has been transferred and considered with the Competent Authority u/s 269AB of the aid Act read with rule 48DD(4) of Income-tax Rules, 1962 under registration

at R.A., Calcutta under registration No. 1-661 dated 15-1-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the regulatorium for such therefor are agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating its concealment of any income or any motorys or other assets which have not been or which amount as he cisclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons. namely: -

- (1) Smt. Champaklata Dutta & Smt. Depali Dutta.
- (2) Sri Sandip Mehta & Sii Ashwin Mehta

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
 - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that entire first floor in the premises No. 176, Acharya $\log a = 100$ mindra Bose Road, Calcutta. Registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. I-661 Dated 15-1-85.

> SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Do a + 11-9-1985

FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE-I. CALCUTTA-16

Calcutta, the 11th Septemebr 1985

TH-22[856]CI. Ref. No. 1053|I.A.C.|Acq. R-I|Cal.→ Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000 and bearing No. No. 84 , situate at Muzassar Ahmed Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and registered with the Competent Authority u|s 269AB of the said Act read with rule 48DD(4) of Income-tax Rules. 1962 under registration at RA., Cal. under registration No. I-883 dated 18-1-85. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property of to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) favilitating the reduction or evasion of the finbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sunil Baran Chowdhury.

(Transferor)

(2) Md. Mojahid Shamim & Md. Arshad Shamim.

(Transferce)

(3) Mrs. Akhtar Jahan & Mr. K. D. Silva (Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that an undivided one equal fourth part of share of and in all that two storeyed dwelling house measuring 7 Cottahs & 25 sft. being premises No. 84, Muzaffar Ahmed Street. Calcutta. Registered before the Registrar of Assuranccs, Calcutta vide Deed No. I-883 dated 18-1-85.

> SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :-

Date: 11-9-1985

FORM ITNS-

- (1) Sunil Baran Chowdhury.
- (Transferor)
- (1) Md. Anjum Shamim & Md. Khalid Shamim

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (3) Mrs. Akhtar Jahan & Mr. K. D. Silva

(Person(s) in occupation of the property:

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA-16

Calcutta, the 11th September 1985

Ref. No. AR-23|85-86|Sl. 1054|I.A.C.|Acq. R-I|Cal—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Acr. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000|Rs. 1,00.000 and bearing No.
No. 84 situated at Muzassar Ahmed Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered with the Competent Authority uls 269AB of the said Act read with rule 48DD(4) of Income-tax Rules, 1962 under registration at R.A. Cal. under registration No. I-884 dated 18-1-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that an undivided one equal fourth part of share of and in all that two storeyed dwelling house measuring 7 Cottahs 24 sft. being premises No. 84, Muzaffar Ahmed Street, Calcutta. Registered before the Registrar of Assurance-Calcutta vide Deed No. I-884 dated 18-1-85.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-7
54, Rafi Ahmed Kidwai Road.
Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:

54-296GI|85

Da'o: 11-9-1985

FORM ITNS--

N()TICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE-L CALCUTTA-16

Calcutta: the 11th Septemebr 1985

Ref. No. TR-24|85-86|Sl. 1055 I.A.C.|Acq. R-I|Cal.-Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1.00.000 and bearing No.

No. 84, situated at Mazaffffar Ahmed Street, Calcutta. (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered with the Competent Authority u|s 269AB of the said Act read with rule 48DD(4) of Income-tax Rules, 1962 under registration at R.A. Cal, under registration No. I-885 dated 18-1-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evesion of the Mability of the transferor to pay tax under the said Act, he respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Ast, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sunil Baran Chowdhury.

(Transferor)

(2) Md. Shamim Iraqui

(Transferce)

(3) Mrs. Akhtar Jahan & Mr. K. D. Silva (Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of tals notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XNA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that an undivided one equal fourth part of share of and in all that two storeyed dwelling house measuring 7 Cottabs 24 sft. being premises No. 84, Muzaffar Ahmed Street, Calcutta. Registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. 11885 dated 18-1-85.

> SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Rane 54, Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the s Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, financly :-

Date: 11-9-1985

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

UFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
CALCUTTA-16

Calcutta, the 11th Septemebr 1985

Ref. No. TR-25|85-86|Sl. 1056 I.A.C.|Acq. R-I|Cal.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing

Rs. 1,00.000 and bearing No.

No. 84, situated at Mazasiffar Ahmed Street, Calcutta. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered with the Competent Authority u/s 269AB of the said Act read with rule 48DD(4) of Income-tax Rules, 1962 under registration at R.A. Cal. under registration No. I-886 dated 18-1-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the sonsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sun'il Baran Chowdhury.

(Transferor)

(2) Md. Rashid Shamim & Md. Shahid Shamim.

(Transferee)

(3) Mrs. Akhtar Jahan & Mr. K. D. Silva

(Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

All that an undivided one equal fourth part of share of and in all that two storeyed dwelling house measuring 7 Cottahs 24 sft. being premises No. 84, Muzaffffar Ahmed Street. Calcutta. Registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. I-886 dated 18-1-85.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-'
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16

Date: 11-9-1985

FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA-16

Calcutta, the 11th Septemebr 1985

Ref. No. TR-29[8586]SI. 1057[I.A.C./Acq. R.I/Cal-Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competen: Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000[-Rs. 1,00.000 and bearing No.

No. 210, situated at Jamunala! Bazar Street, Calcutta (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

at RA., Calcutta, under registration No. I-832 dated 17-1-1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons namely:—

(1) Sri Basudco Mandelia

(Transferor)

(2) Basudeo Mandelia Family Trust.

(Transferee)

(3) Tenants

(Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 43 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that \(\frac{1}{2}\) share in undivided 10% share of the vendor in the jremises No. 210, Jamunalal Bazaz Street Calcutta containing 14 Cottahs and 1 Chittack of land together with six stories brick built building thereon, Registred before the Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. I-832 dated 17-1-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
54, Rafi Ahmed Kidwai Poad.
Calcutta-16

Date: 11-9-1985

FORM ITNS-

(1) Purbasa Nirman Udyog Private Ltd.

(Transferor)

(2) Shri Mahender Lall & Smt | Maya Lall

(3) Vendor

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
CALCUTTA-16

Calcutta, the 11th Septemebr 1985

Ref. No. TR-32|85-86|Sl. 1058|I.A.C.|Acq. R-I|Cal.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Rs. 1,00,000|- and bearing No. 3A, situated at Dr U N Brahmachari Saraini, Calcutta-16

No. 3A, situated at Dr U N Brahmachari Saraini, Calcutta-16 (and more fully described in the Schedule annexed Lercto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

at Calcutta under registration No I-1014 dated 21-1-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other asse's which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that flat No. G|B-measuring 910 sft and a car parking space No. 1 on ground floor at 3A, Dr. U.N. Brahmachari Calcutta-16. Registrered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. I-1014 dated 21-1-85.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Au hority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
54, Rafi Ahmed Kidwai Road.
Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 11-9-1985 Seal : FORM ITNS-

(1) Azimganj Estates Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Jhunjuhunwalla Janakalyan Trust

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,

CALCUTTA-16

Calcutta, the 11th Septemebr 1985

Ref. No. C.A. 118/85-86|Sl. 1059/I.A.C./Acq R-I|Cal---. Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000|- and bearing Rs. 1,00,000|- and bearing

No. 7, situated at Camac Street, Calcutta-700017
(and more fully described in the Schedule, annexed hereto)
has been transferred and registered with the Competent
Authority under section 269AB of the said Act read with
rule 48DD(4) of Income-tax Rules, 1962 under registra-

No. C.A. 118 dated 3-1-85

for an apparent consideration which is less than the fair which is less than the fair market value of the aforesaid proparty and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein 6s are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that 137.45 sq mts approx. on Second floor of 7, amc I.A.C. Acquisition Rangel, Calcutta vide Serial No. C.A. 118 Street Calcutta-17 Registered before the Competent Authority

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Acquisition Range-I,
54, Rafi Ahmed Kidwal Road,
Calcutta-16

Date: 11-9-1985

FORM ITNS

(1) Azimgani Estates Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Jhunjhunwalla Jankalyan Trust

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I CALCUTTA

Calcutta-16, the 11th September 1985

Ref. No. C.A.119|85-86|Sl. 1060 I.A.C.|Acq.R-I|Cal.—Whereas, I, SK. NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value Rs. 1,00 000]—and bearing No. No. 7, situated at Camac Street, Calcutta-700 017, (and more fully described to the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered with the Competent Authority uls 269AB of the said Act read with rule 48DD(4) of Income-tax Rules, 1962 under registration No. C.A. 119 dated 3-1-85

for an apparen consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of warmfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, name.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons which a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:—The terms and expressions used herein

as are defined in Chapter XXA of the said

Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that 149.48 Sq. mts. approx space on Second floor of 7, Camac Street, Calcutta-700 017. Registered before the Competent Authority, I.A.C., Acquisition Range-I, Calcutta vide Serial No. C.A. 119 dated 3-1-85.

SK. NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
54, Raft Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16

Date: 11-9-1985

Seal;

FORM ITNS-

(1) Azimgani Estates Pvt. Ltd.

(2) Jhunjhunwalla Jankalyan Trust

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I CALCUTTA

Calcutta-16, the 11th September 1985

Ref. No. C.A. 120/85-86|Sl. 1061 I.A.C.|Acq.R-I|Cal.-Whereas, I, SK. NAIMUDDIN.

Whereas, I, SK. NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 196!) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reasen to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00 000|- and bearing No. 7, situated at Camac Street, Calcutta-700 017 (and more fully deserbed in the schedule annexed hereto), has been transferred and resistant with the Competent Authority of th

has been transferred and registered with the Competent Authority u.s 269AB of the said Act read with rule 48DD(4) of Income-tax Rules, 1962 under registration No. C.A. 120 dated 3-1-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

All that 136.41 Sq. mts. approx. space on Second floor of 7. Camae Street, Calcutta-700 017. Registered before the Competent Authority, I.A.C., Acquisition Range-I, Calcutta vide Serial No. C.A., 120 dated 3-1-85.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SK. NAIMUDDIN Competent Au hority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I 54. Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 11-9-1985

FORM ITNE

(1) Smt. Leela Ramnathan

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION \$69D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Gopiram Sharma and Smt. Geeta Devi Sharma

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I CALCUITA

Calcutta-16, the 11th September 1985

Ref. No. C.A. 122|85-86|Sl. 1062 I.A.C.|Acq.R-I|Cal.—Whereas, I, SK. NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000-

and bearing No.

No. 1/1, situated at Lord Sinha Road, Calcutta
(and more u b h u annexed hereto),
has been transferred and registered with the Competent Authority u/s 269AB of the said Ac read with rule 48DD(4)
of Income-tax Rules, 1962 under registration

No. C.A. 122 dated 11-1-85

for an around commentation which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the someideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of '---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of the superment of the means of other amount which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the majoriton of the Indian Income-tax Act, 1922 (3) of 1922) or the said Act, or the Wenlith-tax Aut. 1937 (27 of 1937)?

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Ast. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Ast, to the following thereasts namely:

55—296G1[85]

(a) by serv or the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this nuriue in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of source on the respective persons, whichever period expires labor:

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publiention of this notice in the Official Gazette.

MXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that Flat No. 4D in Natraj Building at 1/1, Lord Sinha Road, Calcutta. Registered before the Competent Auth y, I.A.C., Acquisition Range-I, Calcutta vide Serial No. C.A. 122 dated 11-1-85.

SK. NAIMUDDIN
Composition of Incometax.
Acquisition Range-I

Acquisition Range-I
54, Rafi Ahmed Kidwa

Calcutta-16

Date: 11-9-1985

Seni

FORM I.T.N.S.———

(1) Mls Pari Enterprises

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Tej Karan Baid & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER. OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I **CALCUTTA**

Calcutta-16, the 11th September 1985

Ref. No. C.A. 124|85-86|Sl. 1063 I.A.C.|Acq.R-I|Cal.—Whereas, I, SK. NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

ks. 1.00 000]- and bearing No. 711A, situated at Dr. U. N. Brahmachari Street, Calcutta-17

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered with the Competent Aut. hority uls 260AR of the said Act read with rule 48DD(4) of Income-tax Pules 1962 under registration

of Income-tax Minus .
No. C.A. 124 dated 19-1-85 market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property an idensed exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the effect of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as e defined in Chapter XXA of the said Act, thall have the same mouning as given to hat Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. is reserves of any income arising from the transfer; end /es
- (b) facilitating the concessment of any income or any (27 of 1957);

manneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely --

All that apartment No. G-4 at ground floor at premises No. 7|1A, Dr. U. N. Brahmachari Street. Calcuta-700 017. Registered before the Competent Authority, I.A.C.. Acquisition Range-I, Calcutta vide serial No. C.A. 124 dated 19-1-85.

> SK. NA'MUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissi n f Incometax. Acquisition Range-I 54, Rafi Ahm.d K'dwai Road Calcutta-16

Date: 11-9-1985

FORM NO. I.T.N.S.—

(1) Pashupati Co-opp, Housing Society Ltd (Transferor)

(2) Mr. G. C. Makhija

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I CALCUTTA

Calcutta-16, the 10th September 1985

Ref. No. 1882 Acq.R-III 85-86.— Whereas, I, SK. NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and b aring No.

No. 62/7/1B situated at Ballygunge Circular Road. Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered with the Competent Au hority u's 269AB of the said Ac read with rule 48DD(4) of Income-tax Rules, 1962 under registration No. 37EL/Acq.R-III/534 dated 13-1-1985

for an apparent consuctance which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the sonsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any nioneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the response tive persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the mid ir movable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the name meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Proposed flat. As per only Form No 37EE without copy of any agreement, Registered before IAC., Acqn Range-Int. Cal. Vide No. 37EE|Acq.R-III|534 dated 13-1-1985.

SK. NAIMUDDIN Co n n Authority Acquisition Ranj
54, Rafi Ahm.d K 4 mi Road
Calcutta-16 Inspecting Assistant Commi-

Date: 10-9-1985

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the same of this notice under sunaforesaid property by the same of this motice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following PETROTIS MARRIETY :-

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta-16, the 13th September 1985

Ref. No. 1881 Acq.R-III 85-86 .--Whereas, I, SK. NAIMUDDIN,

benie in competation as under Section 269B of the Income-lax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable competation as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable competation as the 'said Act'). property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

bearing
No. 82|3A situated at Bidhan Sarani, Calcutta
(and more funy described in the schedule anexed hereto),
has been transferred and registered under the Registration
Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Cai, on 16-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been tribly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, h respect of any income arising from the transfer: and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the tollowing persons, namely :--

(1) Dr. Nirmal Kr. Brahmachari and Gopa Rani Devi

(Transferor)

- (2) 1. Maniklal Mukherjee
 - Santana Mukherjee
 Sund Kr. Mukherjee
 Ashish Mukherjee

 - 5. Sova Mukherjee

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 dams from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that the house property in the premises of 82|3A Bidhan Sarani, Calcutta registered under the De ds i os. I-759, 1|760. I-761, 1762 and 1763 (five) all of dated 16-1-1985.

> SK. NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tox Acquisition Range-III
> 54, Rafi Ahmed Kidwa Lal Calcutta-16

Date: 13-9-1985

(1) Ramendra Ch. Karmakar

(Transferor)

(2) 1. Shri Kanchan D. Singhi
2. Smt. Maniu D. Singhi
3. Shri Raj Karan Singhi
4. Shri Tej Karan Singhi

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX AC1, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-III **CALCUTTA**

Calcutta-16, the 13th September 1985

Ref. No. 1880 Acq.R-III 85-86 .- Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter reterred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a rair market value exceeding Rs. 1,00 000 and bearing No. 20A situated at Harish Mukherjee Road, Calcutta

(and more tuny described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration A. 1908 (16 of 1908 in the Office of the Registering Officer at

Carcuita on 22-1-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that fifteen ner cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or avasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the trainfer; MODIFICATION

(b) facilitating the concealment of any income or any shoneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this sotice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period experts later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SHEDULE

All that 1|5th portion of house Property registered vide Deed No. I-1093 dated 22-1-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acqualition Range-III 54, Patel Ahmed Kidwai Road Calcutta-16

Date: 13-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III **CALCUTTA**

Calcutta-16, the 13th September 1985

Ref. No. 1879 Acq.R-III 85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

thing the Composite stathority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-

No. 20A situated at Harish Mukherjee Road, Calcutta (and more tuny described in the schedule annexed hereto) has been transferred and registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Calcutta on 22-1-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I nereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subpersons, namely: --

(1) Shri Hemendra Ch. Karmakar

(Transferor)

- (2) 1. Shri Kanchan D. Singhi
 2. Smt. Manju D. Singhi
 3. Shri Raj Karan Singhi
 4. Shri Tej Karan Singhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said propert, may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this no ice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that 1|5th portion of house Property registered vide Deed No. 1-1094 dated 22-1-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissione of Inc. ma 'x Acquisition Range-III 54, Rafi Ahmed Kidwa. Noad Calcutta-16

Date: 13-9-1985

Seel :

PORM ITNS-

OTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Samarendra Chandra Karmakar

(Transferor)

(2) 1. Shri Kanchan D. Singhi

Smt. Manju D. Singhi
 Shri Raj Karan Singhi

4. Shri Tej Karan Singhi

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

FFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta-16, the 13th September 1985

Ref. No. 1878 Acq.R-III 85-86.—Whereas, 1.

HAIKH NAIMUDDIN,

sing the Competent Authority under Section 269B of the ncome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'said Act'), have reason to believe that the immovable roperty having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/nd bearing

Jo. 20A situated at Harish Mukherjee Road, Calcutta and more fully described in the Schedule annexed hereto), as been transferred and registered under the Registration 1908 (16 of 1908 in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 22-1-85

or an apparent consideration which is less than the full sarket value of the aforesaid property, and I have reason to

elieve that the fair market value of the property as afore-aid acceds the apparent consideration therefor by more than fteen per cent such apparent consideration and that the ensideration for such transfer as agreed to between the sarties has not been truly stated in the said instrument of ratedor with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer and /or
- (b) facilitating the concentrate of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Issume-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be smade as writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of the nomice is the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons windhever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the dae of the publication of this notice in the Official Gazette.

HAPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that 1/5th portion of house Property registered vide Deed No. I-1095 dated 22-1-1985.

> SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Committee of Inconcetix Acquisition Range-III 54, Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta-16

Poster: 13-9-1985

blow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said et. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this not ce under subection (1) of Section 269D of the said Act, to the following sersons nargely :---

(1) Shri Nripendra Ch. Karmakar

(Transferor)

(2) 1. Shri Kanchan D. Singhi

2. Sm. M.n.i D. M.gai 3. Shri Raj Karan Singhi 4. Shri Tej Karan Singhi

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta-16, the 13th September 1985

Ref. No. 1877 Acq.R-III 85-86,—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000% and bearing No.

No. 20A situated at Harish Mukherjee Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Calcutta on 21-1-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trilly stated in the mid instrument of transfer with the object of the

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any min vs. or other meets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purpose of the Indian Income-tax. Act. 1922 (11 of 1922) or the vaid Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said properly may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used barein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that 1 \$\forall th portion of house Property registered vide Deed No. I-1036 dated 22-1-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN Comp tent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incom -tax Acquisition Range-II
54, Rafi Ahmed Ki wai Road Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the impe of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act to the following persona, namely :-

Soni :

Date: 13-9-1985

(1) Shri Sailendra Nath Karmakar

(Transferor)

(2) 1. Shri Kanchan D. Singhi
2. Smt. Manju D. Singhi
3. Shrl Raj Karan Singhi
4. Shri Tej Karan Singhi

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THB INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 13th September 1985

Ref. No. 1876 Acq.R-III 85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Computent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act,) have reason to believe that the inmovable preperty, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000]- and bearing

No. 20A situated at Harish Mukherice Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act. 1908 (16 of 1908 in the Office of the Registering Officer at

Calcutta on 21-1-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that 1|5th portion of house property registered vide Deed No. I-1097 dated 21-1-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-(ax Acquisition Range-III 54, Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following namely :-56-296GI|85

Date: 13-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 11th September 1985

Ref. No. 1875|Acq.R-III|85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. P-82 situated at Lake Road, Calcutta

manafer with the ebject of :-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Calcutta in January, 1985

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the garties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Acr 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Amalendu Kar

(Transferor)

(2) Shri Rash Behari Das Shri Ranjit Kr. Das Shri Rewati Ranjan Das Shri Rashmoy Das

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 7K-1Ch-25 Sqft. Area : Gr. Floor : 2900 sft.

1st Floor : 1000 sf.t Registered Vide Deed No. I-1053 dated January, 1985,

> SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-III
> 54, Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta-16

Now, therefore, in parsuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 11-9-1985

(1) Biswanath Dcy.

(2) Dr. Hedgowar Smarak Samity,

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX AGT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 10th September 1985

Ref. No. 1874 Acq.R-III 85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

No. 9B situated at Abhedananda Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred with the Competent Authority uls 269 AB of the said Act read with rule 48DD(4) of Income tax Rules 1962 under Registration at R.A. Cal under registration No. 1885 dated on 15-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, andlor
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the surposes of the Indian Income-iax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquismon of that said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that vacant plot of land measuring 5K-8ch-30Sft Registered vide Deed No. I-682 dated 15-1-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Read Calcutta-16

Date: 10-9-1985

FORM NO. I.T.N.S.

(1) Shri V. C. Sood.

- (Transferor)
- (2) Mrs. Namita Sarrd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D|1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 10th September 1985

Ref. No. 1873 Acq.R-III 85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. Rs. 1,00,000|- and bearing

No. 25 situated at Ballygunge Circular Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act., 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

No. 37EE Acq.R-III 549 dated 8-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (22 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires bater;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that undivided proportionate share in the free hold land situated in the suburbs of Calcutta at 25, Ballygunge Circular Road, Calcutta, Registered in the office of IAC., Acq. R-III, Calcutta vide No. 37EE Acq. R-II;549 dwated 8-1-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Red Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 10-9-1985

- (1) Smt. Monika Ghoshal.
- (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Suniti Kumar Chatterjee.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 10th September 1985

Ref. No. 1872 Acq.R-III 85-86.--Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immova-

as the said ACL), have reason to believe that the immovable property, having fair market value exceeding Rs. 1,00.000|- and bearing No. 20A situated at Charu Chandra Place (East), Calcutta-33 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been tran ferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 28-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tas Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

As per Deed No. I-1261 dated 28-1-1985 Arca: 1150 sq. ft.

> SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said A.t. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the arroresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 10-9-1985

(1) Dinesh M Shah, & Shri Rakesh M. Shah.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Nigma Private Limited.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 11th September 1985

Ref. No. 1871|Acq.R-III|85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. 39|1 situated at Lansdown Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registrang Officer at under registration No. 37EE|Acq. R-III|538 on 14-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of i---

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that flat No. B-5 on the fifth Floor in the premises of 39[1, Lansdown Road, Calcutta measuring 1660 sft.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafl Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-9-1985

(1) Rekha Majumder.

(Transferor)

(2) Sowbha Mukherjee.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 11th September 1985

Ref. No. 1870 Acq.R-III 85-86.—Whereas I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (herinafter referred to an the haid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value avecaging Rs. 100 0001, and hering

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing

No. 14|144 situated at Gulf Club Road, Calcutta
(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office with the Competent Authority u/s 269AB of the said Act read of the Registering Officer Officer

at Calcutta on 18-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; endlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a nerted of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovanta-property, within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gezette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used neigh w are defined in Chapter XXA of the sax Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

As per Deed No. I-874 dated 18-1-1985. Land measuring 3K 5ch 10 S.ft.

SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III 54. Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 11-9-1985

(1) Smt. Ramalal Bose.

(Transferor)

(2) Rabin Kumar Basu

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 11th September 1985

Ref. No. 1869/Acq.R-III/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing

No. 27 G situated at Gopi Mohan Dutta, Lane, Calcutta and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutton 25-1-1985

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the public cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

As per Deed No. I-1259 dated 25-1-1985 partly 3 storeyed brick built building together with laind mea uring 3K—12ch, and 30 s ft.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Refi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 11th September 1985

Ref. No. 1868|Acq.R-III|85-86.—Whereas I, SHAIKH NAIMUDDIN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'soid Act') have reason to believe that the immovible property, having a fair market value exceeding 3s. 1,00,000]- and bearing No. 11 situated at Abdul Rasul Avenue, Calcutta

No. 11 situated at Abdul Rasul Avenue, Calcutta and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been tran ferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office with the Competent Authority u s 269AB of the said Act read of the Registering Officer under registration

Officer under registration

No. 37FE | Acq.R-III | 537 dated 14-1-1985

lor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as a storesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

57—296GI|85

(1) 1. Pankaj Kr. Pareksh,

2. Jagmohan Lakhotia, 3. Indra Devi Lakhotia

3. Indra Devi Lakhotia, 4. Sarla Devi Kankani.

5. Raj Kumar Kankani.

(Transferor)

(2) Sri Ashok Kumar Poddar

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 4.5 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that 2251 sft. being portion of premises No. 11, Abdul Rasul Avenue, Calcutta Register before IAC., Acq. R-III, Calcutta, vide No. 37EE Acq.R-III 537 dated 14-1-1985.

SIIAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 11-9-1985

(1) Papat & Kotecha Property.

(Transferor)

MOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Devendra K. Sanghvi.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 10th September 1985

Ref. No. 1867/Acq.R-III/85-86.—Whereas, I SHAILH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-and bearing

and bearing

No. 13 situated at Croocked Lane, Calcutta
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and registered under the Registration

Act, 1908 (16 of 1908) in the office with the Competent

Authority u/s 269AB of the said Act tead of the Registering
with rule 48DD (4) of Income-tax Rules, 1962

No. 37-EE/Acq. R-III/545 dated 8-1-1985

for a paparent consideration which is less than the fair

for a apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly lated in the said instrument of transfer with the object of:—

45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(a) by any of he aforesaid persons within a period of

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evenion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and or

THE SCHEDULE

(b) descritating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee the mirposes of the Indian Income-tax Act, 1922, 11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

All that Room No. 506 being premises No. 13, Croocked Lane, Calcutta, measuring 806 sft, registered before IAC., Acq R-JII/545, dated 8-1-1985.

SHAKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwei Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 26°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-9-1985

FORM ITHE

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Afta Chowdhury and Raj Kali Ray.

(Transferor)

(2) Smt. Madhusree Das and Kumari Sarmietha Roy Chowdhury.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 9th September 1985

Ref. No. 1866/Acq.R-III/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000l- and bearing No.58/14/8 situated at Prince Anwar Shah Road, Calcutta (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office with the Competent Authority u/s 269AB of the said Act read of the Registering with rule 48DD (4) of Income-tax Rules, 1962 at Calcutta on 30-1-1985

fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated to the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immosable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein wand defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that 2/3rd share of undivided 5K 2ch. 10 sft. of land together with structure registered vide Deed No. 1-625 dated 30-1-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tag
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 9-9-1985

FORM I.T.N.S.

- (1) M/s. Satyam Projects.
- (Transferor)
- (2) 1. Smt. Sarla Devi Mundhra. 2. Smt. Suman Mundhra. 3. Smt. Sashi Mundhra.

may be made in writing to the undersigned :---

(Transferees)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (4) OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 9th September 1985

Ref. No. 1865/Acq.R-III 85-86.—Whereas, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. 2 situated at Rowland Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office with the Competent Authority u/s 269AB of the said Act, read of the Registering Officer

No. 37EE/Acq R-III/542 dated 25-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to than the fair believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (37 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(\$) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the peblication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chaose...

THE SCHEDULE

All that flat No. 1 DE measuring 2484 sft.

SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (I) of Section 269(D) of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 9-9-1985

- (1) Jijush Umesh Benegal.
- (Transferor)
- (2) Suzuki (India) Ltd.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 9th September 1985

Ref. No. 1864/Acq.R-III/85-86.---Whereas, J. SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, havin a fair market value exceeding Rs. cxceeding Rs. 1.00,000]- and bearing No. 135 J situated at Netaji Subhar Chandra Bosc Road,

Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office with the Competent Authority u/s 269AB of the said Act, read of the Registering Officer

at Calcuita on 25-1-1985

for an apparent consideration which is tess than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such that the consideration is the consideration that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the property and the fair market value of the property as a fair market value of the property and the property and the fair market value of the property and the property a and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4 measuring 700 sft. in the premises of 1351, Netaji Subhas Ch. Bose Road, Calcutta was registered vide Deed No. 1-1239 dated 25-1-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tar. Acquisition Range-III 54, Rafl Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 9-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 2nd September 1985

C. R. No. 62|47689|85-86|ACQ|B.-Whereas, 1, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-

Rs. 1,00,000|- and bearing S. 134|9, D. Nos. 29-130 & 29-131 situated at Beedhi

Majalu Road, Puttur Town.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred with the Competent Authority us 269AB in his office

at Puttur on 2-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid axceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evacion of the Mandity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri K. Shashidhara Rao, Rajajinagar, Bangalore.

(Transferor)

(2) Shri K. Sathish Shetty, S/o. Sectharam Shetty, Kombetter Puttur, S. K. Dist.

(3) 1. Mr. K. Prabhakara Rao, No. 29—130, Beedhi Majalu Road, Puttur Town S.K.
2. Mr. M. K. Probhakara Raod,
No. 29—131. Beedhi Majalu Road, Puttur Town,
S.K.

(Transferce)

(Prerson(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforceald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 9|85-86 dated 2-4-85) Property bearing No. S. 134|9, Door Nos. 29—130 & 29-131, Beedhi Majalu Road, Puttur Fown.

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of his notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

Date: 2-9-1985

Seal 1

FORM ITNS----

(1) Shri N. S. Srinivasa, No. 57, I Main Road, Seshadripuram, Bangalore-20.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mohd. Mukhlar Ahmed, No. 6, E No. 12, Pension Mohalla, Broadway Road Cros, Bangalore.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 2nd September 1985

Ref. No. C.R. No. 62|46804|84-85|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under section 269Bof the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that the property having a fair market value exceeding

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing 44 Sy. No. 10|2 situated at Gandhinagar Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at with the competent authority under Section 269AB, in his office

at Gandhinagar on 21-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the doresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid taid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 629|84-85 dated 21-1-85) Site No. 44 Sy. No. 10|2, Gangenaballi, Bangalore Site area 30'x50'.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 2-9-1985

Soal:

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 2nd September 1985

R. No. 62|45967|84-85|ACQ|B.-Whereas, I. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

No. 2|2, struated at Hutchins Road, V Cross, Bangalore.
(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred with the competent authority under Section 269AB, in his office at Shivajinagar on 15-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, a respect of any income arising from the transfer; md/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Shri J. J. Mouisse, No. 2,2, Hutchins, Road, V. Cross, Bangalore.

(Transferor)

(2) Shr! Vincent Thomas, 2. Mr. Jagan V. Thomas, No. 10/2, Venkataraman Layout, Maruthisevanagar, Bangalore.

Transferec(s)

(3) Transferor.

(Persons in occupation of the property)

ren artista i de gradigi za est di esta di esta della del

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person intertsted in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Regisered Document No. 3073 84-85 dated 15-1-85). Property bearing No. 2|2, Hutchins Road, V Cross, Bangalore.

> R. BHARDWA: Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aroresald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 2-9-1985

(1) Janab Abdul Khada Mohd. Opp. Jamma Masjid, Byudoor, DK.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Aisha, Kudioti, Mangalore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 2nd September 1985

R. No. 62|45974|84-85|ACQ|B.—Whereas, I,

R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/-

No. RS. 1682|2A, 1683|2A, TS No. 10|2A, 9|2A situated at Kasha Banzaar Village. Mangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred with the competent authority under Section 269AB, in his office with the competent authority under Sectoin 269AB, in his

office at Mangaolre on 24-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1659|84-85 dated 24-1-85) Property bearing No. RS|682|2A, 1683|2A, TS No. 10|2A, 9|2A, Kasaba Banzaar Village Mangalore.

R. BHARDWAI Connotent Anthority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely 1997 58-296GI|85

Date: 2-9-1985

FORM ITNS———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1951 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

DIFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 2nd September 1985

C. R. No. 62|46457|84-85|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000]- and bearing
No. 80, situated at P&T Colony, Gangenahathi, Bangalore.
(and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred with the competent authority under Section 269AB, in his office at Gandhinagar on Feb. 1985 (and more fully described in the Scredule annexed hereto), for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to be a second of the state of the second of the state of the second of the state of the second of the seco believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability on the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any choneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 2697) of the said Act, to the following persons, namely: 1. K. S. Kamala,

- 2. S. Suresh,
- S. Subash,
 S. Sateesh,
- 5. Km. S. Sunitha--No. 40, V Cross,
 6. Smt. Sudha, No. 71, 71' Road Prakashnagar,
 6. Smt. Sudha, No. 71, 81 Road Prakashnagar, Bangalore.

(2) Shri G. N. Raja Kumar, No. 162, H. G. H. Layout, III Main Road Gangenahalli,. Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, so the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The trems and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3481|84-85 dated Feb. 85) House site No. 80, P&T Colony, Gangneahalli, Bangalore.

R. BHARDWAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tox Acquisition Range, Bangalore.

Date: 2-9-1985

1

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 2nd September 1985

· C.R. No. 62|46283|84-85|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1261 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reuson to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,0001- and bearing
RS. 447|1, TS. 188-1, situated at Attavar Village, M'lore
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred with the competent authority under
Section 269AB, in hs office

at M'lore on 11-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aloresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other easets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mrs. Zohra, W/o T. Mohd. Haji Rosario Church Road, Mangalore

(Transferor)

(2) K. Aodul Rashced,
Old Kent Road, Mangalore.
Cio Mis Zeenath International Supplies,
D. No. 20/18|1115, Mohamedi House, Rosario
Church Cross, Road, Mangalore
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1766|84-85 dated 11-2-85).

Property No. RS 447|1, TS, 188-1, situated at Attavar Village, Mangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 5-9-1985

GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shrimati Aisanna, Pakaladka Kankanady, M'lore.

(Transferor)

(2) Shri Mhod, Anwar CPC Compound, Kutroli Managalore.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560001 the 5th September 4985

C.R. No. $62|46822|84-85|\Lambda CQ|B$ —Whereas, I, R. BHARDWAJ

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. No. 84-B, situated at Kankanady Village, M'lore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), have been transferred with the competence outlook with the competence of the product of the schedule of the schedule

has been transferred with the competent authority under Scretion 269AB, in his office i M'lore on 28-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this potice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the trans and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SHEDULE

(Registered Document No. 15|84-85 dated 28-2-85). Property No. 84-B, Kankanady Village, M'lore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 5-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

BANGALORE-560 001

Bangalore, the 3rd September 1985 C.R. No. 62|46329|84-85|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing

No. 4/1 (Portion), situated at John Armstrong Road, Richards Town, Blore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred with the competent authority under Section 269AB, in his office i Shivajinagar on 8-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Shri M. Ahmed Hussain, No. 40, Lavelle Road, Richmond Road, B'lore.

(Transferor)

(2) Shri Thomas J. D'Souza, repd. by Mr. V. V. Iohn, No. 27[4, Damodara Mudalia: Road, Ulsoor, B'lore-8.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days
 from the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3400|84-85 dated 8-2-1985). Portion of premises bearing No. 4|1, John Armstrong Road, Richards Town, B'lore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid preperty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 3-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri M. Ahmed Hussain, No. 40, Lavelle Road, Richmond Road, B'lore.

(Transferor)

(Transferee)

GUVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

B'lore-8.

Bangalore, the 3rd September 1985

C.R. No. 62|46328|84-85|ACQ|B.-Whereas, I, R. BHARDWAJ

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000]- and bearing No. 4|1 (Portion), situated at John Armstrong Road, Richards Town, B'lore (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred with the connection authority under

has been translerred with the competent authority under Section 269AB, in his office

Shivajinagar on 8-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration to such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;

Shri Thomas J. D'Souza, repd. by Mr. V. V. John, No. 27/4, Damodara Mudaliar Road, Ulsoor,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income a any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(Registered Document No. 3399|84-85 dated 8-2-15 Portion of premises bearing No. 4|1, John Armstrong Road, Richards Town, Bangalore.

> R, BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Now, deresfore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby matinte proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, persons namely:-

Date: 3-9-1985

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560001, the 5th September 1985

No. 62|46016|84-85|ACQ|B.---Whereas, I, R. BHARDWAJ

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (here nafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000[- and bearing No. 24]1, situated at 16th 'A' Main Road, IV Block, Jayanagar, B'lore-11

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred with the competent authority under Section 269 AB. in his office.

Jayanagar on 3-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market vaule of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per centof such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the obect of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-ax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

(1) Shrimati V. S. Padmavathi, No. 13, 80 feet Road, Rajajinagar, B'lore-10.

(Transferor)

(2) Shri M. R. R. Shetty, No. 46, XV Cross, III Block, Jayanagar, B'lore-11.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3933|84-85 dated 3-1-1985). Property bearing No. 24|1, 16th 'A' Main Road, IV Block. Jayanagar, Bangalore-11,

> R. BHARDWAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the remeated property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 5-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560001, the 5th September 1985

C.R. No. 62|46015|84-85|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (48 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair marker value exceeding Rs. 1.00.0001- and Fearing

No. 24/1, situated at 16th 'A' Main Road, IV Block, Jayanagar Bangalore-11,

has been transferred with the competent authority under Section 269AB, in his office is Jayanagar on 3-1-1985, (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

Jayanagar on 3-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the end/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been exhibit ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of thee said Act. I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shrimati V. S. Umadevi, "Atreya" No. 498 Rajajinagar II Stage, B'lore-10.

(Transferor)

(2) Shri M.R.R. Shetty. No. 46, XV Cross, III Block, Jayanagar, B'lore-11.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expresisons used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3932/84-85 dated 5-1-1985). Property bearing No. 24/1, 16th 'A' Main Road, IV Block, Jayanagar, Bangalore-11.

> R. BHARDWAJ Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Date: 5-9-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri B. S. Jayudev, No. 40|2, Patalamagudi Road, Basavanagudi, Bangalore-4.

(Transferor)

(2) Mis. Ancesa Khatoon, No. 30, Naugappa Road, Shanthinagar. Bangalore-27.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE

BANGALORF-560 001

Bangalore-560 001, the 5th September 1985

C.R. No. 62|45998|84-85|ACQ|B.-Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. 40[2, situated at Potalamagudi Road Basavanagudi,

Bangalore-4.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Competent Authority under Section 269AB, in his office at Basavanagudi on 19-1-1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chaper XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(Registered Document No. 4220|84-85 dated 19-1-1985) Property bearing No. 40|2. Patalamagudi Road, Basavanagudi. Bangalore-4.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 369C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subthe issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---59-296GI|85

Date: 5-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shrimati Leela P. Parikh, Alembic Glass Colony, Quarters, White Field, Bangalore.

(Transferor)

(2) 1. Shri Jagat Singh Baid, Sri Kiran Singh Baid, 3. Sri Anand Singh Baid. No. 59, Jamunafal Bajaj Street, Calcutta.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 5th September 1985

C.R. No. 62/46017/84-85/ACQ/B.-Whereas, I, R. BHARDWAJ.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000, and bearing

No. 5, situated at 37th cross, VIII Block, Jayanagar,

Bangalore-II

and/or

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Competent Authority under Section 269AB, in his office at Jayanagar on 5-1-1985, for an apparate annihilation of the Competent Authority under Section 269AB, in his office at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the second apparent consideration are second apparent. and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :— Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3969|84-85 dated 5-1-85) Property bearing No. 5, 37th cross, VIII Block, Jayanngar, Bangalore-11.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer-

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 5-9-1985

FORM ITNS----

 Smt. Rukkmamammal and 6 others, Jageer Ammapalayam, Salem.

(Transferor)

(2) Smt. K. Yashotha, Wo E. N. Kaliannan, 111, Greenways Road, Fairlands, Salem.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

FFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 10th September 1985

Ref. No. 1. No. 7 Jan 85.— Whereas, I, K. VENUGOPALA RAJU,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing No. S. No. 197/2, Jageer Ammapalayam, situated at Salem, and more tully described in the schedule annexed hereto).

No. S. No. 197/2, Jageer Ammapalayam, situated ut Salem, (and more tully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at Suramangalam (Doc. No. 97/85) in January 1985,

Stramangalam (Doc. No. 97/83) in January 1985, for an appaient consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immosble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The term and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Agricultural land: S. No. 197|2. Jageer Ammapalayam Village, Salem.
(S.R.O. Suramangalam - Doc. No. 97|85).

K. VENUGOPALA RAJU
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIST COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ASSISTANI ACOUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 10th September 1985

Ref. No. 18 Jan 85.—Whereas, I, K. VENUGOPALA RAJU,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred t., as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000] and bearing

No. Survey Nos. 62 1 and 59 8 Thathamapatti Village,

Salem, with a Farm House,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the registration Act 1908 (16

of 1908) in the office of the Registering Officer at Salem East (Doc. No. 81|85) in January 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid have that the lair market value of the property more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Easwaran. Thathampatti Village, Salem Taluk.

(Transferor)

(2) Shri Natesa Gounder, Rackipatti, Salem Taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquirition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used becein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land and building: Survey Nos. 62|1 and 59|8, Thathampatti Village, Salem with a Farm House. (S.R.O. Salem East-Doc. No. 81|85).

> K. VENUGOPALA RAJU Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 2691) of the said Act, to following persons namely :-

Date: 10-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1 MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 10th September 1985

Ref. No. F. No. 20|Jan|85.—Whereas, I, K. VENUGOPALA RAJU, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act.) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing
No. 48, Kailasampalayampatti, Tiruchengodu Taluk, Salem Dist. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of his Registering Officer at Tiruchengodu (Doc. No. 161|85) in January 19845, for an apparent consideration which is less than the fair

Tiruchengodu (Doc. No. 161/85) in January 19845, for an apparent consideration which is less than the fair Market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by wore than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Smt. A. Sakunthala, No. 8, A. K. F. Street, Tiruchengodu Town. Salem Dist.

(Transferor)

(2) Shri A. S. Appavoo Mudaliar. D. No. 5, Pavadi Street, No. 8, Tiruchengodu Town. Salem Dist.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

l and and Building—48, Kailasampalayampatti Tiruchengodu Taluk, Salem District, (S.R.O. Tiruchengodu—Doc. No. 161|85).

K. VENUGOPALA RAJU
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 10-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Smt. A. Sakuntala W/o K. V. A. Annamalai Door No. 5, A.K.F. Street, Tiruchengodu Town.

 Shri N. Nuchimuthu (Minor) Guardian and Mother, Jayalakshmi, 22, Salem Road, Truchengodu Town.

(Transferce)

(Transferor)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 10th September 1985

Ref. No. F. No. 21, mn/85.—Whereas, I, K. VENUGOPALA RAJU, being the Competent Authority under Section

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tan Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

noperty, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000], and bearing No. Survey Ac. 158/2, A.K.F. Road, Tiruchengodu, (and more fully described in the Schedule annxed hereto) has been transferred under the Registering Officer at Tiruchengodu (Doc. No. 462/85) in January 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such at parent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and to
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—Le terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building Survey No. 158 2, A.K.F. Road, Tiruchengodu. (S.R.O. Tiruchengodu—Doc, No. 162|85).

K. VENUGOPALA RAJU
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1, Madras-600 006

Now, herefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

Date: 10-9-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri M. Marappan and others, Puliampatti. Sankagiri Taluk, Salem Dist.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 10th September 1985

Ref. No. F. No. 24/Jan/85 .-- Whereas, 1, VENUGOPALA RAIU,

K. VENUGOPALA RAIU, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the tamovable property, having a fair market value exceeding Ra. 1,00,000], and bearing
No. Survey Nos. 207[2] and 207[3] situated at Sowthapuram Village (and more fully described in the schedule annexed harmes).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

of 1908) in the office of the Registering Officer at Sankagiri (Doc. No. 22/85) in January 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating te reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any means arising from the transfer

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other asset which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 260C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(2) M. s. Tan India Wattle Extracts Co. Ltd., No. 21, Gaudhipuram Main Road, Post Box No. 191, Komarapalayam-638 183.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this rotice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein be are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

THE SCHI'DULE

Vacant land: Survey Nos. 207, 2 and 207/3, Sowthapuram Village.

(S.R.O. Sankagiri—Doc. No. 22,85).

K. VENUGOPALA RATO Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 10-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th September 1985

Ref. No. 26/January/85.—Whereas, I,
K. VENUGOPALA RAJU,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000]- and bearing
No. T.S. No. 179 situated at Salem Town,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Todagapatty (Doc. No. 19/85) in January, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
afteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets, which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax act, 1937 (27 of 1937);

 Dr. K. R. G. Srinivasan, S. o K. R. Govinda Chettiar, D. No. 46, Mariamman Koil St., Gugai, Salem Town.

(Transferor)

(2) Sri T. Nagappan,Slo Danapalan,D. No. 29, Narasingapuram St.,Gugai, Salem Town.

(Transferee) 7

(3) Builder,

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at IIIId Ward T.S. No. 179, Salem Town.

S.R. Tadagapatty Doct. No. 19/85,

K. VENUGOPALA RAJU
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1, Madras-600 006

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesised property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-9-1985

FORM LINS ---

(1) Shri S. G. S. Sahibji, 244, Kamarajanar Road, Athur Town, Salem.

(Transferor)

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-(NCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri K. P. Gopalakrishnan, 36, Gandhi Nagar, Athur Town, Salem.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madrat-600 006, the 10th September 1985

Ref. No. F. No. 27/Jan/85.—Whereas, I, K. VENUGOPALA RAJU, being the Competent Authority under Section 269R of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100 000l- and b uring No. Rice Mill at No. 388. Dr. Varaduraju'u Naidu Street, Jothi Nagar, A hur, Sa'em Dist. (and more fully described in the schedule annexted hereto), has been transferred under the Registration Art, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Athur (Doc. No. 42/85) in January 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of

manufer with the object of:-

- a) racinitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tab under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land and building (Rice Mill)—388, Dr. Varadarajulu Naidu Street, Jothi Nagar, Athur Salem.

(S.R. Athur—Doc. No. 42/85).

K. VENUGOPALA RAJU
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissiones, of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras 600 006

Date: 10-9-1985 Seal:

Now, therefore, in pursuant of Section 269C of the said ct. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the oresaid property by the issue of this notice under subretion (1) of Section 269D of the said Act, to the following

1-296 GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SJONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 10th September 1985

Ref. No. F. No. 38/Jan/85.—Whereas, I, K. VENUGOPALA RAJU,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

No. Door Nos. 30/59D1, 30/59D2, 30/59B and 30/59C, Yercaud Village situated at Selem District (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred and the Agreement is registered under of the Competent Authority at Yercaud (Doc. No. 12/85) in January 1985

for an apparent consideration which in less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or avasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Tharyan Mathews and other Glanarose Bungalow, Komma Khadu, Yercaud.

(Transferor)

(2) (i) Shri M. Lakshmanan, 1st Avenue, Indra Nagar, Madras-20. (iii) Smt. N. Vijayalakshmi, W/o A.V. Nityanandam, No. 3, I Main Road, Indra Nagar, Adyar, Madras-20

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period o 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days fror the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person intersted in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

Land and Building: Door Nos. 30|59D1, 30|59D2, 30|59B and 30|59C, Yercaud Village, Salem Dstirict. (S.R.R. Yercaud-Doc. No. 12|85).

> K. VENUGOPALA RAJU Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 10-9-1985

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Sri A. Subbaraya Gounder & Others, Sengapalli, Kathapalli Village, Namakkal Taluk, Salem Dist.

(Transferor)

(2) Sri S. Kaliannan, S|o Sengoda Gounder, Makkal Pudur, Kolathuptatty Post, Namakkal Taluk, Salem Dist.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th September 1985

Ref. No. 40|January|85.—Whereas, I, L. VENUGOPALA RAJU, eing the Competent Authority under Section 269B of the neome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as he 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding \$\frac{25}{25}\$. 1,00,000|- and bearing No. inreve No. 106|2 situated at Namakkal Village and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registering Office at Namakkal (Doct. No. 40|85) on January, 1985 or an apparent consideration which is less than the fair narket value of the aforesaid property and I have reason to elleve that the fair market value of the proporety as aforesaid receds the apparent consideration therefor by more han fifteen per cent of such apparent consideration and

hat the consideration for such transfer as agreed to between he parties has not been truly stated in the said instrument of

ransfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other easets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this netion in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaeztte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant site at Namakkal Village, Salem Dist. (Survey No. 106/2)
J.S.R.II, Namakkal, Doct. No. 40|85.

K. VENUGOPALA RAIU
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madras-600 006

Date: 12-9-1985

Seal:

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said t. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the resaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following sons, namely:—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th September 1985

Ref. No. 41|January|85.—Whereas, I, K. VENUGOPALA RAJU,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the normovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing Survey No. 106[2] situated at Namakkal Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of of 1908) in the office of the Registering Officer at Namakkal (Doct. No. 41/85) on January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under that said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (37 of 1957);

- Sri K. Subbaraya Gounder & Others, Kathapalli Village, Namakkal Taluk, Salem Dist.
- (2) Sri Nalli Gounder, S. o. Chellappa Gounder, Kathajain Village, Namakkal Taluk, Salem Dist.

(Transferce)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whethere restrict expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Vacant Site at Namakkal Village (Survey No. 106|2) Salem Dist.
J. S. R. II, Namakkal. Doct No. 41|85.

K. VENUGOPALA RAJU
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax
Acquisition Range-I
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-IAX

> ACQUISITION RANGE-I. MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th September 1985

Ref. No. 42 January 85 .-- Whereas, I, K. VENUGOPALA RAJU,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the 'sa'd Act') have reason to believe that the immov-

able property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]—and bearing Survey Nos. 384[1, 387[1, 388, 389]1, 391 and 392 situated at Kelawali Vlialge Dharmapuri Dsit. tand more tuny described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

nas been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at Barur (Doct. No. 20/85) in January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by nore than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (14 of 1922) or the Said Act or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(1) Shri S. O. Basia. S[o, Usman Khan, 27. Nedumaran Nagar, Dharmapuri.

(Transferor,

(2) Mls. Dharmapuri Paper Mills Pvt. Ltd. Kottaipannai, Kelavalli Post. Kambainallur, Dharmapuri Dist.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid rersons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or α period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural Land (Dry) at Kelavalli Village, Dharmapuri Dist. (S. Nos. 384, 387/1, 388, 398/1, 391 and 392).

S. R. Barur. Doct. No. 20/85.

K. VENUGOPALA RAJU Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Madras-600 004

Date: 12-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-L MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th September 1985

Ref. No. 43/January/85.—Whereas, I, K. VENUGOPALA RAJU,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Door No. 19 situated at Denkanikotta Village, Dharmapuri

Dist.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of of 1908) in the office of the Registering Office at

Denkanikottal (Doct. No. 138/85) on January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afotesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the followeforesair property by the issue of this notice under subpersons, namely :--

(1) Sri Thankachen K. Erinjen, S|o. Kurvappan, No. 19, Melkottai, Denkanikottai.

(Transferor)

(2) Smt. R. Chandravalli, Wlo. Rajaram Naidu, Kajce Sahib Street, Denkanikottai, Dharmapuri Dist.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at Denkanikottai Village, Dharmapuri District. S. R. Denkanikottai. Doct. No. 138/85.

> K. VENUGOPALA RAJU Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-I Madras-600 006

Date: 12-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th September 1985

Ref. No. 46|January|85.—Whereas, I, K. VENUGOPALA RAJU, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred tole as the said Act), have reason to believe that the impossible the said Act) and the said Act, the reason to believe that the impossible that the said Act. property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. T.S. No. 7/1-A, Block 17, ward "C", Periyeri Village,

Salme Town.

(and more fully described in the Schedule annexed here:0), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of of 1908) in hie office of the Registering Officer at J. S. R. I/Madras North (Doc No. 120|85) on January 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforemaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the the consideration for such transfer as agreed to between the transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri B. Jagdeesh, 14, Rajaji Road, Salem Town.

(Transferor)

(2) Steel Dealers As-ociation. Madres Private Limited, 133, Rosappa Chetty St., Madras-3.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant Land: T.S. No. 7/1-A, Block 17, ward "C" Periyeri Village Salem Town.

(J. S. R. I/Madras North - Doc. No. 120/85)

K. VENUGOPALA RAJU Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Madras-600 006

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 12-9-1985

FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th September 1985

Ref. No. F. No. 46|Jan|85.—Whereas, I, K. VENUGOPALA RAJU,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the 'sa'd Act') have reason to believe that the immovable property have a fair market vaule exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
T. S. No. 7/1C & 7 2A, Block 17, Ward "C", Periyer Village, Salem Town

(an I more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of of 1908) in the office of the Registering Office at

of 1908) in the office of the Regis'ering Office at J.S.R. I/Madras North (Doc. No. 119/85) on January 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesa'd property, and I have icoson to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per vent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in tespect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

 Shri B. Ravi ankar Bapu, 14, Rajaji Road, Salem Town.

> (Transferor) (P) Ltd.,

(2) Steel Dealers Association Madras (P) Ltd., 133. Rasappa Chetty Street, Madras-3.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant Land - T. S. No. 7/1C & 7/2A, Block 17, ward "C", Periyeri Village, Salem Town,

(J. S. R. I/Madras North - Doc. No. 119/85)

K. VENUGOPALA RAJU
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madras-600 006

Date: 12-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras, the 12th September 1985

Ref. No. 47|January|85.—Whereas, I, K. VENUGOPALA RAJU,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 - and bearing Door No. 1. Thanja Murugappa Chetty St.,

situated at Park Town, Medras

(and more fully described in the schedule aanexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Periamet—(Doc. No. 110|85) in Jan. 85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1927)

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaic property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—61—296 GI/85

 Sri Y. Jagannathan, Slo Y. Venkatarayalu Naidu, No. 18, Subba Rao Avenue, Mad. as-600 034.

(2) M|s. Khivraj Motors Limited, No. 623, Mount Road, Madras-600 006. (Transferor)

(Transferee)

Objections, if, any to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at Door No. 1, Thanja Murugappa Chetty St., Park Town, Madras.

J.S.R., Madras North Doc. No. 23|85.

K. VENUGOPALA RAJU
Competent Authority
Inspecting Assistant Comm so der et Income-tax
Acquisition Range-I, Madaas

Date: 12-9-85

ceal:

FORM I.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAY ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras, the 12th Soptember 1985

Ref. No. F. No. 71 Jan 85.—Whereas, I, K. VENUGOPALA RAJU, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000]—and bearing Dipor No. 242, Kilpauk Garden Road, Madran-10 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Peraimet—(Doc. No. 110/85) in Jan. 85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (II of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proteedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Dr. D. Ravi Shanker & 3 others, 242, Kilpauk Garden, Madras-10.

(Transferor)

(2) Mrs. Tahir Unnissa Begum, 53, Taylors Road, Madras-10.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant Land—Door No. 242, Kilpauk Garden Road, Madras-10.

(S.R.O. Periamet-Doc. No. 110|85).

K. VENUGOPALA RAMI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income to:
Acquisition Range-I, Madros.

Date: 12-9-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-J, MADRAS

Madras, the 12th September 1985

Ref. No. 74/Jan./85.—Whereas, 1, K. VENUGOPALA RAJU, veing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 1882 situated at Anna Nagar, Madras-40 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anna Nagar (Doct. No. 88/85) in Jan. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Sri R. Bhaktavatsalam, S/o M. Rajamanickam, Plot No. 1882, Arignar Anna Nagar, Madras-600 040.

(Transferor)

(2) Sri C. S. Rayalu, S/o Subbiah, J-55, Anna Nager East, Madras-102,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gaustie or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at Plot No. 1882, Anna Nagar, Madrass 40.

S.R. Anna Nagar (Doct. No. 88/85.)

K. VENUGOPALA RAJU Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1, Madras.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Income-tax Act, (43 of 1961) to the following persons, namely:—

Date: 12-9-85

36558

FORM TINS.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I. MADRAS

Madras, the 12th September 1985

Ref. No. F. No. 91|Jan|85.—Whereas, I, K. VENUGOPALA RAJU,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000| and bearing 81. Mos. Sec., Madras-1

81, Moore Street, Madras-1

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transcrited under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J.S.R. I, Madras North (Dec. No. 148/85) on Jan. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the attressed property and I have reason to believe that the fair applies to be of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per the consideration for coolsists as a greed to between the parties has not been truly scated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the ladian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pulsuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the same of the motice under subsection 11 of Section 269D of the said Act to the fell wing person namely:—

(1) Sh. K. Venkataraman Achar 81, Moore Street, Madras-1.

(Transferor)

(1) Sh. A. Mohamed Sulaiman
 (ii) Sh. A. Abdul Alcem
 78. South Street,
 Chakkarapalli, Ayyampet,
 Papanasam Taluk, Thanjavur District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building—No. 81, Moore Street, Madras-1. (J.S.R. I, Madras North—Doc. No. 148 85).

K. VENUGOPALA RAJU
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras.

Date: 12-9-85

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (-43 OF 1961)

(1) Sh. D. Amirthalingam & others 44, Arumugha Mudali Street, Madras-21.

(Transferor)

(2) Smt. K. Vasanthi Bhat, 4. Ramaswami Street, Madras-1.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPIECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RATINGE-I, MADRAS

Madras, the 12th September 1985

Ref. No. F. No. 92/Jan/85.--Whereas, 1, K. VENUGOPALA RAJU,

being the Competent Authority ander Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fan mink of value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

44, Arumugha Mudali Street, s itrated at Madras-21.

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Resistance Officer at

Royapuram (Doc. No. 49/85) in Jan. 85

tor an apparent consideration market value of the inforesaid believe that the fair market value exceeds the apparent consideration and that the fifteen per cent of such opposition therefor by more than the consideration and that the consideration can that the consideration can that the consideration can be apparent. has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :---

consideration for such thansfer as agreed to between the parties

Objections, if any, to the acquisition of the said properts may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective periods, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the make of the publication of this notice in the Charal Gravette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the world Act, shall have the same meaning to given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any in a see arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land and Building-No. 44, Arumugha Mudali Street, Madras-21.

(S.R.O. Royapuram—Doc. No. 49/85).

(b) facilitating the cone calment of any income or any moneys or other uss ets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the findian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or it is said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1 957):

K. VENUGOPALA RAJU Competent Authority Properting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras.

following persons, namely

Now, therefore, in pursus mose of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate 1 proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 2 169D of the said Act, to the

Date: 12-9-85

NOTICE UNDER SECTION 265D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE ON THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras, the 10th September 1985

Ref. No. V. No. 48/Jan/85.—Whereas, I, K. VENIJGGPALA RAJU, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Res. NO.000]—and bearing Plot No. 2892, Anna Nagar, Madras-40 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J.S.R. I/Madras North (Doc. No. 24/85) on Jan. 85. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have wasson to believe that the fair market value of the property

as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by

more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the swettes has not been truly stated in the said instrument of

; mster with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer end for

(b) facilitating the consequent of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sh. Y. Jaganna than, 18, Subba Rao Avenue, Madras-34.

(Transferor)

(2) Sh. Vimalchand Chordia (minor) Father & Guarditan: Sh. Prafulchand Chordia, 607, Mount Road, Madras-6.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the afterest id persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this potice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in the same meaning as given in that Chapter .

THE SC MEDIULE

Land and Building: Plot N o. 2892, Anna Nagar, Madras-

(S.R.O. J.S.R. 1/Madras No with-Doc, No. 24/85).

K. VENUGOPALA RAJU
Competent Authority
tt Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras.

Now, therefore, in pursuance of section 2000 of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under section (1) of Section 269D of the said Act. to the fellowing persons, namely:—

Date: 10-9-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I,

MADRAS-600006

Madras, the 10th September 1985

Ref. No. F. No. 49/Jan/85.—Whereas, I, K. VENUGOPALA RAJU,

transfer with the object of :-

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing

Plot No. 1690, Anna Nagar, Madras (and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

J.S.R. I/Madras (Doc. No. 25/85) on Jan. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any scome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the taid Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

(1) Shri Y. Jagannathan, 18, Subba Rao Avenue, Madras-34,

(Transferor)

(2) Pushapehand Chordia (minor), Father & Guardian Sainikraj Chordia, 607, Mount Road, Madras-6.

(Transferso)

Ojections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building—Plot No. 1690, Anna Nagar, Madras. (S.R.O. J.S.R. I/Madras North—Doc. No. 25/85)

K. VENUGOPALA RAJU
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Madras

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said at. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the accressid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:

Date: 10-9-1985

FORM No. ITNS-

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS!ONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600006

Madras, the 29th August 1985

Ref. No. F. No. 51 Jan/85:—Whereas, I, K. VENUGOPALA RAJU, being the Competent Authority under Section 269B of the Incompetent Authority under the Section 269B of the Incompetent haid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1000(0)—and beating 31. III Line Berch Road, Madras-1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been from forced under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J.S.P. II/Mr has North (Doc. No. 114/85) on Jan. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transferrend/er
- (b) facilitating the concesiment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I "ereby initiate proceedings for the acquisition of the aferesaid property by the issue of this notice under subsection 1) of Section 269D of the said Act, to the follow-persons namely:—

(1) Sm. Prabhavathi Jain, 42, Rasappa Chetty Street, Madras-3.

(Transferor)

Smt. Saneh Latha Hirawat
 Smt. Sures'n Hirawat,
 Angappa Naicken Street,
 Madras.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the unwersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at Door No. 31, III Line Beach Road, Madras-1.
(J.S.R. II Madras North—Doc. No. 114/85)

K. VENUGOPALA RAJU
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras

Date: 29-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600006

Madras, the 29th August 1985

Ref. No. F. No. 56/Jan/85.—Whereas, I, K. VENUGOPALA RAJU,

being the Competent Authority under Section the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the im-

to as the 'said Act') have teason to believe that the immovable property, he ing a fair market value exceeding Rs. 1,00,000l- and bearing 5, Thambu Na cken Street, Madras-79 (and more fully described in the Schedulo annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sowcarpet (Doc. No. 3/85) on Jan. 1985

for an apparent consideration which is iess than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) Incilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269% of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons 62-296 GI/85 w

(1) Shri C. S. Vishnu, Thambu Naicken Street, Madras-79.

(Transferor)

(2) Shri T. Mahaveerchand Bothra, 99, Govindappa Naicken Street, Madras-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same encuring as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at No. 5, Thambu Naicken Street, Madras-79.

(S.R.O. Sowcarpet—Doc. No 3/85)

K. VENUGOPALA RAJU Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Madras

Date: 29-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(a) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACGUISTION RANGEI, MATERIA S-600005

Madres 11. 29th August 1985

Ref. No. 59/Jan/85.—Whereas, 1, K. VENUGCPALA CAJU, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 196) (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sa'd Acc), have reason to believe that the immovable property, having a loss me det value exceeding Rs. 1.00.000]—and bearing 20, Kalathi Pi'ai Street, Madras-1 (and more fully described in the Schedule annexed bareto).

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been trensform to the the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Fogistration Office of Sowcarpet (1900, No. 48/25) on Inn. 1985

for an apparent consideration, which is less than the fair market value of the decended property and I have reason to believe that the fair market wive of the property or aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cem of such apparent consideration and that the consideration for usb transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to any tar audit the yeld Ner in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other users which have not been a which ought to be declared on the respective. for the purposes of the inductional and the respective for the purposes of the induction theorem for Act. 1922 (11 of 1922) of the cold Act or the Wealth-tax to 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the cold Act, to the followor possess namely :--

(1) Smt. Sumitra Gothi, 7, Mahaveer Colony. V. K. Sampath Road, Madras-7.

(Transferor)

(2) Shri Kewalchand Ostwal, Smt. Amrao Devi, 118, Mint Street, Madras-79.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Door No. 20, Kalathi Pillai Street, Madras-1.

(S.R.O. Sowcarpet-Doc. No. 48/85)

K. VENUGOPALA RAJU Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Madras

Date: 29-8-1985

Seal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 31st July 1985

Ref. No. 65/1/85.—Whereas, I, K. VENUGOPALA RAJU,

being the Competent Authority under Section 269 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing Flat 3 H. B., III Floor, 813, P. H. Road, Madras-600 010.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transfered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. O. Periamet (Doct. No. 69/85) on January 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than forces and exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

(1) (i) Shri M. L. Patwari, (ii) Miss Rak ha Shah, (iii) Shri Rewat Chand,

(iv) Smt. Sua Devi,

82, Narayana Mudaly Street, Madras-1.

(Transferor)

 Shri K. M. Periakaruppan, P. K. N. House, Viswanathapuram, Ramachandrapuram Post, Pudukkottai District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat 3 H. B., III Floor, 913, P. H. Road, Madras-600 010. S. R. O. Periamet. Doc No. 69/85).

> K. VENUGORALA RAJU Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 31-7-1985

FORM I.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

UNIVERNMENT OF INDIA.

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 29th August 1985

Ref. No. F. No. 66/Jan./85.—Wheras, I,
K. VENUGOPALA RAJU,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (b.ne nafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a lair marke, value exceeding
Rs. 1,00.000]—and bearing
17, Sami Pillai Street, Choolai, Madras-7.
situated at
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transfered under the Registration Act. 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Periamet (Doc. No. 78/85) on January 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the afores nd property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the consealment of any income or any unoneys or other a sets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the efforces of property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons.

(1) So i K. Bapanaiah, 8 Gandhi Avenue, Pura-awalkam, Madra:-7.

(Transferor)

(2) 1. Mchboob Basha,
2. S. Basheer Ahamed,
3. Dinshat Unnisha,
24, Thiruvengada Street,
Periamet,
Madras-3.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in witting to the undersigned :---

- (a) 1, any of the are said persons within a period of the lays from the dire of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which were period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the gublication of the name in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at 17, Sami Pillai Street, Choolai, Madras-7, (S. R. O. Periamet - Doc. No. 78/85).

K. VENUGORALA RAJU
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Madras-600 006

Date: 29-8-1985 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 10th September 1985

Ref. No. F. No. 68/Jan/85.—Whereas, I, K. VENUGOPALA RAJU,

being the Computent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No.
Flat No. 105, Door No. 15, Marsualls Road, situated at Egmore with 1/16,h undivided share in the land.
(and more tuly described in the Schedule innexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Poriamet (Doc. No. 85/85) on January 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aloresaid property and I have reason to believe that the fair market value of property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer, as agreed to between the parties I as not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability N' the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; aud|or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(1 Smt. Savithri Tarachand, Fiat No. B-18, Swiss Apartments, 3, Jermiah Road, Vepery, Madras-7.

(Transferor)

(2) Smt. D. Zeenath, Flat No 1, Tripthi Building, 15, Mashalls Road, Egmore, Madras-8.

to a state of the

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said namovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

) APLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XX V or the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building Flat No. 105, Door No. 15, Marshalls Road, Egmore, Madras, with 1/16th undivided share in the land.

(S. R. O. Periamet, Doc. No. 85/85).

K. VENUGOPALA RAJU Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date : 10-9-1985

NUTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Peter Kao. 1074, West Anna Nagar, Madar:-40.

(Transferor)

(2 Smt. P. S. Sumathi Devi, No. 9, 8th Lone, G. A. Road, Madras-21.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I. MADRAS-600 006

Madra:-600 006, the 10th September 1985

Ref. No. F. No. 72/Jan/85.--Whereas, I, K. VENUGOPALA RAJU,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1901 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Plot No. 1074, Arignar Anna Nagar Scheme,

situated at Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. O. Anna Nagar (Doc. No. 68/85) on January 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to behave that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to Letween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

THE SCHEDULE

Land and Building: Plot No. 1074, Arignar Anna Nagar, Scheme, Madras.

(S. R. O. Anna Nagar, Doc. No. 68/85).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be discosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

> K. VENUGOPALA RAJU Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006

Now, therefore, in parsuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 10-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madra:-600 006, the 10th September 1985

Ref. No. F. No. 75/Jan/85.—Whereas, I, K. VENUGOPALA RAJU,

being the Competent Authority under Section 269B of the ncome-'ax 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable

the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00 000]—and bearing S. No. 30/1, 31/1, & 32/1 (Part) situated at Mullam Village (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anna Nagar (Doc. No. 103/85 in January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to

market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the Object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons. namely :-

(1) Shri K. S. Chezhiyan, 10A, West Mada Street, Madras-15.

(2) Shri N. K. Verghese, AK. 31, Arignar Anna Nagar, Madras-40.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within period of forty five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any oher person interested in the said immovable property, within forty five days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as giver in the Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant Land S. No. 30/1, 31/1 & 32/1 (Part) Mullam Village. (S. R. O. Anna Nagar, Doc. No. 103/85)

> K. VENUGOPALA RAJU Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 10-9-1985

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

11th Main Road, Mad. as-40.

(1) Smt. Kamala Navar and 3 others

(Transferor)

(2) Shri A. P. Rajendran, K-56, Anna Nagar, Madras-102.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madra -600 006, the 10th September 1985

Ref. No. F. No. 79/Jan/85.—Whereas, I, K. VENUGOPALA RAJU,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing Plot No. 3912, Arignar Anna Nagar, Madras-40 situated at

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registering Officer at Anna Nagar (Doc. No. 153/85) on January 1935

for an apparent consideration which is less than the tair mar-ket value of the aforested property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of ahigh nought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (2) of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

The second secon

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building-Plot No. 3912, Arignar Anna Nagar Madras-40.

(S. R. O. Anna Nagar-Dec. No. 153/85).

K. VENUGOPALA RAJU Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesa'd property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the "allowing parsons, namely : --

Date: 10 9-1035

(1) Shri P. Venkatachalam, No. 20, Chettiar Street, Pattukottai, Thanjavoor Dist.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) (1) Shri A. R. Balakrishnan,(2) Smt. Rajalakshmi,107, D. 1, Main Road, Anna Nagar, Madras-102.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madra:-600 006, the 10th September 1985

Ref. No. F. No. 80/Jan /85.—Whereas, I, K. VENUGOPALA RAJU,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) thereinafter referred to so the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00 000l- and bearing Plot No. 4713, Anna Nagar, Madras-40 (Naduvakarai)

situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the Regi tration Act. 1908 (16 of 1908) in t he office of the Registering Officer at Anna Nagar (Doc. No. 178/85) on January 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons manualy : -

63-296 GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 daws from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building: Plot No. 4713, Anna Nagar, Madras-40 (Naduvakkarai).

(S. R. O. Anna Nagar - Document No. 178/85).

K. VENUGOPALA RAJU Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 10-9-1985

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMR-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 22nd August 1985

Ref. No. F. No. 83/Jan/85.—Whereas, I, K. VENUGOPALA RAJU,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinsfter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 100,000]- and bearing No. Elat No. 'F' together with 1/6th undivided share in the land at Plot No. 799, Anna Nagar, Madras-40. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anna Nagar (Doc. No. 228/85) on January 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partis has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act. or he Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesa'd property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:— (1) Shri L. K. Markandeyan, Plot No. 799, Anna Nagar, Madras-40

(Transferor)

(2) Shrl S. Balasubramani, 53, Block 'C' Anna Nagar, Madras-600102.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. F together with 1/6th undivided share in the land at Plot No. 799, Anna Nagar, Madras-40.

S. R. O. Anna Nagar—Doc. No. 228/85).

K. VENUGOPALA RAJU Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Madras-600 006

Date: 22-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 22nd August 1985

Ref. No. 84/Jan/85.—Whereas, I, K. VENUGOPALA RAJU,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair mrke value exceeding

Rs. 1,00,000]- and bearing No.
Flat No. "E" in Plot No. 799 situated at Anna Nagar,
Madras-40 together with 1/6th undivided share in the land
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transfered under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Anna Nagar (Doc. No. 229/85) on Japuary 1985

Anna Nagar (Doc. No. 229/85) on Japuary 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income wrising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by te issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-persons namely:—

(1) Shri L. K. Markandeyan, Plot No. 799, Anna Nagar, Madras-40.

(Transferor)

(2) Sari S. Selvakumar, 53, Block 'C' Anna Naga Madras-600 102,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said ammovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as oven in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. "E" in Plot No. 799, Anna Nagar, Madras-40 together with 1/6th undivided share in the land.

(S. R. O. Anna Nagar-Doc. No. 229/85).

K. VENUGOPALA RAJU
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Madras-600 006

Date : 22-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. M. Andalammal, F-77, Anna Nagar, Madras-102,

(Transferor)

(2) Dr. N. Chandra Prabha, 81, 8th Cros: Street, Shenoy Nagar, Madras-30.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 10th September 1985

Ref. No. F. No. 85/Jan/85.—Whereas, I, K. VENUGOPALA RAJU,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tex Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Flat 'B' Plot No. 269, R. S. Nos. 45, 3, 4/4-A situated at

Periakudal Village.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. O. Anna Nagar (Doc. No. 224/85).

on January 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tex under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the seid immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building: Flat 'B', Plot No. 269, R. S. Nos. 45, 4/4-A, Periakudai Village.
S. R. O. Anna Nagar— Doc. No. 244/85).

K. VENUGOPALA RAJU Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Madras-600 006

Dato: 10-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 12th September 1985

Ref. No. A.P. No. 5845.—Whereas, I J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

as per schedule situated at Phagwara (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1901) in the Office of the Registering Officer at

Phagwara on March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following perions, namely:—

 Shri Hari Om Nanda S/o Kharaiti Lal R/o 95-C, Model Town, Phagwara.

(Transferor)

(2) Shri Joginder Singh Hayer S/o Hakam Singh, Smi. Ni mal Kaur, W|o Shri Balwant Singh, R|o Gaahawar, Teh. Phillaur, Now 95-C, Model Town, Phagwara.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registered Sale deed No. 2099 of 20-3-85 of the Registering Authority, Phagwara.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 42.9 11985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OUTICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 12th September 1985

Ret. No. A.P. No. 5846.-Whereas, I J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to se the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding R^{α} , 1,00,000, and bearing No.

Rs. 1,00,000]- and bear ng No. as per schedule situated at Jalandhar tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been trans'erred under registration Act, 1908 (16 of 1901) in the Office of the Registering Officer at Jarandhar on January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shrmati Rita Bhalla w/o Sh. Sunil Bhalla r/o 55-New Vijay Nagar, Jalandhar.

(Transferor)

- Shrimati Kartar Singh Bhasin, Slo Beant Singh
 Smt Varinder Kaur w/o Sat Pal Singh
 Ravinder Kaur, Wlo Surinder Pal Singh
 Charanjit Kaur, Wlo Harinder Pal Singh
 Satwant Kaur, wlo Jagmohan Singh
 Surrinder Kaur w/o Davinder Pal Singh
 BIV 90, Prabhat Nagar, Jalandhar.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property Kothi No. 55 situated in New Vijay Nagar, Jalandhar and Persons as mentioned in the registering deed No. 4245 dated 1/85 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by in some of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 12th September 1985

Ref. No. A.P. No. 5847.—Whereas, I

J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act.) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-R. 1,00,000|- and bearing No.

Ro. 1,00 000]- and bearing No.
as per schedule situated at Jalandhar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1901)
in the Office of the Registering Officer at

Jalandhar on January 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Westlin Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. Thereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely

(1) Kumari Seema Gupta D/o Sh. J. K. Gupta, R/o 425-L, Model Town, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shri Jarnail Singh S/o Amar Singh and Smt. Avtar Kaur W/o Jarnail Singh r/o 23-New Model Town, Jalandhar,

(Transferee)

- (3) As per S. No. 2 above.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property Plot No. 312 situated in Guru Teg Bahadur Nagar, Jalandhar & persons as mentioned in the registered sale deed No. 4058 of January, 85 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 12-9-1985

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 12th September 1985

Ref. No. A.P. No. 5848 and 5849.—Whereas, I J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reuson to believe that the immovable property, having a fair market value cx_ccd ng Rs 1,00,000]- and bearing No. as per schedule situated at Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been trans erred under registration Act, 1908 (16 of 1901) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar on January 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesa d property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(1) Dr. Om Parkash Tokhi s/o Sadhu Ram r/o V. Dhanowali Teh. Jalandhar Mukht'ar-am sh. Ram Tirath, So Salig Ram r/o 493 Krishan Nagar, Jalandhar (R.D. No. 4069) and Sh. Rakesh Uppal 1/0 Ram Tirath r/o ns above (4070).

(Transferor)

(2) Dr. Mohan Lal Tokhi s/o Sh. Sadhu Ram r/o V. Dhanowali Teh, Jalandhar.

(Transferce)

- (3) As per S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the and immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 11 & 12 situated in Master Tara Singh Nagar, Jalandhar and persons as mentioned in the regis ered sale deeds No. 4069 and 4070 of dated January. 1985 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 12-9-1985

NOTICE NNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 12th September 1985

Ref. No. A.P. No. 5850.-Whereas, I J. L. GIRDHAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

as per schedule situated at Talandhar

Circle Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1901) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar on January 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and than the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, the pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the storesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely to

64-296 GI/85

(1) Shrimati Satya Devi Wd/o Sh. G. D. Madhar through General Attorney Sh. Mahesh Anand S/O Late B. R. Anand, 293-Lajpat Nagar, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shri Swaran Ram S/O Gurdas Ram and Gurmei Kaur w/o Swaran Ram r/o Village Malian Khurd Tch. Nakodar, Distt, Jalandhar.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property Kothi No. 203 situated in New Jawahar Nagar, Jalandhar and persons as mentioned in the registered sale deed No. 4124 of January, 1985 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 12-9-1985

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 12th September 1985

Ref. No. A.P. No. 5851.-Whereas, 1 J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing No.

as per schedule situated at Jalandhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1901)

in the Office of the Registering Officer at Jalandhar on January 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforcsaid property and and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transferwas agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said A t, to the following persons, namely :-

(1) Shri Hari Parkash S/o Lekh Raj R/o 179-R, Model Town, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shri Harijit Singh S/o Harbans Singh & Harpal Singh s/o Rawel Singh and Jarnail Singh s/o Gurdial Singh r/o 326-Lajpat Nagar, Jalandhar.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property Kothi No. 179 R. Model Town, Jalandhar and persons as mentioned in the registered sale deed No. 4330 of dated January, 1985 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Jalandhar

Date: 12-9-1985

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Eti Gouala Symala Rao, S|o Rama Rao, D. No. 7-207, Mindi Villago, Ramanagar, Visakhapatnam-12.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used betein as are defined in Chapter XXA of the said

Act, shall have the same meaning as given

45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(Transferor)

(2) Snit. Pinnamaraju Suryavathi, Wlo Srinivasa Raju & others, Mindi Village, Ramanagar, Visakhapatnam-12.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUSITION RANGE, HYDERAYBAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th September 1985

Rcf. No. RAC. No 350/85-86.—Whereas, I M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Site situated at Mindi Village, Ramanagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1901) in the Office of the Registering Officer at Visakhapatnam on 3/1985

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

in that Chapter,

- (a) incilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Vacant site total area 1032 sq. yds. situated at Mindi village (Opposite to B.H.P.V. gate), Ramanagar, Visakhapatam registered by the SRO, Visakhapatam vide Document No. $\bar{3}531/85$.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-9-1985

Scal:

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (45 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Sri Raja Venkata Gopala Krishna Apparao S/o R. V. Murali Gopala Krishna Apparao Zamindar, Nuzuvidu, Krishna Dist.

(Transferor)

(2) Sri Chinta Ravikumar, S/o Dr. Chinta Rangadhama Rao, Gannavaram, Krishna Dist.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUSITION RANGE, HYDERAYBAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th September 1985

Ref. No. RAC. No. 351/85-86.—Whereas, I M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

Rs. 1,00,000]- and bearing
Land situated at Kesarapulli, near Gannavaram
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
Gannavaram on 1/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aloresaid property and I have reason to believe that the fear market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of !—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested is the same immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION. The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that.

Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Wet agricultural lands situated at Kesarapalli village, near: Gannavaram Tq., Krishna Dist., total Acres 12.86 cents registered by SRO, Gannavaram vide Document No. 44/1985.

THE SCHEDULE

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-secsoction (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUSITION RANGE, HYDFRAYBAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th September 1985

Ref. No. 352/85-85.—Whereas, 1 M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

referred to as the Sata Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Land situated at Kesarapalli, Gannavaram (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gannavaram on 1/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ...

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

 Sri Raja Venkata Ramakrishna Apparao, Bahadur, S/o R. V. Muraligopal Apparao Jamindar, Nuzuvedu, Krishna Dist.

(Transferor)

(2) Snit. Chinta Bhanumathi, W/o Dr. Ch. Rangadhama Rao, Gannavaram, Krishna Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Wet agricultural lands in R. Sy. No. 162/2 admeasuring Ac. 17.31 cents situated at Kesarapalli village, Gannavaram Tq., Krishna Dist. registered by the SRO, Gannavaram vide Document No. 43/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in varanance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-9-1985

Scal:

FORM NO. LT.N.S .----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUSITION RANGE, HYDERAYBAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th September 1985

Ref. No. RAC. No. 353/85-86.—Whereas, I M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1.00.000/-and bearing No.

Flat situated at Aruna builders, Mogalrajpuram (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Vijnyawada on 1/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reducction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- M/s. Aruna Builders, rep : by its Mg. Partner Sri V. S. P. Raju, Mogalrajpuram, Vijayawada.
- (2) Sri Madella Venkata Ramana S/o Ram Narasimha Sastry, A Flat in M·s. Arun Builders, Mogalrajpuram, Vijavawada.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein an are defined in Chapter XAX of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

A flat in M/s. Aruna Builders, total area 900 sq. ft. Mogalrajpuram. Vijayawada registered by the SRO, Vijayawada vide Document No. 30/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for he acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 13-9-1985

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s. Arun Builders, rep: by its Mg. Partner Sri V. S. P. Raju Mogalrajpuram, Vijayawada.

(Transferor)

(2) Sr Maganti Satyanarayana Murthy, S/o Chidambaram,
Gen. Manager, M/s. Petro Chemical Ltd.,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons.

whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUSITION RANGE, HYDERAYBAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th September 1985

Ref. No. RAC. No. 354/85-86.--Whereas, I M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovvable property, having a fair market Rs. 1,00,000 and bearing value exceeding

Flat situated at Megalrajpuram. Arun Builders (and more fully described in the Schedule annexed heroto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Vijayawada on 1/1985

riggyandida on 171983 which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27) of 1957);

THE SCHEDULE

Flat in the premises of M/s. Aruna Builders, (total area 900 sq. ft. Ground floor, Mogalrajpuram, Vijayawada registered by SRO, Vijayawada vide Document No. 565[85.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, merefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 13-9-1985

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s. Aruna Builders, Rep: by its partner Sri V. S. Panduranga Raju, Mogalrajpuram, Vijayawada.

(Transferor)

(2) 1. Dr. A. Dwarakanath, Civil Asst. Surgeon, Govt. Hosptal, Tanuku.
 2. Mrs. Drawakanath, Tanuku, W G. Dist.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUSITTION RANGE, HYDERAYBAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th September 1985

Ref. No. RAC. No. 355/85-86.--Whoreas, I M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing No.
Flat situated at Mogalrajpuram, Vijayawada

(and more fully described in the Schedule annoxed hereto), has been transferred under registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Vijayawada on 1/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe, not the fair market value of the property as aforesaid exoueds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the comideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said preparty may be made in writing to the undersigned....

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein so are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income on any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. EG-2 in Block No. 1 (East), total area 835 sq. ft. ground floor, Mogalrajpura. Arun Builders, Vijayawada registered by SRO, Vijayawada vide Document No. 525/85.

THE SCHEDULE

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following resons, namely :-

Date: 13-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUSITION RANGE, HYDERAYBAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th September 1985

Ref. No. RAC. No. 356/85-86.—Whereas, I M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Daba sinated at Main Bazar. Eluru

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Eluru on 1/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of 1sfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following nersons, namely :-

65-296 GI/85

(1) Smt. Pahimunnisa, alias: Dildar Begum, W/o Dr. Meerhirukkath Ali Saheb, Main Bazar, Eluru, WG. Dist.

(Transferor)

(2) Sri Kada Kanaka Subramanya Charyulu & his sons, Main Bazar, Eluru.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATIFN: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Door No. 3A/58, Daba tiled, & tin shed (total area 283 sq. yds) situated at Main Bazar, Eluru, W.G. Dist., registered by SRO, Eluru vide Document No. 161/85.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 13-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th September 1985

Ref. No. RAC. No. 357/85-86.—Whereas, I M. IEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000]- and bearing No. House & site situated at Innispet, Rajahmundry (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1901) in the Office of the Registering Officer at Rajahmundry on 1/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the Object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Sri Nanduri Sai Ramamurthy, S/o Prasada Rao & Others, Latchipet, Vijayaada.

(Transferor)

(2) Smt. Bulusu Kasi Annapurnamma, W/o Sitarama Sastry, Innispet, Rajahmundry.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of forty five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within forty five days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The torms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Door No. 6-8-7, (admeasuring 500 sq. yds.) Innispet, Rajahmundry registered by the SRO, Rajahmundry vide Document No. 268/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:

Date: 13-9-1985

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Jaira Chandra Bhuj, S/o Narasi & Others, Billipara, West Bombay.

(Transferor)

(2) Sri K. Raghavendra Rao, Cine Director, Mahalingrapuram, Madrus-34.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 13th September 1985

Ref. No. RAC. No. 358/85-86.--Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land situated at Vijayarai, Eluru Tq. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Registering Officer at

Eluru in January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

> 1) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tex Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1967);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, mamely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Acres of land 47.55 cents situated at Vijayarai, Eluru Tq., W. G. Dist., registered by the SRO, Eluru vide Document No. 305/85.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Date: 13-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 13th September 1985

Ref. No. RAC. No. 359 85-86.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Daba situated at Santhapet, Vizianagaram (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as part deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, at Vizianagaram in January, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen 1 or can of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of:--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the Lansferee for the purposes of the indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Sri Ravada Gopala Krishna, (Retd) Captain,
 S/o Subbana,
 H. No. 4-2-54, Kotha Agraharam, Santhapet,
 Vizianagaram.

(Transferor)

 Smt. Mangalagiri Yethirajamma, W/o Gopalakrishna, 6-1-13, Haji Shariff St., Vizianagaram,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice, on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building D. No. 4-2-54, New Agraharam, Kothapet, Vizianagaram total area 325 sq. yds. registered by SRO, Vizianagaram, vide Document No. 432/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A. P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 6th September 1985

Ref. No. RAC. No. 326 85-86.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'maid Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Flat situated at Maharanipet, Visakhapatnam

fand more fully described in the Schedule annxed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (15 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vizag in January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) M/s. Paramount Constructions, Rep: by its partner Smt. B. Luxmi, W/o Prabhat Kumar, Dasapalla Hills. Visakhapatnam.

(ransteror)

(2) Dr. Ch. Hariprasad, S/o Ch. Venkatappaiah, 15-12-5, Maharani pet, Visakhapatnam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the set property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of, 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date to publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A flat on J Floor in D. No. 16-1-16, Maharampet, Visakhapatnam registered by the SRO, Vizag vide Document No. 960/85.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Rauge
> Hyderabad (A. P.)

Date : 6-9-1985 Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A, P.)

Hyderabad, the 6th September 1985

Ref. No. RAC. No. 325|85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000| and bearing No.

Flat situated at Maharanipet, Visakhapatnam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Vizag in January, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concentrate of any theore or moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the accressid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons mamply:—

 M/s. Paramount Constructions, Rep: by its partner Smt. B. Lexmi, W/o Prabhat Kumar, D. No. 16-1-16, Dachapalla Hills, Visakhapatnam.

(Transferor)

(2) Smt. M. Manorama, Flat No. 6 on II Floor, D. No. 16-1-16, Maharani pet, Visakhapatnam. THE SCHEDULE

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 6 on 2nd Floor in H. No. 16-1-16, Maharanipet, Visakhapatnam registered by the SRO, Visakhapatnam vide Document No. 965/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Incometex
Acquisition Rav
Hyderabad (A. P.)

Date: 6-9-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 5th September 1985

Ref. No. RAC. No. 324|85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Vacant site situated at Waltair ward, Visal:hapatnam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Vizag in April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) faccilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, telescope (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Appan Venkata Ramakrishna Kumar, S/o Suryanarayana, Ambica Bagh, Vishakhapatnam.

(Transferor)
(2) M/s. T. Gayatri Engineering Co. (P) Ltd.,
Rep: by its Managing Director
Sri T. Subba Rami Reddy,
Road No. 1, Banjara Hills,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette...

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant site admeasuring 1742 sq. yards TS. No. 1011 near: Panduranga beach in Waltair Ward of Visakhapatnam registered by the SRO. Vizag vide Document No. 5626 85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A. P.)

Date: 5-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 M/s. Vijaya Builders, H. No. 7-1-70/B/1, NCH Road, Dharam Karan Road, Ameerpet, Hyderabad.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Y. Laxmi Kantam, 601, Vijaya apartments, NCH Road, Dharam Karan Road, Ameerpet, Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 6th September 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

Ref. No. RAC. No. 327|85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority und r Se

the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair marketing value exceeding Rs. 1,00,009/- and bearing No.

Flat situated at Vijay apartments, Ameerpet (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in February, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 601, in Vijaya apartments at NCH Road, Ameerpet, Hyderabad admeasuring 1200 sq. ft. in premises H. No. 7-1-70/B/1, Hyderabad registered by the SRO, Hyderabad vide Document No. 765/85.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A. P.)

Now, therefore, at pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of 12 aid Act, to the following persons, namely:--

Date: 6-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 6th September 1985

Ref. No. RAC. No. 328|85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat situated at Gitanjali apartments, West Marredpally, and march fully described in the Schedule approach bersto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Marredpally in January, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) racilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely :— 66—296 GI/85

(1) Miss. Kamlesh, 225/A, West Marredpally Road, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Mrs. Saradambal, Flat No. 5, Gitanjali Apartments, West Marredpalli, Secunderabad-26,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a petiod of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later-
- (2) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5 in Gitanjali apartments, Secunderabad admetsuring 1500 sq. ft., registered by the SRO, Marredpally, Secunderbad vide Document No. 192/85.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Date: 6-9-1985

FORM NO. I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 6th September 1985

RAC. No. 329/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding B. 1,00 000|- and bearing No.

Flee situated at Tirumala Towers, Hyderabad.

and morefully described in the schedule ann-x-d hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairatbaad in 1/1985

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the said instrument of the said instr

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfex
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 or 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pulsuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-cetion (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) M/s. Tirumala Towers Construction, rep: by its Managing Partner Sri M. S. Chandraian, 1-1-593/C, Gandhinagai, Hyderabad.

(Transferor)

(2) 1. Dr. P. G. Krishnamurthy,
2. Smt. Perali Indira
W/o Dr. P. G. Krishnamurthy
H. No. 5-5-106, Khaleelwadi,
Nizamabad, A. P.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of said Actional shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 10, C-Block, Tirumala Towers, I Floor, M. No. 1-4-1011. Gotkonda X Road, Hyderabad registered by the SRO, Khairatabad, Hyderabad vide Document No. 115/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incomertax
Acquisition Ranges
Hyderabad (A. P.)

Date: 6-9-1985

Senl

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) 1. Sri Adam S/o Sri Abdul Rahim, 2. Shri Ebrahim So Sri Bapu, H. No. 11-1-305, Agapura, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sr; Md. Nauman Suleman, S/o Sukman Gilletwala & Others, H. No. 20-3-278, Hussami Alam, Hyderabad-2

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ADEKVBYD (V. P.)

Hyderabad, the 6th September 1985

RAC. No. 330/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Licome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immevable property, having a tair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Agril, lands situated at Inderguda, Ootpally Village and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

R. R. Dist. on 1/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than difteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the or the publication of this notice in the Official Gazette

Expension .— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, to respect of any income arising from the transfer; ura1/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THF SCHEDULF

Agricultural lands (grape garden) Ac. 7-17 guntas at Inderguda hamlet, Ootpally Village, R. R. Dist. registered by the SRO, R R Dist., Hyderabad vide Document No. 511/85.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A. P.)

now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely

Date: 6-9-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMEN'T OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 6th September 1985

RAC. No. 331/85-86.-Whereas, I, M. JEĞAN MOĤΛN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing

Flat situated at Banjara Sadan, Himayat Nagar (and more fully described in the Schedule anaexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Khairatabad in 1/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- tal facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, to respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--- .

(1) Smt. Zanab Khatoon, W/o Mr. Ifthekar Mchdi Khan GPA: Sri Ali Khwaja, "Banjara Castle", Road No. 12. Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri K. Venkata Visweswara Sastry, S/o late Sri Padmanabha Rao, B-42/F/1, Vijayanagar Colony, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period ot 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 301, 'Banjara Sadan', 3rd floor, H. No. 3-6-782, Himayatnagar, Hyderabad registered by the SRO, Khairata-bad, Hyderabad vide Document No. 136/85.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A, P.)

Date: 6-9-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Banjara Hills, Hyderabad. (2) Indian Bank Employees' Union (A.P.), C/o Indian Bank,

(1) Smt. Zanab Khatoon, GPA: Sri Ali Khwaja, No, 1 Banjara Castle,

Road No. 12,

(Transferor)

rep: by its President Sri SVL Narsaimha Sarma, Barkatpura, Hyderabad,

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 6th September 1985

RAC. No. 332/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

Flot situated at Banja a Sadan, Himayat Nagar tand more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Khairatabad in January, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truely stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of pay income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any meome or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957); (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this tende in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 8, Ground floor, 'Banjara Sadan', H. No. 3-6-782, Himayatnagat, Hyderabad registered by the SRO, Khairata-bad, Hyderabad vide Document No. 137/85.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A. P.)

Now, meretore, in pursuance of section 269C of the Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-action (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 6-9-1985

FORM UNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-LAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th September 1985

Ref. RAC. No. 333/85-86,—Whereas, I,

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authorit under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (here-nafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Flot situated at Skylark Apartments. Bashirbagh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Cificer

at Khairatabad in January, 1985

for an apparent consacration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to oelieve that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Not, in respect of an are and or
- ,b) facilitating the concealment of any income or any ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act 1957 (27 of 1957):

Now, therefore in pursuance of Section 2696 of the soul Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:--

(1) M, s Progressive Builders, Rep.: by its Managing Partner Sri Quadeer Sultan, H. No. 3-6-309, K. B. Layl Street, Bashirbagh, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Chander K. Vepa, W/o Sriram K. Vepa, Flat No. 33, B-Block, 3-6-309, Skylark Apartments, Pashirbagh, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person inforested in the said immovable property within to days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chanier

THE SCHEDULE

Flat No. 33, B-Block, H. No. 3-6-309, Skylark Apartments. Bash rbagh, Hyderabad registered by SRO, Khairatabad. SRO, Khairatabad, Hyderabad vide Document No. 78/85.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 6-9-1985

FORM I.T.N.S .---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 M/s United Construction Co., H. No. 3-6-286, Himayatnagar, Urdu Gally, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri B. N. Murthy. Quarter No. IC-346, Bokaro Steel City, Dhanbad District, (Bihar),

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th September 1985

Ref. RAC. No. 334/85-86.—Whereas, I, M JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

Fiat stuited at Ramakrishna-Shara'a Apartments (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chikkadpally in January, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afcresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

(a)) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer andlor

noneys or other assets which have not been or said hought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesoid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, at mely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, Ground floor, Ramakrishna-Sharada Apartments, M. No. 3-6-223, Urdu Gally, Hyderguda, Hyder bad registered by the SRO Chikkadpally, Hyderabad vide Document No. 24/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Comm's sioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 6-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s Nandanam Construction Co., Rep.: by its Managing Partner Sri P. Siyakumar Reddy, M. No. 5-8-42, Fateh Sultan Lane, Nampally, Hyderabad.

(2) Smf. Soundaryemma, W/o Sri K. Chandrasekhar Reddy, Flat No. B-306, Nandanam Apartments, M. No. 5-8-42, Nampally,

Hyderabad.

(Transferor)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th September 1985

Ref. RAC, No. 335/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat situated at Nandanam Apartments, Nampally (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason

to believe that the tair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of susfer with the object of :--

(a) facultating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 or 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B-306, M. No. 5-8-42, Nandanam Apprtments, Nampaily, Hyderabad registered by the SRO, Hyderabad vide Document No. 627/85.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said, Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 6-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. Suman Lata Sanghi, W/o late S. S. Sanghi, H. No. 5-9-58, Basheer Bagh, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Murli Parmanand, S/o Lalchand Parmanand, By his GPA: Kishanchand Sanghi, Chirag Ali Lane, Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th September 1985

Ref. RAC. No. 336/85-86.-Whereas, I,

PART III—SEC. 1

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000]- and bearing

Flat situated at Poonam Amariments. Chirag Ali Lane, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trully stated in the said instrument of vansfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 50 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other a sets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax. Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act. 1937 (27 of 1937): 1957 (27 of 1957):

Flot No. B2/F6 in 3rd Floor at H. No. 5-8-512/517/C, Pocham Abartments, Chirag Ali Lane, Hyderabad registered by SRO, Hyderabad vide Document No. 218/83.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 2690 of the said Act of the following persons. namely:--67-296 GI/85

Date: 6-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th September 1985

Ref. RAC. No. 337/85-86.—Whereas, 1,

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable that the immovable are said to be a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Flat situated at Mathrusri Apartments, Hyderguda (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registrenig Officer at Chikkadpally in January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

.b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) M/s Mathrusri Engineers & Builders (P) Ltd., Rep.: by its Chairman & Director, Sr. M. V. Subba Rao, H. No. 3-5-873, Hyderguda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. E. Suscela Devi, W/o Venkata Ramancrasaiah, D-202, Matrushri Apartments, H. No. 3-5-873, Hyderguda, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovaable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used htrein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. D-202, in 2nd Floor, Mathusrl Apartments, Hyderguda, Hyderabad registered by the SRO, Chikkadpally, Hyderabad vide Document No. 26/85.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby intrate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 6-9-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Sri Prakash Sadri, H.No. 2-1-494, Nallakunta, Hyderabad.

-- ---

(Transferor)

36605

(2) Sri G. V. A. S. Prakasa Rao, Andhra Bank, Pittalavari Palem, Guntur District.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th September 1985

Ref. RAC. No. 338/85-86.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat situated at ground floor, Nallabunta
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred as per deed registered under the Indian
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer

Et Khairatabad in January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration therefor by most than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said ir movable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4 (500 sq. ft.) at H. No. 2-1-513/3, Nallakunta, Ground Floor, Hyderabad registered by the SRO, Khairatabad, Hyderabad vide Document No. 82/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 26°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 6-9-1985

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th September 1985

Ref. RAC. No. 339/85-86.-Whereas, I,

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (herematter referred to us the said Act.), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Lands situated at Ravalkole, Medchal Tv. (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Medchal in January, 1985

an apparent consideration which is less than the fair for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. is respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

 1. Sri Uppala Narasaiah,
 2. Sri Uppala Kumaraswamy, Ravalkole Village, Medchal Tq., RR Diffstrict.

(Transferor)

(2) M/s Mogul Estates, Rep.: By its Managing Partner S.i Arif Mirza, Frat No. 501, Sterling Apartments, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the Jate of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open lands total area Acres 52.53 Guntas at Ravalkole v'llage, Mcdch-! Tq, RR District, registered by the SRO, Medchal vide Document No. 822/85.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 6-9-1985

Seal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th September 1985

Ref. RAC. No. 340/85-86.—Whereas, I, M. JEBAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Office premises situated at Anasuya Complex, Himayatnagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in February, 1985

at Hyderabal in February, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to bilieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer us agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; andlow
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 M/s Syma Enterprises, Rep.: by its partners 1. Smt. Marzia Abbos and 2. Sy. Begum. H. No. 1-2-53, Domulguda, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the nforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever world expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Premises Nos. 101 & 103, Anasuya Commercial Complex, I Floor, H. No. 3-6-10, Himayatnagar, Hyderabad registered by the SRO, Hyderabad vide Document No. 1198/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sain Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely *—

Date: 6-9-1985

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 196!)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th September 1985

Ref. No. RAC. No. 341/85-86.—Whereas, I, M. JEJAN MOHAN, beint, the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing Flat s tua'ed at Nandanam Apartments, Nampally (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in February 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afcresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as ogreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of --

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- M/s Nandanam Construction Co., Rep.: by its Managing Partner, Sri P. Sivakumar Reddy, M. No. 5-8-42, Fatch Sultan Lane, Nampally, Hyderabad.

 (Transferor)
- (2) Smt. K. Vasantha.
 W/o Jate K. Raiareddy,
 C/o Flat No. B-102, Nandanam Apartments,
 H. No. 5-8-42, Nampally Road,
 Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. C-605/65 in 6th Floor of Block C, Nandanam Towers, in H. No. 5-8-42, Fateh Sultan Lane. Nampally, Hyderabad registered by the SRO, Hyderabad vide Document No. 1253/85

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
specting Assistant Comm ssioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 6-9-1985

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th September 1985

Ref. No. RAC. No. 342/85-86.—Whereas, I, M. JEJAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Incompetent Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovab e property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/and bearing No.

flat situated at Nandanam Apartments, Nampally (and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

Registering Officer at Hyderabad in February for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the vaid Act. in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concalment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) M/s Nandman Construction Co., Rep.: by its Mg. Partn r S.i P. Svakumar Reddy, H. No. 5-8-42, Fatch Sultan Lane, Nampally, Hyderabad.

(Transferor)

 Sri Bhupender Singh Chabda and
 Smt. Surjeet Kaur Chabda W/o Bhupender Singh, Flot No. C-701/67, M. No. 5-8-42, Nandanam Apartments, Nampally, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (b) by any any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaze to

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. C-701/67, in 7th Floor M. No. 5-8-42, Nandanam Apartments, Nampally Hyderabad registered by the SRO, Hyder bad vide Document No. 1254/85.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 6-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th September 1985

Ref. No. 343/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to gs the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]-and bearing No.

and bearing No.

Flat situated at Prakash Apartments, Nallakunta
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred as per deed registered under the Indian
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer

at Ch kkadpally in February, 1985
for an apparent consideration which is less can the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

 Sri Prakash Eadre, Prop.: Prakash Apartments, H. No. 2-1-494, Nallakunta, Hyderabad.

(Transferor)

 Smt. V. Nagarathnam, W/o V. L. Narayana, M-6 Met Quarters, Airport, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the same Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 9 in 2nd Floor, at H. No. 2-1-513/3, "Prokesh Anartments", Nallekunta, Hyderabad registered by SRO, Chikkadpally, Hyderabad vide Document No. 178/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 6-9-1985

(1) Sri, Harishchand S/o Wadhumal,
4. Jawahar Nagar Colony,
P. G. Road, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Sri Kanna Raju, S/o K. Natsiah, H. No. 2-2-53, Pan Bazar, Secunderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE NCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

... Hyderabad, the 10th September 1985

Ref. No. RAC, No. 344/85-86.-Whereas, I,

Ref. No. RAC. No. 344/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot situated at Sardar Patel Road, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Revisitering Officer.

Registering Officer at Marredpally in January, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 66, admeasuring 266.5 sq. yds. situated at H. No. 2-11-30, (156 to 159), Sardar Patel Road, (Cantonment), Secunderabad, registered by the SRO, Marredpally, Secunderabad vide Document No. 112/85.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely :--

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF_1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

SIONER OF INCOME-TAX

Hyderabad, the 10th September 1985

Ref. No. RAC. No. 345/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that immovable

as the 'said Act') have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing Plot situated at Saidar Patel Road, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Marredpally in January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforcsoid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partice has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the imbility of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Sri Harish Chand S/o Sri Wadhumal,

4, Jawahar Nagar Colony, P. G. Road, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Sri Kanna Venkatesh S/o K. Narsaiah, II. No. 2-2-53, Pan Bazar, Secunderabad.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Plot No. 65, admeasuring 266.5 sq. yards situated at H. No. 2-14-30 and 156 to 159, Sardar Patel Road, (Cantonment), Secunderabad registered by the SRO, Marredpally, Secunderabad vide Document No. 113/85.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 10-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th September 1985

Ref. No. RAC. No. 346/85-86.-Whereas I, M. IEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

Plot situated at Tarnaka, Lallaguda village (and more fully described in the schedule annexed hereto);

has been transferred under the Registration Act, 1908) in the office of the Registering Officer at Marredpally in January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(1) Sri Chandrakanth, 12-13-284, Road No. 9, Tarnaka, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Sri K. Pradeep, 12-13-245, Road No. 5, Tarnaka, Secunderabad.

(Transforce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the Publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flot of land in Survey Nos. 182/10 & 183/14 admeasuring 864 sq. yds situated at Tarnaka, Lallaguda village. Secunderabad registered by SRO. Marredpally, Secunderabad vide Document No. 152/85.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 10-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE HYDERABAD (AP.)

Hyderabad, the 10th September 1985

Ref. No. RAC. No. 347|85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 o 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Flat situated at Domalguda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule approved hereta).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of he Registering Officer at Hyderabad in January, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the obect of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the language of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or he said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s. Jagjiven Enterprises, Rep: by Sri Gurdeep Singh S to Shri Dilip Singh, H. No. 1-2-593/52, Domalguda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Veda Kumari, Flat No. 6, in H. No. 1-2-593/52, Domalguda, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 6 in premises H. No. 1-2-593/52, Domalguda, Hyderabad registered by the SRO, Hyderabad vide Document No. 413/85,

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Date: 10-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s. Eskay Associates, Rep: by its partner Sri V. V. Kamat, 1-2-24, Gaganmahal Road, Domalguda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri G. Prabhakar Rao S/o. Shri G. Venkateswara Rao, 1-2-593/17, Gagan Mahal Colony, Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE HYDERABAD (AP.)

Hyderabad, the 10th September 1985

Ref. RAC. No. 348|85-86,-Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing No. Flat situated at Gaganmahal Road, Domalguda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Khairatabad in January 1985 tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly state in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of forty five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the conceanment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

THE SCHEDULE

A Flat No. 203 admeasuring 985 sq. ft. at Gaganmahal Road, Domalguda, Hyderabad registered by SRO, Khairatabad, Hyderabad vide Document No. 102/85.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Date: 10-9-1985

FURM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (AP.)

SIONER OF INCOME-TAX

Hyderabad, the 10th September 1985

Ref. RAC. No. 349/85-86.—Whereas, I.

RCI. RAC. No. 349/85-80.—Whereas, 1,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the inmovable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000; and bearing
Shed situated at Industrial Estate, Sanath Nagar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred as per deed registered under the Indian

has been transferred as per deel registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the

Registering Officer at Hyderabad in January, 1985

for an apparent consideration which is less than the foir market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

(1) M/s. Engineering Laboratories & Works (P) Ltd., Rep: by Sri R. Satyanarayana, 3-4-874, Barkatpura, Hyderabad.

(Transferor)

(2) M/s. Bhavya Engineering Co., Rep: by Sri Pranav V. Bhatia, H. No. 6-3-345/3, Road No. 1, Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferce) &

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gasette or a period of 56 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person intertsted in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial shed bearing No. C-30 in Sanath Nagar, Industrial Estate, Hyderabad admeasuring 1253.5 sq. yds. with 2993 s.ft. plinth area registered by SRO, Hyderabad vide Document No. 604/85.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Date: 10-9-1985

والمتعالي المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع والمنافع والمنافع

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 29th August 1985

Ref. No. IAC Acqn Bpl. 5874.—Whereas, I,

S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000] and bearing

Or. LIG No. 303 situated at Padmanabhpur, Durg (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Dung in January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Prahlad Rambhai Kote S|o Shri R. W. Kote, Bhilai, Qr. No. 20-A, Street No. 31, Bhilai Nagar,

(Transferor)

(2) Shri Bhagwati Prasad Dewangan S/o Shri Ayodhya Prasad Dewangan, R/o l..l.C. Branch Office, Bhilai.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Qr. L.I.G. No. 303 is situated at Padmanabhpur, Durg. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferce,

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills
Bhopal

Date: 29-8-1985

FORM ITNS --- --

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIST COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 29th August 1985

Ref. No. IAC Acqn Bpl. 5875.--Whereas, I. S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing

Newly constructed house on plot No. 5 (Kh. No. 438|5),

situated at New Shanti Nagar, Raipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Raipur in January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(L) Smt. Harikumari (W/o Shri R, S. Sharma, Girls Government Degree College, Rapiur.

(Transferor)

(2) Shri Hemandkumar S/lo Shri J. P. Tewari, R/o Chhotapara, Raipur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person intertsted in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms anl expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Newly constructed house on plot No. 5 (Kh. No. 436|5) is situated at New Shantinagar, Raipur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> S. C. SHARMA Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income Tax Building Near Central India Floor Mills Bhopal

Date: 29-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 29th August 1985

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl.|5876.—Whereas, I. S. C. SHARMA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000-| and bearing No.

House on plot No. 443 situated at A-sector, Shahpura, Arera colony, Bhopal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Bhopal in January, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforceard property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—69—296 GI/85

Smt. Pushpa Hemnani
 W/o Shri Ashok Memnani,
 R/o LIG 103 Kotra Sultanabad,
 Bhopal.

(Transferor)

(2) Smt. Sashibala Chouksey, W/o Shri J. P. Chouksey, R/o 21E, Rallway Colony, Dwarka (Gujrat).

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House on plot No. 443-A Sector, is situated at Shahpura, Arcra Colony, Bhopal. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills
Bhoral

Date: 29-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 29th August 1985

Ref. No. IAC Acqu Bpl. 5877.—Whereas, I,

S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Qr. MIG No. 178 situated at A-sector, Shahpara, Arera colony, Bhopal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal in January, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by this issue of the notice under subsection (1) of Stetion 269D of the said Act, to the following persons, mamely :-

(1) Shri Sanjay Kumar Mehta S/o Shri N. K. Mehta, Bapna colony, 21, Berasal Road, Bhopal Thro' Gen. power of attorney, Shri Shailendra Kumar S/o Shri Rama Shanker Tripathi, Bhopal.

(Transferor)

(2) Shrl Rama Shanker Tripathi So Late Shri Budhsen Tripathi, R/o Bhopal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House bearing MIG No. 178 is situated in A-Sector, Shahpura. Arera colony, Bhopal. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

S. C. SHARMA

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income Tax Building Near Central India Floor Mills Bhops

Date: 29-8-1985

PORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 29th August 1985

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/5878.—Whereas, I, S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]—and bearing Plot No. 131/4 situated at Maharana Pratap Nagar, Zone-II Major shopping Centre, Habibganj Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Bhopal in January, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
murket value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the
aforesaid exceeds the apparent consideration
and that the consideration for such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Shri B. C. Joshi
 S/o Shri B. D. Joshi
 R|o 139/1
 Professor colony
 Bhopal

(Transferor)

(2) Shri Siddique Mohd. Khan So Shri Abdul Samad Khan C/o Shri Mohd. Sahid Khan, Danish Grah Nirman Society Near Kanji Miya Tent House, Gali No. 2, Itwara, Bhopal.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 131|4 is situated at Maharana Pratap Nagar, Zone-II, Major Shopping Centre, Habbgani, Bhopal. This is the immovable property which has been described in form No. 37G duly verified by the transferee.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Income Tax Building
-Near Central India Floor Mills
Rhopal

Date : 29-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 29th August 1985

Ref. No. IAC Acqn Bpl. 5879.—Whereas, I. S. C. SHARMA,

S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000]—and bearing Bungalow on plot No. 53-A, situated at Idgah Hills, Bhopal tand more tuny described in the Schedule annexed hereto the bear transferred under the Projection Act, 1808 (16.06) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 cf 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhopal in January, 1985

at Bhopai in January, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument. the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said set, in respect of any income arising from the transfer; and/or,
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the sadi Act, to the following persons, namely:-

(1) Smt. Surject Kaur Wlo Shri Surject Singh Kohli, 53-A, Idgah Hills, Bhopal (MP).

(Transferor)

(2) Shri Rameshchand Khatri S/o Late Shri Lekhrajmal Khatri, 50-B, Ridge Road, Idgah Hills. Bhopal,

(Transferce) &

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Bungalow on plot No. 53-A, is situated at Idgah Hills, Bhopal. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferce.

> S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income Tax Building
> Near Central India Floor Mills Bhopal

Date: 29-8-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE BHOPAL, M. P. Bhopal, the 29th August 1985

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl.|5880.—Whereas, I, S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Out House Quarters No. 1013/1 to 1013/8 with plot No. 6/3, Block No. 4, situated at North Civil Lines, Near Napler Town Jabalpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Jabalpur in January, 1985 tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this inotite under submedion (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Zoharabai Wd/o Shri Nanabai, 1008/9, Napier Town, Jabalpur.

(Transferor)

(2) Shri Dhirajlal Mehta S/o Shri Morarji Mehta, 48, Narmada Road, C/o Rajul constructions, Jabalpur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Out House Quarters No. 1013/1 to 1013/8 with plot No. 6/3 (Block No. 4) is situated at North Civil Lines next to the locality of Napier town, Jabalpur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferce.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills
Bhopal

Dato: 29-8-1985

FORM TINS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 29th August 1985

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl.|5881,-Whereas, I,

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl.|5881.—Whereas, I,
S. C. SHARMA,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to
believe that the immovable property, having a fair market
value exceeding Rs. 1.00,000[- and bearing
Double storeyed, building No. 6 situated at Martand Chowk
Hindu colony. Indoor

Hindu colony, Indore

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Indore in January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the fiability of the transferor to pay tax under the said. Ast in respect of any income arising from the transferor, and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the surposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection '1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) 1. Shri Dr. Dattatraya Aathle S/o Shri Bhaiyaji Aathle, 2. Vansji and Kumar Dattatraya Aathle, 6, Marthand Chowk.

(Transferor)

(2) Shri Ashirwad Trading Co. Firm—136, Devi Ahilya Marg, Indore
Partners—Sh. Gopaldas S/o Madanlal Agrawal
(ii) Sh. Satishkumar S/o Madanlal Agrawal
(iii) Smt. Shashikala W/o Shyamkumar Agrawal. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Quzetta.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 6 is situated at Martand Chowk, Hindu colony Indore.

> S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income Tax Building Near Central India Floor Mills Bhopal

Date : 29-8-1985

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 29th August 1985

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl.|5882.—Whereas, I, S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Land Kh. No. 61/2 sintated at Vill. Pipliya Kunwar, Dist. Indore

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore in January, 1985

at indote in January, 1965 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Madanlal
S/o Shri Ambaram Tamboli,
R/o Vill. Pipliya Kunwar,
Teh. and Dist. Indore.

(Transferor)

(2) Shri Rameshchandra Soo Shri Babulal Baheti (HUF), Thro' Karta Dr. Ramesh B. Baheti Soo Seth Sh. Babulalji Baheti, Roo 22, Old Palasia, Indore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 61/2 is situated at Vill. Pipliya Kunwar, Teh. & Dist. Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills
Bhopal

Date: 29-8-1985

FORM NO. I/T/N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 3rd September 1985

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/5883.—Whereas, I, S. C. SHARMA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Land Survey No. 56, 6!/I situated at Vill. Pipliya Kunwar,

Dist. Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Indore in January, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to market value of the aforesaid property and I have leason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of considerat on for such transfer as agreed to between the ransfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse of the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) Shri Manoharial S/o Ambaram Tamboll, R/o Vill. Pipliya Kunwar, Teh. & Dist. Indore. (Transferor)
- (2) Shri Kailash N. Garg, (HUF) Thro' Shri Kailash Chandra Garg S/o Sh. Narainlalji Garg, R/o 22, Old Palasia, Indore.

(Transferce)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this totice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of . publication of this notice in the official gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

Land Survey No. 56 & 61/1 is situated at vill. Pipliya Kunwar, Teh. & Dist. Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferce.

> S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Income Tax Building Near Central India Floor Mills, BHOPAL

Date: 3-9-85

Sont:

FORM NO. I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 4th September 1985

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/5884.—Whereas, I, S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the im-

movable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing. House No. 1-A situated at Indrapuri colony, Indore (and more fully described in the scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on January 1985 for an apparent consideration, which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income to any moneys or other assets which have not been are which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Woalth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :— 70—296 GI/85

(1) 1. Shri Sardar Kundansingh Bhullar, S/o Sardar Ujagarsingh Bhullar, 1-A, Indrapuri Colony, Indore. 2. Sardar Harjinder Singh Bhullar, S/o Sardar Kundan Singh Bhullar,

1-A, Indraputi Colony, Indore.

Transferee(S)

(2) 1. Smt. Laxmidevi W/o Shri Ashok Kumar Gupta, R/o 2-1 Lodhi Mohalla, Indore.
 2. Sh Ashok Kumar Gupta S/o Kashi Prasad Gupta,

R/o 24. Lodhi Mohalla, Indore.

(Transferor(S)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persona, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given ir that Chapter.

THE SCHEDULE

Double storeyed building bearing No. 1-A is situated at Indrapuri Colony, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37G-duly verified by the transferee.

(Strike off where not applicable)

S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Income Tay Building
Near Central India Floor Mills, BHOPAL

Date: 4-9-85.

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 4th September 1985

Ref. No. IAC/Acyn/Bpl/5885.—Whereas, I, S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/and bearing

House No. 168 on plot situated at Shrinagar Colony, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore in January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the end/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(1) Shri Chandrakant S/o Shri Mahadev Sukanthuagar, R/o 241 Shreenagar Colony, Indore.

(2) Smt. Mohini Kunwar W/o Shri Hirendra Singh, R/o MH. No. 52, Bank Colony, Amoopnager, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 168 on plot situated at Srinagar Colony, Indore.

> S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-task Acquisition Range,
> Income Fax Building
> Near Central India Floor Mills, BHOPAL

Date: 4-9-8 Seal:

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, RHOPAL, M.P.

Bhopal, the 4th September 1985

Ref. No. IAC/Acqu/Bpl/5886.—Whereas, I, S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Property at Plut No. 1 & 2 Jai Builders Colony Scheme No. 2 situated at Indone

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore in January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afternoon of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between of parties has not been truly stated in the said instruments of parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said 9ct, to the following persons, namely :---

Smt. Shubhangi Nandkarni W/o Sh. Jivaji Mangesh Nadkarni, R/o 5/2, Y. N. Road, Indore.

(Transferor)

- (2) 1. Smt Viuyawati Garg W/o Sh. Ram Chandraji
 - Garg,
 2. Smt. Chandrakantabai Garg
 Wd/o late Mohanlalji Garg,
 R/o 16/1 Shakkar Bazar, Indore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at plot No. 1 &2 Joy Builders Colony Scheme No. 2 1 is situated at Indore.

> S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Income Tax Building
> Near Central India Floor Mills, BHOPAL

Date: 4-9-85.

FORM NO. I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 4th September 1985

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/5887.—Whereas, I. S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')' have reason to believe that the immevable Property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 108 & House built thereon situated at Shrinagar Colony, Indore

has been transferred under the Registration Ac., 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore in Jan. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforestion exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tas Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the isr of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons unnely:--

(1) Shri Rajendra Singh Mehta, S/o Sh Dulesinghji Mehin, R/o 1.8, Sininagar, Indore.

(Transferor)

 Shri Sitarant Khot S/o Sh. Namdey Khot
 Rajesh Khot S/o Shri Vijay Kumar Khot, R/o 15, Tukojirao Hospital Compound, Indore. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetto or a period 50 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at plot No. 1 & 2 Joy Building Colony Scheme No. 2 is situated at Indore.

> S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incometax Acquisition Range, Income Tax Building
> Near Central India Floor Mills, BHOPAL

Date: 1-9-85.

FORM NO. 1.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 Km. Shakuntla Shinde D/o Shri Martand Rao Shinde R/o C-1, Stabagh Colony, Indor:.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal the 3rd September 1985

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/5888.—Whereas, 1, S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

M.H. No. C-1, Sitabagh Colony, Indore situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore in January, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: antior
- (b) facilitating the concentment of any income or any magneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Shri Virendra Dutt Gyani, S/o Shri Vishnu Dutt Gyani, R/o M. G Road, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetto or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

M.H. No. C-1 is situated at Sitabagh Colony, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37 G duly verified by the transferce.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Income Fax Building
Near Central India Floor Milly, BHOPAL

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons samely:---

Date: 3-9-85. Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 3rd September 1985

Ref. No. IAC/Acqn/bpl/5889.—Whereas, I, C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000]- and bearing M.H. No. C-1, Sitabagh Colony situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Paristering Officer. 1908) in the office of the Registering Officer at Indore in January 1985 at Indore in January 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

ment of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforessid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :---

(1) Miss Shakuntala Shinde D/o Sh. Martand Rao Shinde, R/o C-1, Strabagh Colony, Indore,

(Transferor)

(2) Smt. Suman Gyani W/o Sh. Virendra Dutta Gyani, R/o M. G. Road, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

M.H. No. C-1 is situated at Sitabagh Colony, Indore, Ti is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferce.

> S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range,
> Income Tax Building
> Near Central India Floor Mills, BHOPAL

Date: 3-9-85,

FORM ITNS ---

(1) 1. Smt. Kashibai W/o Shri Narayan 2. Manynal,

3. Shrirani,

4. Ram Prasad S, o Narayan

Siddicai W /o Salagram

Sawat

7. Bhareshwar S/o Salagram

8. Ramesh,

9. Ramesh.

10. Someshwar S/o Nagi,
11. Brijlal S/o Fattaji,
R/o Vt!! Kabir Khedi, Indore.

(Transferor)

(2) M/s Nyayik Karamchari Grah Nirman Sahkari Sanstha Maryadit, Dist. Court Premises, M.,G. Road, Indore Thio' Dinkar Rao Upadhya.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

DIFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 3rd September 1985

Ref. No. 14C/Acqu/Bpl/5890.—Whereas, I. S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have rea on to believe that the immovable

as the said Act), have rea on to believe that the infinity of peoperty having a fair market value exceeding ks. 1,00,000|- and bearing

I and Survey No. 141/1 to 161 situated at Vill. Kabir Khedi,

Development Scheme No. 54, Indore
(and more fully described in the schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Peopletening Office. 1908) in the office of the Registering Officer at Indore in January 1985

at Indore in January 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
bulieve that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the skertles has not been truly stated in the said instrument of

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given

- (a) facilitating the reduction or eventon of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/em
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Izdian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land Survey No. 142/1 to 161 is situated at VIII. Kabir Khedi, Development Scheme No. 54, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

S. C. SHARMA Competent Atuhorty Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Income Tax Building Near Central India Floor Mills, BHOPAL

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 3-9-85.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal the 3rd September 1985

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/5891.—Whereas, I, S. C. SHARMA,

Ujjain in Jan. 1985

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'anid Act'), have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing No.
House No. 1/171/1 (New No. 27) situated at Station Road,
Subhash Marg. Ujjain
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any mencys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :- .

(1) Shri Darshanlal S/o Sh. Amichandji Dabur, R/o Kanchanbagh, Indore.

(Transferor)

(2) M/s Ramkrishna Enterprises, Indore Thro' Partner: Pradip Kumar Jaiswal S/o Sh. Bholaramji Jaiswal, R/o 53/1, Posliamwala Compound, Indore.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 1/171/1 (New No. 27) is situated at Station Road, Navcen Nam Subhash Marg, Ujjain

> S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquistion Range, Income Tax Builting Near Central India Floor Mels, PHOPAL

Date: 3-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 3rd September 1985

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/5892.—Khereas, I, S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable propagative beginning to the competence of the compe

Rs. 1,00,000]- and bearing
House No. 1/171 (Backside thereof) New No. 23 situated at
Station Road, Subhash Marg, Ujjain
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ujjain on Jan. 1985

an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following 71—296 GI/85

(1) Smt. Satyavati Bai W/o Darshanlalji Dabar Arora R/o Mohalla Kanchan Bag, Indore.

(Transferor)

(2) M/s Ramkiishna Enterprises, Indore Thro' Partner: Fradip Kumar Jaiswal S/o Sh. Bhopalramji Jaiswal, R/o Reshamwala Compound, Indore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Backside of House bearing No. 1/171 (New No. 28) is situated at Station Road, Subhash Marg. Ujjain. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> S. C. SHARMA Competent Authorty Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Near Central India Floor Mills BHOPAL

Date: 3-9-85.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 16th September 1985

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/5893 —Whereas, I, S. C. SHARMA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having 3 fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

House on plot No. B, Block No. 1 situated at Palasia-II C

(New Palasia), Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on January 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 192? (11 of 1922) or said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow ing persons, namely:-

- (1) I. Shri Apilkumar S/o Shri Motiramji 2. Sunilkumar S/o Shri Motiramji 3. Ajit Kumar S/o Shri Motiramji Thro' father Shri Motiramji S/o Shri Radheymal, R/o 19, Old Palasia, Indore. Transfeor(s)
- (2) M/s Javeri Constructions (P) Ltd., 1/15, New Palasia, Indore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 lays from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

House on plot No. B, Block No. 1, is situated at Palasia II 'C' (New Palasia) Indore.

S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tar
Acquisition Range
Income Tax Builday Near Central India Floor Mills, BHOPAI

Date: 16-9-85.

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Biopal, the 16th September 1985

Ref., No. IAC/Acqn/Bpl/5894.—Whereas, I, S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

One house, two wells & land Kh. No. 10, 20/4, 20/5, 20/6, 20/9, 51 & 52 situted at Vill. Palda, Dist. Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on January 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/ss
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eaght to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I be by initiate precedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (?) of Section 269D of the said Act, to the following persons, amely:—

- (1) Shri Bhupetora Kumar B. Sethi, Kamal Villa, Dewas Road, Ujjain (MP) (Transferor)
- (2) Shri Laxminarayan S/o Pannalal, 68, Ushagani, Main Road, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understand:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice is the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said noncovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house, two wells and agricultural land Kh. No. 10, 20/4, 20/5, 20/6, 20/9, 51 & 52 are situaed at Vill Palda.

S. C. SHARMA
Competent Acts, tity
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Rango,
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills,
BHOPAL

Date : 16-9-85. Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTAN COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE BHOPAL, (M.P.)

TO THE PERSON NAMED IN COLUMN

Bhopal, the 16th September 1985

Ref. No. IAC / Acqn./Bpl./ 5895.—Whereas, I, S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000|- and bearing Plot No. 20 situated at Palasia, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on January, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Ast, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesand property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

- (1) 1. Shri Venugopal an S/o Shri Gopalji 2. Smt. Usha W/o Shri Venugopaln R/o Road Transport Corporation Godwon, Dewas Naka, Niranjanpur, Indore.
- (Transferor) (2) Smt. Kamla S/o Shri Gurudas Rangnani R/o 29, Ambar Building, 8th floor, 13/2, Mahatmagandhi Marg,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 20 is situated at Palasia, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> S. C. SHARMA Competent Authority enspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Income Tax Building, Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date: 16-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

UFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMME SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 16th September 1985

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/5896.—Whereas, I, S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referre to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 17, Block No. 10, 11 (Mun. Old No. 19—New No. 22) situated at Yeshwant Niwas Road, Indore

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on January, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in ect of any income arising from the transfer
- (b) facilitating the concealment of any income or any monoys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Km. Vijayakumari
D/o Late Major Mohansinghji,
At present : Smt. Vijaykumar Deo
W/o Shri Prabhakar Deo, 2, M/s Kasturi Ranga Estate, 2 Street, Madras-86 Through General Power of Attorney Smt. Bhanu Kumari W/o Shri Arshad Rashid, Rashid Kothi, 22, Yashwant Niwas Road, Indore.

Transferor(s)

(2) 1. Shri Dwarka Prasad Sureka, 2. Rameshchandra Sureka, 3. Sureshchandra Surekha, 4. Narendrakumar Surekha, All Ss/o Radheyshyamji Sureka, R/o 110, Kothari Market,

Transferee(s)

Objections, if any, to the auquisition of the said property may be made in writing to the understance !---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of problem on of this notice in the Official Gazette on a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expanse sales
- (b) by any other person incrested in the said immovable property, within \$5 days item the date of the publication of this letter in the Official Gezette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 17, Block No. 10 & 11 (Old No. 10-new No. 22) is situated at Yeshwant Niwas Road, Indore.

> S. C. SHARMA Competent Authority Acquisition Range, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Income Tax Building, Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date: 16-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 16th September 1985

Ref. No. AC/Acqn/Bpl/5897.—Whereas, I, S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 30 and house thereon situated at Kesar Bagh Road, Indira Gandhi Nagar, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Jamnadas S/o Shivdayalji Sahu, R/o Hemsan Colony 11, Indore.

(Transferor)

Pradcep Kumar
 Kamlesh Kumar
 Kamlesh Kumar
 Manakchandji Jain,
 Manakchandji Jain,
 Moo Manakchandji Jain,
 R/o 9/3, Mahesh Nagar,
 Indore.

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period ei 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chaper XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 30 and house thereon is situated at Kesar Bagh, Indira Gandhi Nagar, Indore.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Income Tax Building,
Near Central India Floor Mills,
Bhopal

Date: 16-9-1985

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 4th September 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./5898.—Whereas, 1, S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having at fair market value exceeding Rs. 1,00,000[and bearing

Open land with servant quarters situated at Near Municipal Street No. 19, Rambagh, Ratlam (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ratlam on January 1985

for an apparent consideration which is less than the fair number value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transrefor to pay tax und the said Act. in respect of any income arising from the transfer: und/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wesith-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C . ha said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following carnons. namely :

 Smt. Sarlakumari, W/o Vardhamanji Dafaria, Ritu Van, Rambagh, Ratlam.

(Transferee)

(2) Mohd. Hussain S/o Shri Najmuddin Pakawala 2. Yunus Ali S/o Shri Najmuddin Pakawala 3. Shabbir Hussain S/o Shri Najmuddin Pakawala 4. Ishaq Ali S/o Shri Najmuddin Pakawala R/o Tahirpura, Ratlam.

Transferee(s)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as to defined in Chapter XXA of the said at, chall have the same meaning as given in that Character.

THE SCHEDULE

Open land with servant quarters is situated near Municipal Street No. 19, Rambagh, Ratlam. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Income Tax Building, Near Central India Floor Mills Bhops

Date: 4-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-LAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl./5899.—Whereas, I, . S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 4000 of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinfater referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000' and bearing

Land with Servant quarters situated at Near Municipal Street No. 19, Rambagh, Ratlam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ratlam on January 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Smt. Sarla Kumari W/o Shri Vardhamanji Dafaria, Ritu Van, Rambagh, Ratlam.

(2) Smt. Zarinabai W/o Najmuddin, Pakawala, Tahirpura, Ratlam.

(Transferce)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or

Openland of 25,983 sq. ft. with servant quarters is situated near Municipal Street No. 19, Rambagh, Ratlam.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or such a surpost of the Indian Income-tax Act, 1922 (11) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 4ct, 1957 (27 of 1957);

S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Income Tax Building, lear Central India Floor Mills.
Bhopal

Now, therefore, in our suringe of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 9-9-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- GOVERNMENT OF INDIA

 Shri Dinanath Bhutacharya S/o Shri Ambikacharan, R/o 1-A, Street No. 65, 6-Bhilai Nagar, Dist Durg.

(Transferor)

(2) Shri Chitaraman Chaterjee S/o late S. C. Chatterjee R/o Qr. No. 4-Λ, Street No. 3, Sector-10, Bhilai.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 9th September 1985

Ref. No. IAC, Acqn/Bpl/5902.—Whereas, I, S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Flat No. 16 Kh. No. 92/7 P.H. No. 79 situated at Kasari Dih, Teh. Durg (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Durg on Jan. 1985

Durg on Jan, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than lifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitary, we reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which highly to be disclosed by the transferee for the purpower of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Ast, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C or the send Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforestid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons assmely:—

72-296 GI/85

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:

Objections, if any, to the acquisition of the said property,

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as and defined in Chapter XXX of the said. Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 16, Kh. No. 92/7 (P.H. No. 79) is situated at tasarad'h, Durg. This is the immovable property which has een described in form No. 37-G duly verified by the transeree.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Income Tax Building,
Near Central India Floor Miles,
Bhopal

Date : 9-9-1985

FURM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-1AX
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acqn|Bpl|5904.—Whereas, I, S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) therematter referred to as the Sand Act), have reason to believe that the immovable property, naving a fair market varue exceeding Rs. 1.00,000]- and bearing No.
Land situated at Village Bimiara, Katni (under fully described in the Schwing appearance).

Rs. 1.00,000]- and bearing No. Land situated at Village Bimiara, Katni (and more fully described in the Schedule annexed bereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Katni on Jan. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration the refor by more than faiteen per control such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said austrument of transfer with the object of :—

(1) M/s. M. P. Lime Works, 784, Napier Town, sabalpur Jabalpur Pa. ... s . Shii Enududdin & Smt. Apara Begum,

(Transferor)

 Shri Sunil M'shra s/o Shri J. P. Mishra R/o Pavarkar Ward, Nai Basti, Katni.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from hold to or public to notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from he doe of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Anti-shill be eithe same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the and Act, as respect of any mecome arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land is situated at Village Bimtara, Katni. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferent for the pulposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-Lax Act, 1957 (27 of 1957);

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commission of Income-tax
Acquisition Range,
Income Tax Building,
Near Central India Floor M'lls,
Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice u der subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date : 9-9-1985

(See

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE.

BHOPAL, M.P.
Bhopal, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl./5905.—Whereas, I, S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (here-nafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000; and bearing No.

and bearing No.
Land situated at Villag Bhimtara

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Katni on Jan. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) fucilitating the reduction or evenion of the liability of the transferor to pay tax under the and Act, in respect of any income arming from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax (A.) who (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flow, therefore, in parsuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afteresid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following with its, namely:—

(1) M/s. M. P. Lime Works, 184, Napied Town, Jazalnur, Partners: Shri Anedodin & Smt. Apara Begum,

(Transferor)

(2) Shri Jamna Prasad Mishra & Jagmohan Prasad Mishra, S/o Shri Manakji, Katni.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property was an anada in writing to the undersegned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the earvice of notice on the respective persons
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the saud Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 25/1A & 26/1 is situated at Vill. Bimtara, Katni. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G du y verified by the transferce.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Income Tax Building,
Near Central India Floor Min
Bhopal

Date: 9-9-1985

PORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOMETAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/5913.—Whereas, I. S. C. SHARMA,

being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Agricultu.e land Kh. No. 2 situated at Village Dewda, Teh. Jagdalpur, Dist, Bastar

(and more tuny described in the schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 or 1908) in the office of the Registering Officer at Jagdalpur on January, 1985

an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiftuen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the mail Act, as respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitaing the concealment of any income or any moneys or other asses which have no been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (1) of 1922 of 1 and Act; or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Pratap Kothari S/o Gangaram Kothari Village Sauarpal, Jagdalpur-Teh. Dist. Bastar (M.P.).

(Transferor)

(2) Bastar Sewak Mandal, Jagdalpur Through President: Shri Joseph Kuthiauack, Jagdalpur, Dist, Bastar (M.P.).

(Transferee) -

Objections, if any, to the acquisition of the said occurry may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 2 is situated at Village Dowda, Tah. Jagdalpur, Dist. Bastar. This is the immovable property which has been described in form Na. 37-G duly verified by the transferce.

> S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Income Tax Building, Near Central India Floor Mills, Bhopal

9-9-1985 Date:

The property of the first of the second seco

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-JAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl /5914 -- Whereas, I, S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to me the said 'Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]and bearing No.

Land situated at Ratanpur

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bhopal on January, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than-fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to be:ween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the County of the transferor to pay tax under the send Ast, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the conceniment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Bondarsingh S/o Shri Bhorji Panwar, Ratanpur Road, Phanda Development Block, Teh. Huzur. (Transferor)

(2) Shri B. K. Dave Shri I. S. Dave, R/o Babariya Phatak, Hata, Dist. Damoh. 2. Shri Santosh Pandey, Teh. Hatta, Dist. Damoh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understaned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of in the Official Gazette or a period of 30 days from whichever period expires inter;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the nublication of this motion in the Official Cin metre.

REPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SHEDULE

Land is situated at Ratanpur Road, Phanda. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income Tax Building. Near Central India Floor Mile,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby mitiate proceedings for the acquaittion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons namely :-

9-9-1985 Date:

Seni:

FORM ITHE

MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl./5915,—Whereas, 1, S. C. SHARMA.

being the Competent Authority under Seemen 2008 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to us the 'mid Act') have reason to believe that the ammovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Agricultural land Kh. No. 3 of 16.23 acres
situated at Village Souarpal, Deorda, Teh. Jagdalpur
(and more fully described in the chatalia amend have)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Bhopal on January, 1985

for an apparent consideration which is less than the few market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the said instrument of the said instru

- (a) facilisating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; andler
- (b) facilitating the enemealsment of any income or any mencys or other neses which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the wild Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, is pursuance of faction 20% of the solid Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforestid property by the inside of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:---

 Shri Ballavdas Kothari Village Souarpai, Teh, Jagdalpur, Dist, Bastar (Deorda).

(Transferor)

(2) Bastar Sewak Mandel, Jagdalpur Through President: Shri Joseph Kuthunekal, Jagdalpur, Dist. Bastar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the assume in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective periods. Whishever pariod express lover;
- (b) by any other persons interested in the said immeriable preparty within 45 days from the date of also pethilossion of this nection in the Official Gazette.

Manus. And From: — The torsies and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the anid Act, shall have the more meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land Kh. No. 3 is situated at Village Souarpal, Deorda, Teh. Jagdalpur, Dist. Bastar. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferce.

S. C. SHARMA

Convertent Au hority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range,
Income Tax Building,
Near Central India Floor Mills.

Bhopal

Date : 9-9-1985

(Transferor)

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (#3 OF 1761)

ے۔ <u>مطرح میں بروجوں برو</u>دور نے بروجو بیٹ نے پیٹریہ میں جو ان میار کیا ہے۔ ان میں ان ان

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-LAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/5916.--Whoreas, I. S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immervable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing House No. 700/9 on Plot No. 7, Medi Heusing Co-operative Society Ltd., situated at Gwari Ghat (Tagore Nagar), Jabalpur (and more fully described in the schedule annexed bereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Bhopal on January, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforosaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by suore than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to the narties has not be a culv stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) incilitating the reduction or evasion of the fuebolity of the transferor to pay tax under the said Act to respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concentment of any orecome or way moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purnoses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wests-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in nursuance of Section 269C of the sold Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the leave of this notice under submetton (1) of Section 2691) of the said Act to the following persons, namely :--

(1) 1. Smt. Chayaroni Debi W/o Shri S. B. Roy, 2. Smt. Kam.a Bhalacharya W/o Shri Bhatacharya 3. Smt. Subharenshu Bikas Roy S/o Sh. S B. Roy 4. Smt. Silangshu S/o Sh. S. B. Roy, R/o Tagore Nagar, Jabaijur.

(2) Col. P. C. Banerjee
Hospital, Barelly).
S/o late J. N. Banerjee
Military Hospital, Jabalpur (At present : Saink Aspairl Military (Military (Transferoc)

Objections, if may, to the acquisition of the solid property may be ented in writing to the moderniques :---

- (a) by any of the afore-aid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FixPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same menning as given in that Chastat.

THE SCHEDULE

House No. 700/9 on plot No. 7 is situated at Modi Co-op. Housing Society, Rampur Katanga, Tagore Nagar, Jabalpur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> S. C. SHARMA Inspecting Assistant Commissioner of Incometax Acquisition Pange, Income Tax Building, Near Central India Floor M'lls, Bhorel

Date : 9-9-1985

Sual :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE. BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 13th September 1985

Ref. No. IAC/Acqn/.Bpl. 5917.—Whereas I, S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (her inafter referred to as the 'sa'd Act') have reason to believe hat the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Land No. 320/1 Area 4.31 Aere Khata No. 350 situated at Village Amagird Tehsil Burhanpur.

(and more tuny described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1000/1000 and 1000 area. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Burhampur in Jan. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer;

(b) facil'tating the concealment of any income or any gnomeys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1922 (27 of 1937). 952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, mamely Ir-

- (1) (1) Vithal

 - (2) Bhika (3) Cnampalal
 - (4) N.rmala Bai (5) Jasoda Bai

 - SS, O Sarr Patiram

 (6) Smt. Drapotibai

 Viate a ram Mahajan 1.416

Rlo Alamganj, Burhanpur. Transferor(s)

(2) (1) Shri Keat Johar S/o Shri Ismail Bhai Masoori

R/o Itwara, Burhaupur.

(2) Shri Rattanlal Maheshwari Sanwara,

Burhanpur.

(3) Shri Yashwant 8/0 Manakchand Solanki

R/o Budhwara, Burhanpur (4) Shri Ishwardas Thakurdas Merchants,

Budhwara, Burhanpur

(5) Shri Chandulal Kantilal Solanki, Budhwara Burhanpur

(6) Smt. Chaya Devi W/o Shri 'shwar Dass Burhanpur.

(7) Shri Madhusudan Ghanshyamdas Sanwara,

Burhanpur.
(8) Shri Ram Swroop S'o Chandmal Chowdhary Sanwar .

Burhanpur, Sanwara, Rattanlal Maheshwari, Sanwara,

Burhanpur.

Transferce(a)

Objections, if any, to be acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any oher person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said. Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Apr land at village Amagird Tabell Bushanpur having kh. No. 320/1/Area 4.31 acres at Khata No. 350.

> S C. SHAPMA Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Pance, Near Central India FloorMills, BHOPAL.

Data : 13-9-1985 Seal

NOTICE UNDER SECTION 259D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 9th Septemebr 1985

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/5925.—Whereas, I, S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000l- and bearing No. House No. 18 situated at Vyayamshala, Ujjain (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ujjain on January 1985. market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparnt consideration therefor by more than

exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assits which have not been or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

73-296 GI/85

(1) Smt. Rukman Bai W/o Madansinghji Neema Mahajan, R/o 18, Vyayamshala, Ujjain

Transferee(s)

(2) Shri Jagdish S/o Devichand, 2. Premlalta S/o Devichand Wo Jagdishchandji Ro Khatri Wada, Uijain

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in wreting to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-. able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gif n in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 18 (Trible storeyed) is sitated at Vyayamshala, Indore.

> S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Income-tax Building Near Central India FloorMills, BHOPAL

Date: 9-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 9th Septemebr 1985

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/5926.—Whereas, I, S. C. SHARMA, being the Commetent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.0001- and bearing No. Part of House Mun. No. 43 situated at Mohalla Kotgalia.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 24-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair marker value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the inspaleron to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-acction (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Madanlal slo Shri Motilalli, R/o Gudri Bazar, s o Shri Motilalji, Uijain

(Transferee)

(2) Shri Dineshchandia S/o Shri Radharaman Pandya R/o Freeganj, Ujjain

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of house Municipal No. 43 is situated at Mohalla Kotgali No. 5, Ujjain.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Income-tax Building
Near Central India FloorMills,
BHOPAI.

Date: 9-9-1985

T=====

FORM ITNS-

NUTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 9th Septemebr 1985

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/5927.--Whereas, I, S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable Property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]and bearing No.

House Municipal No. 46 1 situated at University Road No. 1, Uiiain

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Ujjain on January 1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wesith-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons maybely :-

(1) Shri Mohd. Idris S/o Mohd, Ishaq, R/o 349, Kaliyadeh Gate Ujjain Sarfraj Hussain S/o Mohd Ishaq, R/o 349, Kaliyadeh Gate Ujjain

(2) Shri Rameshchand S/o Babooram Ji Arya, R/o Kartik Chowk, Ujjain.

(Transferor)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the and prespects may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires Inter;
- (b) by any other person interested in the said trame vable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Municipal House No. 46/1 is situated at University Marg No. 1 Ujjain. This is the Immovable property which has been described in form No 37G duly verified by the transferce.

> S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Income-tax Building Near Central India FloorMills, BHOPAL.

Date: 9-9-1985

FORM I.T.N.S .--

DTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

Bhopal, the 9th Septemebr 1985

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/5928.—Whereas, I. S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00 0001- and bearing

Land Kh. No. 1081 ka Bhag si'uated at Mauja Tikari, Distt.

Betul, M.P. (and more fully described in the Schedule annexed herete) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at in January, 1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(1) Shri Jagannath Pd. Verma S/o Ramdeen Verma, R/o Tikari, Teh. & distt. Betul M.P.

(Transferor)

(2) Shri Narendranath Bhargava S/o Shri Bholanath Bhargava. R/o Betul, Teh, & distt. Betul M.P.

(Transfer.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Cazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested to the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are Jefined in Chapter XNA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any meome arising from the transfer and/or

Part of Land Kh. No. 1081 is situated at Mauja Tikari rDistt. Betul, M.P. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G, duly verified by the transferce.

(b) facilitating the concealment of any mecome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfered for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1722 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Income-tax Building Near Central India FloorMills, BHOPAL

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby imitiate proceedings for the acquisition of the cities and property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 9-9-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 9th Septemebr 1985

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/5929.—Whereas, I, S. C. SHARMA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]-and bearing

House situated at Shinde Ki Chaoni, M.D.B. Road, Laskar,

Gwallor

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior on Jan. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to betieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other ussets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri R. G. Datye, M.I.B. Rond, Lashkar, Gwalior.

(Transferor)

(2) Dr Uday Bhouslo M.L.B. Road, Lashkar, Gwalior.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in C'apter XXA of the said. Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House is situated at Shinde Kil Chaoni, M.L.B. Road, Laskar, Gwalior. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Planke,
Income-tax Building
Near Central India Floor Mills
BHOPAL

Date : 9-9-1985 Seal : FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-IAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bombay, the 9th September 1985

Rof. No. 1AC/Acq./Bol/5930.-Whoreas, I.

S. C. SHARMA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value Rs. 1,00,000]—and bearing No.

House Mio-E-7 situated at Rishi Nagar Colony,

Dewas Road, Ujjain.

(and more unity described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Petlaved (Jhabua) in Jan. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of !—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; tad/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any unoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesa'd property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Rameshwar

5/0 Mangilal Garg,

K o Gonda Chowki,

Ujjain.

(Transferor)

(2) Smt. Pushpa W/O Sn. Prakashchandji Mandal R/O Patni Bazar, Uijain.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respect persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning cs given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House bearing No. MIG E-7 is situated at Rishi Nagar Colony, Dewas Road, Ujjain.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
BHOPAL

Date : 9-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

PART III-SEC. 1]

JOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./5931.—Whereas, I, S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000, and bearing

No. Land Kh. No. 159, 161, situated at Vill. Sarwar (and more fully described in the schedule annexed

hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Patlaved

of 1908) in the Office of the Registering Officer at Patlaved at Jhabua in Jan. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Bhagirath
2. Ratanlal
S/o Lalchand Mehta Jain
R/o Bamniya Pargana.
Petlavad, Dist. Jhabua.

Transferor (s)

(2) 1. Shri Subhashchand
 2. Rajendra Kumar
 S/o Lakhmichand Nimja Jain,
 R/o Karvad,
 (Present Address: Jhaveri Bazar, Bombay)

 Ashok Kumar S/o Lakhmichand Nimja Jain, Karvad, Teh. Pe:lavad, Dist. Jhabua.

 Dharmendra Kumar S/o Lakhmichand Nimja Jain, R/o Karvad, (Presently at 64, Jhaveri Bazar, Bombay.

Transferee (s)

Objections, if any, to the acquisition of the and property may be made in writing to the undersignal:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period the 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 159, 161 is situated at Village Sanwar (P.H.-No. 1) Teh. Pargana Petlavad, Dist. Jhabua. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferce.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Competing Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
BHOPAL

Dato : 9-9-1985

FORM I I'NS...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQU'SITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./5932.—Whereas, I.

S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the improvement of the competent value exceeding movable prope ty, having a fair market value Rs. 1.00,000 - and bearing exceeding

Land Kh. No. 100, 102, 103, 104, 151, 226, 300 & 65 situat-

ed at Vill. Sanwar :

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registra ion Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

at Petlaved (Jhabua) in Jan. 1985 for an apparent on Heratori which is less than the fair market value of the aforestil property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said A.t. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (v) recutating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 26°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, immely:-

(1) Shri Vajechandra Bhagirath Rattanlal S/o Lalchand Mehta Jain R/o Bamniya Pargana, Petlavad, Dist. Jhabua.

(Transferor)

(2) 1. Shri Subhashchandra Lakhmichand 2. Rajendra Kumar S/o Lakhmichand Nimja Jain, R/o Karvad. Presently at 64, Jhaveri Bazar,

3. Ashok 'Kumar S/6 Lakhmichand Nimja Jain, Karvad,

Teh. Pe lavad,
Dis. Jhabua. (M.P.).
4. Dharmendra Kumar Lakhmichand Nimja Jain, R/s Karvad (Presently at 64, Jhaveri),

(Transfered)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person intertsted in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 65, 100, 102, 103, 104, 151, 226 & 300 is situated at Vill. Sonwar. Dist. Ihabun. This is the immovable property which has been decribed in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Pana BHOPA'

Date: 9-9-1985

PORM ITHE -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, M.P., the 9th September 1985

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl.|5933.-Whereas, I, S. C. SHARMA,

S. C. SHARMA, being the Component Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding 1,00,000[- and bearing House No. 44 (part of) situated at Mahatma Gandhi Marg, ward No. 11, Sanawad—Teh., Block Barwah Dist, Khargone (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Sanward in January, 1985 at Sanward in January, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor, by more that fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any ruoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1923 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this poice under subsection (1) of Section 269D of the sald Act, to the following persons namely:—

74-296 GI/85

(1) Shri Amraii

So Sitaram Gujar 2. Jagannath

So Sitaram Gujar

3. Gopilal

Slo Sitaram Gujar

4. Gabru

So Sitaram Gujar

5. Gyanibai Wd|o Sitaram Gujar

6. Sujanbai Wd o Sitaram Gujar R/s Khedi, Teh. Badwah, Dist. Khargone.

(Transferor)

(2) Harisharshe

So Maganlalsaji Lad Mahajan Karta of HUF, R/o Khedi, Teh. Badwah, ist. Khargone.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette, or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sais. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 44 part (thereof) is situated at Block Barwah, Teh. Sanawad, Dist. Khargone. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Income Tax Building Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date: 9-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopel, M.P., the 9th September 1985

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl. 5934.—Whereas, I. S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'haid Act'), has reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Re. 1,00,000[- and bearing No. House No. 400 situated at Bhavani Marg, Ward No. 9,

Sanawad

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Sanawad in January, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fasteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-mx Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Dr. Sohanlal Kashiram, Bhavani Marg, House No. 400, Sanawad.

ansferor)

- (2) 1. Shri Babulal
 - Gopalji Gujar 2. Sunderlal
 - So Babulolji Gujar 3. Kadwaji
 - So Babulalji Gujar
 - 4. Inderlal Babulal Through Guardian & Karta Smt. Godavaribai
 Wo Babulal Gujar,
 All R/o Tasgaon Tappa,
 Teh. Sanawad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter-

THE SCHEDULE

House No. 400 is situated at Bhavani Marg. Sanawad. This is the immovable which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferec.

> S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Income Tax Building Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date: 9-9-1985

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, M.P., the 9th September 1985

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl.J5935.—Whereas, I, S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

Land Kh. No. 131|3 situated at Vill. Revati, Teh. Sanwar, Teh. Sanwar, Dist. Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Regultration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Sanwar in January, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any snoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Smt. Anjulabai
 Wo Kanhaiyalalji Soni,
 Ro 65, Narsing Bazar,
 Teh. & Dist. Indore,

(Transferor)

(2) Shri Narendra Kumar Slo Mangilalji Kala, P b Khategoan, Dsit. Dewas.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 131/3 is situated at Vill. Revati, Teh. & Dist. Indore.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills,
Bhopal

Date: 9-9-1985

FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE INCOME TAX BUILDING NEAR CENTRAL INDIA FLOOR MILLS BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 9th September 1985

Ref. No. 1AC/Acqn/Bpl/5936.—Whereas, L. S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Land Survey No. 172 situated at Vill. Pityara, Badnawar,

Dist. Dhar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer

at Badnawar on Jan 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Anil Kumar Thakral, Director Saumati Metals Ltd., Lalwani Press Road, Bhopal.

(Transferor)

(2) M/s. Oramco Chemicals (P) Ltd., 5, Rambag, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) oy any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Survey No. 172 is situated at Vill. Pityara, Badnawar, Dist. Dhar. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income Tax Building Near Central India Floor Mills, Bhopal.

.)ate : 9-9-1985

FORM ITNS---

- (1) Smt. Bhuri Bai Wd/o Gangoram Kulmi, R/o Vill, Ekalduna (Digtan), Dist. Dhar. (Transferor)
- Indore leather (P) Ltd., Foreign Liquor Unit Thro' Director, Shri M. M. Nevetiya Indore. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1**961**)

GOVERNMENT OF INDIA

ASSISTANT COMMIS-OFFICE OF THE INSPECTING SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE INCOME TAX BUILDING
> NEAR CENTRAL INDIA FLOOR MILLS BHOPAL (M.P.)

> > Bhopal, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/5937.--Whereas, I,

S C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immer-

able property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land situated at Village Ekalduna (Digthan), Dist. Dhar (and more fully described in the schedule annexed hereto), bas been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer

at Dhar on January 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of mansfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at situated at Village Ekalduna (Digtan), Dist. Dhar.

S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Near Central India Floor Mills, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforested monerty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the sail Act, to the following persons, namely:-

Date: 9-9-1985

FORM ITNS.

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Thansukhal S/o Soubhagmalji Talati, Saraswati Bhavan, Freeganj, Ujjain.

(Transferor)

(2) Smt. Raisabano W/o Zakir Hussainji, Khatija Manzil Station Road, Ratlam.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE INCOME TAX BUILDING
NEAR CENTRAL INDIA FLOOR MILLS BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 9th September 1985

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl/5938,-Whereas, I,

Ref. No. IAC Acquisity 5938.—whereas, 1, S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House bearing No. 157 (1) situated at Jawahar Marg, Ratlam (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

of the Registering Officer
at Retlam on January 1985
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to the parties has not been truly stated in the said ins of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast in respect of any income arising from the transfer,

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferos for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said læmovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House bearing No. 157(1) is situated at Jawahar Marg, Ratlam. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly, verified by the transferce.

> S. C. SHARMA Competent Authority specting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income Tax Building Near Central India Floor Mills, Bhopal.

Date: 9-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSESTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE INCOME TAX BUILDING NEAR CENTRAL INDIA FLOOR MILLS BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/5939.—Whereas, I, S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing No. Nai Bhumi Plot No. 92 ka plat situated at Agarwal

Nagar, Indore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer

at Indore on January 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly sensed in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, it respect of any income arising from the transfer: and/eč
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-ta-Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Jagdeesh Chandra S/o Shri Moolehandji Atoliya, R/o 52, Shradhhanand Marg (Chhaoni), Indore.

(Transferor)

(2) Smt. Hemlata W/o Shri Gulabchand Shah R/o 132, Spehnagar, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Nai Bhumi) Plot of plot No. 92, is situated at Agarwal Nagar, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G, duly verified by the transferco.

> S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income Tax Building Near Central India Floor Mills, Bhopal.

Date: 9-9-1985

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE INCOME TAX BUILDING NEAR CENTRAL INDIA FLOOR MILLS

BHOPAL (M.P.)
Bhopal, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/5940.—Whereas, I, S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Plot No. 4 situated at Shri Ram Nagar Colony, Kesharbagh Road, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

of the Registering Officer at Indore on January 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 2004 of the sale. Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Mohanlal S.o Shri Harishanker Mishra, 9, Lad Colony, Indore.

(2) Smt. Sarladevi W/o Shri Rajendrakumar Gandhi, R/o 4/3, North Raj Mohalla, Indore.

. (Transftree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 4, is situated at Shri Ramnagar Colony, Kesarbag! Road, Indore.

Date: 9-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE INCOME TAX BUILDING
NEAR CENTRAL INDIA FLOOR MILLS BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/5941.—Whereas, 1.

S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the improvable section 269B. movable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 3 situated at Sheth Apartment, Kailash Park Colony, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the effice

of the Registering Officer at Indore on January 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following 75-296 GI/85

(1) Shri Vallabhdas Maganlal Sheth, C/o Bank of Baroda, Main Branch, Baroda. (Transferor)

(2) Smt. Shakuntala W/o Shri Krishnakanth Sheth. Sheth Apartment, Kailash park Colony, Indore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable cropping, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION; -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, Sheth Apartment, is situated at Kailash Park Colony, Indore. This is the immovable property, which has been described in Form No. 37-G, duly verified by the assessee.

> S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income Tax Buildin Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date: 9-9-1985

FORM ITNS ---

NOTICE L'NDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE 4TH FLOOR, GANGOTRI BUILDING T. T. NAĞAR, BHOPAL

Bhopal, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acqu/Bpl/5942.—Whereas, I, S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred 10 as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000|- and bearing

Flat No. 4 situated at Plot No. 7-C, Sheth Apartments,

Kailash Park, Colony, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at Indore on January, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/ce
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, the following persons, namely :---

Shri Vallabhdas S/o Shri Maganlal Sheth, R/o Bank of Baroda Main Branch, Baroda. (Gujarat).

(Transferor)

(2) Shri Keertikand S/o Shri Vithaldas Sheth, 7-C, Shetht Apartments, Kailash park Colony, îndore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of that said, Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4, Plot No. 7-C, Sheth Apartments, Kailashpark Colony, Indore.

> S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Puilding T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 9-9-1985

(1) Shri Jairam S/o Ramaji, Vill, Bicholi Hapsi, Near Kanadia, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Maharaja Bhartendra Singh S/o late H. H. Yashodhar Singh of Kilchipur— Now at 100/2, Saket Nagar, Indore.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

FFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 4TH FLOOR, GANGOTRI BUILDING T. T. NAGAR, BHOPAL

Bhopal, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/5945.—Whereas, I. S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act.), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Land Kh. No. 72, 73 situated at Vill. Bicholi Hapsi, Near

Kanadia Indore
(and more jully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Indore on Jan. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparant consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning us given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or:

THE SCHEDULE

Agricultural land Kh. No. 72 & 73 is situated at Vill. Bicholi Hapsi, near Kanadia, Dist. Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

S. C. SHARM Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the sald Act, to the following persons, tramely:-

Date: 9-9-1985

FORM I.I.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 4TH FLOOR, GANGOTRI BUILDING T. T. NAGAR, BHOPAL

Bhopal, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Λcqn/Bpl/5946.—Whereas, I. S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000 and bearing
Plot No. 144 and the house thereon situated at Vishnupuri

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the that the transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Indore on January 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid. believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: end /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection. (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) Shri Manoharlal S/o Shri Govindramji Bab'ani R/o 144, Vishnupuri Colony, Indorc. (Transferor)
- (2) 1. Harvinder Kaur W/o Paramjit Singh R/o 960, Khatiwala Tank, Indore.
 2. Meeipul Singh S/o Gurudayal Singh,
 R/o 44-B, Premnagar Colony, Indore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

Plot No. 144, and the house thereon is situated at Vishnupuri Annex colony, Indore.

> S. C. SHARMA Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Incometax. Acquisition Rang 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhoval.

Date: 9-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE 4TH FLOOR, GANGOTRI BUILDING T. T. NAGAR, BHOPAL

Bhopal, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/5947.—Whereas, I, S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tux Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act.), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. Plot No. 38 & double storeyed building situated at Katju

colony, Indere

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Indore in January, 1985

Tor an apparent consideration which is less than the fair nakket value of the aforesaid property and I have reason to

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. In respect of any income arising from the transfer end/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Sari Manoharlal S/o Vyavaharimalji Narayandas S/o Vyavaharimalji R/o Sindhu Nagar, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Ghanshyamdas S/o Shrichandji & Kamlabai W/o Shr iGhanshyamdasji R/o H No. 36, Katju, Colony, Indore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by say of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 38, the double storeyed building thereon is situated at Katju Colony, Indore.

> S. C. SHARMA Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range
> 4th Floor, Gangotri Building
> T. T. Nagar, Bhonal. Competent Authority

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely,:-

Date: 9-9-1985

(1) Smt. Sunita Chopra W/o Shri Indramohan Chopra, R/o 10/2, Ushaganj, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Gangadevi W/o Shri Madanmohan Pathak, Datia (MP). (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT CCMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE 4TH FLOOR, GANGOTRI BUILDING

T. T. NAGAR, BHOPAL Bhopal, the 9th September 1985

Ref. No. IAC|Acqn/Bpi/5948.—Whereas, I, S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sa'd Act') have reason to believe that the immov-

Rs. 1,00,000; and become Rs. 1,000,000; and become Rs. 1,000,000; and become Rs. 1,000,000; and 1,000,000; 1908) in the office of the Registering officer at Indore on Jan 1985

at Indere on Jan 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
- of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income urising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 72 is situated at Janki Nagar, Extn., Indore.

S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesnid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 9-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE 4TH FLOOR, GANGOTRI BUILDING T. T. NAGAR, BHOPAL

Bhopal, the 9th September 1985

Ref. No. IAC|Acqn/Bpl/5949.—Whereas, I, S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the imenovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

Plot No. 196 & the godown thereon situated at Transport Nagar, Indore.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer

at Indore on January 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers amd/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (12 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Shri G. S. Transport Co., 196/1, Transport Nagar, Indore, Thro' Prop. Curmit Singh S/o Balwant Singh R/o 162, M, Khatiwala Tank, Indore.
- (Transferor) (2) Smt. Amina W/o Taher Ali (Prop. of M/s. Amina Transport Nagar) R/o 1601, Transport Nagar, Indore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within forty-live days from the date of publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 196 & the godown thereon is situated at Transport Nagar, Indore.

> S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income Tax Building Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date: 9-9-1985 Seal:

training the state of the state FORM ITNS-

(1) Shri Dr. Chandansingh S/o Bhag Singh, R/o 128, Vishnupuri Annex, Indore.

(2) Smt. Rochi Bai W/o Chimanial & Shri Chimanial S/o Tahaldas Karamchandani,

47, Kumavanpura, Indore.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/5950.—Whereas, I, S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No.
No. House No. 12B situated at Vishnupuri Colony,

Indore,

tund more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Indore in January, 1985

for an apparant consideration which is less than the faor market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the flability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter AXXA of the said Act, shall have the came meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

House No. 12B 's situated at Vishnupuri Colony, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range
> Income Tax Building
> Near Central India Floor Mills, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following pertysa, namely:-

Date: 9-9-1985

(1) Smt. Sushila Rani Gupta W/o Ramdayalji Gupta Sudarshan S/o late Shri Ramdaya ji Gupta R/o 10/4, Manoramaganj, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Kemalkumar S/o Shankerlal Soni Manishkumar S/o Kamalkumar,
 62, Mahavir Marg, Indore.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA.

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Augn/Bpl/5951.—Whereas, I. S. C. SHARMA,

being the Computent Authority under Section 269B of Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinalter rete red to as the Suid Act.), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.0000; and bearing No. 7, situated at Pinali Bazar, Indore, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office.

1908) in the office of the Registering Officer at Indore in January 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the upparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) recilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the trans eree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesail property by the usue I this nonce under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely, 76-296 GI/85

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sa'd immovable property, within 45 days from the tate of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter-

THE SCHEDULE

House bearing No. 7 is situated at Pipali Bazar, Indoic.

S. C. SHARMA Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Rarge
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date: 9-9-1985

(1) Smt. Kashibai W/o Gangadhari Verma, R/o Heuse No. 68, New Dewas Road, Indore. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Dilipkuntar S/o Kantilalji Ba ant Kumar S/o Babulup, R/o 86, Val abh Nagar, Indore, C/o Hind Medical Store, Indore,

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl./5952.-Whereas, I, S. C. SHARMA,

being the Competent Au hor ty under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a tail market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No.

Plot No. 9, structed a New Dewas Road,

Ability of Charter Labor.

Ahilyama a Colony, Indore.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1308) in the office of the Registering officer at Indo c in 12 u v 1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-sain exceeds the apparent consideration therefor by more than bitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facinitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer;
- (b) [acilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the numbers of the Indian Income-ts. Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax. Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notic on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette-

Explanation —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act. shal. have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 9 is situated at New Dewas Road, Ahilya Matu Colony, Indore.

> S. C. SHARMA Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range
> Income Tax Ruilding
> Near Central India Floor Mills, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 209C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :-

Date: 9-9-1985

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl./5953.—Whereas, 1, S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing House No. 37/3 situated at Mohanpura, Indore

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer

at Indore in January, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of :-

- (a) racilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitaing the concealment of any income or any nonew or other assets which have not been awhich ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Abdul Majid S/o Mchd. Isaq, 37/4, Monangura, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Jabbir Hussain S/o Abed All, Boh.a Elizar, Khushal Gach, Indore.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 40 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. thall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 37/3 is situated at Mohanpura, Indore-

S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Punding Near Central India Floor Mills, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said section (1, of Section 269D of the said Act, to the rollowing aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the tollowing persons namely:-

Date: 9-9-1985

FORM 1.T.N.S.-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

R/o H. No. 24, Nanda Nagar, Road No. 1. Indore.

(Transferor)

(1) Shri Pyarusingh S/o Dilipsingh, Karnal Singh S/o Dilipsingh and Baljitsingh S/o Hoshiar Singh, R/o 13, Janki Nagar Colony, Indore.

(1) Shri Swarna Singh S/o Jagirsingh,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl./5954.--Whereas, 1. S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable p.operty having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

No. Plot No. 365 situated at Vishnupuri Annex Colony, Indore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Indore in January 1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said propert) may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XAA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

- (1) facilitating the reduction of evasion of the liability of the manateror to pay tax under the said Act up respect of any income arising from the transfer:
- b) facilitating the concealment of any income or any rnoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

Plot No. 365 is situated at Vishnupuri Annex Colony. Indore.

> S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range
> Income Tax Building Near Central India Floor Mills, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the accessfid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely --

Date: 9-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGF BHOPAL, M.P.

Bhopai, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl./5955.—Whereas, I, C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. P.ot No. 3 situated at Indrapuri Colony, Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registra on Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore in January 1985,

for an apparent consideration which is less thant the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration tor such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration tor such apparent consideration and that the consideration tor such apparent consideration and that the consideration that the consideration the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the roduction or evasion of the limbility of the transferor, to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or.
- (b) facilitating the concentment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the 18812 of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Shivshanker Sharma S/o Shri Rajendra Sharma, Thro General power of attorney Shri Tarachand S p Budharamji Tuteja, 146, Jaora Compound, Indoie.

(Transferor)

(2) Smt. Jogendra Kaur W/o Gyansingh & Shri Gyansingh S/o Bhagatsingh, R/o 77, Pratap Nagar, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period at 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective hereous, whichever period expires latter;
- (b) by any other person interested in the said immerable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 3 is situated at Indrapuri Colony, Indore.

S. C. SHARMA
Competent Anthority
Impecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills, Bhopsi

Date: 9-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Ehopal, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl./5956.—Whereas, I. S. C. SHARMA,

being the competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing

No. Plot 150, 7-15 & n use hereon bearing No. 123/J situated at Labariya Bheru, Indore,

(and more fully described in the Schedula annexed hereto), has been transferred and registered und r the registrat of Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Indore in January ' 985,

for an arparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen percent of such apparent consideration and the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of :--

- (a) (scilitating the reduction of evasion of the liability at the transferor to pay tax under the and Act t respect of any income arising from the transfer 44. 8184
- (b) facilitating the concesiment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

- дном, theretore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the tollowing persons, namely :-

(1) Smt. Manjit Singh S/o Jaswantsingh, R/O 123/1, Labalith Bhern, indore.

(Transferor)

(2) Shri Hakimuddin S/o Naznr Hussain iqbal Hussain S/o Nazar Hussain R/o Babariya Bheru, Dhar Road, Indore. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the rand property may be made in writing to the understaned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said horners. able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

Plot No. 7-B and the bearing No. 123/1 thereon situated of Labariya Bheru, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Income Tax Building Near Central India Floor Mills. Bhopa!

Date: 9-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF IHE INCOME-1AX ACI, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Khu iram S/o Moolchandji Somani, R 10 97, Jairam ur Colony, Indore.

(Transferor) (2) Smt. Lata Devi W/o Sureshkumar Chawla, R/o 55-MiG Colony, Indore.

(Trunsferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-IAX ACQUISITION RANGÉ BHOPAL, M.P.

Bhopal the 11th September 1985

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing as the undersigned:—

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl./5957.—Whereas, I, S. C. SHARMA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the im.no : b' prop rty n ving a fair market value exceeding Rs 1,00.000|- and bearing House No. 97 shuated at Jairampur Colony,

Indore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registeing Officer at Indore in January 1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefol by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the sarries has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, athichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herin as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor engius

THE SCHEDULE

b) facilitating the concealment of any income or an, moneys it other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

House No. 97 is situated at Jairampur Colony, Indore.

S. C. SHARMA Comp tent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central Indle Floor Mills, Bhopal

New, therefore, in oursuance of Section 269-C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following ocrsons, namely :--

Date: 4-9-1985 Soul :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl. '5958.—Whereas, I, S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (neremafter reterred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 58 (ground floor) situated at Agarwal Nagar,

Indore.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Regisering Officer at Indore in January 1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the part es has not been truly stated in the said instrument of transfer-its the object of :--

- (4) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the pursones of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

- (1) Pragati Construction Co. Thro Parence: Sanatkumar Ka'yanmal Badjutya R/o 146, Jaora compound, Indore. -(Transferor)
- (2) Smt. Sarladevi W. o Shri Ramesh Kumarji Tiwari R/o 58, New Agarwal Nagar, Indoce. (Fransferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ;--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Othern Contents

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 58 and the flat No. 1 (Ground floor) built thereon is situated at Agarwal Nagar, Indore.

> S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income Tax Building Near Central India Floor Mills, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, extenty :-

Date: 9-9-1985

Stool :

FORM. I.T.N.S,——— (1) M/s Badjatya Construction Co, 25, Jaora Compound Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Bhatuti Bansal W/o Satya Prakash Bansal Badjatya Apartment, 106, Scheme No. 47, Indore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 11th September 1985

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl./5959.—Whereas, I, S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Incompetax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. Plot No. 106 and the flat No. 106 built thereon (1st floor) situated at Scheme No. 47, Indore, (and mere fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer Indore in January 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said that/fully transfer with the object of .—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this motion in the Official Gazzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 106 and the flat No. 3 (1st floor) built thereon is situated at Scheme No. 47, Indore.

> S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income Tax Building Near Central India Mills, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of said Act, to the fellow-me persons, namely:—77—291GI[85]

Date: 11-9-4985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 11th September 1985

Ref. No. 1AC/Acqn/Bpl./5960,--Whereas, I, S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing
No. Plot No. 46 and the house built thereon situated at
Rajmahal Colony (Extension), Indore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Indore in January 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have ressen to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the artise has not been study stated in the said instrument of Lorler with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following sersons, namely:---

(1) Shri Hasonand S/o Shri Vatumalji Jetvani, 45, Raimahal Extn., Colony, Indore.

(Transferor)

(2) Smt. Abha Yadav W/o Shri Jagdish Prasad Yadav, Vill. Khidkiya, Dist. Hoshangabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 46 and the house built thereon is situated at Rajmahal colony (Exension), Indore.

S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income Tax Building Near Central India Floor Mills, Bhopal.

Date: 11-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 11th September 1985

Ref. No. IAC /Acqn/Bpl./5961.--Whereas, I,

S. C. SHARMA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing No.

House situated at
No. Plot No. 779 and the house No. 6 thereon
situated at Manishpuri Colony, Indore,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer

Indore in January 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market vaule of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-ax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection. (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

- (1) M/s Vrindavan Apartments Thro' Partner Shri Balkrishna Agrawal S/o Ehri Doulatram Agrawal, R/o 158, Saket Nagar, Indore.
- (Transferor) (2) Smt. Nira H. Lal W/o Shri H. S. Lal, R/o 43, Saket Nagar, Indore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 779-B and the flat No. 6 thereon situated at 6, Manishpuri Colony, Indore.

> S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range
> Income Tax Building
> Near Central India Floor Mills, Bhopal

Da'e: 11-9-1985

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 11th September 1985

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/5962.—Whereas, I, S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the timeon actax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing House No. 44/1042

situated at Khasgi Road, land behind Datt Mandir, Gwalior (and more fully described in the Schedule annexed herto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Cwalior on Jan. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market varue of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the aparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parities has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of terms.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the conceaminat of any income or any snoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Walth-tax Act, 1957 (27 or 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, usually:—

 Shri Dinanath Shadija S/o Hemandas Shadija, R/o. Chhatri Bazar, Lashkar, Gwalior.

(Transferor)

(2) Shri Sureshkumar S/o Shri Srichandji R/o Datt Mandir, Khasgi Road, Lashkar, Gwalior.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazotte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 44/1042, Khasgi Road, Datt Mandir ke pichhe, Gali, Gwalior. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G, duly verified by the transferee.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date: 11-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INC. ML-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 12th August 1985

Ref. No. 1AC/Acq/Bpl/5827.—Whereas, I, S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000; and bearing No.

Ground floor & the floor at 2.77 M at 247, Saket Nagar, Indore

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under Section 269-AB of the said Act (in accordance with the procedure prescribed in Rule 48DD of the Income-tax Rules, 1962) (and the statewent of transaction of which has been deemed to have been registered under Sec. 269-AB of the Said Act, in the office of the Competent Authority at Bhopal on January 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the base of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Sohanlata
 Wlo Sh. Mahgal Sen Bajaj and Shri Kiran Bajaj
 Shri Mangal Sen Bajaj
 71, Patrakar colony, Indore.

(Transferor)
(2) Master Nitin Minor Son Dr. K. R. Tekchandani,
3. Amber Buld. 13/2, M. G. Road,
Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building (Ground floor & the floor) is situated at 247, Saket Nagar, Indone.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal
Azyakar Bhawan, Hoshangabud Rd.,
Bhopal

Date: 12-8-1985

Seal ·

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 12th August 1985

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/5828.--Whereas, I, S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and property No. 1st floor at H. No. 247, Saket Nagar, Indore (and more fully described in the Schedule nunexed hereto), has been transferred under Section 269-AB of the said Act (in accordance with the procedure prescribed in Rule 48DD of the Income-tax Rules, 1962) (and the statement of transaction of which has been deemed to have been registered under Sec. 269-AB of the Said Act, in the office of the Competent Authority at Competent Authority at Bhopal on January 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the Moresaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than libert per cent o such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- ·(a) facilitating the reduction or evasion of the Itability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, merefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. Sohanløt Wo.Sh. Mahgal Sen Bajaj and Shri Kiran Bajaj, 71, Patrakar colony, Indore.

(Transferor)

(2) Smt. Rukmani Tekchandani, 3, Amber Bld. 13/2, M. G. Road,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Building) 1st floor at H. No. 247 is situated at Saket Nagar, Indore.

> S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tan
> Acquisition Range, Bhopal Aayakar Bhawan, Hoshangabad Rd.,

Date: 12-8-1985

FORM 1.T.N.S.---

(1) M/s. Parijat Cinematic Enterprises (P) Ltd., 170. R.N.T. Marg, Indote.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Bharatkumar Vijayakumar Khajanchi, Khandhi Niwas, Amraoti. (Ambaoti). (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 5th September 1985

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/5900.--Whereas, I, S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No. Shop No. 20 (Ground floor) Jhabua Tower, 170, RNT

Marg, Indore.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Section 269-AB of the said Act (in accordance with the procedure prescribed in Rule 48DD of the Income tax Rules, 1962) (and the statement of transaction of which has been dremed to have been registered under Sec. 269-AB of the Said Act, in the office of the Competent Authority at Bhopal on January 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer:

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(b) facilitating the concealment of any income or any

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 20 (Ground floor), Ihabua tower is situated at . 170, R.N.T. Marg, Indore.

S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhowal
"Ayakar Bhawan", Opp. Maida Mill
Hoshangabad Road, Bhopal

Date: 5-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s, Parijat Cinematic Enterprises (P) Ltd., 170, R.N.T., Marg, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Jayant Goral Phadke, Vosudco Nagar. Indore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL (M. P.)

Bhopal, the 5th September 1985

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/5901.—Whereas, I, S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]

office No. 6-A (1st floor) Jhabua Towers, 170, R.N.T. Marg, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under Section 269-AB of the said Act in accordance with the procedure prescribed in Rule 48DD of the Income-tax Rules, 1962) (and the statement of transaction of which has been deemed to have been registered under Sec. 269-AB of the Said Act, in the office of the Competent Authority at Bhopal on January 1985 for an appreparate population which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by **more** than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of:—

- (a) fatilitating the reduction or evector of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (21 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acaquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the ptfblication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used hereig are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 6-A (1st Floor), Jhabua tower is situated at 170, R.N.T. Marg, Indore,

> S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range, Bhopal
> "Ayakar Bhawan", Opp. Maida Mill
> Hoshangabad Road, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely :--

Date: 5-9-1985

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL (M. P.)

Bhopal, the 5th September 1985

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/5903.—Whereas, I, S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Office No. 6-B (1st floor) Jhabua Towers, 170, RNT Marg.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered has been transferred under Section 269-AB of the said Act (in accordance with the procedure prescribed in Rule 48DD of the Income-tax Rules, 1962) (and the statement of transaction of which has been deemed to have been registered under Sec. 269-AB of the Said Act, in the office of the Competent Authority at Bhopal on Feb. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than Miteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which eaght to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Act, 1957 (27 of 1957):

(1) M/s. Parijat Cinematic Enterprises (P) Ltd., 170, R.N.T., Marg, Indore.

(Transferor)

36691

() Smt. Bondra Mukherji, & Dr. D. Mukherji.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used berein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ffice No. 6-B (1st floor), Jhabua Towers, is situated at R.N.T. Marg, Indore.

S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bhoral "Ayakar Bhawan", Opp. Maida Mill Hoshangabad Road. Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-78—296GI|85

Date: 5-9-1985

FORM No. ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s Parijat Cinematic Enterprises (P) Ltd., Indore.

(Transferor)

(2) Shri Shyamsunder Malpani, Indore, (41/1, South Tukoganj)

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HOSHANGABAD ROAD, AAYAKAR BHAVAN, BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 5th September 1985

Ref. No. IAC/Acq./Bpl./5906.—Whereas, I, S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a Fair Market Value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Office No. 1-A (1st floor) of Jhabua Towers, 170, RNT,

Marg, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under Section 269-AB of the said Act, (in accordance with the procedure prescribed in Rule 48DD of the Income-tax Rules, 1962) (and the statement of transaction of which has been deemed to have been registered under Sec. 269-AB of the Said Act, in the office of the Competent Authority at r. Bhopal on March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, samely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforcasid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gizette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 1-A on 1st floor of Jhabua Towers is situated at 170, R. N. T. Marg, Indore.

> S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Aayakar Bhavan, Hoshangabad Road, Bhopal.

Date: 5-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HOSHANGABAD ROAD. AAYAKAR BHAVAN, BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 5th September 1985

Ref. No. IAC/Acq./Bpl/5907.-Whereas, I, S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Office No. 5 (1st floor) of Jhabua towers, 170, RNT Marg,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Section 269-AB of the said Act, (in accordance with the procedure prescribed in Rule 48)) of the Income-tax Rules, 1962) (and the statement of transaction of which has been deemed to have been registered under Sec. 269-AB of the Said Act, in the office of the Competent Authority at Bhopal on March 1985

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following nersons, namely:-

(1) M/s. Parijat Cinematic Enterprises (P) Ltd., Indore.

(Transferor)

(2) Smt. Krishna Devi Suganchand Agrawal, 91, Imli Bazar, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given h that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 5 (1st floor) of Jhabua Towers is situated at 170, R. N. T. Marg, Indore.

S. C. SHARMA Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Aayakar Bhavan, Hoshangabad Road, Bhopal.

Date: 5-9-1985

FORM IT'NS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 M/s. Parijat Cinematic Enterprises (P) Ltd., 170, R. N. T. Marg, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Ramesh Kumar Gordhandas, 183, Vidhya Nagar, Indore.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE. HOSHANGABAD ROAD, AAYAKAR BHAVAN, BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 5th September 1985

Ref. No. IAC/Acq./Bpl./5908.—
Whereas, I. S. C. SHARMA,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred
to as the 'baid Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs.
Rs. 1,00,0001- and bearing No.
Shop No. 17, 24 & 26-A (Ground floor) of Jhabua towers,
170, RNT Marg. Indees

170, RNT Marg, Indore (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under Section 269-AB of the said (in accordance with the procedure prescribed in Rule 480, of the Income-tax Rules, 1962) (and the statement of transaction of which has been deemed to have been registered under Sec. 269-AB of the Said Act, in the office of the Competent Authority at Bhopal on March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property at aroresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay sax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said preserty may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gasette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chanter.

THE SCHEDULE

Shop No. 17, 24 & 26-A on ground floor of Jhabua towers is situated at 170 RNT Marg, Indore.

S. C. SHARMA Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range. Aayakar Bhavan, Hoshangabad Road, Bhopal.

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I cereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 5-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
HOSHANGABAD ROAD,
AAYAKAR BHAVAN,
BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 5th September 1985

Ref. No. IAC Acq./Bpl./5909.—Whereas, I, S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Shop No. 21 on ground floor of Jhabua towers, 170, R. N. T.

Marg, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Section 269-AB of the said Act, (in accordance with the procedure prescribed in Rule 48DD of the Income-tax Rules, 1962) (and the statement of transaction of which has been deemed to have been registered under Sec. 269-AB of the Said Act, in the office of the Competent Authority at Bhopal on March 1985

- for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:
 - (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
 - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been en which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Parijat Cinematic Enterprises (P) Ltd., 170, R. N. T. Marg, Indore.

(Transferor)

(2) Shri G. S. Jhamad, 45-A, Prem Nagar, Indore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understand:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period 64 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 21 on ground floor of Jhabua towers is situated at 170, R. N. T. Marg, Indore,

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Aayakar Bhavan,
Hoshangabad Road,
Bhopal.

Date: 5-9-1985

(1) M/s. Parijat Cinematic Enterprises (P) Ltd., 170. R. N. T. Marg, Indore.

(Transferor)

NCTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Indranarayan Awasthi, 153, Radio Colony, Indore.

(Transferee)

OFFICI: OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, HOSHANGABAD ROAD, AAYAKAR BHAVAN,

BHOPAL (M.P.) Bhopal, the 5th September 1985

Ref. No. IAC/Acq./Bpl./5910.— Whereas, I, S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the theome-tax Act, 1961 (44 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), there reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 and bearing No. Shop No. 10 on ground floor of Jhabua towers, 170, RNT (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

Marg, Indore,

hand more fully described in the scheduled annexed hereto) has been transferred under Section 269-AB of the said Act, (in accordance with the procedure prescribed in Rule 48DD of the Income-tax Rules, 1962) (and the statement of transaction of which has been deemed to have been registered under Sec. 269-AB of the Said Act, in the office of the Competent Authority at

Bhopal on May 1985

for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in me said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person: 1 amely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in. that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 10 on ground floor of Jhabua towers is situated at 170, R. N. T. Marg, Indore.

> S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Aayakar Bhavan, Hoshangabad Road, Bhopal.

Date: 5-9-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s, Parijat Cinematic Enterprises (P) Ltd., 170, R. N. T. Marg, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Madaulal Anand, S/o. Late Lala Dinanath Anand, 12, Yeshwant Colony, Indore

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACOUISITION RANGE. HOSHANGABAD ROAD, AAYAKAR BHAVAN, BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 5th September 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

Ref. No. IAC/Acq./Bpl./5911.---Wherea3, I, S. C. SHARMA,

whereas, 1, S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Shop No. 23rd/25 on Ground floor, Jhabua towers, 170, RNT

Marg, Indore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Section 269-AB of the said Act, (in accordance with the procedure prescribed in Rule 48DD of the Income-tax Rules, 1962) (and the statement of transaction of which has been deemed to have been registered under Sec. 269-AB of the Said Act, in the office of the Competent Authority at

Bhopal on May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) by any of the aloresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 45 days from the service of notice on the respective persons whichever period expides later;
- (b) by any other person interested in the said immovaable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Shop No. 23rd/25 on ground floor of jhabua towers is situated at 170, R. N. T. Marg, Indore.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Aayakar Bhavan, Hoshangabad Road, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 5-9-1985

FORM ITNS.—

(1) M/s, Parijat Cinematic Enterprises (P) Ltd., 170, R. N. T. Marg,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. & Mrs. Madanmohan Bangia, 10, Sangam, 16, Little Gifts Road, Malabar Hills, Bombay.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HOSHANGABAD ROAD, AAYAKAR BHAVAN, BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 5th September 1985

Ref. No. IAC/Acq. Bpl./5912.—Wherea3, I, S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1261 (43 of 1961) (hereinafter referred to property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000|- and bearing

Shop No. 19 (Ground floor) Jhabua Towers, 170, RNT Marg,

Indore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Section 269-AB of the said Act, (in accordance with the procedure prescribed in Rule 48DD of the Income-tax Rules, 1962) (and the statement of transaction of which has been deemed to have been registered under Sec. 269-AB of the Said Act, in the office of the Competent Authority at

Bhopal on April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair nor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforeand property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by most than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

Shop No. 19 on ground floor of Jhabua Towers, is situated at 170, R.N.T. Marg, Indore.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

S. C. SHARMA Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax. Acquisition Range, Aayakar Bhayan. Hoshangabad Road, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 5-9-1985

Scal:

NATION UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s. Parijat Cinematic Enterprises (P) Ltd., 170, R. N. T. Marg, Indore.

(Transferor)

(2) Smt. Chandrawalibai, 315, North Rajmohalla, Indore.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, AAYAKAR BHAVAN, HOSHANGABAD ROAD, BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 5th September 1985

Ref. No. 1AC/Acq/Bpl/5918.— Whereas, I. S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to at the 'said Act') have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Office No. 3-A. (1st floor) Jhabua Tower, 170, R. N. T.

Mnrg, Indore

79~-296GI[85

find more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under Section 269-AB of the said Act, (In accordance with the procedure prescribed in Rule 48DD of the Income-tax Rules, 1962) (and the statement of transaction of which has been deemed to have been registered under Sec. 269-AB of the Said Act, in the office of the Competent Authority at Bhoval on June. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the s id instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of Indian Income-tax Act, 1922 (11 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act to the following perons, namely :-

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforsaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 3-A on 1st floor of Jhabua Tower is situated at 170, RNT Marg, Indore.

> S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Aayakar Bhavan, Hoshangabad Road, Bhopal.

Date: 5-9-1985

Scal:

(1) M/s. Parijat Cinematic Enterprises (P) Ltd., 170, R. N. T. Marg, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Ameetkumar, S/o. Anilkumar, 315, North Raj Mohalla, Indore.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
AAYAKAR BHAVAN,
HOSHANGABAD ROAD,
BHOPAL (M.P.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Bhopal, the 5th September 1985

Ref. No. IAC/Acq/Bpl|5920.—Whereas, I. S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Office No. 7 on 1st floor of Jhabua Tower, 170, RNT Marg. Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Section 269-AB of the said Act, (in accordance with the procedure prescribed in Rule 48DD of the Income-tax Rules, 1962) (and the statement of transaction of which has been deemed to have been registered under Sec. 269-AB of the Said Act, in the office of the Competent Authority at Bhopal on June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the day of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Office No. 7 on 1st floor of Ihabua Tower, is situated at 170, R. N. T. Marg, Indore,

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range,
Aayakar Bhavan,
Hoshangabad Road,
Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 5-9-1985

FORM ITNS-

(1) M/s. Parijat Cinematic Enterprises (P) Ltd., 170, R. N. T. Marg, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, AAYAKAR BHAVAN, HOSHANGABAD ROAD. BHOPAL (M.P.)

(2) Smt. Sandhya W/o. Maheshkumar, 12, Shastri Market, Indore.

(Transferec)

Bhopal, the 5th September 1985

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/5921,-Whereas, I, S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]—and bearing Office No. 4-B on 1st floor of Jhabua Towers, 170, RNT Marg, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed herto), has been transferred under Section 269-AB of the said Act, (in accordance with the procedure prescribed in Rule 48DD of the Income-tax Rules, 1962) (and the statement of transaction of which has been deemed to have been registered under Sec. 269-AB of the Said Act, in the office of the Competent Authority at Bhopal on June 1985

for an apparent consideration which is less than market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-more than apparent consideration therefor by more for an apparent consideration which is less than the fair said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned :---

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein an are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 4-B on 1st floor of Jhabua Towers is situated at

- (a) facilitating the redunction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

170, R.N.T. Marg, Indore.

S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Aayakar Bhavan, Hoshangabad Road, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: -

Date: 5-9-1985 Seal -

(1) M/s, Parijat Cinematic Enterprises (P) Ltd., 170, R. N. T. Marg, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Sandeep KumarS/o. Sunil Kumar315, North Raj Mohalla Indore.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
AAYAKAR BHAVAN, HOSHANGABAD ROAD, BHOPAL (M.P.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

Bhopal, the 5th September 1985

Ref. No. IAC/Acq/BpI/5922.-Whereas, I, S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]—and bearing No. Office No. 4-A (1st floor) of Jhabua Towers, 170, RNT Marg.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Section 269-AB of the said Act, (in accordance with the procedure prescribed in Rule 48DD of the Income-tax Rules, 1962) (and the statement of transaction of which has been deemed to have been registered Under Sec. 269-AB of the Said Act, in the office of the Competent Authority at Bhopal on June 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to be a property on a forestic description.

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 4-A on 1st floor of Jhabua Towers is situated at 170, R. N. T. Marg, Indore.

> S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Aayakar Bhavan, Hoshangabad Road, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby in tiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Date: 5-9-1985

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE AAYAKAR BHAVAN: HOSHANGABAD ROAD, BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 5th September 1985

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/5923.—Whereas, I, S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act)' have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding ks. 1,00,000 and bearing No.

Agricultural land Rambagh, Ratlam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Section 269-AB of the said Act, (in accordance with the procedure prescribed in Rule 48DD of the Income-tax Rules, 1962) (and the statement of transaction of which has been deemed to have been registered under Sec. 269-AB of the Said Act, in the office of the Competent Authority at Bhopal on March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or avasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transfer; sad/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following Derrotte, Damely :-

(1) Smt. Sarla Kumari W/o Shri Vardhaman Dafaria, R/o Rituvan, Rambagh, Ratlam.

(Transferor)

- (2) (1) Mohammed Hussain
 - (2) Yunusali(3) Shabbir Hussain
 - (4) Ishaqali,
 - All minors Through their natural guardian, father Najmuddin Abbasbhai Pakawala, Ratlam.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter-

THE SCHEDULE

Agricultural land is situated at Rombagh, Ratham. This is the immovable property which has been described in form No. 37EE duly verified by the transferee.

> S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Aayakar Bhavan, Hoshangabad Road, Bhopal.

Date: 5-9-1985

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AAYAKAR BHAVAN HOSHANGABAD ROAD, BHOPAL (M.P.)

Bhogal, the 5th September 1985

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/5924.—Whereas, I, S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing No. Land & Servant quarters near Mun. Street No. 18, Rambagh, Ratlam.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Section 269-AB of the said Act, (in accordance with the procedure prescribed in Rule 48DD of the Income-tax Rules, 1962) (and the statement of transaction of which has been deemed to have been registered under Sec. 269-AB of the Said Act, in the office of the Competent Authority at Bhopal on February 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persona. namely :--

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Seal:

(1) Smt. Sarla Kumar W/o. Shri Vardhaman Dafaria, R/o, Ritu Van, Rambagh, Ratlam.

(Transferor)

(2) Smt. Zarinabai W/o Najmuddin Pakawala, R/o. Taherpura, Ratlam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land with servants quarters is situated near Municipal Street No. 19, Rambagh, Ratlam.

> S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Anyakar Bhavan. Hoshangabad Road, Bhopal.

Date: 5-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4|14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/1-85/643.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

built house on plot No. K-21, mg. 311 situated at sq. yds. situated at Kailash Colony, New Delhi-48

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at

of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in January 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the conceelment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Parkash Kumari w/o Sh. Kartar Singh Chander, Resident of K-21, Kailash Colony, New Delhi-48.

(Transferor)

(2) Smt. Neena Scth, w/o Sh. Satish Seth, R/o G-1/16, Darya Ganj, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A single storcy built house on Plot No. K-21, measuring 311 sq. yards situated at Kailash Colony, New Delhi 48.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-J,
Delhi/New Delhi

Date: 12-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Sh. J. C. Malhotra, L-346, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Aarohi Apartments (P) Ltd., E-207, Greater Kailash-II, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I AGGARWAI, HOUSE, 4|14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/1-85/644.-Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. M-78, Greater Kailash-II, mg. 501 sq. yds. situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in January 1985 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;---

- (n) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The and expressions used terms herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Property No. M-78. Greater Kailash-II, New Delhi, measuring 501 sq. yds.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following margens, mainely :--Seal :

Date: 12-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISTTION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4|14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/1-85/645.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the "said Act") have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Property No. S-439. Greate: Kailash-I, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in January 1985 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

80—296GI|85

(1) Mrs. Swaroop Kaur w/o Harbans Singh Baxi, R/o 131, Palika Bazar, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Dany Diary and Food Engineers Pvt. Ltd., Dehradun Road, Saharanpur, through its Director Mrs. Nargis Malik.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a peried of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Second Floor (Barsati floor) of Property No. S-439, Greater Kailash-I, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Date: 12-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 12th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-IJI/1-85/647.--Whereas, J. R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act') have reason to believe that the immovable

transfe with the object of :--

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. G. F. and Basement floor of property No. S-170, situated at Greater Kailash-II, New Delhi, mg. 45% of 300

sq. yds.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at

New Delhi in January 1985 market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

w) facilitating the reduction or evasion of the imbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer! and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property b) he is no if this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following sorrous namely :--

(1) Miss Seema Aggarwal D/o Sh. S. P. Aggarwal R/o E-482, Greater Kailash-II, New Delhi-48.

(Transferor)

(2) Mrs. Parminder Berry W/o Sh. P. R. Berry, Master Pankaj Berrt & Master Necraj Berry, R/o 328, Lajpat Nagar, Jullunder, (Punjab).

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of A5 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Ground Floor & Basement Floor of property No. S-170. Greater Kailash-II, New Delhi, mg. 45% of 300 sq. yds.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1 Aggarwal House 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 12-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

4.4:FICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 12th September 1985

Ref. No. 1AC/Acq.1/SR-111/1/85/648.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-Plot No. 3, Block No. A, area 200 sq. yds, situated at N.D.S.E. Part-I, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in January 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfers andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely .--

- (1) Sh. Shiv Prahlad Singh Sh. Shiv Franka Singh S/o Sh. Dewari Singh, R/o House No. 112, Hari Nagar (Tihar) D. D. A. Flats, New Delhi,
- (2) Sh. Vijay Kumar S/o Shri Satpal Vir, Smt. Kiran Devi W/o Sh. Pawan Kumar, R/o 168, III-C, Nehru Nagar, Gaziabad.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Free hold plot No. 3, Block No. A, area 200 sq. yds. situated at N.D.S.E, Part-I, New Delhi-48.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 12-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-J, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/1-85/649.--Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Property No. II-P 63, Lajpat Nagar, mg. 100 sq. yds.

situated at New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annoxed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in January 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeraid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 et 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(1) Sh. Ram Swarup Dua II-E/49, Lajpat Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Bimla Rani W/o late Ajit Singh R/o II-F/63, Lajpat Nagar, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the cente of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SHEDULE

II-F/63, Lajpat Nagar, New Delhi, mg. 100 sq. yds,

R. P. RAIFSH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1 Aggarwal House 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely :-

Date: 12-9-1985

FORM ITNS-

NCTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I. AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th September 1985

Ret. No. IAC/Acq.1/SR-III/1-85/650,---Whereas, I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing projecty No. A./464, Defence Colony, New Delhi, rng. 226

situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the regis ering Officer at New Delhi in January 1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; aud/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for-the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following rersons, namely :--

(1) Shri Sohan Lal S/o Sh. Thakur Dass R/o C-160, Hari Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Harbans Kaur W/o S. Gurnam Singh Kaloty, R/o C-1 & 3, Karbala Colony, Lodhi Road, New Delhi.

(Transferec)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property measuring No. A/464, Defence Colon, New Delhi, measuring 226 sq. yds.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 12-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/1-85/652.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

Property No. E-607, Greater Kailash-II, mg. 100 sq. ft. situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in January 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the surposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Sh. H. L. Sekhari
 S/o Sh. M. L. Sekhari
 as Karta of M/s. H. L. Sekhari HUF.
 R/o 217, D. D. A. Flats, Haus Khas,
 New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Saroj Sabarwal, W/o Sh. Inder Raj Sabarwal, R/o S-405, Greater Kailash-I, New Delhi-48.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this action in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential Flat on the Second Floor in the rear portion of property No. F-607, Greater Kailash-II, New Delhi, mg. 1100 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 12-9-1985

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE (NCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Smt. Harbans Kaur Narula W/o late Ram Singh Narula R/o 9914, Parda Street, Nawab Ganj. Pul Bangash, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Hans Raj Mehta S/o Atam Prakash R/o D-196. Defence Colony, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.1/SR-III/1-85/653.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market salue exceeding Rs. 1,00,000]—and bearing Plot No. 46, NH-IV. Part-IV, National Park, situated at Lajpat Nagar, New Delhi, mg. 200 sq. yds. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in January 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the apparent consideration therefor by more said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (a) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 46, NH-IV, Part-IV, measuring 200 sq. yds. National Park, Lajpat Nagar, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 12-9-1985

 M/s. Bhagwati Builders, E-588, Greater Kailash-II, New Delhi,

(Transferor)

(2) Smt. Satya Rani Dang, W/o Late Lachhman Dass, R/o 1c-National Park, New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I. AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III|1-85|654.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Second floor of property No. E-101, Gr. Kailash-II, situated at New Delhi, measuring 1350 sq. ft. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at

New Delhi in January 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Second floor flat of Property No. E-101, Greater Kailash-II, New Delhi, mg. 1350 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 9-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I. AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.1/SR-III/1-85/655.—Whereas, I, P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-

and bearing No.

21 storeyed bldg, No. D-42, in N.D.S.E.I, situated at New Delhi, mg. 143 sq. yds.

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in January 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid preperty, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: ied/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be distincted by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1923 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followthe persons, namely :---81---296GI[85

(1) Mr. Sham Sunder Thukral, Mrs. Manorma Thukral, both R/o D-42, N.D.S.E. Part-J, New Delhi-49.

(2) M./s. Ajantas Shilpalaya (P) I.td., A.6, Ring Road, N.D.S.E. Part-I, New Delhi.

(Transferor)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be peade in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

21 storey bldg. No. D-42, in N.D S.E. Part-I, New Delhi-49, measuring 143 sq. yds.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 12-9-1985

Soal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUITTION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/1-85/655.—Whereas, I, R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing 1 o.

D-395, 20 force Colony, mg. 354 sq. yds. situated a. New Delhi

fond more folly described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Cilice of the registering Uniter at New Deihi in January 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afcresaid property and I have reason to believe that the fact market value of the property as aforeand exceeds in imparent consideration therefor by more than the consideration to such apparent consideration and that the consideration to such transfer as agreed to between the parties has no, been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the corr alment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (2'f of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Lt. Col. Kartar Singh 72/A. Jawahar Quarters, New Begam Bridge, Meerut,

(Transferor)

 Ur per Ganges Sugar & Inds. Ltd., 9/1, R. N. Mukherjee Road, Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice is the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property No. D-395, Defence Colony, New Delhi, admeasuring 354 sq. yds.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 12-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4/14A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 13th September 1985

Ref. No. IAC|Acq.1/SR-III/1-85/657.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

Property No. E-605 Greater Kailash-II, mg. 969 sq. ft.

situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in January 1985

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by

more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Pradcep Shankar Bhatt and Ashish Shankar Bhatt Ss/o Amba Shankar Bhatt, through attorney batish Seth R/o G-1/16, Darya Ganj, New Delhi.
- (2) Sudhakar Sharma S/5 Nandla! Sharma and Smt. Rupinder Sharma W/5 Sudhakar anatma, S-21, Greator Kailash-I, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATIONS—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Frist floor rear portion of property No. E-605, Greater Kailash-II New Delhi, measuring 696 sq. ft.

R. P.- RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi.

Date: 13-9-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Urmilla Devi 6, Panch Sheil Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) Rohit Tower Building Ltd. 28, Najafgarh Road, New Delhi-15.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4/14A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 12th September 1985

No. IAC/Acq.I/SR-III/ (-85/659.--Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority being the Competent Authority under Scetion 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), thereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000]—and bearing No. 6, Prithvi Raj Road, area 2.52 acres situated at New Delhi (area about 5000 sq. ft.) (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in January 1985 which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value

perty and I have reason to believe that the fair market value If the property as aforesaid exceeds the apparent considera-tion that for by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; **without**

(b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

6, Prithvi Raj Road, New Delhi Total area-2.52 acres.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1 Aggarwal House
4/14A Asas Ali Road, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the same act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesain property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 12-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4/14A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 12th September 1985

Ref. No. ACI/Acq I/SR-III/1-85/660,—-Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'suid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Property No. S.267, Greater Kadash-II, situated at New

Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in January 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said foresaid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act. to the following Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the persons namely :-

(1) Shri Ashok Vohra 8/1 South Patel Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Pankaj Khushwaha S/o S. S. Khushwaha, R/o B-6/S, Local Shopping Centre, Safdarjung Enclave, New Delhi. (Transfere

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetto or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat on First Floor Part of Property No. S-267 Greater Kailash-II, New Delhi.

P. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition knage-1 Aggarwal House
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi,

Date: 12-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4/14A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Deihi, the 12th September 1985

Ref. No. IAC|Acq.1/S.2-HII/1-85/661—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property having a fair market value exceeding R₃, 1,00,000|- and bearing Plot No. A-253, Defence Colony, New Delhi situated at

New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been travelerred under the Registration Act, 1908

of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in January 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fuir market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration herefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument [transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to ρay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Sh. Pritpal Singh S/o Shri Trilochan Singh, 57, Hemkunt, New Delbi.

(Transferor)

(2) The India Assurance Co. Ltd., Gulab Bhawan, 6. Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which have a period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetti.
- I APLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No A-253, Defence Colony, New Delhi.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 209D of the said Act, to the following persons namely :---

Date: 12-9-1985

Scal:

R/o 7/20, Daryaganj Delhi-2.

(2) Mohan Lal Shangari,

(1) Shri Mohan Lai Soneja,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mohan Lai Shangeri, R/o C-II/34, Lajpat Nagar, New Delhi. (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

UFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4/14A, ASAF AU ROAD NEW DELRI

New Delhi, the 12th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.L SR-III/1-85/662.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value of Rs. 1,00,000|-and bearing No.

and bearing No. Govt. build property No. C-II/34, Lajpat Nagar, situated at New Delhi measuring 150 sq. you.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in January 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or

(h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Cfficial Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Govt. built property No. C-II/34 Lajpat Nagar, New Delhi, mg. 100 sq. vds.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi.

Date: 13-9-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4/14A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 13th September 1985

Ref. No. IAC|Acq.I/5R-III, 1-85/663.—Wheresa, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (Sectionafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 4,00,000/- and bearing No.
M-114, Greater kaitash-11, New Delhi-48, mg. 505 sq. yds. situated at New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in January 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that he consideration for such transfer as a parcel to between the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

> of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere two the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri Niranjan Dass Schgal Shri Surinder Kumar Schgal, R/o H-40/C, Saket, New Delhi-17.

(Transferor

(2) Shri Gurcharan Singh Arora Smt. Jagdish Arora R/o M-114, Greater Kailash-II New Delhi-48. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as tare defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. M-114, Greater Kailash-II, New Delhi (Second Floor), mg. 505 sq. yds.

R. P. RAJFSH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14A Asaf Ali Rond, New Delhi

Date: 13-9-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION KANGE-I AGGARWAL HOUSE 4/14A, ASAF ALL ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 11th September 1985

Ref. No. IAC|Acq.I|SR-III|1-85|664.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of

the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-Rs. 1,00,000]- and bearing
No. Property No. B/85-A, mg. 100 sq. yds. situated in Kalkaji, New Delhi

Kalkaji, New De'hi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the registering Officer at
New Delhi in January 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said instrubetween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

ra) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(10) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuan e of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Ast, to the following TYPERMINE, BAIDSLY 7-\$2-296GI|85

(1) Sh. Surendra Kumar Taneja, Sh. Shanu Sroope Toneja Ss/o late Sh. Shri Dhan and Smt. Shila Taneja. & others R. o. 389, Gagan Vibar, New Delhi. (Transfero.

(2) Shri Om Prakash Rakheja S/o Late Sh. Kanahiya Lal R > 5/85-A, Kalkaji, New Delhi.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shell have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing No. B/85-A, measuring 100 sq. yds. situated at Kalkaji, New Delhi.

R. P. RAJESH Competent Authority setting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi.

Date: 11-9-1985

FORM LT.N.S ---

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISTTION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.I|SR-III/1-85|665.-Whereas, I. R. P. RAESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 98, Block S Gr. Kailash-II, mg. 300 sq. vds.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in January 1985

in January, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than Streen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer. und/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Gurbachan Singh Bhasin, s/o Harnam Singh Bhasin, r|o 9|6, Kalkaii Fxtn, New Delhi, through general attorney Amarjeet Singh Bhasin. (Transferor)

(2) S/Shri Harbhajan Singh Narula, s/o S. Mohinder Singh and S. Gurvinder Sngh Narula, S/o S. Harbhajan Singh Narula, r/o 29/6, West Patel Nagar, New Delhi. (Transfereb)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this setise in the Official Gasette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions in as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 98, Block 'S' measuring 300 sq. yds. Greater Kailash-II, New Delhi.

R. P. RAIFSH

Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Aggarwal House 4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;---

Date: 9-9-1985

Scal:

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.I|SR-III/1-85|666.—Whereas, I, R. P. RAESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Property No. O-II|26, Lajpat Nagar, mg. 200 sq. yds, situated at New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto) Property No. O-11/26, Lajpat Nagar, mg. 200 sq. yds. situated has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in January 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparat consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-iax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:--

(1) Ram Chand Bhatia, s/o late Ghen Shyam Das, r|o 6|21, East Patel Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Thakurdas, s/o Shri Gurdinomal Dadwani, R/o 39/24, Old Rajinder Nagar, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 day; from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 1-II/26, measuring 200 sq. yds. Lajpat Nagar, New Delhi.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Aggarwal House 4/14A. Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 9-9-1985

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSL. 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/1-85/667.—Whereas, I, R. P. RAESH,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Property No. I-D/162, Lajpat Nagar, mg. 100 sq. yds.

situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in January 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act. is
respect of any income arising from the transfer
andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 260°D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shr' Gurbuy Singh,
 S/o Shri Pardhan Singh,
 R/o 1-17/162, Lajpat Nagar,
 New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Shashi Gaba. w/o Shri Ramesh Kumar Gaba, f/o IA-211, Lajpat Nagar, New Delhi.

(Transic) ce7

Objections, if any, to the acquisition of the said preparty may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing No. I-D/162, Lajpat Nagar, New Delhi, mg. 100 sq. yds.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1, Aggacwal House
4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 9-9-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4 14-A, ASAL ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th September 1985

Ref. No. 1AC/Acq.1/SR-111/1-85/670.—Whereas, I, R. P. RAESH,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Rs. 1,00,000/- and bearing G.F. (1). Portion) Property No. E-540, Gr. Kailash-II, situated at New Delhi, measuring 950 sq. ft. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in January 1985. For an apparent consideration which is less than the fair market value of the atorgaid property, and I have reason to

market value of the aforsaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :- .

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income urising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or say moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Bhatia Apartments, A-18, Kailash Colony, New Delhi, through its partner Smt. Raj Kumar Bhatia. (Transferor)

(2) Miss Parkash Kumari d/o late Shri Lakha Singh, R/o E-540, Greater Kailash-II. New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by a of the aforesaid persons within a period or 4.5 says from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the put vation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ground Floor (Grant Portion) residential Flat measuring 950 sq. ft. in property No. E-540, Greater Kailash-II, New Delhi.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Agentwal House 4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afcresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 12-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX AC ! : :941 (43 OF 1961).

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.1/SR-III/1-85/671.—Whereas, I,

R. P. RAESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the izamovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing House No. i-B/109, Lajpat Nagar, New Delhi, mg. 100 sq.

yds. situated at New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in January 1985 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) tactlitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Ax. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the scal Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. Rati Bai, W/o Late Shri Ishwar Dass, R/o I-B/109, Lajpat Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sardar Ram Singh. Sardar Rain Singh,
S. Labh Singh and
S. Joginder Singh,
all ss/o S. Gian Singh,
WZ-III, A/112, Vishnu Garden Extension, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this messes in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

House No. I-B/109; Lajpat Nagar, New Delhi, measuring 100 sq. yds.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Aggarwal House 4/14A. Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 11-9-1985

NUTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE ENCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IA R. P. RAESH, IAC/Acq.J/SR-ΠΙ/1-85/672.—Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Plot No. F/106, Greater Gailash-II, mg. 251 sq. ft. situated at New Delhi

at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed herto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in January 1985 tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the market consideration therefor by more than

exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tast under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

(b) facilitating the concealment of any income or any mosseys or other assets which have not been or any mosseys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weakh-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Smt. Ratender Kaur,

w/o Shri Deepak Singh Khullar, 13/0 W-19 Greater Kailash-I,

New Delhi-48.

(Transferer)

(2) Shri Sunder Das Girdhar, D/41. Amar Colony, Lojpat Nagar-III. New Delhi.

(Transforce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice or the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

harplanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning us given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. E/106, Greater Kailash-II. New Delhi, measuring 251 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-I, Aggarwal House 4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :--

Date: 9-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE (NCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 12th September 1985

Ref. No. IAC|Acq.I|SR-III|1-85|672-A.-Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding
Rs. 1.00,000 / and bearing
Plot No. 1546, Chitranjan Park, New Delhi mg. 233 sq. yd.

simpled at New Delhi

situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in January 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent. more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesain property by the issue of this notice under sub-Section (4) of Section 269D of the said A at, to the following persons, namely :-

(1) Sh. Sukumar Bose S/o Sh. B. K. Bose, R/o 1546, Chitranjan Park, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Shanti Roychoudhury
W/o Sh. D. N. Roy Choudhury,
2. Sh. Arup Roy Choudhury,
R/o A-145, Lajpat Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazotte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 1546 Chitranian Park, New Delhi, mg. 233 sq. vds

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14A, Asaf Ali Road New Delhi

Date: 12-9-1985

FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Mrs. Bimla Kapoor w /o Late Sh. Jagmohan Kapoor, C-407, Oragati Vmar, New Delhi-2.

(Transferor)

(2) Mr. B. K. Bhuwania and Mrs. Meena Bhuwania, E-139, Masjid Moth, New Delhi-48.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AĞGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 12th September 1985

Ref. No. IAC|Acq.I|SR-III|1-85|672-B.-Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00 0001- cn³ being No Property No. M-33. Greater Kailash-II, mg. 250 sq. yds.

situated at New Delhi (and more tuny as a bed in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in January 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than diffeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the da e of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter-

THE SCHEDULE

Property No. M-33, Greater Kailash-II measuring 250 sq. vds.

> R. P. RAJESH Competen: Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-I Agrarwal House 4/14A, Asaf Ali Road New Deini

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the and Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by he issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

83—296GI 85

Date: 12-9-1985

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 11th September 1985

Ref. No. IAC|Acq,I|SR-III|1-85|672-C.—Wher as, I, R. P. RAJESH,

being the competent Au hority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) thereinafter referred to as he 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1000001- and bearing No.

J-1919 Chirmpjan Park, New Delhi, mg. 233 sq. yds. situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Rigistr tion Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in January 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or we right to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now therefore m pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the afterested property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. B. P. Mukherjee, 4 14, W.E.A. Karol Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) M. Sant Talapatra, J-1919, Chittranjan Park, New Delhl.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said interested able pro crty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

J-1919, Chittranjan Park, New Delhi, mg. 233 sq. yds.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I
Agrarwal Hous
4/14A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date : 11-9-1985 Seal : FURM IINS-

(1) M/s. Kailash Nath & Associates. 1006, Kanchenjunga, 18, Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACL 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Gautam Dev Sharma and Mrs. Usha Sharma, R/o F-71 Bhagat Singh Market, New Delhi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-1 AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC|Acq.I|37EE|1-85|1451.—Whereas, L. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00 0001 and bearing No. Space No. 415.19 Barakhamba Road, New Delhi, mg. 500

sq. ft. situated at New Delhi

(and more furly described in the schedule annexed hereto), has been transfer ed under the Income Tax Act, 1961, in the Office of the registering Officer at IAC/Acq, Range-I, New Delhi in January 1985 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to Lileve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said mastrument of wanner with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this injust in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .- The terms and expressions used herein 44 are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the ame meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office space No. 415, admeasuring 500 sq ft. on 4th floor of p.oposed commercial multi-storeyed building Arunachal at 19, Barakhamba Road, New Dtlhi-1.

> R. P. RAJESH Computen: Authority Inspecting Assistant Commiss'c Acquisition Range-I Agrarwal House 4/14A, Asaf Ali Road New Delhi

Date: 9-9-1985

FORM LT.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-LAX,

> ACQUISITION RANGE-I AĞGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC|Acq.I|37EE|1-85|1449.-Whereas, 1. R. P. RAJESH,

being the competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reterroll to us the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding ks. 1,00 000|- and bearing No. Basement B-14, 90, Nebru Place, New Delhi, mg. 424 sq. ft.

situated at New Delhi

(and more tuny described in the Schedule annexed hereto), has been transfer of under the Income Tax Act, 1961, in the Office of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I. New Delhi in January 1985

r an apparent consideration which is less than the ir market value of the aforesaid property and I have alson to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- 'a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any specime arising from the transfer, nnd for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been ex which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (2) of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) M k. Sidharth, through its rartner Mrs. Bala Batra. R/o B-4, Mansarover, 90, Nehru Place, New Delhi-19.

(Transferor)

(2) Mrs. Kavita Saval and Sh. C. L. Syal, R o E-275, Greater Kailash-IJ, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as give by that Chapter.

THE SCHEDULE

Basement No. B-14, measuring 424 sq. ft. in 'Mansarover' 90, Nehru Place, New Delhi.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissio Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14A, Asaf Ali Frad New Delhi

Date: 9-9-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE OME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

DEFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.I 37EE/1-85/1452.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

K. F. KAJESH,
being the section Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the Said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000;—and bearing INO.
Flat No. 708, at 17, Tolstoy Marg, New Delhi, mg. 361 sq. ft.
signated at New Delhi.

situated at New Delhi

(and more turly described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at IA./Acquisition Range-I, New Delhi in January, 1985

to an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-88 3 exceeds the apparent consideration therefor by than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect or any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following serious, samely :-

(1) Miss Rina Anand (Minor) U/g. Dr. (M.s.) J. Anand, R/o E-11, Defence Colony, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. S. N. Sehgal Solate Mr. J. N. Sehgal, Mrs. Saraljit W/o Mr. S. N. Sehgal, Miss Shinika Sehgal (Minor), Master Sumit Sehgal (Minor), D-II /78 Kaka Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the respective person. whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immer-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used hereis as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 708, on 7th floor in 17, Tolstoy Marg, New Delhi, measuring 361 sq. ft,

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incom-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14A, Asaf Ali Road New Delhi

Parte : 9-9-1985

Seel :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITIO RAGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC|Acq. 1/37EE/1-85/1454.—Whereas, I R. P. RAJESH,

being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a rair market value exceeding Rs. 100,000[- and bearing

Plot No. 7, Block No. 2, known as 3, Aurangzeb Road, situated at 4, Prinnyi Kaj Road, New Delhi

(and more fully described in he Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at

InC/Acq. Range-1, on rannary 1985
for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the varies has not been truly stated in the

eard instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability or the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any means arming from the unvalue; and/or

(b) facili'uting the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indan Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sh. Bijoyananda Patnaik, 3, Aurangzeo Aoad, new Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Decent Constructions & Properties (P) Ltd. 22, Baiaknamba Road, New Deln.

(Translerce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .--

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of the large from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 50 days with the service of notice on the respective persons whichever period captres later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 7, Block No. 2. known as 3, Aurangzeb Road, 4, Prihvi Raj Road, New Delhi, measuring 3071 sq. yards.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4/ 14A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I now by intrate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-9-85

Seel:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sh. Bijoyananda Patnaik, 3, Aurangach Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) M|s. Tej Properties (P) Limited. 22, Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME:TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HO 4/14-A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq. I/37EE/1-85/1455.—Whereas I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that he immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Plo . o / Block No. 2, 3, Aurangazeb Road, mg. 2535 sq. yd. situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has ben transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at

IAC/Acquisition Range-I on January, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the a oresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration herefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been 'ruly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand or

(b) facilitating the concealment of any income or any students or other smets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. Whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said ammovable p operty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaze,te.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 7. Block No. 2. Known as 3. Aurangzeb Road, 4, Prithvi Raj Road, New Delhi, mg. 2535 sq. yds.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I 4/14A Esaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 9-9-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-IAX,
ACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC|Acq. I/37EE/1-85/1456.—Whereas I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

Flat No. C (B) BF-4, 15, Ishwar Nagar, Okhla Indl. Area situated at New Delhi, mg. 1042 sq. ft.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC/Acquisition Range-I,

on January, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Zakaria Shahid Impex (P) Ltd., Zakaria House, Peergnaib St. Moradabad-244001. (U.P.).

(Transferor)

(2) Mohd. Zafar Nadeem Shamsi s/o Sri Mohd. Shahid Shamsi, Zakaria House, E-37, Kalandi Colony, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisit on of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 50 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Approx. area 1042.57 sq. ft. Busement No. 'C' BF-4, 15, Ishwar Nagar, Okhla Industrial area, New Delhi.

R. P. RAVESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-ax
Acquisition Range-1
Agearwal House
4/14A Esaf Ali Road, New Delhi

Date: 9-9-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. [AC/Acq. I/37EE/1-85/1457.—Whereas I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. C(GF-3) 15, Ishwar Nagar, Okhla, Ind. Area situat-

Flat No. C(GF-3) 15, Ishwar Nagar, Okhla, Ind. Area situated at Phase-III, New Delhi, measuring 1090.57 sq. ft. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC/Acq. Range-I, on January 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by most apparent consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee to the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

84—296G!!85 (1) Sh. Zakaria Shahid Impex (P) Ltd. Zakaria House, Peergliaib St., Moradabad-244001.

(Transferor)

(2) Maryam Javed d/o Sh. M. S. Javed C/o Zakaria House, F-37, Kalandi Celony,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetto.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Approx. covered area of 1090.57 sq. ft. ground floor flat No. 'C' GF-3, 15, Ishwar Nagar, Okhla Industrial area phase-III, New Delhi-49.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14A Esaf Ali Road, New Delhi

Date: 9-9-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONED OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC|Acq. I/37EE/1-85/1458.—Whereas I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the iranovable property, having a fair market value exceeding

able property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00.000|- and bearing No.
GF-4, 15, Ishwar Nagar, Okhla Indl. Area, mg. 1090 sq. ft.
situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at JAC/Acq. Range-I, on January 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the anid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Zakaria Shahid Impex (P) Ltd., Zakaria House, Peerghaib St; Moradabad-244001, (U.P.)
- (2) Sh. Mohd. Ahmer Shamsi s/o Sri Mohd. Abbas, Shamsi, Zakaria House, E-37, Kalandi Colony, New Delhi.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Apprex. 1090.57 sq. ft. Ground Floor Flat No, 'C' GF-4, 15, Ishwar Nagar, Okhla Indl., Area Phasc-III, New Delhi-20.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14A Esaf Ali Road, New Delhi

Date: 9-9-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF 1HE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferor) (2) Mrs. Sujata Dewan wo Shri Surinder Kumar Dewan and Mrs. Roopa Dewan wo Sh. Shiv Kumar Dewan, Both Ro A-346, Defence Colony, N. Delhi-24.

(1) Shri Gian Chand Ahuja slo Late Sh. S D. Ahuja, R/o E-9, Greater Kailash-I, New Delhi-48.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I, AĞĞARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC|Acq|1|37EE|1-85|1459.—Whereas I, R. P. RAJESH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 102, 16, Kundan House, Nehru Place, mg,

284 sq.ft. situated at New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transfered under the I.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I, in January 85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesa'd property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

> 1) facilitating the reduction or evasion of the listbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or wich ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wesith-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act(I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 102, measuring 284 sq. ft. on first floor, in Building No. 16, Kundan House, Nehru Place, New De hi-19.

> R P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House, 4 14A Asaf Ali Road, New Delhi.

Date: 9-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sh. Stanislavs Johannes Barnard Gousalves, R]o S-170, Greater Kailash-II. New Delhi. (Transferor)

(2) Smt. Parkash Kumar E-540, Greater Kailash-II, New Delhi. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OF FICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 4/14-A. ASAI ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC Acq I 37EE 185-1461.—Whereas, I, R. P. RAJESH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereiasfter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Le540, Greater Kailash-II, New Delhi, mg. 925 sq. ft.

situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the L.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I, in January 85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeparties has not been truly stated in the said instrument said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Inco ne-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of ground floor at E-540, Greater Kailash-II, New Delhi, mg. 925 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afor said property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 4|14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELTH New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC|Acq.I|1-85|37EE|1462.—Whereas I, R. P. RAJESH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 1324, at 89, Nehru Place, New Delhi, mg. 150 sq. ft. situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the I.T. Act 1061 in the Office of the registering Officer at IAC|Aeq. Range I, on January 85 for an apparent consideration which is ess than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the preperty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitten per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer vith the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the iability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Inco ne-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Skipper Sales Pvt. Ltd., 22, Barakhamba Road, New Delhi,

(Transferor)

(2) Miss Simran Anand (Minor) Late Ltd. Col. R. S. Anand (Retd.) E-11, Defence Colony, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this no ice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1324, at 89, Nehru Place, New Delhi, measur 150 sq. ft.

R. P. RAESH
Competert Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 9-9-1985

Seal ·

NOTICE UNDER SECTION ASD(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M|s Kailash Nath and Associates 1006, Kanchenjunga, 18, Barakhamba Road. New Delhi-110001.

(Transferor) (2) Mr. Sanjeev Trehan,

B-540, New Friends Colony, New Delhi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, 4]14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th September

Ref. No. IAC|Acq.1|37EE|1-85|1464.—Whereas I. R. P. RAJESH

being the Competent Authority under Section 269B of the as the said Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act,), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000—and bearing

No. Open Car Parking Space in 19, B. K. Road, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the LT. Act 1961 in the Office of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I, in January 85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incone-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property ty be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the: Chapter.

THE SCHEDULE

One open car parking space in the Lower Basement proposed multi-storeyed commercial building, ARU proposed multi-storeyed commercial bu CHAL 19, Barakhamba Road, New Delhi building, ARUNA-

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commission r of Income-tax Acquisition Range-I, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforest id property by the issue of this actice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 11-9-1985

Seal ;

(1) M|s. Jai Chemicals, 14/1, Malhura Road, Faridabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Pearl Housing (India) (P) 11d., 204. Rohit House, Tolstoy Marg, New Delhi-1.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 4]14- Λ_{π} ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC|Acq.1|37FE|1-85|1465.--Whereas I, R. P. RAJFSH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Flat No. 10-A, 16, Barakhamba Road, mg. 1000 sq. ft. situated at New Delbi

situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transfered under the I.T. Act 1961 in the Office of of the registering Officer at LAC/Acq. Range-I, in January 85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property at aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act. in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Obsessions, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 10-A (1001) DCM Building at 16, Barakhamba Road. New Delhi-1, measuring 1000 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, New Delhi

Date: 9-9-1985

(Transferor)

(Transferee)

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMF-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 4 14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC|Acq.I|37EE|1-85|1466.—Whereas, IR. P. RAJESH

being the Competent Authority under Section 259B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Es. 1,00,000/and bearing No.

and bearing No.

No. Flat No. 10-D, DCM, Bldg., 16, B K, Road, mg. 1000 sq. ft situated at New Delhi
(and more fully described in the Schedule annixed hereto) has been transfered under the l.T. Act 1961 in the Office of of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I, in January 85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have leason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922, (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

(1) IIIs Proc. Associate, (P) Ltd. A-39, ND in Parch, New Delhi.

(2) Mls Anot Admitments (P) Ltd., 21d of nat Higgs Telstoy Marg, New Deibi-1

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 10-D. DCM Building at 16, Barakhamba Road, New Delh:-1, measuring 1000 sq. ft.

R. P. RAJESH Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 9-9-1985

FORM I.T.N.S. 187-

Carried Carried Street, Francis Carried Carrie

(1) Shri Sarosh Pasricha, G-3, Mahareni Bagh, New Delhi.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferor) (2) Mrs. Rekha V.j w o Sh. Ramesh K. Vij and Masters Rajnesh Vij & Lalit Vij both ss/o Sh. Ramesh K. Vij of A-5/1, Rana Pratap Bagh, Delhi.

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 4|14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC|AcqJ|37EE|1-85|1468.—Whereas I R. P. RAJESH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000|- and bearing
No. 1-lat No. B-52. Himalaya House, 23, K.G. Marg, situated at New Delhi, mg. 1778 sq. ft.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transfered under the I.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I, on January 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believed that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with hie object of :--

- (a) by any of the aferesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in

(a) faciliating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneye or other sesets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1967):

Flat No. B-52 on the 5th floor of Himaloya House, 23, K.G. Marg, New Delhi, mg. 1778 sq.ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this natice under subscition (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

85—296GI|85

Date: 9-9-1985

Scal:

(1) Mrs. Kusum Khanna, B|24, Sector-5, Rourkelya, ORISSA-769002.

(Transferor)

(2) Smt. Raman Kakkar & Sh. Rabinder Kumar Kakkar, Kakkar cold storage, G.T. Road, Jalandhar Cantt.

(Transferee)

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 260D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, 4 14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC|Acq.I|37EE|1-85|1469.-Whereas I, R. P. RAJESH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]—and bearing
No. Flat No. 102, E-492, Gr. Kailash, New Delhi, mg. 1705 sq.ft. situated at New Delhi 1795 sq.ft. situated at New Delh (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transfered under the I.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at JAC/Acq. Range-I, on January 1985 for an apparent consideration which is less than the fair narket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion o fthe liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

ExPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 102, E-492, Greater Kailash-II New Delhi, measuring 1795 sq.ft.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, New Delhi

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under susception (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 9-9-1985

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Br g. Stanley Gonsalves, 101, Bhatia Apartments, E-540, Gr. Kallash-II, (Transferor)

(2) M|s. Shree Dhar Carpets (P) Ltd. 21, Patel Nagar Colony, Varansi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I. 4 14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC|Acq.I|37EE|1-85|1470.--Whereas I, P. RAJESH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. No. Flat No. I-605, Som Vihar, R. K. Puram, New Delhi situated at Naw Palls

No. Fiat No. 1-603, Som Vinar, R. K. Piram, New Delhi situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transfered under the I.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I, on January 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by mor than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of terration with the said instrument of terr in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferero to pay tax under the said Act, in respect or any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 ed 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat I-605, Som Vihar, Puram New Delhi, mg. 1430 sq. ft. approx.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, New Delhi

Date: 9-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4|14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC|Acq.I|37EE|1-85|1471.—Whereas I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the saki Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00 000]- and bearing Flat No. 1224, 12th floor at 89, Nehru Place, Mg. 150

sq. ft. situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s. Skipper Sales (P) Ltd., 22. Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. Harish Chander, Sjo. Sh. Datta Ram and Mrs. Santosh K. Chander, Wo Sh. Harish Chander, Sector 9 H. No. 858, R. K. Puram, New Delhi,

('Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Covered area on 12th floor mg. 150 sq. ft. in 89, Nehru Place, New Delhi.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House, 4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi.

Date : 9-9-1985

PORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4114-A ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 10th September 1985

Re', No. IAC|Acq. I|37EE|1-85|1473.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]and bearing

GF-2, Madhuban 55, Nehru Place, mg. 1330 sq. ft. situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at

IAC/Acq. Range-I, in January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any mencys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

- 1) M/s. Nanda Bros. (Exp.) (P) Ltd., Flat No. 15-A, Shankar Market, New Delhi (Transferor)
- (2) Master Jatinder Kapoor (Minor), through Sh. M. L. Kapoor (n[g) Road No. 8, House No. 15, East Punjabi Bagh, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .- The terms and expressions used kerein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

GF-2, Madhuban, 55, Nehru Place, New Delhi, measuring 1220 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House, 4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi.

Date: 10-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sh. Jinandera Kumar Jain, 117, Bajaj House, 97, Nehru Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. Vinod Kumar, Mr. Mano, Kumar, N-2, (Market), Greater Kailash-I, New Delhi. (Transferce)

GOVERNMENT OF ENDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 414-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 10th September 1985

Ref. No. IAC|Acq. 1|37EE|1-85|1474.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

Property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 301, Plot 36, Kailash Colony Extn., mg. 430 sq. ft. situated at New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC/Acquisition Range-I,

in January, 1985

transfer with the object of :-

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 301, third floor, Elite House, 36, Zammrudpur Commercial Centre, Kailash Colony Extn., New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House, 4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 10-9-1985

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1 AGGARWAL HOUSE, 4/14A, ASAF ALI ROAD. NEW DELHI New Delhi, the 10th September 1985

Ref. No. IAC|Acq. I|37EE|1-85|1475.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. 1105, 24, B. K. Road, New Delhi, mg. 640 sq. ft.

situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC/Acquisition Range-I,

in January, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fuir market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Sh. Charanjit Singh Sachdev Mrs. Renu Juneja, R|o 20, Bungalow, Road, Delhi-7.

(Transferor)

(2) M|s. Jacks Home Products Ltd., 1106, Ashoka Estate, 24-Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office Flat No. 1105, measuring 640 sq. ft. on 11th floor of 'Ashoka Estate' 24-Barakhamba Road, New Delhi.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House, 4|14A, Asaf Ali Road, New Delhi.

Date: 10-9-1985

NATICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4|14-A. ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 10th September 1985

Ref. No. IAC|Acq. I|37EE|1-85|1476.-Whereas, I. R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000 - and bearing No.

Flat No. B-6, Plot No. 36, Kailash Colony, mg. 327 sq. ft. situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at

IAC/Acquisition Range-I, in January, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, andlor
 - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the acoresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269DL of the said Act to the following persons, namely :-

- (1) Lilite Developers (P) Ltd., 115-Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg, New Delhi. (Transferor)
- (2) Mrs. Indra Vohra, E-143, Lajpat Nagar-I, New Delhi-24, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the O fficial Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B-6, in proposed Elite House, at plot No. 36, Community Centre, Kailash Colony, Etension, Zamroodpur), New Delhi, measuring 327 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-L Aggarwal House, 4]14A, Asaf Ali Road, New Delhi.

Date: 10-9-1985

FORM TINS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE iNCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE O THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-IAA. ACQJISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4|14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 10th September 1985

Ref. No. IAC|Acq. I|37EE|1-85|1477.--Whereas, I, R. P. RAVESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to me the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 1.00,000]—and bearing No. Flat No. B-2, Plot No. 36, Kailash Colony Extn. situated at New Delhi, measuring 420 sq. ft. (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at

IAC/Acquisition Range-I, In January, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as a non-said exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the l'ability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1924 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); which ought to be disclosed by the transferee for

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons namely :-86--296CH|85

(1) Elite Developers (P) Ltd., 115, Ansai Bhawan, 16, K. G. Marg, New Delhi-110001.

(Transferor)
(2) Mrs. Chandra Kanta, Wlo Sh. J. P. Chanmani, Clo. Mls. Aildas Nebhomal, 3525, Qutab Road. Delhi-110006.

(Transferce)

36755

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able not erty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The term, and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B-2, in proposed Elite House at Plot No. 36, Community Centre, Kailash Colony Extension (Kamroodpur), New Delhi, mg. 420 sq. ft.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House, 414A, Asaf Ali Road, New Delhi.

Date ; 10-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMETAX.

ACQJISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 10th September 1985

Ref. No. IAC|Acq, 1|37EE|1-85|1478.--Whereas, 1. R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under Section 269AB of the micome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herematter reterred to as the 'said Aut'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00.000/and bearing No.

Basement No. 4, E-578, G.K. II, New Delhi, mg. 368 sq. ft.

situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has ben transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC/Acq. Range-I,

in January, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in rement of any assome arising from the transfer andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other passets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in rursuance of Section 269C of the said Avi. I. hereby initiate processings for the acquisition of the undersaid properts by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 265 of the said Act. See the following persons, namely

- (1) Smt. Raj Ranj Gupta, E-5/8, G. cater Kanash-II, New Delhi-48. (Transferor)
- (2) M|s. Badrinath Seva Nidhi, 1-A, Love Lock Place, Calcutta-19.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 50 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Basement No. 4. at E-578, Greater Kallash Part-II, New Delhi, measuring 368 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House, 4/14A, Asaf Ali Road, New D.lhi.

Date: 9-9-1985

FORM LINS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mrs. Sarla Bhatia, A-8, N.D.S.E. Part-I, New Delhi-49.

(Transferor)

(2) Mrs. Bandana Datta, Wo. Ranjit Datta, A 2|95|1, Safdarjung Enclave, New D hi-16. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A. ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 10th September 1985

Ref. No. IAC|Acq. I|37EE|1-85|1479.-Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereina ter refe red to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

Flat No. 2-D, Ashoka Apa tment-I, Vill. Devli (Khanpur)

Flat No. 2-D, Ashoka Apa tment-I, Vill. Devli (Khanpur) situated at New Deihi mg. 487 sq. ft. and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in h one of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I, in January 85 for an appa ent consideration which is less than the last market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the contract of the property by more than said exceeds the apprent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not tuly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or moneys or other assets when here to the transferee for which ought to be disclosed by the transferee for ladius incrime-tax Act. 1922 the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2-D, Ashoka Apartments-I, 3rd floor, Deoli, Khanpur, New Delhi, measuring 487 sq. ft. (covered area).

R. P. RAJESH Computent Au hority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Aconicition Pang J. Aggarwal House,
4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for he acquisition of the section (1) of Section 260D of the said Act, to the following atoreanid property by the issue of this notice under subpersons, namely :-

Date: 10-9-1985

FORM ITNS ---

NUTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

JEFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 10th September 1985

Ref. No. 1AC|Acq. 1|37EE|1-85|1480.--Whereas, 1. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the being the Competent Authority under Section 2698 of the incorne-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that he immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Flat No. 1225, at 89, Nehru Place, New Delhi, mg. 150 sq. ft. situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I, in January 85 to an apparent consideration which is less than the air market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than n'teen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of mansfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the fransfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to ne disclosed by the transferee for the purpo es of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 259D of the said Act, to the follow ing persons, namely :--

(1) Ski per Sales P ivate Ltd., Skipper Bhawan, 22, Barakhamba Road, New Delhi-110001.

(2) Mrs. Mala Anand, Wo Sh. Justice A. S. Anand, Rlo Chief Justice of J&K High Court, J. mmu. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a person of 45 days from the date of publication of the notice in the Otheral Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Otheral Cuzette

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 1225, at 89, Nehru Place, New Delhi, measuring 150 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissiones of Income-tax Acquisition Range-I, Aggarwal House, 4 14A, Asaf Ali Road, New Delhi.

Date: 10-9-1985

Scal:

MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANE-I AGGARWAL HULSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 10th September 1985

Ref. No IAC|Acq. 1|37EE|1-85|1481.--Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000]- and bearing No. Flat No. 602, at 7. Tolstoy Marg, New Delhi, mg. 709 sq. ft.

situated at New Delhi

(and more fully described in the schedule ennexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in h effice of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I, in January 85 for an apparent con-ideration which is tess than the fairmarket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument af transfer with the object of-

- in) facilitating the reduction or evamon of the tintelline of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or may moneys or other assets which have not been of winch ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said. Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, is pursuance of Section 260C of the att Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Sh. Arun Kumar Vohra, So Maj. Gen. S. P. Vohra, Mrs. Vanita Vohra, Wo Mr. Artin Kumar Vohra, Master Ashish K. Voh a and Master Amit K. Vohra, Rlo B-8B, Westend Colony, New Delhi-21.

(Transferor)

(2) Mr. Vishvjit Prithvijit Singh, So Sh. Raj Kumar Prithvijit Singh, 80, Lodhi Estate, New Delhi.

(Transforce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette, or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as sives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 602, 6th floor, Prakash Deep, 7, Tolstoy Marg. New Delhi, mg. 709 sq. ft.

R. P. RAJESH Competent Authority Acquisition Range-I, Aggarwal House, 4/14A, Assf Ali Road, New Delhi.

Date: 10-9-1985

Scal ·

FURM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 10th September 1985

Rei. No. IAC|Acq. 1|37EE|1-85|1482.—Whereas I, R. P. RAJESH,

boing the competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to an the mad Act'), have reason to believe that the im-anovable property having a fair market value exocoling. Rs. 1,00,000; and bearing No. One B residential flat in West Tower, area 1600 sq. ft. situated at Nilgiri Apartments, 9, Barakhamba Read, New

Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I in January, 85 for an apparent consideration which is less than the last market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than Bittoon por cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said mstrumout of transfer with the object of .--

- (a) facilitating the reduction or evision of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (1) of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

New, therefore in pursuance of Section 269C of the se Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the same of this notice under subsection (1) of Section 262D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Mis. Kailash Nath and Associates, 1006, Kanchenjunga, 18, Barakhamba Road, New Delhi-110001.
- (Transferor) (2) Sh. Mukulp Bhargava,

A-11|A, South Extension Part-I, New Delhi-49.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undervigued :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Causette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One 'B' residential flat in West Tower, area 1600 sq. ft. approx on first floor in proposed multi-toreyed Group Housing Scheme Nilgiri apartments, 9, Barakhamba Road, New Delhi, and one open car parking space.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incometax Acquisition Range-I. Aggarwal H u.c. 4|14A, Asaf Ali Road, New Delhi.

Date: 10-9-1985

FORM 11N5-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Master Sandcep Goel, u|g, Mrs. Malti Goel, RIO. S 83, Fanenania Pa k, New Letin-17.

(2) Mrs. Rita Mahajan, Wlo Mr. K. G. Gupia (ahas Mahajan) 2 D. Pocket-III, Mayur Vihar, Dolhi.

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 414-A, AJAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 10th September 1985

Ref. No: IAC|Acq. 1|37EE|1-85|1483.—Whereas I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Inc. me-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter related to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a tair marke, value enceeding Rs. 1,00,000- and bearing No.

Flat No. M-6, at 89, Nehru Place, mg. 350 sq. ft. situated at

New Delhi,

(and mo e fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the registering Office, at IAC Acq. Range-, New Delhi in January, 1985

for an apparent consideration which is less then the fair market value of the aforesaid roperty and I have reason to believe that take fair ma ket value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor (a) and the transferee (b) has not been truely stated in the said instrument of transfer with the object of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay that under the said Act in proceed of any income arising from the transfer und/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property many he made in writing to the andersigned :-

- (a) by any of the iforesa dipersons within a period of 45 days from the date of publication of this non-ce to the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immesable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazcart

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as one defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. M-6, Skipper Tower, 89, Nehru Place, New Delhi, measuring 350 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-I, Aggrewal House, 4 14A, Asaf Ali Road, New Delki

"Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforeshid property by the issue of this notice under missection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 10-9-1985

FORM NO. I.T.N.S.---

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

COAPEMPIENT OF INDIV

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 11th September 1985

Ref. No. JAC|Acq. I|37EE|1-85|1484.-Whereas I. R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the being the Competent Authority under Section 2008 or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immerable property by the arrangement of the immerable property by a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Car Parking Space in 17, Tolstoy Marg, New Delhi situated

at New Delhi (and more fully described in the schedule anaxed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at IAC Acq. Range-I n January, 85 for an apparent consideration which is less than the fatt market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

que facilitating the reduction or evasion of the liability ed the transferor to pay tax under the said Act, in assessed all any lacations arising from the transfer: 被數十級

(a) facilitating the consealment of any income or any moneys of other amoun which have not been of which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the indian income-tex Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-mx Act; 1957 (27 of 1957):

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for acq uisition of the aforessul sympacty by the taste of this notice under subsection (1) of Section 28913 of the said Act, to the following microsto. actorily:---

(1) Mrs. Surendra Devi Tulsian, Wo Sh. Prahlad Rai Tulsian, Rlo 983-Kuche Natwa, Chandri Chowk, Delhi-6.

(Transferor)

(2) Master Varun Jain, So Sh. Tarun Kuma: Jain, D-400, Defence Colony, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to be undersigned . -

- (a) by any of the aforesal persons within a seriod of 4⁴ days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person incrested in the said immovable property, within 45 days from the date of the mubication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as and defined in Chapter XXA of the said Act that have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Car parking space No. 2. Ground floor, Vandhna Building. 11-Tolstoy Marg, New Delhi.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Aggarwal House, 4 14A. Asaf Ali Road, New Delhi ...

Date: 11-9-1985

(1) Mis. Rupinder Kaur, B-95, Greater Kailash, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Kulwant Singh, Master Kulbir Singh, B-95, Greater Kailash, New Delhi.

(Tran

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I

AGGARWAI. HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NFW DELHI

New Delhi, the 10th September 1985

Ref. No. IAC|Acq. I|37EE|1-85|1485.--Whereas 1, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 106, Surya Kiran, K. G. Marg, mg. 760 sq. ft.
situated at New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I in January, 85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteet, per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any meneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under exection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—
27—296GI[85]

Objections, if any, to the acquisition of the said preparty may be made in writing to the undersigned :---

- (n) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the <u>said</u> immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Grants.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 106, Surya Kiran, K.G Marg, New Delhi. measuring 760 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Aggarwal House,
4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi-

Date : 10-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Elite Developers (P) Limited, 115, Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg, New Delhi.

(2) Shri Sokhish Pandit, C-700, New Friends Colony, New Delhi-65.

(Transferee)

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX
ACQUISITION RANGE-I,
AGGARWAL HOUSE, 4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 10th September 1985

Ref. No. 1ΛC|Acq.1|37EE|1-85|1486.—Whereas J, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. Flat No. 203, Plot 36, Kailash Colony Extension, mg. 492 sq. feet, situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at MC Acq. Range-I, on January 1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such fransfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which aught to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period empires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 203 in proposed Elite House at plot No. 36, Community Centre, Kailash Colony Extin. (Zamroodpur), New Delhi, measuring 492 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-text Acquisition Runge-I Delhi New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the aequisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-9-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Elite Developers (P) Limited, 115, Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Sakhish Pandi. C-700, New Friends Colony, New Delhi-65.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-STONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 10th September 1985

Ref. No. IAC|Acq.I|37EE|1-85|1487.—Whereas 1. R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 202. plot No. 36. Kailash Colony Extn., mg. 464 sq. ft. situated at New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC/Acg. Range-1, in Innuary 1985

IAC'Acq. Range-I, in January 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of '-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 202 in proposed Elite House at plot No. 36, Community Centre, Kailash Colony Extn. (Zamroodput), New Delhi, mg. 464 sq. ft.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex Acquisition Range-I Aggarwal House, 4/14 Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 10-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 10th September 1985

Ref. No. IAC|Acq.I|37EE|1-85|1488.—Whereas I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and Flat No. 201, plot No. 36, Kailash Colony Extn., mg. 430 sq. ft., situated at New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T.Act 1961, in the Office

Ins over the Registering Officer at IAC Acq. Range-I, in January 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent con-sideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the wid instrument of transfer with the object of :

- a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (21 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

(1) M|s. Elite Developers (P) Limited, 115, Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg, New Delhi-110001.

(Transferor)

(2) Shri Sakhish Pandit, C-700, New Friends Colony, New Delhi-65.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

Flat No. 201 in proposed Elite House, at plot No. 36, Community Centre, Kailash Colony Extn., (Zamroodpur), New Delhi, mg. 430 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House, 4/14 Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 10-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 414A. ASAF ALI ROAD. NEW DELHI

New Delhi, the 10th September 1985

Ref. No. 1AC|Acq.1|37EE|1-85|1489.--Whereas I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Res. Flat on 5th floor, 34, Ferozshah Road, mg. 1600 sq. ft. situated at New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office

of the registering Officer at

JAC/Acq. Range-I, in January 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: pad/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) M/s. Kailash Nath & Associates, 1006. Kanchenjunga, 18, Barakhamba Road, New Delhi-110001.

(Transferor)

(2) M|s. Jivan Textiles Processors (P) Ltd., 56, Bootawala Building, New Silk Market, Kalba Devi, Bombay.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice he the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given a that Chapter.

THE SCHEDULE

Resdl, flat on the 5th floor, plinth area 1600 sq. ft. and one Car Parking Space in proposed multistoreyed Group Housing Scheme, ADISHWAR APARTMENTS at 34. Ferozeshah Road, New Delhi.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Rauge-I Aggarwal House, 4/14 Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 10-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M₈. JAJFNDRAS, N-52-A, Connaught Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. Anil Chander, O-33, Tara Apaartment, near Kalkaji, New Delhi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4[1-1A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 10th September 1985

Ref. No. 1AC|Acq.1|1-85|1490,—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. RTT-101(GF), Kalkaji Shopping Centre, mg. 72 sq. ft. situated at New Delhi, (and more fully described in the Schedule asnexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I, in January 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) incititating the reduction or evenion of the limbility of the transferor to pay mx under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; find/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the mid improvable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gamatic.

EXPLANATION:—The terms and expressions used nerets as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

RTT-101 (Ground Floor) G-2, at Shopping Centre-cum-Community facilities, Kalkaji, New Delhi, measuring 72.5 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Aggarwal House, 4/14 Assf Ali Road,
New Delhi

Date: 10-9-1985

Boal :

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
AGGARWAL HOUSE, 4|14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 10th September 1985

Ref. No. IAC|Acq.1|37EE|1-85|1491,--Whereas, 1, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the noome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

Booking of one commercial flat mg. 340 sq. ft. on 3rd floor in the building under construction on plot No. A-19, Connaught circus, situated at New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the J.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer of

of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I, in January 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the acfressid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of cansfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eight to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-lax Act, 1957 (27 of 1997);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said ci. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the oresald property by the issue of this notice under subction (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing ersons samely :-

(1) M/s. Ruchika Constructions (P) Ltd., 15 4581, Darya Ganj, Aggarwal Road, New Delhi-2.

(Transferor)

(2) Sh. Shyam Kishore, Smt. Kamla Mehra, Sh. Par-kash Kishore, Sh. Prem Kishore, Sh. Jagat Narain, all R o Jor Bagh, New Delhi.

(Transferee)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, witnin 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The tenns and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Booking of one commercial flat mg. 340 sq. ft. on 3rd floor in the building under construction on plot No. A-19, Connaught Circus, New Delhi-1.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incometax Acquisition Range-I Aggarwal House, 4/14 Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 10-9-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-IAN ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Dr. K. V Varki, E-326, Nieman Vihae, Delhi-92.

(2) Shri S. K. Balasubramanyam, A-3|129, Janakpuri, New Delhi.

(Transferor)

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14A. ASAN ALI ROAD, NEW DELIN

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ;-

New Delhi, the 10th September 1985

Ref. No. 1AC|Acq.I|37EE|1-85|1492.--Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 o 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]-

and bearing Shop No. 5 on 49-50, Nehru Place, mg. 229 sq. ft., situated at New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the LT. Act 1961 in the Office of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I. in January 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. 5. First Floor, Red Rose Building, 49-50, Nehra Place, New Delhi-19, measuring 229 sq. ft.

> R. P. RAJESI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-ta-Acquisition Range-Aggarwal House, 4/14 Asaf Ali Road New Dell-

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 10-9-1985

Scul:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M|s. Skipper Sales Private Ltd., 22, Barakhamba Road, New Delhi-110001.

(2) Mr. Prakash Chand (HUF), 56, Ram Nagar, New Delhi-110055.

(Transferee)

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 10th September 1985

IAC|Acq.I|37EF[1-85|1493,---Whereas, I, Ref. No. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing

Flat No. 1025, at 89, Nehru Place, New Delhi, mg. 150 sq.

Flat No. 1025, at 89, Nehru Place, New Delhi, mg. 150 sq. It., situated at New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at IAC|Acq. Range-I, on January 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other sesets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1025 at 89, Nehru Place, New Delhi, measuring 150 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Delhi New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons pamely:— 88---296GI|85

Date: 10-9-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th September 1985

Ref. No. IAC|Acq.I|37EE|1-85|1494.—Whereas I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a few market value exceeding.

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and Agr. land in vill. Satbari, mg. 10 Bighas and 13 biswas, situated at New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at IAC|Acq. Range-I, on January 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as a formerical.

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of \$957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. so the following persons, namely :-

(1) Shri Chau Khan Rlo Chandanhula, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

Miss Sumita Mazumdar, C-5|6, Safdarjang Development Arca, New Delhi.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land 10 Bighas 15 Biswas Satbari, Mchrauli. New Delhi, Khasra No. 1053|2 (3-92), 1054 (3-12), 1055 (3-12).

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Range-I Delhi New Delhi

Date: 11-9-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th September 1985

Ref. No. IAC|Acq.1|37EE|1-85|1495.—Whereas I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/and bearing No.

Agr. land mg. 11 Bighas in vill. Satbari, Teh. Mehrauli, situated at New Delhi.

situated at New Delhi.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at IAC|Acq. Range-I, on January 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than the fair market of such apparent consideration and that the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Chau Khand and Mazid, village: Chandanhula, Teh. Mehrauli, New Delhi.

(Transferor)

(2) Miss Sumita Mazumdar, C-5|6, Safdarjang Development Area, New Delhi.

(Transferce)

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land in village Satbari mg. 11 Bighas, Khasra No. 1056 (4-16), 1057 (4-16), 1058 (1-19).

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Delhi New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 11-9-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

FORM ITNS

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 10th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-II/1-85/2520.—Whereus, 1, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value

Plot No. 13, Block J-4, Rajouri Garden situated at New

Delhi

lend more fully described in the Schedule appeared hereto

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in January, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or;
- (h) racilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Gopal Dass Anand
 S/o Shri Nathu Ram,
 R/o J-4/13, Rajouri Garden,
 New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Sudershan Kumar S/o Shri M. R. Gulati, R/o B-1/277, Paschim Vihar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning, as given in that Chapter

THE SCHEDULE

House Bearing Plot No. 13 in Block-J-4, measuring 173 sq. yds., Rajouri Garden, Tatar Pur, New Delhi.

SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road New Delhi

Date: 10-9-1985

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD **NEW DELHI**

New Delhi, the 10th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-II/1-85/2521.-Whereas, I, SUNIL CHOPRÁ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing No. D-16, Kh. No. 283, Ajay Enclave situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in January, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of gransfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the mid Apt, or the Wealth-tur Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) Shri Vishwa Nath Arora S/o Shri D. N. Arora, R/o K-19, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferor)

Shri Som Nath Vij,
 Shri Ramesh Kumar Vij,
 Shri Suresh Kumar Vij,
 S/o Late Shri Ishwar Dass Vij,
 R/o D-16, Ajay Enclave,
 New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

21 storey House No. D-16, Kh. No. 283, measuring 200 sq. yds. of Ajay Enclave, New Delhi.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road New Delhi

Date: 10-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 13th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-II/I-85/2523.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property baving a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. 11/6, Tahar-II situated at Delhi

(and more fully described in the Schodule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in January, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-lax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Shri Chanan Ram
 S/p Shri Nanak Chand,
 R/o B/25, Mahabir Nagar,
 New Delhi,

Transferor)

(2) Shri Ved Parkash S/o Shri Kundan Lal, R/o 11/6, Tihar-II, Delhi,

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property No. 11/6, measuring 100, sq. ft. Tehar-II, New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date: 13-9-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 13th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-II/1-85/2524.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. No. 11/6, Tehar-II situated at Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at New Delhi in January, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Chanan Ram S & Shri Nanak Chand, R/O B/25, Mahabir Nagar, Delhi.

(2) Shri Ved Parkash S/o Shri Kundan Lal, R/o 11/6, Tehar-II, New Delhi. (Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforcanid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaining as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 11/6, measuring 100 sq. yds. Tehar-II, New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Aggarwal House
4/14-A, Assaf Ali Road
New Delhi

Date: 13-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (49 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri R. S. Malhotra
S/o Shri Rattan Singh,
R/o V/215-A, Rajouri Garden,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt, Prem Sethi W/o Shri Subhash Sethi, R/o O-14, West Patel Nagar, New Deihi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 10th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-II/1-85/2525.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-and bearing

H. No. V/215-A, Tatar Pur situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at New Delhi in January, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen perent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

H. No. V/215-A, land measuring 220 sq. yds. of Vill. Tatar Pur, Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

hate: 10-9-1985

: eal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX **ACQUISITION RANGE-III** AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD **NEW DELHI**

New Delhi, the 10th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-II/1-85/2526.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 to as the 'said Act'), (43 of 1961) (heremafter referred

have reason to believe that the immovable property, having

a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

Plot No. 192, Block-J-3, Rajouri Garden situated at New

Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in January, 1985

for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent coneideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such wanter as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the Act Act, I haveby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— 89-296GI|85

(1) Shri Sat Pal Kapoor S/o Shri Veru Lal, R/o 3-3/192, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Satnam Kaur W. o Shri Rajinder Singh Nanda, R/o 1/106, Lajpat Nagar, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noticin the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House Built on Plot of No. 192, in Block J-3, Measuring 160 sq. yds. Rajouri Garden, New Delhi.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Aggarwal House 4/14-A, Asaf All Road New Delhi

Date: 10-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) .

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 13th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-II/1-85/2527.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

SUNIL CHOPRA, being the Comperent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. WZ-592-C, Kh. No. 357, Plot No. 10, Rishi Nagar, situated at New Delhi (and more fully described in the 'chedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1927) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Tej Bhan S/o Shri Sadhu Ram, R/o QZ-592-C, Rishi Nagar, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Gian Devi W/o Shri Ram Parkash, R/o WZ-2221-A, Raja Park, Shakur Basti, New Delhi.

(Transfere

Objections, if any, to the acquisition of the said proper may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any or the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Built up property No. WZ-592-C, Cons. Two Shops, three rooms, Kitchen, Baranda, measuring 120 sq. ft. Plot No. 10, Kh. No. 357, Rishi Nagar, New Delhi.

SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road New Delhi

Date: 13-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 10th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-II/1-85/2528.--Whereas, 1, SUNIL CHOPRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. RA-21, Plot No. RA-21, Kh. No. 1601 & 1603 situated

at Naraina, Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair marting of the afforcacid property, and I have resem to be

ket value of the aforesaid property, and I have reason to be-lieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other amets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (14 of 1922) or the said Act, or the Wealth far Act 1957 (27 of 1957):

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(1) Shri Deep Chand S/o Snri Her Chand Jullaha, R o WZ-21, Toder Pur, Delhi. 2. Smt. Bharpai W/o Shri Faqira, R/o WZ-21, Todar Pur, Delhi. 3. Smt. Sarita Devi, R/o WZ-107, Todan Pur, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Satish Sharma Slo Shri Seva Nath, and Smt. Surekba Sharma W/o Shri Satish Sharma, R/o 281, Pahar Ganj, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person intersted in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. RA-21, Plot No. RA-21, measuring 200 sq. yds. Kh. No. 1601 & 1603, Naraina, Delhi.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-III, Aggarwal Hou. 4/14-A, Asaf Ali R New Delhi

Date: 10-9-1985

NOTICE, UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 10th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-II/1-85/2529.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Killa No. 5, 6/1 and 15 of Rect No. 50, Killa No. 1, 10,
11/1, Rect No. 51, Killa No. 47 of Rect No. 79
ituated at Bapraula, Delhi

and more fully described in the schedule annexed hereto), as been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer it New Delhi in January, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 of 1922 or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following parsons, namely:—

Shri Raj Kumar Saini,
 Sh. Rakesh Kumar Saini,
 S/o Sh. Mohinder Kumar Saini.

(Transferor)

(2) Smt. Savitri Devi W. o Shri K. C. Kohli, R/o R-50, Greater Kailash Part-I; New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquistion of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

18 Blgha, 11 Bishwas Kill Nos. 5, 6/1, 15 of Rect No. 50, Killa No. 1, 10, 11/1, Rect. No. 51, Killa No. 47 of Rect. No. 79 to exh. 4/5th share Bapraula, Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisiton Range-III
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date : 10-9-1985

FORM ITNS ...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 10th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-II/1-85/2530.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

Plot No. B-127, Naraina, Vihar situated at Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

has been transferred under the Registration Act. 1906 (10 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as cforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Sh. Joginder Singh
 S o Shri Balwant Singh
 Smt. Sharda Joginder
 W/o Sh. Joginder Singh
 R/o 193, Jor Bagh
 Delhi

(Transferor)

(2) Shri Bali Ram, S/o Shri Chanya Mal and Smt. Maya Devi W/o Shri Bali Ram, R/o B-47, Naraina Vihar, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Measuring 300 sq. yds. Plot No. B-127, Naraina Vihar, Delhi and a house thereon.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Dato: 10-9-1985

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX
ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 13th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-II/1-85/2531.--Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1901 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Rect. No. 6, Killa No. 19, Village Poosangi Pur situated at Delhi

Delhi.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in January, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reductoion or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

 Smt. Vinod Sherai
 Wio Shri Tirloki Nath,
 R o BF 50, Janak Purl, New Delhi.

(Transferor)

.(2) Shri Dwarka Nath Adlakha S/o Shri Thakur Dass, R/o A-2/A/48, Janak Puri, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which-ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. A/12, measuring 200 aq, ft. Rect. No. 6, Killa No. 19, Vill. Passangi Puri, New Delhi.

SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III
Aggarwal House 1/14-A, Asaf All Road New Delhi

Date : 10-9-1985

Sea! .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 10th September 1985

Ref. No. IAC /Acq.III/1-85/Sr.-II/2532.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. A-2, Kh. No. 3/1, 9, 10, 19, 20 situated at Vill. New Multan Nagar, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said. Act, in respect of any income arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the mid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

 Miss Parkash Wati D/o S. Teja Singh,
 W/o Shri D. N. Malhotra,
 R/o F. No. 8/521, Lodhi Colony,
 Lodhi Road,
 New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Chhajju Ram S/o Shri Sohan Lal, R/o H. No. B-31, Multan Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 Jays from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANTION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 200 sq. yards (30.0000) bearing Plot No. A-2, out of Kh. Nos. 3/1, 9, 10, 19, 20 situated in the New Multan Nagar, Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax
Acquisition Range-III
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date: 10-9-1985

FORM I.T.N.S.———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-II/1-85/2533.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000[- and bearing Plot No. BL-17, Kh. No. 845-846, VII. Tahar, situated at No. Dalbi.

New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer

at New Delhi in January, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have resson to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than Afteen per cent of such apparent consideration and that the sensuderation for such transfer as agreed to between the marties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(1) K. K. Chadha. c/o Ram Lubhaya Chadha, A-64, Hari Nagar Clock Tower, New Delhi.

(Transferor)

(2) Raghbir Singh,
 Manjit Singh,
 a/o Late Shri Sardar Singh,
 r/o 61/7. Ashok Nagar,
 New Delhi.

(Transferoe)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a persod of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Cazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used never as are: "efined in Chapter XXA of the said Ass. hall have the same meaning as given in nat Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. BL-17, measuring 200 eq. yds. Kh. No. 845-846, Village Tehar, New Delhi.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Delhl/New Deihl

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 13-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

SIONER OF INCOME-TAX

New Delhi, the 13th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-II/1-85/2534.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.0001- and bearing No.
No. BL-52, Kh. No. 870, Vill. Tehar, situated at New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in January, 1985

for an apparent consideration which is tess than the fair market value of the aforsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the nequisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following Po—296GII85

 Smt. Neelam Khurana, w/o B. S. Khurana, r/o J-11/42, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferor)

(2) Kewal Krishan, 8/0 Krishan Lal, r/0 8922, Pal Bagh, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Plot No. BL-52, measuring 200 sq. yds. 870, of Village Tehar, Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Anspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Delhi/New Deihl

Date: 13-9-1985

cal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE. INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALL ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 10th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/1-85/2535.--Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. C-43, Kh. No. 1651, Vill. Naraina, situated at Delhi

No. C-43, Kh. No. 1651, Vill. Naraina, situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in January, 1984

at New Bell in January, 1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

 Smt. Sucharita Verma, w/o Shri S. Verma, r/o C-43, Inderpuri, New Delhi-12.

(Transferor)

(2) Shri Bhushan Doera, Shri Rajeve Kumar Doera and Shri Arun Kumar Deora, all sons of Shri Brijender Bhushan, All r/o 4/2602, Beadon Pura, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

H. No. C-43, consisting one drawing room, 5 Bed Poom, 3 combined toilet/bath room, Kitchen, Store, Garage, Plot measurings 500 squiyds. Kh. No. 1651, Vill. Naraim, Delhi.

SUNII CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Delhi/New Deihl

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following bersens, namely:—

Date 10-9-1985

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 10th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-II/1-85/2536.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter 1 to as the 'said Act') have reason to believe that movable property, having a fair market value ex Rs. 1,00,000 and bearing No. Plot No. 6, Kh. No. 452, Burari situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said matrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any

(1) Roshan Lal, s|o Mer Singh, r/o B-15, Bhagwan Dass Nagar. Delhi.

(Transferor)

(2) Bhagwan Dass, Om Parkash, Arjun Lal, a/o Mer Singh Dass, Sarita Devi W/o Sham Lal, Smt. Rukmani w/o Kunj Behari

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

noneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

2 Bigha, 4 Biswas, 2 Bighas, 131 Biswas Min. 5 Bighas 7. Bswas, Plot No. 6, Kh. No. 452, Burari.

SUNIL CHOPRA Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Delhi|New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 267 & of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforessed property by the issue of this notice under sub-Section (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date 10-9-1985 Scal:

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

wlo Dharam Pal Goel, R/o 1495 Ren. Bagh, Shakur Basti, Delhi.

(1) Vimla Goel.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

(2) Tej Bhan Sachdeva soo Sadhu Ram, 592-G. Rishi Nagar, Delhi.

(Transferee)

New Delhi, the 10th September 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-II/1-85/2537.--Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and braing No. WZ-17, Plot No. 17, Kh. No. 394, Rani Bagh situated

at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed fereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer it New Delhi in January, 1985

at an apparent consideration which is less than the fair narket value of the aforesaid property and I have reason to relieve that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than liteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument beansfor with the object of :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, andlor

THE SCHEDULE

Property No. WZ-17, Consisting of Cne room and boundary wall Measuring 150 sq. yds. Plot No. 17, Kh. No. 394, Khewet No. 44/148, Rani Bagh, Shakur Basti, Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which cught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

> SUNIL CHOPRA Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Delhi/New Deihl

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisit on the said more subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date 10-9-1985 Seal:

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE NICOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC|Acq.III|SR-III|1-85|946,-Whereas, I, SUNIL CHOPRA.

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000;- and bearing No. XVI-1135, Gali No. 10-11, situated at Naiwala, Karol

Bagh, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer

on January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid execeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties have not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; mad for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Western Ast, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore is pursuance of Section 269C of the said Act, 1 herefore by pursuance of Section 2000 of the sale. Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, riamely :--

(1) Bidar Singh 4/0 Shi M hunn Ram, G. No. 10-11|0 XVI-1135, Naiwala, Karol Bagh, New Delhi.

¿Transferor t

- (2) 1. B. L. Gupta & Son3 HUF, through its Karat Shri B. L. Guota, 2. Smr. Lile Wati,

 - 3. Dharamvir, Avtar Singh and Smt. Kaınla Devi, r/o B-37. Ashok Vihar, Phase-I, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undehsigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanatio&:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. XVI-1135, Gali No. 10-11, Naiwala, Karol Bagh, New Delhi measuring 117 sq. yds. Khasra No. 1075.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority napecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Delhi New Delhi

Date: 9-9-1985

(1) Nishi Talwar, rlo 493, Sainik Vihar,

~ (Emnsferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Om Parkech, "/o 16/8, Karol Bagh, New Delhi.

. (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

" New Delhi, the 13th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-III/1-85/248.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing
No. 16/8, Karol Bagh, situated at New Delhi
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more

than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the Jate of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons iwhichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: .- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respects of new income arising from the transfer: andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been orwhich ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Waelth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

1/12th Share of property No. 15/8, Karol Bagh, Ne. Delhi.

THE SCHEDULB

SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tal Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the usue of this notice under sub-bection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: sub--;,,

Dato: 13-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

TICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th September 1985

kef. No. IAC/Acq.III/SR-III/1-85/949.—Whereas, I; INIL CHOPRA,

ing the Competent Authority under Section 269B of the come-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'said Act'), have reason to believe that the immovable operty, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

o. 16/8, Karol Bagh, s tuated at New Delhi and more fully described in the Schedule annexed hereto), as been transferred under the Registration Act, 1908 (16 f 1908) in the Office of the registering Officer

New Delhi in January,

or an apparent consideration which is less than the fair tarket value of the aforesaid property and I have reason to elieve that the fair market value of the property as aforesaid acceeds the apparent consideration therefor by more than teen per cent of such apparent consideration and that the arties has not been truly stated in the said instrument of tansfer with the object of:—

- (a) inclitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any moome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the and t. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the presaid property by the Issue of this notice under subtion (1) of Section 269D of the said Act, to the following sons, I amely:

(1) Smt. Nalinj Kapqov, pt r/o 7A/88, Moti Negar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Om Parkash, r/o, 16/8, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferce)

Objections, eff. may, reaches acquisition of etaes said sproperty may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 Jays from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein) as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

TAL SCHEDULE

1/12th share of property No. 16/8, Karol Bagh, New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex
Acquisition Range-III, Delhi /New Delhi

Date: 13-9-1985

(1) Shri Yuv Raj Talwar, r/o 493, Sainik Vihar, Delhi.

(T:ansferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Om Parkash, r/o 16/8 Karol Bagh,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-III/1-85/950,—Whereas, I. SUNIL CHOPRA,

SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 16/8, Karol Bagh, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in January, 1985

at New Delhi in January, 1985 at New Delhi in January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) tacilitating the reduction or evasion of the imbility of the transferor to per tax under the said Act, in respect of any income arming from the transfer; and/or

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

A THE TAKE

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

tacilitating the concessment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

1/12th Share of property No. 16/8, Karol Bagh, New Delhi.

> SUNIL CHOPRA Inspecting Assistant Commissioner of Income-tox Acquis'tion Range-III, Delh'/New Delhi

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesail property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 13-9-1985

The state of the s

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 UF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAI, HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-III/1-85/951.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA.

being the Component Authority under Section 209B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00 000|- and bearing

No. 16|8, Karol Bagh, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer

at New Delhi on January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Renu Kapoor, r/o 23, Chander Lok, Delhi.

(Transferor)

(2) Om Parkash, r/o 16/8, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the saud Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/12th Share of property No. 16/8, Karol Bagh, New Delhi,

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of In ome-tax
Acquisition Range-III, Delh'/New Delhi

Now, therefore, in pursance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection 11 of Section 269D of the said Act, to the following persons, ramely:—
91—296G1[85]

Date: 13-9-1985

FORM IT N.S. -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGELLI. AGGARWAL HO' 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 9th Sep ember 1985

Ref. No. ICA/Acq III/SR-III/1-85, 953.--Whereas. I, SUNIL CHOPRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the mmovable property having a fair market value exceeding exceeding Rs 1 00 000/- and braring
No. 5040 in block 'S' situated at Sant Nagar, Karol Ragh,

New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in January, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(u) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Ast in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moness or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the nurroses of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid rope (1) by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) Smt. Rom Rakhi W/o wall ka.sur Mal, r/o Village Kardha, District Bnanja n. Maharashtra, at present 16/23, WhA Karol Bugh, New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Bhagwan Dass, Raj Kumar, Krishan Lal and Roshan Lal, s/o Shr. Narain Dass, r/o 52/4577, Regharpura, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 43 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION ;-The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Double storeved building H. No. 5040 in Block 'S', Khasta No. 3289/719 and 3290/719 plot No. 36 and 37 measuring 214 sq. yds. situated at Sant Nagar, (Bast Reghar), Karol Bagh, New Delhi.

> SUNII. CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-ta Acquisition Range-III, Delh / New Delhi

Date: 9-9-1985

Soal :

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1361 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME LAX

ACQUISITION RANGE-LI, AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 9.h September 1985

Ref. No. IAC/Acq.III, SR-III/1-85/954.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the mimovable property having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No E-15 situated at Hauz Khas Fin. leve, New Delhi (and ways fully described in the Enbeddy), approved hereto)

(and more fully described in the Schedule annixed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as intoress d exceeds the appar at consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the pattles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) J. P. Properties, Prop. Surinder Pal Singh, F-62, Green Park, New Delhi. FORM ITNS -

(Transferor)

(2) I. Dr (Mrs.) Devinder Pal,

Mister Amit Pal Singh,
 Miss Sumit Pal Kaur, all r/o J-205, Saket, New Delhi.
 Miss Priyanka Kalra,

5. Miss Mon.ca Kalra,

M ss burat Kirti Kalra and
 M:s. Chander Kalra, all r/o D-120, Saket, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undehsigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this n tice in the Official Gazette or a period of 10 lays from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said mmovable property within 45 days from the fate of the publication of this notice in the Offical Gazette.

Explanatio&:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXX of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Po. Vo. E-15, Hauz Khas Enclave, New Delhi alongwith the superstructure built thereon plot area 200 sq. yards.

> SUNIL CHOPRA Competent Nutherity Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Delh /New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) o Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:--

Date: 9-9-1985

FORM ITNS ~

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th September 1985

Ref. No. IAC/ACQ.III/SR-III/1-85/955.—Whereas, I. SUNIL CHOPRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that 'ne immovable property having a fair market value exceeding

R3 1.00.000|- and bearing
No. 11708, Ward No. 16, Gali No. 2-3, Block-U.K. Bagh.
situated at New Delh'
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act. 1908 (16
of 1908) in the Office of the registering Officer

at New Delhi on January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason than the fair to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to bet-ween the pirties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not be n or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the sad Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(1) S. Gurcharan Singh Mahendra, s/o S. sohan Shigh and Smt. Sudershan Kaur Mahendra, w/o Shri S Gurcho-an Singh both r/o 12/1, W.E.A. Karol Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) 5mt. Urmila Goel, w/o Shri Gian Chand and Shri Atul Goel, s/o Shri Gian Chand, r/o H No. 3, Gali No. 1, Ram Nagar, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act whell have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing No. 11708, Ward No. 16, Gal. No. 2-3, in Block 'U' measuring 75 sq. yds. Kh. P ot No. 3581,651/2 situated at Sat Nagar, Karol Bagh, New Delhi.

SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income to:
Acquisition Range-iII, Delh'/New Delhi

Date: 13-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-IAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALL ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-III/1-85,960.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

movable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 449-450, New Rajinder Nagar situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed here to), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in January, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market vaule of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any inconeys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Yogi Ram Nath, Chela of Yogi Shiv Nath, ro Shr Shav N.th Yog Ashram, Bander Wali Khui Ramesh Nagar, New Delhi-110015.

(Transferor)

(2) Shri Tilak Raj Arora, 8/0 late Shri Ram Lal Arora, r/0 H-338, New Rajinder Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Government built property alongwith lease-hold rights of land measuring about 127.666 sq. yds. bearing property No. 449-450, double storied quearters situated at New Rajinder Nagar, New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Date: 9-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I'I, AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th September 1985

Ref. No. IAC/Auq.III/SR-III/1-85/961.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the connectent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (45 of 196.) (hereinafter referred as the 'said Act'), have reason to believe that he immovofe property, having a fair market value exceeding

No. K-62 situated at Hauz Khas enclave, New Delhi (and more fully described in the Schudule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in January, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the tair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than hiteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument or transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 if the transferor to pay tax under the said Act to
 respect of any income arising from the transfer;
 and σr
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not recent of which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of his notice under subsection (1) or Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri N. K. Bhatia, P. K. Bhatia, Anil Bhatia and Sunil Bhatia all partners of Bhatia Apartmen's through their G.A. Smt. Raj Kumari, r/o W-41, Greater Kailash-I, New Delhi. (Transferor)
- (2) Smt. Shakuntala Masani, w/o Sa i M R. Masani, r/o C-44, Defence Colony, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said imposyable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at K-62, Hauz Khan Enclave, NeW Delhi.

SUNIL CHOPRA Competent Authori y Inspecting Assistant Commissioner of In ome-tax Acquisition Range-III, Delhi /New Delhi

Date: 13-9-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I'I, AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-III/1-85/963.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA.

to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1 00 000/- and braring No. 16|80 and 16|86 situated at Joshi Road, Karol Bagh, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer

at New Delhi in January, 1985

at New Delli in January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe hat the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the par less has not been truly stated in the and instrument of transfer with the object of: the and instrument of transfer with the object of :-

(1) Shri A'h k Kumar, a/o Sobh Raj, A-50, Kirti Nagar, New Delhi,

(Transferor)

(2) Shri Ramesh Rajpal, s/o Asa Nand, 833, Joshi Road, Karol Bagh, New Delbi.

1Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immost able property with n 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION; -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

> House No. 16|80, & 16|86, Block AC measuring about 111 sq. yds. at Ioshi Road, Karol Baga, New Lethi.

THE SCHEDULE

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act. 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

SUNIL CHOPRA Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of In ome-tax
Acquisition Range-III, Delhi / New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesail property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D or the said Act, to the following persons, namely :~~

Date: 9-9-1985

FORM I.T.N.S.~

NOTICE UNDER SECTION 26°D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME LAS

ACQUISITION RANGE-I'I, AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-III/1-85 '964.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to set the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing

No. 6011 studed at Ramjas Road, Karol Bagh, New Delhi (1/4th undivided share)

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in January, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifting per cent of such apparent consideration and that the somideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the

- (a) Excilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the axid Act in respect of any income arising from the transfer; and per
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the ecquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of rection 269D of the said Act, to the following presents, named:

(1) Shri Rajiv Ohri, 6, Ishwar Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Raj Kumar Manocha and Others, 60/r1, Ramjas Road, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Odlcial Gazette.

EXPLANATION .—The terms and expressions used hereis as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing Block No. 60 Ptot No. 11, Ramias Road, Karol Bagh, New Delhi (1/4th undivided share of 634 sq. yds.).

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Dolh./New Delhi

Date: 9-9-1985

Shall:

FORM 1.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 10th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-III/1-85/965.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00 000/- and bearing No. 60/11 situated at Ramjas Road, Karol Bagh, New Delhi

(1/4th share)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer

at New Delhi in January, 1985

at New Delhi in January, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: andior
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(1) Lt. Col. Ashok Ohrl, 6, Ishwar Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Rei Kumar. Smt. Sudesh Manocha, Smt. Meenu Manocha, Smt. Renu Manocha, 60/11, Ramjas Road, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

property bearing Plot No. 11, Block No. 60, Ramjas Road, Karol Bagh, New Delhi (1 undivided share).

> SUNIL CHOPRA Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons pamely:— 92-296 GI|85

Date: 10-9-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq. III/SR-III/1-85/966.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/and bearing

Plot No. 11, Block No. 68 situated at Ramias Road, New

Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer

New Delhi on January 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of wanter with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor andjor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Maj. Anil Ohri, C-34, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferor) (2) Sh. Rai Kumar Smt. Sudesh Manocha, Smt. Meenu Manocha & Smt. Renu Manocha, 60/11. Ramjas Road, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferee)

(3) Shri R. K. Sethi and Shri K. L. Malhotra, (Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

Explanation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing No. 11 Block No. 60, Ramjas Road, New Delhi.

SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Date: 9-9-1985

(1) Shri Sunil Ohri, C-34, Greater Kailash, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1761)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 10th September 1985

Ref. No. IAC/Acq-III/SR-III/I-85/967.—Whereas, I, SUNIL (HOPRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]-and bearing No.

60/11 situated at Ramjas Road, Karol Bagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer
New Delhi on January 1985

New Delhi on January 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduuction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or say moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (2) Sh. Raj Kumar Smt. Sudesh Manocha, Smt. Mcenu Manocha & Smt. Renu Manocha, 60/11. Ramjas Road, Karol Bagh, New Delhi.
- (3) Shri R. K. Sethi and Shri K. L. Malhotra, 60/11, Ramjas Road, New Delhi. (Person(s) in occupation of the property)
- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Block No. 60, Plot No. 11, Ramjas Road, New Delhi (1/4th undivided share of 634 sq. yds.)

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-111
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afortsaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date 10-9-1985

FURM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Rampat Estates Pvt. Ltd., G-56, Green Park, New Delhl.

(Transferor)

(2) Shri G. L. Khurana s/o late P. R. Khurana and Smt. Sushma Khurana w/o Shri G. L. Khurana bo h r/o 1-301, Sarojini Nagar, New Delhi.

(Transferee)

OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq-III/SR-III/1-85/969.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000, and bearing

96/B-7 Etn. situated at Safdarjung Residential Scheme, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer New Delhi on January 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta-

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 96/B-7 Extension measuring 132.05 sq. mtrs., Saidarjang Residential Scheme, New Delhi.

SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 10th September 1985

Ref. No. IAC/Acq. III/SR-III/1-85/970.—Whereas, I, SUNII. CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000|- and bearing B-1/41 situated at Hauz Khas Enclave, New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer New Delhi on January 1985 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respective of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any acrees or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Som Nath Mehta 5/0 Shri Palamal Mehta 17/0 5485, Shorakothi, Paharganj, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Amarjit Singh s/o S. Ajit Singh Johar, C-139, Defence Colony, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Single Storeyed shattered house built on 202 sq. yds. B-1/41, Hauz Khas Enclave. New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Delhi/New Delhi

Date 10-9-1985 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, L HOUSE 4/14-A. ASAF ALI ROAD, NEW DELHI AGGARWAL HOUSE

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq. III/SR-III/1-85/971.--Whereas, I. SUNIL CHOPRA,

being the Com etent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing No.

A-40 si uated at NDSE Fart-II, New Delhi

A:40 studied at NDSE Fart-II, New Dolhi
(and more fully, described in the Schedule annexed hereto
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the registering Officer
New Delhi on January 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesad property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property es
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to bet-ween the parties has not been truly stated in the said hastrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby in tiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Inder Lal s/o Sardari Lal Bahri and (2) Vacerander Lal Bahri s/o Sardari Lal Bahri, r/o 5/5, Roop Nagar, Delhi.

(Transferor)

(1) (1) Girdhar Chand Jain

s/o late Shri Sumer Chand Jain
(2) Rajiv Jain s/o Girdhar Chand Jain
(3) Sanjiv Jain s/o Shri Girdhar Chand Jain and
(4) Smt. I'ushpala Jain w/o Girdhar Chand Jain
all r/o B-33, Panchsheel Enclave,
Now Italia

New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

Property bearing No. A-40, New Delhi South Extension Part-II, New Delhi mensuring 250 sq. yds.

SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Date: 9-9-1985

e-al :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th September 1985

Ref. No. IAC/Acq. III/SR-III/1-85/974.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/ard bearing

Otr. No. 23/24, Old Rajinder Nagar, situated at New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer New Delhi on January 1985 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the maid instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following regions, martely:—

(1) Smt. Jaiwanti Sobnani, w/o late Sh. Fribhdass, C-2A/16/203, Janak Puri, New Delhi. (Transferor)

(2) Smt. Pushpa Devi w/o Sh. Goverdhan Lal, 23|24, Old Rajinder Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Govt. built quarter No. 23/24, Old Rajinder Nagar, New Delhl. Area measuring 88.1 sq. yds.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Delhi/New Delhi

Date : 13-9-1985

Scal:

FORM NO. I T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A. ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq. III/SR-III/1-85/975.—Whereas ,!, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

166. Block A-1 situated at Safdarjang Development Residen-

tin! Scheme, South, Delhi, N. Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Ac., 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer New Delhi on January 1985

for an apparent consideration which is less than the fair courtet value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeand exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (z) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income ariging from the transfers and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the mild Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the storesaid property by the issue of this notice under subection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Ram Copal Goel s/o late Lala Ram Saran Dass r/o 25/C, i'oyd Street, Calcutta-700016,

(Transferor)

(2) Smt. Savitri Devi. wo Sh. Kewal Ram, rlo 166, Block A-1, Safdarjang Residential Scheme, New Delhi. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing Piot No. 166, Block A-1, measuring 103 sq. yds. situated at Safdarjang Development Residential Scheme, South Delhi, New Delhi (1/2 share).

SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Rarge III Delhi/New Oellu

Date: 9-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE. 4/14-A. ASAF ALI ROAD. NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ret No IAC/Acq-ail/SR-III/1-85/976.—Whereas, I. SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No. S-196, sit at all 1 at Fancashila Park, New Delhi

S-196, sit and that Fancasinia Park, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer New Delhi on January 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (h) facilitating the concealment of any income or any maneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax. Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely the 33—296 GI|85

(1) Diwan Chand Kalre, 458. Chirag Delhi, New Deith.

(Transferor)

(2) Amijit Sirgh Shah, C-110, Shakti Nagar Extension, Delhi-52.

(Transferee)

(3) M/s. Ghutam Enterprises.
(Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The trems and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ac., shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1½ storeyed house No. S-196, in Panchshila Park, New Delhi

SUNIL CHOIPA Competent Au hority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. Dalin/New Delhi

Date: 9-9-1985

FORM ITNS----

(1) Shri C. L. Turi. 2. Shri Nam Puri, 3. Smt. Ki shna Puri, r/o S 486, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Sheela Moghe w/o Shri R C. Moghe, r/o Y-42. Hauz Khas Enclave, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE 4/14-A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 10th September 1985

Ref. No IAC Acq-III/SR-III/1-85/977.—Whereas, I. SUNIL CHOPRA, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269% of the Incometan Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sa'd Act') have reason to be'leve that the immovable property having a fa'r market value exceeding Rs 1 00 0001- and bearing T-10 situated a Giern Park Extn. New Do'hi (and more fully described in the Schedur innexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer New Dolhi on Jonuary 1985 for in sponentic constitution which is less than the fair market value of the aforesaid property and i have teason to market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more

than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act

and/or

in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any which ought to be disclosed by the transferee for the nurposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said. Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/8th share in total land measuring 322 sq. yds., situated at T-10, Green Park Extn., Nev D at ard position of the Upper ground floor and one & vine floor.

SUNIL CHUPRA Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of income-tax
Acquisition Range-III.
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date 10-9-1985 Scal :

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq-III/SR-III/1 85/978.—Whereas, 1, SUNIL CHOPRA,

being in. Competent Authority under Section 269B of the Incom.-tax Act 1967 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, naving a far market value exceeding Rs. 1.00.000]- and bearing

Property No. 3 situated at Anand Lok, Area of Village Massad Moth, New Delhi

(and more up described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer New D.lhi on January 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid roperty and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen pe cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiat proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(i) Sh. Jogander Singh Bindra 8/0 Sh. Charan Singh Bindra, r/o 1-3/43 A arment, M hrauli Road, New Delhi und Shri Monander Pal Singh Bindra 8/0 Shri Charan Singh Bindra r/o 9, Mangal Bidg., Behard State Bank, Ch. Chowk, Delhi,

(Transferor)

Sh. Inder Mohan Khaneja,
 Smt. Ikaruna Khaneja,
 Sh. Sumit Khaneja,
 Master Amit Khaneja,
 r/o B 223 C Greater Kallash-I,
 New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a priod of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the Jate of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 3, measuring 793 sq. yds. situated in the layout plan of Anand Lok, area of village Masjid Moth, New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Au ho ity
Inspecting Assistant Commission of Income-38
Acquisition Range-III.
De-hi/New Delhi

Date: 9-9-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL EOUT // ASAF NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq-III/SR-IV/1-85/1413.—Whereas, I. SUNIL (HOPRÁ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act.), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000]- and bearing No. Plot No. 4, kh. No. 411, Hari Krishan Nagar, situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferand/or
- the facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)*

Now, therefore, in pursuance of Section 26%! of the sain Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. Sumitra Devi d/o Sh. Tahel Chand w/o Sh. Rihari Lal Nagpal r/o H-15-C, Saket. New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Sneh Lats Jain w/o Sh. Vijay Kumar Jain, r/o 4580 E/1. Naveen Shahdara, Delhi.

(Transferee.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Single Storey Building. Area 202 sq. ft. Plot No. 14, Khasra No. 411, situa'ed at Hari Krishan Nagar, Block-B. Andrun Hadud Committee Shadra, Delhi.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Rame-III, Delhi/New Delhi

Date: 9-9-1985

FORM NO. ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 260-D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

s/o Sh. Kattan Chand,

(1) Sh. Jhangi Ram,

(Transferor)

(2) Smt. Sheela Rani Chugh, w/o Suraj Parkash Chugh, 1X/2480, Kailash Nagar,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th September 1985

Ref. No. IACAcq-III/SR-IV/1-85/1414.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Au hority under Section 269B of the income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing

F-14/60, Krishana Nagar situated at Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer New Delhi on January 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if anv. to the acquisition of the said property may be made to writing to the undereigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazotta or a ported of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gase

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as givein that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

F-14/6C, Krishana Nagar, area 55 aq. yds. Delhi-51.

SUNIL CHOPRA Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Do.hi/New D.thi

Now, thereore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under make Section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow ing persons, namely :---

Date: 13-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Dr. Sunil Bhatnagar s/o
 Sh. Raj.nder Kumar Bhatnagar
 r/o H. No. D-5/10, Krishan Nagar,
 Delhi.

(Transferor)

(2) Dr. Rajendara Kumar Bhatnagar, s/o Sh. Bishan Lal Bhatnagar, r/o D-5/10, Krishan Nagar, Delhi-51.

(Transferce

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HUUSE, 4/14-4., ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC|Acq. III|SR-IV|1-85|1415,—Whereas I, SUNIL CHOPKA,

being the Counsetent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the imniovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000;—and bearing

Kh. No. 1948. 824/3, Prop. No. 38, East Krishan Nagar. situated at Delhi

(and more rully described in the Schedule annexed he eto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

of 1908) in the Office of the registering Officer New Delhi on January, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the roperty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gaze te.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter AAA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Measuring area 166 sq. yds. property No. 38, bount of Khasra No. 1948|824|3, along with whole of the structure situated at East Krishan Nagar, Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range III
Shi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesain property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-'II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A., ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

No. IAC|Acq. III|SR-IV|1-85|1416,--Whereas, I. SUNIL CHOPKA,

Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to an the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/and bearing No.

J-1/10 Krishan Nagar. Vill. Ghaundhi, situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1,008) in the Office of the registering Officer New Delhi on January, 1985

for an apaprent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the user market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the (sabshit) of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any moome arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or he said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Smt. Kusam Talwar w/o Sh. Jagdish Talwar
 Smt. Suman Sehgal w/o
 Kanwal Naram Sehgal
 Sat. Kamal Mehra w/o
 Jawahar Krishan Mehra all r/o
 A-23, Ringh Road, Lajpat Nagar, IV,
 Part II, New Delhi.
- (2) Shri Darshan Lal s/o Sh. Diwan Chand, r/o
 A-1 12, Krishan Nagar, Delhi.
 2. Sh. Prem Parkash s/o Sh. Pishori Lal
 r/o 438. Jheel Kurenja, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) he and of the aforesaid persons within a person of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Correte of a person of 46 lass: which service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (w) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Built up property, built on portion of plot No. J-1/10, area 118/1/18, Sq. Yds. situated at Krishan Nagar, Vill. Ghaundli, Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissione: of Income-tax
Acquisition Range III
Delhi/New Delhi

Date: 9-9-1985

Scal:

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE, 4|14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 10th September 1985

Ref. No. IAC[Acq. III|SR-IV|1-85|1417.---Whereas I,

SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (descinates described to see the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Ra. 1,00,000|- and bearing
No. 1-1/10 Area situated at Krishan Nagar, Villa Ghaundli,
lliaga, Shahdara, Delhi-51

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer New Delhi on January, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the proper y as aloresaid exceeds the apparent consideration merefor by more than aftern per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to retween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay any under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; سد / اسمه
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other amets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act. I hereby initiate proceedings for the nequilation of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely the said act to the following persons.

- (1) 1. Smt. Kusum Talwar w/o Sh. Jagdish Talwar, 2. Smt. Suman Sehgal w/o Sh. Kanwai Narain
 - Sehgal Sengat,

 3. Smt. Kamal Mehra w/o Shri Jawahar Krishan Mehra all r/o 23, Block-A, Ring Road, Lajpat Nagar, IV, Part-II, New Delhi,

(Transferor)

(2) Sh. Baldev Raj s/o Shri Jiwan Das, r/o A-4/9, Krishan Nagar, Delhi (2) Yash Pal s/o Shri Ramji Dass R/o 6, South Anar Kali, Extn., Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty many be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from n d to of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from he date of the publication of this notice in the Official Gazette.

PAPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDING

Built up property built on portion of Plot N. J-1/10, Area 118-1/18 sq. yds. situated at Krishan Nagar, Village Ghaundli, Illaga Shahdara, Delhi-51.

SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range III.
Delhi/New Delhi

Date: 10-9-1985

FORM (TNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE, 4/14-A. ASAF ALI ROAD. NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC|Acq III/SR-IV/1-35/1418.-Whereas I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. J-1/10. Vill. Ghaundli, Krishan Nagar, situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer New Delhi on January, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

94-296 GI 85

(1) 1. Smt. Kusam Talwar w/o Sh. Jagdish Talwar, 2. Smt. Suman Sehgal w/o Sh. Kanwal Narain

Sahgal,

3. Smt. Kamal Mehra w/o Sh. Jawahar Krishan Mehra, r/o A-23, Ringh Road, Lajpat Nagar-IV, Part II, New Delhi. (Transferor)

(2) Shri Bharat Parkash Chopra
 s/o Sh. Bal Kishan Chopra,
 r/o A-1/12, Krishan Nagar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Built up property, built on Eastern portion of plot No. J-1/10, area 118-1/18, sq. yds. situated at Krishan Nagar, Vill. Ghaundli, Delhi.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range III Delhi/New Delhi

Date: 9-9-1985

PART III-SEC. 1

FORM ITNS-

(1) Smt. Asha Gubrailey woo Shri D. C. Sharma, Santosh Rastogi woo Sh. K. R. Rastogi, r/o C-7, 5, Modal Town, Delhi.

(2) Sh. N. K. Kaushik s/o Sh. R. N. Sharma, R.o H-12. Chander Nagar, Delhi-151.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th September 1985

Ref. No. IAC|Acq-III|SR-IV|1-85|1420.—Whereas I, SUNIL CHOPRA.

SUNIL CHOPRA, using the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'stid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing No. 167-B, Block G, Kh. No. 1076/5/2/921, Dilshad Colony, situated at Delhi (and more Sellis Accepted in the School of the Colony of the colony

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer

New Delhi in January, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. andior
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, meretore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforeanid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 day from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the saids Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Builtup bearing Plot No. 167-B, Block-G, land measuring 175 sq. yds., Part of Khasra No. 1076/5/2/921 situated at Vill. Jhilmil Tahirpur, Colony known as Dilshad colony, Delhi-32.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range III Delhi/New Delhi

Date: 12-9-1985

Seul :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th September 1985

Ref., No. IAC/Acq-III/SR-IV/1-85/1419.—-Whereas I, SUNII. CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Plot No. J-1/10, Krishon Nagar, situated at Delhi and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer

New Delhi on January, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) faculirating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance or Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the effects of property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Smt. Kusum Talwar w/o Sh. Jagdish Talwar,
 Smt. Suman Sehgal w/o Sh. Kanwal Natain Sehgal.
 - Smt. Kamal Mehra w/o Shri Jawahar Krishan Mehra, all r/o A-23, Ring Road, Lajpat Nagar, IV, Part-II, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Krishan Lal s/o Sh. Jiwan Dass, r/o 77, South Anar Kali, Extn., Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Built up Property, built on Western portion of plot No. J-1|10, area 118-1|18, sq. yds. situated at Krishan Nagar, Vill. Ghaundli, Dèlhi-51,

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range III
Delhi/New Delhi

Date: 13-9-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Malcha Marg, Diplomatic Enclave, N. Delhi. (Transferor)

(2) Mrs. A. Leela Sector JII/567, R. K. Puram, New Delhi,

(1) M/s. Oxford Engineers P. Ltd. 18/48, Commercial Complex,

(Transferco)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq. III/37EE/1-85/744.—Whereas I,

SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]—and bearing No. 302, 20, Yusuf Sarai, New Delhi situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer I.A.C. ACQ. III, New Delhi on January, 1985 for ma apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds' the apparent consideration therefor by more 'han fifteen per cent of such apparent consideration more han fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of kransfer with the object of-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

Flat No. 302, 3rd floor in 'Oriental Apartments' 20-Yusaf Sarai, New Delhi. Area 404.51 sq. ft.

> SUNTL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tay Acquisition Range II Delhi/New Dell

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--93-286G1|85

Date: 9-9-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHJ

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. JAC/Acq. III/37EP/1-85/745.—Whereas I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding Es. 1,00,0001- and bearing

Rs. 1,00,000 and bearing.
No. 311, 19-Yusaf Sarai, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer I.A.C. ACQ. III, New Delhi on January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

I.A.C. ACQ. III, New Delin on January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by the more than fifture per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of paneler with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said. Act, I hereby initiate proceedings for the asquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Bombay Builders (India) (P.) Ltd., 18/48, Commercial Complex, Malcha Marg, Diplomatic Enclave, N. Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. S. Jatinder Singh, 14-New Double Storcy Extr., Lipat Nagar-IV, N. Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 4° days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 311, 3rd floor, in 'Oriental Apartment' 19-Yusaf Sarai, Community Centre, N. Delhi. Arca 405.87 sq. ft.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range III
Delhi/New Delhi

Date: 9-9-1985

Seal 1

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE VICOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.-III/37EE/1-85/746.—Whereas I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No.

and bearing No.
No. 901, 6, Rajindra Place, Pusa Rd., situated at New Delhi tand more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred under the registration Act, 1961 (43 of 1961) in hie Office of the registering Officer

has been transferred under the registration Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the registering Officer I.A.C. ACQ. III, New Delhi on January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay an under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-aix Act 1957 (27 of 1957);

Sh. Chander Mohan Gupta,
 So Sh. Arjun Dass Gupta,
 1/9, East Patel, Nagar, N. Delhi.

(Transferor)

Smt. Sarla Aneja,
 w|o late O. P. Aneja,
 E-85, Kirti Nagar, N. Delhi.

(Transferee)

(3)M|s. Navapan India Ltd. 901, 6, Rajindra Place, New Delhi.

(Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said ACL shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 901, 6, Rajindra Place, Pusa Road, Uew Delhi-15, Area 570 sq. ft.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range III
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, i hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Date: 9-9-198

FORM ITNS

 Mr. Ravindra Kumar s/o Shri Laxman Swarup, 34, Nehru Bazar, Paharganj, New Delhi-55.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Gurdeep Singh Bedi, s/o T. S. Bedi, 209, Golf Links, New Delhi-3.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.-III/37EE/1-85/747.--Whereas I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereisafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing
No. 324, 9, Bhikaji Cama Place, situated at New Delhi

No. 324, 9, Bhikaji Cama Place, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer

of 1908) in the Office of the registration Act, 1908 (1908) in the Office of the registering Officer I.A.C. ACQ. III, New Delhi on January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fall market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as affected exceeds the apparent consideration therefor by more than inferen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :----

(a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957, (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 321, Third floor, 9, Bhikaji Cama Place, New Delhi. Area 320 sq. ft.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range III
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 9-9-1985

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDLA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITIO RANEE III AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.-III/37EE/1-85/748.—Whereas I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

No. B-31 Plot No. 1, Old Rohtak Road, situated at Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 (43 of 1961) in the Office of the

I.A.C. ACQ. III, New Delhi on January, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evanion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Roopa Construction (P) Ltd., GL-4, Ashoka Estate 24, Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Vijay Laxmi Gupta, w/o Sh. Gian Chand Gupta, No. 6, Jor Bagh, Market, N. Delhi.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Busement B-31, Plot No. 1, Old Rohtak Road, Delhi, Area 275 sq. ft.

Inspecting Assista

Date: 9-9-1985

Scal :

(1) M/s. P. S. Jagpal & Sons (H.U.F.), J-4, Green Park, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Shakte Chem, 1130, Rang Mahal, Delhi-6.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITIO RANEE III AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.-III/37EE/1-85/750,-Whereas, I. SUNIL CHOPRA,

being the Competent Au hority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000]- and bearing No. Flat No. 9 'B', K-84, Green Park, situated at New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act. 1908(16 of

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

I.A.C. ACQ. III, New Delhi on January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said amoreovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer: and for

THE SCHEDULE

Flat No. 9 'B' on IInd floor measuring 600 sq. ft. in the under construction building at K-84, Green Park, N. Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SUNIL CHOPRA Competent Authority inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range III Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

Date: 9-9-1985

Scal:

95-296 GI 85

FORM IINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX AC?, 1961 (43 OF 1961) ACQUISITIO RANEE III AGGARWAL HCUSF, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq. Il1/37EE/1-85/751.—Whereas I. SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the to as the 'said Act)', have reason to believe that the immovable preperty, having a fair ourter value exceeding Rs. 1,00,000; and bearing No.

No. 203, Plot No. 6, Kaushalya Park, Hauz Khas, situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been ransferred under the Income fax Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ, III, New Delhi in January, 1985 for an apparent consideration which is less that the fair

market value of the officer ad property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesall exceeds to a control tons decado therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration to so is transfer a spreed to between the parties has not been the stated in the said instrument

some with the object of .-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to my tax under the said Act, in nergy of the control of the frage of the figure for and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the data a income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or he data and he Wealth-tax Act, 1987 and of the state of the wealth-tax Act,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) M/s. Kaushalya Educational Trust, through Vivek Kapur presently at 11/4B, Pusa Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. Sharad Rao 204, Raja Ram Mohan Roy Road, Bombay-4.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 203, unit I, at first floor, in buildin in plot No. 6, Kaushalya Park, Hauz Khas, New Delhi.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range III Delhi/New Delhi

Date: 9-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITIO RANEE III AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq. III/37EE/1-85/752.—Whereas I, SUNIL CHOPRA,

mang the Competent Authority under Section 269B of the 'ncome-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to is the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Plot No. 6, Kaushalya Park, Hauz Khas, situated at New

Delhi

fand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been ransferred under the Income Tax Act, 1961 (43) has been ransferred under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ, III, New Delhi

in January, 1985 in January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said enument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; usid /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice ander sub-lection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-

ing penions, namely :---

(1) M/s. Kaushalva Educational Trust through Sh. Vivek Kapur, now at 11/48, Pusa Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. Sharad Rao, 204, Raja Ram Mohan Roy Road, Bombay-400004.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of bubbleauton of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Barsati floor situated in building in plot No. 6, Kaushalya Park, Hauz Khas, New Delhi. Area 880 sq. ft.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range III. Delhi/New Delhi

Date: 9-9-1985

Scal:

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Sh. Anoop Malik D-21, Panchsheel Enclave, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Anita Bhatia, E-160, Greater Kailash-II, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITIO RANEE III AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq. III/37EE/1-85/753.—Whereas I, SUNIL CHOPRA,

using the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (he/einafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value enceeding Rs. 1,00,000[- and bearing

Shop No. 30, Masjid Moth, situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been ransferred under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ, III, New Delhi in January, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aioresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability at the transfer to pay tax under the said Act, in respect or any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act; 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the isue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetto.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, all have the same meaning as given in at Chapter.

THE SCHEDULB

Shop No. 30, Masjid Moth, CSC, New Dolhi. Area 10.96 Mtr.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range III
Delhi/New Delhi

Date : 9-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE III ' AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/1-85/754.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA.

being the Competent Authority under section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000j- and bearing No. 101, 1, Kaushalya Park, Hauz Khas situated at New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ. III.

New Delhi in January 1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeand exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s Surya Enterprises (P) Ltd, L-34, Kirti Nagar, New Delhi-15.

(Transferor)

 M/s Shanti 'India' P. Ltd.
 Ya-hwant Place, Chanakyapuri, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 101, on first floor, One Kaushalya Park, Hauz Khas, New Delhi, 1406 sq. ft.

SUNIL CHOPRA
Competent Au hority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range III, Delhi/New Delhi

Date: 9-9-1985

Gral :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE "COME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE III
AGGARWAL HOUSE. 4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC|Acq.III/37EE/1-85|755.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market, value exceeding

property, having a fair market, value exceeding Rs. 1,00.000]- and bearing No. A-314, 3 Bhikaji Cama Place, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), ha; been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C ACQ, III, New Delhi in January 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the advanced consistent and I have reason to

for an apparent consideration which is less than the fair marker value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arming from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the pull Act, or the Wealth-tax Act (95/ (27 of 1957);

(1) Mrs. Amrit Sain & Dr. (Ms) Kanwal Hazuria, E-14, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. O. P. Bhalla & Mrs. S. Bhalla, G-15, Janapura Extn., New Delhl.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Olhcial Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A-314, on 3rd floor in 3 Bhikaji Cama Place, New Delhi. Area 294 sq. ft.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range III, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiale proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Karanjit Singh, 70, Regal Bidg, New Delhi,

(Transferor)

(2) Smt. Usha Nanda R/o Y-44, Hauz Khas, New Delhi

(Transferec)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE III AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALL ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/1-85/756.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000], and bearing

No. 202, R-1, Hauz Khas, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C ACQ, III, New Delhi in January 1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforciald property and I have reason to

believe that the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exseeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in variting to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the strvice of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazett.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) racilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said ct. I hereby in tiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under sub-retion (1) of Section 269D of the said Act, to the following ersons namely:—

THE SCHEDULE

Flat No. 202, R-1, Hauz Khas, New Delhi. Atea 872, sq. ft.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range III, Delhi/New Delhi

Date: 9-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE III AGGARWAL HOUSE, 4/14-A. ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/1-85/757.—Whereas, I. SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 5, Kaushalya Park, Hauz Khas, situa ed at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ. III,

New Delhi in January 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269C of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Kaushalya Education Trust, through its Shri Vivek Kapur, Trustee, r/o Arpana, Madhuban, Karnal in the State of Haryana.

 (Transferor)
- (2) Shri Ashok Kumar Jain, S/o Shri R. S. Jain, flat No. 101, Ground floor, 5, Kaushalya Park, Hauz Khas, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same measure as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Barsati flat No. 402, admeasuring 698 sq. ft. along with staircase and terrace admeasuring 106 sq. ft. and 930 sq ft. respec vely on the top floor of the building at 5, Kaushalya Park, Hauz Khas, New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range III, Delhi/New Delhi

Date: 9-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE UI
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALT ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/1-85/758.--Whereas, I, SUNIL CHOPRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 205, 15 Rajind a Place, New Delhi situated at New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ, III, New Delhi in January 1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely 96—296 GI|85

- (1) Smt. D. S. Gandhi, W/o Shri S. N. Gandhi, r/o E-1/166, Arora Colony, Bhogal-562016, M.P. (Transferor)
- (2) Mr. Sanjay Chaudhary S/o Shadilal Chaudhary, C-108, Rajendra Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period empires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this potice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used been as are defined in Chapter XXA of the and Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 205, (321 sq. ft.) on 2nd floor. In Kirtimahal, 19. Rajindra Place, New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range III, Delhi/New Delhi

Date: 9-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE III AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DFLHI

New Delhi, the 9th September 1985

Rcf. No. IAC/Acg.III/37EF./1-85/759.—Whereas, I, SUN!! CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

No. B-408 at 5, Bhikaji Cama Place, situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the I.T. Act. 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ. III, New Delhi in January 1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, tramely:—

(1) Farid Ahmad Siddiqui, D-5/2, Vasant Vihar, New Delhi-57.

(Transferor)

(2) Smt. Shakuntla Dalal & Shri Sandeep Dala Soo H-203, Sam Vihar, R. K. Puram, New Delhi-22.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undehsigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

B-408, at 5, Bhikaji Cama Place, New Delhi-66. Area 270 sq. ft.

SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Date: 9-9-1985

FORM ITNS----

(1) Karanjit Singh, 12, Regal Bldg., Parliament Street, New Delhi-L.

(Transferor)

(2) Ramesh Chander Khurana. H-56, Kirti Nagar, New Delhi-15.

(Transferce)

NOTICE UNDLR SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

kef. No. IAC/Acq.III/37EE/1-85/760.-Whereas, I. SUNII. CHOPRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to it the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. 402, R-1, Hauz Khas, situated at New Delhi, (and more fully described in the Schedule anexed hereto) have been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ, III. New Delhi in January 1985,

for an apparent consideration which it less than the fair value of the aforesaid property, and market have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

-) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein ... are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Flat No. 402. R-I, Hauz Khas, New Delhi. Area 1000 sq. ft.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range III, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforeseid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely— 94-286GI|85

Date: 9-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ACQUISITION RANGE III AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/1-85/761.—Whereas, I, SUNII. CHOPRA. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter refer-

red to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

007, 5, Bhikaji Cama Place, situated at New Delhi, and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred under the I.T. Act. 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ. III.

New Delhi in January 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such appa ent consideration and that the consideration of such transfer as agreed to between the parties has not been truly states' in the said instrument of transfer with the object of ---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the paid Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Acr. 1957 (27 et 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely:--

(1) Mrs. Sarla Bhatia, A-6, N.D.S.E. Part-I, New Delhi-49.

(Transferor)

(2) Mr. Rohit Vohra, S/o Shi R. C. Vohra, L-57, Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - THE LETTER AND EXPLOSIONS used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given haoter.

THE SCHEDULE

Basement No. 007, 5, Bhikaji Cama Place, New Delhi.

SUNIL CHOPRA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range III, Delhi/New Delhi

Date: 9-9-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Kaushalya Education Trust, through its Trustee Shri Vivek Kapur, R/o 11/4-B, Pusa Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Lt. Col. J. B. Kuchhal, r/o 108, Basant Enclove, New Delhi-57.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE III
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/I-85/762.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding No. Unit 'B' Flat No. 102, Bldg. No. 6, Kaushalya Park, situated at Hauz Khas, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ. III.

to an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Basement of Unit 'B' (Flat 102) of building No. 6, Kaushalya Park, Hauz Khos, New Delhi. Area 830 sq. ft.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range III, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-9-1985

Seai :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE III AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/1-85/763.—Whereas, 1, SUNIL CHOPRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 f- and bearing No. Unit Λ. Flat 101, Bldg. No. 6, Kaushalya Park

situated at New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ, III, New Delhi in January 1985, for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Kaushalya Educational Trust, through its Trustee Shri Vivek Kapur R/o 11/4-5, Pusa Road, New Delhi.

(Transferor

(2) J. S. Kuchhal (HUF) through its Karta Lt. Col. J. B. Kuchhal R/o 108, Basant Enclave, New Delhi-57 (Transferee

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Basement of Unit A (Flat 101) of Building No. 6, Kaushalya Park, Hauz Khas, New Delhi. Area 685 sq. ft.

SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range III, Delhi/New Delhi-

Date: 9-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Shri Nitin Kumar Shah, 13/19, Shakti Nagar, Delhi-7.

(Transferor)

(2) Smt. Shanta Ban Patel, E-47, Jawahar Park. Luxmi Nagar, Delhi-92.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE III AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985 -

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/1-85!764.—Whereas, I. SUNIL CHOPRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. G-58, Gujrat Co-operative Housing Society Ltd., situated at Dalki 02

situated at Delhi-92.

(and more fully described in the Schedule annexed herete) has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ. III,

New Delhi in January 1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable preparty within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. ned/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the indian Income-tex Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weekth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Vacant Residential Plot No. G-58, Gujrat Co-operative Housing Society Ltd., Delhi-92.

THE SCHEDULE

SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range III, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subjection (1) Section 269D of the said Act, to the following огнова, павооју :--

Date: 9-9-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) UF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE III AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/1-85|765.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000|- and bearing H. No. 2, Rd. No. 25. Punjabi Bagh Extn., fix No. 2, Rd. 10. 25. in Injury Baga Latin, situated at New Delhi. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ. III, New Delhi in January 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

(1) Smt. Suprem Bansal, r/o 1/15-B, Lajpat Nagat-II, New Delbi.

(Transferor)

(2) Shri Ramesh Dua, r/o 457, Riabi Nagar, Shakur Basti, Delbi.

. __ _

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as green in that Chapter.

THE SCHEDULE

I and measuring 199.42 sq. ft. bearing House No. 2, Road No. 25, situated in Punjabi Bagh Extn., New Delhi.

SUNII, CHOPRA Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range III, Delhi New Delhi

Date : 9-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. JAC/Acq.III/37EE/1-85/766.—Whereas, J, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

sthe 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. D-8, Westend Colony, situated at New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the L.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ. III, New Delhi on January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration more than officen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and or
- (b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-tection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

97-296 GI|85

(1) Yashwant Kumar Sethi, S/o Sh. Ramchandra Sethi, R/o F-98, Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sudershan Kumar Kohli & Kum Kum Kohli, R/o 14, Palam, Marg, Vasant Vihar, New Delhi.

(Transferce)

(3) M/s. Premier Traders D-8, Westend Colony, New Delhi.

(Persons (s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given for that chapter.

THE SCHEDULE

D-8, Westend Colony, New Delhl.

SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III New Delhi

Scal

Dato: 9-9-1985

FORM ITNS----

(1) M/s. Rishi Pal Properties (P) Ltd., 704. Pragati Tower, Rajendra Place. New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sadrar Ravinder Singh Sawhney, J-162-A, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD **NEW DELHI**

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/1-85/767.—Whereas, J. SUNIL CHOPRA.

Ref. No. IAC/Acq.III/3/EE/1-63/107.—Whereas, J. SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'). have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 201, NWA, Punjabi Bagh, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ. III,' New Delhi in January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 201, 2nd floor, 3 NWA, Punjabi Bagh, New Delhi,

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 9-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/1-85/768.--Whereas, I. SUNIL CHOPRA.

being the Competent Authority under Section 269 of the Income-tar. Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

Basement 5

situated at 6, Bhikaji Cama Place, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ. III, New Delhi in January, 1985

for an apparent consideration which is, less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any incoms arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Commandar G. S. Gupta and Miss Sumati Gupta
 R/o D-110, Defence Colony, New Delhi,

(Transferor)

(2) Mrs. Satya Gupta W/o Cdr. G. S. Gupta and Miss Sumati Gupta d/o Cdr. G. S. Gupta, R/o D-110, Defence Colony, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Basement No. 5 in 6 Bhikaji Cama Place, New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
New Delhi

Date: 9-9-1985

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE. 4/14-A. ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 10th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/1-85/769.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the im-

movable property, having a fair market value exceeding Rs 1.0),000/- and bearing
No. C.10, Panchshila Enclave, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ. III, New Delhi in January, 1985

New Delhi in January, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been ruly stated in the said instrucent of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) S. K. Bhattacharyya, C/o Sh. P. R. Khanna, Partner Khanna & Annadhanam, Chartered Accountants, 706-606 Akash Dass, Barakhamba Road, New Delhi-110001.

(Transferor)

(2) Sh. Jai Singh Mehta, C/o M/s. S. S. Kethari & Co., 9-A, Atma Ram House, 1, Tolstey Marg, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- i(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. C-70, Panchshila Enclave, New Delhi.

SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the storesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 10-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

FICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Rcf. No IAC/Acq.III/37EE/1-85/770.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reterred to as the Said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Kiosk UGK-11

situated at Upper Ground floor at 5, Bhikaji Cama Place, New Delhl.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ. III,

New Delhi in January, 1985

New Delhi in January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Som Datt Builders Pvt. Ltd., 56, Community Centre, East of Kælash, New Delhi-65.

(Transferor)

(2) Mrs. Savitri Bajaj & Mr. Dinesh Chander Bajaj, E-57, Anand Niketan, New Delhi-51.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any ofner person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Kiosk No. UGK-11, on Upper Ground floor at 5, Bhikaji Cama Place, New Delhi,

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
New Delhi

Date : 9-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Mrs. Santosh Chandra, HS-3, Kailash Colony Colony. New Delhi-48.

(1) Som Datt Builders Pvt. Ltd., 56. Community Centre, East of Kailash. New Delhi.

(Transferor)

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III.

AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/1-85/771.--Whereas, I. SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

Kio k No. UKG. 8

situated at on upper ground floor at 5, Bhikaji Cama Place,

New Dalhi.

New Defin.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ. III,

New Delhi in January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following. persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Kiosk No. UKG-8 on Upper Ground floor at 5, Bhikafi Cama Place, New Delhi.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III New Delhi

Date: 9-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/1-85/772.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. UKG-9,

UKG-9, situated at 5. Bhikaji Cama Place, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ. III, New Delhi in January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration are that the consideration for such transfer as agreed to betand that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Som Datt Builders Pvt. Ltd., 56, Community Centre, East of Kallash, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. K, S. Ahlwat & Mrs. Savitri Ahlawat, Flat No. 404, B-Block, Som Vihar, R. K. Puram, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undehsigned :-

- (a) by any of the aloresald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Ciazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter NXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Klosk No. UKG-9 on Upper Ground floor at 5, Bhikaji Cama Place, New Delhi Approx. Area 56 Sq. ft.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III New Delhi

Mow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said set. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subsetion (1) of Section 269D of the said Act to the following ersons, namely:--

Date: 9-9-1985

(1) Smt. Bimala Devi, 685, Mohalla Sheesh Mahal, Teliwara, Delhi.

(Transferor)

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Dwarka Nath Bansol & Smt. Rama Bansal, 383, Gagan Vihar, Delhi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

New Delhi, the 11th September 1985

Ref. No. JAC/Acq.III/37EE/1-85/773.—Whereas, I. SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00 000|- and bearing
No. A-64, Preet Nagar Co-op House building society Ltd.,

situated at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961), in the Office of the I.A.C. ACQ. III, New Delhi in January, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as narread to between the portion has not been table stated in as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising (rem the transfer: and /or

THE SCHEDULE

Vacant residential plot No. A-64, measuring 150 sq. yd9 in preet Nagar Co-op House building society Ltd., Delhi

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be Jisclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1937 (27 of 1957);

SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Jucome-ta Acquisition Range-II New Delh

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aroresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namicly :---

Date: 11-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Kaushalya Educational Trust through Sh. Vivek Kapur trusice presently at 11|4, B, Pusa Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Ashok Kumar Garg, 20, Babar Road, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14 A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/1-85/774.—Whereas, I. SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000|- and bearing No. 401, Unit 'G' at 5, Kaushalya Park, situated at New Delhi. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C ACQ. III, New Delhi in January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fore market the state property as inforcesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the same property may be made in writing to the undersigned .--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of thus notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the ourposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax act 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :-

THE SCHEDULE

Flat No. 401, Unit 'G' at Hnd floor at Building No. 5,4 Kaushalya Park, Hauz Khas, N. Delhi, 1500 Sq. Ft.

SUN'L CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Ra ge-IIL New Delhi

Date : 9-9-1985

Seal :

98-296 GU85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1941 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIST A COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQU SITION RANGE-III, AGGARWAL HOUS ASAF ALI ROAD **NEW DELHI**

New Delhi, the 10th September 1985

Ref. No JAC/Acq.III/37EE/1-85/774-A.-Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 249B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1 00 000 - and bearing No. D-245, Sarvodya Enclave

situatod at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A C ACQ. III,

New Delhi in January. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in revert of any income arming from the transfer: and or
- (b) racilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid poperty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Om Parkash Bansal, Kashan Ganj, Pilakua UP.

(Transferor)

(2) Smt. Seola Devi Jain, W.o Sh. A. K. Jain, 3916. Jain Bhavan, Near Jagat Cinema, Delhi-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period experes inter;
- (b) by any other person interested in the said sameable property, within 45 days from the date of the problication of this notice in the Otheral Gazotte.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

D-243, Sarvodya Enclave, New Delhi Approx. 1100 Sq.

Delhi/New Delhi Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acqui tion Ra g III Delh New Delhi

Date : 10-9-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQU SITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14 A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/1-85/775.—Whereas, 1. UNIL CHOPRA,

he Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred o as the said Act.) have reason to believe that the imageible property, having a fair market value exceeding ls. 1,00,000 and bearing No. 102, Plot No. 22, Community Centre, Yusuf Sarai,

No. 102, Plot No. 22, Community Centre, Yusur Sarai, situated at New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ. III, New Delhi in January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property and I have the same aforesaid expects, the apparent consideration therefor by as aforesaid exceeds the apparent consideration ther for by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act to respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought a be disclosed by the ran-feree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Bhanot Properties & Industries Ltd., 102-103, Raja House, 30-31, Nehru Piace, New Delhi-19.

(Transferor)

(2) Hemant Chopra, B-4/, Amar Colony, Lajpat Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immov able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 102, having approx. super area 344 sq. ft. on Ist F'oor of building to be constructed on plot No. 22 Community Centre, Yusuf Sarai, New Delhi-16.

> SUN'L CHOPRA Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissione of Income-tax Acquisition Ra' g'-II' New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiat procedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said. Act to the following persons, namely :-

Date: 9-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14 A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/1-85/776.--Whereas, I. SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

No. 204. Plot No. 21, Yusfu Sarai, Community Centre.. situated at New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ, III,

New Delhi in January, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent coansideration therefor more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) factitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay eax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of he storesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) M/s. Saket Properties (P) Ltd., C-538, Defence Colony, New Delhi-24.

(Transferor)

(2) 1. Sh. Vivek Jain Sn. vivek Jain
 Sh. Surinder K, Jain, R/o 36, Ashok Park, New Rohtak Road, N. Delhi
 Mast. Monu Kumar
 Mast. Tanuj Kumar U/G Sh. S, Kumar, K-15, N.D.S.E.-II, New Delhi-49.

(Transièree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as give in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 204, Area 378 sq. ft. at Plot No. 21. Yusuf Sarai, Community Centre, New Delhi-16.

> SUNIL CHOIRA Competent Authority Inspecting Assistant Commission of Income-lax Acquisition Range-III New Delhi

Date: 9-9-1985

FORM IINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RAINGE-III, AUGAKWAL HUUSE 4/14 A, ASAF ALI KUAD. NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.-III/37-EE/1-85/777.—Whereas, I. SUNIL CHUPKA,

being the Competent Authority under section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value excedeing Rs. 1,00,000|nd bearing No. 201, Plot No. 21, Yusaf Sarai Community Centre, situated

at New Duhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ.-III, New Delhi in January, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than firtuen per cent of such apparent consideration and that the commideration for such transfer as agreed to between the parties has no, been truly stated in the said instrument to transfer with the object of :—

(1) Mr. Satish Sood, H-9. South Extension, Part-I, New Delhi.

(Transferer)

(2) Mr. Kailash Nath Sood, H-9, South Extension, Part-I, New Dethi.

(Transferet)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undertegues :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this active in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said im vable property within 45 days from the date the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the wid Act, shall have the same meaning as given to that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, to respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

50% of flat No. 201, Area 214.50 eq. ft. Plot No. 21, Yusaf Sarai Community Centre, New Delhi-16.

THE SCHEDULE

SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road. Delhi/New Delhi.

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 9-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III. AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI RUAD. NEW DELHI

New Dolhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.-III/37-EE/1-85/778.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (here nafter referred to as the said Act.) have reason to believe that the im-Rs. 1,00,000|- and bear ng
312 Shivlok House No. I, A/2, Milan Cinema Comm. Com-

prex. situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Income Tax Act. 1961 (43 of 1961) in the Office of the LAC ACQ-III, New Delhi in January, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair for an apparent consideration which is iess than the improperty and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitten per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties his not been truly stated in the mid instrument of trainifer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not be nor which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore is pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 249D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Dr. Vikash C. Kas..apay, J-212, Saket, New De.hi.

(2) Mohd. Shahid, S. o. Sh. Abdul Majid, R. o. 7464, Quresh Nagar, Bari Masjid Road, Sadar bazar, Delhi-6.

(Transferod)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persona, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sa'd immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

312, Shivlok House No. I, A/2, Milan Cinema Commercial Complex, New Delhi. Super Area 320 sq. ft.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-III, Aggarwal Hou c. 4/14-A, A af Ali Road, Delhi/New Delhi.

Date: 9-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III. AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.-III/37-EE/1-85/779.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

the Incompetent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1951 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immuvable prope to having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing.

No. C-219, Anand iV har Delhi (and more fully desc ib d in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the In ome Tax Act. 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ.-III, New Delhi in January, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-Thent of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; MINT OF
- (b) facilitating the concealment of any income or any nyonevs or other assets which have non been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Westh-tax Act. 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) o Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Sh. P. N. Bhalla, 30 2. Pan Darlba, Char Bagh, Lucknow.

(Transferor)

(2) Smt. Sneh S arma, W. o. Sh. O. P. Sharma, C-14, Anand Vihar, Delhi-92.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersighed :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given m that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant residential Plot No. C-219, Anand Vihar, Delhi-92.

SUNIL CHOPRA Conjecting Assistant Commissioner of Incom tax Acquisition Range-III. Aggarwal Hou e, 4/14-A, Araf Ali Road, Delhi/New Delhi.

Date: 9-9-1985

(1) M/s. Ashoka Builders & Constructors E-2/6, Jhandewalan Extn., New Delhi-5.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(i) OF IHE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Raj Kumar Ahuja, 17/4, Nars.ng Pu am Street,

Mount Road, Madras-600 002.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

UN FICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

Objections, if any to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned :-

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.-III/37-EE/1-85/780.--Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Flat No. 2-A at ground floor, situated at B-5, Rajendera Park,

Pu a Road, New Delhi.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ.-III, New Delhi in January, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aroresaid property and I have reason to oclieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the purties has not been truly stated in the said instrument of gransfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immóvable property, with n 45 days from the date o' the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

'a) facilitating the reduction or evasion of the liability respect of any income arising from the transfer: of the transferor to pay tax under the said Act. in

THE SCHEDULE

Flat No. 2-A at ground floor. 8-5, Rajendra Park, Pusa Road, New Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Aggarwal Hou e, 4/14-A, And Ali Road, Delhi/New Delhi.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (I) of Section 269D of the said Act, to the following MITTORIA, DRINGLY :---

Date: 9-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Ansal Properties & Industries (P) Ltd., 115, Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) Miss Ranjita Chandra, 15, Gurdwara Rakab Ganj Road, New Delhi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAI ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.-JII/37-EE/1-85/781.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing

Flat No. 701-A situated at 6 Bhikaji Cama Place, New

Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income Tax Act. 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ.-III, New Delhi in January, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

(a) facilitating the reducion or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income using from the transfer: eed /or

(b) facilitating the concealment of any income or any ranneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the !!owing persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given is that

THE SCHEDULE

riai No. 701-A in 6 Bhikaji Cama Place, New Delhi.

SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Roud, Delhi/New Delhi.

Date : 9-9-1985

Scal:

99-296 GI|85

(1) Ansal Properties & Industries (P) Ltd., 115, Ansal Bhawan, 16 K. G. Marg, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Miss Runita Chandra, 15, Gurudwara Rakab Gang Road, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.-III/37-EE/1-85/782.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing 701 in Bhikaji Cama Place, New Delhi, situated at

New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income Tax Act, 1961 (43) of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ.-III, New Delhi in January, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 day, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 701, in 6 Bhikaji Cama Place, New Delhi.

SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road, Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

Date: 9-9-1985

FORM I.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Mrs. Charanjit Kaur and Mrs. Gulvinder Kaur, R-211, Greater Kailash-I, Kailash-I. New Delhi.

(2) Som Datt Builders (P) Ltd.,

56, Community Centre, East of Kailash, New Delhi,

(Transferee)

(Transferer)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III. AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.-III/37-EE/1-85/783.--Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Lucome-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 158,Bldg. No. 9 at Bhikaji Cama Place, situated at

New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ-III, New Delhi in January, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consinderation theregfor by more than tifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Westith-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the and Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 158, in Bldg. No. 9, Bhikaji Cama Place, New Delhi, area Approx. 166 sq. ft.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road, Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the election (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 9-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.-III/37-EE/1-85/784.--Whereas, 1, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act; 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Space No. 3 & 4, 2-A, Bhikaji Cama Place, situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the l.A.C. ACQ.-III. New Delhi in January, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in espect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-ta-Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons namely:-

(1) M/s. Kailash Nath & Associates, 1006 Kanchanjunga 18, Barakhamba Road, New Delhi-1.

(Transferor)

1) Mast. Vaibhav Anand, C-19, Chirag Enclave, New Delhi-14.

(Transferce)(

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovlable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two open Car Parking space No. 3 & 4, in the proposed commercial complex ALPS 2-A, Bhikaji Cama Place, New Delhi.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road, Delhi/New Delhi.

Date: 9-9-1985

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMES-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.-III/37-EE/1-85/785.-Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. 610, Gagandeep, 12, Rajendra Place, situated at New Delhi-8

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the LA.C. ACQ.-III, New Delhi in January, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apperent consideration therefor by more than fifteen por cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer;

b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

(1) Mrs. Cinia Devi, 34, Pusa Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. A. Duggal & Mr. Pradeep Mehra, 29-A, MIG Plats Rajouri Garden,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

610, Gagandeep, 6th floor 12, Rajindra Place, N Area 395 sq. ft.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road, Delhi/New Delhi.

Date: 9-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.-III/37-EE/1-85/786,---Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

KP/339, situated at Pitampura, Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ.-III, New Delhi in January, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Ast, to the fellowing persons namedy:—

(1) Shri Kherati Lal Lamba, S/o. Late Sh. M. L. Lamba, R/o. A-1/243-B, Lawrence Road, Delhi.

(2) Shri Sant Ram Chawla, S/o. Sh. Nanak Chand Chawla, R/o. 8845, Shidipura, Delhi.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within period of forty five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within fortyfive days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. N. KP/339, Pitampura, Delni.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
specting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Aggarwal House,
4/14-A, Asaf Ali Road,
Delhi/New Delhi.

Date: 9-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III,

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.-III/37-EE/1-85/787.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

F.4/15, Jhandewalan Extn., situated at New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C., ACQ.-III, New Delhi in January, 1985

in January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Asoka Builders, E/2/6, Jhandewallan Exten., New Delhi

(Transferor)

(2) 1. Mr. S. K. Puri, S/0. Sh. Gurdas Puri,
2. Mrs. Usha Puri, W/0. F. C. Puri, Manoj Puri, S/0 Mr. F. C. Puri, A-24, Prahlad Market, K. Bagh, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One room and one bathroom Room No. 8, on Hnd floor at E-4/15, Jhandewalan Extension, New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Aggarwal House,
4/14-A, Asaf Ali Road,
Delhi/New Delhi.

Date: 9-9-1985

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Control of the second of the s

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.-III/37-EE/1-85/788.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961(43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. 702-A, in 6, Bhikaji Cama Place, situated at New Delhi, ford more fully described in the Schedule unnexed beyond

702-A, in 6, Bhikaji Cama Place, situated at New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income Tax Act. 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ.-III, New Delhi in January, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the objects of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—

(1) Ansal Properties & Industries (P) Ltd. 115, Ansal Bhawan, 16 K, G, Marg, New Delhi,

(Transferor)

(2) Miss. Udita Chandra, 15, Gurudwara Rakab Ganj Road, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the maderalgaed :---

- (a) by any of the aferesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 702-A. in 6, Bhikaji Cama Place, New Delhi. Area 220 sq. ft.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Aggarwal House,
4/14-A, Asaf Ali Road,
Delhi/New Delhi.
ETAOINETAOIN

Date: 9-9-1985

FORM I.T.N.S.-

(1) M/s. Pal Mohan Construction Co., 6/4792, Chandni Chowk, Delhi-6.

(Transferor)

(2) M/s. Ganga Trading Co., 47/5. Old Rajendra Nagar, New Delhi.

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX
ACQUISITION RANGE-III,
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A ASRF Ali Road,
NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.III|37EE/1-85/789.—Whereas, I. SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 209B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

Rs. 1,00,000/- and bearing No. 206, 5/67, Padam Singh Road, Karol Bagh, situated at

New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-iax Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Competent Authority at New Delhi on January 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer,

(4) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1 of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:

100-296 GI/85.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used breein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 206, 1st floor, Pal Mohan House, 5/67, Padam Singh Road, Karol Bagh, New Delhi-5 Area 103 sq. ft.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi.

Date: 9-9-1985

(1) Mr. R. K. Malik, 25/55, West Patel Nagar, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) M/s. Rishi Pal Properties (P) Ltd. 704, Pragati Tower, 26, Rajendra Place. New Delhi.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III. AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD. NEW DELHI

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expines later:

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.III|37EE/1-85/790.--Whereas, I. SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) thereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing

No. 205 Pal Mohan Apartments 3 NWA Punjabi Bagh, situated at New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the I.T. Act. 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ.III, New Delhi, on January 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein ** are defined in Chapter XXA of the said shall have the same meaning as given Agt. in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

205, Pal Mohan Apartments, 3 NWA, Punjabi Bagh, New Delhi-26 (Area 825 sq. ft.).

SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-Illa Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, (hereby initiate proceedings for the acquimition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date . 9-9-1985 Seal :

36869

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. Savitri Devi Shivlani C-112, Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Pal Mohan Construction Co.. 6/4792, Chandni Chowk, Delhi-6.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD. **NEW DELHI**

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/1-85/791.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), thereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 204, 5 NWs. Fuel of Bagh, situated at Village Madipur

New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961)

in the Office of the

I.A.C. ACQ.III, New Delhi, on January 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or they moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, ir pursuance or section 209C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herem a are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as in that Chapter.

THE SCHEDULE

204, 5 NWA, Punjabi Bagh, Village Madipur New Delhi.

SUNII. CHOPRA Competent Authoriv Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Delhi / Now Delhi.

Date: 9-9-1985

Scal:

FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD. NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. JAC/Acq.III/37EE/1-85/3-85/792.--Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
RJA-IC-6G, 101-103, 15G, 26G & 42G, 60/26, N. Rohtak
Road situated at New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act. 1961 (43 of 1961) in the Office of the

IA.C. ACQ.III, New Delhi, on January 1985 for an apparaent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid that the fair market value of the property as aforesaid. exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partis has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the I ndian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following региона патегу ::-

(1) Raj Rahul Constructors & Builde:s Pvt. Ltd., N-52-A, Connaught Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Rajender Jaina, P-Flat Sagar Apartments. 6-Tilak Marg, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said propert may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aformaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

RJA-IG-6G, 101, 103, 15G & 42G, ground floor, 60/126, Prabhat Marg, New Rohtak Road, New Delhi 1150 sq. ft.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. Delhi/New Delhi.

Date: 9-9-1985

Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVEL

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD. **NEW DELHI**

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/1-85/822.--Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 9/45, Cama Place, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the I.T. Act. 1961 (43 of 1961)

in the Office of the

I.A.C. ACQ.III, New Delhi, on January 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than follows: than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument ransfer with the object of :--

- (a) incilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Nirankari Crockery House, 3/2656, Readon Pura, Karol Bagh, N. Delhi.

(Transferor)

(2) Shri K. K. Bhatia, R/o 81/61, Safdarjung Enclave, New Delhi

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property ay be made in writing to the undersigned:—

-) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning given in that Chapter.

THE SCHEDULE

UG-45/Upper Ground Floor, 9, Bhikaji Cama Place, New Delhi Area 184 sq. ft.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 9-9-1985

Seal:

101-296GI/85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (4) OF 1861)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III. AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD. NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/1-85/3-85/840.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value execeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. 202, Unit H. Hauz Khas, 6, Kaushalya Park situated at

New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961

in the Office of the

I.A.C. ACQ.III, New Delhi, on January 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1467 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acresision of the aferessid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Ast, to the following persons, namely :--

(1) Kaushalya Educational Trust, Aparna, Madhuban, Karnal (Haryana).

(Transferor)

:) Mr. Rahul Jain & Mrs. Anjali Jain, 2. Palika Vihar, Willington Cres., New Delhi.

(Transfered

Objections, if any, to the acquisition of the said proper may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as able property, within 45 days from the date shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 202, Unit H. First Floor, 6, Kaushalya Park, Hauz Khas, N. Delhi. Area 1385 sq. ft.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi.

Date: 9-9-1985

Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD. NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/1-85/3-85/848.--Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 38/2087, Naiwala Karol Bagh, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act. 1961 (43 of 1961) in the Office of the

in the Office of the I.A.C. ACQ.III, New Delhi, on January 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in in rispect of any income arising from the transfer; and/or:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Kharaiti Lal. AP-22, Shelimar Bagh, Delhi,

(2) M/s. Perfect Auto Spares (Regd.) 1542/129, Naiwala, Karol Bagh, New Delhi. (Transferor)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

38/2087, Naiwala Karol Bagh, New Delhi, Area Ground Floor-36.62 sq. mts. First floor-19.12 sq mts.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Delhi/New Dist

Date: 9-9-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Neha Deep Construction, 1. Rajindra Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Satish Chandra Gupta, 18, Central Lanc, Bengali Market, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD. NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1985

Ref. No. AC/Acq.III/37EE/1-85/7-85/985,--Whereas, I. SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs, 1,00,000/- and bearing No. 201-301, & 401, 1, Rajindra Place, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed heigh). has been transferred under the LT. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the

I.A.C. ACQ.III, New Delhi, on January 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by morethan fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Air conditioned space No. 201, 301, 401, on Had floor, HIrd floor & IV floor respectively in the building under construction at 1, Rajindra Place, N. Delhi.

SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi.

Date: 9-9 1985

Seal !

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD. NEW DELHI

New Delhi, the 13th September 1985

Ref. No. AC/Acq.III/37EE/1-85/8-85/1021.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1.00.000/- and bearing

Rs. 1,00,000/- and bearing No. B-II/33 situated at Azad Apartment, Aurobindo Marg,

New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the T.T. Act. 1961 (43 of 1961)

in the Office of the

I.A.C. ACQ.III, New Delhi, on January 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and 1 have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and or
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which cought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mrs, R. Khanna, D-9, Hauz Khas, New Delhi-16.

 Mrs. Geeta Bhattacharji, B-11/33, Azad Apartment, Aurobindo Marg, New Delhi-16.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

B-II/33, Azad Apartment, Aurbindo Marg, New Delhi,

SUNII. CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Delhi/New Delhi.

Date: 13-9-1985

Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 GF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 16th September 1985

Ref. No. IAC/Acq/R-II/37EE/1-85/581.—Whereas, I, K. VASUDEVAN.

being the Competent Authority under sction 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-Rs. 1,00,000 /- and hearing No.

Rs. 1,00,000/- and bearing No. B-58, Gujranwala Town Part-I Delhi 241.67 sq. yds., situated

at Delhi

36876

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act. 1961 (43 of 1961) in the Office of the

I.A.C. ACQ.III, New Delhi, on January 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 andlor;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the s Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of rne aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:— Shri Krishan Lal Chh adara S/o Shanu Ram R/o A-G-587 Shalimar Bagh, Delhi,

(Transfere:

(2) (1) Shri Yashwant Kumar S/o Sh. Sunder Lal

(2) Smt. Manju Lata W/o Shri Nand Lal

(3) Smt. Anita Rani
 W/o Vijay Kumar and
 (4) Sh. Manoj Kumar

(4) Sh. Manoj Kumar S/o Sh. Sunder Lal R/o 51-E, Kamla Nagar, Delhi-7.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (2) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. B-58 Gujranwala Town Part-I, Delhi measuring 241.67 Sq. Yds.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-III,
Delhi/New Delhi.

Date: 16-9-1985

Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

me No. 10, Prabhat Road,

(Transferor)

(2) Mr. D. D. Chaphalkar, Ms. Chaphalkar Constructions, 33 Mahavirnagar, Sangli.

(1) 'Irs. Shalini Govind Gokhale, I harti Apartments,

(Transferce)

Objections, if any, so the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- ACQUISITION RANGE
 - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the some meaning as given in that Chapter.

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

106|107, Koregaon Park, PUNE-1

Pune-1, the 13th September 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|9625|1984-85.-Whereas, I, ANIL KUMAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]—and bearing No. Sub Plot No. 3 in lay out at 692 693 Pune Satara Road,

Opp. Bhapkar Petrol Pump, Punc

situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC Acqn. Range, Pune on January, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evacion of the lightly of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising frees the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Sub Plot No. 3 in lay out at 692/693 Pune Satara Road, Opp. Bhapkar Petrol Pump, Punc. (Area 5758 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the IAC, Acquisition Range, Pune, under document No. 9625|1984 85 in the month of Jan. 1985)

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:--

Date: 13-9-1985